सम्पादन मंडल......—

श्री डिप्टीमल जैन बी ए
चेयरमेन

★

श्री शिवदयाल सिंह एम ए.
प्रधान, जैन सभा

★

श्री मुनीन्द्र कुमार जैन
एम ए, बी एससी, जे डी, साहित्यरत्न

★

श्री सतीश कुमार जैन
बी ए, एलएल बी
सयुक्त मन्त्री, जैन सभा

★

श्री आदीश्वर प्रसाद जैन
एम ए

★

श्री टेक चन्द जैन
कोषाध्यक्ष, जैन सभा

★

श्री उग्रसेन दिगम्बर
दिगम्बर आर्ट काटेज

★

श्री चक्रेश कुमार जैन
बी काम एलएल बी
मन्त्री, जैन सभा

★

दो शब्द

प्राचीन काल से, कौरव पाण्डवो के समय से तो अवश्य ही, दिल्ली भारतवर्ष का एक प्रमुख नगर रहा है और आज तो, स्वतन्त्र भारत की राजधानी होने के नाते, इसकी गणना ससार के गिने-चुने नगरो मे है। दिल्ली के इतिहास मे जैनो का हिन्दू, मुसलमान व ब्रिटिश काल से राजकीय व सामाजिक क्षेत्रो मे ऊचा स्थान रहा है। स्वतन्त्रता सग्राम मे दिल्ली के जैन किसी से पीछे नही रहे हैं और स्वतन्त्रता प्राप्त होने के बाद, न केवल इनकी जनसख्या बढ कर तीस-पैंतीस हजार हो गई हैं किन्तु व्यापारिक, औद्योगिक, सामाजिक, राजनैतिक व राजकीय आदि सभी क्षेत्रो मे इनका एक विशेष स्थान हो गया है। ऐसी दशा मे यह दुःख का विषय है कि पृथक-पृथक जातियो व सम्प्रदायो मे बटे होने, नगर के भिन्न-भिन्न भागो मे रहने-सहने और उनका कोई दिल्ली-व्यापी, असाम्प्रदायिक सगठन न होने के कारण आपस मे जानकारी नही के बराबर है। इस कारण बहुत दिनो से इस बात की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी कि दिल्ली के जैनो के बारे मे ऐसी डायरेक्टरी प्रकाशित की जावे जिस से उनकी सास्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा अन्य स्थित का परिज्ञान हो ताकि पारस्परिक जानकारी हो और सम्पर्को मे वृद्धि हो सके।

गतवर्ष जैन मिलन की एक बैठक मे जब नई दिल्ली जैन सभा के मन्त्री श्री चक्रेश कुमार जैन से यह मालूम हुआ कि उनकी सभा ऐसी ही डायरेक्टरी निकालने का विचार कर रही है तो मुझे बडी प्रसन्नता हुई और मैंने उन्हे इस कार्य मे पूर्ण सहयोग देने का अश्वासन दिया।

प्रस्तावित डायरेक्टरी के लिए जन साधारण मे उत्साह पैदा करने व सभी कार्यकर्ताओ का सहयोग प्राप्त करने के हेतु श्री लाल मन्दिर जी मे दो एक मीटिङ्ग करने के बाद सम्पादन मण्डल के साथी कार्य मे जुट गये। अपने ढग का नया और पहिला प्रयास होने और इस समय तक एक भी ऐसा प्रकाशन न होने से जिससे हमारा मार्ग प्रदर्शन हो सके, मडल को शुरू से ही जटिल समस्याओ का सामना करना पडा। रूपरेखा बार-बार बदलनी पडी। कार्य सभी को सुन्दर और उपयोगी लगने पर भी पूरी सामग्री इकट्ठा करने में हर किसी का पर्याप्त सहयोग प्राप्त न कर सके। डायरेक्टरी को पूर्णतया स्वावलम्बी बनाने के लिए जैन व्यापारियो व उद्योगपतियो से विज्ञापन देने की प्रार्थना की और यह बडे सतोष की बात है कि इस कार्य के लिए हम जिन सज्जनो के पास भी पहुचे उन्होने बडी उदारता से हमे अपना सहयोग प्रदान किया जिसके कारण ही हम इस डायरेक्टरी को समाज में प्रचारार्थ लागत के एक तिहाई दामो पर देने मे सफल हुये हैं और डायरेक्टरी के काम को आगे जारी रखने और निकट भविष्य मे इसका सशोधित और पूर्णतम सस्करण निकालने के लिए नीव पडी है। सम्पादन मडल प्रत्येक विज्ञापनदाता महानुभाव का हार्दिक आभार मानता है। साथ ही हमे उन सज्जनो की भी सराहना करनी है जिन्होने विज्ञापन दिलवाने मे अपना अमूल्य समय दिया।

मडल ने डायरेक्टरी मे दिल्ली के जैनो के अतीत और वर्तमान की एक झाकी पेश की है जिससे समाज को अपनी स्थिति व सामाजिक महत्व व प्रगतियो पर दृष्टिपात करने का एक अवसर मिलेगा। साथ ही दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थानो भारत के जैन तीर्थ स्थानो व प्रमुख जैन केन्द्रो का हाल देकर इसे और उपयोगी बनाने का प्रयत्न किया है। मडल को खेद है कि गली कूचो में व्यापार करने वाले भाई इस डायरेक्टरी मे स्थान न पा सके और कई वर्गो की सूची अधूरी है। यह भी सम्भव है कि कुछ व्यापारियों, सस्थाओ आदि का विवरण रह गया हो या अधूरा हो। सम्पादन मडल ऐसे सभी सज्जनो से क्षमा प्रार्थी है।

समय पर टेलीफोन तथा व्यक्तिगत रूप से भी जानकारी भेजने के लिये प्रार्थना की गई। श्राम समाज की जानकारी के लिये प्रत्येक मन्दिर श्रादि श्राम स्थानो पर इन सूचनाश्रो को लगवाया गया। इस विषय मे परामर्श करने श्रौर अधिक से श्रधिक व्यक्तियो का सहयोग प्राप्त करने की दृष्टि से दिल्ली प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रो के लगभग ७५ प्रमुख कार्यकर्त्ताश्रों की एक बैठक श्री लाल मन्दिर जी मे दिनाङ्क २३ श्रक्टूवर सन १९६० को सायकाल बुलाई गई। उस बैठक के निर्णय के श्रनुसार लगभग ३५० कार्यकर्ताश्रो की एक श्रौर वडी बैठक श्री लाल मन्दिर जी मे दिनाङ्क ६ नवम्वर १९६० को श्रपरान्ह बुलाई गई। श्रामत्रित व्यक्तियो मे सामाजिक कार्यकर्त्ता तथा विभिन्न व्यापारो, व्यवसायो श्रादि सभी क्षेत्रो मे काम करने वाले व्यक्ति थे। इसी प्रकार की एक बैठक सदर वाजार के श्रन्तर्गत क्षेत्र वाले प्रतिनिधि व्यक्तियो की भी की गई। इन बैठक के होने से कार्य की सफलता के लिये समुचित वातावरण वनने के साथ-साथ कई नवीन व्यक्तियो द्वारा रचनात्मक सहयोग भी प्राप्त हुश्रा।

विभिन्न क्षेत्रो से धीरे धीरे सामग्री प्राप्त होती रही श्रौर श्राज से लगभग ४ मास पूर्व यह स्थिति श्रा सकी जब इस के प्रकाशन श्रादि की व्यवस्था के वारे मे विचार किया जावे। इसमे कोई श्रतिशयोक्ति नही कि जितना कठिन कार्य डायरेक्टरी की सामग्री इकट्ठी करने का था, उतना ही कठिन कार्य इसके प्रकाशन श्रौर उसके लिये श्रावश्यक धनराशि एकत्रित करने का था। श्रनुमानित व्यय लगभग पाच हजार की यह धनराशि भी केवल विज्ञापनो द्वारा ही एकत्रित होनी थी। श्रत प्रकाशन सवन्धी श्रौर विज्ञापन लेने के दोनो ही कार्य साथ ही साथ श्रारम्भ किये गये।

इस डायरेक्टरी के प्रकाशन में वैसे तो रूपरेखा वनने के समय से लेकर पूर्ण होने तक ही श्रनेकानेक कठिनाइया उपस्थित हुई किन्तु उनमे सवसे वडी कठिनाई सामग्री को एकत्रित करने की थी। मुझे खेद है, कि श्रव भी ऐसे श्रनेक व्यक्ति हैं, जिन्होने श्रनेको वार मौखिक, लिखित श्रौर व्यक्तिगत रूप से की गई प्रार्थनाश्रो पर भी जानकारी देने या भेजने का कष्ट नही किया। वास्तव मे इसी कठिनाई के कारण मुद्रण के लिये कोई निश्चित पाडुलिपि भी प्रेस मे नही दी जा सकी श्रौर जो पाडुलिपि दी भी गई, उसमे प्रूफ स्टेज तक वीच वीच मे नवीन सामग्री के श्रा जाने पर सशोधन करने पडे। डायरेक्टरी के निकलने मे जो विलम्व हुश्रा है, उसका प्रधान कारण यह कठिनाई रही है।

डायरेक्टरी की प्रस्तुत सामग्री मे प्रथम श्रध्याय दिल्ली के जैनो के इतिहास का है। हमारे पूर्वजो का इतिहास जैसा चाहिये, वैसा उपलब्ध नही है। जैन सघ मे समय समय पर महान् तपस्वी एव उद्भट विद्वान श्राचार्य हुए, उनका कोई प्रमाणिक जीवन-चरित्र नही, श्रनेक लोकोपयोगी कार्य हुए, उनकी कोई सूची नही, जैन सम्राटो, मत्रियो, सेनापतियो के वल-पराक्रम, शासन-प्रणालियो का लेखा नही, जैन श्रेष्ठिवर्ग जो श्रपने महान् त्याग श्रौर जन-हित के कार्यो के लिये सदैव प्रख्यात् रहा है, उनके कार्य कलाप की कोई तालिका नही, श्रौर इसी भाति साहित्यको, कवियो श्रौर समाज सेवियो का कोई परिचय नही। श्रौर तो क्या, विगत ४०-५० वर्ष मे ही श्रनेक विभूतिया हुई, उनका भी कही कोई लिपिवद्ध विवरण नही। देश की समूची समाज के वारे मे जव यह स्थिति है तो एक प्रात के वारे मे क्या सामग्री होगी, यह सहज ही श्रनुमान लगाया जा सकता हैं। प्राचीन शास्त्रो, लेखो व राजपत्रो से तथा वयोवृद्ध व्यक्तियो के श्रनुभवो को सुनकर जितना भी कुछ यत्र तत्र विखरे मोतियो की भाति श्रतीत की धूल मे उठाया जा सके, उसमें ही सतोष करने के सिवाय श्रन्य कोई चारा नही। दिल्ली का इतिहास लिखने मे मुझे श्रारम्भ से ही खोज करने की विशेष श्रावश्यकता नही हुई, क्योकि इस दिशा मे प० परमानन्द शास्त्री कुछ वर्ष पूर्व प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने श्रपनी शोधपूर्ण लेखमाला मे, जो श्रनेकात के कई श्रको मे प्रकाशित हुई, राजपूत श्रौर मुसलमान काल मे जैन जगत की सुन्दर झाकी प्रस्तुत की थी। इन लेखो ने इतिहास के लिखने मे महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध की। भट्टारक परम्परा का इतिहास श्री विद्याधर जोहरापुरकर, एम ए, द्वारा सम्पादित 'भट्टारक सम्प्रदाय' नामक पुस्तक में दिये गये लेखो श्रादि पर श्राधारित है। 'श्रंग्रेजो के काल तथा उसके वाद' के श्रन्तर्गत दिया गया विवरण सामान्यत सन १९४७ से पूर्व का है। इसमे दिये गये तथ्य जीवित वयोवृद्ध पुरुषो से प्राप्त जानकारी, विविध जैन पत्रो मे प्रकाशित लेखों तथा राजकीय पत्रों

आदि से दिये गये हैं। यह जानकारी लाला डिप्टीमल जी ने स्वय कई दिन विभिन्न स्थानो पर तथा अनेकव्य क्तियो के पास जा जाकर एकत्रित की है। सन १६४७ के बाद के वृत्तात मे बहुत कुछ अश वर्तमान से ही सम्बन्धित है।

इतिहास के वाद के अध्यायो मे मन्दिरो व स्थानको, धर्मशालाओ व पुस्तकालयो, औषधालयो व शिक्षण सस्थाओ, सामाजिक तथा साहित्यिक सस्थाओ का परिचय तथा पदाधिकारियो के नाम व पते दिये गये हैं। सामाजिक सस्थाओ मे स्थानीय सस्थाओ के अतिरिक्त अखिल भारतवर्षीय सस्था की, जिनके कार्यालय दिल्ली मे हैं, जानकारी भी सम्मिलित की गई हैं। सस्थाओ के परिचय मे सामान्यत उनकी स्थापना-तिथि तथा उनके कार्य-कलाप का ही उल्लेख किया गया है, उद्देश्यो आदि का नही। सस्थाओ के पश्चात् 'भारतीय ससद व केन्द्रीय सरकार' के अन्तर्गत केन्द्रीय मत्री, ससद सदस्य, ससद तथा केन्द्रीय सचिवालयो और उनके सम्बन्धित व अधीनस्थ कार्यालयो मे जैन अधिकारियो के नाम, पद व घर के पते (जहा उपलब्ध हो सके) दिये गये हैं। प्रथम पक्ति मे अधिकारी के नाम के साथ उनका पद व कार्यालय का टेलीफोन नम्बर तथा द्वितीय पक्ति मे घर का पता व टेलीफोन नम्बर (यदि हो) भी दिया गया है। सामान्यत पद का उल्लेख केवल उन व्यक्तियो के लिये ही किया गया है जो गज़टेड अथवा सुपरवाइज़री पद ग्रहण किये हैं। इसी के अनुरूप वाद के अध्यायो मे जहा दूतावासो, दिल्ली प्रशासन, बैंक व बीमा कम्पनियो आदि मे काम करने वाले जैनो का उल्लेख है, यही पद्धति अपनाई गई है।

'उद्योग व व्यापार' के अध्याय मे औद्योगिक सस्थानो के अन्तर्गत उन सस्थानो के स्वामियो अथवा लिमिटेड कम्पनियो के डायरेक्टरो के नाम, घर के पते व टेलीफोन नम्बर भी दिये गये हैं। व्यापारिक संस्थानो को मुख्य मुख्य श्रेणियो मे विभाजित कर हिन्दी वर्णमाला के आधार पर दिया गया है। प्रत्येक श्रेणी मे व्यापार विशेष के महत्व की दृष्टि से प्रधान क्षेत्रो को प्रायमिकता दी गई है। व्यापारिक सस्थानो के केवल नाम व टेलीफोन नम्बर (यदि हो) प्रथम पक्ति मे तथा कार्यालय का पता व टेलीफोन दूसरी पक्ति मे दिया गया है। व्यवसायो, वैज्ञानिक, साहित्यकार व जैन विद्वानो तथा सार्वजनिक क्षेत्रो मे जैन पदाधिकारियो के बारे मे सामान्यत सरकारी कार्यालयो वाली ही व्यवस्था अपनायी गयी है।

अन्त के दो अध्यायो मे क्रमश 'दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान' तथा 'भारत के जैन तीर्थो' का विवरण है। दर्शनीय स्थानो मे इतर ऐतिहासिक स्थानो के अतिरिक्त ऐतिहासिक व स्थापत्यकला आदि की दृष्टि से प्रमुख माने जाने वाले जैन सास्कृतिक केन्द्रो को भी सम्मिलित किया गया है। जैन तीर्थो मे सभी तीर्थो व प्रमुख अतिशय क्षेत्रो के अतिरिक्त भारत के अन्य महत्वपूर्ण स्थानो का भी वर्णन दिया गया है।

डायरेक्टरी मे सम्पूर्ण सामग्री के अनुक्रम को नियत करने और विवरण को प्रस्तुत करने मे साम्प्रदायिक भेद को विशेष रूप से गौण रखा गया है। उदाहरण के लिये मन्दिरो व सस्थाओ आदि को दिगम्बर-श्वेताम्बर व अन्य उप-सम्प्रदायो मे विभक्त नही किया है और इन विशेषणो को केवल वहा ही प्रयोग किया गया है जहा अन्य किसी सुविधा के कारण आवश्यकीय समझा है। हमारी सस्कृति एक है, एतदर्थ हम अनेक मे भी एक हैं। हमारे सभी धार्मिक व सास्कृतिक स्थान, चाहे वे किसी सम्प्रदाय विशेष की प्रधानता लेकर हो, समग्र जैन सघ के गौरव के प्रतीक हैं।

इस डायरेक्टरी की सामग्री एकत्रित करने तथा प्रकाशन आदि की 'व्यवस्था मे व्यवस्थापन व सम्पादन मडल' के अतिरिक्त अनेक महानुभावो से सहयोग प्राप्त हुआ है। सामग्री के एकत्रित करने मे श्री सुमत प्रसाद (आर्मी हेड क्वाटर्स), श्री वकीलचन्द्र, बी० काम (आनर्स) (अर्थ मत्रालय), श्री गोकुलप्रसाद एम० ए० (विधि मत्रालय), श्री विलायती राम (अर्थ मत्रालय), श्री प्रेम चन्द्र 'नश्तर' (सिविल एवियेशन), श्री श्रीकृष्ण (पब्लीकेशस डिवी०), लाला करमचद, श्री एन० आर० शाह, लाला कु जलाल ओसवाल, श्री लक्ष्मण सिंह भसाली, लाला जग्गीमल कपडे वाले, श्री जिनेन्द्र कुमार, कश्मीरी लाल बी० ए०, (राज्य सभा सचिवालय), श्री मनोहर लाल (इस्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एका०), श्री दर्शनलाल (म्यू० कार्पो०), श्री जगमोहन, श्री सागर चन्द्र व श्री गजेन्द्र कुमार (दिल्ली प्रशासन), श्री नरेन्द्र प्रसाद बी०

ए० (लोक सभा), श्री विजय कुमार व श्री मेहर चन्द्र (शिक्षा मन्त्रा०), श्री नेमचन्द्र बी० ए० (अर्थ मन्त्रा०), श्री जय कुमार (सू० व प्र० मन्त्रा०), श्री प्रद्युम्न कुमार (व० हा० एण्ड स०), श्री गुलाब चन्द्र (डी०जी०एस० एण्ड डी०), श्री जयकुमार (परि० मन्त्रा०), श्री हस राज (कट्रो० श्राफ प्रि०), श्री सुखमाल चन्द बी० ए० (श्रा० हेड०), श्री हुकुम चन्द्र (जी० पी० श्रो०), श्री धर्म किशोर (सी० बी० श्रार०), श्री महावीर प्रसाद (एक्साइज़), श्री एम० के० जैन (एस० टी० सी०), श्री कुदन लाल एम० ए०, श्री श्रतरचन्द्र, श्री राजकुमार (सी० पी० ड० डी०) श्री अक्षय कुमार (मेचवेल), श्री देव कुमार, श्री श्ररिदमन कुमार, श्री होश्यारसिंह, श्री प्रेम सागर (ए० जी०सी० श्रार०), व श्री सुरेन्द्रवीर सिंह, एकाउटस श्राफीसर, श्री श्रजित प्रसाद बिजली वाले श्रादि ने विशेषरूप से सहयोग प्रदान किया है। श्री माई दयाल जी बी० ए०, बी० टी०, व लाला पन्नालाल जी अग्रवाल किताब वाले ने श्रनेक प्राचीन लेख, राजकीय पत्रो की प्रतिलिपिया श्रादि सामग्री उपलब्ध की है।

विभिन्न सस्थाश्रो के पदाधिकारियो मे श्री सुखेन्द्र लाल (लोदी कालोनी सभा), ला० भगतराम (दि० जैन परिषद) व श्री रमेश चन्द्र (सा० वि० सभा) श्रादि का विशेष सहयोग प्राप्त हुश्रा है।

विज्ञापनो के प्राप्त करने मे लाला जसवत सिंह, लाला प्रेम चन्द्र (जयना वाच कम्पनी), श्री पी० श्रार० मित्तल, लाला बनारसी दास श्रोसवाल, लाला खजाचीमल, लाला दौलत सिह व श्री प्रेमचन्द्र (एम० एस० लक्ष्मी एण्ड क०) ने श्रपना श्रमूल्य समय दिया है। प० परमानन्द शास्त्री ने श्रपना लेख सग्रह तथा श्रन्य सामग्री उपलब्ध कर दिल्ली का इतिहास लिखने मे बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है। श्री प्रमोद कुमार बी० एससी० (द्वितीय वर्ष) ने तीर्थ-सम्बन्धी पुस्तको की निर्देश श्रनुक्रमणिका बनाकर दी, जिससे मुझे भारत के जैनतीर्थ लिखने मे बडी सुगमता [illegible]।

डायरेक्टरी की मुद्रण व्यवस्था का सम्पूर्ण भार श्री मुनीन्द्र कुमार, सहायक सम्पादक, कृषि मन्त्रालय, ने सम्भाला श्रौर लगभग ४ मास के श्रथक परिश्रम से इस गुरुतर कार्य को सुन्दर श्रौर श्राकर्षक रूप मे प्रस्तुत किया। इतने व्यस्त उत्तरदायित्व के श्रतिरिक्त उन्होंने 'दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थानो' का सुन्दर विवरण भी लिखा है। सम्पूर्ण डायरेक्टरी की सामग्री के सुव्यवस्थित व क्रमबद्ध सकलन व सम्पादन मे श्री मुनीन्द्र जी का भाग महत्वपूर्ण रहा है।

दिल्ली के मदिरो के विविध चित्रो को उपलब्ध करने के लिये श्री मोतीराम, सहायक फोटो श्रधिकारी, सूचना मन्त्रालय, ने श्रपना श्रमूल्य समय लगाया है। इन चित्रो के सयोजन श्रौर ब्लाक बनाने का कार्य श्री उग्रसेन दिगम्बर, प्रोपराइटर दिगम्बर श्रार्ट काटेज, ने बडे ही कलापूर्ण श्रौर रुचिकर रूप मे किया है। मुद्रण व्यवस्था की पूरी योजना को निश्चित करने के लिये उन्होंने कई बैठको में श्रपना बहुमूल्य समय दिया। बाद में भी समय समय पर महत्वपूर्ण सुझाव देकर हमारा मार्गदर्शन किया है। इतिहास के श्रारम्भ होने से पहले लगा हुश्रा भगवान महावीर व भगवान बाहुबलि का सुन्दर चित्र उन्ही के द्वारा विज्ञापन के रूप में प्राप्त हुश्रा है।

इस कार्य के लिये सभा के सरक्षक साहू श्रेयास प्रसाद जी, लाला शीतल प्रसाद जी की शुभ-कामनाश्रो ने हमारा उत्साहवर्धन किया है। लाला राजेन्द्र कुमार जी बैंकर, सभा के उप-प्रधान बा० पीताम्बर दास जी एडवोकेट व श्री बी० बी० कपासी, पत्रकार, ने समय समय पर श्रपने महत्वपूर्ण सुझाव देकर प्रकाशन को श्रधिक उपयोगी बनाने में सहायता दी है।

श्री श्रजित प्रसाद जी, रिटायर्ड एकाउट्स श्राफीसर (उत्तर रेलवे), व बा० त्रिलोक चन्द्र जी, श्रसिस्टेंट डायरेक्टर रेलवे बोर्ड, ने श्रनेक महत्वपूर्ण सुझाव देने के श्रतिरिक्त सामग्री एकत्रित करने श्रौर विज्ञापन प्राप्त करने मे भी सहयोग प्रदान किया है। तीर्थो के विवरण को रेलवे लाइन के क्रम से प्रस्तुत करवाने मे बा० त्रिलोक चन्द्र जी ने श्रपना श्रमूल्य समय दिया है।

उक्त सभी महानुभावो तथा विज्ञापनदाताओ के, जिन्होने अपने विज्ञापन देकर उदारता का परिचय दिया और डायरेक्टरी के प्रकाशन को सुलभ किया, हम हार्दिक आभारी हैं।

डायरेक्टरी के मुद्रक जयन्ती प्रेस के व्यवस्थापक पार्टनर श्री एम० आर० कुमार और उनके फोरमेन श्री बिहारी लाल व श्री जगदीश जी का आदि से अन्त तक बराबर सहयोग प्राप्त होता रहा। मुझे प्रसन्नता है, कि डायरेक्टरी को अच्छे से अच्छे ढग मे प्रस्तुत करने का उन्होने पूरा प्रयास किया है।

अन्त मे, मैं व्यवस्थापन व सम्पादन मडल के चेअरमेन तथा सदस्यगण का अत्यन्त ही आभारी हू, जिनके प्रयत्नो से यह कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्य मे हमारे प्रधान श्री शिवदयाल सिह जी की आरम्भ से ही रुचि रही और उन्होंने पग-पग पर हमारा मार्ग-दर्शन किया। जब भी हमने कमज़ोरी अनुभव की, उन्होने हमारा साहस बढाया और अपूर्व प्रेरणा दी। यही नही, सामग्री के सकलन, विज्ञापनो के प्राप्त करने आदि सभी कार्यो मे सक्रिय रूप से सहयोग दिया।

व्यवस्थापन मडल के चेअरमेन लाला डिप्टीमल जी तो इस सम्पूर्ण योजना के पीछे शक्ति स्रोत रहे हैं। वे वयोवृद्ध है, किन्तु उनका उत्साह युवको से कही अधिक है। शहर के उद्योग व्यापार आदि की जानकारी का एकत्रित करना दुस्तर कार्य था और उससे भी अधिक था प्रकाशन के लिये पाच हज़ार रुपये की धनराशि एकत्रित करना। लाला जी ने लोगो से बारबार कहा, टेलीफोन पर अनेको ही बार स्मरण करवाया और जानकारी प्राप्त करवाई। अपने व्यक्तिगत सम्पर्कों से ही लगभग दो हज़ार के विज्ञापन तो उन्होने टेलीफोन पर ही सुरक्षित कर दिये और शेष राशि के लिये हमारे साथ चलने मे भी सकोच नहीं किया। डायरेक्टरी की सामग्री को क्रम से व्यवस्थित रूप देने मे उनका ही प्रमुख हाथ है। लाला जी ने इस दुस्तर कार्य को सम्पन्न करने मे जो युवको सदृश परिश्रम किया वह अद्वितीय है। इस मे कोई अतिशयोक्ति नही कि लाला जी के ही अनवरत् प्रयत्नो का ही परिणाम है कि यह डायरेक्टरी और वह भी इस रूप मे प्रकाश में आ सकी।

श्री आदीश्वर प्रसाद जी एम० ए० (यू० पी० एस० सी०) का सहयोग तो इतना विस्तृत रहा है कि इस सम्पूर्ण कार्य का कोई भी ऐसा पहलू नही जिस पर उनकी छाप न हो। योजना, सामग्री सकलन, प्रकाशन व्यवस्था, विज्ञापन प्राप्त करने आदि सभी कार्यो मे वह मेरे साथ रहे हैं।

इस कार्य में भाई टेकचन्द्र जी, मित्र श्री सतीश कुमार व श्री वकीलचद्र का पूर्ण साहाय्य प्राप्त हुआ है, एतदर्थ मैं उनका हार्दिक आभारी हूँ। इतने विशद क्षेत्र का यह प्रथम प्रयास है। अनेक प्रयत्नो के बावजूद भी बहुत सी कमिया रहती हैं। खेद है, कि हम डायरेक्टरी में उतनी सामग्री नही दे सके हैं जितनी होनी चाहिये थी। हम उन सभी महानुभावो से क्षमा प्रार्थी हैं जिनके बारे मे इसमे जानकारी उपलब्ध नही की जा सकी है। समाज के सहयोग और सद्भावना से यह डायरेक्टरी प्रकाश मे आ सकी और उसी सहयोग व सद्भावना से आगामी सस्करणो मे इसकी अपूर्णता तथा अन्य कमियो को दूर किया जा सकेगा, ऐसा विश्वास है।

आज का युग सहकारिता का युग कहा जाता है। प्रस्तुत प्रयास सहकारिता के उस अनुपम सिद्धात के महत्व की एक झलक है। यदि इस डायरेक्टरी में दी गई जानकारी समाज मे सगठन और सहकारिता की भावना का सचार कर सके, तो यह प्रयास सफल होगा।

नयी दिल्ली,
कार्तिक कृष्णा चतुर्दशी
वीर निर्वाण सम्वत् २४८८

चक्रेश कुमार
मन्त्री, जैन सभा नयी दिल्ली

श्री १०८ आचार्यरत्न विद्यालंकार

देशभूषण जी महाराज

का

शुभाशीर्वाद

"देहली भारतवर्ष की राजधानी है, यहा से निकले हुए शब्द तमाम भारतवर्ष मे फैलते हैं। अत देहली के जैन समाज का भारत मे एक स्थान है। देहली की समाज सर्वदा भारत-मार्ग-दर्शक रही है। यहा की समाज बडी सगठित और उत्साही है, हर कार्य मे उसका बडा सहयोग रहता है। यहां की समाज राष्ट्र उन्नत्रि के लिए कटिबद्ध रही है, देश तथा जाति का प्रेम कूट कूट कर भरा है, धर्म के प्रति बहुत ही श्रद्धालु है, जिसकी झलक यहाँ के प्राचीन और अर्वाचीन विशाल जैन मदिरो, जैन विद्यालयो तथा अन्य जैन सस्थाओ से मिलती है।

देहली के जैन मदिर, विद्यालय, जैन सस्थाए, तथा जैन समाज के विषय मे जानकारी प्राप्त करने के लिए यह डायरेक्टरी बहुत ही उपयोगी होगी।

जिन महानुभावो ने इस कार्य में सहयोग दिया है उन के लिये हमारा बार-बार शुभाशीर्वाद है।"

विश्व धर्म सम्मेलन के प्रेरक

मुनि रत्न श्री सुशील कुमार जी महाराज

का

शुभाशीर्वाद

"दिल्ली जैन डायरेक्टरी का प्रकाशन दिल्ली जैन समाज की सर्वाङ्गीण उन्नति के लिये श्रेष्ठतम प्रयास साबित होगा, इसका मुझे पूर्ण विश्वास है। दिल्ली जैन सभा समाज की समासिक एकता एव आर्थिक तथा अध्यात्मिक प्रगति के निमित्त जो भगीरथ प्रयास कर रही है, उसकी मैं सफलता चाहता हूं।

मेरा विश्वास है कि यह पहला प्रगतिक प्रयास है, अत निरन्तर इसको पूर्णता की ओर ध्यान दिया जाय जिससे अभीष्ट सिद्धि हो सके और सामाजिक सगठन की नींव सबल की जा सके।

हार्दिक धन्यवाद"

दिल्ली जैन डायरेक्टरी

- दिल्ली के इतिहास में जैनों का योग
- मदिरो व स्थानकों का विवरण
- सामाजिक, साहित्यिक व सास्कृतिक केन्द्र
- शिक्षण व पारमार्थिक संस्थाएं
- दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान

——और——

भारत के प्रमुख जैन तीर्थ

★

मुख पृष्ठ (टाइटिल) के चित्रों का परिचय

खडेलवाल मदिर, नयी दिल्ली मे स्थापित भगवान महावीर की मूलनायक प्रतिमा व महरौली स्थित बडी दादावाडी का एक दृश्य

★ ★ ★

प्रकाशक
जैन सभा नयी दिल्ली
जैन मित्र मंडल
लेडी हार्डिंग रोड
नई दिल्ली १
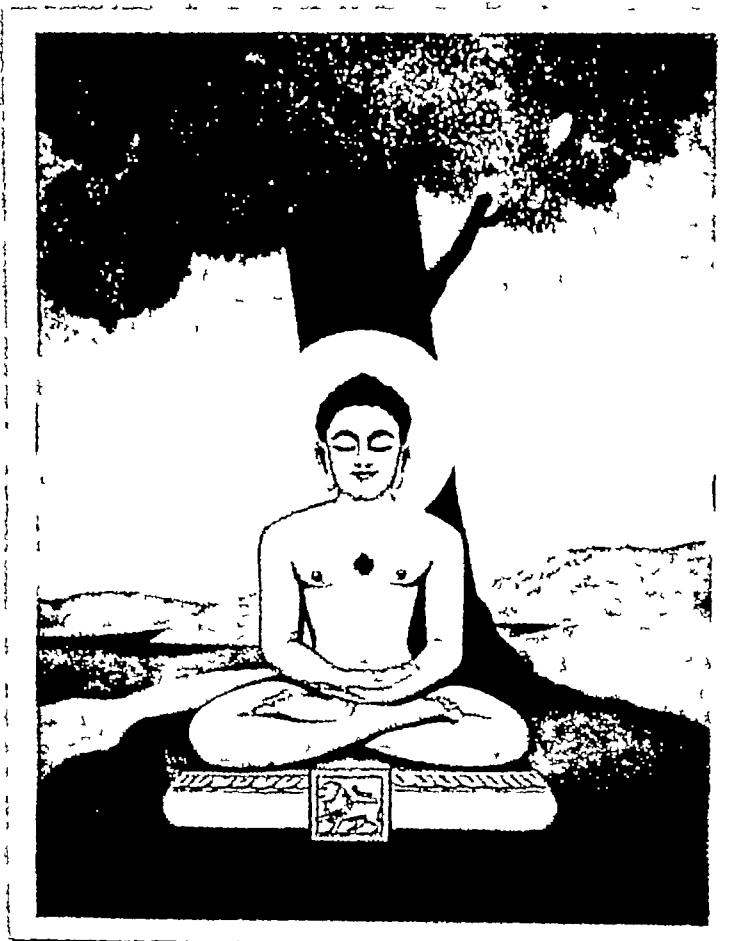
DIGAMBER ART COTTAGE
BLOCKMAKERS, DESIGNERS & PRINTERS
2305, Dharam Pura, DELHI.
Phone 223524
Gram DIGARTS

विषय सूची

अतीत की ओर एक दृष्टि

दिल्ली का इतिहास भारत का इतिहास है। प्राचीन कुरू देश की वैभवपूर्ण राजधानी 'इन्द्रप्रस्थ' के नाम से विख्यात होने के समय से लेकर आज तक इस नगर ने अपने उत्थान-पतन के अनेक उतार चढाव देखे है। अतीत की क्रीड़ाओ, उसके कदन एव हास्य की निस्तब्ध साक्षी यह वह रगभूमि है, जिसके वक्षस्थल पर कितने ही साम्राज्य उदित हुए, पनपे, शैशव से प्रौढत्व को प्राप्त हुए, अपने विस्तार और वैभव से विश्व को चमत्कृत किया, पर अन्त मे अपने-अपने वैभव की सपदा को समेटकर, वे सब काल के दूरगामी क्षितिज मे विलुप्त हो गये। यदि इस नगर को अनेको वार राजधानी वनने का मान प्राप्त हुआ तो अनेको वार ही इसके धरातल पर भीपण रक्तपात व विध्वस के दृश्यो ने भी अपना पूरा अधिकार जमाया। इन सब परिवर्तनो की शृ खला की ओर दृष्टिपात किया जावे तो जैन दर्शन का 'उत्पाद-व्यय-ध्रौव्य' का सिद्धात स्थूलरूप मे घटित होता है।

दिल्ली कव और किसने वसायी, इस पर इतिहासज्ञ एकमत नही हैं। पाण्डु पुत्र युधिष्ठिर द्वारा वसायी गयी 'इन्द्रपुरी' अथवा 'इन्द्रप्रस्थ' नगरी के कथन का उल्लेख महाभारत तथा वौद्ध जातको मे मिलता है। यह अनुश्रुति भारत की जनता मे १६ वी शताब्दी मे भी प्रचलित थी जैसा कि अवुल फजल ने अपने प्रसिद्ध ग्रथ 'आइन-ए-अकवरी' मे उल्लेख किया है। कौरवो और पाण्डवो का समय लगभग चार साढे चार हजार वर्ष पूर्व वताया जाता है। यद्यपि यह अनुमान कि वर्तमान दिल्ली का 'पुराना किला' या उसके निकट का 'इन्द्रपत' ग्राम प्राचीन इन्द्रप्रस्थ के खण्डहरो पर ही वसा हुआ है, पाण्डवो का किला तथा महल आदि भी इसी स्थान पर थे और पाण्डवो ने ही इन्द्रप्रस्थ के निकट 'पाणिप्रस्थ', 'स्वर्ण-प्रस्थ' और 'भागप्रस्थ' वसाये थे जो कि आज क्रमश पानीपत, सोनीपत, व वागपत नामो से प्रसिद्ध हैं, नितात निर्मूल नही प्रतीत होता। इस कथन की पुष्टि के लिये उक्त पौराणिक आधारो के अतिरिक्त ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नही हैं। प्राचीन जैन ग्रथो, प्राचीन शिलालेखो, और दिल्ली के आस पास बहुत से प्रचलित लोक गीतो मे दिल्ली को 'योगिनीपुर' कहा गया है। पाण्डवो के पश्चात तोमरवशीय राजपूत अनगपाल (प्रथम) के शासनकाल तक इस प्राचीन इन्द्रप्रस्थ नगर का क्या महत्व रहा, वह प्रचलित कथाओ आदि से स्पष्ट नही है। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि इस दौरान मे इन्द्रप्रस्थ ने अपना प्राचीन महत्व खो दिया था।

ऐतिहासिक [1]तथ्यो के आधार पर दिल्ली को सर्व प्रथम सन् ७३६ मे तोमरवशीय राजा अनगपाल द्वारा वसाया जाना कहा जाता है। इसके खडहर आनदपुर (अनगपुर) के पास आज तक विद्यमान है। इस कथन की पुष्टि दिल्ली के सग्रहालय मे उपलब्ध सन १३२७ के एक शिलालेख मे दिये निम्नलिखित अश मे भी होती है

'देशोस्ति हरियानाख्यो पृथिव्या स्वर्गसन्निभि ।
ढिल्लकाख्या पुरी तत्र तोमरै रस्ति निर्मिता ॥

अनगपाल प्रथम के पश्चात दिल्ली में उसके वशजो ने १२ वीं शताब्दी के अर्ध भाग से कुछ अधिक समय तक शासन[2]

---

१ देखो, जनरल कनिघम की आर्कियोलोजीकल सर्वे आफ इडिया, पृ० १४६

२ देखो, दिल्ली अथवा इन्द्रप्रस्थ, पृ० ६, ओझा जी द्वारा सम्पादित, टाड राजस्थान, पृ० २२३, राजपूताने का इतिहास (प्रथम भाग), पृ० २३८।

किया, इनमे अनगपाल द्वितीय व अनगपाल तृतीय विशेष-रूप से उल्लेखनीय हैं। अनगपाल द्वितीय का समय जनरल कनिंघम ने सन १०५१ निश्चित किया है। उसने अपने शासन-काल मे दिल्ली (मिहिरपुरी प्राचीन महरौली) मे अनेक नवीन निर्माण कर राजधानी को समृद्ध बनाया। कुतुब मीनार के निकट प्राचीन इमारतो के, जिनमे लाल कोट नाम का एक 'दुर्ग', तथा अनगताल नाम का कुड विशेष प्रसिद्ध है, अवशिष्ट चिह्न अधिकाशरूप से उसके समय के ही माने जाते है। इस कारण ही किन्ही इतिहास-कारो ने उसे दिल्ली का समुद्धारक भी कहा है।

अनगपाल तृतीय के बारे मे सन ११३२ मे रचे गये जैन कविवर श्रीधर के 'पार्श्वपुराण' मे विस्तृत उल्लेख[3] मिलता है। इस पुराण की रचना उन्होने दिल्ली मे ही की थी।

अनगपाल तृतीय के पश्चात तोमरवश के किन किन अन्य अन्य शासको ने और कितने समय दिल्ली पर शासन किया, यह अन्वेषणीय है।

सन ११६६ मे दादा गुरू श्री जिनचन्द्र सूरि के समाधि स्थान पर दादावाडी का निर्माण किया गया जो वर्तमान मे बडी दादावाडी के नाम से प्रसिद्ध है।

तोमर वश के अनतर दिल्ली पर चौहान वश के राज्य का अभ्युदय हुआ। इसी वश के अतिम शासक पृथ्वीराज चौहान ने ऐतिहासिक काल की प्रथम दिल्ली 'पिथोरागढ' नाम से बसायी। इसके शासन काल मे मुहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किये और सन ११९२ के युद्ध में गृह कलह के कारण पृथ्वीराज पराजित होकर बन्दी हुआ और कुछ समय पश्चात मारा गया। इस प्रकार भारत में मुस-लमान राज्य की नीव पडी।

गौरी खानदान के बाद एबक, गुलाम, सैय्यद, तुगलक खिलजी, लोदी, पठान, और मुगल, बादशाहो के शासन काल मे राज्य परिवर्तन के साथ साथ दिल्ली के नाम और बसने के स्थान भी परिवर्तित हुए। उस समय से लेकर सन १९११ तक 'कोशके-सीरी' या किला-ए-अलाई', 'तुग-लकाबाद,' 'जहापनाह', 'फीरोजाबाद', 'पुराना किला', 'शाह-जनाबाद' और अग्रेजो की 'नयी दिल्ली'—इस प्रकार ७ दिल्लिया और बसी[4]।

उक्त ऐतिहासिक गति के विपरीत प्रथम बार अग्रेजो ने अपनी राजधानी (नयी दिल्ली) प्राचीन शाहजहानाबाद के दक्षिण मे बसायी। सम्भवत यह भी उस विशाल साम्राज्यवाद की अपनी साम्राज्य सीमा को ऐतिहासिक गति के विपरीत अनतकाल तक अक्षुण्ड बनाये रखने की नीति का अश होगी।

उपर्युक्त राज्य परिवर्तनो ने दिल्ली के राजनैतिक रग-मच पर समय-समय पर अनेक दृश्य उपस्थित किये। प्रत्येक शासन का समय अपना भिन्न भिन्न प्रकार दौरदौरा रखता था और प्रत्येक दौरे मे दिल्ली की राजनीति मे नाना प्रकार के रग पैदा होते थे। कभी शासन की बागडोर किसी मुह चढे गुलाम और कभी किसी धार्मिक, न्याय प्रिय प्रजारक्ष बादशाह या वजीर के हाथ मे होती थी। कभी किसी बडे योद्धा सिपहसालार या किसी महलो मे रहने वाली समझ-दार या नासमझ बेगम का जोर होता था तो कभी किसी धर्मान्ध की आज्ञायें धार्मिक विद्वेष की धधकती अग्नि मे सहस्रो को निस्सकोच जीवित जला कर भीषण अट्टहास करती। यदि उस काल की राजनैतिक गतिविधियो की विवेचना की जावे तो यह प्रगट होगा कि दिल्ली के महलो और किलो की चहारदीवारी से राज्य सचालन मे समया-नुसार दो विभिन्न प्रकार के स्रोत फूटते थे जिनसे कि एक ओर तो प्रजापालन के एक बडे मैदान की सिंचाई होती थी और दूसरी ओर मृत्यु और विध्वस का आलिंगन किया जाता था।

इस कालचक्र की तीव्रगति मे जब जब प्रथम प्रकार के स्रोत का बाहुल्य रहा, तब तब सामाजिक और राज-नैतिक समृद्धि के साथ साथ प्रत्येक सस्कृति पल्लवित हुई।

---

३ हरियाणए देसे असखगाम, गामियण जणि अणवरय काम परचक्क विहट्टणु सिरि सघट्टणु जो सुखइणा परिगणिय। रिउ रुहिरावट्टणु विउलू पवट्टणु ढिल्ली नामेणजि भणिय।

जहिं असिवर तोडिड रिउ कपालु। णारणाहु प्रसिद्ध अणगवालु णिरुदलवडिढय हम्मीर वीरू। वदियणविंद पवियणण चीरु॥ —पार्श्वपुराण

४ देखो, दिल्ली की कहानी

अलाउद्दीन के राज्य मे ठक्कुर फेरू नाम के एक जैन विद्वान शाही खजाची थे। वे रत्न-परीक्षक और टकसाल के कार्य मे दक्ष थे। राजकीय कार्य से समय निकाल कर उन्हो ने कई आध्यात्मिक रचनाए भी की। 'युग प्रधान चौपई' नामक रचना सन १२६० मे और 'रत्न परीक्षा', 'द्रव्य धातु-त्पति', 'वस्तुसार प्रकरण' व 'जोईसार' ग्रथ सन १३१६ मे रचे। इसके अतिरिक्त भी उन्होने कई ग्रथ सभवत अला-उद्दीन की मृत्यु के वाद अपने विश्रामकाल मे लिखे[१५]।

सन १३०६ में पानीपत निवासी साहुछगे के पुत्र साहु-वीसल की प्रेरणा से कन्हड के पुत्र गधर्व कवि ने आचार्य पुष्पदत के यशोधर चरित्र मे राजा व कौरू का प्रसग, यशो-धर का आश्चर्यजनक विवाह, और उसके भवातर बना कर प्रविष्ट किये थे।[१६]

सन १३७६ मे श्रावक देवराज ने ससघ शत्रु जय की यात्रा की जिसका उल्लेख तत्कालीन आचार्य जिनप्रभ सूरि ने निम्न पद्य मे किया है

महि मडलि हुय सघ वइणा,
दिवराय सरिस वहु जत्तजणा।
जिणि ढिल्लिय नगरिहि मज्भिमय,
देवालउवढिढउ जत्तकय ॥३॥
फालिहमणिमसिहर कर विमल,
जस कलसु चढावियऊ जेण कुल।
मग्गणजण तोसि य घणवरिसे,
अवयरिउकन्नु दिवराय मिसे ॥४॥

उक्त जैनाचार्य जिनप्रभ सूरि ने अपनी मधुर वाणी व गभीर भापण शैली से तत्कालीन वादशाह कुतुवुद्दीन मुवा-रकशाह को वडा ही प्रभावित किया था[१७]।

तुगलक वश मे सर्वप्रथम वादशाह गयासुद्दीन तुगलक सन १३२० मे दिल्ली की गद्दी पर वैठा। इसके ही शासन काल में सन १३२३ मे दिल्ली के श्रीमाल ज्ञातीय सेठ हरू के पुत्र श्रावक रयपति ने तीर्थयात्रा के लिये शाही फर्मान प्राप्त किया था और ५ माह की लम्बी यात्रा के वाद दिल्ली वापिस पहुँचे थे[१८]।

ग्रयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र मुहम्मद तुगलक गद्दी पर वैठा। मुहम्मद तुगलक वडा ही विद्वान तथा तर्क, ज्योतिप व गणित मे निपुण था। वह उच्च-कोटि का लेखक व कवि भी था। दक्षिण मे हुम्वय नामक स्थान के 'पद्मावती वस्ति' के शिलालेख से यह प्रगट होना है कि मुहम्मद तुगलक ने कर्नाटक देशवासी दिगम्बर जैना-चार्य सिहकीर्ति को सम्मान दिया था। आचार्य जी ने

१५. देखो, विशाल भारत अक—पृ० १० पर मुनि काति-सागर द्वारा 'लेख'।

१६. हो पडिय ठक्कुर कणह पुत्त,
उवयारिय वल्लह परम मित्त।
कइ पुप्फयत जसहरचरित्त,
किउ सुट्ठु सद्दलक्खण विचित्तु।
पेसहितहि राउलुकउलु अज्जु,
जसहार-विवाहु तहजणिय चोज्जु।
सयलह भव-भमण भवतराइ,
महुवच्छिउ करहि णिरत राइ।
ता साहु समीहिउ कियउ सव्वु,
राउलु विवाहु भव-भमण भव्वु।
वक्खाणिउ पुरउ सेहइ जाम,
सतुट्ठउ वीसल साहु ताम।
जोयणिपुर वरि णिवसतु सिट्ठु,
साहुहि घरे सुत्थि यणहु घुट्ट।
पणसट्ठि महिय ते रहसमाइ,
णिव विक्कम सवच्छा गया इ।
वइसाह पहिल्लइ पक्खिबीय,
रविवार समत्थिउ मिस्सतीय।
चिरु वत्थु वधिकइ कियउ जजि,
पद्धडियहि वधि मइ रइउ तजि।
गधव्वे कण्हयणदणेण,
आयइ भवाइ किय थिरमणेण।
—'यशोधर चरित' प्रशस्ति, आमेर भण्डार।

१७ राउ महमद साहिजिणि नियगुण जियउ महि मडलि ढिल्लिय पुरि जिनधरमु प्रगट किउ।
तेर पचासियइ पोस सुदि आठमि सणिहवारे भेटिउ असपते महमदो सुगुरू हीलियनयरे॥
—जिनप्रभसूरि गीत ऐतिहासिक काव्य सग्रह पृ० ११-१३

१८ देखो, दी कर्नाटक हिस्टोरीकल रिव्यू भा० ६, पृ ८४

बादशाह के निमत्रण[१९] पर दरबार मे जाकर धर्म का बडा ही सारगर्भित विवेचन किया था। आचार्य सिंहकीर्ति जी ने ही उस समय मे हुए वाद-विवाद मे इतर विद्वानो को पराजित किया था[२०]।

उक्त जैनाचार्य जिनप्रभ सूरि ने मुहम्मद तुगलक के राज्यकाल मे ही अपना 'विविध तीर्थ कल्प' नामक ग्रथ पूर्ण किया था[२१]। उसी समय भट्टारक रत्नकीर्ति के पट्ट पर भ० प्रभाचन्द्र का भारी महोत्सव के साथ पट्टाभिषेक हुआ था, जिसका उल्लेख उनके शिष्य धनपाल ने अपने 'बाहुबलि चरित' मे किया है[२२]। इसी ग्रथ मे भ० प्रभाचन्द्र की मुहम्मद तुगलक द्वारा मान्यता का भी उल्लेख है[२३]।

१९ देखो, कर्णाटक हिस्टोरीकल रिव्यू, भा० ४, पृ० ८५

२० श्री मद्दिल्ली पुरेउ, मुहम्मद सुरित्राणस्य माराकृते निर्जित्याशु सभावनो जिनगुरू बौद्धादि-वादि-व्रजम । श्री भट्टारक सिह कीर्ति मुनिरा' ग्रंकविद्यागुरू वाभात्यश्वपते दिनेशतनयो वगाल देशावृत

हुम्वच वरित शिलालेख, जैन लेख स० भा० ३ पृ० ५२१ ॥

उक्त वाद विवाद का उल्लेख दशभक्त्यादि महाशास्त्र मे भी इस प्रकार है

विद्यानन्द स्वामिन सुनूवर्य सजात-सत्सिह कीर्ति वतीद्र । स्यात श्रीमान पूर्ण चरित्र गात्रो दान स्दर्भू धेनुमन्दार देश ॥ वाभात्यश्वपदे दिनेश तनयो गगाढय देश वृत । श्री मद्दिल्लि पुरे महम्मद सुरित्राणस्य माराकृते । निर्जित्याशू सभावनो जिनगुरू बौद्धादि वादि व्रजम । श्री भट्टारक सिह कीर्ति मुनिराट नाटचैक विद्या गुरू ॥

—दशभक्त्यादि महाशास्त्र ।

२१ नन्दानेक प्रशस्ति शीत गुमिते श्री विभुमोर्वीपते, वर्षे भाद्रपदस्य मास्यवरजे सौम्येदशम्या तिथौ । श्री हम्मीर महम्मदे प्रतपति क्षमामडलेखडले, ग्रथोऽय परिपूर्णतो समभजच्छी योगिनीपतने । — विविध तीर्थ कल्प .

२२ तहि भव्वहि सुमहोच्छवु विहियउ,
सिरि रयणकित्ति पट्ट णिहियउ ।

—बाहुबलि चरित प्रशस्ति ।

२३ 'महमद साहि मणु रजियउ,
विज्जिहि वाइय मणु भजियउ ।"

—बाहुबलि चरित प्रशस्ति ।

मुद्रण शैली के अभाव मे उस समय श्रावको के अनुरोध पर विद्वानो द्वारा धार्मिक ग्रथो का लिखा जाना और मन्दिरो मे विराजमान होना एक विशेष महत्व की बात मानी जाती थी। सन १३३४ मे अग्रवाल वशी साहू महीपाल के पुत्रो ने महाकवि पुष्पदत के उत्तर पुराण की प्रति लिखवाई थी जो आज भी आमेर के शास्त्र भडार मे सुरक्षित[२४] है।

इसी प्रकार, जैन शास्त्रो मे बतलाई गई व्यवस्थानुसार व्रतो की समाप्ति (उद्यापन) पर मन्दिरो मे धर्म ग्रन्थो को भेंट देने का प्रचलन उस समय भी दिल्ली मे था। सन १३४२ मे दिल्ली के 'दरबार चैत्यालय' में पचमी व्रत के उद्यापन पर काष्ठासघी भट्टारक नयसेन के शिष्य दुर्लभसेन के अध्ययनार्थ अग्रवाल वशी श्रावक सागिया और उनके पुत्रो द्वारा सकल सघ के समक्ष पाच पुस्तकें विराजमान करने का उल्लेख[२५] आमेर के शास्त्र भडार मे उपलब्ध 'क्रिया कलाप सवृत्ति' नामक ग्रथ मे मिलता है। इस सम्मुलेख मे यह बात विशेषरूप से ध्यान देने योग्य है कि उस समय दिल्ली मे एक 'दरबार चैत्यालय' नामका प्रसिद्ध मन्दिर था जिसमे काष्टासघ, माथुरगच्छ और पुष्करगण के साधु नयसेन और दुर्लभसेन निवास करते थे। यह चैत्यालय कहा और किस स्थान विशेष पर था, किसके द्वारा बनवाया गया था और इसका क्या हुआ, यह सब अज्ञात सा ही है। किन्तु ऐसा मत है कि सम्भवत यह चैत्यालय पूर्व मे बसी हुई दिल्ली के स्थान पर ही कही होगा।

सन १३५१ मे मुहम्मद तुगलक की मृत्यु के पश्चात उसका चचेरा भाई फीरोजशाह तुगलक दिल्ली की गद्दी पर बैठा। फीरोजशाह स्वभाव का धार्मिक व शातिप्रिय था। यद्यपि वह इस्लाम का कट्टर पक्षपाती था, परन्तु तत्कालीन जैन भट्टारक प्रभाचन्द्र[२६] का विशेष सम्मान करता था।

२४ देखो, उत्तर पुराण लिपि प्रशस्ति सग्रह पृ० ९७,

२५ देखो, क्रिया कलाप सटीक प्रशस्ति, प्रशस्ति सग्रह, पृ० ९७.

२६ देखो, ए पन्नालाल दि० जैन सरस्वती भवन ब्यावर मे उपलब्ध 'भगवती आराधना पजिका' और जयपुर तेरापथी मदिर मे उपलब्ध 'वृहद द्रव्य सग्रह' की लिपिप्रशस्तिया।

तुग़लक वश के अन्तिम वादशाह महमूद तुगलक की सन १४१४ मे मृत्यु के साथ ही इस वश का अत हो गया और उसके वाद सैयद वश का पहला वादशाह खिजर खा वना। इस वश के वादशाहो ने दिल्ली सिंहासन पर सन १४५० तक राज्य किया। इस वश के मुवारिकशाह के शासन काल (सन १४२१-२३) मे साह हेमराज राज[२७]-मत्री पर पद रहे। इन्होने एक भव्य चैत्यालय वनवाया, तत्कालीन भट्टारक यश कीर्ति द्वारा पाण्डव-पुराण की रचना करवाई और हस्तिनापुर के लिये सघ चलाया था[२८]। यशकीर्ति व उनके जेष्ठ भ्राता एव गुरु गुण कीर्ति दोनो ही अपने समय के वडे विद्वान व सयमी थे। उन्होंने स्थानो स्थानो पर भ्रमण कर जनसाधारण के लिये धर्म का उपदेश दिया। तथा अनेक ग्रथो का जीर्णोद्धार कराया। गुणकीर्ति जी की प्रेरणा से प० पद्मनाभ नाम के कायस्थ विद्वान ने 'यशोधर चरित' की रचना की। भट्टा० यशकीर्ति जी ने अग्रवाल वशी साहू दिवड्ढा की प्रेरणा से 'हरिवश पुराण' नाम के ग्रथ की रचना स १४४३ मे की[२९]। इस ग्रथ मे २६७ कडवको के द्वारा जैन धर्मानुकूल महाभारत की कथा को अकित करते हुऐ भ० नेमिनाथ का जीवन परिचय दिया है।

धर्मपुरा स्थित 'नया मदिर' मे भट्टारक यश कीर्ति की प्रेरणा पर कवि विबुध श्रीधर द्वारा सस्कृत का सन १४२९ मे रचित 'भविष्यदत्त कथा' नाम का ग्रथ उपलब्ध है।

सन १४६१ मे सैयद वश के अत के पश्चात लोदी वश के सुलतानो ने दिल्ली पर शासन किया। इस वश के अतिम सुलतान इब्राहीम लोदी को सन १५२६ मे पानीपत के प्रथम युद्ध मे परास्त कर वावर ने भारत मे मुगल वश की स्थापना की। वावर के राज्य काल मे सन १५३० मे साहू साधारण श्रावक की प्रेरणा से दिल्ली (योगिनीपुर) मे इल्लराज के पुत्र महिन्दु (महाचन्द्र) ने भगवान शातिनाथ का चरित चार हजार तीन सौ श्लोको के प्रमाण का वनाया था[३०]। उस ग्रथ की एक मात्र उपलव्ध पाडुलिपि धर्मपुरा के नया मन्दिर के शास्त्र भडार मे आज भी है। इस ग्रथ से यह भी ज्ञातव्य है कि साहू साधारण ने उस समय एक चैत्यालय का निर्माण कराया था और हस्तिनागपुर की यात्रा के लिये सघ भी चलाया था[३१]।

---

२७. देखो, पाण्डव पुराण प्रशस्ति—

"तहो णदणु णदणु हेमराउ,
जिणधम्मोवरि जसु णिच्च भाउ।
सुइताण मुमारख तणइ रज्जे,
मतितणे थिउ पिय भार कज्जे।"

२८. देखो, पाण्डव पुराण प्रशस्ति—

"जे अरहत देउ मणि भाविउ,
जासु पहुत्त कोविण तावि उ।
जेण करावहु जिण चेयालउ,
पुण्णहेउ चिररय पवखालउ।
धयतोरण कलसेहि अलकिउ,
जसु गुरुत्ति हरि जाणुवि सकिउ।"
विक्कम राय हो ववगय कालइ,
महि इदिय दुसुण्ण अकालइ।
भादव एयारसि सिय गुरुदिणे,
हुउ परिपुण्णउ उग्गतहि इणे॥
—हरिवश पुराण-१३ १९

२९ वदान्यो वहुमानश्च सदा प्रीतो जिनार्चने।
परस्त्री विमुखो नित्यं दिवड्ढाख्योम नन्दतात्॥
—हरिवश पुराण सधि ५-१

३० देखो, शातिनाथ चरित की निम्न पक्तिया—

'विक्कम राय हु ववगइ कालइ
रिसि-वसु-सर भूयवि अकालइ।
कत्तिय पढम-पक्खि पचमिदिणि,
हुउ परिपुण्णो कि उग्गतइ इणि॥"

३१ देखो, शातिनाथ चरित प्रशस्ति—

"जहि चाउवण्ण पयसुट्ठि वसति,
णिय-णिय किरियाइ विरत्त निति।
तहि चेयालउ उत्तुग सहइ,
वय मडिउ मोक्खहो मग्गु वहइ।
जहि मुणिवर सत्थइ वायरति,
मह-जणण-पूय गावयवरति।
तहि कट्ठसघ माहुर विगच्छि,
पुक्खरगण मुणिवर चरित्तिनच्छि।
जसमुत्ति विजसकित्तिवि मुणिंदु,
भव्वयण-नमत-वियणण-दिणिदु।
तहु सीसु वि मुणिवरु मलयकित्ति,
अणवरय भमइ नगि जासुकित्ति।
तहु सीसु वि गुणभद्द नाम भणि,
भुवणमनि सिद्ध गुणभद्द-सूरि।
घत्ता-तहुपय-भत्तउ साहु सौधरणउ जाणियइ,
गुण वड्ढियइ णिवासि जोयणिपुर मिणगज्जइ।

उसी समय के साहु तोसड के जयेष्ठ पुत्र नेमिदास जो कि चन्द्रवाड के तत्कालीन चौहानवशी राजा प्रतापरुद्र द्वारा सम्मानित था, ने बहुत प्रकार की धातु स्फटिक और विद्रुम (मू गा) की अगणित जैन प्रतिमाऐं बनवाई थी और उनकी प्रतिष्ठा भी कराई थी[३२]।

शेरशाह सूरी, जो कि बाबर की मृत्यु के पश्चात उस के पुत्र हुमायू को सन १५४० मे पूर्णतया परास्त कर दिल्ली के सिंहासन पर बैठा, के शासन काल मे आचार्य पुष्पदत रचित 'आदिपुराण' की एक सचित्र प्रति लिखी गई, जो कि वर्तमान मे जयपुर के तेरापथी मन्दिर के शास्त्र भडार मे आज भी सुरक्षित है। इस ग्रथ मे लगभग ५०० चित्र हैं जिनमे अधिकाश स्वर्णांकित हैं। इन चित्रो मे मुगलकालीन कला परिलक्षित होती है तथापि दर्शनीय और भावपूर्ण हैं।

सन १५५५ मे हुमायू ने पुन दिल्ली का राज्य प्राप्त किया। सन १५५६ मे उसकी मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र अकबर गद्दी पर बैठा किन्तु उसने आगरा को राजधानी बनाया। भारतीय इतिहास मे मुगल सम्राटो मे अकबर का शासन काल स्वर्णयुग माना जाता है। अकबर की उदार व असाम्प्रदायिक धार्मिक नीति के कारण उसके शासन काल मे प्रत्येक धर्म ने प्रगति की। अकबर की इस धर्म निरपेक्षता की नीति के बारे मे उल्लेख उस समय के जैन विद्वान पाडे राजमल जी ने सन १५७५ मे रचे गये अपने ग्रथ 'श्री जम्बू स्वामी चरित' मे भी किया है[३३]।

उक्त ग्रथ मे जैन श्रावक साहू टोडरमल, जो कि अकबर के उच्चधिकारियो मे से थे और जिन्होने मथुरा के निकट बने हुऐ ५०० से भी अधिक जीर्ण स्तूपो का उद्धार कराया था तथा नवीन स्तूप भी निर्माण कराये थे, का भी उल्लेख किया है[३४]।

अकबर एक कुशल राजनीतिज्ञ व धर्म निरपेक्ष बादशाह होने के साथ-साथ विद्वान प्रेमी भी था। उसके दरबार के नवरत्न इतिहास प्रसिद्ध है। श्वेताम्बरीय जैन तपगच्छ के तत्कालीन विद्वान पद्मसुन्दर उसके ३२ हिन्दू सभासदो के पाच विभागो में से प्रथम विभाग मे थे[३५]। पद्मसुन्दर जी के के गुरू पद्ममेरू और दादा गुरु आनन्दमेरु दोनो ही विद्वान बाबर व हुमायू से सम्मानित थे[३६]। पद्म सुन्दर जी के स्वर्गवास के पश्चात उनका विशाल जैन इतर साहित्य का भडार भी अकबर के सरक्षण मे ही रहा[३७]।

उस समय के प्रख्यात श्वेताम्बर जैनाचार्य हरिविजय जी व उनके शिष्य अकबर द्वारा विशेष सम्मान प्राप्त थे। आचार्य हरिविजय जी को उसने प्रथम भेंट पर जो कि सन १५८२ मे हुई, उक्त पद्म सुन्दर जी के भडार मे से एक थ भी उपहार स्वरूप दिया था[३८]।

अबुलफजल ने इन साधुओ की गणना अकबर के दरबार के उल्लेखनीय विद्वानो मे की है। उसने उन्हे 'खुशफहम' की उपाधि प्रदान की थी[३९]।

अकबर के शासन-काल मे ही पद्मसुन्दर जी ने 'भविष्य दत्त चरित', 'रायमल्लाभ्युदय काव्य,' और 'पार्श्वनाथ चरित,' नामक ३ ग्रथो की रचना की थी। भट्टारक विशाल कीर्ति के शिष्य ठाकुर ने भी उसी समय 'महापुराण कालिका' नामक विशाल हिन्दी ग्रथ की रचना की थी जिस मे त्रेसठशलाका पुरुषो (२४ तीर्थंकर, १२ चक्रवर्ती, ९ नारायण, ९ प्रतिनारायण और ९ बलभद्र) का सक्षिप्त परिचय दिया गया है[४०]। कवि परिमल की सन १५४९ की रचना 'श्रीपाल चरित' भी उसी समय की है।

जे तित्थयर विगोत्तु णिबद्धउ,
करि पयट्ठ सुह पुराणु लद्धउ।
सघाहिउ गयपुरि सजायउ,
अमर वालु सघह सहु भायउ।
गग्ग गोतु णिम्मलु गुण सायरू,
सुथरें मेरुवितेय दिवायरू।"

३२ देखो, कविवर रइघू कृत 'पुराणाश्रव कथा कोष' प्रशस्ति।

३३ देखो राजमल कृत 'जम्बू स्वामी चरित्र' के ९, १० ११ वें पद्य।

३४ देखो राजमल कृत 'जम्बू स्वामी चरित्त' के ७९ से १२२ वें पद्य।

३५ देखो, जैन साहित्य और इतिहास, पृ० ३९५

३६ देखो, पद्मसुन्दर कृत 'अकबर शाहिशृगारदर्प' की प्रशस्ति।

३७-३८ देखो, 'सूरीश्वर अने सम्राट' पृ० ११९.

३९ अनेकात वर्ष १३, किरण ७-८ मे प्रकाशित लेख।

४० देखो, 'लाटी सहिता' के २३, ६१ व ६२ वें छद।

अकबर ने गुजरात के तत्कालीन महाविद्वान साधु श्री जिनचन्दसूरि की विद्वता के बारे मे सुनकर उन्हे सम्मान के साथ आमन्त्रित किया था[४१]। जब तक उन्होंने राजधानी मे निवास किया, वह उनका उपदेश नित्य श्रवण किया करता था।

अकबर के पुत्र सलीम (जहागीर) के शासन काल मे भी अनेक मूल ग्रथो की रचना हुई और प्रतिलिपि का कार्य हुआ। जहागीर ने भी अपनी राजधानी आगरा ही रखी इसी पर आचार्य श्री जिनचन्द्र सूरि के शिष्य जिनसिंह का विशेष प्रभाव पडा था[४२]।

जहागीर के शासन काल मे जैन जगत के सुविख्यात कविवर भगवती दास जो कि मूलत बूढ़िया ग्राम (जिला अम्बाला) के निवासी थे व दिल्ली के तत्कालीन भट्टारक महेन्द्रसेन के शिष्य थे ने अपनी रचनायें की। भगवतीदास जी जैनागम के अच्छे ज्ञाता सस्कृत व प्राकृत भाषा के विद्वान व आशु कवि थे। उनकी सस्कृत हिन्दी और अपभ्र श भाषा की अनेक रचनाऐं उपलब्ध हैं।

कारजा के शास्त्र भडार मे आपकी ज्योतिष सम्बन्धी 'ज्योतिषसार' नाम की एक सस्कृत रचना भी उपलब्ध है, जिसे उन्होंने सन १६३७ मे हिसार के वर्धमान चैत्यालय मे बना कर समाप्त किया था[४३]। उनकी कुछ महत्वपूर्ण कृतिया जो कि सन १५९४ से लेकर सन १६४३ तक के समय के बीच मे रची गई थीं अजमेर के भट्टारक हर्षकीर्ति के शास्त्र भंडार के एक गुटके मे लिखी हुई प्राप्त हुई हैं। उन की अन्य रचनाओ में 'वैद्य विनोद' 'दिल्ली राज दोहावली' 'चूनडी रास' और 'अनेकार्थ नाम माला' उल्लेखनीय है[४४]। 'वैद्य विनोद' की रचना उन्होंने सन १६४३ मे अकबराबाद मे की थी और जो अब भी कारजा के ज्ञान भडार में सुरक्षित है। उन्होंने 'चूनडी रास' ग्रथ की रचना सन १६२३ मे जहाँगीर के राज्य काल मे की थी, इस ग्रथ की अन्तिम प्रशस्ति मे दिल्ली (योगिनीपुर) के मोती बाजार मे स्थित पार्श्वनाथ मन्दिर का उल्लेख विशेष किया गया है[४५]। इस मदिर का निर्माण कब और किस स्थान पर हुआ तथा बाद मे इसके अस्तित्व को क्या हुआ, यह उपर्युक्त सन १४४० से लेकर सन १५३० के बीच मे स्थित कई मन्दिरो, जिनके बारे मे विभिन्न ग्रथो मे उल्लेख मिलता है और जिनका अस्तित्व आज ज्ञात नही है, की तरह अन्वेषणीय है।

सन १६२७ मे जहाँगीर की मृत्यु के पश्चात उसके पुत्र शाहजहा सिंहासन पर बैठा। उसने पुन दिल्ली को शहाजहानाबाद के नाम से राजधानी बनाया। उस के शासन काल मे ही एक सैनिक ने छावनी के निकट उर्दू बाजार मे शाही अनुमति लेकर जैन मन्दिर की स्थापना की थी जो उस समय उर्दू मन्दिर और कालातर मे लाल मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। जैसा कि अगले अध्याय मे दिये गये विवरण से प्रगट होगा, मन्दिर की दायी ओर की वेदी प्राचीन मूल वेदी है जिसमे तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की सन १४९१ की भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित मूर्ति विराजमान हैं।

शाहजहा के राज्य काल मे ही दिल्ली दरवाजे के निकट अवस्थित दिगम्बर जैन मन्दिर का निर्माण हुआ[४६]।

---

४१. देखो, सूरिश्वर अने सम्राट, पृ० १४९७-१५५

४२ इडियन कलचर भा० ४ न० ३, पृ० ३११-१२.

४३ देखो, भगवतीदास कृत 'ज्योतिसार'।

४४. देखो, अनेकात वर्ष ११, किरण ४-५

४५ देखो, भगवतीदास कृत 'चूनडी रास' के ८३ व ८४ वें निम्न पद्य—

"नगर बूढिये वसै भगौती,
जन्मभूमि है आसि भगौती।
अग्रवाल कुल बसल गोती,
पडित पद जन निरख भगौती। ८३

जोगनिपुर परि राजें,
राम गोरि निन नौवत बाजे।
प्रतिमा पार्श्वनाथ अघहना,
नगर नर पवर मतिवता।
मोती हट निज भवन विराजै,
प्रतिमा पार्श्वनाथ की गाजै।
श्रावक सुगुन सुजान दयाल,
पट् जिय जान करे प्रतिपाल ॥

४६ देखो, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मोनुमैंटस।

सन १६३५ मे पडित प्रवर रूपचन्द्र जी ने समवशरण पाठ की रचना की[४७]।

औरंगजेब के समय मे क्रूर और कट्टर सम्प्रदायिक नीति का पुन बोलवाला हुआ। अकबर द्वारा लगाये गये धर्म निरपेक्ष शासन के वृक्ष को समूल जड से उखाड कर फेंक दिया गया। ऐसे शासन मे नवीन मदिरों, मूर्तियो आदि के निर्माण की वात तो दूर रही, अवस्थित मन्दिरो आदि धार्मिक स्थानो को सुरक्षित रहना भी दुष्कर था।

उस समय की दिल्ली की उल्लेखनीय ग्रंथ रचनाओ मे आचार्य अरुणमणि का 'अजितपुराण' है जिसकी रचना उन्होने सन १६५६ मे शाहजहानावाद मे जयसिहपुरा के पार्श्वनाथ मन्दिर मे की थी[४८]।

शाहजहानावाद मे जो वाद को जयसिहपुरा और वर्तमान मे नई दिल्ली के नाम से प्रसिद्ध है, दो प्राचीन मदिरो का उल्लेख मिलता है एक मन्दिर पार्श्वनाथ का जिसका उल्लेख उक्त अजितपुराण मे आया है और जो आज कल खडेलवाल मन्दिर कहा जाता है, यह मन्दिर कव और किसने बनवाया, यह ज्ञात नही हो सका। दूसरे मन्दिर का उल्लेख 'महावीर चैत्यालय' के नाम से मुगल वादशाह मुहम्मदशाह के राज्यकाल का सन १७२४ का उपलब्ध हुआ है। इस मन्दिर के वारे मे ऐसा कहा जाता है कि जयपुर के राजा सवाई जयसिंह जव दिल्ली पधारे थे और उन्होंने सन १७२४ मे जब रायसीना मे जतर मतर का निर्माण कराया था, उसी समय उनके दीवान रामचन्द्र छावड़ा ने 'महावीर चैत्यालय' का निर्माण कराया था। ऐसा भी मत है कि नई दिल्ली की वर्तमान निशिया स्थान मे ही उक्त मन्दिर अवस्थित रहा हो क्योकि उसमे भी शिखर आदि नही था।

सन १७१६ मे नौघरे के भव्य व कलापूर्ण श्वेताम्वर मन्दिर का निर्माण हुआ।

औरगजेव के बाद वहादुरशाह, फर्रुखसियर और मुम्मदशाह दिल्ली की गद्दी पर बैठे। फर्रुखसियर के काल मे सेठ घासी राम खजाची रहे जिन्होने कूचा घासीराम वसाया। मुहम्मदशाह के राज्य काल में सन १७३६ में नादिरशाह के आक्रमण से मुगल साम्राज्य, जिसका अध पतन औरगजेव के समय से ही प्रारभ हो गया था, की नीव खोखली हो गई। मुहम्मद शाह के उत्तरधिकारी नितात ही निर्वल और अयोग्य थे। शाह आलम द्वितीय ने अग्रेजो को वगाल, विहार उडीसा की दीवानी का अधिकार दिया। धीरे धीरे अग्रेजो का जो कि भारत मे केवल व्यापार की अनुमति लेकर आये थे, राजनैतिक प्रभुत्व वढता गया और बाद मे एक क्षेत्रराज्य स्थापित हुआ। वहादुर शाह द्वितीय मुगल वश का अन्तिम बादशाह था, जिसे सन १८५७ के अग्रेजो के विरुद्ध प्रथम स्वातत्र्य सग्राम मे थोडे समय के लिये सिंहासनारूढ किया गया। वाद मे अग्रेजो ने उसे वदी वनाकर रगून भेज दिया जहा उसकी मृत्यु हो गई। इस प्रकार भारत मे मुगल वश की सदैव के लिऐ इतिश्री हो गई।

मुहम्मदशाह के राज्य काल मे सन १७४६ मे भट्टारक जगत कीर्ति की आम्नाय मे पडित जैरामदास के शिष्य राम चन्द्र ने 'आदि पुराण' की प्रतिलिपि लिखी जो आज भी पचायती मन्दिर मे विद्यमान है। उसके मुहम्मदशाह के समय मे नादिरशाह द्वारा किये गये आक्रमण व आज्ञा के परिणाम स्वरूप दिल्ली मे फाल्गुन शुक्ल १२ सम्वत् १७९५ का कुविख्यात नर वध तथा लूट आदि का चित्रण उसी दिन पूर्ण हुए 'प्रद्युम्न चरित' की प्रतिलिपि जो वर्तमान मे 'जैन सिद्धात भवन आरा' मे उपलब्ध है, मे किया गया है।

मुहम्मदशाह के शासन काल मे शाही खजाची पद पर हिसार निवासी राजा हरसुखराय जी थे। उसके वाद भी अपनी मृत्युपर्यंत, आलमशाह द्वितीय आदि के राज्य मे, वह इस पद पर रहे। इनको वादशाह की ओर से राजा की पदवी प्राप्त थी।

४७ श्रीमत साहि जलालदीनविलसद्, वशाद्रि भास्वन्महा,
नुघद्विर व महोदय जहागीरात्मज. सज्जय ।
व श्री साहिजहा नरेन्द्र महितो मत्या, चकत्तान्वय
श्रीन्द्रप्रस्थपुर प्रताप विदितो यत्पालनेप्रोद्गत ।
—जैन ग्रथ प्रशस्ति स०, पृ० १५६

४८ देखो, अरुणि मणि कृत 'अजित पुराण' की निम्न पक्तिया—
"रस वृषयति चद्रे ख्यात सवतसरे (१७१६) स्मिन ।
नियमित सितवारे वैजयन्ती दशम्या ।।
अजित जिन चरित्र, वोधयात्र वुधाना ।
रचित ममल वाग्यि रक्त रक्तेन ।।४०।।
मुगले भू भुजा श्रेष्ठ राज्येऽ वरग साहि के ।
जहानावाद नगरे पार्श्वनाथ जिनालये ।।४१।।"

कहा जाता है कि मन्दिर की नीव सन १८०० मे पडी थी और ७ वर्ष पश्चात लगभग ५ लाख की लागत से इसका निर्माण हुआ था[४९]। कुछ लेखको ने ८ लाख रुपये की लागत का उल्लेख भी किया[५०] है। मन्दिर की मुख्य वेदी, मूलनायक का कमल रूपी सिंहासन तथा वेदी के चारो ओर बने हुए सिंह युगल की कारीगरी अत्यन्त ही आकर्षक है। वेदी तथा उसके चारो ओर बने हुए सिंह युगल मे किया गया पच्चीकारी का काम किन्ही अशो मे ताजमहल से भी अधिक बारीक है। सिंहो की मूछो के बाल अलग-अलग पत्थरो से अकित करने का कार्य निस्सदेह ही अद्वितीय है। वेदी के चारो ओर दीवारो पर दर्शनीय बहुमूल्य चित्रकारी है। जो खोज के साथ शास्त्रोक्त प्रसगो को लेकर की गई है।

राजा साहब व उनके सुपुत्र सेठ सुगन चन्द्र जी ने जैसा कि कहा जाता है, विभिन्न स्थानो पर ५७ मन्दिर बनवाये। इन मन्दिरो के निर्माण के अतिरिक्त उन्होने अपने समय मे जन सामान्य के हित के लिये अनेक कार्य किये, जो सिद्ध करते हैं कि वे सच्चे अर्थो मे धार्मिक व उदार स्वभाव के व्यक्ति थे[५१]।

वर्तमान वैदवाडा मे स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर की प्रतिष्ठा सन १७४१ मे हुई। मस्जिद खजूर मे अवस्थित पचायती मन्दिर का निर्माण भी मुहम्मदशाह के समय मे उसके कमसरियट विभाग के पदाधिकारी आज्ञामल ने सन १७४३ मे कराया था[५२]।

४९ देखो, आसारेसनादीद, सन १८४७, पृ० ४७-४८ रहनुमाये देहली, पृ०१६६, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मानूमेंटस, भाग १, पृ० १३२.

५० देखो, देहली दी इम्पीरियल सिटी, पृ० ३५, दिल्ली डायरेक्टरी (सन १९१५) पृ० १०३, पजाब डिस्ट्रिक्ट गजेटियर (१९१२) पृ० ७८

गजेटियर आफ दिल्ली डिस्ट्रिक्ट (१८८३-८४), पृ० ७८-७९

दिल्ली दिग्दर्शन, पृ० ६, देहली इन टू डेज, पृ०४३ वडर फुल दिल्ली, पृ० ४३

५१ देखो, 'अनेकान्त,' अक अप्रैल, सन १९३९

५२. देखो, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मोनूमेंटस।

भट्टारक परम्परा

भगवान महावीर के निर्वाण के बाद लगभग ६०० वर्ष तक जैन सघ[५३] विकासशील था। सघ का साधु वर्ग मुनियोचित चारित्र का पालन कर धर्म के मौलिक सिद्धातो का विकास और प्रसार करने के लिये अपना पूरा समय व्यतीत करता था। जन साधारण से सम्पर्क बना रहे, इस उद्देश्य से वे परिव्रज्या व निरतर भ्रमण का अवलम्ब करते थे। भगवान के आदर्शो के अनुरूप मठ, मदिर, वाहन आसन आदि बाह्य परिग्रह की उन्हे आवश्यकता न थी।

दूसरी शताब्दी से जैन समाज के इतिहास मे व्यवस्थापन युग शुरू हुआ। इसके आरम्भ मे कुन्दकुन्द और धरसेन आचार्य ने विशाल जैन शास्त्रो को सूत्रबद्ध करना आरम्भ किया। पाचवी सदी मे श्वेताम्बर सम्प्रदाय ने भी अपने आगम शास्त्रबद्ध किये। अनुश्रुति से चली आई पुराण कथायें इसी समय विमलसूरि, सघदास, कवि परमेश्वर के द्वारा ग्रथबद्ध हुई। तत्व ज्ञान के क्षेत्र मे भी समतभद्र और सिद्धसेन के मौलिक विवेचन को अकलक और हरिभद्र द्वारा इसी युग मे सुव्यवस्थित सम्प्रदाय का रूप प्राप्त हुआ। पल्लव, कदम्ब, गग और राष्ट्रकूट राजाओ के आश्रय से इसी युग मे मठ और मदिरो का निर्माण वेग से हुआ तथा आचार्य परम्परायें सार्वदेशीय रूप छोड कर स्थानीय रूप धारण करने लगी।

जैन सघ मे प्राचीन समय से मुनि, आर्यिकाओं का साधु वर्ग और श्रावक श्राविकाओ का गृहस्थ वर्ग होता है।

मुसलमानी शासको के काल की अस्थिर राजनैतिक परिस्थितियो के कारण न केवल जैनो मे ही वरन् सभी भारतवासियो मे स्वभावत विकास और व्यवस्था की प्रवृत्तिया पीछे रह गई और आत्म-सरक्षण की प्रवृत्ति को ही प्राधान्य मिलने लगा। किसी युग प्रवर्तक नेता के अभाव मे यह सरक्षणात्मक प्रवृत्ति धीरे धीरे व्यापक होती गई और अन्त मे उसने विकासशीलता को समाप्त कर दिया। इसी प्रवृत्ति के फलस्वरूप जैन साधुवर्ग मे भट्टारक सम्प्रदाय की उत्पत्ति हुई। भट्टारको के कार्य क्षेत्र मे, जिसका बयान आगे किया जायेगा, इसी प्रवृत्ति की छाप मिलती है, जो यद्यपि भगवान महावीर तथा उनके बाद के आचार्यो मे

५३. देखो, भट्टारक सम्प्रदाय, पृष्ठ १

आदर्श के अनुरूप न था, किन्तु तत्कालीन परिस्थितियो मे जैन सघ के अस्तित्व के लिये आवश्यकीय था। इस प्रकार के नेतृत्व के अभाव मे ही बौद्ध धर्मावलम्बी समाज, जिस की सामार्थ्य जैनो से अपेक्षाकृत अधिक थी भारत से सर्वथा लुप्त हो गई।

जैन सघ के साधुवर्ग से भट्टारक परम्परा पृथक होने के दो आधार भूत कारण थे--पहला वस्त्रधारण और दूसरा मठ और मदिरो का निर्माण और उपयोग। यद्यपि उस समय भी वस्त्र धारण की प्रथा श्वेताम्बर सम्प्रदाय के साधुओ मे थी, किन्तु भट्टारक परम्परा मे किसी न किसी रूप मे दिगम्बरत्व का आदर भाव था। नग्नता के इस आदर के कारण ही यह परम्परा प्राय श्वेताम्बर सम्प्रदाय से पृथक, दिगम्बर साधु वर्ग का अपवाद मार्ग होकर मान्यता प्राप्त करती रही।

उक्त दो प्रथाओ के कारण ही भट्टारको का स्वरूप साधुत्व से अधिक शासकत्व की ओर झुका और अन्त मे यह प्रकट रूप से स्वीकार भी किया गया। वे अपने को राजगुरु कहलाते थे और राजा के समान ही पालकी, छत्र, चमर आदि का उपयोग करते थे। कमण्डल और पीछी आदि मे सोने चादी का उपयोग होने लगा था। इनका पट्टाभिषेक राज्यभिषेक की तरह बडी धूमधाम से होता था। इस राजवैभव की अकाक्षा ही भट्टारक पीठो की वृद्धि का एक प्रमुख कारण रही।

धर्म प्रसार के हेतु भट्टारको का आवागमन भारत के प्राय समी भागो मे होता था। किन्तु स्थान-भेद और कही कही कुछ आचरण भेद के कारण विभिन्न परम्पराओ पद्धत्तियो का प्रादुर्भाव हुआ। इनमे अधिकाश परम्पराओ के ऐतिहासिक उल्लेख नौवो शताब्दी से प्राप्त होते हैं। इस लिये यह परम्परा अमुक आचार्य ने अमुक समय स्थापन की, यह कहना असम्भव है। इनकी विभिन्न परम्पराओ के पीठ दक्षिण मे मूडबिडी, श्रवणवेलगोल, कारकल, हुवच, महाराष्ट्र मे मलखेड, कोल्हापुर, विदर्भ मे रिद्धिपुर, बालापुर, रायटेक, अमरावती, आसगाव, एलिचपुर, नागपुर, गुजरात मे सूरत, सोजिला, ईडर, मध्य भारत मे धारा नगरी, ग्वालियर, सोनागिरि, अटेर, नागौर, जयपुर, अजमेर, चित्तौड, भानपुर, और उत्तर भारत मे हिसार, दिल्ली और हस्तिनापुर आदि स्थानो मे थे।

भट्टारको के कामो मे मूर्ति व मत्र प्रतिष्ठा ग्रथ-लेखन और सरक्षण, विद्याध्ययन हेतु शिष्य परम्परा, जाति सघटन, तीर्थयात्रा और तीर्थ व्यवस्था मत्र-तत्र साधना और चमत्कार तथा कला कौशल्य का सरक्षण उल्लेखनीय हैं।

दिल्ली मे यद्यपि समय समय पर प्राय सभी पीठो के भट्टारको ने अपना सम्बन्ध जोडा है, पर यहा मुख्य रूप से दो परम्पराओ की पीठ होना ज्ञात होता है। पहली परम्परा मध्यकालीन काष्ठासघ माथुरगच्छ शाखा के आरम्भ करने वाले भट्टारक माधवसेन (माहवसेन) की थी। ये अलाउद्दीन खिलजी के राज्यकाल मे (सन १२९५-१३१५) हुए थे और अपनी विद्वत्ता व त्याग द्वारा बादशाह तथा जन साधारण के बडे ही श्रद्धापात्र थे। तत्वज्ञान के अतिरिक्त इन्हे मत्रादि शक्ति की भी सिद्धि थी। इनकी परम्परा मे क्रमश उद्धव सेन, देव सेन, विमल सेन, धर्म सेन, भाव सेन, सहस्त्रकीर्ति गुणकीर्ति, यश कीर्ति, मलय कीर्ति, गुणभद्र, भानु कीर्ति, क्षेत्रकीर्ति और कुमार सेन हुए।

भट्टारक गुणभद्र के अम्नाय मे सन १५१८ मे सुलतान इब्राहीम के शासनकाल मे चौधरी टोडरमल जैसवाल ने 'महापुराण' की एक प्रति लिखी[५४]। सन १५३० मे भट्टारक गुणभद्र के एक शिष्य ने 'शातिनाथ चरित्र' लिखा। हुमायू के राज्य काल सन १५३३ मे इनके शिष्य धर्मदास के आम्नाय मे 'धनद चरित्र' की एक प्रति लिखी गई[५५]। अन्य भट्टारको द्वारा अथवा उनके समय मे रचित ग्रथो का उल्लेख ऊपर किया जा चुका है।

दूसरी परम्परा थी बलात्कार-गण के नयसेन दुर्लभसेन आदि की। इस परम्परा की उत्तर शाखा मे भट्टारक रत्नकीर्ति हुए। इन्ही के पट्ट पर दिल्ली मे सवत् १३१० (सन १२५३) की पौष शुक्ल १५ को भट्टारक प्रभाचन्द्र का अभिषेक किया गया[५६]। भट्ट० प्रभाचन्द्र ब्राह्मण जाति के थे। इन्होने खभात, धारा, देवगिरि आदि स्थानो मे विहार किया तथा दिल्ली के तत्कालीन बादशाह मुम्मदशाह को प्रसन्न किया और ७४ वर्ष तक पट्टाधीश रहे। इनके शिष्य ब्रह्म नाथूराम ने सवत् १४१६ (सन १३५९) की

५४ देखो, महापुराण-पुष्पदत (माणिक चन्द्र ग्रथ माला) प्रस्तावना, पृष्ठ १५

५५ देखो, 'अनेकात' अक ५, पृष्ठ ५०.

५६ देखो, धनपाल कृत 'बाहुबलि चरित'.

माघ शुक्ल ५ को फीरोजशाह तुगलक के राज्यकाल मे 'आराधना पजिका' की एक प्रति लिखी थी[५७]।

भ० प्रभाचन्द्र ने वाद मे अपने पद पर भट्ट० पद्मनदि को स्थापित किया। भट्ट० पद्मनदि के तीन प्रमुख शिष्यो शुभचन्द्र, सकल कीर्ति तथा देवेन्द्र कीर्ति द्वारा क्रमश तीन भट्टारक परम्परायें जयपुर शाखा, ईडर शाखा तथा सूरत शाखा से शुरू हुई जिनका आगे अनेक प्रशाखाओ मे विस्तार हुआ।

जयपुर शाखा मे भट्ट० शुभचन्द्र के वाद भट्ट० जिनचन्द्र हुए जिनका पट्टाभिषेक सवत् १५०७ (सन १४५०) की ज्येष्ठ कृष्णा ५ को हुआ। ये ६४ वर्ष तक पट्टाधीश रहे। 'सिद्धान्तसार' ग्रथ इन्ही की कृति है। सेठ जीवराज पापडीवाल ने इन्ही के द्वारा मुडासा शहर मे सवत १५४८ (सन १४९१) की वैशाख शुक्ल ३ (अक्षय तृतीया) को हजारो मूर्तियो की प्रतिष्ठा कराई। ये मूर्तिया आज भारत के कोने कोने मे पहुची है।

भट्टारक सम्प्रदाय का इतिहास अव तक उपेक्षित सा रहा है, अतएव अन्य स्थानो की भाति दिल्ली की भट्टारक परम्पराओ मे भी वहुत कुछ अन्वेषणीय हैं। इस सम्प्रदाय की उत्पत्ति, अभ्युदय और कालातर म इसके ह्रास का काल यद्यपि कई अर्थो मे जैन सघ के ही ह्रास का परिचायक है, तथापि इसका इतिहास ऐसी कई विशेषताएँ छिपाये है जो आज की परिस्थितियो मे और भविष्य के लिये मार्ग दर्शन कर सकती है।

अंग्रेजी शासन काल और उसके वाद

सन १७०७ मे मुग़ल सम्राट औरगजेव की मृत्यु के १५० वर्ष के दौरान मे दिल्ली की धरती पर हुए राजनैतिक झगडो, लूट खसोट और भीषण रक्तपात ने इसे वीरान वना दिया। यदि नादिरशाह ने इसके शरीर को अपनी धन लोलुपता और नृशसता के लम्बे नाखूनो मे नोच कर अस्थिपजरवत् किया तो १८५७ के वाद अग्रेजो द्वारा अपनाई गई प्रतिक्रिया नीति ने इस विशाल नगर को खडहरों मे वदल दिया। उस कला प्रिय शाहजहा की राजधानी शाहजहानावाद की भव्य इमारतें व बडे बडे विशाल प्रासाद गिरा दिये गये। न्याय व सुरक्षा की ओट मे देश प्रेमी नागरिको व उनके मासूम वालको को वदूक का निशाना वनाया गया। अग्रेजो की इस दमन नीति के अतिम प्रहार मे दिल्ली प्रथक शासन से हटकर नवीन पजाव प्रात का एक जिला मात्र रह गयी।

किन्तु कालचक्र की गति वदली! ब्रिटेन की महारानी की सन १८५८ की घोषणा के वाद ही नीतिकुशल अग्रेजो ने भारत मे राजनैतिक स्थिरता लाने का प्रयास किया। सम्पूर्ण भारत मे विशाल साम्राज्य के उन महत्वाकाक्षियो ने एक ओर देश के विभिन्न भागो मे राजे महाराजाओ को अपनी कूटनीति द्वारा अपग और निर्वल कर अपने आधीन किया और दूसरी ओर रेल आदि यातायात के साधनो को उन्नत किया।

सुदृढ केन्द्रित शासन की दृष्टि से दिल्ली के महत्व को भी उन्होने समझा, जिसके फलस्वरूप सन १९११ के दरवार मे जार्ज पचम ने राजधानी को कलकत्ता से हटाकर दिल्ली लाने की घोषणा की।

दिल्ली ने राजधानी के रूप मे स्वतत्र प्रात होकर अपना खोया हुआ प्राचीन महत्व पुन प्राप्त किया। वाइसरीगल लाज, काउसिल हाउस (जो वर्तमान मे क्रमश राष्ट्रपति भवन व पालियामेंट हाउस के नाम से प्रसिद्ध है) सेक्रेटेरियट व्लाक, राजे महाराजो के विशाल भवन, कनाट प्लेस का दर्शनीय वाजार आदि का निर्माण कर सन १९३० मे वर्तमान 'नयी दिल्ली' वसायी गई।

दिल्ली की उत्तरोत्तर उन्नति होती गई और इस उन्नति मे जैनो ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। यद्यपि सख्या की दृष्टि मे जैन भले ही थोडे हो, किन्तु वे कार्यक्षेत्र में सदैव ही अग्रणीय रहे। शासन के विभिन्न अगो में वे बराबर महत्वपूर्ण पदो पर रहे और सामाजिक, शिक्षण, उद्योग व व्यापार तथा राजनैतिक व सार्वजनिक क्षेत्रो मे भी उन्होने पूरा भाग लिया।

दिल्ली राज्य के प्रमुख जैन अधिकारी

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, दिल्ली मे तोमर वशीय अनगपाल से लेकर मुगलवश तक बराबर जैन राजमत्री व शाही खजाची हुए और अनेक महत्वपूर्ण पदो पर रहे। शाहजहानावाद के बसने के समय मे जैनों में मुग-

[५७] देखो, अनेकात १, पृष्ठ २१३

तथा दो परिवार शाही खजाची पद पर रहे पहला तो राजा हरसुखराय सुगनचद्र का और दूसरा ला० ईशरीप्रसाद का।

राजा हरसुखराय व सुगन चन्द्र जी के पूर्वज सेठ दीपचन्द्र जी अग्रवाल जैन हिसार के रईस थे। शाहजहानाबाद बसाये जाने के समय शाही निमत्रण पर वे दिल्ली आये। उस समय वादशाह ने उनको दरीबे के सामने ४-५ वीघे जमीन प्रदान की जिस पर उन्होने अपने १६ पुत्रो के लिये प्रथक-प्रथक महल बनवाये थे। ईस्ट इडिया कम्पनी के शासन तक आपके वशज खजाची रहे[५८]।

वाद मे भी इस परिवार मे से लाला गिरधर लाल और लाला पारसदास क्रमश सन १८६३ से १८६६ तक और सन १८७९ से १८८७ तक सरकारी खजाची रहे तथा गवर्नर जनरल व लेफ्टीनेट गवर्नर पजाव के दरबारी थे।

दूसरा परिवार था ला० ईशरी प्रसाद जी व उनके पूर्वजो का। यह परिवार भी अपने समय मे 'खजाची खानदान' के नाम से प्रसिद्ध रहा है। राजा रामसिंह व उनके सुपुत्र सेठ सहारनवीर सिह जो सम्राट अकवर के जागीरदार थे और जिन्होने सहारनपुर नगर वसाया, इनके पूर्वजो मे से थे। लाला ईशरी प्रसाद जी के पिता लाला सालिगराम जी सन १८२५ मे गवर्नमेट ट्रेज़रार नियुक्त हुए। साथ ही वह ग्वालियर व अलवर रियासतो के भी खजाची थे। ला० सालिगराम जी जी मृत्यु के वाद उनके पुत्र ला० धर्मदास खजाची पद पर रहे। उनके वाद सन १८७७ मे ला० ईशरी प्रसाद' ओल्ड दिल्ली डिवीज़न के खजाची नियुक्त हुऐ। वह दिल्ली व लदन वैंक लिमिटेड व म्यूनिसिपल कमेटी के भी कोषाध्यक्ष रहे। अपने पिता व भाई की तरह वह भी वाइसरीगल दरवारी, म्यूनिसिपल कमिश्नर और आनरेरी मजिस्ट्रेट रहे[५९]।

सन १८७९ मे उनके भाई श्री अयोध्या प्रसाद जी भी खजाची नियुक्त हुए।

विगत शताब्दी की अतिम वीसवी मे दिल्ली ने एक और रत्न उत्पन्न किया वे थे रायवहादुर डा० सर मोती सागर। उन्होने एक साधारण वकील से जीवन प्रारम्भ कर पंजाव हाई कोर्ट के न्यायाधीश का पद ग्रहण किया और बुद्धि चातुर्य और नम्र व शात स्वभाव से राजकीय क्षेत्रो मे उन्होने विशिष्ट सम्मान प्राप्त किया।

सर मोती सागर जी के ही समकालीन थे रायवहादुर ला० सुल्तान सिंह जिनका जन्म सन १८७६ मे कुताना तहसील सोनीपत के जमीदार व रईस श्री निहाल चन्द्र जी के यहा हुआ था। शैशव काल मे ही पिता की मृत्यु हो जाने से उनका लालन पालन उनके प्रपिता ला० श्येसिहराय द्वारा हुआ। सन १८९८ मे व्यस्क होने पर उन्होने पैतृक सम्पति की देखभाल सभाली और थोडी ही अवधि मे उसे दिन दूनी रात चौगुनी बढाया। दिल्ली के तत्कालीन साहूकारो मे आपका अग्रणी स्थान होने से आपके सवल हाथो में ही दिल्ली, शिमला, मेरठ आदि स्थानो के इम्पीरियल वैंक के मुख्य कार्यालय और समस्त शाखाओ के खजानो की सभाल और सचालन का उत्तरदायित्व था। रायवहादुर सन १९०१ मे दिल्ली म्यूनिसिपैलिटी के सदस्य सन १९०५ मे आनरेरी मजिस्ट्रेट और सन १९१० में पजाव लेजिस्लेटिव काउसिल के सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य हुए। और इन पदो पर कई वर्षो तक रहे[६१]।

ला० ईशरी प्रसाद जी, जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है, के सुपुत्र रायवहादुर ला० पारस दास जी और उन के समकालीन राय साहव ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट अपने समय के उन प्रतिष्ठित व जनप्रिय व्यक्तियो मे से थे जिनकी याद न केवल दिल्ली के जैनियो की, वल्कि इतर समाज की अमूल्य निधि है। राय बहादुर ला० पारसदास अपने पूर्वजो की भाति दिल्ली राज्य और म्यूनिसिपलिटी के कोषाध्यक्ष रहे। और कई वर्षो तक आनरेरी मजिस्ट्रेट भी रहे। राय साहव वा० प्यारे लाल जी अपने समय के सर्वोच्च कोटि के एडवोकेट थे और सरकारी क्षेत्रो मे उनका विशिष्ट मान था। राजा हरसुखराय जी के प्रपौत्र श्री० पी० डी० राम चन्द्र भी कई वर्षो तक आनरेरी मजिस्ट्रेट रहे।

उपर्युक्त सम्मानीत और राजनैतिक पदो के अतिरिक्त दिल्ली के जैन कई उल्लेखनीय एक्जीक्यूटिव पदो पर

---

५८ देखो, अनेकान्त, अक मई, सन १९३४

५९ देखो, इम्पीरियल कारोनेशन दरवार, दिल्ली १९११ ७ ५-३७६

६०-६१ देखो, जैन जागरण के अग्रदूत, पृष्ठ ५४१-४४ व पृष्ठ ५६७-८२

भी रहे हैं। राय बहादुर ला० नन्द किशोर जी यू० पी० गवर्नमेंट के प्रथम जैन सुपरिटेंडिंग इजीनियर रहे। इसी प्रकार राय बहादुर ला० जगत प्रकाश जी प्रथम भारतीय थे जो डिप्टी आडीटर जनरल आफ इडिया के पद पर नियुक्त हुए। वह बाद मे कश्मीर राज्य सरकार के आर्थिक सलाहकार भी रहे

धार्मिक उत्सव आदि

मुगल कालीन अथवा उससे पूर्व के मन्दिरो के अतिरिक्त वर्तमान मे उपलब्ध लगभग सभी मन्दिरो अथवा अन्य धार्मिक स्थानो का निर्माण पिछले डेढ या पौने दो सौ वर्षो के अन्तर्गत हुआ। मन्दिरो मे मेहर मन्दिर, सेठ के कूचे का मन्दिर, पद्मावती पुरवाल मन्दिर, चेलपुरी मे श्वेताम्बर मन्दिर, श्री महावीर जैन भवन (चादनी चौक) पहाडी धीरज के दोनो मन्दिर और सेठ सुगन चन्द्र जी द्वारा दिल्ली के विभिन्न स्थानो, जयसिंह पुरा (नई दिल्ली) पटपडगज व शहादरा मे बनवाये गये मन्दिर विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं। यो तो प्राय सभी जैन मन्दिरो की भव्य कलामय कारीगरी दर्शनीय होती है किन्तु जैसा कि अगले अध्याय मे दिये गये वर्णन मे ज्ञात होगा, इनमे कई मन्दिरो मे कुछ ऐसी विशेषताए हैं जो कि जैनो के आध्यात्म प्रेम व त्याग को प्रगट करती हैं।

जैनो के धार्मिक महोत्सवो मे, पर्वो के अतिरिक्त, पच कल्याणक व बिम्ब प्रतिष्ठाये और रथयात्रा उत्सव मुख्य हैं जिनके अवसर पर न केवल स्थानीय वरन् बाहर से भी विशाल जन समुदाय सम्मिलित होता है। सन १८१० १८३४ व १८६३, मे इस प्रकार के रथोत्सव हुए।

उसके बाद धार्मिक विद्वेष के फलस्वरूप कुछ विरोध के कारण यह रथोत्सव रुका रहा। समाज के सतत् प्रयत्नो के बाद लेफ्टिनेंट गवर्नर ने दो मई सन १८७७ को रथोत्सव निकालने की आज्ञा प्रदान की और २० जुलाई सन १८७७ को बडी धूमधाम से रथयात्रा निकाली गई। तभी से यह यात्रा प्रतिवर्ष पौह बदी दूज को निकलती आती है।

जुलाई सन १८७७ के रथयात्रा उत्सव के २ वर्ष बाद ही जनवरी २३, सन १८७९ मे लाला मेहर चन्द जी ने 'मेहर मन्दिर' की प्रतिष्ठा बडी धूमधाम के साथ कराई। उसके बाद जनवरी सन १९२३ मे सकल जैन पचायत, दिल्ली की ओर से पच कल्याणक प्रतिष्ठा हुई जिसमें भारत के प्रत्येक कोने से हजारो की सख्या मे जन समुदाय एकत्रित हुआ। उस पुण्य अवसर की अनेक स्मृतिया आज भी गौरव के साथ बखानी जाती है। कहते हैं, वैसा अभूतपूर्व उत्साह, अनूठी भक्ति और निर्दोष व्यवस्था दिल्ली के अन्य किसी उत्सव मे फिर से देखने मे नही आई।

धर्मोत्सवो के साथ ही आध्यात्म शासन की प्रभावना के लिये व जन सामान्य मे अहिंसक प्रवृत्ति बनाये रखने के दृष्टिकोण से स्थानीय व्यक्तियो व सस्थाओ द्वारा अनेक रचनात्मक कार्य भी सम्पन्न हुए हैं। सन १९१७ मे आर्य समाजियो द्वारा जैन सिद्धान्तो के विरुद्ध फैलाई गई भ्रांतियों का निवारण प्रसिद्ध 'दिल्ली शास्त्रार्थ' मे न्याय प्रमाण युक्त व तर्क सगत उत्तर देकर किया गया। सन १९३०-३१ मे 'मिथ्यात्व तिमिरनाशिनी' नामक सस्था के तत्वावधान मे लाला जगन्नाथ जी आदि के सद् प्रयत्नो से कालका जी के मन्दिर मे होने वाले पशु-बलि को बन्द करवाया गया। उसी वर्ष दिल्ली समाज के महान पुण्योदय से आचार्य शातिसागर जी महाराज का ससघ पदार्पण हुआ।

देश मे सर्व प्रथम भ० महावीर जयती महोत्सव जैन मित्र मडल द्वारा आरम्भ किया गया।

सन १९३९ मे 'जैन सभा नई दिल्ली' के विरोध पत्र पर 'वाइसरीगल भवन' (वर्तमान राष्ट्रपति भवन) व सेक्रेटेरियट बनाको पर होने वाला पक्षी-वध बन्द हुआ।

धार्मिक कार्यो की परम्पराओ मे 'तीर्थ यात्रा सघ' को लेजाना भी महत्वपूर्ण परम्परा रही है। ऐसे समय मे जब कि यातायात के साधन उन्नत और सहज न थे, इस का महत्व विशेष था। प्राचीन काल से ही श्रीमसम्पन्न व सामर्थ्यवान् व्यक्तियो ने इस प्रकार के यात्रासघो को ले जाकर लक्ष्मी का सदुपयोग किया है, इनमे से कुछ का उल्लेख ऊपर किया गया है। सन १८९५ मे सेठ सुगनचद जी ने 'यात्रा सघ' निकाला जो ६ माह के बाद दिल्ली वापिस आया था। सन १९४३-४४ मे चौधरी मन्नू लाल जी ने भी गिरनार जी के लिये 'यात्रा सघ' निकाले।

---

९२ देखो, भा० दि० जैन महासभा का ट्रैक्ट 'दिल्ली दिग्दर्शन, पृ० ५०.

जैन विद्वान लेखक व कवि

विगत डेढ सौ वर्ष के समय मे दिल्ली मे निम्नलिखित प्रमुख जैन विद्वान हुऐ है। इनमे से कई विद्वानो ने अनेक मौलिक ग्रंथो की रचना कर के जैन साहित्य को समृद्ध किया है।

(१) **पाडे शिवचद्र जी**—पंचायती मदिर, मसजिद खजूर के भट्टारक की गद्दी पर बैठे। पाडे जी को धार्मिक ग्रन्थो के अतिरिक्त ज्योतिष, वैद्यक तथा मत्र विद्या का भी अच्छा ज्ञान था। उनकी रचनाओ मे गृहस्थचर्या, धर्मप्रश्नोत्तर श्रावकाचार, ध्यान दर्पण आदि मुख्य हैं। उन्होने पचायती मन्दिर मे शास्त्रो का सुन्दर सग्रह किया था।

(२) **पडित तुलसीराम जी** (सन १८५९-१९००)—पडित जी जैन सिद्धात के अच्छे ज्ञाता थे। उन्होने जीवन पर्यंत सेठ के कूचे के मन्दिर मे नित्य शास्त्र सभा की परिपाटी बनाये रखी जो आज भी चालू है। सन १९१३ मे उन्होने आचार्य पुष्पदत कृत 'आदिपुराण' की भट्टारक सकल कीर्ति जी की सस्कृत टीका पर आधारित पद्यमय हिन्दी रचना की जो कुछ वर्ष पूर्व दिगम्बर जैन पुस्तकालय सूरत से प्रकाशित की है।

(३) **प गौरीलाल जी**—अपने समय के उच्चकोटि के विद्वानों में से थे। आपकी मौलिक रचनाओ मे जैन तत्त्वार्थ क्रिया कोष मुख्य है। उन्होंने रत्नकरड श्रावकाचार, नीति वाक्यामृत रत्नमाला, जिनसहस्त्रनाम, धनजय नाममाला आदि कई ग्रन्थो की भाषा टीका भी की।

पडित जी अपने जीवन पर्यंत अनेक शिक्षा सस्थायें स्थापित करवाने मे प्रयत्नशील रहे। उनके सद् प्रयत्नो से ही सन १९०० मे भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की स्थापना हुई।

(४) **बैरिस्टर चम्पतराय जी** (सन १८७५-१९४२)—वे युग पुरुष थे। समृद्ध और वैभव पूर्ण वातावरण मे भी वे त्यागो व साधु थे। वे जैन व इतर दर्शनो के उच्चकोटि के विद्वान ही नही वरन् प्रभावपूर्ण वक्ता और लेखक भी थे। उनकी रचनाओ मे 'Key of Knowledge,' 'Confluence of Opposits', 'Jain Logic,' 'Discourse Divine,' 'House holder's Dharama,' 'Practical Dharma,' 'Sanyasa Dharma', Jain Psychology,' 'Faith Knowledge and Conduct,' 'What is Jainism,' 'The Change of Heart,' 'Jain Penance,' 'Jain Culture,' 'Jain Law,' 'आत्म रामायण', 'Rishabh Deva,' 'Where the Shoe Pinches', 'The Gems of Islam', 'Glimpses of a Hidden Science in Original Christian Teachings,' 'Jainism, Christianity and Science' आदि प्रमुख है। इनमें अधिकाश पुस्तको के हिन्दी मे और कुछ के उर्दू में अनुवाद भी प्रकाशित हो चुके हैं।

बैरिस्टर साहब ने जीवन पर्यंत देश विदेश भ्रमण कर अध्यात्म शासन का सदेश दिया। उनके सात्विक चारित्र निर्दोष विद्वता और ओजपूर्ण वाणी से प्रभावित आज भी इगलैंड, अमेरिका, फ्रास, जर्मनी, स्विटज़र लड, इटली आदि देशो मे अनेक भक्त है।

(५) **कविवर जगदीशराय जी** (सन १८४५-१९०६)—अपने समय के उच्चकोटि के अध्यात्म कवियो मे से थे। उनको ज्योतिष व रमल का भी अच्छा ज्ञान था। उनके द्वारा रचित कविता सग्रह 'जगदीश विलास' नाम से प्रकाशित हुआ है।

(६) **प जिनेश्वर प्रसाद जी 'माइल'**—उर्दू के माने हुऐ कवि थे। उनकी रचनाओ मे 'हुस्न अव्वल', 'हुस्न फितरत', 'सुबहसादिक' हैं। उन्होने कविवर दौलतराम जी के कुछ पदो का भी उर्दू मे अनुवाद किया था। कविताओ के अतिरिक्त उन्होने कुछ नाटक भी लिखे थे।

अन्य जैन विद्वानो मे व्रती हुकम चन्द्र जी, प सागर चन्द्र जी सर्राफ, प० फतेह चन्द्र जी, प० मनीराम जी, ला० प्रभूदयाल जी तहसीलदार, प० महावीर प्रसाद जी, नूरीमल, प० महबूब सिंह जी, प० मक्खन लाल जी आदि उल्लेखनीय हैं। इनमे कई विद्वानो ने अपने प्रयत्नो से शहर के मन्दिरो मे शैलिया स्थापित की तथा प्रतिदिन शास्त्र सभा की परिपाटी आरम्भ की। प० मक्खन लाल जी जैसे प्रभावक उपदेशक व कवि के श्रवण का सौभाग्य आज भी दिल्ली समाज को प्राप्त है।

महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य

उस समय की दिल्ली जैन समाज की प्रमुख विशेषता थी–कि प्रत्येक व्यक्ति मे जागरूकता का होना। यो तो सम्पूर्ण जैन समाज मे सदैव ही यह

गुंण रहा, जैसा कि अनेक विरोधी परिस्थितियो के बावजूद भी उनके आज के अस्तित्व से स्वय सिद्ध है, तथापि उस समय यह विशेष मात्रा मे था। इसका कारण उस समय मे हुए अनेक महान पुरुषो का सद् भाव भी कहा जा सकता है जिनके सुयोग्य नेतृत्व मे समाज ने अपना अस्तित्व ही कायम नही रखा बल्कि प्रगति भी की।

समाज के कार्यशील व्यक्तियो के प्रयत्नो से नवीन प्रगतिशील सामाजिक व धार्मिक सस्थाओ, दानी व महानुभावो के द्वारा पारमार्थिक ट्रस्टो आदि की स्थापना हुई, साथ ही साथ दो तीन ठोस और रचनात्मक कार्य भी हुए। प्रमाद और अज्ञनता के कारण विवाहो मे जैन पद्धति नही अपनाई जाती थी, उसका प्रचार लाला जगन्नाथ जी ने मिथ्यात्व तिमिरनाशिनी नामक सस्था के तत्वावधान मे प्रारम्भ किया। उनके प्रयत्नो के फलस्वरुप आज हम देखते है कि लगभग सभी स्थानो पर जैन पद्धति से विवाह सम्पन्न होते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण कार्य था 'जैनो का कोड'। सन १६१८ मे केन्द्रीय व्यवस्थापिका के सामने डा० हरीसिंह गौड द्वारा लिखित हिन्दूकोड के कानून के रूप मे स्वीकार किये जाने की सभावना होने लगी थी। उसमे जैन रीति रिवाजो के बारे मे कई भ्रातिपूर्ण बातें थी। इस विषय मे 'जैन मित्र मडल' की ओर से आदोलन किया गया और अनेक पत्र व पत्रिकाओ मे निराधार तथ्यो का उत्तर प्रकाशित करवाया गया। इन प्रयत्नो के फलस्वरूप श्री टी० वी० शेशागरी अय्यर, भूतपूर्व जज मद्रास हाईकोर्ट व श्री कन्नोमल, भू० जज धौलपुर, के लेख प्रकाशित हुए जिनमे डा० गौड के कथन को निराधार बतलाया गया। इस पर डा० गौड ने अपने कोड के द्वितीय सस्करण मे जैनियो द्वारा अपेक्षित सशोधन कर दिये।

इसी सिलसिले में सभी जैन सम्प्रदायो की एक सम्मिलत कमेटी बनी जिसने स्वतन्त्ररूप से 'जैन ला' बनाने का कार्यभार संभाला। अन्त में सम्पूर्ण सामग्री द्वारा बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा 'जैन ला' लिखा गया। जो अंग्रेजी, हिन्दी तथा उर्दू मे प्रकाशित हुआ उसी समय में रा० ब० जुगमन्दरलाल जैनी ने भी 'भद्र-बाहु संहिता' पर आधारित 'जैन ला' की रचना की।

सन १६२३ में रायबहादुर डा० सर मोतीसागरजी तथा विभिन्न स्थानीय सस्थाओ के सदप्रयन्तो से दिल्ली प्रदेश भगवान महावीर के जन्म-दिन की छुट्टी स्वीकृत हुई।

सन १६१५ में जैन मित्र मडल, सन १६२४ में स्व० ला० गोकलचदजी नाहर के सद्प्रयत्नो से महावीर जैन लायब्रेरी, और सन १६३६ में जैनसभा की स्थापना हुई जिस के प्रथम प्रधान रा० ला० आदीश्वर लाल बैंकर थे।

शिक्षण संस्थाएं और सांस्कृतिक कार्य

अन्य क्षेत्रो की भाति ज्ञान के प्रसार के क्षेत्र मे भी जैनो का सदैव अग्रणीय भाग रहा है। धार्मिक शिक्षा के लिये पाठशालाओ के अतिरिक्त जैनो ने आधुनिक शिक्षा-प्रणाली पर अनेक अग्रेजी विद्यालयो की स्थापना की। जैन हायर सेकेंड्री स्कूल दरियागज, श्रीमहावीर जैन सस्कृत कमर्शियल हायर सेकेंड्री स्कूल कूचा सेठ, जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल कूचा सेठ, श्री हीरालाल जैन हायर सेकेंड्री स्कूल, सदरबाजार, श्री लक्ष्मीदेवी जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, पहाडी धीरज, आदि आज स्थानीय शिक्षण सस्थाओ मे प्रमुख स्थान रखते है।

शिक्षा के क्षेत्र मे रायबहादुर डा० सर मोती सागर (न्यायाधीश पजाब हाई कोर्ट), रायबहादुर ला० सुल्तान सिंह बैंकर्स, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट, राय साहब ला० आदीश्वर लाल बैंकर, रघुवीर सिंह बैंकर लाला शिवदयाल जी, डिस्ट्रिक्ट इसपैक्टर आफ स्कूल्स, रायसाहब ला० रतन लाल जी, डिस्ट्रिक्ट इसपैक्टर आफ स्कूल्स, ला० हीरालाल जी, प० महतूर सिंह, लाला महावीर प्रसाद ठेकेदार आदि की सेवायें दिल्ली के इतिहास मे चिरस्मरणीय है। दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपतियों की परम्परा मे सर मोतीसागर जी का काल महत्वपूर्ण माना जाता है। उनके द्वारा बनायी गई परम्परायें आगामी पदाधिकारियो के लिये पथ प्रदर्शक रही है।

डा० साहब स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने इस बात का प्रचार भी किया। दरीबे की गली कुंजस मे उन्होंने सुन्दरनर्सी गर्ल्स स्कूल स्थापित किया। आजकल यह स्कूल कारपोरेशन के अन्तर्गत है।

राय बहादुर ला० सुल्तान सिंह ने सदा ही शिक्षा प्रचार मे तन, मन और धन तीनो से योग दिया। फलस्वरूप

गर्लज़ स्कूल और कालिज जो आजकल न केवल स्थानीय बल्कि भारतवर्ष की उच्चकोटि की सस्थाओ मे है, उनके प्रयत्नो से स्थापित हुआ और उनके आजीवन सभापतित्व मे ही पनपा। इसके अतिरिक्त तिबिया कालेज, लेडी हार्डिंग मेडीकल कालिज, हिन्दू कालिज आदि की स्थापना के अवसर पर उन्होंने वृहत् दान दिया और अपने जीवन पर्यंत उनकी प्रगति मे प्रयत्नशील रहे। उनके सुपुत्र लाला रघुवीर सिंह ने विदेशो के पब्लिक स्कूल्स की स्थापना की प्रणाली पर माडर्न स्कूल की स्थापना की और उसके सवर्धन मे आजीवन लगे रहे। आज यह अपने स्कूल ढग का अद्वितीय विद्यालय है।

रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट ने अपने व्यस्त जीवन मे भी अपने समय की सभी प्रमुख शिक्षण सस्थाओ की प्रगति मे योग दिया।। वे दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य रहे। हिन्दू कालेज़ के तो वे प्राण थे। उस समय के लगभग सभी प्रमुख विद्यालयो की व्यवस्था से उनका निकट सम्बन्ध रहा। उनके द्वारा विद्यार्थियो की सहायता के लिये सन १६३३ में स्थापित लाला गिरधारी लाल प्यारे लाल एजूकेशनल फड जिसमें उन्होने एक वृहत् धनराशि प्रदान की, उनकी असीम उदारता और दानशीलता का द्योतक है।

राय साहब के सुसस्कारो के फलस्वरूप उनके सुपुत्र राय साहब लाला आदीश्वर लाल भी प्रारम्भ से ही शिक्षा प्रचार मे प्रयत्नशील रहे। अपने पिता की भाति वे भी दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य और हिन्दू कालिज आदि के प्रमुख व्यवस्थापको में से रहे।

आर्थिक व्यवस्था

इतिहास के अवलोकन से विदित होगा। कि ९ वीं या १० वी शताब्दी के अन्त तक जैनो का बहुभाग क्षत्रियो मे से था जो या तो स्वय शासक रहे, अथवा शासन के प्रमुख व्यवस्थापक-पदो, राजमत्री, राज कोषाध्यक्ष, सेनापति, आदि पर रहे। भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक सभी तीर्थंकर राजवश में उत्पन्न हुए, कइयो ने लम्बी अवधि तक राजपद सुशोभित किया और अन्त में सासारिक भोगो से विरक्त होकर निग्रंथ वेष धारण किया और सतत साधना के बाद निर्मल ज्ञान प्राप्त कर जनकल्याण के लिये उपदेश दिया। मौर्य और गुप्त ऐतिहासिक काल के राजाओ में सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य, महामडलेश्वर श्रेणिक बिम्बसार, कलिंगाधिपति राजा मेघवाहन खारवेल आदि प्रसिद्ध राजा जैन धर्मावलम्बी थे। सम्राट अशोक ने भी, जो पहले बौद्ध था, मृत्यु के कुछ समय पहले जैन धर्म धारण किया था।

नौवी दसवी शताब्दी के बाद जैन समाज प्रधानत वैश्य समाज के एक भाग के रूप में परिणित होने लगा। इन्होने हीरे-जवाहरात, सोना, चादी ज्वेलरी, कपडा आदि के व्यापार अपनाये।

अग्रेजो के शासन काल से पूर्व मुगलो के समय में दिल्ली भारत के अन्य नगरो की भाति किसी भी उद्योग अथवा व्यापार का केन्द्र न था। उन दिनों नगरो का महत्व या तो राजनैतिक प्रभुत्व या धार्मिक केन्द्र और या नदियो आदि के उन्नत साधन उपलब्ध होने के कारण था। इसीलिये इनमें से किसी भी कारण के अभाव में नगरो का ह्रास होता देखा जाता था।

अठारहवी शताब्दी में दिल्ली मे अधिकाश जनता का प्रमुख धधा शाही फौज़ की आवश्यकताओ को पूरी करना था[६३]। अतएव उस समय धनिक जैन परिवार या तो शाही खजाची आदि के उच्च राजकीय पदो पर रहे या हीरे जवाहरात के व्यापार को अपनाये थे। शेष मध्य वर्ग सामान्यत विविध व्यापारो में थे।

अग्रेजी शासन काल में दिल्ली के व्यापारिक क्षेत्र में जैनो का मुख्य भाग रहा। हीरे जवाहरात, सोने चादी, कागज, कपडा और सीमेंट के व्यापारी प्रधानत. जैन ही थे। इसके अतिरिक्त साहूकारी और बैंकिंग मे तो जैन सर्वोपरि थे ही। सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईशरी प्रसाद, राय बहादुर लाला सुल्तान सिह, राय बहादुर लाला पारस दास, राय साहब, बा० प्यारे लाल, राय साहब लाला आदीश्वर लाल अपने समय के प्रमुख बैंकर्स व रईसो मे थे। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, इनमे से सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईशरी प्रसाद, राय बहादुर लाला पारस दास गवर्नमेंट ट्रेज़रार्स भी रहे। राय साहब बा० प्यारेलाल सेंट्रल बैंक आफ इडिया के ट्रेज़रार के अतिरिक्त पजाब नेशनल

६३ देखो, बर्नियर,एफ़—ट्रेवल्स इन दी मुग़ल एम्पायर (१६३४ सस्करण) पृष्ठ २८२,३८४.

गुण रहा, जैसा कि अनेक विरोधी परिस्थितियो के बावजूद भी उनके आज के अस्तित्व से स्वय सिद्ध है, तथापि उस समय यह विशेष मात्रा मे था । इसका कारण उस समय मे हुए अनेक महान पुरुषों का सद् भाव भी कहा जा सकता है जिनके सुयोग्य नेतृत्व मे समाज ने अपना अस्तित्व ही कायम नही रखा बल्कि प्रगति भी की ।

समाज के कार्यशील व्यक्तियो के प्रयत्नो से नवीन प्रगतिशील सामाजिक व धार्मिक सस्थाओ, दानी व महानुभावो के द्वारा पारमार्थिक ट्रस्टो आदि की स्थापना हुई, साथ ही साथ दो तीन ठोस और रचनात्मक कार्य भी हुए। प्रमाद और आज्ञनता के कारण विवाहो में जैन पद्धति नही अपनाई जाती थी, उसका प्रचार लाला जगन्नाथ जी ने मिथ्यात्व तिमिरनाशिनी नामक सस्था के तत्वावाधान मे प्रारम्भ किया । उनके प्रयत्नो के फलस्वरूप आज हम देखते हैं कि लगभग सभी स्थानो पर जैन पद्धति से विवाह सम्पन्न होते हैं ।

दूसरा महत्वपूर्ण कार्य था 'जैनो का कोड' । सन १६१८ मे केन्द्रीय व्यवस्थापिका के सामने डा० हरीसिंह गौड द्वारा लिखित हिन्दूकोड के कानून के रूप मे स्वीकार किये जाने की सभावना होने लगी थी । उसमे जैन रीति रिवाजो के बारे मे कई भ्रातिपूर्ण बातें थी । इस विषय मे 'जैन मित्र मडल' की ओर से आदोलन किया गया और अनेक पत्र व पत्रिकाओ मे निराधार तथ्यो का उत्तर प्रकाशित करवाया गया । इन प्रयत्नो के फलस्वरूप श्री टी० वी० शेशामरी अय्यर, भूतपूर्व जज मद्रास हाईकोर्ट व श्री कन्नोमल, भू० जज धौलपुर, के लेख प्रकाशित हुए जिनमे डा० गौड के कथन को निराधार बतलाया गया । इस पर डा० गौड ने अपने कोड के द्वितीय सस्करण मे जैनियो द्वारा आपेक्षित सशोधन कर दिये ।

इसी सिलसिले में सभी जैन सम्प्रदायो की एक सम्मिलत कमेटी बनी जिसने स्वतत्ररूप से 'जैन ला' बनाने का कार्यभार सभाला । अत में सम्पूर्ण सामग्री द्वारा बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा 'जैन ला' लिखा गया । जो अग्रेजी, हिन्दी तथा उर्दू मे प्रकाशित हुआ उसी समय में रा० ब० जुगमदरलाल जैनी ने भी 'भद्र-बाहु सहिता' पर आधारित 'जैन ला' की रचना की ।

सन १६२३ में रायबहादुर डा० सर मोतीसागरजी तथा विभिन्न स्थानीय सस्थाओ के सदप्रयत्नो से दिल्ली प्रदेश भगवान महावीर के जन्म-दिन की छुट्टी स्वीकृत हुई ।

सन १६१५ में जैन मित्र मडल, सन १६२४ में स्व० ला० गोकलचदजी नाहर के सद्प्रयत्नो से महावीर जैन लायब्रेरी, और सन १६३६ में जैनसभा की स्थापना हुई जिस के प्रथम प्रधान रा० ला० आदीश्वर लाल बैंकर थे ।

शिक्षण संस्थाएं और सांस्कृतिक कार्य

अन्य क्षेत्रो की भाति ज्ञान के प्रसार के क्षेत्र मे भी जैनो का सदैव अग्रणीय भाग रहा है । धार्मिक शिक्षा के लिये पाठशालाओ के अतिरिक्त जैनो ने आधुनिक शिक्षा-प्रणाली पर अनेक अग्रेजी विद्यालयो की स्थापना की । जैन हायर सेकेंड्री स्कूल दरियागज, श्रीमहावीर जैन सस्कृत कमर्शियल हायर सेकेंड्री स्कूल कूचा सेठ, जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल कूचा सेठ, श्री हीरालाल जैन हायर सेकेंड्री स्कूल, सदरबाजार, श्री लक्ष्मीदेवी जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, पहाडी धीरज, आदि आज स्थानीय शिक्षण सस्थाओ में प्रमुख स्थान रखते हैं ।

शिक्षा के क्षेत्र मे रायबहादुर डा० सर मोती सागर (न्यायाधीश पजाब हाई कोर्ट), रायबहादुर ला० सुल्तान सिंह बैंकर्स, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट, राय साहब ला० आदीश्वर लाल बैंकर, रघुवीर सिंह बैंकर लाला शिवदयाल जी, डिस्ट्रिक्ट इसपैक्टर आफ स्कूल्स, रायसाहब ला० रतन लाल जी, डिस्ट्रिक्ट इसपैक्टर आफ स्कूल्स, ला० हीरालाल जी, प० महबूब सिंह, लाला महावीर प्रसाद ठेकेदार आदि की सेवायें दिल्ली के इतिहास मे चिरस्मरणीय हैं । दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपतियो की परम्परा मे सर मोतीसागर जी का काल महत्वपूर्ण माना जाता है । उनके द्वारा बनायी गई परम्परायें आगामी पदाधिकारियो के लिये पथ प्रदर्शक रही हैं ।

डा० साहब स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक ही नहीं थे, बल्कि उन्होने इस बात का प्रचार भी किया । दरीबे की गली कुजस मे उन्होने सुन्दरनत्री गर्ल्स स्कूल स्थापित किया । आजकल यह स्कूल कार्पोरेशन के अन्तर्गत हैं ।

राय बहादुर ला० सुल्तान सिंह ने सदा ही शिक्षा प्रचार मे तन, मन और धन तीनो से योग दिया । इन्द्रप्रस्थ

गर्ल्ज़ स्कूल और कालिज जो आजकल न केवल स्थानीय बल्कि भारतवर्ष की उच्चकोटि की सस्थाओ मे है, उनके प्रयत्नो से स्थापित हुआ और उनके आजीवन सभापतित्व मे ही पनपा। इसके अतिरिक्त तिविया कालेज, लेडी हार्डिंग मेडीकल कालिज, हिन्दू कालिज आदि की स्थापना के अवसर पर उन्होने वृहत् दान दिया और अपने जीवन पर्यंत उनकी प्रगति मे प्रयत्नशील रहे। उनके सुपुत्र लाला रघुवीर सिंह ने विदेशो के पब्लिक स्कूल्स की स्थापना की प्रणाली पर माडर्न स्कूल की स्थापना की और उसके सवर्धन मे आजीवन लगे रहे। आज यह अपने स्कूल ढंग का अद्वितीय विद्यालय है।

रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट ने अपने व्यस्त जीवन में भी अपने समय की सभी प्रमुख शिक्षण सस्थाओ की प्रगति मे योग दिया।। वे दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य रहे। हिन्दू कालेज़ के तो वे प्राण थे। उस समय के लगभग सभी प्रमुख विद्यालयो की व्यवस्था से उनका निकट सम्बन्ध रहा। उनके द्वारा विद्यार्थियो की सहायता के लिये सन १६३३ में स्थापित लाला गिरधारी लाल प्यारे लाल एजूकेशनल फड जिसमें उन्होने एक वृहत् धनराशि प्रदान की, उनकी असीम उदारता और दानशीलता का द्योतक है।

राय साहब के सुसस्कारो के फलस्वरूप उनके सुपुत्र राय साहब लाला आदीश्वर लाल भी प्रारम्भ से ही शिक्षा प्रचार मे प्रयत्नशील रहे। अपने पिता की भाति वे भी दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य और हिन्दू कालिज आदि के प्रमुख व्यवस्थापको में से रहे।

आर्थिक व्यवस्था

इतिहास के अवलोकन से विदित होगा। कि ६ वीं या १० वी शताब्दी के अन्त तक जैनो का बहुभाग क्षत्रियो मे से था जो या तो स्वय शासक रहे, अथवा शासन के प्रमुख व्यवस्थापक-पदो, राजमत्री, राज कोषाध्यक्ष, सेनापति, आदि पर रहे। भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक सभी तीर्थंकर राजवश में उत्पन्न हुए, कइयों ने लम्बी अवधि तक राजपद सुशोभित किया और अन्त में सासारिक भोगो से विरक्त होकर निग्रथ वेष धारण किया और सतत साधना के बाद निर्मल ज्ञान प्राप्त कर जनकल्याण के लिये उपदेश दिया। मौर्य और गुप्त ऐतिहासिक काल के राजाओ में सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य, महामडलेश्वर श्रेणिक विम्बसार, कलिगाधिपति राजा मेघवाहन खारवेल आदि प्रसिद्ध राजा जैन धर्मावलम्बी थे। सम्राट अशोक ने भी, जो पहले बौद्ध था, मृत्यु के कुछ समय पहले जैन धर्म धारण किया था।

नौवी दसवी शताब्दी के बाद जैन समाज प्रधानत वैश्य समाज के एक भाग के रूप में परिणित होने लगा। इन्होंने हीरे-जवाहरात, सोना, चादी ज्वेलरी, कपडा आदि के व्यापार अपनाये।

अग्रेजो के शासन काल से पूर्व मुगलो के समय में दिल्ली भारत के अन्य नगरो की भाति किसी भी उद्योग अथवा व्यापार का केन्द्र न था। उन दिनों नगरो का महत्व या तो राजनैतिक प्रभुत्व या धार्मिक केन्द्र और या नदियो आदि के उन्नत साधन उपलब्ध होने के कारण था। इसीलिये इनमें से किसी भी कारण के अभाव में नगरो का ह्रास होता देखा जाता था।

अठ्ठारहवी शताब्दी में दिल्ली मे अधिकाश जनता का प्रमुख धधा शाही फौज की आवश्यकताओ को पूरी करना था[६३]। अतएव उस समय धनिक जैन परिवार या तो शाही खजाची आदि के उच्च राजकीय पदो पर रहे या हीरे जवाहरात के व्यापार को अपनाये थे। शेष मध्य वर्ग सामान्यत विविध व्यापारो में थे।

अग्रेजी शासन काल में दिल्ली के व्यापारिक क्षेत्र में जैनो का मुख्य भाग रहा। हीरे जवाहरात, सोने चादी, कागज, कपडा और सीमेट के व्यापारी प्रधानत जैन ही थे। इसके अतिरिक्त साहूकारी और बैंकिंग मे तो जैन सर्वोपरि थे ही। सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईशरी प्रसाद, राय बहादुर लाला सुल्तान सिंह, राय बहादुर लाला पारस दास, राय साहब, बा० प्यारे लाल, राय साहब लाला आदीश्वर लाल अपने समय के प्रमुख बैंकर्स व रईसों मे थे। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, इनमे से सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईशरी प्रसाद, राय बहादुर लाला पारस दास गवर्नमेंट ट्रेज़रार्स भी रहे। राय साहब बा० प्यारेलाल सेंट्रल बैंक आफ इडिया के ट्रेज़रार के अतिरिक्त पजाब नेशनल

६३ देखो, बनियर, एफ—ट्रैवल्स इन दी मुग़ल एम्पायर (१६३४ सस्करण) पृष्ठ २८२,३८४.

भवन, जो कि दिल्ली मे महिलाओ की उन्नत और जागृत सस्थाओ मे से है, चल रहा है। दिल्ली की प्रसिद्ध मारवाडी लायब्रेरी लाला डिप्टीमलजी के सहयोग से ही सन १९१५ में स्थापित हुई और बाद मे भी पनपी। स्थापित होने के समय से लगातार ३० वर्षो तक लाला जी ही लायब्रेरी के मैनेजर रहे और इस दौरान मे सस्था ने आशातीत उन्नति की। लालाजी ने सन १९१७ मे दिल्ली मे सबसे पहली समाज-सेवक सस्था 'इन्द्रप्रस्थ सेवक मडल' के नाम से स्थापित की और लगातार २० वर्ष तक मत्री पद पर कठिन श्रम द्वारा उसके कार्य को बढाया। मडल की गणना आज प्रसिद्ध लोक सेवक सस्थाओ मे की जाती है।

उपसंहार

अगस्त १५ सन १९४७ को देश स्वतन्त्र हुआ और जनवरी २६, सन १९५० को नवीन भारतीय सविधान के अनुसार सार्वभौम प्रजातन्त्रात्मक गणतन्त्र की स्थापना हुई।

गणतन्त्र की व्यवस्था नवीन नही और न किसी विदेश की देन है। यह भारतवासियो की पुरानी वसीयत है। लिच्छिव और नवमल्ली-जाति के अठारह गण राज्यो का प्रजातन्त्रात्मक शासन इतिहास प्रसिद्ध है। महात्मा बुद्ध और भगवान महावीर ऐसे ही गण-राज्यो के गणाधिपतियो के यहा उत्पन्न हुए थे। गण का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की प्रतिष्ठा तथा व्यवस्था बनाये रखने के लिये उत्तरदायी रहे, उसे कहते हैं गणतन्त्र।

स्वाधीनता के वरदान के साथ-साथ प्रत्येक देश-वासी के ऊपर भारत को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का भारी उत्तरदायित्व भी आया। देश के विकास और पुनर्निर्माण के महान यज्ञ मे दिल्ली के जैनो का महत्व पूर्ण योगदान है। विगत वर्षो मे हुई दिल्ली की औद्योगिक उन्नति की ओर दृष्टि डालें तो निस्सदेह यह विदित होगा कि राजधानी को देश के अन्य औद्योगिक उन्नत नगरो की लाइन मे खडे करने का मुख्य श्रेय यदि किसी एक समाज को है तो वह जैन समाज ही है। आज देश के विख्यात उद्योगपति सेठ रतन चन्द्र हीराचन्द्र, साहू शांति प्रसाद, साहू श्रेयास प्रसाद, सेठ कस्तूर भाई लाल भाई के औद्योगिक सस्थानो का मुख्य केन्द्र दिल्ली ही है। बिजली के सामान, साइकिल, हार्डवेअर गुडस, सिलाई की मशीन, घडी घटो, कागज़, केमीकल्स आदि के उद्योगो का नेतृत्व जैनों ने किया है। जापान के विश्वविख्यात् टाय उद्योग की शैली पर अनेक नवीन खिलौनो को भारतीय बाजार मे उपस्थित करने का मान राजा टायज़ को प्राप्त है। अन्य लघु और कुटीर उद्योगो मे ऊन, होज़री आदि के अधिकाश मिलो का स्वामित्व जैनो के हाथो मे है। इन उद्योगो ने न केवल देश के आयात मे कमी की है, वरन् निर्यात के द्वारा विदेशी मुद्रा को अर्जन कर राष्ट्रीय आर्थिक स्थित को सुदृढ बनाने में सहयोग दिया है। व्यापार के क्षेत्र मे, बैंकिंग, ज्वैलरी, कागज़, कपडा और सीमेट मे तो जैनो की प्रधानता बहुत समय से है। जनरल और हौज़री के वितरण मे, जिसके लिये दिल्ली वर्षो से उत्तर भारत का प्रसिद्ध केन्द्र माना जाता है, लगभग ६० प्रतिशत जैन व्यापारी हैं।

जब दिल्ली विधान सभा बनी तो उसमे सेठ आनन्द राजा सुराना, लाल शकर लाल व श्री हेमचन्द्र सदस्य निर्वाचित हुए।

जैन धन-सम्पन्न हैं तो उदार और दानी भी हैं। अनेक शिक्षण व जन हितकारी सस्थाओ को स्थापित कर राज्य को अशिक्षा आदि की समस्या को हल करने में रचनात्मक सहयोग प्रदान किया है। दिल्ली जैन समाज मे जहा एक ओर बडे बडे दानी है, तो दूसरी ओर डा० डी० एस० कोठारी जैसे विश्व-विख्यात् वैज्ञानिक तथा शिक्षाविद् और आचार्य जुगल किशोर व जैनेन्द्र कुमार जी जैसे महान विचारक और साहित्यकार भी इसी की देन हैं।

जैनागम के महान पडित एव तपस्वी विद्यालकार आचार्य देश भूषण जी महाराज व मुनिरत्न सुशील कुमार जी की प्रेरणा व आशीर्वाद से जैनो द्वारा क्रमश सन १९५६ और सन १९५८ में जैन कला व शिक्षा प्रदर्शनी और जैन सेमिनार तथा विश्व धर्म सम्मेलन दिल्ली के सास्कृतिक जीवन की चिरस्मरणीय ऐतिहासिक स्मृतियो मे से हैं। दोनो ही आयोजनो मे अनेक भारतीय व विदेशी विद्वानो व विचारको ने भाग लिया था। नागरिको के चारित्रिक विकास के लिये आचार्य तुलसी द्वारा सचालित देश व्यापी अणुव्रत आदोलन का केन्द्र दिल्ली ही है।

यह गौरव की बात है कि दिल्ली प्राचीन काल की भाति आज भी जैनो का प्रमुख केन्द्र है। पिछले सैकडो

वर्षों के काल मे समाज ने उन्नति और अवनति दोनो प्रकार के ही दिन देखे हैं। प्रत्येक अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियो का सामना करके भी समाज का अपना अस्तित्व अक्षुण्ड रहा है, इसमे प्रधान कारण उन सार्वभौमिक सिद्धातो का श्रद्धान और अनुकरण है जो न केवल लौकिक वरन् हर एक आत्मा को उत्कृष्ट और पूर्ण उन्नत बनाने की क्षमता रखते हैं।

आज जब कि विश्व मे पारस्परिक विरोध और सघर्ष की भावना बढ रही है, विज्ञान प्रदत्त शक्तियो को निर्माण की अपेक्षा विनाश का साधन बनाया जा रहा है, इन सिद्धान्तो का प्रसार ही नही बल्कि व्यवहारिक रूप देने की आवश्यकता है। सह अस्तित्व अथवा 'जियो और जीने दो' का सिद्धात परम धर्म अहिंसा का ही प्रतिरूप है। महात्मा गाधी ने न केवल अपने स्वय के जीवन मे वरन् सम्पूर्ण राष्ट्र के जीवन मे इस सिद्धात का महान् प्रयोग किया और यह सिद्ध कर दिया कि अहिंसा का सिद्धात पूर्ण रूप से व्यवहारिक और प्रकृति अनुरूप है। भारत के लिये यह कम गौरव की बात नही कि गाधी जी के अपनाये हुऐ मार्ग द्वारा एशिया के अन्य पिछडे देशो ने भी चेतना ग्रहण कर स्वतन्त्रता प्राप्त की। यही नही, आज विश्व की आम जनता का यह विश्वास दृढ हो चला है कि विज्ञान के दुरुपयोगो से मानव जाति को यदि किसी प्रकार बचाया जा सकता है तो वह केवल अहिंसा के सिद्धात से ही सभव है।

शाकाहार की प्रवृत्ति यद्यपि उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर है तथापि इस दिशा मे कुछ व्यवहारिक प्रयोगो द्वारा जन सामान्य को शिक्षित बनाने की महती आवश्यकता है। हाल ही मे एक विदेशी विद्वान के मतानुसार शाकाहारियो की भोजन सामग्री उत्पन्न करने के लिये जितनी भूमि की आवश्यकता होगी उससे कही अधिक मासाहारियो की सामग्री के लिये होगी। जैनो का कर्तव्य है कि इस मत को बल देने के लिये रचनात्मक प्रयोग करें और तुलनात्मक आकडो द्वारा जनता को शिक्षित बनावें।

अहिंसा का दूसरा सह सिद्धात 'अपरिग्रहवाद' का है जो किसी भी वस्तु के ऊपप किसी भी व्यक्ति या समाज विशेष का स्वामित्व होना भी मिथ्या बतलाता है। और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छाओ को सीमित करने का पाठ पढाता है। आज के औद्योगिक युग मे जब कि तृष्णा अपना उग्र रूप धारण करती जा रही है और जिसके फलस्वरूप आर्थिक असमानता बढती जा रहीहै, यह सिद्धात ही समाज के सर्वाधिक कल्याण करने मे समर्थ है।

तीर्थंकर धर्म और शाति का ढिंढोरा नही पीटते, वह स्वय अनंत शाति रूप होते है, उन का सर्वाङ्ग ही दिव्य वाणी के रूप मे सम्पूर्ण विश्व को कल्याण मार्ग का उपदेश देकर शाति प्रदान करता है। वे हमारे आदर्श हैं और हम उनके पथानुगामी हैं। यदि जैन कहलाने वाला प्रत्येक व्यक्ति-और वही क्यो–प्रत्येक धार्मिक व्यक्ति यह व्रत ले तो निश्चय ही सभव है कि थोडे ही समय मे विश्व चर्चा के विषय शस्त्रीकरण और हाइड्रोजन बमो को प्रयोग न होकर, पारस्परिक स्नेह बढाने वाले सम्मेलन और 'ज्ञान के विकास के साधन' आदि होगे।

अपरिग्रहवाद ही तो है गाधी का 'ट्रस्टीशिप सिद्धात और विनोबा का 'सर्वोदय तीर्थ'। व्यक्ति अपने हित और स्वार्थ को समाज के हित और स्वार्थ मे निहित समझे तो किसी भी सम्पत्ति का व्यक्ति विशेष अपने को स्वामी माने, यह बात अप्राकृतिक है, अन्यायपूर्ण है, अधार्मिक है। समाज के श्रम से उत्पन्न वस्तु समाज का ही कल्याण करे। यह प्राकृतिक मूल सिद्धात अपरिग्रहवाद की जड है,

वस्तुत विज्ञान की नवीन खोजो के साथ साथ ज्यो ज्यो मानव समाज के ज्ञान का विकास होता जा रहा है (अथवा दूसरे शब्दो मे उसकी अज्ञानता मे न्यूनता आ रही है) त्यो त्यो जैन सिद्धातो की सार्वभौमता और सत्यता प्रकाश मे आ रही है। उदाहरण के लिये आज से ६० वर्ष पूर्व यह सिद्धात की वनस्पति मे मानव प्राणियो की तरह 'जीवन' (आत्मा) है, निर्मूल माना जाता था। किन्तु वर्तमान शताब्दी के आरम्भ मे महान वैज्ञानिक सर जगदीश चन्द्र वसु ने प्रयोगो द्वारा यह सिद्ध कर दिया कि वनस्पति मे भी प्राण हैं और प्राणी वर्ग की तरह उनमे भी चेतना का सद्भाव है[६५]। आकस्मिक घटनाओ, चोटो, गर्मी सर्दी तथा विप आदि का उन पर भी अन्य प्राणियो की भाति प्रभाव पडता है और वे भी हर्ष विपाद, भूख और प्यास का अनुभव करते हैं। इसी भाति, यह आशा

६५ देखो, वसु जगदीश चन्द्र, रिस्पास इन दी लिविंग एण्ड नान लिविंग।
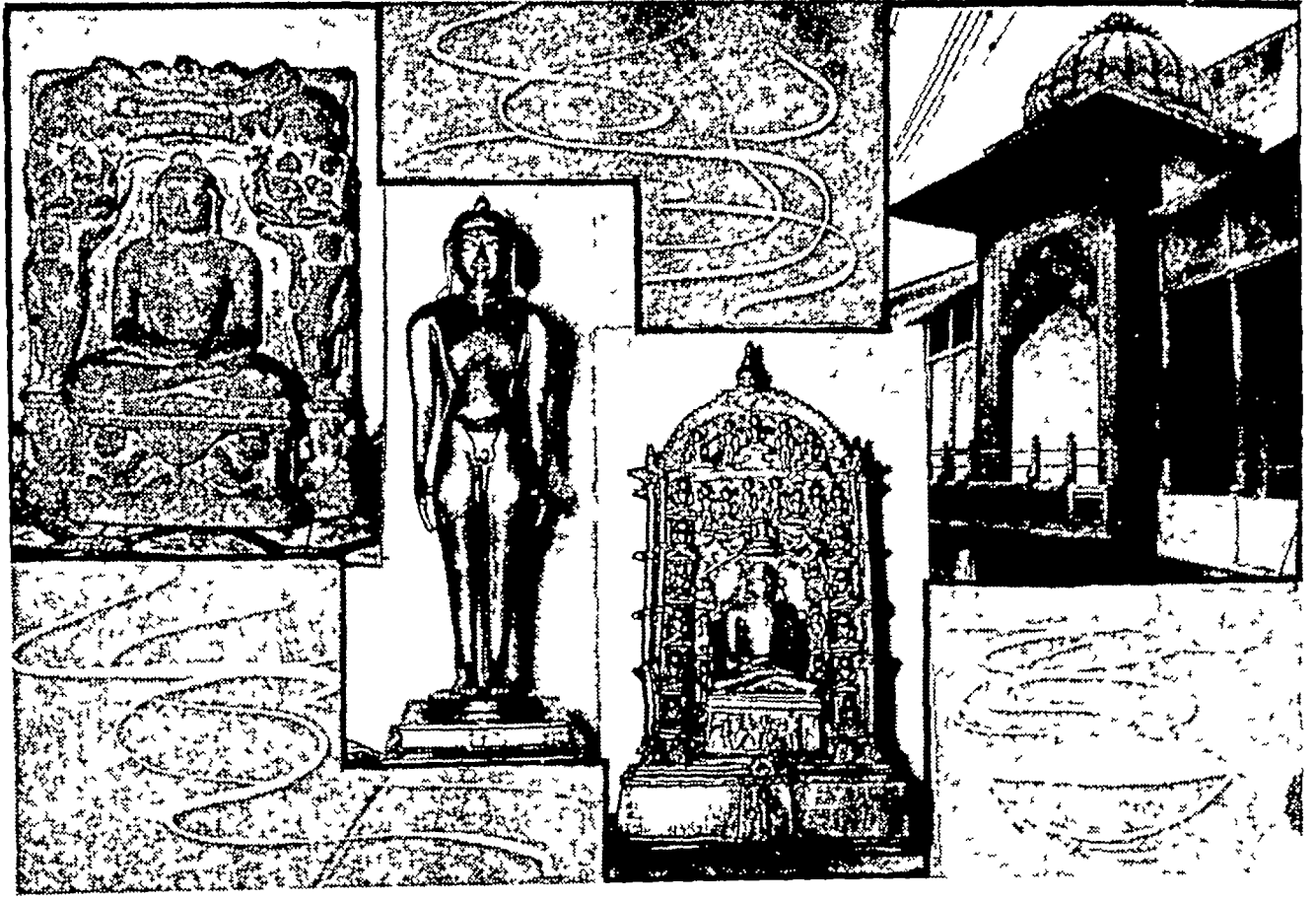
श्री दिगम्बर जैन बडा मदिर कूचा सेठ, स्थापित सन् १८३४ (विशेष विवरण पृष्ठ ३०)
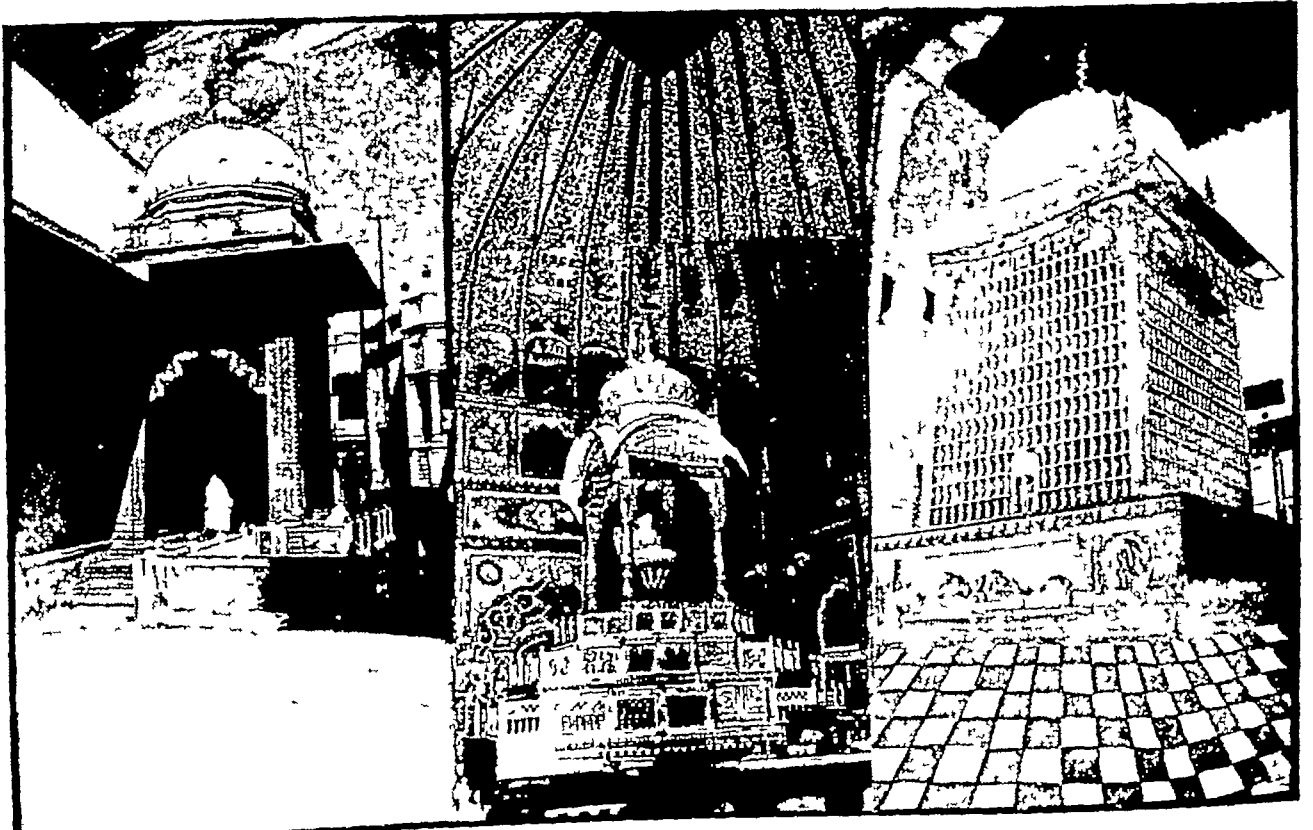
जैन मन्दिर व स्थानक

१. श्री दि० जैन पार्श्वनाथ मन्दिर, महरौली—इसे तोमरवशीय राजा अनगपाल तृतीय के मत्री अग्रवालवशी साहू नट्टल ने सन ११३२ से पूर्व बनवाया था। इसके बारे मे कवि श्रीधर ने 'पार्श्वपुराण' मे भी उल्लेख किया है। इसी मन्दिर तथा निकटवर्नी अन्य मन्दिरो को ध्वस करके कुतुबुद्दीन ऐबक ने सन ११९३ में कुव्वतुल इस्लाम मसजिद का निर्माण करवाया था। लोहे की किल्ली (स्तम्भ) के सामने वाले दालान मे पत्थरो मे खुदी हुई जैन मूर्तिया व अन्य चिन्ह इस मन्दिर के साक्षी हैं। मदिर के वर्तमान अवशेषो मे नक्काशी और पच्चीकारी के काम को देख कर उस काल की जैन स्थापत्य कला का कुछ अनुमान लगाया जा सकता है।

२ बड़ी दादा बाड़ी—यह दादा बाडी कुतुब मीनार से लगभग एक मील की दूरी पर, गुडगाव रोड पर मौजा लद्दासराय में स्थित है।

इसी स्थान पर श्री जिनदत्त सूरि जी के पट्टशिष्य श्री जिनचन्द्र सूरि मणीधारी जी महाराज का अग्निसस्कार सन ११६६ मे हुआ था। उनकी स्मृति मे ही इस बाडी का निर्माण हुआ, जो कि श्री बडी दादा बाडी के नाम से विख्यात है।

यही श्री बब्बुमल जी भसाली (ठप्पे वालो) ने श्री सिद्धाचल स्थापना तीर्थ के सुन्दर दिग्दर्शन के प्रयत्न मे नवीन निर्माण कराया है, जिसमे तलहटी, बाबू का डेरा, पर्वतीय मार्ग, शत्रुजय नदी, नौ टूक, खरतर बसई, दादा की टूक आदि दर्शनीय हैं।

बाडी मे यात्रियो के रहने की भी सुन्दर व्यवस्था है।

३ दि० जैन पार्श्व मंदिर, जयसिंह पुरा, नई दिल्ली-यह मदिर कनाट सर्कस मे मद्रास होटल के पीछे की ओर जैन मदिर मार्ग पर स्थित है। यह 'खडेलवाल' अथवा 'बडे मदिर' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

इस मदिर का निर्माण कब और किसने कराया, यह निश्चित रूप से ज्ञात नही हो सका है। परन्तु विद्वानो का मत है कि यह वही प्राचीन पार्श्वनाथ मदिर है जहा आचार्य अरुणमणि ने सन १६५९ मे 'अजित पुराण' की रचना की थी और जिसकी अन्तिम प्रशस्ति मे इस मदिर का उल्लेख भी किया है। यह भी कहा जाता है कि इसी मदिर

जो मे सागानेर निवासी कवि खुशाल चन्द जी काला ने स्थानीय धार्मिक महानुभाव श्री गोकुल चन्द जी ज्ञानी के उपदेश से सन १७२३ से लेकर १७४३ तक हरिवशपुराण आदि अनेक ग्रथो की रचना की। इन सब उल्लेखो से यह प्रगट होता है कि यह मदिर निश्चय ही औरगजेब के समय से पूर्व का निर्मित है।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान महावीर स्वामी की है। जो कि लगभग ५००, वर्ष पूर्व भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित की गई है। इसके अतिरिक्त भ० ऋषभदेव, भ० चद्रप्रभु, भ० नेमिनाथ, भ० पार्श्वनाथ आदि तीर्थंकरो की सन १४९१ की प्रतिष्ठित प्रतिमाये विराजमान है। विगत वर्षो मे मन्दिर जी मे अनेक नवीन निर्माण हो जाने से किन्ही अशो तक प्राचीन चिन्हो मे न्यूनता आ गई है।

४ दि० जैन लाल मंदिर—यह मदिर लाल किले के लाहौरी दरवाजे के सामने व चादनी चौक के प्रारम्भ मे स्थित है और शहर के स्थानीय जैन मन्दिरो मे सबसे प्राचीन मदिर है। इसका निर्माण शाहजहा के राज्यकाल मे सन १६५६ मे हुआ। कहा जाता है कि शाही छावनी इसी निकटवर्ती क्षेत्र में थी और इस मन्दिर का निर्माण भी शाही सेना के जैन पदाधिकारियो के लिये ही हुआ था। यह उर्दू मदिर या लशकरी मदिर के नाम से भी प्रसिद्ध था।

जिस स्थान पर इस मन्दिर की नीव पडी, ऐसा प्रचलित है कि वही शाही सेना के एक जैन पदाधिकारी ने अपने खेमे मे जैन चैत्यालय स्थापित किया था। कालातर मे शाही स्वीकृति मिलने पर उसी स्थान पर इस मन्दिर का निर्माण हुआ।

इस मन्दिर के सम्बन्ध मे यह कथन भी प्रचलित है कि एक बार सम्राट औरगजेब ने मन्दिर जी मे बाजे बजाने की मनाई की। शाही आज्ञा के हो जाने पर भी बाजे बजते रहे, परन्तु आश्चर्य की बात कि कोई बजाने वाला दृष्टिगोचर नही होता था। इस पर सम्राट स्वय देखने गये और पूर्ण स्थिति से परिचित होने के बाद उन्होने अपनी आज्ञा वापिस ले ली।

मदिर जी की मुख्य व प्राचीन वेदी मे भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा सन १४९१ मे प्रतिष्ठित भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा मध्य मे विराजमान है। इस प्रतिमा के दायें बाये भी उसी सम्वत की प्रतिष्ठित मूर्तिया विराजमान हैं। सन १९३५ से मंदिर मे समय समय पर नवीन निर्माण होता आ रहा है। मन्दिर का विशाल सरस्वती भवन, पीछे की ओर उदासीनाश्रम, यात्रियो के ठहरने के लिये कई कमरे, पक्षियो का चिकित्सालय, जैन साहित्य सदन का भवन, मुख्य द्वार के समक्ष मान-स्तम्भ आदि का निर्माण विगत थोडे वर्षो मे ही हुआ है। इनसे मदिर की शोभा व उपयोगिता दोनो मे ही अत्याधिक वृद्धि हुई है।

५ दिगम्बर जैन मंदिर, दिल्ली गेट—यह मन्दिर दिल्ली गेट के निकट ही स्थित है। यह मन्दिर भी मुगलकालीन बना

हुआ है। इसमे सबसे प्राचीन मूर्ति सन १७७३ की है। इसके अन्दर के भवन मे अलकृत चित्रकारी भी है।

ऐसा कहा जाता है कि लाल किले के पास मन्दिर (लाल मन्दिर) के बन जाने के बाद, समाज मे कुछ मतभेद हो गया, जिसके फलस्वरूप कुछ व्यक्तियो द्वारा इस मन्दिर का निर्माण हुआ।

६ **दि० जैन मंदिर, मोरी गेट**—यह मदिर कब बना और किसने बनवाया यह ठीक ज्ञात नही हो सका हैं, तथापि इसकी निर्माण शैलो से यह निश्चित है कि यह भी मुगलकालीन है।

मन्दिर में मूलनायक प्रतिमा सन १४९१ की भट्टारक जिनचन्द्र और जीवराज पापडीवाल द्वारा प्रतिष्ठित विराजमान है।

७ **श्वे० जैन मंदिर, नौघरा**—यह मदिर किनारी बाजार, मौहल्ला नौघरा मे स्थित है। इस मदिर का निर्माण शाहजहा के राज्यकाल मे हुआ था और यह स्थानीय श्वेताम्बर मदिरो में सबसे प्राचीन है। इस मदिर का पुर्नानिर्माण सन १७०९ मे हुआ था।

मुख्य प्रतिमा भ० सुमतिनाथ जी की है। श्री पार्श्वनाथ जी की श्याम पाषाण की बनी चतुर्मुखी प्रतिमा भी अत्यन्त ही मनोहर व मनोज्ञ है। मदिर के अन्दर के भवन मे स्वर्ण चित्रकारी भी है।

८ **महावीर दि० जैन मंदिर, वैद्यवाड़ा**—यह मदिर चादनी चौक अथवा नई सडक की ओर से जाकर वैद्यवाडा मुहल्ला मे स्थित है। इसका निर्माण सन १७४१ मे खडेलवाल दि० जैन पचायत द्वारा हुआ था।

मदिर मे लगभग २००—२५० प्राचीन मूर्तिया है, जिनमे कई स्फटिक पाषाण की भी हैं। मुख्य प्रतिमा सन ११७५ की प्रतिष्ठित है। अन्य मनोज्ञ प्रतिमायें सन १४५७ की व कुछ उसके बाद के समय की प्रतिष्ठित हैं।

मदिर के शास्त्र भडार मे कई हस्तलिखित ग्रन्थ भी हैं।

९ **दि० जैन पंचायती मंदिर**—यह मदिर गली मस्जिद खजूर मे स्थित है। इस मदिर का निर्माण मुहम्मदशाह द्वितीय के कमसरियट विभाग के सैनिक पदाधिकारी आयामल या आज्ञामल ने सन १७४३ मे कराया था। बाद मे इसे पचायती घोषित कर दिया गया। यह मदिर भट्टारकों की गद्दी का भी स्थान रहा है और तत्पश्चात 'पाडे जी का मदिर' के नाम से भी प्रसिद्ध रहा।

इस मदिर में मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ जी की है। यह प्रतिमा श्यामवर्ण, ५ फुट ६ इच ऊची और ३ फुट ५ इच चौडी है। दायें बायें भ० आदिनाथ और भ० शांतिनाथ की श्वेतवर्ण प्रतिमायें विराजमान, हैं जो कि प्रत्येक ३ फुट ५ इच ऊंची और २ फुट ८॥ इच चौडी हैं। इसके अतिरिक्त कई रत्न-प्रतिमाये भी हैं। इस मदिर में सबसे प्राचीन मूर्ति सन १३४६ की है। और अन्य १०—१२ मूर्तिया सन १४९१ की हैं।

मदिर मे लगभग ३,००० अप्राप्य हस्तलिखित शास्त्रो का तथा अन्य मुद्रित ग्रन्थो का सुन्दर सग्रह है।

१०. दि० जैन मेहर मंदिर-यह मदिर मस्जिद खजूर के बाहर स्थित है। इसका निर्माण लाला मेहर चन्द जी ने करवाया था। इस मदिर में नदीश्वर द्वीप के ५२ चैत्यालयो की अपूर्व रचना की गयी है जिसकी प्रतिष्ठा २३ जनवरी, सन १७३२ मे हुई थी। मदिर की अन्य वेदियो की प्राचीन प्रतिमाये भी मनोज्ञ व दर्शनीय हैं।

मदिर के शास्त्र भन्डार मे हस्तलिखित व मुद्रित ग्रन्थो का सुन्दर सग्रह है।

११. दि० जैन नया मंदिर, धर्मपुरा- चाँदनी चौक से किनारी बाजार होते हुए धर्मपुरा के मध्य में पहुचने पर यह मदिर आता है। यह मंदिर राजा हरसुखराय जी ने जो शाही खजाची थे, व भरतपुर राजा के दरबारी थे, लगभग आठ लाख रुपए की लागत से बनवाया। इसका बनाना सन १८०० मे प्रारम्भ हुआ था और सन १८०७ मे इसकी प्रतिष्ठित हुई थी।

मदिर मे मध्य की वेदी पर भ० आदिनाथ की सन १६०७ मे प्रतिष्ठत मूर्ति विराजमान है। इसके अतिरिक्त अन्य कई प्रतिमाये स्फटिक, नीलम, मरकत और पाषाण की सन १०५२ की प्रतिष्ठित, विराजमान हैं।

मदिर की मूलनायक वेदी जयपुर के मकराना सगमरमर की बनी है और उसमे सच्चे बहुमूल्य पाषाण की पच्चीकारी का काम और बेलबूटो का कटाव ऐसा बारीक है कि उसकी तुलना ताजमहल की अद्वितीय कारीगरी से की जा सकती है। जिस कमल पर भगवान की प्रतिमा विराजमान है उसकी लागत दस हजार रुपया तथा वेदी की लागत सवा लाख रुपया बताई जाती है। कमल के नीचे चारो ओर जो सिंहो के जोडे बने हुए हैं उनकी कारीगरी भी अपूर्व और आश्चर्य जनक है।

मदिर मे पच्चीकारी का अद्भुत काम, दीवालो पर सुनहरी चित्रकारी आदि कई विशेषताये हैं जिनसे आकर्षित होकर देशी व विदेशी यात्री दर्शनो के लिए आते हैं।

विगत वर्ष सन १६६० मे इसी मन्दिर मे सहस्र-कूट चैत्यालय की स्थापना भी की गई है।

मदिर जी के शास्त्र-भडार मे लगभग १,८०० हस्तलिखित ग्रन्थ और अन्य सभी शास्त्रो का सुन्दर सकलन हैं। यह शोध कार्य करने वाले छात्रो के लिए अत्यन्त उपयोगी होते हैं।

१२. दि० जैन मंदिर, शहादरा- दिल्ली शहर से लगभग ४-५ मील की दूरी पर यमुना नदी के पार शहादरा उप-नगर मे यह मदिर, गली मदिर वाली मे स्थित है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय द्वारा हुआ था।

१३ दि० जैन मंदिर, पटपड़गंज- पटपडगंज के लिए फौहारे से बस की सुविधा
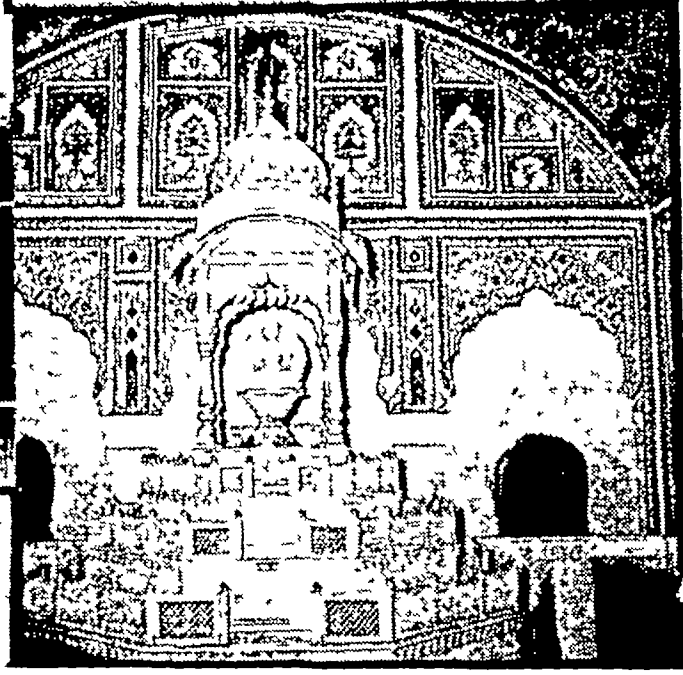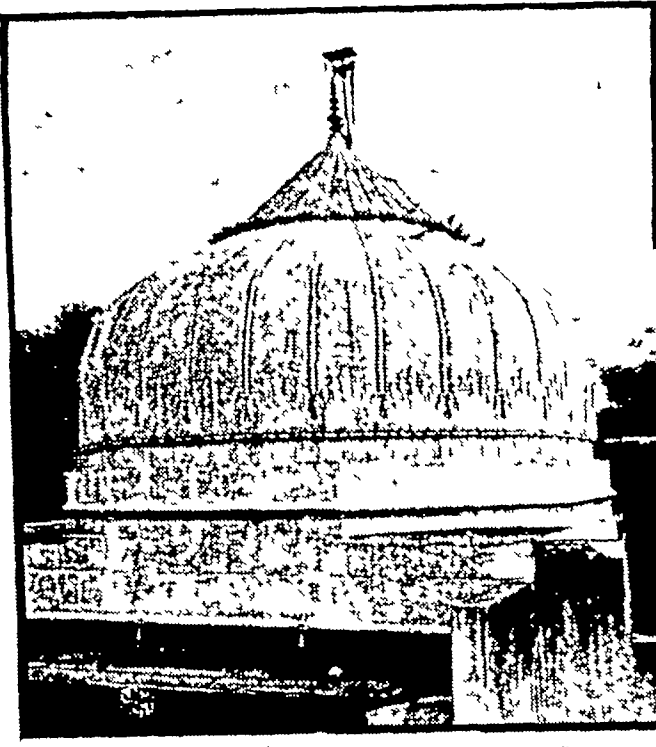
श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन मदिर (जैसिंहपुरा) नयी दिल्ली, स्थापित सन् १८०७ (विशेष विवरण पृष्ठ २९)
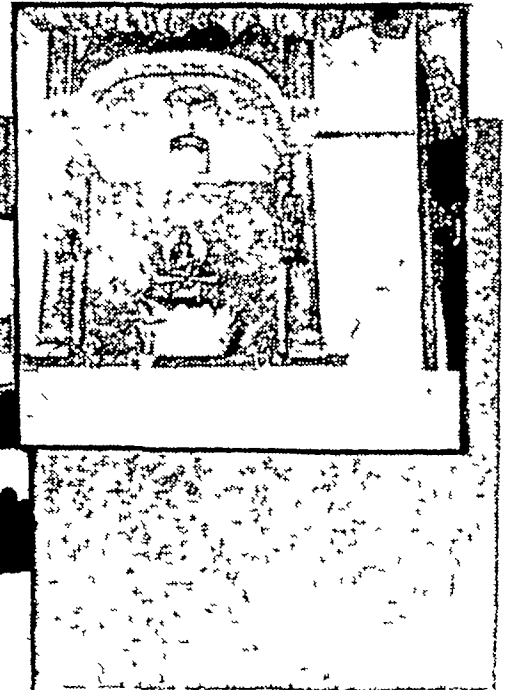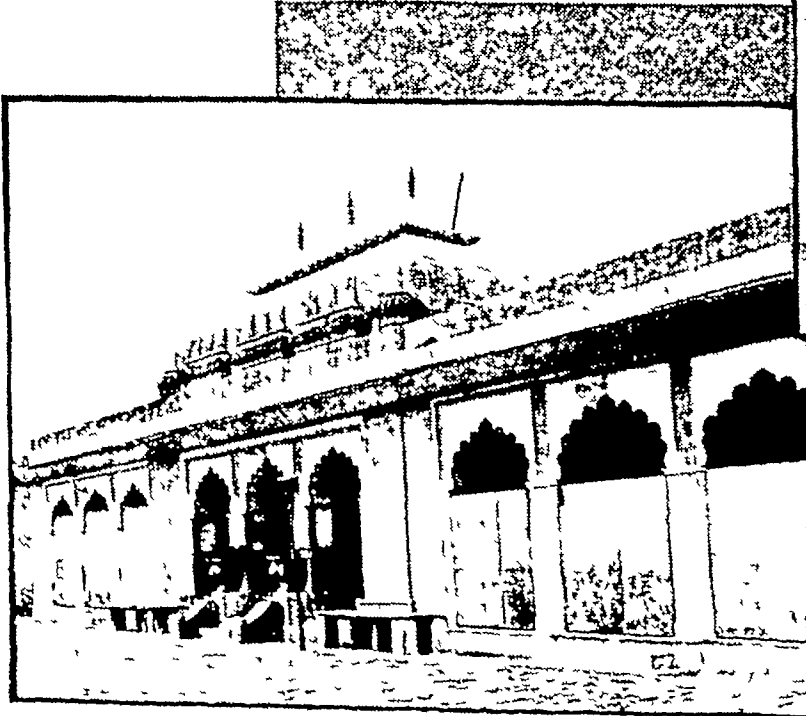
जैन निशी मदिर कनाट प्लेस, नयी दिल्ली, मुगल काल मे स्थापित (विशेष विवरण पृष्ठ २९)

श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर महरौली

भारत मे मुस्लिम राज्य के अन्तर्गत अनगिनत हिन्दू व जैन मदिर ध्वस करके उनके स्थानो पर मस्जिदो का निर्माण किया गया। उसी प्रवृति की प्रतीक गुलाम वश के सस्थापक कुतुबुद्दीन एबक द्वारा निर्मित "कुव्वत-उल-इस्लाम" मस्जिद है जिसके प्राचीन खण्डहरो मे जैन मूर्ति और स्थापत्य कला का वैभव बिखरा पडा है। यह मसजिद अपने समय के इसी स्थान पर निर्मित विशाल पार्श्वनाथ जैन मदिर को विध्वस करके बनाई गई थी। मदिर के अवशिष्ट चिह्नो मे हाथी-दरवाजा तथा दो ओर के सभा-गृह अब भी अछूते से जान पडते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि कीली के पार्श्वभाग मे शिखर-युक्त पीठिका मे मुख्यवेदी स्थापित थी तथा इसी के केन्द्र से चारो ओर सभागृह था
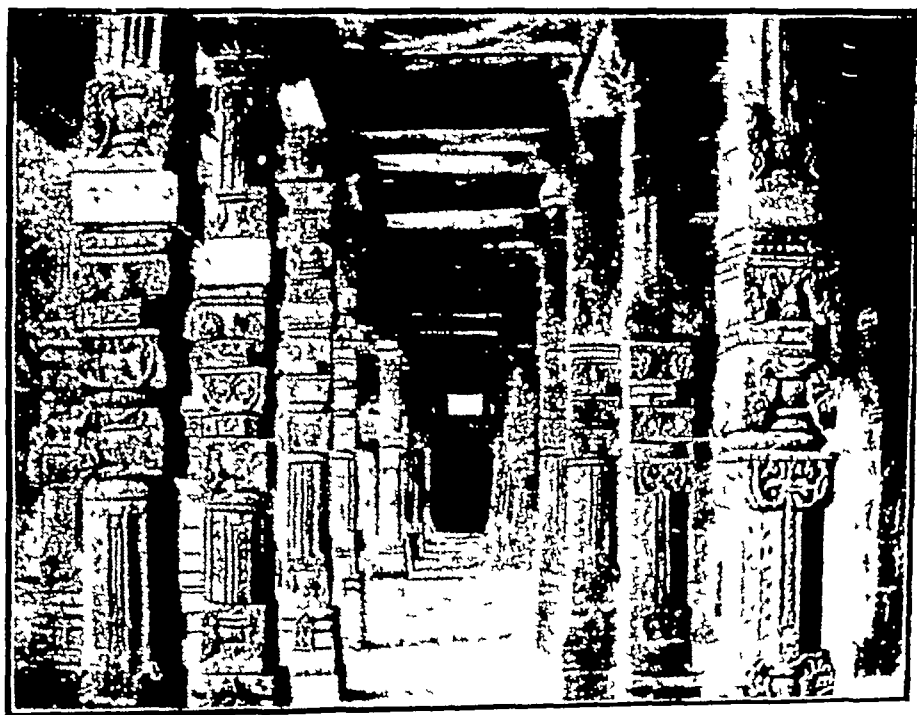
महरौली के अवशिष्ट चिह्न
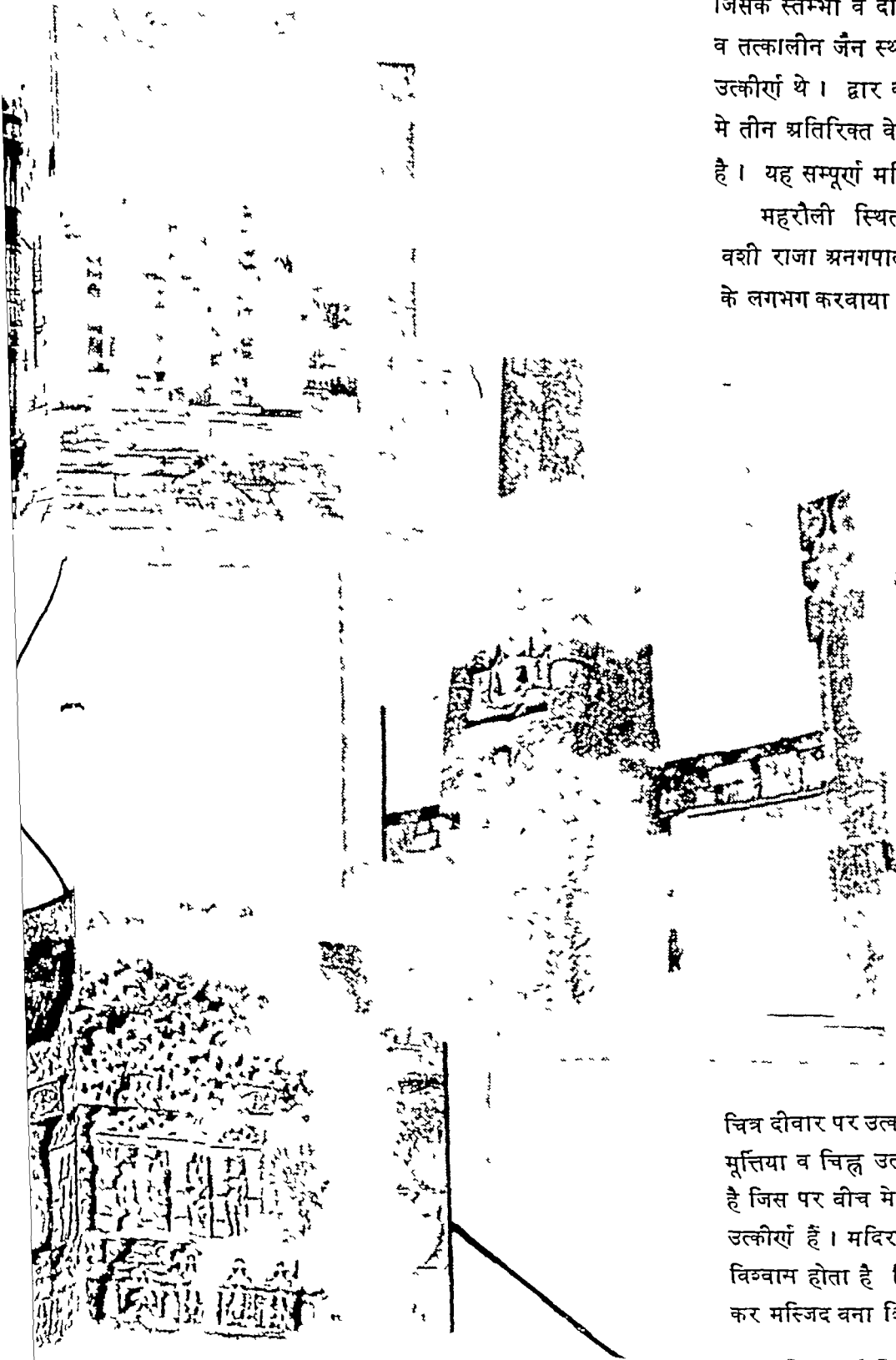
जिसके स्तम्भो व दीवारो आदि पर तीर्थकरो की भव्य मूर्त्तिया व तत्कालीन जैन स्थापत्यकलामय दृश्यावलिया एव धार्मिक चिह्न उत्कीर्ण थे। द्वार को छोड कर बाकी तीन ओर के सभागृह मे तीन अतिरिक्त वेदियो की स्थापना का आभास पाया जाता है। यह सम्पूर्ण मदिर एक सरोवर के मध्य मे स्थित था।

महरौली स्थित इस पार्श्वनाथ मदिर का निर्माण तोमर वशी राजा अनगपाल तृतीय के मत्री साहू नट्टल ने सन् ११३२ के लगभग करवाया था। इसका वर्णन कवि श्रीधर द्वारा विरचित "पार्श्वपुराण" मे भी पाया जाता है।

मदिर के वर्तमान अवशेषो मे कई स्तम्भ, दालान, कक्ष आदि अभी तक सुरक्षित हैं। बाई ओर का चित्र मुख्य द्वार से अन्दर के कक्ष का है। इस कक्ष मे बहुत से स्तम्भ अभी तक अच्छी दशा मे है। इन स्तम्भो की रचना और खुदाई का कार्य आबू के जैन मदिरो की शैली पर है। दोनो ओर के कोने के प्राचीन शैली के शिखरयुक्त भव्य गुम्बदो की छतो व दीवारो मे तीर्थंकरो की मूर्त्तिया, तीर्थंकर की माता को गर्भावस्था मे दिखलाई देने वाले सोलह स्वप्नो मे से एक–मीनयुगल, भगवान के जन्म के पश्चात् इन्द्र द्वारा अभिषेक का दृश्य, आदि उत्कीर्ण हैं।

मध्य मे ऊपर का चित्र मदिर के दालान मे स्थित मुख्य पीठिका के अवशिष्ट ध्वसो का है। मध्य मे नीचे का चित्र दीवार पर उत्कीर्ण दृश्यावलियों का है इसमे जैन धर्म सम्बन्धी मूर्त्तिया व चिह्न उत्कीर्ण हैं। दायी ओर का चित्र एक स्तम्भ का है जिस पर बीच मे तीन ओर जैन तीर्थकरो की पद्मासन मूर्त्तिया उत्कीर्ण हैं। मदिर के वर्तमान अवशिष्ट चिह्न देख कर यह विश्वास होता है कि जैसे शीघ्रता मे किसी मदिर को लीप पोत कर मस्जिद बना दिया गया हो।

श्री वडी दादा बाडी गुडगाव रोड महरौली, स्थापित सन् ११६६ (विशेप विवरण पृष्ठ ७५)

श्री दिगम्बर जैन खडेलवाल वडा मदिर (जैसिहपुरा) नयी दिल्ली, मुगल काल मे स्थापित (विशेप विवरण पृष्ठ २५-२६)

उपलब्ध है। इस मंदिर का निर्माण राजा हरसुखराय जी ने करवाया था। विगत वर्षों मे इस मंदिर में जीर्णोद्धार व अशत नवीन निर्माण भी हो गया है।

१४. श्री अग्रवाल दि० जैन मंदिर, जैसिंहपुरा–यह मंदिर खडेलवाल मदिर, नई दिल्ली से लगा हुआ है और 'छोटे मन्दिर' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय जी के सुपुत्र राजा सुगन चन्द जी ने कराया था, इसकी प्रतिष्ठा सन १८०७ मे हुई थी। कहा जाता है कि इस मन्दिर के निर्माण के लिए १० बीघा जमीन राजा सुगनचद जी को जयपुर राज्य से, राजा जयसिंह जी द्वितीय के समय मे, उनके दीवान जूथाराम जी के द्वारा प्राप्त हुई थी।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा अष्टम तीर्थङ्कर भगवान चन्द्रप्रभु जी की सन १८०४ की प्रतिष्ठित विराजमान है। मदिर के अदर के भवन की स्वर्ण-चित्रकारी प्राचीन भव्य स्थापत्य कला का प्रतीक है जो कि इतनी लम्बी अवधि के पश्चात आज भी मूल रूप मे है। दूसरी वेदो, जो कि मूलत प्राचीन है में भी मुख्य प्रतिमा भ० चन्द्रप्रभु की है जिसकी प्रतिष्ठा सन १८६७ मे वाराणसी के शाह खड्गसेन उदयराज लमेंचू ने करायी थी।

मदिर जी में लगभग १,००० मुद्रित ग्रन्थो का शास्त्र भडार भी है।

इस मन्दिर जी के पीछे मुनिराज, त्यागियो तथा यात्रियो के ठहरने की भी व्यवस्था है।

१५ जैन निशी मंदिर, क० प्लेस–यह कनाट प्लेस के निकट लेडी हार्डिंग रोड पर स्थित है तथा निशी अथवा नशिया जी के नाम से भी प्रसिद्ध है।

इसका निर्माण भी मुगलकालीन है। इसके चारो ओर परकोटा है जिसके चारो कोनो पर चार गुम्बज हैं। परकोटे की पश्चिमी दीवाल से लगा हुआ एक गुम्बजरूप मदिर है जिसके तीन भाग हैं। मध्य भाग मे एक पक्की वेदी बनी हुई है जिसमे प्रतिमा जी को विराजमान किया जाता है।

प्राचीन काल मे अग्रवाल दि० जैन मदिर, जैसिंहपुरा से, इस स्थान पर वर्ष मे दो बार, तीन दिन के लिये, मूर्ति लाकर विराजमान की जाती थी तथा पूजन, भजन इत्यादि उत्सव होते थे।

वर्तमान मे इसका प्रबन्ध जैन सभा, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। यहा पर समय समय पर अनेक धार्मिक व सामाजिक उत्सव होते हैं। भगवान् महावीर जयन्ती के अवसर पर अग्रवाल दि० जैन मदिर, जैसिंहपुरा से प्रतिमा जी लाकर एक दिन पूर्व विराजमान कर दी जाती है तथा दूसरे दिन पूजन इत्यादि के पश्चात् एक विराट् रथोत्सव का आयोजन किया जाता है।

१६ श्वे० जैन मंदिर, चेलपुरी–यह मन्दिर किनारी बाजार की गली चेलपुरी मे स्थित है। इसका निर्माण भी मुगलकालीन है।

मदिर जी मे मुख्य प्रतिमा भगवान सभवनाथ जी की है।

श्री बडी दादा वाडी गुडगाव रोड महरौली, स्थापित सन् ११६६ (विशेष विवरण पृष्ठ ७५)
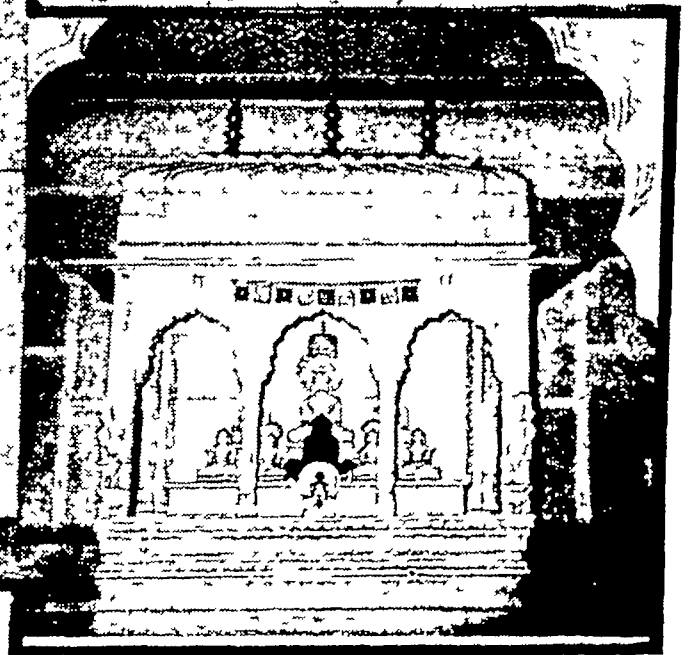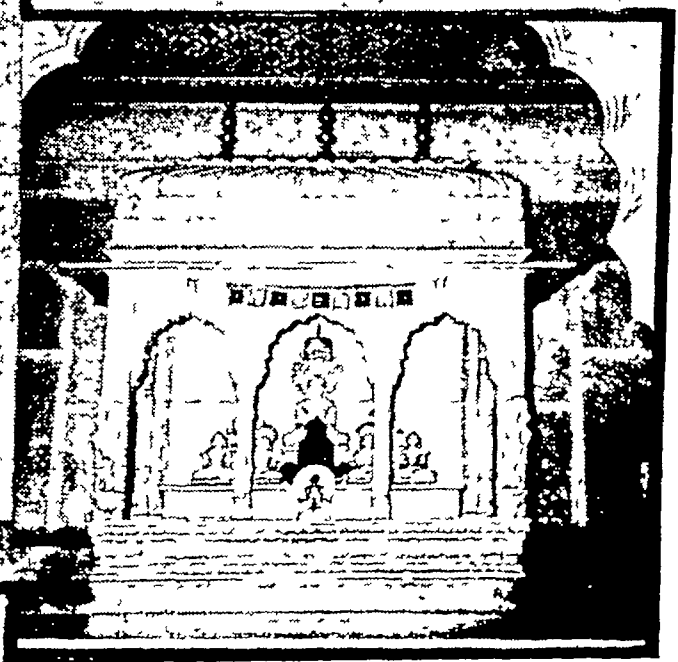
श्री दिगम्बर जैन खडेलवाल वडा मदिर (जैसिंहपुरा) नयी दिल्ली, मुगल काल मे स्थापित (विशेष विवरण पृष्ठ २५-२६)।

उपलब्ध है। इस मदिर का निर्माण राजा हरसुखराय जी ने करवाया था। विगत वर्षों मे इस मदिर मे जीर्णोद्धार व अगत नवीन निर्माण भी हो गया है।

१४. श्री अग्रवाल दि० जैन मंदिर, जैसिहपुरा—यह मदिर खडेलवाल मदिर, नई दिल्ली से लगा हुआ है और 'छोटे मन्दिर' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय जी के सुपुत्र राजा सुगन चन्द जी ने कराया था, इसको प्रतिष्ठा सन १८०७ मे हुई थी। कहा जाता है कि इस मन्दिर के निर्माण के लिए १० बीघा जमीन राजा सुगनचद जी को जयपुर राज्य से, राजा जयसिह जी द्वितीय के समय मे, उनके दीवान जूथाराम जी के द्वारा प्राप्त हुई थी।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा अष्टम तीर्थङ्कर भगवान चन्द्रप्रभु जी की सन १८०४ की प्रतिष्ठित विराजमान है। मदिर के अदर के भवन की स्वर्ण-चित्रकारी प्राचीन भव्य स्थापत्य कला का प्रतीक है जो कि इतनी लम्बी अवधि के पश्चात आज भी मूल रूप मे है। दूसरी वेदो, जो कि मूलत प्राचीन है में भी मुख्य प्रतिमा भ० चद्रप्रभु की है जिसकी प्रतिष्ठा सन १८६७ मे वाराणसी के शाह खड्गसेन उदयराज लमेचू ने करायी थी।

मंदिर जी में लगभग १,००० मुद्रित ग्रन्थो का शास्त्र भडार भी है।

इस मन्दिर जी के पीछे मुनिराज, त्यागियो तथा यात्रियो के ठहरने की भी व्यवस्था है।

१५ जैन निशी मंदिर, कं० प्लेस—यह कनाट प्लेस के निकट [illegible] रोड पर स्थित है तथा निशी अथवा नसिया जी के नाम से भी प्रसिद्ध है।

इसका निर्माण भी मुगलकालीन है। इसके चारो ओर परकोटा है जिसके चारों कोनो पर चार गुम्बज हैं। परकोटे की पश्चिमी दीवाल से लगा हुआ एक गुम्बजनुमा मदिर है जिसके तीन भाग हैं। मध्य भाग में एक पक्की वेदी बनी हुई है जिसमें प्रतिमा जी को विराजमान किया जाता है।

प्राचीन काल मे अग्रवाल दि० जैन मदिर, जैसिहपुरा से, इस स्थान पर वर्ष में दो बार, तीन दिन के लिये, मूर्ति लाकर विराजमान की जाती थी तथा पूजन, भजन इत्यादि उत्सव होते थे।

वर्तमान में इसका प्रबन्ध जैन सभा, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। यहा पर समय समय पर अनेक धार्मिक व सामाजिक उत्सव होते हैं। भगवान् महावीर जयन्ती के अवसर पर अग्रवाल दि० जैन मदिर, जैसिहपुरा से प्रतिमा जी लाकर एक दिन पूर्व विराजमान कर दी जाती है तथा दूसरे दिन पूजन इत्यादि के पश्चात् एक विराट् रथोत्सव का आयोजन किया जाता है।

१६ श्वे० जैन मंदिर, चेलपुरी—यह मन्दिर किनारी बाजार की गली चेलपुरी मे स्थित है। इसका निर्माण भी मुगलकालीन है।

मदिर जी मे मुख्य प्रतिमा भगवान सभवनाथ जी की है।

१७ दि० जैन बड़ा मंदिर, कूंचा सेठ—यह मन्दिर कूचा सेठ, दरीबा कला मे स्थित है। इस मदिर का निर्माण सन १८३४, (स० १८६१) में हुआ। कहा जाता है कि इस मन्दिर का निर्माण होना सन १८२८ मे प्रारम्भ हुआ था।

मन्दिर मे मूलनायक प्रतिमा श्यामवर्ण की भगवान ऋषभदेव की, मूलवेदी मे विराजमान है। इस मूर्ति की प्रतिष्ठा सन ११६४ मे हुई थी। वेदी न० ३ मे एक धातु मूर्ति सन्त ११४३ की पच बालयती तीर्थङ्करो की है, एक धातु मूर्ति तीर्थङ्कर-त्रय, भगवान शाँतिनाथ जी भगवान कुंथनाथ जी व भगवान अरहनाथ जी की हें। इनके अतिरिक्त अन्य प्रतिमाये सन १३४६ के बाद के काल की प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर मे कई प्रतिमाये स्फटिक की भी है।

मन्दिर के शास्त्र भण्डार मे अन्य मुद्रित ग्रन्थो के अतिरिक्त १,४०० हस्तलिखित ग्रन्थ है।

इस मन्दिर में पं० इन्द्रराज जी की शैली प्रचलित थी, इस बात का उल्लेख पं० बखतावर लाल जी ने भी किया है।

१८ दि० जैन छोटा मंदिर, कूंचा सेठ—इस मन्दिर का निर्माण सन १८४० में हुआ। इस बनवाने मे श्रावक श्री इद्रराजजी का विशेष हाथ था। उन्होने काबुल के एक दुर्रानी से सन १४६२ की प्रतिष्ठित पाषाण मूर्ति खरीदी थी। प्रतिमा जी को कुछ दिन अपने घर मे स्थापित करने के पश्चात पचो को सौंप दी थी। वही मूर्ति इस मदिर में विराजमान है।

१९. दि० जैन मन्दिर, सतघरा—यह मन्दिर धर्मपुरा के अन्दर सतघरा में स्थित है। इसका निर्माण लगभग ६० वर्ष पूर्व चैत्यालय के रूप मे हुआ। कालातर में सन १६३६ में शिखरबन्द मन्दिर मे परिवर्तित किया गया

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की है यहा प्रतिदिन महिलाओ की शास्त्र सभा होती है।

२० दि० जैन चैत्यालय, सतघरा, धर्मपुरा—यह चैत्यालय 'मुशी रिशक लाल चैत्यालय' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

२१ दि० जैन चैत्यालय, बीबी तोखन, किनारी बाजार—यह गली अनार के अन्दर कुए वाली गली, किनारी बाजार मे स्थित है।

२२. श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन उपाश्रय, किनारी बाजार—यहा साधु, साध्वियो के ठहरने और उनके व्यावच्छु का प्रबन्ध है। उपाश्रय मे आविल खाते का कार्य सम्पन्न होता है और विवाह-पार्टी आदि उत्सवो के लिये बर्तन इत्यादि भी प्राप्त हो सकते हैं।

२३ ला० हजारी मल जौहरी का श्वे० जैन चैत्यालय—यह चैत्यालय किनारी बाजार के छत्ता प्रताप सिंह मे स्थित है।

२४. पद्मावती पुरवाल दि० जैन मंदिर—यह मन्दिर ममजिद खजूर के बाहर गली में स्थित है।

इसका निर्माण पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन समाज ने सन १९३१ मे किया था।

२५ श्रीशांतिनाथ दि. जैन चैत्यालय, वैदवाड़ा—वैदवाडा के महावीर मन्दिर से ही सम्बन्धित गली की दूसरी ओर एक चैत्यालय भी है, जिसमे षष्टम तीर्थङ्कर भगवान शान्तिनाथ की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

२६ दि० जैन चैत्यालय (गोधाजी) वैदवाड़ा—उक्त मदिर व चैत्यालय से थोडा आगे अन्दर की ओर चलकर ही यह नवीन निर्मित चैत्यालय स्थित है। इसका निर्माण लाला कपूरचद जौहरी ने कराया। चैत्यालय मे भगवान महावीर स्वामी की स्फटिक की एक मनोज्ञ प्रतिमा है।

२७ दि० जैन चैत्यालय (ला० भोंदूमल जी)—यह चैत्यालय गली पहाड के बाहर स्थित है। यह लाला भौदूमल जी द्वारा स्थापित हुआ था।

२८ दि० जैन चैत्यालय (ला० मोरीमल जी)—उक्त चैत्यालय के सामने ही लाला मोरीमल द्वारा स्थापित चैत्यालय है।

२९ दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ चैत्यालय—यह चैत्यालय जो गली खजाची वाली में स्थिति है, लाला हजारीमल चैत्यालय के नाम से प्रसिद्ध है, इसे लाला साहब सिंह ने सन १७९१ मे बनवाया था।

३०. दि० जैन चैत्यालय, कूचा सुखानन्द—यह चैत्यालय मुगलकालीन होने से बहुत प्राचीन है। इसका निर्माण लाला गुलाब राय ने कराया था।

३१ जैन स्थानक, पत्तलवाली गली, मालो वाड़ा—यह स्थानक एक ओसवाल श्रावक द्वारा लगभग ६०, ७० वर्ष पूर्व चढाया गया था। यहा साधु साध्वियो के ठहरने की व्यवस्था है।

३२. दि० जैन मंदिर, मोहल्ला, इमली—यह मदिर बाज़ार सीताराम मे कूचा पातीराम के मोहल्ला इमली मे स्थित है। इसमे मूलनायक प्रतिमा भगवान नेमिनाथ की है।

३३ जैन स्थानक, १८०२, चीराखाना—यह स्थान ला० सेटामल जी भसाली ने लगभग ६० वर्ष पूर्व चढाया था। यहाँ सती वगैरह ठहरती हैं।

३४ श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ श्वे. मन्दिर, चीराखाना—यह मन्दिर मालीवाडा से चल कर मु० चीराखाना (गली हरदयाल) मे स्थित है। मुख्य प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ जी की है। मन्दिर जी के नीचे एक पोशाल भी है।

३५ महावीर भवन, चाँदनी चौक—इस भवन मे जैन मुनिराज आदि ठहरते हैं और नित्य उनके प्रवचन, कथा इत्यादि होते हैं। समय-समय पर अन्य धार्मिक समारोह भी होते हैं।

भवन मे ही श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय स्थित है।

३६ दि० जैन चैत्यालय, जैन बालाश्रम, दरियागंज-एडवर्डपार्क से दरिया

गजरोड को ओर थोडो दूर परजैन बालाश्रम (जो कि पूर्व में जैन अनाथाश्रम प्रसिद्ध था) का भवन है। इसके ऊपर की मजिल मे चैत्यालय स्थापित है। चैत्यालय की दो वेदियो मे क्रमश. भगवान महावीर की धातु मूर्ति व भगवान पार्श्वनाथ की कृष्ण-पाषाण मूर्ति विराजमान हैं।

३७. हुकुमचंद दि० जैन चैत्यालय, दरियागंज--जैन बालाश्रम (अनाथाश्रम) से थोडा आगे चलकर न० ७ दरियागज में यह चैत्यालय स्थित है। इसे ला० हुकुम चन्द गोहाना निवासी ने स्थापित किया था।

३८ अहिंसा मन्दिर दि० जैन चैत्यालय, १ दरियागंज-यह ला० राजकृष्ण जी द्वारा स्थापित किया गया है। इसमे भ० चद्रप्रभु की श्वेत पाषाण की प्रतिमा विराजमान है।

३९ दि० जैन पंचायती मन्दिर, गली जैन मन्दिर, पहाड़ी धीरज--इस मदिर का निर्माण सन १८५३ मे हुआ था। मदिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ को सन १५९३ मे प्रतिष्ठित विराजमान हैं।

४० श्री महावीर दि० जैन मंदिर गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज--यह मन्दिर 'काच का मन्दिर' के नाम से प्रसिद्ध है। इस मन्दिर का निर्माण श्रीमती जानकी बाई धर्मपत्नी लाला मक्खन लाल ने सन १९३८ में कराया था। मदिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की सन १९२३ मे प्रतिष्ठित विराजमान है।

४१. दि० जैन चैत्यालय ला० मनोहरलाल जौहरी, गली जैन मन्दिर, पहाड़ी धीरज--इस चैत्यालय का निर्माण लाला मनोहर लाल जी जौहरी ने सन १९३५ मे कराया था। चैत्यालय मे मूलनायक प्रतिमा भ० शातिनाथ स्वामी की विराजमान है।

निर्माता की मंत्रशास्त्र में विशेष रुचि होने के कारण चैत्यालय में मत्र-ग्रथो का सुन्दर सग्रह है।

४२ दि० जैन चैत्यालय, डिप्टीगंज, महावीर नगर, सदर बाजार--चैत्यालय की स्थापना सेठ लालचन्द जी बीडी वालों ने सन १८५० में की थी। इस में मूलनायक प्रतिमा भ० चन्द्रप्रभु स्वामी की है।

४३ श्री जैन उपाश्रय, गली नाई वाली, पहाड़ी धीरज--इस स्थानक का निर्माण सदर बाजार स्थानकवासी पचायत द्वारा ३० वर्ष पूर्व हुआ था। यहाँ साधु साध्वियो के ठहरने की व्यवस्था है।

४४. श्री जैन स्थानक चन्द्रावल रोड (सब्जीमंडी)।

४५. श्री जैन स्थानक, केदार बिल्डिग, सब्जी मन्डी।

उपरोक्त दोनो स्थानको का निर्माण ला० रघुनाथ सहाय जी रोहतक वाला ने करवाया था।

श्री दिगम्बर जैन पचायती मदिर (गली मस्जिद खजूर) धर्मपुरा, स्थापित सन् १७४३ (विशेष विवरण पृष्ठ २७-२८)
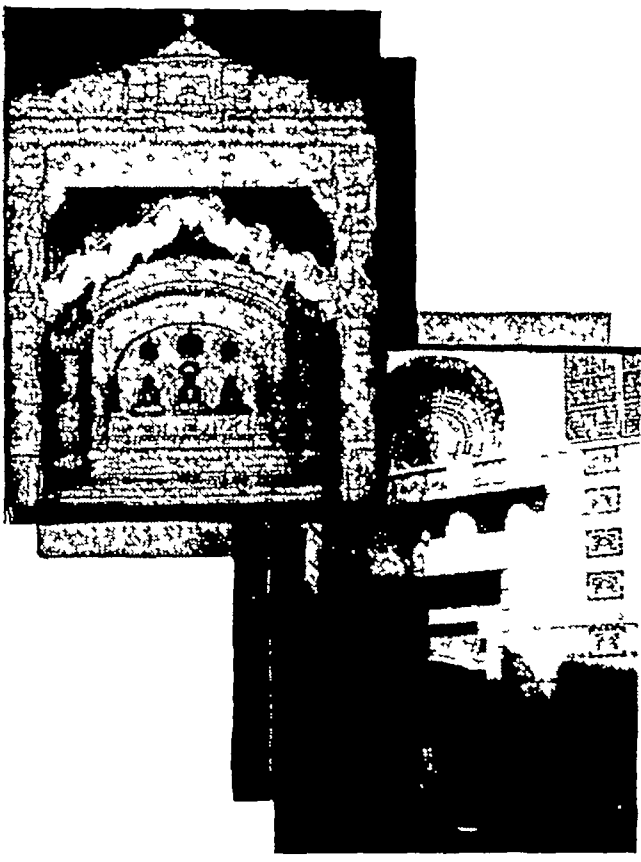
श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय वैदवाडा
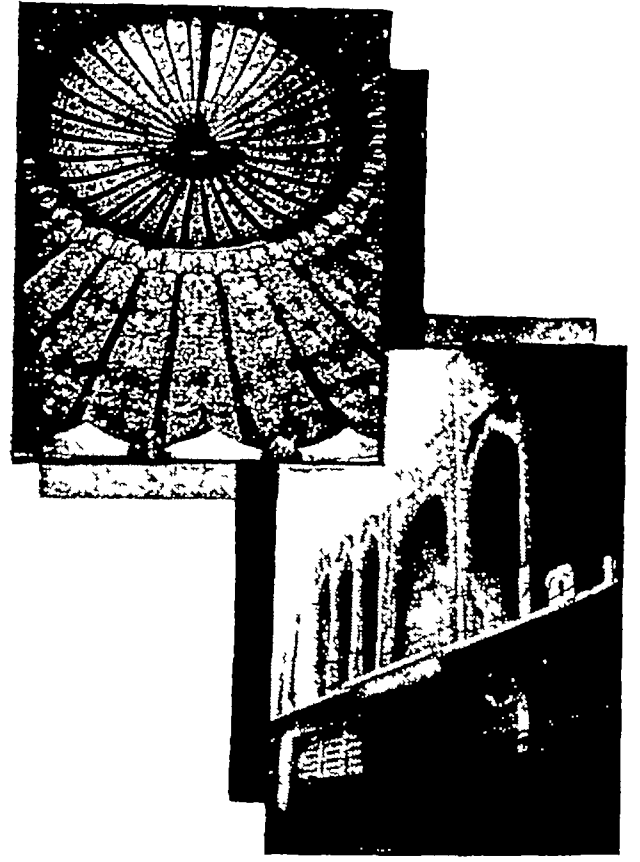
श्री दिगम्बर जैन मदिर, वैदवाडा

श्री दिगम्बर जैन मदिर, शहादरा
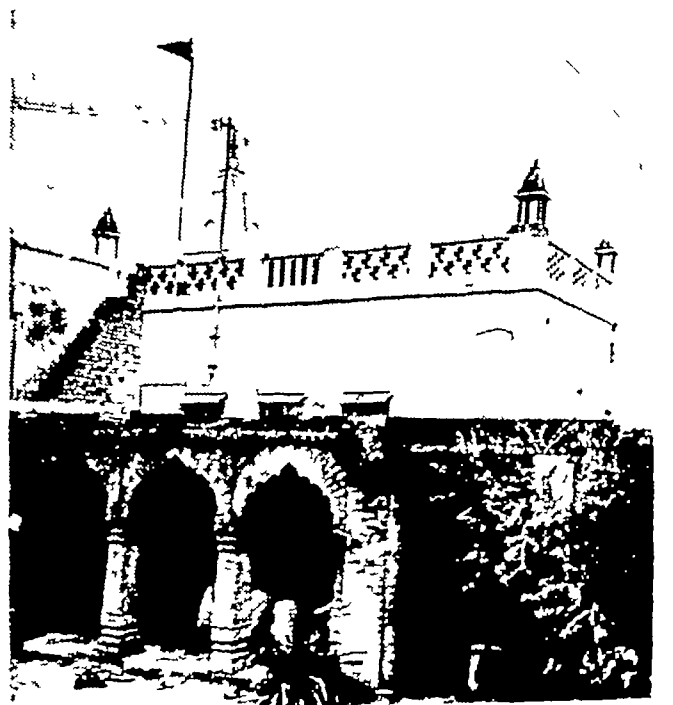
श्री दिगम्बर जैन मदिग, गाधी नगर

४६. दि० जैन मंदिर, पहाड़गंज–यह मन्दिर पहाडगज के मोहल्ला मटोले मे स्थित है।

४७ दि० जैन मंदिर, करोल बाग–यह मदिर करोल बाग मे छप्पर वाले कुए के पास स्थित है।

इस मदिर को प्रतिष्ठा सन १९३५ मे हुई थी। मदिर मे मूलनायक प्रतिमा भ० शातिनाथ जी की है।

मदिर जी के साथ ही जैन विद्या मदिर है जहाँ पर पाँचवी कक्षा तक सहशिक्षा की व्यवस्था है।

४८ दि० जैन मंदिर, ५ सी/२९, रोहतक रोड–यह मदिर लिबर्टी सिनेमा से लगभग ५० गज की दूरी पर शहर की ओर सामने गली ॅ स्थित है। मदिर का निर्माण सन १९१२ मे रोहतक रोड पचायत ने किया।

४९. भ० पार्श्वनाथ दि० जैन चैत्यालय, सब्जी मन्डी–यह चैत्यालय रोशनआरा रोड, सब्जी मन्डी में वर्फखाने के पास स्थित है। यह लगभग ७० या ८० वर्ष पूर्व निर्मित है। इसमे मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ की है। प्राचीन समय मे यहा भट्टारको की गद्दी भी थी।

५० दि० जैन मन्दिर, आर्यपुरा सब्जी मन्डी–मदिर मे मूलनायक प्रतिमा भ० अदिनाथ स्वामी की है। मन्दिर में वाचनालय भी है। ऊपर की मज़िल मे एक ओर मुनियो व त्यागियो के ठहरने की व्यवस्था है।

५१ श्वे० जैन मंदिर, २/८२, रूप नगर--इस मन्दिर की स्थापना सन १९६१ में हुई। मन्दिर जी का निर्माण पजाब से आए हुए जैनो की सस्था श्री आत्मानद जैन सभा द्वारा हुआ। मन्दिर जी का उद्घाटन समारोह वर्ष के प्रारम्भ में श्री आनन्द जी कल्याण जी की पैढी के अध्यक्ष द्वारा सम्पन्न हुआ।

मन्दिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भ० शातिनाथ स्वामी की है।

५२. दि० जैन चैत्यालय, प्रेम नगर–यह चैत्यालय रोशनआरा एक्सटेशन एरिया मे बिरला मिल्स के निकट प्रेम नगर में स्थित है।

५३. दि० जैन चैत्यालय, माडल टाउन--यह चैत्यालय किंग्सवे कैंप के चौराहे से लगभग ४ फर्लाङ्ग की दूरी पर बी ५/१२ माडल टाउन (माल रोड) मे स्थित है।

इस चैत्यालय की स्थापना सन १९५७ मे ला० शिवचरणदास जी द्वारा अपने मकान के ही एक भाग मे हुई। चैत्यालय मे आचार्य श्री १०८ देशभूषण जी महाराज की आज्ञा से, भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की ११ इच ऊंची अष्टधातु की प्रतिमा, बडा मदिर पहाडी धीरज से लाकर विराजमान की गई है।

यहा शिखर युक्त मदिर बनाने की योजना भी जैन सभा माडल टाउन के अन्तर्गत चल रही है।
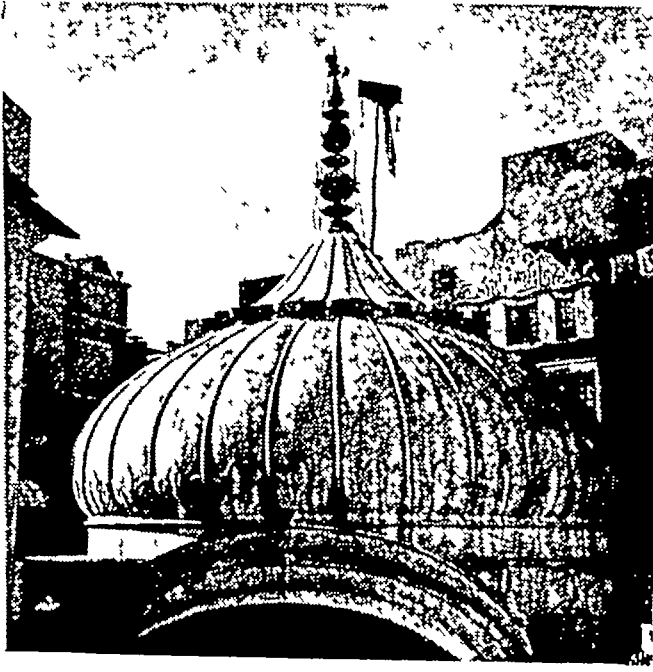
श्री दिगम्बर जैन पचायती मन्दिर, पहाडी धीरज
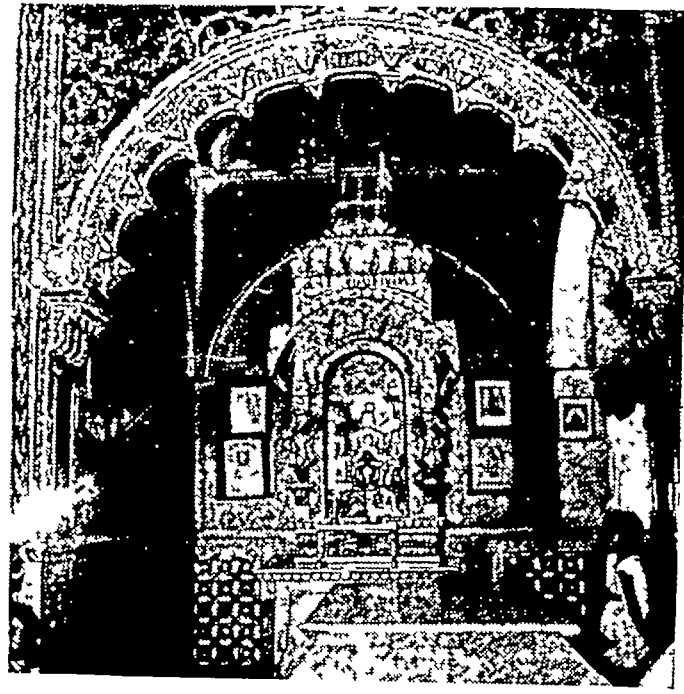
श्री दिगम्बर जैन महावीर मन्दिर, पहाडी धीरज
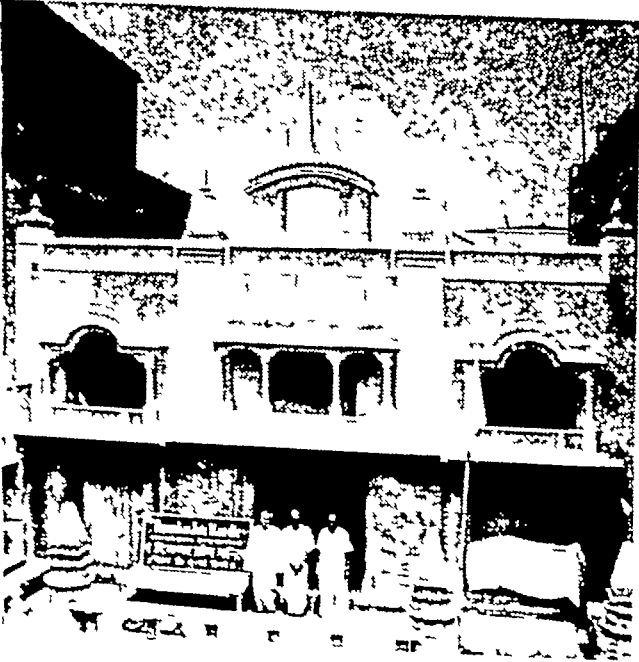
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, रोहतक रोड

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, करोल बाग
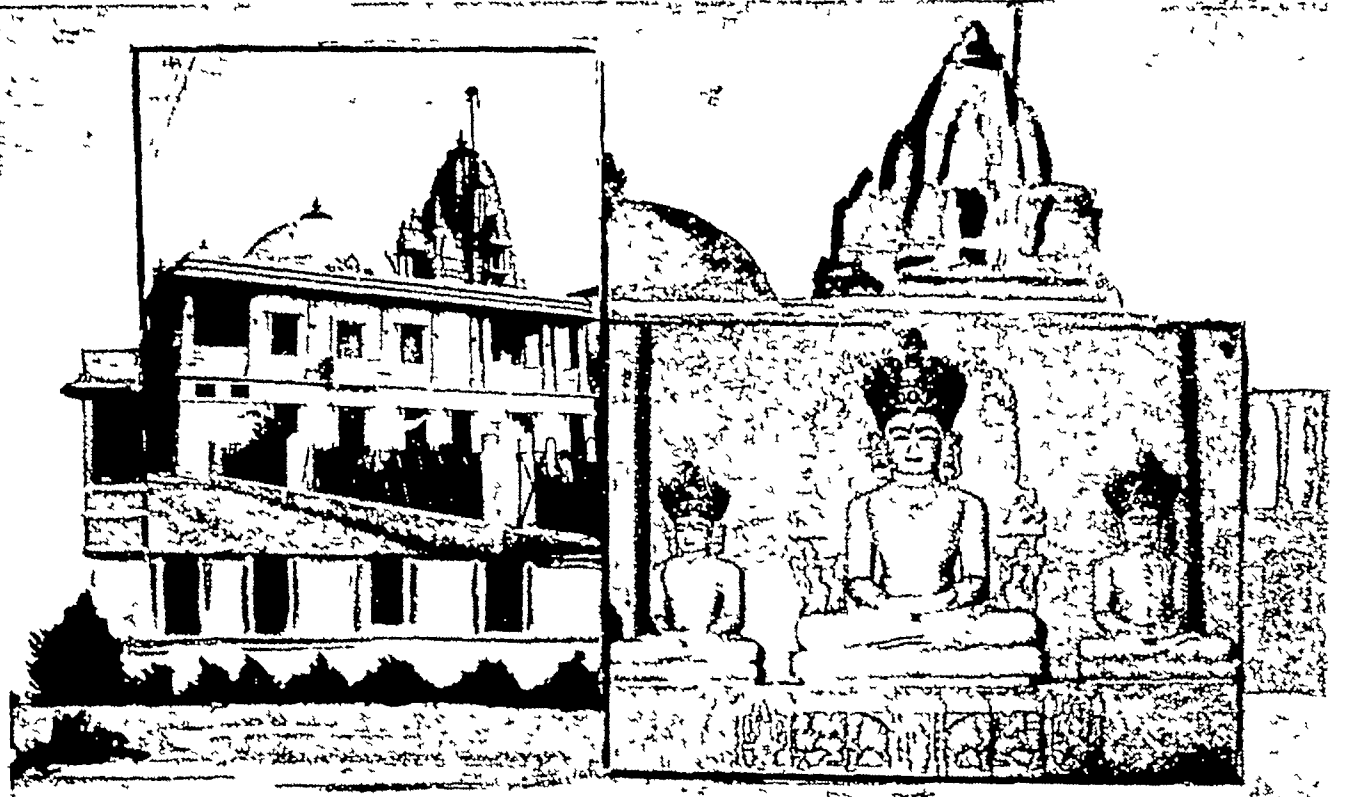
श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर, रूप नगर

श्री श्वेताम्बर जैन स्थानक
डिप्टी गज, पहाडी धीरज
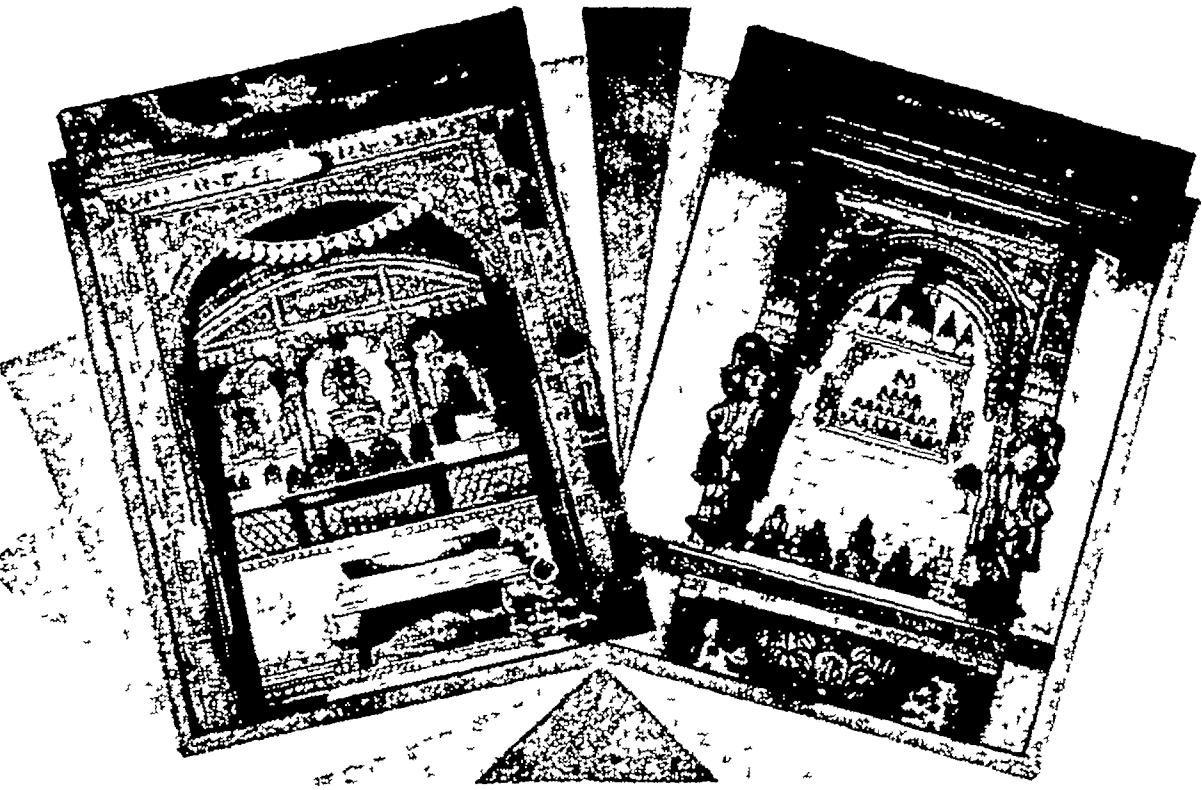
श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर नौघरा, किनारी बाजार, मुगल काल मे स्थापित (विशेष विवरण—पृष्ठ २७)

श्री महावीर जैन भवन
चांदनी चौंक
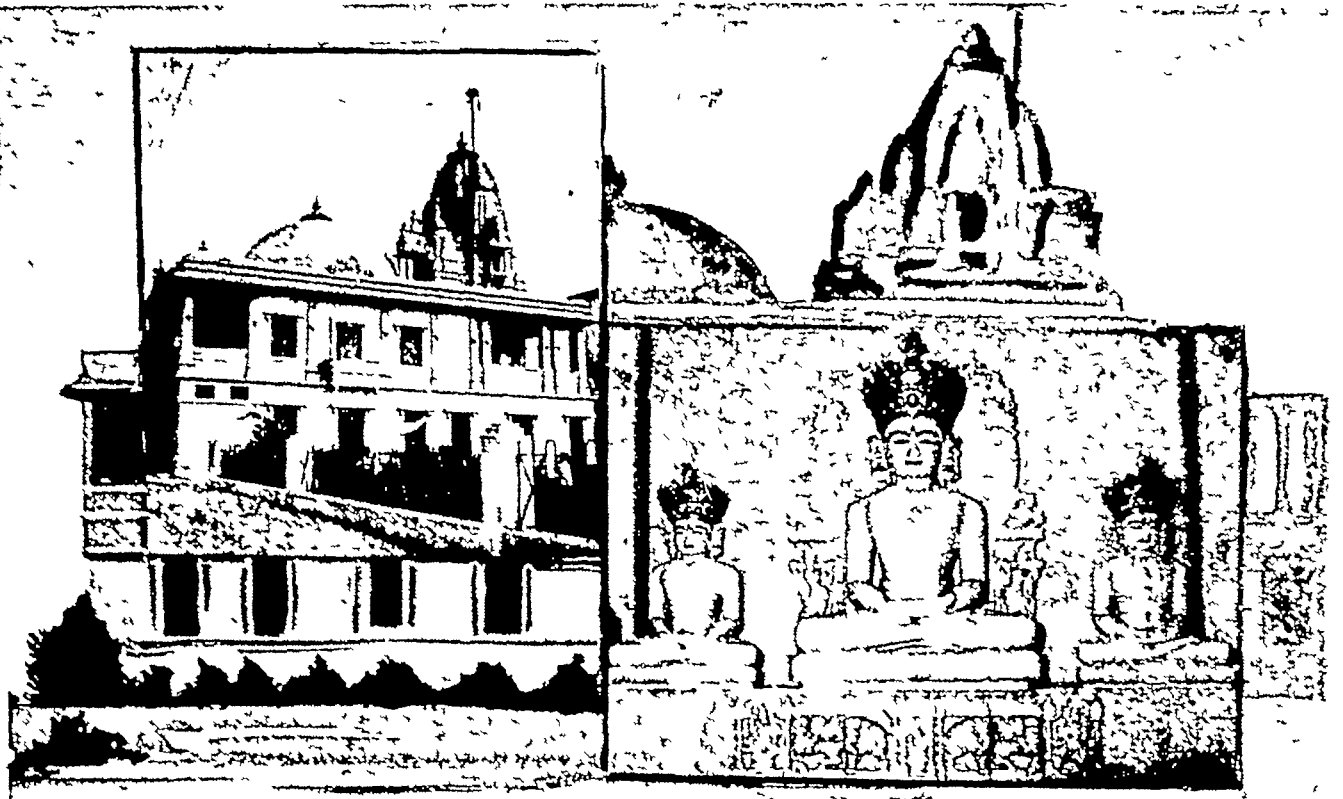
श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर, रूप नगर

श्री श्वेताम्बर जैन स्थानक
डिप्टी गज, पहाडी धीरज

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, दिल्ली गेट
मुगल काल मे स्थापित
(विशेष विवरण—पृष्ठ २६-२७)
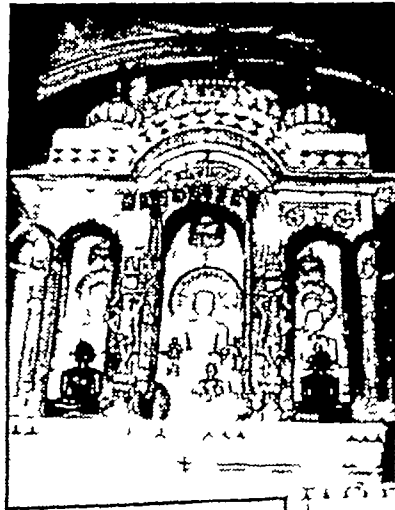
श्री दिगम्बर जैन छोटा मन्दिर
कूचा सेठ, दरीबा कला
स्थापित सन १८४०
(विशेप विवरण—पृष्ठ ३०)
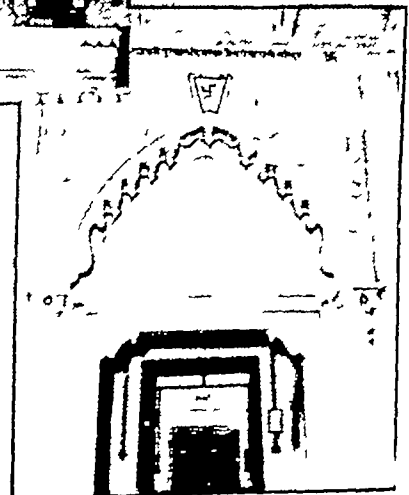
६३ दि० जैन मंदिर, नजफगढ़--यह दिल्ली शहर से लगभग १८ मील की दूरी पर जैन मोहल्ला, नजफगढ मे स्थित है। इसका निर्माण लगभग १५० वर्ष पूर्व हुआ था।

मदिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की विराजमान है। मदिर जी के चारो ओर लगभग ५० बीघे की एक बगीची है जिसमे प्राचीन समय से किन्ही मुनिराज के चरण स्थापित हैं।

६४. दि० जैन मंदिर, पालम—यह मदिर दिल्ली शहर से ९ मील की दूरी पर पालम मे स्थित है। इसका निर्माण लगभग १५० वर्ष पूर्व हुआ था।

६५ दि० जैन चैत्यालय, शाँति नगर—यह चैत्यालय दिल्ली शहर से ५ मील की दूरी पर जखीरे (शाति नगर) मे स्थित है।

मंदिरों व स्थानकों के व्यवस्थापक

१ बडी दादा वाडी—श्री धनपतसिह भसाली, ५३ रामनगर।

२ श्री दि० जैन पार्श्वनाथ मदिर, जयसिंह पुरा—लाला कश्मीर चन्द्र (मेसर्म शातिविजय एण्ड क०, जौहरी, ५२ जनपथ)।

३ (अ) श्री दि० जैन लाल मदिर, चादनी चौक—(१) लाला प्रकाश चन्द्र जौहरी, दरियागज। (२) श्री रघुवीर सिंह कोठीवाले, कूचा-सुखानन्द, दरीवा।

(ब) उदासीनाश्रम, विश्रामगृह—श्री राजेन्द्र प्रसाद, गली गुलियान।

४ श्री दि० जैन मन्दिर, दिल्ली गेट—लाला धन्नूमल जौहरी, दरीवा कला।

५ श्री दि० जैन मन्दिर, मोरी गेट—लाला श्री चन्द, वगला मोरी गेट।

६ श्री श्वे० जैन मन्दिर, नौघरा—लाला मिट्ठूमल राक्याण (मै० खैराती लाल एण्ड सन्स, जौहरी, ६०, जनपथ, नई दिल्ली) १४६, सुन्दर नगर।

७ श्री दि० जैन महावीर मन्दिर, वैदवाडा—लाला० देवेन्द्र कुमार, ३६ गोल्फलिंक्स (मे० मिद्धोमल एण्ड सन्स, चावडी बाजार)।

८ श्री दि० जैन पचायती मन्दिर, गली मस्जिद खजूर—(१) ला० महेन्द्र प्रसाद, चाहरहट, (२) ला० हरिश्चन्द्र, मस्जिद खजूर।

९ श्री दि० जैन, मेहर मन्दिर—(१) ला० श्रीपाल टाइप वाले, मसजिद खजूर। (२) ला० फूल चन्द कागजी, गली पहाडी वाली।

१०. श्री दि० जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा—(१) ला० जुगल किशोर कागजी, दुजना हाउस, चावडी बाजार। (२) श्री त्रिलोकचन्द, धर्मपुरा।

११ श्री दि० जैन अग्रवाल मन्दिर, जयसिह-पुरा—ला० शीलचन्द्र वैंकर, ३४ फीरोजशाह रोड।

१२ श्री जैन निशी मन्दिर—श्री चक्रेश कुमार, ३८ सी, बेअर्ड रोड।

१३ श्री श्वे० जैन मन्दिर, चेलपुरी, किनारी वाजार—ला० मिट्ठूमल राक्याण (मै० खैराती लाल एण्ड सन्स, ८०, जनपथ)।

१४ श्री दि० जैन मन्दिर, कूचा सेठ—(१) ला० पूरनमल जौहरी, गली सगतराशन, दरीवा। (२) चौ० विमल प्रसाद, कूचा सेठ।

१५ श्री दि० जैन मन्दिर, कूचा सेठ, (छोटा मन्दिर) —ला० आदीश्वर प्रसाद बिजली वाले, चाहरहट।

१६ श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल मन्दिर—प० बनवारीलाल स्याद्वादी, गली भूतवाली।

१७ श्री श्वे० जैन स्थानक, पत्तलवाली गली, मालीवाडा—श्री महावीर जैन भवन बारादरी ट्रस्ट, चादनी चौक।

१८ श्री श्वे० जैन स्थानक, १८०२, चीराखाना—श्री महावीर जैन भवन, बारादरी ट्रस्ट, चादनी चौक।

१९. श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ श्वे० मन्दिर, चीराखाना—ला० रामचन्द भसाली, चौक रायजी, गली पहाड वाली।

२० श्री महावीर भवन, चादनी चौक—श्री महावीर जैन भवन, बारादरी ट्रस्ट, चादनी चौक।

२१ दि० जैन पचायती मन्दिर, पहाडी धीरज–चौं० सुल्तान सिंह, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज।

२२ श्री महावीर दि० जैन मन्दिर, पहाडी धीरज– ला० जयनरायन, पहाडी धीरज।

२३. दि० जैन मन्दिर, पहाड गज—लाला श्रीचन्द्र, मटोला पहाडगज।

२४. दि० जैन मन्दिर, करोल बाग—श्री जुगमदर दास, गली नाई वाला, करोल बाग।

२५ दि० जैन मन्दिर, रोहतक रोड—श्री उग्रसेन, ५३ डी, देवनगर।

२६ श्वे० जैन मन्दिर, रूपनगर—ला० इन्द्र प्रकाश (प० ने बैंक, क० गेट) रूप नगर।

२७ दि० जैन मन्दिर, भोगल—ला० सुमेर चन्द्र, सम्मन बाजार, जगपुरा।

२७ दि० जैन मन्दिर, नजफगढ—लाला नेकीराम, नजफगढ।

धर्मशालाएं व शिक्षण संस्थाएं

विश्रामग्रह व धर्मशालाएं

१ विश्रामगृह, श्री दि० जैनलाल मन्दिर, चादनीचौक—यहा मुख्यतया मुनिराज व त्यागियो के ठहरने की व्यवस्था है। यदा-कदा बाहर से आये हुए यात्री भी यहा ठहर सकते। यहा का प्रवन्ध श्री राजेन्द्र कुमार, गली गुलियान करते हैं।

२ जैन धर्मशाला, कटडा मशरू, दरीबा—इस धर्मशाला का निर्माण ला० श्रीराम जैन वकील ने सन १६०६ मे करवाया था। वर्तमान मे इसका प्रवन्ध श्री जैन बाला आश्रम, दरियागज, की ओर से किया जाना है।

३ जैन धर्मशाला, कूचा बुलाकी वेगम एस्प्लेनेड रोड—यह धर्मशाला परेड के मैदान के सामने कूचा बुलाकी-वेगम मे स्थिति है। इस धर्मशाला का निर्माण ला० लच्छूमल काजी ने सन १६२६ मे करवाया था। आजकल इस का प्रबन्ध ला० लच्छूमल ट्रस्ट के द्वारा होता है। धर्मशाला के प्रवधक ट्रस्टी ला० अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट हैं।

४ जैन धर्मशाला, कूचा सेठ, दरीवा—यह स्थानीय अग्रवाल दि० जैन पचायत की धर्मशाला है। सन १६३१ से श्री १०८ आचार्य नमिसागर परमार्थ औषधालय इसमे स्थित है।

५ दिगम्बर जैन धर्मशाला, नया मन्दिर, धर्मपुरा—यह 'धर्मशाला द्रोपदी देवी' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इस का निर्माण सन १६३७ मे श्रीमती द्रोपदी देवी ट्रस्ट द्वारा हुआ था। यह धर्मशाला दि० जैन नया मन्दिर के विल्कुल निकट है। इसके वर्तमान प्रवधक ला० कुदन लाल जी मदावाले, छ घरा हैं।

६ दिगम्बर जैन धर्मशाला, पचायती मन्दिर, ममजिद खजूर—यह धर्मशाला पचायती मन्दिर जी के सन्निकट है। आजकल इसके प्रवन्धक ला० सुल्तान सिंह जौहरी, छत्ता तनसुख राय, नई सडक है।

७ जैन धर्मशाला, चीराखाना—इस मे धर्मशाला धर्म० मुन्नालाल सिंघी, मकान न० ३८३ आजकल सती व साध्वियाँ ठहरती है। यहा का प्रबन्ध श्री महावीर जैन भवन वारादरी ट्रस्ट द्वारा होता है।

८ श्री सुन्दर लाल पारसदास दि० जैन धर्मशाला, वैदवाडा—इस धर्मशाला का निर्माण सन् १६३४ मे ला० सुन्दर लाल जी ने कराया था। धर्मशाला के व्यवस्थापक ला० हरक चन्द जी (मै० रूपचन्द हरक चन्द, कपडे वाले,) कूचा शहशाही, चादनी चौक हैं।

६ जैन श्वेताम्वर खतरगच्छीय धर्मशाला, वैदवाडा—यह धर्मशाला ला० नवल किशोर खैरातीलाल राक्याराम जौहरी ने सन १६२५ मे बनवाई थी। यह लाल धर्मशाला के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसके व्यवस्थापक ला० मिठ्ठू-मल जी राक्याण (फर्म खैराती लाल एण्ड सस जौहरी, ८० जनपथ, हैं।

१० जैन धर्मशाला, गली भोजपुरा, माली वाडा—नई सडक की ओर से प्रवेश करने पर गली भोजपुरा मे सर्व श्री घसीटामल केशरीचद्र जी वोहरे की धर्मशाला है। यहा मुख्यतया साधु-साध्वियो के लिये ठहरने की व्यवस्था है, परन्तु यात्री भी ठहर सकते हैं। धर्मशाला की व्यवस्था वोहरा परिवार, गली हीरानद मालीवाडा, द्वारा होती है।

११ जैन धर्मशाला ला० गोकल चद नाहर, नौघरा किनारी बाजार—इस धर्मशाला का निर्माण धर्मपत्नी ला० गोकल चद नाहर ने लगभग १८-२० वर्ष पूर्व करवाया था। धर्मशाला की व्यवस्था एक ट्रस्ट द्वारा होती है जिसके मन्त्री ला० धर्मचन्द्र नौघरा हैं।

१२ आत्मवल्लभ जैन धर्मशाला, किनारी बाजार—इसका निर्माण सन १९३६ मे श्री टीकम चद जी ने करवाया था। यहा यात्रियो, साधु, व साध्वियो के ठहरने की व्यवस्था है। यहा का प्रबन्ध श्री विजय सिंह जी पहलावत नौघरा, किनारी बाजार, करते हैं।

१३ दि० जैन पचायती धर्मशाला, पहाडी धीरज—यह अग्रवाल दि० जैन पचायत, पहाडी धीरज, की पचायती धर्मशाला है, जो पहाडी धीरज की मुख्य सडक पर ही स्थित है। इसी धर्मशाला में जैन सगठन सभा, पहाडी-धीरज का कार्यालय तथा उसके द्वारा सचालित पुस्तकालय व वाचनालय है।इसके वर्तमान व्यवस्थापक ला० राजेन्द्र प्रसाद (फर्म प्यारेलाल जगन्नाथ) सदर बाजार है।

१४ ला० मूलचद मुसद्दीलाल जैन धर्मशाला, सदर-बाजार—

१५ जैन विश्राम गृह, १२ लेडी हार्डिंग रोड—यहा बाहर से आये निरामिष भोजी यात्रियो तथा टूरस्ट लिए सामान्य दरो पर ठहरने की तथा शाकाहारी भोजन की समुचित व्यवस्था है। यहा का प्रबन्ध श्री अ० भ० श्वेताम्बर स्थानकवासी कान्फ्रेस की ओर से होता है।

१६ जैन धर्मशाला, श्री दि० जैन अग्रवाल मन्दिर जैसिंह पुरा—यह धर्मशाला श्री अग्रवाल दि० जैन मन्दिर नई दिल्ली से सम्बन्धित है। यहा बाहर से आये हुए त्यागियो तथा यात्रियो के ठहरने की व्यवस्था है।

यहां का प्रबन्ध मन्दिर जी के व्यवस्थापक द्वारा ही होता है।

१७ अहिंसा मन्दिर, १ दरियागज—अहिंसा मन्दिर का निर्माण ला० राजकृष्ण ने कराया है। यहा दि० जैन चैत्यालय है तथा यात्रियो के ठहरने की व्यवस्था भी है।

१८ से २१ दि० जैन धर्मशालाए, नजफगढ—यहा पर चार जैन धर्मशालाए है। प्रथम दो धर्मशालाए श्री दि० जैन मदिर के दाए व बाए स्थित है। यहा मुनिराज और त्यागियो के ठहरने की व्यवस्था है। इन दोनो धर्मशालाओ की व्यवस्था श्री अतर सेन जी करते हैं। अन्य दो धर्मशालाए नफजगढ के मुख्य बाजार मे स्थित है। यहा यात्रियो आदि के ठहरने की व्यवस्था है। इन अन्य दोनो धर्मशालाओ की व्यवस्था लाला बनवारी लाल जी करते हैं।

पाठशालायें व विद्यालय

१ श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेण्ड्री स्कूल, १७८-डी, कमला नगर—स्कूल की स्थापना स्थानीय श्वे० स्थानकवासी जैन सभा द्वारा सन १९५७ मे हुई। स्कूल मे लगभग ४५० विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

स्कूल का प्रबन्ध श्री श्वे० स्थानकवासी जैन सभा, कमला नगर की ओर से निम्नलिखित व्यवस्थापिका समिति करती है—

प्रधान—श्री मुन्शी राम (बोम्बे क्लाथ हाउस) अजमल खा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

उपप्रधान, व कोषाध्यक्ष —श्री मुकुन्द लाल (मैं० कक्कशाह राघूशाह) चादनी चौक, दिल्ली।

मत्री—श्री तिलक चन्द्र, डिफेन्स मिनिस्ट्री।

मैनेजर—श्री अमर नाथ, डिफेन्स मिनिस्ट्री।

स० मैनेजर—श्री चमन लाल, ३७-एफ कमला नगर, दिल्ली।

स्कूल के प्रिंसीपल श्री पिंडीदास, ५-डी, कमला नगर, दिल्ली।

२ श्री महावीर जैन माटेसरी स्कूल, ३५-डी, कमला नगर—स्कूल की स्थापना स्थानीय श्वे० स्थानकवासी जैन सभा द्वारा सन १९५७ मे हुई। स्कूल मे कक्षा ५ तक शिक्षा दी जाती है। वर्तमान मे लगभग ६०० बालक, बालिकाऐं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल मे धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है।

स्कूल की व्यवस्था—श्री श्वे०स्था० जैन सभा, कमला नगर की ओर से श्री कर्तार चन्द्र, रूप नगर, दिल्ली करते हैं।

३ श्री जैन शिक्षा समिति, नई दिल्ली (दक्षिण), युसुफसराय—समिति की स्थापना स्थानीय गर्ल्स स्कूल, जिसकी स्थापना सन १९५४ मे हुई थी, के सचालन के लिए सन १९५७ मे हुई। वर्तमान मे भी उक्त स्कूल का सचालन इस समिति द्वारा हो रहा है।

प्रधान—श्री जगदीश राय, टी/११, ग्रीनपार्क, दिल्ली।

मत्री—श्री सुमत प्रसाद, ए-५५ (जी) लक्ष्मीवाई नगर, नई दिल्ली ।

उप-मत्री—श्री 'अजीत प्रसाद, गली मदिर वाली, युसुफसराय, नई दिल्ली ।

कोषाध्यक्ष—श्री त्रिलोक चन्द्र, सी-६०१, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली ।

४ जैन गर्ल्स प्राइमरी स्कूल, युसफसराय—स्कूल की स्थापना सन १९५४ मे हुई। स्कूल मे लगभग ४०० क्षात्राये शिक्षा प्राप्त कर रही है। क्षात्राओ को धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है।

स्कूल के व्यवस्थापक श्री विजय कुमार, सी-५४०, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली तथा मुख्य-ध्यापिका सुश्री प्रसन्न कुमारी, बी-१९७, नेताजी नगर हैं।

५ शान्तिसागर दि० जैन कन्या पाठशाला वैदवाडा—इस पाठशाला का सचालन स्थानीय खडेलवाल दि० जैन पचायत की ओर से होता है। पाठशाला मे कक्षा ५ तक की शिक्षा की व्यवस्था है। क्षात्राओ को धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है।

पाठशाला की व्यवस्था उक्त पचायत की ओर से लाला शिखर चन्द्र, वैदवाडा करते हैं।

६ महावीर जैन हायर सेकेण्ड्री स्कूल, नई सडक—स्कूल की स्थापना सन १९३० मे लाला गोकल चन्द्र जी नाहर के सद्प्रयत्नो से हुई।

स्कूल मे १०० क्षात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे है। स्कूल का अपना वैंड भी है।

इसकी प्रवन्धक समिति निम्नलिखित है—

प्रधान (कार्यवाहक)—श्री राम नारायण (रिटा० सेशन्स जज) दरियागज, दिल्ली।

उप-प्रधान—लाला कुन्ज लाल ओसवाल, सदर वाजार, दिल्ली।

मत्री—लाला रामनारायण (मैं० सनेही राम रामनारायण) नया वाजार, दिल्ली।

कोषाध्यक्ष—सेठ आनन्द राज सुराना, चादनी चौक, दिल्ली।

७ श्रीजैन गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल, (फोन ७४६४४) जगपुरा (भोगल)—स्कूल की स्थापना सन १९३५ मे प्राथमिक स्तर पर हुई कालान्तर मे सन् १९४८ मे मिडिल तथा सन् १९६० मे हायर सेकन्ड्री किया गया। स्कूल मे लगभग ४०० क्षात्राऐं शिक्षा प्राप्त कर रही है।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका कु० सुशीला जैन है।

प्रधान—ला० अजित प्रसाद, १० एम एम रोड, नई दिल्ली।

मत्री—श्री सुमेर चन्द, समन बाजार, जगपुरा, नई दिल्ली।

मैनेजर—ला० जिनेश्वर दास, भोगलरोड, जगपुरा' नई दिल्ली।

कोषाध्यक्ष—लाला राजेन्द्र कुमार, गुरुद्वारा के पास, जगपुरा, नई दिल्ली।

८ जैन हायर सेकेंड्री स्कूल (फोन-२६१८३), दरियागज—भारतवर्षीय अनाथरक्षक सोसायटी, दिल्ली द्वारा सचालित होता है। यह स्कूल जो कि सन १९१२ मे मुख्य तौर पर जैन अनाथाश्रम के बालको को लौकिक शिक्षा देने के विचार से प्राथमिक विद्यालय के रूप मे प्रारम्भ हुआ और सन १९१६ मे मिडिल तक किया गया, आज सन १९४८ मे स्थानीय हायर सेकेंड्री स्कूलो मे अग्रणीय स्थान रखता है। स्कूल के आर्टस, कामर्स व साइस सभी विभागो मे लगभग १,२०० क्षात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल का वार्षिक परीक्षाफल सदैव ६० प्रतिशत से अधिक ही रहा है। स्कूल के व्यवस्थापक ला० जैनीलाल जी (डी० ए० जी० आफिस वाले) हैं। स्कूल का अपना वैंड भी है। प्रधानाध्यापक श्री जुगमदर दास जैन एम० ए० एल० टी हैं।

९ जैन विद्या मदिर, छप्पर वाला कुआ, करोलवाग—इसका उद्घाटन सन १९५४ मे लाला भागमल जी ठेकेदार द्वारा किया गया। जैन विद्या मदिर श्री दि० जैन मदिर करोल वाग मे ही स्थित है। इसकी ओर से एक सह-शिक्षा प्राइमरी स्कूल चल रहा है।

१० श्री जैन शिल्प कन्या विद्यालय, विल्डिग मोहन लाल वजाज, ३८४३, डिप्टीगज—श्रीमती रिछपाल सिंह राणा द्वारा सचालित इस विद्यालय मे जैन अजैन निर्धन स्त्रियो को निशुल्क शिल्प-कार्य सिखाया जाता है।

कोषाध्यक्ष—लाला नन्हे मल, २५ डिप्टीगज।

२६ श्री हीरा लाल जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, बारा टूटी, सदर बाजार (फोन-२६४७१)—यह स्कूल दिल्ली का सर्व प्रथम जैन विद्यालय है। यहा आर्टस, साइन्स व कामर्स तीनो विभागो की शिक्षा का प्रबन्ध है।

स्कूल मे इस समय लगभग १,००० क्षात्र अध्ययन कर रहे हैं। स्कूल का अपना बैंड भी है। स्कूल मे धर्म-शिक्षा की भी व्यवस्था है।

स्कूल के व्यवस्थापक लाला सुल्तान सिंह, (रिटा० एकाउटस आफीसर) ३७ मोडल बस्ती व प्रिंसीपल श्री मोहन लाल, पहाडी धीरज हैं।

२७. श्री हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल, गली मदिर वाली, पहाडी धीरज—इस स्कूल मे लगभग ६०० बालक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

२८ श्रीमती लक्ष्मी देवी गर्ल्स हायर सेकेण्ड्री स्कूल, गली मदिर वाली, पहाडी धीरज (फोन-२७६६६)—स्कूल मे क्षात्राओ की सख्या लगभग १०० है।

स्कूल के व्यवस्थापक लाला प्रकाश चन्द, (राजा टायज) २५, पूसा रोड, व प्रिंसीपल कुमारी कनकमाला, पहाडी धीरज है।

२९. श्री जैन श्रमणोपासक हायर सेकण्ड्री स्कूल, रुई की मडी, बारा टूटी, सदर बाजार (फोन-२७९३९)—स्कूल की स्थापना सन १९१६ मे प्राइमरी स्टैंडर्ड तक हुई। कालान्तर मे सन १९३७ मे मिडिल, सन १९५० मे हाई स्कूल व सन १९५९ मे हायर सेकेण्ड्री तक किया किया। स्कूल मे कुल क्षात्र सख्या लगभग ७४५ है।

प्रधान—श्री भीकूराम, गली मदिर वाली, पहाडी धीरज।

उप-प्रधान—लाला गिरधारी लाल, गली राजा पाती मल।

मैनेजर—लाला निहाल चन्द्र, ९-डिप्टीगज।

मत्री—श्री दया चन्द्र, गली नई वस्ती, पहाडी धीरज।

कोषाध्यक्ष—श्री अमर नाथ, गली मामन जमादार, पहाडी धीरज।

पुस्तकालय व औषधालय

पुस्तकालय व वाचनालय

१ श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय (फोन-२५१२११, चादनी चौक)—इस पुस्तकालय की स्थापना सन १९२४ मे व्याख्यान-वाचस्पति श्री मदनलाल जी महाराज की प्रेरणा व लाला गोकुल चन्द नाहर के सद्प्रयत्नो द्वारा हुई। यह पुस्तकालय स्थानीय पुस्कालयो मे प्रमुख स्थान रखता है। इसमे लगभग ४०० अनुपलब्ध हस्तलिखित ग्रथ हैं। इनके अतिरिक्त ९,१०० हिन्दी, सस्कृत व प्राकृत भाषा की, ६,५०० अग्रेजी की, १५०० उर्दू भाषा की तथा ४०० अन्य भाषाओ की पुस्तकें हैं।

पुस्तकालय मे लेजिस्लेटिव असेम्वली डिवेट्स, कास्टीट्यूशन एसेम्वली डिवेट्स, पार्लियामेट डिवेट्स, गजट आफ इण्डिया तथा हिन्दी, अग्रेजी प्राकृत व अन्य भाषाओ के कोष भी उपलब्ध है।

प्रधान—श्री निहाल चन्द्र २८१६ चेलपुरी, किनारी वाजार।

उपप्रधान—श्री मोहन लाल कठौतिया, चन्द्रावल रोड, सब्जीमडी।

मत्री—श्री दुर्गाप्रसाद लोढा, चीराखाना।

सहायक मत्री—श्री ताराचन्द, कटरा शहशाही, चादनी चौक।

कोषाध्यक्ष—श्री कस्तूर चन्द्र, जवाहर नगर।

२. जैन सार्वजनिक पुस्तकालय (पहाडी धीरज)—इस पुस्तकालय की स्थापना जैन सगठन सभा, पहाडी धीरज द्वारा सन १९२४ मे हुई। यह पुस्तकालय श्री अग्रवाल दि० जैन पचायती धर्मशाला, पहाडी धीरज मे स्थित है। इसमे लगभग ६०० पुस्तकें हैं। यह पुस्तकालय दिल्ली नगर निगम से सहायता प्राप्त (Grant-in-aid) है। पुस्तकालय के अध्यक्ष लाला नन्हेमल, डिप्टीगज हैं। वर्तमान मे पुस्तकालय का कार्य लाला नेमचन्द (महावीर हेट मेनु० क०, सदर वाजार) देखते हैं।

३ श्री वर्धमान पब्लिक लायब्रेरी (दि० जैन नया मदिर के सामने, धर्मपुरा)—पुस्तकालय की स्थापना सन १९२८ मे जैन मित्र मडल द्वारा हुई। इसमे लगभग ९,००० पुस्तकें हैं। वाचनालय मे ४५ दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र व पत्रिकाए आती हैं।

सभापति—लाला अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

उप-सभापति—लाला जुगल किशोर कागजी, दुजाना हाउस, चावडी वाजार।

मत्री—(१) लाला महेन्द्र प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
(२) श्री विशनचन्द ड्राफट्समैन, धर्मपुरा।

कोषाध्यक्ष—श्री त्रिलोकचन्द, १२१६ चाहरहट।

४ श्री जैन पब्लिक लायब्रेरी (उपाश्रय भवन, डिप्टीगज)—पुस्तकालय की स्थापना सन १९३४ मे हुई। इसमे लगभग ३,००० पुस्तकें हैं। वाचनालय मे लगभग ४० दैनिक, साप्ताहिक व मासिक पत्र-पत्रिकाए आती हैं।

प्रधान—श्री कुजलाल ओसवाल, सदर वाजार।

महामत्री—श्री रूपचन्द (वीविंग डिपार्टमेट, दिल्ली क्लाथ मिल्स)।

मत्री—श्री जोगीराम, गली जाटान, पहाडी धीरज।

कोषाध्यक्ष—श्री मित्रसेन, क्लाथ मर्चेट, पहाडी धीरज।

५ जैन साहित्य सदन (चादनी चौक)—सदन की स्थापना श्री प्रेमचन्द्र जी (जैना वाच क०) आदि के सद्प्रयत्नो से सन १९५९ मे हुई। सदन के पुस्तकालय मे लगभग ३,००० मुद्रित ग्रथो और १२५ हस्तलिखित पाण्डुलिपियो का सग्रह है।

धार्मिक व पारमार्थिक संस्थाएं

१ श्री भारतवर्षीय अनाथरक्षक जैन सोसायटा (फोन-२६१८३, दरियागज)—सोसायटी की स्थापना सन १६०३ मे जयपुर मे हुई और इसके द्वारा जैन अनाथाश्रम की नीव सन १६०४ मे हिसार (पजाब) मे डाली गई। सन १६११ मे इस सोसायटी व आश्रम को दिल्ली लाया गया।

सोसायटी द्वारा किये जाने वाले कार्यो मे अनाथाश्रम, जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, समतभद्र सस्कृत विद्यालय, सगीत शाला, शिल्प-शिक्षा, जिन-चैत्यालय व सरस्वती भवन, धर्मशाला, त्यागी भवन तथा अतिथि-भवन की व्यवस्था और विधवाओ तथा असमर्थो को मासिक आर्थिक सहायता दिया जाना, आदि उल्लेखनीय हैं।

सोसायटी के पास लगभग १० लाख रुपये की अचल सम्पत्ति है। सोसायटी के अन्तर्गत कार्यो मे वार्षिक व्यय लगभग २,३५००० रुपय का है जिसकी पूर्ति राज्य की ओर से प्राप्त वार्षिक अनुदान तथा समाज-सहायता द्वारा होती है।

प्रधान—लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।

उप-प्रधान—(१) श्री एस. पी लाल, किचनर रोड।

ज० सेक्रेटरी (१) अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
(२) श्री सुखवीर प्रसाद, एडवोकेट, दरियागज।
(३) लाला रतनलाल, विजली वाले।
(४) लाला कश्मीरी लाल, दरियागज।
(५) लाला प्रताप सिंह, मोटर वाले, ७-ए, राजपुर रोड।

जनरल मैनेजर—लाला मुन्शी लाल कागजी, मुन्शी निकेतन, आसफअली रोड।

कार्यालय मत्री—लाला विमल प्रसाद, धर्मपुरा।

प्रचार मत्री—लाला महेन्द्रसेन, दरियागज।

कोषाध्यक्ष—श्री पदम किशोर, वकील।

२ जैन बालाश्रम (दरियागज, अनाथाश्रम फोन-२६१८३)—आश्रम की स्थापना भारतवर्षीय अनाथरक्षक जैन सोसायटी, द्वारा सन १६०४ मे हिसार (पजाब) मे हुई। सन १६११ मे आश्रम दिल्ली लाया गया। आश्रम दरियागज मे अपने निजी भवन मे स्थित है।

आश्रम मे लगभग ७५ बालक सरक्षण प्राप्त कर रहे हैं। आश्रम की ओर से बच्चो के भरण-पोषण तथा आवास के अतिरिक्त समुचित शिक्षा आदि की भी व्यवस्था होती है, जिससे कि वे भविष्य मे सुयोग्य नागरिक वन सकें।

आश्रम के व्यवस्थापक लाला फकीर चन्द जी कपडे वाले (कटरा मारवाडी, नई सडक) हैं।

३ श्री गंगादेवी जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (२०७६, गली दरोगा कन्हैयालाल, माली वाडा)—ट्रस्ट द्वारा असहाय विधवाओ तथा वालको आदि को आर्थिक सहायता दी जाती है।

ट्रस्ट के मत्री लाला कपूर चन्द बोथरा, गली दरोगा कन्हैया लाल, माली वाडा, दिल्ली हैं।

४. श्री दि० जैन मुलतान गुप्त सहायक फड (२१ वस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना)—फड द्वारा गुप्त रूप से निर्धन व अनाथ विधवाओ व दुखियो को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

सर्व श्री पारस दास, अमर नाथ, गुमानी राम, प्रेम चन्द और तोला राम फड के व्यवस्थापक हैं।

५ असमर्थ बहन भाई सहायक फट—फड की स्थापना श्री दि० जैन सत्सग सोसायटी द्वारा सन १६४८ मे हुई। फड की आय दान द्वारा है।

१६. श्री वर्धमान एजूकेशनल सोसायटी (५८ जनपथ)-सोसायटी की स्थापना सन १६६० मे ला० राजेन्द्र कुमार वैकर द्वारा हुई। सोसायटी के द्वारा श्री वर्धमान कालेज, बिजनौर, श्री वर्धमान कन्या पाठशाला तथा पशु चिकित्सालय व औषधालय, बहालपुर (जिला बिजनौर) का सचालन हो रहा है।

सोसायटी के ट्रस्टी सर्वश्री राजेन्द्र कुमार, जगत प्रकाश तथा रवि प्रकाश, ११ कीलिंग रोड हैं। इसके मत्री श्री के० एल० मित्तल हैं।

२० बीबी तोखन ट्रस्ट—(ट्रस्ट की स्थापना श्रीमती बीबी तोखन धर्मपत्नी ला० नाथूमल गोटेवाले द्वारा सन १६४० मे हुई थी। ट्रस्ट की अचल सम्पत्ति की आय से श्रीमती बीबी तोखन द्वारा स्थापित दि० जैन चैत्यालय, गली अनार की व्यवस्था होती है।

इसके प्रबन्धक ट्रस्टी ला० महताब सिंह जौहरी, दरीबा कला है। इनके अतिरिक्त ला० शाम लाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड व ला० जगाधर मल, अन्य दो ट्रस्टी हैं।

२१ गिरधारी लाल प्यारे लाल एजूकेशनल फंड (३४ फीरोज़शाह रोड)--फड की स्थापना स्व० राय बहादुर ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट द्वारा सन १६३३ मे हुई। फड से जैन विद्यार्थियो को अध्ययन के लिये स्कालरशिप दिया जाता है। स्कालरशिप के लिये क्षात्र द्वारा स्वलिखित आवेदन-पत्र विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा स्थानीय जैन समाज के एक दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो की सही करवाकर व्यवस्थापक के पास आना चाहिये।

फड की व्यवस्था सस्थापक के पौत्र ला० शील चन्द्र जी वैकर, ३४ फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली करते हैं।

२२ श्री राजकृष्ण जैन चेरीटेबल ट्रस्ट (२३, दरियागज—ट्रस्ट की स्थापना ला० राजकृष्ण जी द्वारा सन १६४५ मे हुई। ट्रस्ट के अन्तर्गत क्षात्रो को स्कालरशिप, अहिंसा मन्दिर पुस्तकालय, चैत्यालय, त्यागी आश्रम व धर्मशाला तथा जैन साहित्य प्रकाशन की व्यवस्था होती है।

ट्रस्ट की ध्रौव्य सम्पत्ति १ लाख रुपये की है।

ट्रस्ट के मत्री ला० प्रेम चन्द्र २३, दरियागज है।

२३. ला० प्यारे लाल एडवोकेट चैरिटी फड (३४ फिरोज़शाह रोड)—फड की स्थापना स्व० रायसाहब ला० आदीश्वर लाल जी ने अपने पिता रायबहादुर ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट की स्मृति मे सन १६४२ मे की। फड से असहाय व्यक्तियो को आर्थिक सहायता दी जाती है।

फड के व्यवस्थापक ला० शील चन्द्र जी, ३४ फीरोज शाह रोड है।

२४ रायसाहब आदीश्वर लाल मेडीकल रिलीफ फड (३४, फीरोज़शाह रोड)—फड की स्थापना चालू वर्ष के प्रारम्भ मे ला० शील चन्द्र जी द्वारा हुई। फड से असहाय व निर्धन रोगियो की समुचित चिकित्सा के लिये आर्थिक सहायता दी जाती है।

फड की व्यवस्था सस्थापक द्वारा स्वय होती है।

२५ ला० मुंशीलाल जैन ट्रस्ट (मुशी निकेतन, आसफ अली रोड)–ट्रस्ट की स्थापना ला० मुशीलाल जी कागजी द्वारा सन १६५७ मे हुई। ट्रस्ट के अन्तर्गत धर्मार्थ औषधालय, आसफ अली रोड का सचालन हो रहा है।

२६ श्री महावीर जैन भवन बारादरी ट्रस्ट (महावीर भवन, चादनी चौक, फोन २५१२१)–ट्रस्ट के अन्तर्गत महावीर भवन तथा अन्य सम्बन्धित जायदाद व सस्थाए जिनमे श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय, श्री पार्श्वनाथ जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व श्री एस एस जैन कन्या पाठशाला मुख्य है, की व्यवस्था होती है। ट्रस्ट ने विगत वर्षो मे गली हरदयाल मे एक नवीन भवन का निर्माण किया है जिसमे जैन साध्विया विराजती है और धर्म कार्य होते हैं। ट्रस्ट की व्यवस्थापक समिति १५ व्यक्तियो की होती है जिनके वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित है

प्रधान—श्री कुन्दनलाल पारख, मालीवाडा।

उप-प्रधान—श्री दीपचन्द चोरडिया, किनारी बाजार।

प्रधानमत्री—श्री मुन्नालाल भसाली, गली हरदयाल।

मत्री—श्री मिश्रीलाल कोचर, कटरा खुशालराय।

कोषाध्यक्ष—श्री नौरतन चन्द चोरडिया, गली अनार, किनारी बाजार।

सामाजिक व साहित्यिक संस्थाएं

अखिल भारतीय संस्थाएं

१. भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (प्रधान कार्यालय —रग महल, अजमेर, दिल्ली कार्यालय—कटरा मारवाडी, नई सडक)—महासभा भारतवर्ष के दिगम्बर जैनो की सबसे प्राचीन सस्था है, इसकी स्थापना सन १८९२ मे चौरासी (मथुरा) के वार्षिक मेले पर प० छेदालाल अलीगढ, प० चुन्नीलाल मुरादाबाद आदि महानुभावो के सदप्रयत्नो से हुई। समस्त दिगम्बर जैन समाज को एक सस्था के अन्तर्गत सगठित करने का प्रथम प्रयास महासभा ने ही किया।

महासभा ने अपने अब तक के कार्यकाल मे निम्न-लिखित विभिन्न दिशाओ मे समाज की सेवा की है :

(अ) सस्कृत महाविद्यालय—इसकी स्थापना सन१८९६ मे मथुरा मे हुई। विद्यालय ने जैन विद्यार्थियो को सस्कृत पढने की सुविधा प्रदान की और इस प्रकार तत्कालीन एक बडी समस्या को हल किया। यह विद्यालय सन १९०५ मे सहारनपुर व बाद मे बनारस के स्याद्वाद महाविद्यालय मे मिला दिया गया। विद्यालय ने अपने समय मे समाज को कई विद्वान दिये।

(ब) जैन गजट—सन १८९६ मे विद्यालय की स्थापना के साथ साथ महासभा के मुख-पत्र के रूप मे 'जैन गज़ट' मासिक का प्रकाशन आरम्भ हुआ। विगत वर्षो मे काफी समय तक यह पत्र अग्रेजी मे भी प्रकाशित होता रहा, परन्तु अब कुछ समय से यह बन्द है। हिन्दी अक आजकल दिल्ली से प्रकाशित हो रहा है।

(स) शिक्षा विभाग परीक्षालय—महासभा के इस विभाग को प्रारम्भ करने का श्रेय स्व० प० गोपालदास जी को है। विभाग ने कई स्थानो पर पाठशालाओ की स्थापना करवाई तथा छात्र व छात्राओ को पारितोषिक भी दिये। वर्तमान मे लगभग ८ हज़ार परीक्षार्थी प्रतिवर्ष इससे लाभ उठा रहे हैं।

(द) तीर्थ-क्षेत्र प्रबन्ध विभाग—सन १९०२ मे महा-सभा के कुन्डलपुर अधिवेशन मे इस विभाग की स्थापना हुई। इस विभाग के प्रयत्नो से देश के विभिन्न दिगम्बर जैन तीर्थों के स्वत्व की सुरक्षा व उनका नियमित प्रबन्ध, गोमट्टेश्वर महामस्ताभिषेक की स्थायी व्यवस्था आदि कार्य हुए हैं।

सन १९३० के बाद से यह विभाग तीर्थ क्षेत्र कमेटी के रूप मे महासभा से प्रथक् होकर कार्य कर रहा है।

(घ) जैन कानून विभाग—इसने जैन शास्त्रो के आधार पर जैन कानून की पुस्तकें प्रकाशित की हैं। यह प्रयत्न स्व० बैरिस्टर चम्पतराय जी व बैरिस्टर जुगमन्दर लाल जी द्वारा हुआ। वर्तमान मे यह विभाग स्वत्वरक्षक विभाग के रूप मे कार्य कर रहा है।

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त महासभा द्वारा देश मे विभिन्न स्थानो पर उपदेशको द्वारा धर्म-प्रचार, समाज मे फैली हुई बालविवाह इत्यादि कुरितियो का विरोध, जैन धर्म व समाज सम्बन्धी भ्रातिपूर्ण साहित्य का प्रति-कार, राजस्थान विधान सभा मे नग्न-प्रदर्शन विरोधी बिल का उन्मूलन आदि अन्य महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। सन १९५२ मे फलटन मे स्व० आचार्य शान्तिसागर जी महाराज की हीरक-जयन्ती समारोह का आयोजन भी महासभा ने किया। महासभा के वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित हैं•

सभापति—सर सेठ भागचन्द जी सोनी, अनूप चौक, अजमेर।

अधिष्ठाता—आचार्य जुगल किशोर 'मुख्तार'।

मन्त्री—प० दरबारी लाल कोठिया 'न्यायाचार्य'।

कोषाध्यक्ष,—श्री जुगल किशोर कागज़ी (घूमीमल जुगल किशोर, चावडी वाजार।

सन १६५४ मे वीर सेवा मन्दिर के कार्य की देखभाल के लिए वीर सेवा मन्दिर सोसायटी की स्थापना हुई। सोसायटी के अधिष्ठाता मुख्तार साहब स्वय हैं, तथा बा० छोटेलाल, २६ इन्द्रविश्वास रोड, कलकत्ता, अध्यक्ष। रायसाहब उल्फतराय ७/३३ दरियागज, उपाध्यक्ष। श्री जयभगवान एडवोकेट, पानीपत, मन्त्री। श्री प्रेमचन्द, १८ दरियागज, स० मन्त्री और श्री नन्हेमल, ७ दरियागज, कोषाध्यक्ष हैं।

वीर सेवा मन्दिर का अपना विशाल भवन २१ दरियागज मे है। इसमे बाहर से आनेवाले विद्वानो के ठहरने की तथा जैन साहित्य व इतिहास के शोध की सुविधा उपलब्ध है।

स्थानीय संस्थाएं

६. जैन सभा नई दिल्ली (जैन निशी मन्दिर, लेडी हार्डिंग रोड)—सभा नई दिल्ली क्षेत्र के सभी सम्प्रदाय वाले जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है।

सभा की स्थापना सन १६३६ मे स्व० रायसाहब ला० आदीश्वर लाल, श्री के० वी० जिनराज हेगडे (मैंगलोर), सदस्य, भूतपूर्व सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसेम्वली आदि महानुभावो के सद्प्रयत्नो से हुई। स्व० शातिदास अस्करन, शेरिफ-वम्बई व सदस्य, भूतपूर्व काउसिल आफ स्टेट इसके प्रथम सरक्षक थे

सभा सभी सम्प्रदाय के जैनो को एक प्लेटफार्म पर लाकर उनमे पारस्परिक स्नेह वढाने और सगठन के सूत्र मे वाधने में प्रयत्नशील है। इस उद्देश्य से समाज को स्थानीय-स्तर पर सर्व प्रथम सगठित करने का मान इस सस्था को ही प्राप्त है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति मे सभा को स्थानीय समाज के सहयोग के साथ-साथ दिल्ली से वाहर के अनेक ख्याति प्राप्त महानुभावो का भी सरक्षण व वरद हस्त प्राप्त रहा है।

सभा ने अपने शैशवकाल मे ही वायसराय की कोठी (वर्तमान मे राष्ट्रपति भवन) व सचिवालय-भवनो (सेक्रेटेरियट बिल्डिंग्स) के ऊपर होने वाले पक्षियो के शिकार को बन्द करवाने मे सफलता प्राप्त की। उन दिनो ऐसी प्रथा थी कि प्रतिवर्ष मार्च के महीने मे एक दिन निश्चित हुआ करता था। जबकि शाम को इन भवनो के विभिन्न स्थानो पर विश्राम करने वाले सहस्रो कबूतरो को अपने स्थानो से उडाकर वायसराय व उसके अन्य कर्मचारी उन का शिकार करते थे। सभा ने सन १६३६ मे तत्कालीन वायसराय लार्ड लिनलिथगो को विरोध-पत्र (रिप्रजेंटेशन) भेजा, जिसके फलस्वरूप यह पक्षी-वध सदैव के लिये बन्द कर दिया गया।

सभा ने सन १६४१ मे जैन निशी मन्दिर, जो कि सरकार द्वारा सन १६१४ मे नई दिल्ली राजधानी बनाने के सिलसिले मे ले लिया गया था, को पुन प्राप्त कर उस का जीर्णोद्धार कराया।

राजकीय कार्यालयो मे काम करने वाले जैनो के लिये वर्ष मे तीन मास (नवम्वर, दिसम्वर व जनवरी) निश्चित समय से आधा घन्टा पूर्व जाने की अनुमति दिलवाने का श्रेय भी सभा को ही है। सभा के सतत् प्रयत्नो के फलस्वरूप सन १६५१ मे यह आज्ञा (मिनिस्ट्री आफ होम एफेअर्स आ० मेमोरेंडम न० ३२/५३/५१—प न दिनाक २६-११-५१) स्थायीरूप से प्रत्येक राजकीय कार्यालय मे लागू हो रही है।

सभा ने समाज मे पारस्परिक प्रेम व सौहार्द की भावना को जाग्रत करने के ध्येय से समय समय पर जैन डायरेक्ट्रीज़ का प्रकाशन किया है। इस डायरेक्ट्री का सकलन व प्रकाशन भी सभा की ओर से ही हुआ है।

सन १६५२ मे सभा ने एक नर्सरी प्रायमरी स्कूल की स्थापना की। स्कूल 'जैन हैपी स्कूल' के नाम से निशी मन्दिर मे स्थित है। स्कूल मे हैपी प्रणाली के आधार पर नन्हे-मुन्ने वालक, वालिकाओ को शिक्षा-दीक्षा दी जाती है। इस समय स्कूल मे लगभग ३०० छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल ने अपने लघु कार्य काल मे ही अन्य पब्लिक स्कूलो के सदृश स्टैंडर्ड प्राप्त किया है। सभा स्कूल के लिये पृथक भवन के निर्माण के लिये भूमि प्राप्त करने मे प्रयत्नशील है।

उपरोक्त कार्यो के अतिरिक्त, प्रत्येक सामाजिक व धार्मिक समस्याओ के सुलझाने मे सभा का प्रमुख योगदान

रहा है। विगत वर्षो मे, उदाहरणार्थ, सरकार द्वारा भ० महावीर जयती को छुट्टी स्वीकृत करवाने, जबलपुर जैन समाज पर हुऐ अत्याचारो, रिलीजस ट्रस्ट बिल आदि के सम्बन्ध मे सभा ने महत्वपूर्ण योग दिया है।

वार्षिक महावीर जयती महोत्सव आदि धार्मिक व सास्कृतिक उत्सवो के साथ साथ सभा द्वारा समय समय पर दिल्ली मे पधारने वाले विद्वानो, नेताओ व अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियो से सम्पर्क स्थापित करने के लिये सामाजिक कार्य क्रमो का आयोजन भी किया जाता है।

प्रधान—श्री शिवदयाल सिंह, ८ टैम्पिल लेन।
उप-प्रधान—श्री पीताम्वर दास, ३७ तुर्कमान रोड।
मत्री—श्री चक्रेश कुमार, ३८ सी, वेअर्ड रोड।
उप-मत्री—(१) सतीश कुमार, ६६ ई राजाबाजार।
(२) श्री कैलाश चन्द्र, २७ क्लाइव स्क्वेअर।
कोषाध्यक्ष—श्री टेक चन्द्र, १२ ई बेअर्ड रोड।
निरीक्षक—श्री जय प्रकाश, २३ अहिल्या बाई रोड।
कार्य कारिणी-सदस्य—(१) श्री त्रिलोक चन्द्र, एफ २ ग्रीनपार्क
(२) श्री उल्फत राय, १०५ वेअर्ड रोड
(३) श्री कपूर चन्द्र, एलनवी रोड।
(४) श्री महेन्द्र कुमार, ३३ ई वेअर्ड लेन।
(५) श्री बी बी कपासी, बी ५ पडारा रोड।
(६) श्री जय कुमार, वगला साहब लेन।
(७) श्री जम्बू प्रसाद, ४८ डी राजावाजार।
(८) श्री हस कुमार, २७ हेवलाक स्केवअर।
(९) श्री वकील चन्द्र, ५३ डी राजावाजार।

२. दिल्ली प्रातीय भारत जैन महामण्डल—अखिल भारतवर्षीय जैन महामण्डल की दिल्ली प्रातीय शाखा की स्थापना सन १९४० मे हुई।

प्रधान—ला० जसवत सिंह, २५ डी कमला नगर।
उप-प्रधान—(१) सेठ मोहन लाल कठोतिया, चद्रावल रोड।
(२) ला० नन्हेमल, डिप्टीगज।
प्रधान मत्री—श्री भगतराम, २०२३ वहादुरगढ रोड।
मत्री—श्री शातिलाल वी सेठ, १०३० गली हीरा नन्द मालीवाडा
कोषाध्यक्ष—श्री धनपत सिह भसाली, ५३ रामनगर।

३. अणुव्रत समिति दिल्ली शाखा (४०९३ नया वाजार)—दिल्ली प्रदेश के अणुव्रतियो का सगठन है।

समिति की ओर से राजधानी मे समय-समय पर सार्वजनिक सभाए इत्यादि का आयोजन होता है तथा अणुव्रत सम्बन्धी साहित्य भी प्रकाशित होता है, जिनमे अणुव्रत जीवन दर्शन, प्रेरणादीप, उठो जागो, जागृत इत्यादि पुस्तकें मुख्य हैं।

अध्यक्ष—श्री गोपीनाथ 'अमन' टोकरीवालान, पुल मिठाई।
उपाध्यक्ष—श्री मगतराय (मैं. पारसराम द्वारकादास) कटरा चोबान, चादनी चौक।
मत्री—सेठ मोहन लाल कठोतिया, १५३२, चद्रावल रोड, सब्जी मडी।
उप-मत्री—श्री सोहनलाल बाफणा, ४०९३ नयाबाजार।

४. जैन मित्र मंडल दिल्ली (कार्यालय-धर्मपुरा नया-मन्दिर जी के सामने)—मित्र मण्डल की स्थापना सन १९१५ मे हुई। सन १९१७ मे जैन व आर्य समाज के विद्वानो के मध्य हुए शास्त्रार्थ की आयोजना भी मित्र मडल ने की।

मडल ने जैन-साहित्य प्रचार के लिये अब तक भारतीय व विदेशी विद्वानो द्वारा लिखित लगभग १५० पुस्तको का प्रकाशन किया है। सन १९२१ की सरकारी जन-गणना मे प्रमुख जैन साहित्यिक सस्था घोषित होने का मान इसी सस्था को प्राप्त है।

सम्पूर्ण देश मे भगवान महावीर जयती महोत्सव को मनाये जाने की धार्मिक प्रथा को सन १९२५ मे प्रथम बार प्रारम्भ करने का श्रेय भी मण्डल को ही प्राप्त है। इसी पुनीत अवसर पर नगर का वार्षिक जुलूस भी सर्व प्रथम मडल द्वारा ही निकालने की व्यवस्था हुई थी।

मडल के द्वारा सन १९२३ मे धर्मपुरा, दिल्ली मे श्री वर्धमान पब्लिक लायब्रेरी की स्थापना हुई जो अब तक सुचारू रूप से कार्य कर रही है।

सभापति—ला० अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
उप-सभापति—(१) ला० प्रेमचद (जैना वाच क०)।
(२) ला० प्रकाशचद जौहरी, दरियागज।
प्रधान मत्री—श्री महतावसिंह जौहरी, दरीवा कला।

मत्री—(१)श्री ग्रादीश्वर प्रसाद, १-डी, करोल बाग।
(२) श्री पन्नालाल (तेज ग्रखबार) वकीलपुरा।
मत्री पुस्तक भडार—श्री विजेन्द्र कुमार सर्राफ, दरीबा कला।
कोषाध्यक्ष—(१)श्री पूरनमल जैन जौहरी दरीबा कला।
(२) श्री ग्रमृतलाल, वकीलपुरा।

५. श्री जैन विद्वत् परिषद—स्थानीय जैन विद्वानो की सस्था है। परिपद के सदस्य समय समय पर धार्मिक विपयो पर विचार-विमर्श करते हैं।

परिषद ने हाल ही मे दिल्ली मे सामूहिक रात्रि भोजन की कुप्रथा को वन्द करवाने के लिए ग्रादोलन छेडा था, जिसमे काफी सफलता प्राप्त हुई है।

ग्रध्यक्ष—श्री हीरालाल 'कौशल' शास्त्री, सदर वाजार।
उपाध्यक्ष—श्री वनवारी लाल, 'स्याद्वादी', २२००, गली भूतवाली, धर्मपुरा।
मन्त्री—श्री मथुरा दास शास्त्री, समतभद्र सस्कृत विद्यालय, दरियागज।
उप-मन्त्री—श्री सुमेरचन्द शास्त्री, गली गुलियान।
कार्या० मन्त्री—श्री रिषीचन्द्र, रेवती भवन, २१, दरियागज।

६. ग्रखिल भारतीय महावीर जयन्ती कमेटी (१२ लेडी हार्डिग रोड)—कमेटी की स्थापना सन १९५३ में हुई। इस सस्था द्वारा राजधानी मे प्रत्येक वर्ष भगवान महावीर जयन्ती महोत्सव का ग्रायोजन किया जाता है।

प्रधान—सेठ ग्रचल सिंह, एम० पी०, १५० नार्थ एवेन्यू।
उप-प्रधान—(१) श्री राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।
(२) श्री कपूर चन्द्र गोधा, शाति विजय एण्ड क०, ज्वैलर्स, जनपथ।
(३) सेठ मोहनलाल कठौतिया, चन्द्रावल रोड।
(४) श्री जवाहरलाल रायजान, खैराती लाल एण्ड सन्स ज्वैलर्स, कनाट सर्कस।
प्र० मन्त्री—श्री दौलत सिंह, गली लाडेवाली, माली वाडा।
मन्त्री—श्री भगतराम, ३०२३, वहादुर गढ रोड।
कोषाध्यक्ष—श्री नन्हेमल, घमडीलाल नन्हेमल, सदर वाजार।

७. श्री १००८ जम्बूकुमार सघ (३५ डिप्टीगज)—सघ की स्थापना राजवैद्य श्री मामनसिंहजी प्रेमी द्वारा सन १९४५ मे हुई।

सघ कार्य के द्वारा विश्व-शाति सदेश तथा शाकाहार भोजन के प्रचार मे प्रयत्नशील है। ग्रब तक लगभग २,५०० व्यक्तियो को शाकाहारी बनाने मे सफल हुग्रा है। सघ सन १९५४ से प्रेमी महाविद्यालय, सोनीपत का सचालन कर रहा है। सघ की ग्रोर से ३५ डी दिलशाद कालोनी एक्सटैंशन, जी० टी० रोड, शहादरा बोर्डर पर भगवान ऋषभदेव जी का समवसरण बनाने की योजना चल रही है। सघ का मुख-पत्र 'ज्ञान' मासिक है।

प्रधान—श्री कैलाश चन्द्र (राजा टायर्ज), डिप्टीगज।
उप-प्रधान—श्री कर्मवीर सिंह, छप्परवाला कुग्रा, करोल वाग।
प्रधान मन्त्री—श्री महीपाल सिंह, ४४४ देवनगर, करोल वाग।
मन्त्री—श्री रमेश चन्द्र ४४४ ई० देवनगर, करोल वाग।
प्रधान महिला समिति—श्रीमती रतनमाला, २५ पूसा रोड।
मन्त्राणी—श्रीमती शान्ती देवी (लक्ष्मी मोटरकार क०) क्वीज रोड।
कोषाध्यक्ष—श्रीमती मन्नोदेवी, ३५ डिप्टीगज।

८. व्यूरो ग्राफ जैन इन्फार्मेशन (५८७, सदर वाजार)—इस सस्था की स्थापना १ सितम्वर सन १९५७ को हुई। सस्था का कार्यालय ५८७ सदर वाजार दिल्ली मे स्थापित है।

व्यूरो की ग्रोर से 'वी० जे० ग्राई समाचार' नाम की एक द्विभाषी (हिन्दी व ग्रग्रेजी) पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। समय समय पर जैन-ग्रजैन पत्रो को समाचार व चित्र ग्रादि भी नि शुल्क भेजे जाते हैं।

वर्तमान मे इसके निम्नलिखित डायरेक्टर्स हैं

१. श्री ग्रतरचन्द, ४६७६, गली उमराव सिंह, पहाडी धीरज।

२ श्री मुनीन्द्र कुमार डी० २/६ माडल टाउन, माल रोड।

३. श्री राजेन्द्र कुमार आर्टिस्ट प्रो० राजन आर्ट्‌स, ५८६, सदर बाजार।

४. श्री सुकमाल चन्द्र २० सी०, वेअर्ड रोड।

६. श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पंचायत (कार्यालय श्री दि० जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा)—यह पचायत पहले दिल्ली-हिसार-पानीपत अग्रवाल दिगम्बर पचायत के नाम से प्रसिद्ध थी।पचायत द्वारा दिल्ली नगर के अग्रवाल दिगम्बर जैन मन्दिरो, ट्रस्टो तथा सस्थाओ आदि की व्यवस्था होती है।

पचायत समाज की स्थायी रीतिया व अन्य रीति-रिवाजो (दस्तूर-उल-अमल) को निश्चित करती है तथा उनके उलघन पर दण्ड की व्यवस्था करती है।

पचायत के अन्तर्गत निम्नलिखित समितिया हैं

(क) पच-समिति—इसके मुख्य कार्यो मे कार्यकारिणी द्वारा सामाजिक रीति-रिवाज के उलघन पर दोषी ठहराये गये व्यक्तियो की जाच करके निर्णय देना है। वर्तमान पच निम्नलिखित है

(१) रायसाहब ला० उल्फतराय, ७/३३, दरियागज।
(२) ला० चुन्नीलाल एडवोकेट, कूचा सेठ।
(३) ला० अजित प्रसाद कोठी वाले धर्मपुरा।
(४) ला० इन्दर सेन (सोमेट मार्केटिंग) ५ ए, दरियागज।

(५) रिक्त।

मत्री—ला० हुकमचन्द, धर्मपुरा।
स० मन्त्री—श्री कैलाश चन्द्र, ३१ चावडी वाजार।

(ख) कार्यकारिणी समिति
सभापति—ला० डिप्टीमल, चादनी चौक।
मत्री—ला० रनजीत सिह जौहरी, दरीबा कला।

स० मत्री—ला० विमल प्रसाद, सतघरा, धर्मपुरा।

कोषाध्यक्ष—ला० कुन्दनलाल मादीपुरिया, कटरा खुशालराय।

(ग) प्रवन्धकारिणी समिति—इसके अन्तर्गत ३ कमेटिया कार्य करती हैं।

(१) कमेटी मदिरान-धर्मशालाए, उदसीनाश्रम, अस्पताल परिंदगान व साहित्य-सदन।

सभापति—ला० जगाधर मल, गली सगतराशन, दरीबा कला।
मत्री—ला० अतर चन्द जौहरी, वैदवाडा।
स० मन्त्री—श्री विमल प्रसाद पीतल वाले धर्मपुरा।

(२) रथयात्रा कमेटी—
सभापति—ला० श्योप्रसाद कोठीवाले, कूचा सेठ।
मन्त्री—ला० त्रिलोकचन्द कमीशन एजेण्ट, धर्मपुरा।

(२) जायदाद कमेटी—
सभापति—ला० हरिश्चन्द्र वकील, छत्ता प्रताप सिंह, किनारी बाजार।
मन्त्री—ला० हरिश्चन्द्र वाले, शीशमहल, पायवालान।

१०. श्री खडेलवाल दि० जैन पचायत–पचायत स्थानीय खडेलवाल दिगम्बर जैनो की धार्मिक व सामाजिक सस्था है। पचायत के द्वारा

(१) श्री दि० जैन मन्दिर, वैदवाडा।
(२) श्री दि० जैन मन्दिर, जयसिंहपुरा।
(३) श्री शातिसागर दि० जैन पाठशाला, वैदवाडा।
(४) श्री शातिसागर दि० जैन औषधालय।
तथा
(५) श्री दि० जैन धर्मशाला, वैदवाडा, की व्यवस्था होती है।

प्रधान—ला० कपूरचन्द्र, १३१६ वैदवाडा।

उप-प्रधान—ला० परसादी लाल पाटनी, मारवाडी कटरा, नई सडक।

मन्त्री—ला० देवेन्द्र कुमार, ३६ गोल्फलिक।

स० मन्त्री—ला० रूपचन्द, १२७३, वैदवाडा।

कोपाध्यक्ष—ला० हजारी लाल (मैं. हजारी लाल शातिलाल) चावडी वाजार।

११. श्री पद्मावती दि० जैन पंचायत, (कार्यालय पद्मावती पुरवाल दि० जैन मन्दिर, मसजिद खजूर)—स्थानीय पद्मावती पुरवाल दि० जैनो की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है। श्री पद्मावती पुरवाल दि० जैन मन्दिर की व्यवस्था भी पचायत द्वारा होती है।

प्रधान—प० लाल वहादुर शास्त्री, समतभद्र विद्यालय, दरियागज।

उप-प्रधान—ला० गुलज़ारी लाल (जैन रेस्टोरेन्ट), दरीबा कला।

मन्त्री—प० वनवारीलाल स्याद्वादी, २२०० गली भूत-वाली।

उपमन्त्री—ला० रामचन्द्र निकल वाले, चावडी वाजार।

कोषाध्यक्ष—ला० महावीर प्रसाद सर्राफ, दिल्ली दरवाजा।

१२. श्री जैसवाल जैन सभा—सभा अ० भा० जैस-वाल जैन महासभा की दिल्ली शाखा है। सभा का मुख्य *कार्य स्थानीय जैसवाल जैनो को सगठित करना तथा उनके* लिए पचायत-रूप उत्तरदायित्व की पूर्ति करना है। सभा द्वारा समय समय पर सामाजिक उत्सवो का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्री शिवदयाल सिंह, ८ टैम्पिल लेन।

मत्री—श्री सुरेन्द्र कुमार, ४७/८३ दरियागज।

उप-मत्री—श्री सुरेश कुमार, ४८६ एम पी टी, सरोजिनी नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री राम वहादुर, २१/८४ लोदी कालोनी।

१३. श्री श्वेताम्बर तेरापन्थी सभा (४०९३, नया वाजार)—जैन श्वेताम्बर तेरापन्थी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि सस्था है। सभा द्वारा विगत वर्ष सन १९६० मे तेरापन्थी द्विशताब्दी समारोह का आयोजन टाउन हाल मे किया गया था।

अध्यक्ष—श्री गिरधारी लाल, (विरधी चन्द जैन एण्ड सन्स) चावडी वाज़ार।

उपाध्यक्ष—(१) श्री *मगतराम (परसराम द्वारका* दास), कटरा चोवान।

(२) श्री वुधसेन (सिंघवी इडस्ट्रीज) १० वैस्ट वैक साइड, सदर थाना रोड।

मत्री—श्री लाजपत राय (भिक्षा लाल रणजीत सिंह) कटरा ईश्वर भवन, खारी वावली।

उपमत्री—श्री सूरजभान (*सूरजभान लक्ष्मी चन्द*) पत्ते वाली गली, नया वाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री वाल चन्द, (मै० विरधी चन्द नोनग राम) चावडी बाजार।

१४. श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ (कटरा धूलिया, चादनी चौक)—सघ की स्थापना सन १९५५ मे हुई। सघ द्वारा श्वे० स्थानकवासी साधुओ व साध्वियो के चातुर्मास आदि की व्यवस्था, धार्मिक उपदेशो व प्रवचनो तथा अन्य धार्मिक उत्सवो का आयोजन किया जाता है। सघ की समस्त गतिविधियो का केन्द्र श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महावीर भवन (वारादरी), चादनी चौक है।

प्रधान—लाला राम नारायन (फर्म-सनेहीराम राम नारायन) नया बाजार।

उप-प्रधान—लाला रामलाल सर्राफ, १३९० चादनी चौक।

मत्री—लाला मोहर सिंह (फर्म शादीराम मोहर सिंह) *कटरा मारवाडी, नई सडक।*

उपमत्री—श्री वद्री प्रसाद, ५७ महावत खा रोड।

कोषाध्यक्ष—मा० शाम लाल, ९३ वडशावूला, चावडी वाज़ार।

१५ श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन समाज, (V/७३, मोती वाजार, चादनी चौक)—समाज की स्थापना सन १९५९ मे हुई। समाज दिल्ली नगर के प्रगतिशील अग्रवाल दिगम्बर जैनो की पचायत है। चालू वर्ष के प्रारम्भ मे समाज द्वारा भगवान ऋषभ जयन्ती महोत्व मनाया गया।

प्रधान—लाला पारसदास मोटर वाले, डा० मुकर्जी मार्ग।

उप-प्रधान—(१) लाला केशव दास, डेरी वाले, गली लेसवान, चादनी चौक।

(२) लाला त्रिलोक चन्द्र, कपडे वाले, गली लेसवान, चादनी चौक।

(३) लाला प्रताप सिंह, मोटर वाले, डा० मुकर्जी मार्ग।

(४) श्री फीरोजी लाल वकील, क्लाथ मार्केट।

प्रधान मत्री—श्री श्रीपाल, २६४४ गली पीपल वाली, धर्मपुरा।

मत्री—(१) श्री दुर्गा राम, १२९३ वकील पुरा।

(२) श्री अतर सेन, ३९१९ चावडी वाजार।

(३) सुदर्शन लाल, २२५७ गली अनार, किनारी बाजार।

(४) श्री दर्शन लाल (म्यूनिसिपल कार्पोरेशन), २०, म्यू० कालोनी, कमला नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री दयाल सिंह कपडे वाले, १३०१, कटरा धूलिया।

१६ श्री दिल्ली गुजराती जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक सघ (२०५८ किनारी बाजार)—स्थानीय गुजराती श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैनो की प्रमुख सस्था है। बाहर से आये गुजराती सघ आदि की सुविधा की व्यवस्था करना भी सघ के कार्यो मे उल्लेखनीय है।

१७. जैन सभा दरियागज—दरियागज क्षेत्र के समस्त जैनो की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है। सभा की ओर से पर्यू षण-पर्व के पश्चात वार्षिक रथयात्रा का आयोजन होता है।

प्रधान—श्री मगत राम, ४८ दरियागज।

उप-प्रधान—श्री प्रेम चन्द्र, आनन्द भवन, १८ दरियागज।

मत्री—श्री बाल कृष्ण सरावगी, ७ दरियागज।

उप-मत्री व कोषाध्यक्ष—श्री आनन्द प्रकाश, ७५ दरियागज।

सभा की ओर से एक वर्तन-भण्डार भी चल रहा है। इसकी व्यवस्था श्री जैनेन्द्र प्रकाश, २१ दरियागज, करते हैं।

१८ श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पचायत (पहाडगज)—पचायत की औपचारिक स्थापना तथा रजिस्ट्रेशन सन १९५६ मे हुई। यह पहाडगज व रामनगर क्षेत्र की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है।

प्रधान—लाला पृथ्वी सिंह, मटोला।

उप-प्रधान—लाला महावीर प्रसाद, मटोला।

मत्री—लाला श्री चन्द, मटोला।

स० मत्री—लाला शीलचन्द, पहाड गज।

कोषाध्यक्ष—लाला अतर सेन, मटोला, पहाड गज।

१९ श्री दिगम्बर जैन पंचायत सब्जी मडी—पचायत की औपचारिक तौर पर स्थापना सन १९५० मे हुई। यह सब्जी मडी के दिगम्बर जैनो की प्रमुख सामाजिक सस्था है। स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर, सब्जी मन्डी, की व्यवस्था इसी पचायत की देख रेख मे होती है।

प्रधान—श्री लट्टोमल, (मै० लट्टोमल नानूराम, ४२०० आर्यपुरा) सब्जी मडी।

उप-प्रधान—श्री महावीर प्रसाद, ३७ जैना बिल्डिग, रोशनआरा रोड।

मत्री—चौ० जम्बू प्रसाद, ४११०, गली जैन मन्दिर।

स० मन्त्री—मा० ओम प्रकाश, सब्जी मन्डी।

जनरल भण्डारी—प० उल्फत राय, ४१०८, गली जैन मन्दिर, सब्जी मन्डी।

वर्तन भडारी—लाला बाबूराम, आर्यपुरा, सब्जी मन्डी।

शास्त्र भडारी—बाबू आतमाराम, ४३३८, आर्यपुरा, सब्जी मन्डी।

कोषाध्यक्ष—श्री छज्जू मल, (द्वारा मै० लट्टोमल नानूमल) सब्जी मन्डी।

२९. श्री श्वे० स्थानकवासी जैन सभा, (४०-एफ, कमला नगर)—सभा की स्थापना रावल पिंडी से आये हुए श्वे० स्थानकवासी जैनो द्वारा सन १९४७ मे हुई। सभा अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यो के अतिरिक्त कमला नगर कालोनी मे स्थित श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेण्ड्री स्कूल, श्री महावीर जैन माटेसरी स्कूल, तथा दो स्थानको का सचालन व उनकी व्यवस्था का कार्य कर रही है।

प्रधान—लाला बोधराज, मटके वाली गली, सदर बाजार।

उप-प्रधान—लाला लालचन्द, क्लाथ मार्केट, डा० मुकर्जी मार्ग।

मन्त्री—श्री अमर नाथ (डिफेंस मिनिस्ट्री)।

कोषाध्यक्ष—श्री पिंडीदास, ५-डी, कमला नगर।

२१. श्री दिगम्बर जैन पचायत रोशनआरा रोड एक्सटेंशन एरिया—रोशनआरा रोड एक्सटेंशन एरिया के दिगम्बर जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है। पचायत स्थानीय चैत्यालय की व्यवस्था भी करती है।

प्रधान—श्री दीवान चन्द, ८८-ए कमला नगर।

उप-प्रधान—श्री तारा चन्द, २९/१९ शक्ति नगर।

मन्त्री—श्री सरूप सिंह, २७/६ कमला नगर।

उप-मन्त्री—श्री मानक चन्द, ७३६०-ए प्रेम नगर।

भडारी—श्री अनूप सिंह, २९/७ शक्ति नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री गुणवन्त राय, ६९-इ कमला नगर।

२२. जैन सभा माडल टाउन (कार्यालय, बी ५/१२ माडल टाउन, माल रोड)—माडल टाउन व निकटवर्ती बस्तियो मे रहने वाले जैन बन्धुओ के सगठन के उद्देश्य से मार्च सन १९६१ मे इस सभा की स्थापना हुई। माडल टाउन, किंग्ज्वे कैम्प, विजय नगर, रिषभ नगर, रामेश्वर नगर, इन्द्रा नगर, आजादपुर, व मोहन पार्क आदि कालोनियो मे रहने वाले जैनी इस सभा के सदस्य हैं।

सभा की ओर से २ अप्रेल १९६१ को एक विशाल पडाल मे महावीर जयन्ती का उत्सव मनाया गया। जिसमे अन्य धार्मिक कार्यक्रमो के अतिरिक्त एक विशाल मुशायरे का भी आयोजन किया गया। वर्तमान मे सभा की ओर से एक शिखर युक्त मन्दिर बनाने की योजना चल रही हैं। इस मन्दिर के साथ साथ एक औषधालय व पुस्तकालय के स्थापना की योजना भी है।

सन १९६१-६२ के लिए सभा के निम्नलिखित पदाधिकारी चुने गये हैं

प्रधान—श्री मोती राम, फर्नीचर वाले, सी-११/१० माडल टाउन।

उप-प्रधान—श्री दर्शन लाल, म्यु० कारपोरेशन वाले, डी एम सी, कालोनी।

मन्त्री—श्री मुनीन्द्र कुमार, कृषि मन्त्रालय वाले, डी २/९ सूरज, सदन माडल टाउन।

उप-मन्त्री—श्री चन्द्रभान, अध्यापक, डी एम सी कालोनी।

कोषाध्यक्ष—श्री शिवचरण दास, प० ने० बैंक वाले, बी० ५/१२ माडल टाउन।

२३. श्री दिगम्बर जैन पचायत करोल बाग (दिगम्बर जैन मन्दिर, छप्पर वाला कुआ, करोल बाग)—इस पचायत की ओर से दिगम्बर जैन मन्दिर छप्पर वाला कुआ, करोल बाग तथा जैन विद्या मन्दिर छप्पर वाला कुआ, करोल बाग का प्रबन्ध होता है।

पचायत की स्थापना सन १९४९ मे हुई।

प्रधान—श्री नेमचन्द्र, बी १३/२८ देवनगर।

उपप्रधान—(१) श्री सतिन्द्रनाथ, २४ नाई वाली गली, करोलबाग।

(२) श्री त्रिलोक चन्द्र, ४४४ ई देव नगर।

मन्त्री—श्री जुगमदरदास, ६७ नाई वाली गली, करोल बाग।

उपमन्त्री—(१) श्री जुगमदरदास, रहगडपुरा, करोल बाग।

(२) श्री सुमेरचन्द्र, अब्दुल अज़ीज़ रोड, करोल बाग।

कोषाध्यक्ष—श्री विमल प्रसाद, २१ नाई वाली गली, करोल बाग।

भडारी—(१) श्री मूलचन्द्र, अब्दुल अजीज रोड, करोल बाग।

(२) श्री केशरी प्रसाद, जोशी रोड, करोल बाग।

२४ श्री दिगम्बर जैन पचायत रोहतक रोड—पचायत की स्थापना सन १९५५ मे हुई। पचायत ने स्थापना के समय से तीन वर्ष ही मे एक अस्थाई चैत्यालय का रोहतक रोड मे आयोजन किया। सन १९५९ मे ५ सी. रोहतक रोड मे स्थायी दि० जैन मन्दिर का निर्माण कराया।

सभापति—ला० प्रेम चन्द, (जैना वाच क०)७/३२ दरियागज।

उप-सभापति—(१) ला० दयाचन्द (जैन बुल शाप) २४, रोहतक रोड।

(२) ला० होरी लाल ५ सी/३६, रोहतक रोड।

मत्री—ला० उग्रसेन, ५३-डी देवनगर।

उप-मत्री—श्री बी सी जैन (दिल्ली क्लाथ मिल्स)

कोषाध्यक्ष—ला० पदम सिंह, ४ सी/६ रोहतक रोड।

२५. श्री दिगम्बर जैन पंचायत देवनगर—पचायत की स्थापना सन १९५४ मे हुई।

भाद्रपद मास मे देवनगर तथा आस-पास की बस्तियों मे रहने वाले जैन बन्धुओ की सुविधार्थ एक अस्थाई मदिर का आयोजन प्रति वर्ष इस पचायत द्वारा किया जाता है। पचायत के द्वारा एक स्थाई मन्दिर के निर्माण की योजना चल रही है।

वर्तमान समिति

१. श्री लाल चन्द-५७५६ देवनगर, करोल बाग।

२ श्री पन्नालाला, शिवनगर, करोल बाग ।
३ श्री उग्रसेन, ५३-डी देव नगर, करोलबाग ।
४ श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी, देव नगर, करोलबाग ।
५ ला० इन्दर सैन, ५० ए० गली न० १, कृष्णनगर ।
६ ला० चेतनलाल, देवनगर बस स्टैंड के पास ।

२६. श्री दि० जैन पचायत, मोडल बस्ती—मोडल बस्ती क्षेत्र के दि० जैनियो की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है ।

पचायत की ओर से पर्यूषण पर्व पर एक अस्थायी चैत्यालय की व्यवस्था की जाती है। स्थायी मन्दिर के निर्माण के लिये भी पचायत प्रयत्नशील है ।

प्रधान—श्री सुलतान सिंह, ३७ मोडल बस्ती ।
उप-प्रधान—श्री जोती प्रसाद, १०२ ए, मोडल बस्ती ।
मत्री—श्री दया दीपक प्रकाश, २७, मोडल बस्ती ।
उप मत्री—श्री राम भज, मडी अनाज, मोडल बस्ती ।
कोषाध्यक्ष—श्री खूब चन्द्र, १०५ मोडल बस्ती ।

२७. श्री दिगम्बर जैन बिरादरी—बिरादरी की स्थापना सन १९४० मे हुई । यह नई दिल्ली के दिगम्बर जैनो की पचायत है ।

बिरादरी द्वारा भगवान् महावीर जयती के अवसर पर स्थानीय वार्षिक रथयात्रा का आयोजन, श्रुत पचमी पर्व, पर्यूषण पर्व तथा अन्य धार्मिक पर्वो पर सामूहिक पूजन, शास्त्र प्रवचन, कीर्तन, भजन आदि की व्यवस्था तथा जैन साहित्य के प्रचार व शास्त्र-स्वाध्याय की प्रवृत्ति को बढाने के लिये शास्त्र- भण्डार मे उपयुक्त साहित्य का सचय कर उसका प्रबन्ध किया जाता है ।

प्रधान—ला० राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।
उप-प्रधान—ला० माम चन्द ठेकेदार, ६५ जैन मन्दिर रोड ।
मत्री—श्री बलवीर चन्द्र, ३६ वाई चित्रगुप्त रोड ।
उप-मत्री—श्री वकील चद्र, ५३ ई राजाबाजार।
कोषाध्यक्ष—श्री राजाराम, ३८ सी बेयर्ड रोड ।

२८ जैन सभा लोदी कालोनी—लोदी कालोनी व अन्य निकट के क्षेत्रो के जैनो की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है । सभा के कार्यो मे चैत्यालय की स्थापना व वार्षिक महावीर जयती महोत्सव मुख्य हैं ।

प्रधान—श्री शुभचन्द्र, ८/II८०६, लोदी कालोनी ।
उप-प्रधान—श्री प्रेमचन्द्र, २३/१७०, लोदी कालोनी ।
मन्त्री—श्री कामता प्रसाद, सी-२/११०, लोदी कालोनी
स० मन्त्री—श्री सतीश चन्द्र, सी-२/११०, लोदी कालोनी ।
(२) श्री सुखानन्द कुमार, १०/२३७, लोदी कालोनी ।
कोषाध्यक्ष—श्री रामरक्षपाल, १७/६१८, लोदी कालोनी ।

२९. जन सभा जंगपुरा, भोगल—यह जगपुरा (भोगल) उप नगर के जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है । सभा की स्थापना लगभग १० वर्ष पूर्व हुई थी ।

सभा द्वारा स्थानीय दि० जैन चैत्यालय, जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, व औषधालय की व्यवस्था होती है ।

प्रधान—ला० फतेह चन्द, सेंट्रल रोड, जगपुरा ।
मत्री—श्री सुमेर चन्द्र, समन बाजार, जगपुरा।
कोषाध्यक्ष—ला० सुलतान सिंह, भोगल रोड, जगपुरा ।

३० जैन सभा (दक्षिण)—इस सभा की स्थापना सन १९५४ मे हुई । यह सफदरजग हवाई अड्डे के दक्षिण पश्चिम नवीन गवर्नमेंट कालोनीज़ आदि क्षेत्रो मे रहने वाले जैनो की धार्मिक एव सामाजिक सस्था है । सभा द्वारा भ० महावीर जयती महोत्सव, पर्यूषण-पर्व तथा भ० महावीर निर्वाण महोत्सव आदि का आयोजन किया जाता है । पर्युषण पर्व पर एक चैत्यालय भी स्थापित किया जाता है। इसके अतिरिक्त समय समय पर धार्मिक प्रवचन व सामजिक उत्सव का आयोजन भी होता है । विगत कुछ माह से नेताजी नगर मे एक नियमित चैत्यालय की स्थापना की गई है जहा जैन साहित्य का सकलन भी है ।

प्रधान—श्री सुमेर चन्द्र, डी-II/२८९ विनय मार्ग ।
उप-प्रधान—श्री अजीत प्रसाद बी-९२ (ई० टाइप) लक्ष्मीबाई नगर ।
उप-प्रधान—श्री मेहर चद्र, डी जी १०४२ सरोजिनी नगर ।
महा मत्री— श्री रमेशचद्र, बी-४९ लक्ष्मीबाई नगर ।
उप-मत्री—श्री सुरेन्द्र कुमार, ई पी टी ११० सरोजिनी नगर ।
कोषाध्यक्ष—श्री जगत प्रसाद, डी-७७ लक्ष्मीबाई नगर ।
क्षेत्र १—मत्री—श्री त्रिलोकचद्र, सी-६०१ सरोजिनी नगर ।

" —उपमंत्री—श्री शांति प्रसाद, एक्स २२७ सरोजिनी नगर।

क्षेत्र २—मंत्री—श्री वीरेन्द्र कुमार, जी-६२२ सरोजिनी नगर।

" —उपमंत्री—श्री प्रकाश चंद्र, एच-१०० सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ३—मंत्री—श्री राजेन्द्र प्रसाद, के-७७ सरोजिनी नगर।

" उपमंत्री—श्री कैलाश चन्द्र, ई पी टी ११० सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ४—मंत्री—श्री नमेश्वर दास, बी डी १०४२ सरोजिनी नगर।

" उपमंत्री—श्री कैलाश चंद्र, जी आई सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ५—मंत्री—श्री निरंजन दास, जी आई सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ६—मंत्री—श्री सोहनलाल, ए-१०५ लक्ष्मीबाई नगर।

" उपमंत्री—श्री बूटा सिंह, बी-६६ लक्ष्मीबाई नगर।

क्षेत्र ७—मंत्री—श्री नंद लाल, युसफसराय।

३१. जैन सभा मोती बाग—सभा की स्थापना सन १९५६ में हुई। यह सम्पूर्ण मोती बाग क्षेत्र के जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री प्रकाश चन्द्र, बी-११६ मोती बाग I।

उप-प्रधान—श्री रतन लाल, बी ७ दक्षिण मोती बाग।

मंत्री तथा कोषाध्यक्ष—श्री सुमत प्रसाद, ए-३०१ मोती बाग I।

३२. जैन समाज शहादरा—यह समाज शहादरा के दिगम्बर जैनों की पंचायत है। इसकी स्थापना लगभग १५ वर्ष पूर्व हुई। अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अतिरिक्त स्थानीय दि० जैन मन्दिर जी, दि० जैन धर्मशाला व मिडिल स्कूल की व्यवस्था करती है।

प्रधान—ला० नन्द किशोर, फर्श बाजार, शहादरा।

उप-प्रधान—ला० लक्ष्मी चंद्र, गली मंदिर वाली शहादरा।

मन्त्री—ला० भब्बूमल, टेली० एक्सचेंज के सामने, जी० टी० रोड, शहादरा।

स० मन्त्री व कोषाध्यक्ष—ला० रमेश चन्द्र, बूरा मंडी शहादरा।

३३. जैन सभा चिराग दिल्ली—यह चिराग दिल्ली क्षेत्र के दिगम्बर जैनों की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था है। सभा द्वारा स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर की व्यवस्था होती है तथा वार्षिक पर्यूषण पर्व के पश्चात जलयात्रा महोत्सव व अन्य धार्मिक समारोह किये जाते हैं।

३४. श्री अग्रवाल दि० जैन पंचायत नजफगढ—पंचायत स्थानीय दिगम्बर जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है। यह स्थानीय मन्दिर जी, धर्मशालाओं तथा बगीची के साथ अन्य सम्बन्धित जमीन व जायदाद आदि का प्रबन्ध करती है।

अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर प्रति वर्ष रथयात्रा व जलयात्रा महोत्सव भी पंचायत द्वारा आयोजित किया जाता है।

प्रधान—ला० पन्नालाल, तेज अखबार वाले।

उप-प्रधान—ला० भगवानदास, (मै० भगवानदास धर्मवीर, क्लाथ मर्चेंट), नजफगढ।

मन्त्री—ला० जयंती प्रसाद, नजफगढ।

कोषाध्यक्ष—श्री अतर सेन, नजफगढ।

पंचायत की ओर से मन्दिर कमेटी निम्नलिखित पदाधिकारियों की है

प्रधान—ला० नत्थूमल, इंजीनियर, नजफगढ।

मन्त्री—ला० दरबारीलाल, टिम्बर मर्चेंट, नजफगढ।

३५. जैन सभा मिंटो रोड—सभा की स्थापना सन १९५१ में हुई। यह सभा मिंटो रोड तथा उसके निकट के क्षेत्रों में रहने वाले जैनों की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री फतेह चन्द, ५७, मीरदर्द रोड।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री प्रेमसागर, ७६ रनजीतसिंह रोड।

३६ जैन बन्धु (श्रीनिवासपुरी)—यह श्रीनिवासपुरी उपनगर के जैनों की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री कीर्तिचन्द्र, जी २३४, श्री निवासपुरी।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री शीतल प्रसाद, जी २२६, श्रीनिवासपुरी।

३७ श्री आत्मानन्द जैन सभा (२/८२, रूपनगर)—इस सभा, की स्थापना सन १९४८ में हुई। यह रूपनगर

क्षेत्र के श्वेताम्बर-मूर्तिपूजक जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है। सभा के द्वारा जैन मन्दिर, रूपनगर का निर्माण व प्रतिष्ठा हुई है। साधु व साध्वियो के लिये एक उपाश्रय का निर्माण करवाने मे भी यह सभा प्रयत्नशील है।

प्रधान—ला० सुन्दरलाल, ४० यू० ए० बगलो रोड, जवाहर नगर।

उप-प्रधान—ला० खैरातीशाह गली मन्दिर वाली, २/८० रूपनगर।

मन्त्री—ला० इन्द्र प्रकाश, पजाब नेशनल बैंक, कश्मीरी गेट।

स० मन्त्री—ला० ग्रमीचन्द्र, २/८० रूपनगर।

कोषाध्यक्ष—ला० रामलाल (फर्म-मनोहर लाल रामलाल) रूपनगर।

३८ श्री पार्श्वनाथ युवक मण्डल (जैन धर्मशाला, पहाडी धीरज)—मण्डल की स्थापना सन १९४० मे हुई।

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित उप-सस्थाए कार्य कर रही हैं

(१) श्री शिवदयाल जैन फ्री नाइट स्कूल, पहाडी धीरज।

(२) वर्तन भडार समिति, पहाडी धीरज।

(३) टी० बी० निवारण समिति।

(४) जन-सम्पर्क समिति, व

(५) सिलाई-मशीन वितरण समिति।

इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण धार्मिक एव सामाजिक अवसरो पर सामूहिक आयोजन भी होते हैं।

प्रधान-हेमचन्द्र (एक्स-एम० एल० ए०) ४६९०, गली उमराव वाली, पहाडी धीरज।

उप-प्रधान—(१) श्री सुल्तान सिंह, ४१७८, गली अहीरन, पहाडी धीरज।

(२) मामचन्द्र, ४५९४, गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज।

मन्त्री—श्री करमचन्द्र, ७१२१ मडीघास, प० धीरज।

उप-मन्त्री—श्री दयादीपक प्रकाश, २७-ए, मोडल वस्ती।

कोषाध्यक्ष—श्री फीरोजी लाल, प्रेम भवन, पहाडी धीरज।

३९. श्री जैन सगठन सभा (पहाडी धीरज, सदर बाजार)—सभा की स्थापना सन १९२३ मे हुई। यह पहाडी धीरज व सदर के जैनो की प्रमुख धार्मिक एव सामाजिक सस्था है। सभा के कार्यो मे निम्नलिखित विशेषरूप से उल्लेखनीय हैं.

(१) जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय—

पुस्तकालय मे अग्रेजी, हिन्दी व उर्दू की लगभग १०,००० पुस्तकें है, वाचनालय मे लगभग ५० दैनिक, साप्ताहिक इत्यादि, पत्र पत्रिकाए आते है। इस विभाग के मन्त्री श्री सूरजभान गुप्ता घडी वाले व अजित प्रसाद, पहाडी धीरज, वाले हैं।

(२) जैन धार्मिक ग्रन्थ भण्डार—

भण्डार मे लगभग २००० ग्रन्थो का सग्रह है। स्वाध्याय के लिये ग्रन्थ नि शुल्क दिये जाते हैं भडार की ओर से ४ साप्ताहिक तथा १० मासिक पत्र भी मगाये जाते है।

भडार-मन्त्री श्री महावीर प्रसाद हैं।

(३) जैन मैरिज ब्यूरो—

शादी योग्य युवक व कन्याओ का ब्योरा उपलब्ध करना व विवाहो मे सादगी इत्यादि को प्रोत्साहन देना मुख्य कार्य है। इसके मन्त्री बलवन्त सिंह, वाइस-प्रिंसिपल, हीरालाल जैन हायर सेकेंड्री स्कूल, सदर बाजार हैं।

(४) प्रकाशन विभाग—

धार्मिक विषयो पर ट्रैक्ट प्रकाशित किये जाते है। इस विभाग के मन्त्री श्री एन० आर० शाह, पहाडी धीरज है।

प्रधान—श्री नन्हेमल २५, डिप्टीगज।

उप-प्रधान—श्री नेमचन्द्र (हैट वाले)।

मन्त्री—डा० फूल चन्द, पहाडी धीरज।

उपमन्त्री—श्री भगतराम, ३०२३ बहादुरगढ रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री करम चन्द्र, पहाडी धीरज।

४०. आत्मानन्द जैन सभा (प्रेम भवन, किनारा बाजार)—सभा के सदस्यो की कीर्तन मण्डली ख्यातिप्राप्त है।

प्रधान—श्री खैराती लाल, रबर का कारखाना, शाहदरा।

मन्त्री—श्री इन्द्र प्रकाश, पजाब नेशनल बैंक कश्मीरी गेट।

४१ श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन (मैनेजिंग कमेटी, २०४६, किनारी बाजार)—इस कमेटी की स्थापना सन १९५५ मे हुई। यह कमेटी बाहर से आये हुए श्वेताम्बर मूर्तिपूजक साधुओ व साध्वियो के ठहरने इत्यादि की व्यवस्था करती है। इसके अतिरिक्त इसके द्वारा एक सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय भी चलाया जा रहा है।

प्रधान—श्री नानक चन्द, जैना होज़री वर्क्स, कुतुब रोड।

उप-प्रधान—श्री रतनलाल दूगड, शीशमहल, कटरा खुशालराय।

मन्त्री—श्री अक्षय कुमार, १८०३, चीरा खाना, माली वाडा।

उप-मन्त्री—श्री प्रताप चन्द, कटरा खुशालराय।

कोषाध्यक्ष—श्री विजय सिंह, नौघरा, किनारी बाजार।

४२. जैन तरुण समाज (चीराखाना)—समाज की स्थापना लगभग ३० वर्ष पूर्व सर्वश्री दौलतसिह जी, कमला प्रसाद जी व राजेन्द्र कुमार जी के सदप्रयत्नो से हुई। समाज द्वारा असहायो को आर्थिक सहायता की व्यवस्था की जाती है तथा शादी के अवसर पर पाणिग्रहण सस्कार सम्बन्धी उपकरण उपलब्ध किये जाते हैं।

प्रधान—श्री रोशनलाल (मै० मोहनलाल रोशनलाल, सर्राफ) चादनी चौक।

उप-प्रधान—श्री नौरतन चन्द, गली अनार, किनारी बाजार।

मन्त्री—श्री दौलतसिह, १००४, गली लाडे वाली माली वाडा।

उप-मन्त्री—श्री अक्षयकुमार, चीराखाना।

कोषाध्यक्ष—श्री ज्ञानचन्द सूजन्ती, सत्ताइमघरा, किनारी बाजार।

४३. जैन विद्यार्थी मण्डल (जैन भवन, मकान न० ४८६४, २४ दरियागज)—मण्डल की स्थापना सन १९३५ मे हुई।

मण्डल की ओर से प्रतिमास एक पत्रिका 'ज्ञान ज्योति गरकुनर' के नाम से प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त मण्डल धर्मार्थ होम्योपैथिक औषधालय का भी सचालन होता है। मण्डल के मन्त्री डा० हरनारायण दास जी हैं।

४४. जैन विद्यार्थी सभा (जैन साहित्य सदन, चादनी-चौक)—सभा की स्थापना स्थानीय विद्यार्थी नवयुवको द्वारा सन १९६० में हुई। सभा जैन विद्यार्थियो की साहित्यिक सस्था

प्रधान—श्री गोकुल प्रसाद, २१ दरियागज

मत्री—श्री नेमी चन्द्र, दि० जैन लाल मन्दिर, चादनी चौक।

४५. जैन प्रेम सभा (चाहरहट)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते हैं, तथा एक दूसरे के सुख-दुख मे सम्मिलित होते हैं।

सभा का एक बर्तन भडार है जिससे शादी विवाह के लिये बर्तन उपलब्ध होते है।

प्रधान—ला० शाम लाल, ४ टोडरमल रोड।

उप-प्रधान—(१) ला० मुशीलाल कागजी, मुंशी निकेतन, आसफ अली रोड।

(२) ला० प्रकाश चन्द्र जौहरी, दरियागज।

मत्री—ला० कुन्दन लाल मादीपुरिया, कटरा खुशालराय।

स० मन्त्री—ला० पवन कुमार, कोठी वाले दरीबा-कला।

कोषाध्यक्ष—ला० जुगल किशोर कागजी, दुजाना हाउस, चावडी बाजार।

४६ जैन सत्सग सोसाइटी (गली गुलियान)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते हैं तथा एक दूसरे के सुख-दुख मे सम्मिलित होते हैं।

प्रधान—ला० रतन लाल बिजली वाले, दरियागज।

मत्री—श्री विमल प्रसाद, सतघरा, धर्मपुरा।

४७ जैन वीर सभा (गली गुलिया, चाहरहट)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते हैं तथा एक दूसरे के सुख-दुख मे सम्मिलित होते हैं।

सभा के बर्तन भण्डार से शादी विवाह के लिये बर्तन भी उपलब्ध होते हैं।

प्रधान—ला० फकीर चन्द, ११ दरियागज ।
उप-प्रधान—ला० चेतनदास, कूचा आलम चन्द किनारी बाजार।
मन्त्री—ला० छगनलाल, द्वारा चिरजीलाल छगनलाल कटरा अशर्फी ।
उप-मन्त्री—ला० अतर चन्द, वकीलपुरा।
कोषाध्यक्ष—ला० सुमेर चन्द, दिल्ली वनस्पति सिंडीकेट, छघरा।
भडारी—ला० अमृतलाल, वकीलपुरा ।
कोठारी—ला० रघुबीर सिंह, धर्मपुरा ।

४८ जैन सेवा समिति (कूचा बुलाकी बेगम)—समिति के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते हैं तथा एक दूसरे के सुख दुख मे सम्मिलित होते हैं ।

प्रधान—ला० अजित प्रसाद, (मै० मनोहर लाल अजित प्रसाद) कपडे वाले।
उप-प्रधान—(१) श्री जैनी लाल, धर्मपुरा ।
(२) श्री विशम्भर सहाय सर्राफ, ७ दरियागज ।
मन्त्री—(१) श्री अजीत प्रसाद पीतल वाले, धर्मपुरा।
(२) श्री धन्नामल, कूचा बुलाकी बेगम ।
कोषाध्यक्ष—(१) श्री हुकुम चन्द्र सर्राफ, कूचा बुलाकी बेगम ।
(२) श्री नरेन्द्र कुमार सर्राफ, २५४० धर्मपुरा ।
भडारी—(१) श्री बसत लाल, कार्यालय सेवा समिति।
(२) श्री अमृत लाल वकीलपुरा ।

४९ दिगम्बर जैन महिला समाज (सतघरा धर्मपुरा)—समाज जैन महिलाओ मे जाग्रति उत्पन्न करने तथा उनको उन्नत बनाने मे प्रयत्नशील है। समाज सतघरे के दिगम्बर जैन मन्दिर की व्यवस्था करती है तथा प्रतिदिन शास्त्र सभा करती है। समाज एक महिला पाठशाला का सचालन भी कर रही है जिसमे धार्मिक शिक्षा तथा हिन्दी परीक्षाओ का प्रबन्ध है। समाज की ओर से वार्षिक भ० महावीर जयती महोत्सव तथा समय समय पर सार्वजनिक सभा आदि का आयोजन होता है।

अध्यक्षा—श्रीमती सुशीला सुलतान सिंह, कश्मीरी गेट ।
मत्राणी—श्रीमती सूरजदेवी, वकीलपुरा ।

आदर्श समाज—समाज के सदस्य समय समय पर एकत्रित होकर विचार विमर्श व मनोरजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते है ।

प्रधान—श्री नेम चन्द्र मित्तल, कूचा बुलाकी बेगम।
उप-प्रधान—श्री सुलतान सिंह, १६ दरियागज ।
मन्त्री—श्री सनत कुमार, कूचा सेठ।
कोषाध्यक्ष—श्री काशीराम, कूचा उस्ताद हीरा बाजार गुलियान।
सघपति—श्री शील चन्द्र, मित्र भवन ११ दरियागज।

५१. श्री जैन खत्तरगच्छीय सघ (जैन पौशाल, कटरा खुशाल राय)—यह स्थानीय श्वेताम्बर मूर्ति पूजक खत्तरगच्छीय जैनो की धार्मिक सस्था है। सघ वर्तमान मे छोटी दादा वाडी मसजिद मोठ की व्यवस्था कर रहा है।

प्रधान—ला० अमीर चन्द राक्याण, नौघरा, किनारी बाजार ।
उप-प्रधान—ला० छोगमल, चीराखाना, गली कायस्थान।
मन्त्री—श्री दौलत सिंह, १०३४ गली लाड़े वाली माली वाडा ।
उपमन्त्री—ला० मोती चन्द, गली किशनदत्त, माली वाडा ।
कोषाध्यक्ष—ला० इदर चन्द भसाली, कटरा रोशन-उद-दौला, किनारी बाजार ।

५२ श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर पूजा समिति (चीराखाना)—उपर्युक्त मन्दिर की व्यवस्था तथा अन्य धार्मिक समारोहो का आयोजन यही सस्था करती है।

प्रधान—श्री सिताब चन्द, चीराखाना ।
मन्त्री—श्री अक्षय कुमार, १८०३ चीराखाना ।
कोषाध्यक्ष—श्री मोती चन्द, गली किशनदत्त माली-वाडा ।

५३ जैन समाज दिल्ली—भगवान महावीर जयती के अवसर पर शहर मे प्रति वर्ष निकलने वाले जुलूस का आयोजन कई वर्षो से समाज द्वारा हो रहा है।

प्रधान—ला० नन्हेमल, २५ डिप्टीगज ।
उप-प्रधान—(१) ला० महताव सिंह, दरीबा कला ।
(२) ला० जवाहर लाल राक्याण, १४५ सुन्दर नगर।

प्रधानमन्त्री—श्री जसवत सिंह, २५ डी. कमला नगर।
मन्त्री—श्री नानक चन्द, डिप्टीगज।
कोषाध्यक्ष—श्री पूरनमल ज्वैलर, दरीबा कला।
जुलूस सचालक, (१) श्री आदीश्वर प्रसाद, १ डी. करौल बाग।
(२) श्री अरिदमन कुमार, ५१ डी. थाम्सन रोड।
(३) ला० श्रीपाल (बावा ग्लास क०)।
(४) श्री भगतराम, बहादुरगढ रोड।
(५) श्री ए० डी० रामलाल, सदर बाजार।

५४. श्री महावीर जैन सघ (सदर बाजार)—सघ की स्थापना सन १९५६ मे हुई। यह स्थानीय स्थानकवासी जैनों की, जिनमे कि अधिकाश पश्चिमी पजाब से आये हुऐ हैं, एक प्रमुख सामाजिक एव धार्मिक सस्था है। सघ की ओर से तीन धर्मार्थ औषधालयो (डिप्टीगज, सोहनगज व ईस्ट पार्क रोड) का सचालन हो रहा है।

प्रधान—श्री कुजलाल ओसवाल, ५८०६ सदर बाजार।
उप-प्रधान—श्री रामलाल (के० डी० रामलाल एण्ड क०) सदर बाजार।
मत्री—श्री कैलाश चन्द्र (स्टेट बैंक आफ इडिया)।
उप-मत्री—श्री तिलक चन्द (बसत प्लासटिक्स) बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड।
कोषाध्यक्ष—श्री लोक नाथ (जैन सोप मिल्स) लाहोरी गेट।
भण्डारी—श्री शादी लाल (जैन ट्रेडिंग क०) गली डाकखाना, सदर बाजार।

५५. जैन युवक परिषद (गली जैन मन्दिर, सब्जीमडी)—परिषद की स्थापना सन १९५१ मे हुई। यह सब्जी मडी क्षेत्र की सामाजिक सस्था है। इस वर्ष भ० महावीर जयती का आयोजन परिषद ने किया था।

सरक्षक—श्री जसवंत सिंह, २५ डी कमला नगर।
प्रधान—डा० विमल कुमार, ५-प्रेम भवन, पजाबी मोहल्ला, सब्जी मन्डी।
उप-प्रधान—श्री कश्मीरी लाल, ४० एफ कमलानगर।
मन्त्री—श्री श्रीपाल, ४१३७ गली जैन मन्दिर, सब्जी-मण्डी।
उप-मन्त्री—श्री आदीश्वर नाथ, ४१९५ आर्यपुरा, सब्जी मण्डी।
कोषाध्यक्ष—श्री शाति प्रसाद, आर्यपुरा सब्जी मण्डी।

५६ जैन युवक संघ (३५ डी कमला नगर, फोन २४५०९)—सघ कमला नगर क्षेत्र के युवको का सामाजिक व सास्कृतिक सगठन है। भ० महावीर जयती के अवसर पर शहर मे निकलने वाले वार्षिक जुलूस मे झाकियो आदि की व्यवस्था करने मे सघ महत्वपूर्ण भाग लेता है।

प्रधान—श्री नाथूराम, गली मटके वाली, सदर बाजार।
उप-प्रधान—श्री तेजाशाह (मै० तेजशाह एण्ड सन्स) सदर बाजार।
मन्त्री—श्री धनदेव, जैन श्रमनोपासक स्कूल, रुई की मडी, सदर बाजार।
कोषाध्यक्ष—श्री महावीर प्रसाद, गली मटके वाली, सदर बाजार।

५७ जैन सभा (४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी-मण्डी)—सब्जी मण्डी के जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है।

प्रबन्ध समिति
प्रधान—श्री जुगन्दर दास जैन ४२३२ गली जैन मदिर वाली, सब्जी मडी।
उप-प्रधान—श्री गजेन्द्र कुमार जैन, ४२२४ आर्यपुरा, सब्जी मडी।
" —डा० गोकुल चन्द, आर्यपुरा सब्जी मडी।
मन्त्री—श्री गजेन्द्र कुमार ४१३२, गली जैन मन्दिर वाली, सब्जी मडी।
सयुक्त मन्त्री—श्री नेमदास, ४१३७ आर्यपुरा, सब्जी मडी।
कोषाध्यक्ष—श्री धर्मदास, ४१०० आर्यपुरा, स० मडी।

५८ दिगम्बर जैन मदिर प्रबन्धक सोसायटी (मटोला पहाडगज)—सोसायटी स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर का प्रबन्ध करती है।

प्रधान—लाला पृथ्वी सिंह, मटोला।
उप-प्रधान—लाला निरन्जन दास, मटोला।
मन्त्री—लाला श्रीचन्द, मटोला।
स० मन्त्री—लाला शील चन्द्र, पहाडगज।
कोषाध्यक्ष—श्री अतर सेन, मटोला, पहाडगज।

५९ सोसायटी फार दी प्रोटेक्शन एण्ड मैनेजमेट आफ अग्रवाल जैन टैम्पिलस एण्ड धर्मशालाज (जयसिहपुरा, नई दिल्ली)—सोसायटी द्वारा श्री अग्रवाल दि० जैन मन्दिर, जयसिह पुरा तथा इससे सम्बन्धित जायदाद की व्यवस्था की जाती है।

सभापति—लाला शाम लाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड।

उप-सभापति—लाला लाल चन्द, ५७५६ देवनगर।

मन्त्री—लाला शील चन्द, ३३ फीरोजशाह रोड।

६० जैन यगमेन एसोसिएशन (नई दिल्ली)—एसोसिएशन की स्थापना सन १९३५ मे हुई। एसोसिएशन के सदस्य समय समय पर एकत्रित होकर विचार-विमर्श व खान-पान करते हैं।

प्रधान—श्री ज्योती प्रसाद, १०२-ए मोडल बस्ती।

उप-प्रधान—श्री मोहन लाल काला, ४९ काकानगर।

मन्त्री—श्री हस कुमार, २७ हैवलोक स्क्वेअर।

उपमन्त्री—श्री जुगमन्दर दास, ४६ सी, इर्विन रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री जय प्रकाश, २३ अहिल्यावाई रोड।

६१ जैन मिलन (नई दिल्ली)—मिलन की स्थापना विगत वर्ष सन १९६० मे हुई। मिलन के सदस्य लगभग प्रति मास कास्टीट्यूशन क्लब मे एकत्रित होकर खान-पान व विचार-विमर्श करते हैं।

सर्वश्री वी वी कपासी, वी-५, पडारा रोड व दौलत सिह, गली लाड़े वाली, मालीवाडा इसके सयोजक हैं।

६२ जैन फ्रेंडस (नई दिल्ली)—नई दिल्ली के जैनो की प्रगतिशील सस्था है। इसके सदस्य समय-समय पर एकत्रित होकर खान-पान तथा विचार-विमर्श करते हैं।

प्रधान—श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी देवनगर, करोल वाग।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री मित्रसेन, ६३-ई राजा वाजार।

६३ महावीर युवक मण्डल (श्री जैन मन्दिर छप्पर वाला कुआ, करोल वाग)—मण्डल की स्थापना सन १९५७ मे हुई। मण्डल युवको के चारित्रिक व बौद्धिक विकास के लिये प्रयत्नशील है।

मण्डल के द्वारा समय समय पर भजन, कीर्तन नृत्य तथा ड्रामे आदि का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्रीमती शकुंतला देवी, गुरुद्वारा रोड, करोल वाग।

उप-प्रधान—श्री सुमेरचन्द, १८५५, गली नाई वाली न० ४७, करोल वाग।

कार्याध्यक्ष—श्री महेन्द्र कुमार, नाई वाली गली न० १, करोल वाग।

मन्त्री—श्री कैलाश चन्द्र, गली अहीरन, पहाडी धीरज।

कोषाध्यक्ष—श्री बृजलाल, नाई वाली गली न० २१, करोल बाग़।

६४. श्री दि० जैन मन्दिर प्रवन्धकारिणी कमेटी (गाधी नगर)—कमेटी की स्थापना सन १९५८ मे हुई। यह स्थानीय दि० जैन मन्दिर की व्यवस्था करती है।

प्रधान—श्री लक्ष्मीचन्द्र, आ० मजिस्ट्रेट, शहादरा भवन, गली मन्दिर वाली, शहादरा।

उप-प्रधान—श्री मामचन्द्र सर्राफ गाधी नगर।

मन्त्री—(१) श्री हरिश्चन्द्र, गाधी नगर।
(२) डा० बी एस जैन, गाधी नगर।

उप-मन्त्री—श्री शाति प्रसाद, गाधी नगर।

कोषाध्यक्ष व मैनेजर—श्री प्रकाश चन्द, गाधी नगर।

भण्डारी—श्री धन कुमार, गाधी नगर।

६५. जैन युवक निर्माण समिति (१५०९ कूचा सेठ)—समिति दिल्ली शहर के जैन नवयुवको की सास्कृतिक सस्था है।

समिति के सदस्य धार्मिक उत्सवो पर सगीत आदि के कार्यक्रम तथा शिक्षाप्रद झाकिया प्रस्तुत करते हैं। इनका एक स्वयसेवक दल भी हैं।

प्रधान—श्री सुरेशचन्द्र २२११, कूचा आलम चन्द्र, किनारी वाजार।

उप-प्रधान—श्री सुरेशचन्द्र १३२३, गली गुलियान।

सचिव—श्री सुमत प्रसाद, १२६२, वैदवाडा।

उप-सचिव—श्री महेंद्र कुमार, २५६६ गली पीपल वाली।

कोषाध्यक्ष—ला० श्रीपाल, २५८४ गली पीपल वाली।

६६ **श्री ग्रन्थराज भूवलय प्रकाशन समिति** (जैन मित्र मण्डल कार्यालय, धर्मपुरा, दरीवा)—ग्रथराज श्री भूवलय को प्रकाशन करने के लिए सन १९५७ मे इस समिति की स्थापना की गई। आचार्य कुमुदेन्दु द्वारा रचित अकमय शास्त्र 'श्री भुवलव' के अनुवाद और प्रकाशन का कार्य इस समिति द्वारा किया जा रहा है। श्री भूवलय का अनुसधान तथा अनुवाद आजकल श्री १०८ आचार्य देशभूषण जी महाराज द्वारा हो रहा है। इस प्रकाशन समिति मे निम्नलिखित व्यक्ति हैं

सस्थापक—दिगम्वर जैनाचार्य श्री १०८ आचार्य देशभूषण जी महाराज।

सरक्षक—स्वार्थ सिद्धि सघ, वैंगलौर।

सभापति—श्री अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

उपसभापति—(१) श्री मनोहरलाल जौहरी।
(२) श्री मुन्शीलाल कागजी, चावडी वाजार।

मन्त्री—(१) श्री महताव सिंह जौहरी, दरीवा।
(२) श्री आदीश्वर प्रसाद, करोल वाग।
(३) श्री पन्नालाल (तेज अखवार)।

कोषाध्यक्ष—श्री नेमचन्द जौहरी।

प्रकाशन प्रवन्धक—(१) श्री मुनीन्द्र कुमार, डी २/६ माडल टाउन, माल रोड।
(२) ला० छुट्टन लाल कागजी, चावडी बाजार।
(३) श्री रघुवर दयाल, विजली वाले।

६७ **जैन सस्ती ग्रथ माला** (नया मन्दिर, धर्मपुरा)—इस सस्था की स्थापना सन १९५१ मे पूज्य १०५ क्षुल्लक श्री चिदानन्द जी महाराज ने "वीर सेवा मन्दिर सस्ती ग्रन्थ माला" के नाम से की। इस ग्रंथ माला की ओर से अव तक अनेक उपयोगी ग्रथ तथा पुस्तिकाएं प्रकाशित की जा चुकी हैं।

प्रधान—लाला हुकमचन्द, धर्मपुरा।

मन्त्री—मुन्शी सुमेर चन्द, गली पीपल वाली कूचा सेठ।

कोषाध्यक्ष—लाला जुगल किशोर कागजी, दुजाना हाउस, चावडी वाजार।

भण्डारी—लाला शीतल प्रसाद, गली पीपल वाली।

६८ **अहिंसा प्रचार शास्त्र सभा** (जैन अनाथाश्रम, दरियागज)—सभा जैन अनाथाश्रम मे स्थित मन्दिर मे नित्य शास्त्र सभा और अन्य अवसरो पर धार्मिक-प्रवचनो का आयोजन करती है। सभा के मत्री श्री देव कुमार, २१, दरियागज हैं।

६९ **अहिंसा एकेडमी,** (२१/१७ दरियागज)—एकेडमी की स्थापना श्री गोकुल प्रसाद जी डावर द्वारा सन १९५५ मे हुई। एकेडमी द्वारा जैन साहित्य और इतिहास के कई अनुसधानकर्ताओ को अपेक्षित सहायता प्रदान की गई है। इसके कार्य-सचालन मे पडित परमानन्द शास्त्री व पडित हीरालाल 'कौशल' आदि प्रमुख सहयोगी हैं।

७० **श्री जैन पार्श्व समिति** (जैन पौशाल, कटरा खुशालराय)—नवयुवको मे सगठन, सेवा व स्वाध्याय की भावना उन्नत करने के लिए यह सस्था प्रयत्न करती है। समिति द्वारा पचमी महोत्सव कार्तिक सुदी पचमी को प्रति वर्ष सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है।

प्रधान—श्री राजेन्द्र कुमार, माली वाडा।

मन्त्री—श्री चन्द्रेश कुमार, गली नौघरा, किनारी बाजार।

७१ **जैन स्पोर्टस क्लब,** (परेड ग्राउड)—यह क्लब श्री दिगम्बर जैन, लाल मन्दिर जी के सन्निकट है। इसकी स्थापना सन १९३२ मे हुई। यह दिल्ली के जैनो की एक मात्र स्पोर्टस (खेलो) की सस्था है। यह दिल्ली जिला क्रिकेट-एसोसियेशन से सम्बन्धित है तथा समय समय पर टूर्नामेंटस मे भी भाग लेता है।

क्लब की सदस्यता लगभग १४० व्यक्तियो की है, जिसमे इतर लोग भी हैं।

प्रधान—लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।

उप-प्रधान—डा० सी० आर० जैना, डेंटिस्ट, फुव्वारा, चादनी चौक।

महामन्त्री—लाला हरीचन्द्र (आइवरी पैलेस के ऊपर) १०७४, शीशमहल।

गेम्स-मन्त्री—श्री मदन मोहन लाल, कूचा सेठ।

स० मन्त्री—श्री प्रकाश चन्द्र, धर्मपुरा।

कोषाध्यक्ष - लाला इन्दर सेन, ५-ए दरियागज।

७२ जैन ड्रैमेटिक क्लब (पहाडी धीरज)—क्लब की स्थापना सन १९४३ मे हुई। क्लब के द्वारा दिल्ली नगर व निकटवर्त्ती क्षेत्रो मे सती मनोरमा, सती अजना, मेवाड गौरव, दानवीर भामाशाह, समाज की वेदी पर, बहूरानी आदि धार्मिक व सामाजिक नाटको का प्रदर्शन किया जाता रहा है। क्लब के पास अपनी नाटक सम्बन्धी सभी सामग्री मौजूद है।

प्रधान—लाला नन्हे मल, २५ डिप्टीगज।

उप-प्रधान—(१) लाला नेम चन्द (हिन्द ट्रेडिंग कम्पनी) गली बरना, सदर बाजार।

(२) श्री महावीर प्रसाद, गली मदिर वाली, पहाडी धीरज।

डायरेक्टर—(१) श्री दया दीपक प्रकाश, २७-ए मोडल बस्ती।

(२) श्री फूल चन्द्र आजाद, डिप्टीगज।

मत्री—श्री विशेशर नाथ, गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज।

उप-मत्री—डा० फूल चन्द्र, पहाडी धीरज।

स्टेज इचार्ज—श्री अजीत प्रसाद, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज।

कोषाध्यक्ष—प्रो० बलवन्त सिंह, डिप्टीगज।

७३ जैन मन्दिर सभा, दिल्ली कैंट (छावनी)—सभा की स्थापना सन १९५७ मे हुई।

सभा दिल्ली छावनी क्षेत्र के जैनो की धार्मिक सस्था है। इसके द्वारा पर्यूषण पर्व मे अस्थायी चैत्यालय की व्यवस्था होती है।

सभा इस क्षेत्र मे स्थायी जैन मन्दिर के निर्माण के लिये प्रयत्नशील है।

प्रधान—ला० वजीरा लाल ठेकेदार, सदर बाजार दिल्ली कैंट।

उप प्रधान—श्री चम्पालाल ठेकेदार, मोरम नगर दिल्ली कैंट।

जनरल सेक्रेट्री—श्री दयाराम, सदर बाजार, दिल्ली कैंट।

कोषाध्यक्ष—श्री हरीचन्द्र, सदर बाजार, दिल्ली कैंट ।

७४ अखिल विश्व जैन मिशन दिल्ली शाखा (१३१४ गली गुलियान, दरीबा)—अखिल विश्व जैन मिशन की स्थापना बाबू कामता प्रसाद, अलीगज, एटा, बाबू अजित प्रसाद एडवोकेट, लखनऊ, व प० सुमेर चन्द 'शास्त्री', दिल्ली आदि के सदप्रयत्नो से हुई । इसका प्रथम अधिवेशन पूज्य १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी के तत्वाधान मे महावीर नगर, डिप्टीगज, दिल्ली मे हुआ । दिल्ली शाखा के द्वारा समय समय पर विदेशी विद्वानो को जैन साहित्य आदि भिजवाने का कार्य किया जाता है ।

इसके सयोजक प० सुमेर चन्द 'शास्त्री', १६१४ गली गुलियान है ।

७५. जैन पुरातत्व समिति—पजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट-समिति की स्थापना दिल्ली मे अक्तूबर सन १९५९ मे जैन कन्वैंशन के फलस्वरूप हुई । समिति ने मध्य प्रदेश मे स्थित सभी प्राचीन जैन तीर्थ स्थानो की सुरक्षा तथा जीर्णोद्धार का भार लिया है । समिति के कार्य सचालन के लिये साहू शाती प्रसाद जी ने २॥ लाख रुपये की राशि प्रदान की है ।

प्रधान—सेठ भाग चन्द्र सोनी, अजमेर

उप प्रधान—(१) साहू शाती प्रसाद, ११ क्लाइव रो कलकत्ता ६, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली ।

(२) ला० राजेन्द्र कुमार' ११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ।

मत्री—डा० एस सी किशोर, ५४१ एस्प्लेनेड रोड, दिल्ली ।

नाट्य भारती (हिन्दी-सस्कृत के रगमच की विकासोन्मुखी सस्था)—इस सस्था की स्थापना १५ जुलाई १९६१ को हुई । सस्था की ओर से हिन्दी-सस्कृत के रगमच के विकास के लिए सुसगठित प्रयत्न आरम्भ किया गया है ।

वर्तमान मे इसके निम्नलिखित डायरेक्टर्स है ।

(१) श्री मुनीन्द्र कुमार डी २/६ माडल टाउन, मालरोड दिल्ली-९

(२) श्री नरेन्द्र पाल नरेश, ६६५/११७ शाति भवन, कैलाश नगर, दिल्ली-३१

(३) श्री सुखमाल चन्द, ११ दरियागज, दिल्ली-६.

(४) श्री चेतन स्वरूप, 'सुमन', २१ मुदगल भवन, दरियागज, दिल्ली-६.

७७ वेजीटेरियन क्लब (११६ सुन्दर नगर, फोन-७५२०३)—क्लब की स्थापना सन १९५८ मे हुई। क्लब द्वारा शाकाहार के प्रचार के लिये समय समय पर जन-सभाओ का आयोजन किया जाता है जिनमे देश विदेश के सम्माननीय शाकाहारियो के भाषण कराये जाते हैं।

क्लब के सदस्य परस्पर प्रति मास 'सोशल गेदरिंग' अथवा 'पिकनिक' के रूप मे मिलते है तथा शाकाहार के प्रचार के लिये परस्पर विचार-विमर्श करते हैं।

प्रधान—श्री वी एच डालमिया, ४ सिंदिया हाउस।

उप-प्रधान—श्री ब्रज मोहन रायजादा

डिलाइट सिनेमा, आसफअली रोड।

मत्री—श्री निहाल चन्द्र रावयाण

५८ जनपथ।

उप-मत्राणी— श्रीमती प्रीति जिंदल

११६ सुन्दर नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री एन डी कपूर

२ ए शकर मार्केट।

७८. अहिंसक पार्टी (१/६ जिंदल हाउस, आसफअली रोड, फोन २२६४०५)—पार्टी की स्थापना सन १९५७ मे हुई।पार्टी अहिंसा प्रचार मे प्रयत्नशील है। विगत वर्षो मे पार्टी द्वारा खाद्य सामग्री, औषधि-निर्माण तथा मनोरजन के लिये किये जाने वाले पशु तथा पक्षीवध का भी विरोध किया गया है।

श्री अमृत लाल जिंदल, ११५ सुन्दर नगर, पार्टी के कन्वीनर तथा मत्री है।

७९ इण्डियन वेजीटेरियन काग्रेस (१/६ जिंदल हाउस, आसफ अली रोड, फोन-२२६४०५)-काग्रेस शाकाहार प्रचार के लिए प्रयत्नशील है।

प्रधान—सरदार मोहन सिह, ६ फ्रैंच कालोनी।

उप प्रधान—श्री आनन्द राज सुराना

१३६० चादनी चौक।

मत्री—श्री अमृत लाल जिंदल

११६ सुन्दर नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री हसराज गुप्ता

२० बाराखम्बा रोड।

८०. दिल्ली जैन हू-इज-हू कम्पाइलेशन समिति (डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड, दिल्ली ६)--समिति दिल्ली के दिवगत और वर्तमान प्रमुख जैनो के जीवन वृत्त (Life Sketches) के सकलन व प्रकाशन के लिये प्रयत्नशील है।

संपादक मंडल

चेअरमेन—ला० डिप्टीमल जैन

१४५८ चादनी चौक।

सदस्यगण—(१) श्री पन्ना लाल

चर्खेवालान, गली कन्हैया लाल अत्तार।

(२) श्री माई दयाल

४५६६ डिप्टीगज।

(३) श्री आदीश्वर प्रसाद

१-डी करोल बाग।

(४) श्री मुनीन्द्र कुमार

डी २/६ माडल टाउन, माल रोड।

(५) श्री चकेश कुमार

२८ सी बेअर्ड रोड।

८१ श्री दिगम्बर जैन रथयात्रा प्रबंधक कमेटी (गदा नाला, मोरी गेट)—कमेटी द्वारा दिगम्बर जैन मन्दिर गदा नाला, मोरी गेट मे सम्बन्धित वार्षिक रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्री अमर सिह, मोरी गेट।

उप प्रधान—ला० पारसदास मोटर वाले

डा० मुकर्जी मार्ग।

मत्री—श्री केशोदास

मोरी गेट।

कोषाध्यक्ष—श्री महताब सिंह

औषधालय व चिकित्सालय

(पृष्ठ ४५ से आगे पढिये)

१२. श्री महावीर जैन परमार्थिक औषधालय (४ टोडरमल रोड, फोन-४०६५६—औषधालय की स्थापना लाला शामलाल जी ठेकेदार द्वारा सन १६५३ मे हुई। इस मे आयुर्वेदिक चिकित्सा नि शुल्क दी जाती है। लगभग ३० व्यक्ति प्रतिदिन लाभ उठाते हैं।

औषधालय सस्थापक के अपने निजी भवन मे स्थित है और वे स्वय इसकी व्यवस्था करते हैं।

१३ महावीर जैन औषधालय (माली वाडा, फोन-२२०६०७)—औषधालय की स्थापना सन १६३६ मे यती रामपाल जी तथा अन्य महानुभावो के सद्प्रयत्नो द्वारा हुई। औषधालय मे आयुर्वेदिक, एलोपैथिक, सर्जरी, होम्योपैथिक, दन्त-चिकित्सा, नेत्र-चिकित्सा आदि सभी प्रकार की चिकित्सा की नि शुल्क व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त बीमार पीडित पक्षियों को सहायता पहुचाने का भी प्रबन्ध है। बच्चो को दुग्ध-वितरण भी होता है। औषधालय की ओर से फर्स्ट-एड कोर्स की कक्षायें भी लगायी जाती हैं। औषधालय से लगभग एक लाख रोगी प्रति वर्ष लाभ उठाते है। यहा से शादी, विवाह आदि सामाजिक अवसरो के लिए नि शुल्क क्राकरी भी उपलब्ध की जाती है।

प्रधान—लाला अमीरचन्द रावयाण, नौघरा, किनारी बाजार।

उप-प्रधान— श्री सिताब चन्द जौहरी, चीराखाना। श्री मुर्लीधर सिंहानिया, (तुलसीराम जग्गीमल) क्लाथ मार्केट, चादनी चौक।

मत्री—श्री दौलत सिंह, गली लाडे वाली, माली वाडा।

१४ जैन औषधालय (जगपुरा, भोगल)—औषधालय मे नि शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा है। लगभग २०० रोगी प्रतिदिन लाभ उठाते है। चिकित्सक श्री राजेन्द्र कुमार जैन वैद्य, गुरुद्वारा के पास, जगपुरा, नई दिल्ली है। यहा के व्यय की पूर्ति मुख्यतया एक ट्रस्ट द्वारा होती है, शेष व्यवस्था आदि स्थानीय जैन सभा करती है।

१५ परिन्दों का हस्पताल (श्री दि० जैन लाल मदिर)—हस्पताल की स्थापना सन १६०३ मे स्थानीय दि० जैन समाज द्वारा हुई।

यह हस्पताल पक्षियो की विधिवत् चिकित्सा के लिए अपनी तरह की एशिया मे ही नही वरन् सभवत विश्व मे एक ही सस्था है। यहा प्रति वर्ष लगभग ८,००० या ९,००० पक्षी चिकित्सा के लिए प्रवेश होते हैं जिनमे ९० प्रतिशत स्वस्थ होकर उडा दिये जाते हैं, इस प्रकार पिछले १० वर्षों मे लगभग ८०,००० पक्षियो की प्राण रक्षा हुई है।

जैन पत्र व पत्रिकाएं

धार्मिक पत्र व पत्रिकाएं

१. जैन गजट—साप्ताहिक

यह भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा का मुख पत्र है। एक प्रति का मूल्य चार आना व वार्षिक शुल्क छ. रुपया है।

सम्पादक—प० अजित कुमार शास्त्री, अभय प्रेस, किदार हाता, पहाडी धीरज।

मुद्रक व प्रकाशक }—श्री देवकुमार जैन, १६६६ मारवाडी कटरा, नई सडक।

२. जैन प्रकाश—साप्ताहिक

यह अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस का मुख पत्र है। इसका वार्षिक मूल्य सात रुपया है।

सम्पादक—श्री शान्ति लाल वनमाली सेठ।

मुद्रक व प्रकाशक }—श्री आनन्द राज सुराना, ६२ लेडी हार्डिग रोड।

३. वीर—पाक्षिक

यह अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद का मुखपत्र है। एक प्रति का मूल्य १४ नये पैसे व वार्षिक शुल्क चार रुपया है।

सम्पादक—(१) प० वनवारी लाल स्याद्वादी।
(२) प० परमेष्ठीदास।
(३) प० शील चन्द।

मुद्रक व प्रकाशक }—डा० एस० सी किशोर, 'वीर' कार्यालय, दरीवा कलां।

४ अणुव्रत—पाक्षिक

यह अखिल भारतीम अणुव्रत समिति का मुखपत्र है। एक प्रति का मूल्य चार आना व वार्पिक शुल्क छ रुपया है।

सम्पादक—श्री मुद्रा राक्षस, १५३२ चन्द्रावल रोड, सब्जी मडी।

५. वी० जे० आई० समाचार—पाक्षिक

यह जैन सूचना ब्यूरो, ५८७ सदर बाजार, दिल्ली का मुखपत्र है जो अग्रेज़ी और हिन्दी दोनो भाषाओ मे एक साथ छपता है। एक प्रति का मूल्य पाच नया पैसा व वार्षिक शुल्क एक रुपया है।

सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार, डी २/६ माडल टाउन, माल रोड।

मुद्रक व प्रकाशक }—श्री अतर चन्द, ५८७ सदर बाजार।

६. शान्ति सन्देश—पाक्षिक

इस पत्र का एक प्रति का मूल्य चार आना व वार्षिक शुल्क पांच रुपया है।

सम्पादक—श्री आनन्द दास वैद्य।

सहायक—(१) राजकुमार।
(२) पं० खच्चूराम जी शास्त्री।

मुद्रक व प्रकाशक }—वैद्य आनन्द दास, धर्मपुरा।

७. सन्मति संदेश—मासिक

इस पत्र की स्थापना श्री सहजानन्द जी वर्णी ने की। पत्र का वार्षिक मूल्य पांच रुपया है।

सम्पादक व प्रकाशक }—श्री प्रकाश 'हितैपी' शास्त्री, ५३२ गांधी नगर।

८. अमर साहित्य—मासिक

इस पत्र की स्थापना १०८ दिगम्बर जैनाचार्य श्री देशभूषण जी महाराज ने की। एक प्रति का मूल्य आठ आना व वार्पिक शुल्क साढे छ रुपया है।

सम्पादक मडल

अवैतनिक प्रधान सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार डी २/६ माडल टाउन, माल रोड।

सह सम्पादक—कविमन, 'नरेश', कैलाश नगर।

उप सम्पादक—श्री चन्द।

प्रचार अधिकारी—श्री रघुवर दयाल।

चित्र और कला—राजन आर्टस, सदर बाजार।

मुद्रक व प्रकाशक —श्री छुट्टनलाल कागजी, श्री देशभूषण मुद्रणालय, एसप्लेनेड रोड।

९ अनेकान्त—मासिक

वीर सेवा मदिर, दरियागज, दिल्ली का मुखपत्र। एक प्रति का मूल्य आठ आना व वार्षिक शुल्क छ रुपया है।

सम्पादक—बा० जुगल किशोर मुख्तार।

मुद्रक व प्रकाशक —प० परमानन्द शास्त्री, १ दरियागज, दिल्ली।

१० जैन गजट (अग्रेजी)—मासिक

भगवान महावीर के विश्व धर्म का प्रचारक पत्र। इसका वार्षिक शुल्क छ रुपया है।

प्रधान सम्पादक—श्री फूल चन्द्र 'अनेकाती'।

अवैतनिक सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार।

सह-सम्पादक—श्री सुकुमाल चद।

मुद्रक व प्रकाशक —श्री फूलचन्द्र 'अनेकाती', १७०५ मोहन भवन, चादनी चौक।

११ ज्ञान—मासिक

यह श्री १००८ जम्बू कुमार सघ का मुखपत्र है। एक प्रति का मूल्य बीस नये पैसे व वार्षिक मूल्य दो रुपया है।

अवैतनिक सम्पादक—श्री अविनाश चन्द्र।

मुद्रक व प्रकाशक —श्री मामन सिंह 'प्रेमी', ३५ डिप्टी गज।

१२. जैन प्रचारक—मासिक

यह अखिल भारतवर्षीय अनाथ रक्षक जैन सोसायटी, दरियागज का मुखपत्र है।

सम्पादक—(१) श्री लालबहादुर शास्त्री।
(२) श्री चन्द्र मौलि शास्त्री।

मुद्रक व प्रकाशक —श्री रघुवीर सिह, कोठी वाले ।

१३ ज्ञान ज्योति सरकुलर—मासिक

यह जैन विद्यार्थी मडल, दिल्ली का मुखपत्र है। इसका वार्षिक सदस्यता शुल्क दो रुपये है।

सम्पादक व प्रकाशक —डाक्टर हरनायण दास जैन भवन, न० २४ दरियागज ।

विविध विषयक पत्र व पत्रिकाए

१४ नवभारत टाइम्ज— दैनिक

१० दरियागज, दिल्ली-७

सम्पादक—श्री अक्षय कुमार

१५. सेवाग्राम – साप्ताहिक

१-दरियागज, दिल्ली-७

सम्पादक—श्री ज्ञानेन्द्र प्रसाद ।

१६ करेंट इण्डियन इनकमटैक्स—मासिक

२६४६ बल्लीमारान, दिल्ली

सम्पादक—श्री कुलवन्त राय

१७ लव—मासिक

२६५३ रोशन पुरा, नई सडक, दिल्ली ।

सम्पादक—श्री एस० पी० जैन

१८ रूप वानी—मासिक

३०६ दरीबा कला, दिल्ली

सम्पादक—श्री अजीत प्रसाद

१९ सेल्स मैन—मासिक

२३-डी कमला नगर, दिल्ली

सम्पादक—श्री जी० सी० जैन

२० वेजीटेरियन इण्डिया—मासिक

जिदल भवन, १/६ बी आसफ अली रोड, नई दिल्ली

सम्पादक—श्री अमृत लाल जिदल

२१ वर्ल्ड इन्फार्मो—मासिक

८७७ जोशी पथ, नई दिल्ली-५

सम्पादक—श्री जिया लाल

२२ वर्धमान—मासिक

२३५५ तेली वाडा, दिल्ली

सम्पादक—श्री दीप चन्द

२३ शोला-ओ-शबनम—उर्दू मासिक

दरीबा कला, दिल्ली-६

सम्पादक—श्री विमल प्रसाद

२४ गुलजार जैन गजट—उर्दू-हिन्दी मासिक

८६ दरीबा नुक्कड, चादनी चौक

सम्पादक—श्री मगल देव शास्त्री

२५ अहिंसा पथ—त्रैमासिक

१२-लेडी हार्डिग रोड, नई दिल्ली

सम्पादक—श्री शान्तिलाल वी सेठ

भारतीय संसद व केन्द्रीय सरकार

भारतीय संसद

मनुभाई शाह, उद्योग मंत्री
१२, तुगलक रोड ३३६०३
कार्यालय-१५८, उद्योग भवन ३२०६२

ससद सदस्य - राज्य सभा

राजपत सिंह दूगड
१६२-डी-साउथ एवेन्यू ३३७१२
रतनलाल किशोरीलाल मालवीया
१२६-साउथ एवेन्यू ३१६६१

ससद सदस्य - लोक सभा

सेठ अचल सिंह
८७, नार्थ एवेन्यू ३३०५३
अजित प्रसाद
५, रफी मार्ग ४०८१२
मूल चद्र
१५४, नार्थ एवेन्यू ३४३२६
एम० के० जिनचद्रन
२१३, नार्थ एवेन्यू ३४६७८
नेमी चद्र कासलीवाल
६८, नार्थ एवेन्यू ३३२३१
भवानजी ए० खीमजी
३, फिरोजशाह मार्ग ४७३७३
कृष्ण चन्द्र
२४, डा० राजेन्द्र प्रसाद मार्ग ४४४०८
वलवतराय गोपालजी मेहता
५, कर्जन लेन ४३७८३
जसवतराय मेहता
१३, जनपथ ४८५६०
सुमत प्रसाद
४५, साउथ एवेन्यू ३४६१६

राज्य सभा सचिवालय

महेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३२१३४
३३-ई वेअर्ड रोड
कश्मीरी लाल, सेक्शन आफीसर ३१३८१
४०-एफ, कमला नगर
सुमत प्रसाद ३२३४८
ए-३०१, मोती बाग
श्रीपाल ३६६८१
१६८-डी, कमला नगर
प्रेम सागर ३६६८१
४३५७, गली भैरो वाली, नई सडक
इक्षा पूरण ३१३६८
जी-२३८, नेताजी नगर

लोक सभा सचिवालय

विनय कुमार ३१२४७
बी-१६७, नेताजी नगर
चक्रेश कुमार ३१८६७
३८ सी-वेअर्ड रोड
रूप चन्द्र ३१८७३
१७८०, चीराखाना, चादनी चौक
मानिक चन्द्र ३२५२८
१३११, वैद वाडा
नरेन्द्र प्रसाद ३४३८५
७, त्रिलोक भवन, दरियागज

इन्दर सेन ३१६६२
१५०७, कूचा सेठ

वसी लाल ४०५६०
४३, मिंटो रोड

ज्योती प्रसाद ३२२५१
२६-सी, रामनगर

अजित प्रसाद ३६६६६
१२८६ गली नाई वाला नं० ८, करोलवाग

जवाहर लाल ३१६६२
२५०३, धर्मपुरा

भगवान दास ३३३०६
२५२६, धर्मपुरा

प्रकाश चन्द्र ३३०३६
. वी-१३/६८ देव नगर

ओम प्रकाश ३३०६०
५७ मीर दर्द मार्ग

जितेन्द्र कुमार ११८६७
४०५, गली राजनकला, काश्मीरी गेट

महाराज सिंह ३२५२८
. २०७१, नाई वाली गली ३८, करोलवाग

चन्द्र भान ३१३३६
गली मंदिर वाली, शांति नगर

प्रेजीडेंट्स प्रेस, राष्ट्रपति भवन

इन्द्र सेन,
३६ हेस्टिंग्स स्क्वेअर

प्राइम मिनिस्टर्स सेक्रेटेरियट

प्यारे लाल ३२२६७
२५०३, धर्मपुरा

केन्द्रीय सचिवालय (डिपार्टमेंट आफ एटोमिक एनर्जी)

सुभाष चन्द्र ३१७७३
वाई ३२० सरोजिनी नगर

उद्योग व व्यापार मंत्रालय
(कामर्स एण्ड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री)

मनुभाई शाह, उद्योग मंत्री
१२, तुगलक रोड ३३६०३
सार्वजनिक-१५८, उद्योग भवन ३२०६२

कम्पनी ला एडमिनिस्ट्रेशन (रिजर्व बैंक बिल्डिंग)

सज्जन मल दूगड, अकाउन्ट्स आफीसर ३६६१६
२४ भरतराम रोड, दरयागंज २६६८०

ओम प्रकाश,
४०-ए/१, यू० ए० ब्लाक, जवाहर नगर

चीफ कंट्रोलर, इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स, उद्योग भवन

सुशील कुमार,
१०३४-गली हीरानंद, मालीवाड़ा

जगदीश प्रसाद
सी-३१६, सरोजिनी नगर

आशाराम
२७१०-चौक रायजी

वीरसेन
वाई-३२०, सरोजिनी नगर

मदन लाल
सी-४१८, सरोजिनी नगर

डि० चीफ कंट्रोलर, इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स
जनपथ बैरेक्स

कैलाश चन्द्र ४३३४०
ए-११, नेताजी नगर (ई टाइप)

जुगेन्द्र कुमार ४३३३६
डी-७ प्रेम लेन

स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन आफ इण्डिया लि०, मथुरा रोड

मोहनलाल काला, ज्वा० फा० एडवाइजर ४३६७६
४६ (डी II), काका नगर ३६५६५

नेम चन्द, डिप्टी डिवी मैनेजर ४०८६३
५६/१४ वे एक्स० एरिया रोहतक रोड

संतोष कुमार ४६४५४
फैज बाजार (प० नं० बैंक के ऊपर) ३५०६१

जी सी जैन ८६४५४
२६३-ई देवनगर

ए सी जैन १२०२३/१४
११-दरियागंज

पी सी जैन ८३६३२
२५६६, अजमेरी गेट, बाड़ा

सुरेश चन्द ४२६३१
४६ किशन नगर, युसुफ सराय
एस पी जैन ४२६३१
१४/७-रेलवे कालोनी, सेवानगर

डेवलपमेंट विंग, उद्योग भवन

सी जे शाह, डेवलपमेंट आफीसर ३२८६५
७३, पडारा रोड ४५२११
जुगमदरदास ३४३५१/३६
१०१६/१६, लोदी कालोनी
चेतनलाल
जी-१४४, नौरोजी नगर
आर एल जैन
बी-७०, नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव
मोती लाल
१२/१५८, देवनगर

इकोनोमिक एडवाइजर, भारत सरकार

पी सी जैन ३३२८३
३८४-ई-देवनगर
जे एस जैन ३३२८३
३४-गौतम नगर
बी के जैन ३३२८३
३७-एफ, कमला नगर

इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउनटैंट्स

मनोहर लाल ४५६६१

आल इडिया हैंडीक्राफ्टस बोर्ड, ताज वं रेक्स, जनपथ

लक्ष्मी चन्द्र, मेम्बर सेक्रेटरी ४४६०८
४३ गोल्फ लिंक ७५१७६

सामुदायिक विकास और सहकार मंत्रालय (कम्यूनिटी डेवलपमेंट एण्ड कोआपरेशन मिनिस्ट्री)

डिपार्टमेंट आफ कम्यूनिटी डेवलपमेंट

ए सा जैन
१३ मिलि० कैम्प
एस. के. जैन
२१ बी/१ रोहतक रोड
एस आर जैन
२६४५, रोशन वाडा, नई सडक
एल. सी जैन
२६५१ गली अनार
ए. सी. जैन
८८ ए, कमला नगर

डिपार्टमेंट आफ कोआपरेशन

महेन्द्र सेन, पार्लीयामेंट असिस्टेंट ३५१२८
३० थामसन रोड ४४६१२

प्रतिरक्षा मंत्रालय (डिफेंस मिनिस्ट्री)

साउथ ब्लाक

कपूर चन्द, डिप्टी सेक्रेट्री ३२४२५
३, एलनवी रोड ४०६६२
सतीश चन्द, टेक आफीसर ३२३३८
ए-१२८ पडारा रोड
पदम कुमार, सेक्शन आफीसर ३१४१०
एम-२१५ विनयनगर
काशी प्रसाद, रिसर्च आफीसर ३२४२८
२८, पटौदी हाउस, केनिंग लेन
कुलवंतराय गोयल, स्टाफ आफीसर ३२४०८
२ पार्क लेन
सुखेन्द्र लाल, सुपरिटेंडेंट ३३००७
बी-१८/३५० लोदी कालोनी
कुल भूषण ३६६२७
एच ५०६, सरोजनी नगर
प्रभुदयाल गुप्ता, स्टाफ आफीसर ३१३४४
३४ सी इरविन रोड
जैन प्रकाश ३३५३६
३४ सी इरविन रोड
आर सी जैन, सेक्शन आफीसर ३२६३८
३०-ई, करोल बाग़
अजित प्रसाद ३२१६३
चिराग़ दिल्ली
कालीराम ३२५८[illegible]
एफ-२८१, लक्ष्मीबाई नगर

कैलाश चन्द
३७३४, गली मामन जमादार, पहाडी धीरज

आदीश्वर नाथ ३१६०५
४१६५ आर्यपुरा, सब्जीमडी

सतलाल, आफीसर सुपरवाइजर ३२२६३
३६ थामसन रोड

जगदीश चन्द ३१८६३/३१६३६
७६/७ दरियागज

महावीर प्रसाद, स्टाफ केप्टन ३२५६६
३०/५३ वे. एक्स एरिया रामजस रोड ५५४८२

महेश चन्द, मेजर ३२४८८
बी २/किंग एडवर्ड रोड होस्टल

यशवीर प्रसाद, सुप० ३५६२०
७ दरियागज

आनन्द सिंह, सुप० ३५०२०
४ डिप्टी गज, सदर वाजार

नवल सिह ३३५२५
२१-गली नाई वाला, करोल वाग

पदम प्रसाद ३३५२५
कटरा लक्षीराम दलाल, नई सडक

अजीत प्रसाद ३१२६५
बी ६२ लक्ष्मीवाई नगर

के पी जैन
६०६ केदार विल्डिग, सब्जीमडी ३२२६३

दीप चन्द
सी ५५ (ई टाइप) मोती वाग-१

एस. एल जैन

वेनी प्रसाद गोपाल
एफ १२० नौरोजी नगर

ईश्वर दयाल, स्टाफ आफीसर ३२४७२
५/५५ डब्लू ई. ए करोलवाग

उग्रसेन, स्टाफ आफीसर ३०१३१/३१
१० ए/२३ शक्ति नगर

द्रुम कुमार, स्टाफ आफीसर ३१२५५
२३ हेवलाक स्क्वेयर

रमेश चन्द
बी ४६ (ई टाइप) लक्ष्मीवाई नगर

जे पी. जैन
सदर वाजार, मेरठ कैंट

अनूप सिंह
डी २२० मोती वाग

एन एन जैन

सुखनन्द कुमार, सुप० ३४१८३
वी. १०/१६७ लोदी कालोनी

अरहदास ३४०५६

मिश्रीलाल
वी१०/१७१, लोदी कालोनी

रविचन्द कुमार
२१२ ई. करोल वाग

करोडी मल
देव नगर

माम चन्द
१४ एम एम रोड

शीतल प्रसाद
७१० कवूल नगर, शहादरा

विमल प्रसाद ३२३६६
एच ४३६ सरोजिनी नगर

रेशम सिंह ३२३६६
४५८३, वाडा हिन्दूराव २३२१६

जवाहर लाल
सी १६० (ई टाइप) मोती वाग

जयन्ती प्रसाद
४४८५ गली राजा पाटनीमल, पहाडी धीरज

रामनिवास
४१०६ गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज

वीरेन्द्र कुमार
२५०० छत्ता प्रतापसिंह, किनारी वाजार

ए पी. जैन
जी-१६१ माडल विनय नगर

जे. के जैन
६०, मोनिया गान

शिक्षा मंत्रालय (एजूकेशन मिनिस्ट्री)

अभिमन्यु कुमार, अ डर सेक्रेट्री ३२४४३
४-सी, तालकटोरा लेन म० ३३४७१

शीतल प्रसाद, अडर सेक्रेट्री ३४६६०
२२-डी. करोल बाग़

महेन्द्र प्रसाद, अ० एजू० आफीसर ३६४१५
२०४, काका नगर

ज्ञान चन्द, अ० डायरेक्टर

राजमल, अ० एजू आफीसर
एक्स-२५४ सरोजिनी नगर

विशम्भर दयाल, से० आफीसर ३३६७१
वी. २२४, नेताजी नगर

राजाराम, से० आफीसर
३८ सी वेअर्ड रोड

पी के जैन

श्रीमती एस के जैन
४८ नाई वाली गली करोलबाग ५५४१६

विजय कुमार ३१६७६
सी ५४०, सरोजिनी नगर

कपूर चन्द
१८/एफ, अतुलग्रोव

महेन्द्र कुमार, लायब्रेरियन (हिं० ला०)
डी १५५, सरोजिनी नगर

इ दर सेन
बीडी ८११, सरोजिनी नगर

मेहर चन्द ३३६७१/२७
३३८ थानसिंह नगर, आनन्द पर्वत

नरेन्द्र कुमार ३३६७१/२१
जी १४०, सरोजिनी नगर

मूल चन्द ३२८०५
एफ १२६ (जी टाइप) लक्ष्मीवाई नगर

पद्मसेन ३३६७१/२१
३६८१, गली जमादार, पहाडी धीरज

वलवीर सिंह ३३६७१/२६
२६९६. गली चक्की वाली मोरी गेट

रोशन लाल ३३६७१/५४
१३३/५-रेलवे क्वा०

नेम चन्द ३६६७१/५७
ए ५६, लक्ष्मीवाई नगर

भोपालदास ३३६७१/५२
४२०-२१, कूचा बुलाकी वेगम

श्रीमती सन्तोष

निर्मल कुमार

डाल चन्द

यूनीवर्सिटी ग्राट्स कमीशन

डा० डी एस कोठारी, चेअरमेन ३२७६८
५ यूनीवर्सिटी रोड २४३३३

तारा चद
एफ-३५० (जी०) लक्ष्मीबाई नगर

परराष्ट्र मंत्रालय
(एक्सटर्नल एफैअर्स मिनिस्ट्री)

एन० पी० जैन, अडर सेक्रेट्री
डी I/२० चाण्क्यपुरी

सुमेर चन्द
जी-१२२, सरोजिनी नगर

ब्रजेन्द्र कुमार
एम पी टी ४८९ सरोजिनी नगर

कीर्ति चन्द
आई-२०० मेडीकल एन्क्लेव

सुरेन्द्र नाथ
आर डी जैन

अर्थ मंत्रालय (फाइनेंस मिनिस्ट्री)

डिपार्टमेंट आफ एक्सपेंडीचर

वलायती राम, मैनेजर-कोआपरेटिव स्टोर्स ३५७२७
४५०-ई, करोलवाग,

वलवीर चद ३६१६३
३६ वार्ड०, चित्रगुप्त रोड

ज्ञान चद ३१४८३
पालम

प्रेमचन्द
एफ-५३ नौरोजी नगर

डिपार्टमेंट ग्राफ इकोनोमिक एफेअर्स

वाई टी शाह, डिप्टी सेक्रेटरी ३५०९३—४२६९३
कोमल चन्द सोंधिया, अडर सेक्रेट्री ३२८३६
वी-३१, पडारा रोड
वी-डी-जैन, सेक्शन ग्राफीसर
वकील चन्द ३५७४१
५३-ई, राजा बाजार
जे० एल० जैन ३२९१६
८-डिप्टीगज
सत्य प्रकाश ३५७४१
डी-२१७, मोती बाग
दीप चन्द ३२७०९
ए-२८३, किदवई नगर
विमल कुमार ३४६४५
४६-सी, इर्विन रोड, ४७६१०
सागर चन्द ३१५७३
पो० ग्रा० बहादुर गढ (रोहतक)

डिपार्टमेंट ग्राफ रेवेन्यू

एच०ए० शाह, डिप्टी सेक्रेट्री
नेमी चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ४०७०५
३६-मोडल बस्ती
बद्री दास, सेक्शन ग्राफीसर ४०९२०
जी-१२२, सरोजिनी नगर
लक्ष्मी चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ४१६८७
३२-एक्स, चित्रगुप्त रोड
नेम चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ४२५४८
७४-फौच स्क्वेअर
एम० एन० जैन
६०-ग्राराम बाग प्लेस
दीवान चन्द ४०९५७
४५८२-जगन्नाथ भवन, डिप्टी गज
ज्ञान चन्द
७२-सनेही दास बिल्डिंग, गांधीनगर ३१४५६
पदम सिंह ३२९८०
४१२०-सामपुरा, सब्जीमंडी

ज्ञान चन्द
श्रीपाल ४२५४८
२५८४, गली पीपल वाली, धर्मपुरा
श्रीमती ऊषा ३२२८४
६-तुगलक प्लेस

इडस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन ग्राफ इडिया
रिजर्व बैंक बिल्डिंग

सुल्तान सिंह ३५३८१
ए-७०८ सरोजिनी नगर
गनपतराय
६९ एफ-कमला नगर

डायरेक्टोरेट ग्राफ रेवेन्यू इटेलीजेंस

जगदीश प्रसाद ४०५५७
९९५/२२६-सी, जैन मुहल्ला, कैलाश नगर

फाईनेन्स डिफेंस

प्रेम चन्द
एक्स वाई-३९, सरोजनी नगर

सेंट्रल एक्साइज

रामेश्वर दास
डी-१०६ सरोजिनी नगर

सेंट्रल एक्साइज एण्ड लैंड कस्टम्स कलेक्ट्रेट

एम० पी० जैन
१६३-ग्राचार्य निकेतन, पटपड गज

सेंट्रल बोर्ड ग्राफ रेवेन्यू

पदम सिंह
ग्रार्यपुरा, सब्जीमंडी

इन्कमटैक्स ग्राफिस

जी ऐस सिंघवी, इन्कमटैक्स ग्राफीसर
मथुरा रोड
डी० के० जैन ८६११९
७/३८ डा० मचदेव लेन, दरियागज २७९०८
ग्रभय कुमार ८६११९
ग्राई-२५५, सरोजिनी नगर
ग्रार० सी० जैन
७/१६ दरियागज

सुमत प्रसाद, इन्कमटैक्स ग्राफीसर ४२६६०
ए-५५ (जी) लक्ष्मी बाई नगर
बैजनाथ ४६१६४
५५/१ राजेन्द्र नगर
नरेन्द्र सिंह
II A/६८ लेंसर्स रोड, दी माल
जसवंतराय
रामतेल भवन, ७/२० दरियागज
कैलाश चन्द ४००८४
२६/७ शक्ति नगर
मुरारी लाल ४७४८१
४५८२ डिप्टीगज
बसल कुमार
३६/२० शक्ति नगर
मामचन्द ४६७६८
२० ग्राराम बाग रोड
सत प्रकाश ४०६८५
जी १९२-साउथ विनय नगर
कुथु सागर ४३२७४
३००५, कूचा नील कठ
शिखर चन्द ४३२७४
२७६८ गलीरूप, सब्जीमडी
राम कुमार ४३२७४
३९६४ गली ग्रहीरान पहाडी धीरज
सुरेन्द्र कुमार २८८५५
२५ फैज़ बाजार, दरियागज
ग्रजीत सिंह ४७०४९
२५-डी कमला नगर
प्रेम चन्द ४७०४९
ए २२२ किदवई नगर

डायरेक्टोरेट ग्राफ इसपेक्शन

एस पी जैन, डायरेक्टर ४३७८५
सी-II/६६, मोती बाग ३३४०७

डायरेक्टोरेट ग्राफ इसपेक्शन (इन्वेस्टीगेशन)

प्रेम चन्द
ए-३२२ नार्थ ग्राफ मेडीकल एनक्लेव

कृषि एवं खाद्य मंत्रालय
(फूड एण्ड एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री)

फूड डिपार्टमेंट, कृषि भवन

महावीर प्रसाद, सेक्शन ग्राफीसर ३५३११/९५
४०९२, गली मन्दिर, पहाडी धीरज
जगदीश राय, सेक्शन ग्राफीसर ३५३११/६६
ग्रीन पार्क
कैलाश चद ३५३११/६६
२७ क्लाइव स्क्वेग्रर
शातिसागर ३५३११/९
४३ भोगलरोड, जगपुरा ७४६४४
चक्रेश्वर कुमार
३१ डिप्टीगज
प्रकाश चन्द
१२३-ए, नेताजी नगर
रूपलाल ३५३११/६६
ई-१४३ ई. विनय नगर
मित्रसेन
एफ-१९५, मोती बाग (II)
पदम चन्द
८३-स्कूलर रोड ३५३११/२२
शिवसहाय
नई ग्रनाज मडी, मोडल बस्ती

एग्रीक्लचर डिपार्टमेंट, कृषि भवन

ग्रतर चद, ग्रडर सेक्रेट्री ३६५८१
२९८१-कूचानीलकठ २४०४९
जगत किशोर, डि० इर्रीगेशन एडवाइज़र ३४४६३
५४९, एस्प्लेनेड रोड
सतीश कुमार ३३७४१/२२
६६-ई राजा बाजार
चत्तर सिंह ३३७४१/६६
एफ-५०२, नेताजी नगर
ग्रजीत प्रसाद
२९८१-कूचा नीलकठ, दरियागज
जगन्नाथ ३६५८२
सी-सी ८१/एन ई, लक्ष्मीबाई नगर

अमीन चद्र
    १४४० फय्याज़ ग ज, बहादुरगढ़ रोड, सदर बाजार
धन कुमार
    बी. डी. ९०५, सरोजिनी नगर
नरेन्द्र कुमार   ३३७४१/२२
    ५५५६, बस्ती हरफूल सिंह
हेम चन्द्र
    ४०३५ गली अहीरन, पहाडी धीरज
शिव कुमार
    २१/१८४ लोदी कालोनी
जम्बू प्रसाद
    गली अहीरन, पहाडी धीरज

डायरेक्टोरेट आफ इकोनोमिक्स एड स्टेटिसटिक्स कृषि भवन

सुन्दर सिंह
    २७२०, छत्ता प्रताप सिंह, किनारी बाजार
नेम चन्द्र
    १- असारी रोड, दरियागज
कुलभूषण लाल
    एफ-१७१ (जी० टा०) लक्ष्मीबाई नगर
चित्तरजन दास
    ७/७ दरियागज
सुरेश चन्द्र
    २३१०, धर्मपुरा
सुदर्शन लाल
    जमालपुरा (सोनीपत)
महिपाल
    १३०४, गुली गुलियान, दरीबा

सुगर एड वनस्पति डायरेक्टोरेट, जामनगर हाउस

के० पी० जैन, ची० डायरेक्टर   ४४०४१
    २७९३, गली पीपल महादेव   २३७३६
एन एम जैन, मैनेजर-दी सुगर फैक्ट्री
विमल प्रसाद   ४५९४३
    मिंटो रोड
ओम प्रकाश
    लोदी रोड

सुरेश चन्द
    १२२८-वकीलपुरा
सुल्तान सिंह   ४६०९५
    २१६५ मसजिद खजूर
सुख दयाल
    एम-४८१, सरोजिनी नगर

डायरेक्टोरेट आफ एक्सटेंनशन, कृषि भवन

नेम चन्द, सेक्शन आफीसर   ३५९४३
    २३/६, बी रोहतक रोड   ५२ २२
कैलाश चद्र   ३३८४१
    १०७ सम्मन बाजार, जगपुरा
मगतराय
    एफ ९३, मोती बाग (२)
हेम चन्द्र   ३३८४१
    २९७२ गली लक्षी वाली, गदा नाला

इडियन काउसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च कृषि भवन

मुनीन्द्र कुमार, अ० एडीटर   ३०१९१/५६,
    डी-२/९, माडल टाउन, माल रोड
यू० एस०जैन, सैक्शन आफीसर   ३०१९१/१२
    १ नाई वाला, १२८६, करोल बाग
आशाराम
    टी जी-१०२६, सरोजिनी नगर
एम० पी० जैन   ३०१९१/५८
    भगवती निवास, एच-१० ग्रीन पार्क
श्रीपाल   ३०१९१/९२
    ४० राजा फाउन्ड्री
बुधसेन
    जी-१८८ नौरोजी नगर

इडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पूसा रोड

के० बी० लाल, रिसर्च आफिसर
    ४६, हेस्टिंग्स स्क्वेयर

स्वास्थ्य मत्रालय (हेल्थ मिनिस्ट्री)

मोती चन्द, अण्डर सेक्रेट्री   ३१५८३
    २८ फैज बाजार

प्रकाश चन्द ३४५०२
२३२७-धर्मपुरा
रामेश्वर नाथ ३४५०२
५-डी कमला नगर

आल इडिया इस्टीट्यूट आफ मेडीकल साइन्सेज

डा० मानक चद नौलखा
ई-१०० (ई० टा०)

डायरेक्टोरेट जनरल, हैल्थ सर्विसेज

राम वहादुर, सेक्शन आफीसर ३६३१६
ए-२१/८४ लोदी कालोनी
सुर्जन दास ३३४५२
सैक्शन आफिसर, ६-तुगलक प्लेस
कीर्ति चन्द्र ४८३६७
डी-३३४, श्री निवास पुरी
त्रिलोक चन्द्र ३५६६५
४४४-ई, देवनगर
पी० सी० जैन ४८३६७
१४७-ई, तिमारपुर
महेन्द्र स्वरूप
२२-डी० रोबर्टस स्क्वेअर
भीम सेन मित्तल
२०७९-दरीवा खुर्द, चादनी चौक
एस० के० जैन
सुमेर चन्द्र ३२८४७
ए-सी (जी टाइप) लक्ष्मीवाई नगर
एम० सी० जैन ३६७६७
९७३-भोजपुरा स्ट्रीट, मालीवाडा
ज्ञान चन्द
१२९-ई० करोल बाग
पी० सी० जैन
७१ मेमवती गली, शहादरा
रमेश चन्द
१७८२-दरीवा कला
भाग चन्द

सी० एच० एस० डिस्पेंसरीज
चन्द्रगुप्त रोड, पहाड गज

डा० एस० के० जैन ४७०४४
५३२१, सदर धाना रोड

विलिंगटन अस्पताल

डा० भीमसेन, स्टाफ सर्जन (आई) ४३४६१
१५, महादेव रोड ४८१३४
डा० आर० एस० कोठारी, जू० स्टाफ सर्जन (मेडी०)
सी० एम० जैन

सफदरजंग अस्पताल

डा० के० सी० कासलीवाल (आ० स्पे०)
डी/१, लक्ष्मीबाई नगर

फेमिली प्लानिंग सेंटर डाइज स्क्वेअर, गोल मार्केट

डा० (श्रीमती) तारामणि ४३२२८
ए-७ पडारा रोड ४३२२३

गृहमंत्रालय (होम मिनिस्ट्री)

शिव दयाल सिंह, सैक्शन आफिसर ३४०८६
८ टेम्पिल लैन
जे० डी० जैन
४२६८, आर्यपुरा, सब्ज़ी मन्डी
शेखर चन्द ३१०११/४३
५८११, ब्लाक न० ४, देवनगर
वी० एल० जैन
४४१५, मो० जाटान, पहाडी धीरज
एम० पी० जैन
९/६६८७, देवनगर
श्रीपाल जैन ३५५७३
४१३७, गली जैन मन्दिर, सब्ज़ी मडी
एन० के० जैन ४२०००
डिप्टीगज
के० आर० जैन ३४१०२
वी-११/१८४, देवनगर
त्रिलोक चन्द ४२०००
सी-६०१ सरोजिनी नगर
रघुवीर प्रसाद ४२०००
वी. डी. ९८१, सरोजिनी नगर
राम चन्द ४२०००
वी-५३२, मरोजिनी नगर
कैलाश चन्द
जी. आई ८८५, मरोजिनी नगर

वद्री प्रसाद
    जी-२२ नौरोजी नगर

इंटैलीजेंस ब्यूरो

मदन लाल
    ए-३४६, नार्थ ग्राफ मेडीकल एनक्लेव

स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट

रमेश चन्द
    एच पी टी ८६, सरोजिनी नगर

रजिस्ट्रार जनरल ग्राफ इंडिया

शीतल प्रसाद, डि० रजि० जनरल ४७१६८
    ३३, शान नगर ७२८५१
अनिरुद्ध कुमार ४०७०२
    १०३-डी, कमला नगर
राजेलाल ४०७०२
    एफ-२०२, वेस्ट विनय नगर

सेक्रेटेरियट ट्रेनिंग स्कूल

जय प्रकाश, इस्ट्रक्टर ४४१८६
    २३ अहिल्यावाई रोड

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (इन्फोर्मेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री) नार्थ ब्लाक

जुगमन्दर दास, अडर सेक्रेट्री ३२५५७
    ४६-सी इर्विन रोड ४७६१०
मदन मोहन लाल, कैम्पेन ग्राफीसर ३४४७८
    ए-२७ डी II फ्लैट, मोती वाग ३३६६०
जय कुमार, सेक्शन ग्राफिसर ३६७६८
    १-बी, राउज़ लेन
मनमोहनवीर सिंह, सेक्शन ग्राफीसर ३६८६०
    २३-एक्स, चित्रगुप्त रोड
प्रेम चन्द ३५०७६
    डी-४०२, मोती वाग-१
विमल प्रसाद ३५०७६
    सी-८६१ नेताजी नगर
प्रेमचन्द ३३७२६
    ४५६-कटोरा, पहाड़ गंज

एडवर्टाइजिंग एन्ड विजुग्रल पब्लिसिटी डायरेक्टोरेट, कर्ज़न रोड

सुरेन्द्रवीर सिंह, अकाउट्स ग्राफीसर ४६५२४
    २३-एक्स, चित्रगुप्त रोड
कल्याण चन्द ४६४७६
    ए-२/७३ लेसर्स रोड, दीमाल
त्रिलोकचन्द फोटोग्राफर ४४३७३
    ३३-मोडल वस्ती
सुरेन्द्र कुमार
    २१८३, मसजिद खजूर, धर्मपुरा
जितेन्द्र कुमार ४६४७६
    ५/६१ देव नगर

पब्लीकेशन्स डिविजन, ग्रोल्ड सेक्रेटेरियट

महेन्द्र सेन, विजनस मैनेजर २६६२८
    मनोरंजन भवन, ११-दरियागंज २६३३८
श्री कृष्ण २६६७५
    ४५३७/XIV पहाडी धीरज
सुरेन्द्र कुमार २६६७५
    ४०/१६ शक्ति नगर
तारा चन्द, फोटोग्राफर ३०१०१/३६६
    १/१६२६ मद्रास रोड, काश्मीरी गेट
सागर चन्द २८४३२
    ४१/II ए, लॅमर्स रोड, तिमारपुर
ग्रोम प्रकाश
एस० पी० जैन २६६७५
    १४-यू० वी०, जवाहर नगर
राज कुमार २६६३६
    १७०२, कूचा आटमन, दरीबा
मुरारी लाल
    ४५६७, गली नथ्थन सिंह, पहाड़ी धीरज [illegible]
राज कुमार
    १७०२, कूचा आटमन, दरीबा [illegible]

प्रेस इन्फोर्मेशन ब्यूरो, आकाशवाणी भवन

शिवनाथ [illegible], अ०प्रि० इन्फा० ग्राफिसर [illegible]
    ए-१८२ नेताजी नगर [illegible]

रतन लाल, एकाउन्टेंट
त्रिभुवन प्रसाद
मनमोहन दास
नेम चन्द

इन्टेंप्रेटेड फोटो यूनिट आकाशवाणी भवन

मोतीराम, अ० फोटो आफीसर २९९१०
गली कन्हैयालाल अत्तार, चरखेवालान
तारा चन्द्र, फोटोग्राफर ४४३७३

आफ इन्डिया रेडियो, पार्लियामेंट स्ट्रीट

रोशन लाल, अ० डायरेक्टर ३०१०१/२२४
१३, डी० करोल बाग
बी० एस० जैन
८-ई, कमला नगर ३०१०१/३८४
शांति प्रसाद ३०१०१/३७१
जी १-६०२, सरोजिनी नगर
एम० एल० जैन ५०५५६
कूचा घासीराम, चादनी चौक
धरणेन्द्र कुमार ३३९९४
एच-५, मोती बाग-२
मदन कुमार स्टाफ आर्टिस्ट ३५२११/१९७
सी-४९० वेस्ट विनय नगर
सतीश चन्द्र, स्टाफ आर्टिस्ट
१३६-ए० किदवई नगर
जैन कुमार, स्टाफ आर्टिस्ट
१७/२१-दरियागंज
प्रकाश चन्द्र, स्टाफ आर्टिस्ट
नाई वाडा
नरेश कुमार, स्टाफ आर्टिस्ट
कूचा बुलाकी बेगम
एस० सी० जैन, स्टाफ आर्टिस्ट
सेन्ट्रल इन्डिया प्रेस क्लाथ मार्केट
महावीर प्रसाद, हेड क्लर्क
एच-१००, सरोजिनी नगर
भगतराम ३५११/१८८
वाई-३२७, सरोजिनी नगर
एम० के० जैन ३०१०१/३१०
२५९६ गली पीपल वाली, धर्मपुरा

कामता प्रसाद
सी० II/११२ लोदी कालोनी

हाई पावर ट्रांसमीटर, डा० खामपुर

जे० पी० जैन, हैड क्लर्क २५७०४

इर्रीगेशन एण्ड पावर मिनिस्ट्री, नार्थ ब्लाक

जगदीश शरण, डिप्टी सेक्रेट्री ३२७३१
सी-२/१२० मोती बाग ३९४२६
मोहन लाल ३२९९६
सी-६०१, सरोजिनी नगर
एस० पी० एस० जैन ३२९९६
४५५१, आर्यपुरा, सब्जी मडी
धर्मदास, स्पे० कमिश्नर फार केनाल वाटर्स ४८१८९
२४, विलिंगडन क्रेसेंट ७५३१९

सेंट्रल वाटर एण्ड पावर कमीशन, जामनगर हाउस

राजेन्द्र कुमार, डिप्टी डायरेक्टर ४२०६८
सी-४३, (फर्स्ट फ्लोर) जगपुरा
प्रेम सागर, असिस्टैंट डायरेक्टर ४२२५१
१३, महादेव रोड
प्रीतम चन्द ४४६६५
ए-२९३, मोती बाग (१)
मनभावन सिंह ४४६६५
ई-१, करोल बाग, न्यू रोहतक रोड
विमल कुमार ७२९९५
बी-२३३ मोती बाग (साउथ)
बलराज
१५४०/२८ नाई वाला, करोल बाग

सेन्ट्रल बोर्ड आफ इर्रीगेशन एण्ड पावर

पदम प्रसाद
जी-३९, नेता जी नगर

कृष्णा-गोदावरी कमीशन

धर्मदास, सदस्य ४८१८९
२४, विलिंगडन क्रेसेन्ट ७५३१९

लेबर एण्ड एमप्लायमेंट मिनिस्ट्री

बलवन्तराय, सेक्शन आफीसर ३५०४३
बी-१७/९०० लोदी कालोनी

शकर स्वरूप, सेक्शन आफीसर २७३३०
वी-१७/६१६ लोदी कालोनी

जितेन्द्र कुमार
सी-४३७ सरोजिनी नगर

राम स्वरूप ३५१०३
वी-१४/८७४ लोदी रोड

कैलाश चन्द ३१४६२
वी डी-६३६ सरोजिनी नगर

भजन लाल
आई-३०५, सरोजिनी नगर

एम्लाइज एस्टेट इन्श्योरेन्स कार्पोरेशन, न्यू देहली एरिया

डा० एस० के० जैन ५२६४६

सेन्ट्रल प्रोवीडेंट फंड कमिश्नर्स आफिस

सुमत प्रसाद
एफ-४८१ नेता जी नगर

डायरेक्टोरेट जनरल आफ रिसेटलमेंट एण्ड एम्पलायमेंट तालकटोरा वैरेक्स

प्रेम कुमार ३४३११/४२
डी-१/८ लोदी कालोनी

विधि मंत्रालय (ला मिनिस्ट्री)

गोकुल प्रसाद ३६३१६
२१-दरियागज

शकर लाल

मनत कुमार ३६६३६
२३१० धर्मपुरा

शरद कुमार
टी-६० ना० रे० का० फूसकीमराय, तीसहजारी

इलेक्शन कमीशन, १ औरगजेव रोड

सतीश चन्द ७३५०३
एफ-८४, सरोजिनी नगर

सुरेश चन्द ७३५२३
कूचा नीलकठ, दरियागज

रामस्वरूप, पी ए टू ज्वा सेक्रेट्री ३२६७३
सी-४६ (ई टा०) लक्ष्मीबाई नगर

राज कुमार

पी सी. जैन

नरेन्द्र कुमार

श्याम लाल
३३८-१६ सुमति सदन, गनेशपुरा, विनय नगर-

रेलवे मिनिस्ट्री (रेलवे बोर्ड) रेल भवन

त्रिलोक चन्द, अ० डायरेक्टर ३५८२४
ऐफ-२, ग्रीन पार्क

प्रताप वहादुर, अ० डायरेक्टर ४५५१४
३, कोटला रोड ४३८२१

कैलाश चन्द सेक्शन आफीसर ३५८४७
वी-६/६८२, लोदी कालोनी

शुभ चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३०४७२
वी-११/८०६ लोदी कालोनी

द्वारका प्रसाद ५५४१३
१८४६/४८ नाई वाला गली, कराल वाग

कामता प्रसाद ४८६१५
डी जी-१०५२, सरोजिनी नगर

एम पी जैन ३४६३६
२१८/६ जोशी रोड, करौल वाग

ऋषभ दास ३२५८५
सी-II/३२ लादी कालोनी

जय कुमार ४७५०४
वी-१४/८७४, लोदी कालोनी

सुमेर चन्द
४५६५ गली नथ्थन सिंह, पहाडी धीरज

गुण पाल ३११६२
जी-४४३ नौरोजी नगर,

सोम प्रकाश ३५३६१
२६३५/४४ वीदनपुरा, करोल वाग

जय कुमार
११ फाल स्क्वेयर

रीहेविलीटेशन मिनिस्ट्री, जैसलमेर हाउस

राम चन्द्र, वैल्फेयर आफीसर ४५७०५
[illegible] २५८ पहाड़ गंज ४३६३३

दौलत सिंह, अ० से० आफीसर ४०२४१
गली नाई वाली, [illegible] २६२१८

सुमत प्रसाद सुपरिंटेंडेंट
गली अनार [illegible],

मदन लाल
ई एफ ६५४, सरोजिनी नगर
महाबीर प्रसाद
जयचद
१४४७-फैज़ गज, बहादुर गढ रोड
देवेन्द्र कुमार
३१६२-बारवाला चौक
प्रेम चन्द
एफ-१७६ मोती बाग-२
शिखर चद
शिवनगर, करोल बाग
प्रेम चन्द
मोहन लाल
नवीन चन्द
जी-१६६ नौरोजी नगर

रीजनल सेटलमेंट कमिश्नर, जामनगर हाउस

स्वरूप चन्द, अ. से० आफीसर
१५३४ कूचा सेठ
आर० के० जैन
दिलबाग राय
जी-२६५ नौरोजी नगर
आर० डी० जैन

साइंटिफिक एण्ड कल्चरल एफैअर्स मिनिस्ट्री

मदन मोहन, अडर सेक्रेटरी
एच० ६५ साउथ एक्सटेंशन
एन के जैन
कस्तूर चन्द
डी जी-६८४ सरोजिनी नगर
रखेल चन्द्र ३६५४२
२३२६-टडा फाटक, सदर बाजार
जय कुमार ३६५७८
एक्स, ३३२-सरोजिनी नगर
जिया लाल
६२-ए, रानी बाग, ठाकूर बस्ती

आर्कियोलोजी डिपार्टमेंट, जनपथ

शीतल प्रसाद, सर्वेयर इ स्ट्रक्टर
८-रामनगर
हुकम चन्द
४८ बैरन रोड
प्रेम किशोर, जू लायब्रेरियन
जी-६ मोती बाग़ (२)
ललित कुमार
क्वा ३४/ब्ला ४ गव कालोनी, कटोल रोड, नागपुर
सुशील कुमार

नेशनल म्यूज्यिम

पी सी जैन
एफ ३५३ नेताजी नगर
ओमप्रकाश
डी. ६६ (ई टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

काउसिल आफ साइंटीफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च रफी मार्ग

डा० डी० एस० कोठारी, सदस्य-गवर्निंग बाडी ३२७६८
चेअरमेन-एरोनोटीकल रिसर्च कमेटी
५, यूनीवर्सिटी रोड २४३३३
आनन्द प्रकाश, एडमिनि० आफीसर
(से० प ए इ रिसर्च इस्टीट्यूट, नागपुर)
अनन्तवीर प्रसाद
६ बी तिबिया कालेज क्वा०, करोल बाग़
पदम चन्द ३३०५६
६०/६१ नयागज, गाजियाबाद
नेम चन्द
मोती बाडा

सगीत नाटक अकादमी, ४-ए मथुरा रोड, जगपुरा

अमोलक चन्द्र ७३६५८
५६४, गली जैन मदिर, शहादरा

नेशनल स्कूल आफ ड्रामा एण्ड एशियन थियेटर इस्टीट्यूट, १५ ए कैलाश कालोनी

नेमिचन्द्र, अ० डायरेक्टर ७३७३२
३ एफ जगपुर एक्स ७२६२५

अजीत प्रसाद, सेक्शन आफिसर ३११२५/२२४
३७३९ गली जमादार, पहाडी धीरज

जवाहर लाल ३११२५/२४६
१३३-टैगोर रोड

प्रेम चन्द ३११२५/२३६
४१७८ मो० अहीरन, पहाडी धीरज

प्रेमचन्द गोयल ३११२५/२३८
ए-२२३, मोती बाग–१

सुरेन्द्र कुमार ४११२५/२०५
ई० पी० टी० ११०, सरोजिनी नगर

तारसीम कुमार ३११२५/२०५
२/३७ रूप नगर

खुशदिल प्रसाद
वी० १६४ नेताजी नगर

चीफ कन्ट्रोलर आफ प्रिंटिंग एण्ड स्टेशनरी

हसराज, अ० कन्ट्रोलर (प्रि०) ४२२६१
४९-सी, माता सुन्दरी रोड

ओम प्रकाश ४२२६१/१६
एफ-३० नौरोजी नगर

रघुवीर प्रसाद ४२२६१/२४
टी० जी० ६७०, सरोजिनी नगर

पी सी जैन ४२२६१/३१
२२५२ सतघरा, धर्मपुरा

डायरेक्टोरेट जनरल-सप्लाइज एण्ड डिसपोजल्स

पुरुषोत्तम दास, आफी० आन स्पे० ड्यूटी (एका०) ४००२९
१३, महादेव रोड

के० सी० जैन, सेक्शन आफीसर ४६०५६
III/२६४४ नया बाजार

पारस दास, सेक्शन आफीसर ४३६२८
६५/१५-रोहतक रोड

वीरेश्वर प्रसाद
१-एम० एम० रोड

बद्री प्रसाद
५७-महावलम्बा रोड

जवाहर लाल ४०९२५
१६-गनेश ग्वेन, गीडिंग रोड

महेन्द्र जैन ४२८९७
१३०-ई० देवनगर

एम० पी० जैन ४०९६१
बी-११/१८६ देवनगर

उग्रसेन मित्तल
२१-दरिया गज

मिश्री लाल ४०९२५
सी-२३-ई० विनय नगर

नेम चन्द ४६०५६
डा० सचदेव लेन, ७/१ दरिया गज

प्रेमनाथ ४४७४०
१५ वी/२८७ लोदी कालोनी

प्रमोद कुमार
ए-६०५ सरोजिनी नगर

रामलक्षपाल सिंह ४०९२५
वी १७/६१८ लोदी कालोनी

देवेन्द्र कुमार ४३८३१
२०२३ गली कायस्थान, वहादुरगढ रोड

जिनराज सिंह ४३८९७
३६१-ईस्ट विनय नगर

कैलाश चन्द्र
सी-२४८ सरोजिनी नगर

निरजन लाल ४०३६२
डी जी ६२५, सरोजिनी नगर

नेमी चन्द ४५७३३
वी० ६/७०४, लोदी रोड

नेमी चन्द २३२०१/१९७
८४ गज्जू कटरा, वाडा-सदर

तारा चन्द ४२१८९
४०-एफ, कमला नगर

भगत सिंह ४३३१०
रघुनाथ भवन, ११ दरिया गज

चन्द्रभान ४०९६१
डी-३८१, मोती वाग

गुलाब चन्द ४६३५४
जी-३६, श्रीनिवास पुरी

जसवन्त सिंह ४५७३३
९७, जेमर्स रोड (पेश माडल)

जय कुमार ४२४९७
६६८८-बी० न्यू रोहतक रोड

राजेन्द्र प्रसाद ४३७३७
४०२ कूंचा बुलाकी बेगम, दरीबा कला
राम चन्द्र ४३८९२
२२६१ गली अनार, कूचा जल्ला
शिखर चन्द्र ४३३३५
३७३६ गली जमादार, पहाडी धीरज
सुरेश कुमार ४६३४७
एम. पी. टी ४८६, सरोजिनी नगर
एन० एल० जैन ४८१२६
२७ डिप्टीगज
मोतीराम ४३८९२
३१७ प्रकाश गली, तेलीवाडा सदर
परमेश्वरी दास
डी. जी ८५७ सरोजिनी नगर
मनोहर लाल ४२५३८
२५४३, धर्मपुरा

नेशनल बिल्डिग आरगेनाइजेशन ११-ए, जनपथ

सी. एम. पालविया, जौइन्ट डायरेक्टर ४५२५७
१२ लेडी हार्डिग रोड
रिजक राम जैना ४२५२२
६०२, बैरन रोड

डायरेक्टरेट आफ एस्टेटस एस्टेट आफिस

चर्च रोड

राम कुवर, सेक्शन आफिसर ३१२३७
३०२०, गली चूडियान, म० खजूर
फतेह चन्द, एकउण्टेण्ट
५७, मीर दर्द रोड
टेक चन्द
जी-१२८ सरोजिनी नगर
शिवचरन लाल
एफ-२०४ (जी) लक्ष्मीबाई नगर
एम० एस० जैन
ए-२७६ नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव
दलवन्त सिंह
ए-३४७ नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

गवर्नमेंट आफ इन्डिया प्रेस

प्रेमचन्द, अ० मैनेजर-प्रि०
धर्मपुरा
सीता राम
एफ-१५३ नेताजी नगर

लैंड एण्ड डेवलपमेंट आफिस, सिंदिया हाउस

(फोन-४७८२६, ४८१२८)

कर्तार चन्द्र, एकाउटेन्ट
३/१३, रूप नगर
रोशन लाल
जे-४१, वेस्ट पटेल नगर
पी० सी० जैन
४१७८, मोहल्ला अहीरन, पहाडी धीरज
अतर चन्द्र
कूचा सेठ
अजीत प्रसाद
सी ३०८, किदवई नगर
प्रीतम सिंह
१२/६, यूसुफ सराय

सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट

कैलाश चन्द्र, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (वि०) ३१९८३
५/७२ वे० एक्स० एरिया, करोल बाग ५२४२६
कन्हैयालाल, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (इले०) ३४४८१
गली नाई वाली, करोल बाग
अजीत प्रसाद, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (वि०) ७२९२४
३१/१०, ईस्ट पटेल नगर ५२४९८
देवेन्द्र कुमार, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (वि०)
जोगेन्द्र प्रसाद, अ० सर्वेअर आफ वर्क्स
१३/१९ वेस्ट पटेल नगर
एस० एल० जैन, अ० इन्जीनियर
रघुनाथ सहाय, अ० इन्जीनियर
मोती बाग
शिखर चन्द्र, लेबर आफीसर ३२३४०
५ ए-दरिया गज
महेन्द्र कुमार, डिवी० एकाउटेन्ट
एल-१७६, सरोजिनी नगर

चन्द्र किरण, सेक्शन आफीसर (पार्लि० हाउस) ३२४८२
२४/६५ इवेटसन रोड चेम्बरीज़
जय कुमार, सेक्शन आफीसर ३१६८३
रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३३५५७
सुरेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३१६४७
१६ वी/१४, देव नगर
रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३२५६७
नरेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३२५१०
आई-३०६, सरोजिनी नगर
एम० पी० जैन, सेक्शन आफीसर ३२५१०
पी० एल० जैन, सेक्शन आफीसर
सुखमाल चन्द्र, सेक्शन आफीसर
हिम्मत लाल मेहता, सेक्शन आफीसर ४२६४२
सी-II/२, लोदी कालोनी
महेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ४०१११/८८
१५/२८८, लोदी कालोनी
मम्पतराम, सेक्शन आफीसर (इलेक्ट्रिकल) ४०७४६
५६६/३३, गली जैन मंदिर, गांधी नगर
दीन दयाल, हेड क्लर्क २६४६८
निर्मल प्रसाद (पी० एण्ड टी०) ३०१५१/२४४
४/४३ लोदी कालोनी
राज कुमार, ड्राफ्टसमेन ४०१११/८८
११, फौच स्क्वेअर
जीवन राम, (जी ब्लाक)
सुलेक चन्द्र, (जी ब्लाक) ३१६८३
एन० पी० जैन, (अजमेरी गेट)
दीन दयाल, (सेकट सर्किल) ३६३४०
महेन्द्रपाल ४०१११/७२
मोती लाल ४०१११/६७
२५१३, नाई वाडा
पी० सी० जैन ४८६२७
जगदीश प्रसाद ३१३०४
छोटे लाल
[illegible]
एल-६०४ नेताजी नगर
[illegible] जैन
एस-६०५ नेताजी नगर

मोती लाल
ई-६६ (जी० टा०) लक्ष्मीवाई नगर
दर्शन लाल
आई-२७७ मेडीकल एन्कलेव

अशोक होटल

जसवत राय, एकाउण्टेण्ट
जी १६७, लक्ष्मीवाई नगर

प्लैंनिंग कमीशन, योजना भवन

कपिल देव, रिसर्च आफीसर ३४३२५
१०२ ए, मोडल वस्ती २३२३३
शाति लाल कोठारी, स्पे० अ० टू मिनिस्टर
६१, कास्टीटूयूशन हाउस ४६०६७
मगल चन्द, इको० इनवेस्टीगेटर ३५२४१/२१५
१२ लेडी हार्डिग रोड
राजकुमार, स्टे टू डिप्टी मिनिस्टर ३१०३२
१६१७, गली माता वाली, किनारी वाजार
पदम सैन ३५२४१/२७
ए-३८, मोती वाग-१
सुदर्शन कुमार ३४२२४
१४/८७४, लोदी कालोनी
राजेन्द्र कुमार
१२ वी/१५८, डवल स्टो० क्वा० देव नगर

प्रोग्राम इवेल्यूऐशन आर्गेनाइजेशन, योजना भवन

जगत नारायन, अडर, सेक्रैट्री ३६२२०
१४-फोच स्क्वेअर ४४१५६
जगदीश मित्र जिंदल
१३ गोडोदिया होस्टल, आनन्द पर्वत, करौल बाग
सतवीर सिंह
४, नूरजहां रोड
जयवीर सिंह
३ टैगोर लेन

स्टैटिस्टिक्स एण्ड सर्वे डिवीजन

यू० सी० जैन
XII/६६४७ [illegible]

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन

धौलपुर हाउस

आदीश्वर प्रसाद, सेक्शन आफीसर, ४०१६३/४०
१-डी, देवनगर, करौल बाग [illegible]

नरेन्द्र सेन, सेक्शन आफीसर ४०१६१/१०
१०ए/२३, शक्ति नगर
महीपाल ४०१६१/५६
४४४ ई, देवनगर
सोहनलाल ४०१६१/८४
ए १०५ (ई टाइप), लक्ष्मीबाई नगर
रघुबीर सिंह ४०१६१/८१
५६ कूचा सुखानन्द, चादनी चौक
बूटासिह ४२८३१
बी ६१, लक्ष्मीबाई नगर
महेन्द्र पाल ४०१६१
कूचा सेठ
सुमत प्रसाद ४०१६१
बी डी १०४०, सरोजिनी नगर
महताब सिंह ४०१६१
बी ६२, लक्ष्मीबाई नगर

सेन्ट्रल सोशल वेलफेग्रर बोर्ड

जीवन दीप बिल्डिग, पालियामेट स्ट्रीट

राकेश जैन, सम्पादक 'समाज कल्याण' ४५७६७
गली न० २, नाई वाला, क़रोल बाग़
मेहर चन्द, सुपरिनटेंडेंट ४७६५७
डी जी १०४२, सरोजिनी नगर
राजेन्द्र कुमार ४७६५८
१४ फौच स्क्वेग्रर ४४१५६

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

पालियामेट स्ट्रीट

भानु कुमार, वैंकिंग आफीसर ३५३०१/२६
एल ८६, सरोजिनी नगर ७४००७
निहाल चन्द, असि० करेंसी आफीसर ३५३०१
के ५, सरोजिनी नगर
नरेन्द्र कुमार, सुपरिनटेडेंट ३५३०१/२७
३५७४ गली बोरिया वाली, सब्जीमडी
सोहनलाल, सुपरिनटेंडेंट
के० २२ सरोजिनी नगर
ओमप्रकाश, सुपरिनटेंडेंट
के ६६ सरोजिनी नगर

राजेन्द्र कुमार ३५३०१/डी. बी ओ.
७१२१, मडी घास, मो० जोटान, पहाडी धीरज
राजेन्द्र प्रसाद ३५३०१/डी. बी आ.
के ६०, सरोजिनी नगर ७४००७
महेन्द्र कुमार
८ एच, पी एण्ड टी० क्वा, सिविल लाइंस
सोमनाथ
एल १२, सरोजिनी नगर
सरदार मल
के ११०, सरोजिनी नगर
सुमत प्रकाश
जे ३१, सरोजिनी नगर
प्रेमचन्द
७१०६, गली पहाड वाली, पहाडी धीरज
ओमप्रकाश
१२६५, वकीलपुरा
सागर चन्द
निर्मल बिल्डिग, बस्ती हफूरल सिंह
किशोर चन्द
१८२ कटरा मशरू, दरीबा
हुकुम चन्द
गली गुलिया, धर्मपुरा
शाती लाल
छप्पर वाला कुआ, करोल बाग
रमेशचन्द
रेगडपुरा, करोल बाग
शिवधन
३, एलनबी रोड
पवन कुमार
के १२०, सरोजिनी नगर
किशन लाल
के १३८, सरोजिनी नगर
प्रकाश चन्द
एफ २४८, नेताजी नगर
जैन दास
जे २०, सरोजिनी नगर
अतर चन्द
जे १२, सरोजिनी नगर

प्रेमचन्द गर्ग
जे १७, सरोजिनी नगर
त्रिभुवन नाथ
एल ८०, सरोजिनी नगर
राजेन्द्र प्रसाद
गोपाल दास
एल १, सरोजनी नगर

नई दिल्ली ट्रेजरी
रिज़र्व बैंक बिल्डिंग

नेमदास
४१३७ आर्यपुरा सब्जी मंडी
धर्मेन्द्र कुमार
एफ. ३९६ (जी), लक्ष्मीबाई नगर
केवल राम
चन्द्रभान ३५७४९
सी १७९ नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

कार्यालय, कन्ट्रोलर एण्ड आडीटर जनरल आफ इंडिया
मथुरा रोड

पी. सी. दोसी, सुपरिंटेंडेंट
१ सी/११, रोहतक रोड
प्रेमचन्द ४३४७१/९
११४-ए, नेताजी नगर
के के. जैन ४३४७१/१०
११७७/६ रोहतासनगर, देहली शाहदरा
शांतिपाल ४३४७१/आई
II आई/८८, लाजपत नगर
ओमप्रकाश ४३४७१/३१
१४१-सी, वे विनयनगर
पी एल जैन ४३४७१/१०
४३११ गली भैरो वाली, नई सड़क

कार्यालय-अकाउन्टेंट जनरल, सेन्ट्रल रेवेन्यूज़
मथुरा रोड

डी० के० जैन, अ० एकाउण्टेंट जनरल ४२३४१
जम्बू प्रसाद, अ० एकाउण्टस आफीसर ४२३४१
४८ डी, राजा बाजार ४४५१८

प्रेमसागर, सुपरिंटेंडेंट ४२३४१
१४१, टैगोर रोड
आर एल जैन, सुपरिंटेंडेंट
नेमिनाथ
६३४२, दरवाजा न० १/७ ब्लाक, देवनगर ४२३४१
मोती लाल
९३, चावड़ी बाज़ार ४२३४१
रमेश चन्द ४२३४१
३७२९ गली बरना, पहाड़ी धीरज
ए पी जैन
१४८१, नाई वाडा, करौल बाग
एस सी जैन
८०, मार्केट रोड
जानकी दास
१४१ सी, टैगोर रोड
एस- एल जैन
८/३ सी राना प्रताप बाग, सब्जी मंडी
इंदर सेन
१५ एक्स, चित्रगुप्त रोड
डी सी जैन
१४७१ पंजाबी मोहल्ला, सब्जी मंडी
एच. सी जैन
३६९७ गली जमादार, पहाड़ी धीरज
एम. एल जैन
१६/८८३१, अमरीकगंज
डब्ल्यू. सी जैन
जी-१५, श्री निवास पुरी
उत्तम चन्द मित्तल
सी. II/७, लोदी कालोनी ४२३४१/ ८
रोशनलाल
के, २५१, सरोजिनी नगर
उग्रसेन
५३-डी, देवनगर
एम के. जैन
किराना बाजार, गाजियाबाद
महावीर
६, आरामबाग लेन

एन के जैन
६२७ मोहल्ला चौधरियान, सोनीपत
वीरेश्वर कुमार ४३२४१
बी १६/१०१६, लोदी कालोनी
जे डी जैन
आर पी जैन
२६३६, छत्ता प्रतापसिंह, किनारी बाजार
पी एस जैन
१६ डी, करोल बाग
सुरेश चन्द
६५-ई, कमला नगर
कुल भूषण
२५-डी, कमला नगर
एच डी जैन
सी २६६, किदवई नगर
एम एल जैन

सीः डी. एकाउन्टेन्ट जनरल (पी. एण्ड टी.)

ओल्ड सेक्रेटेरियट

अरिदमन कुमार, एस ए एस सुपरिनटेंडेंट ४१७१
५१ थोमसन रोड
किशन चन्द, एस ए एस
सागर चन्द, एस. ए एस
श्री मदर दास, एस ए. एस
करन सिंह, एस. ए एस
अजीत प्रसाद
हरीसिंह
सुमत प्रसाद
नेकी राम, अ० सुपरिनटेडेंट
विशभर सिंह
जुगमदर दास (II), सुपरवाइज़र
४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी मडी
पूरनमल, सुपरवाइज़र
फिरोजी लाल, सुपरवाइज़र
प्रद्युम्न कुमार, सुपरवाइज़र
४०६६/४१०२ आर्यपुरा, सब्जी मडी,
मेहर चन्द, सुपरवाइज़र

रिखबदास सुपरवाइज़र
सतघरा धर्मपुरा
शीतलप्रसाद, (II) सुपरवाइज़र
काली चरण, सुपरवाइज़र
सुमत प्रसाद
महाबीर प्रसाद
रामलाल
धनपत राय
सुमत प्रसाद (II)
मुरारी लाल
राम भज
चम्पा लाल
राम लाल (II)
नेमी चन्द
भूप सिंह
लक्ष्मी चन्द्र
रूप चन्द्र
सागर चन्द ( )
लक्ष्मी नारायन
रोशन लाल
विमल प्रसाद
कपूर चन्द
पदम चन्द,
अगर सेन
नेम चन्द
४१३२ आर्यपुरा, सब्जी मडी
भोपाल सिंह
सोम प्रकाश
राज कुमार
बदल सेन
जैनेश चन्द्र गर्ग
प्रेम चन्द
सुगन चन्द
हुक्म चद
अजीत प्रकाश
रघुवर दयाल

सागर चन्द (III)
रामदास
दीवान चन्द
प्रेम चन्द्र
सूरजभान
सुखवीर सिंह
सुमत प्रसाद
ज्ञान चन्द्र
पदम प्रकाश
विनय चन्द्र
सुखमाल सिंह
ओम प्रकाश (I)
कैलाश चन्द्र
नरेश चन्द्र
पदम प्रसाद
निर्मल कुमार
जय प्रकाश
सतीश कुमार
सुरेन्द्र कुमार
नेम चद्र
सुमत प्रसाद
कीर्ति प्रसाद
हीरा लाल

डायरेक्टोरेट आफ आडिट, फूड, रिहेबिलीटेशन सप्लाई, कामर्स, स्टील एण्ड माइन्स

अकबर रोड

महेन्द्र कुमार
जी-६२२, सरोजिनी नगर

लक्ष्मी चद
डी जी १०५ सरोजिनी नगर

डायरेक्टोरेट आफ कमशियल आडिट

ब्लाक न० १, डा० राजेन्द्र प्रसाद मार्ग

एल सी. जैन, अ० आडिट आफीसर ४५२४८

अजीत कुमार
एम-२१५, सरोजिनी नगर

रूप चन्द
डी जी ८८६, सरोजिनी नगर

उत्तर (नार्दन) रेलवे

दिल्ली, रेलवे स्टेशन

एम पी. जैन, स्टेशन सुपरिनटेंडेंट २४८२५
१७-ए, डा० श्याम प्रसाद मु० मार्ग २५४१३

ईश्वर प्रसाद, टि० कलक्टर २४८२५
१७-ए, डा० मुकर्जी मार्ग

नरेश चन्द, टि० कलक्टर
मोती नगर

नेमचन्द
२१८८, धर्मपुरा

अनिल कुमार
२१८८, धर्मपुरा

विनोद कुमार
२१८८, धर्मपुरा

विद्याप्रकाश
२१८८, धर्मपुरा

ज्ञानचन्द

पी के जैन

सुलेक चन्द
२६४, कृष्णा नगर

अनूप चन्द

मित्रसेन
२२३६, गली अनार, किनारी बाजार

धर्मचन्द

नरेन्द्र कुमार २८४५८
१०७ छीपी वाड़ा, मेरठ

प्रकाश चन्द

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

राजेन्द्र कुमार, टि० कलक्टर ४८११८
६६६०, मुल्तानी ढाडा, पहाड़ गंज

नानक चन्द ४८११८
२३६३, कूचा सादुल्ला, चावड़ी बाजार

महेश चन्द ४५६११/२६५
१२१६ चाहरहट

हेड क्वार्टस ग्राफिस, बडौदा हाउस (४६४२१)

ग्रजीत प्रसाद एका० ग्राफीसर (रिटा०)
  १, एम एम रोड
ग्रमर चन्द्र, ची विजीलेंस इन्सपेक्टर
भगवान स्वरुप, हेड क्लर्क
  टी ५८ जी सराय फूस, रेलवे क्वाटर्स
वारुमल, हेड क्लर्क
  १९/२३, रेलवे कालोनी, किशनगज
उदयवीर प्रसाद
  २१३३, मसजिद खजूर
नानक चन्द्र
  टी ४८ ए दिल्ली क्लाथ मिल के मामने
विजय सेन
  पहाडी धीरज

सिक्यूरिटी ब्राच, बडौदा हाउस

महावीर प्रसाद
  १७७७, सोहनगञ्ज, सब्जी मडी
फूल चन्द्र
  रेलवे क्वार्टस, सराय फूस, तीसहज़ारी

ग्रापरेटिंग ब्राच, बडौदा हाउस

एस पी लाल, चीफ ग्राप सुपरिटेंडेंट ट४५०६०/४६८२१
  वडौदा हाउस ४५९७१
मूल चन्द्र
  २५२१, नाई वाडा, वडशावूला, चावडी वाजार
नरेश चन्द्र
  १३९-डी कमला नगर
महावीर प्रसाद
  टी ५१ ए. दिल्ली क्लाथ मिल के सामने

कर्माशियल ब्राच, कश्मीरी गेट

जय प्रकाश
  १२९३, वकील पुरा
सुमेर चन्द्र
  हलालपुर (रोहतक)
जय चन्द्र
  गली जैन मन्दिर, शहादरा
महेन्द्र कुमार
  गली जैनी, समाना (पटियाला)
राज कुमार

इन्जीनियरिंग ब्राच, बडौदा हाउस

पी० डी० जैन, एक्जीक्यूटिव इजीनियर
रघुनाथ सहाय, ड्राफ्ट्मैन
  XIVटे ६९९४, पहाडी धीरज
जगन्नाथ
  ई-१३, ग्रन्धा मुगल, सब्जी मडी
रिखवदास
  ६५/१२, रेलवे क्वाटर्स, सब्जी मडी
किशन चन्द्र
  सी-६५, जैन नगर, मेरठ
राज कुमार
  ९७८१, ग्रमरीकराय गज, न्यु रोहतक रोड
जनेश्वर दास
  १२१/२१, रेलवे क्वाटर्स, दिल्ली-किशनगज

मेकेनिकल ब्राच, बडौदा हाउस

के० ही० टोक, हैड क्लर्क
  एल/६५ ए, रे० क्वाटर्स, सराय फूस, तीस हज़ारा
महावीर प्रसाद
  २३५१, धर्मपुरा

स्टोर्स ब्राच, बडौदा हाउस

राम कुमार
  २७३४, सीताराम वाजार
मगल सेन
  वी-२३, जैन नगर, रेलवे रोट, मेरठ
हकूमत राय
  वी-२३, जैन नगर, मेरठ
वावू लाल
  ८९९, मद्रासी कैम्प, ग्राई एन ए कालोनी
सूरजपाल सिंह
  २५१३, नाई वाडा, चावडी बाजार
धन्नाकल
  १५५९, गली नाई वाली, करोल बाग

स्टेटिस्टीकल ब्राच, बड़ौदा हाउस

जे० के० जैन
    १७७ मोहल्ला गगाराम, शहादरा
सुमत प्रसाद
    म० न० ६१४, कूंचा वाली एन, सीताराम बाजार

सिगनल एण्ड टेली कमयुनिकेशन ब्राच, बड़ौदा हाउस

श्रीपाल
    ४२६३, सब्जी मंडी

एकाउंटस ब्रांच, बडौदा हाउस

करम चन्द्र
    १३/२, दिल्ली-किशनगज रेलवे कालोनी
निहाल चन्द्र
    ४५३६, पहाड़ी धीरज
कैलाश चन्द
    ३६०५, पहाडी धीरज
विमल प्रसाद
    २१, गली नाई वाला, करोल बाग
प्रेम चन्द्र
    रली गली, पुरानी मंडी, सोनीपत
इन्द्रसेन
    १/११, सेवा नगर
मदन लाल
    २/१५, रेलवे कालोनी, सब्जी मंडी
आर० एल० जैन, सुपरिटेंडेंट ४६८२१
    सराय रोहिल्ला

आडिट ब्राच, बडौदा हाउस

वी० पी० लाल, ओसवाल
    १७०३, सोहनगंज, सब्जी मंडी

कार्यालय-डिवीजनल सुपरिटेंडेंट

[illegible] लाल, हेड क्लर्क (रिटा०)
    १७ जी, मन्दिर रोड
कंवर सिंह
    २१, नाई वाला, करोलबाग
ओंकार सिंह
    २६१३, [illegible], सितारी बाजार

हरीचन्द
    पालम
लक्ष्मण दास
    शहादरा, दिल्ली
सन्तोष कुमार
    सोनीपत
मनोहर लाल
    पालम
लालचन्द्र
    नरेला मंडी
विमल प्रसाद
    ५१२, छत्ता हीग, छोटा बाजार, शहादरा
महावीर प्रसाद
    ४४६३ गलीमल, पहाडी धीरज
नवल किशोर
    पालम
अभिनन्दन कुमार
    २४८२ गली पीपलवाली, धर्मपुरा
चन्द्रसेन
    ३ दरियागज

ट्रैफिक एकाउंट स आफिस, दिल्ली-किशनगंज

पदम प्रसाद सुपरिन्टेन्डेन्ट
    १८, दरियागज
लक्ष्मी चन्द्र
    क्वा० न० २३६ गेट, तिमारपुर
ज्ञान चन्द्र
    सुभाष चौक, बहादुर गढ़
राम रतन
    ८३५३ आर्य नगर, पहाड़गंज
कंवर सैन
    मंडी घी, पहाड़गंज
राम प्रकाश
    रेलवे क्वा० ११८/१६ दिल्ली-किशनगंज
मुन्नालाल
    २१ दरियागंज
[illegible] चन्द
    तिमारपुर

एन० सी० जैन
२३५१ धर्मपुरा
निरजन लाल
पन्नावाली गली, फर्श बाज़ार शाहदरा
रामनरायन
रे० क्वा० १६०/१२ दिल्ली-किशनगज
सुमत प्रसाद
न्यू गेट, गाज़ियाबाद
चेतन स्वरूप
आर्य नगर, गाज़ियाबाद
किशन चद
चादनी चौक
महावीर प्रसाद
१०२/१ रेलवे क्वा०, दिल्ली-किशनगज
एच० सी० जैन
के० आर० जैन
मोहल्ला केशरी, शहादरा
बनारसी दास
४४११, नई सडक
प्रेम शकर
लड्डू घाटी, पहाड गज

नार्दन रेलवे दिल्ली डिवीजन

मनोहर लाल
पालम, कैंट
हरिश्चन्द्र
पालम, कैंट
लक्ष्मणदास
गली मन्दिर वाली शहादरा
सन्तोष कुमार
देवीवाडा, सोनीपत

डिवीजनल एकाउंट्स आफिस

नवल किशोर
पालम, कैंट
रूपचन्द्र
गनौर (रोहतक)

पश्चिम (वेस्टर्न) रेलवे

ट्रैफिक एकाउटस आफिस, दिल्ली-किशनगज

लक्ष्मी चन्द
गली जैन मन्दिर, शहादरा
चद्रपाल
गली जैन मन्दिर, शहादरा
भगवत स्वरूप
रे० क्वा० ३७/१६ दिल्ली-किशनगज
एन० के० जैन
५ सी/५०, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग़
जगदीश प्रसाद
पटोदी रोड, जि० गुडगाव
आनन्द स्वरूप
राज्जू कटरा, शहादरा
महावीर प्रसाद

कार्यालय पे एण्ड एकाउण्टस आफिसर्स

अकबर रोड हटमैंटस

देव कुमार अ० पे० एका० आफीसर ४४३११/२६
४६८४ दरियागज
फिरोजी लाल गोयल, एकाउन्टेन्ट ४४३११
गनेशी लाल एकाउन्टेन्ट
ए- २३/११७ लोदी कालोनी
पी० पी० जैन, अ० सुपरिनटेंडेंट
आनन्द कुमार
जिनेन्द्र प्रसाद
रामती प्रसाद
बी-३०७ सरोजिनी नगर
राजेन्द्र कुमार
शिखर चन्द
विमल चन्द
एम० एम० डी० जैन
वीरेन्द्र कुमार गोयल
जी-६७२ सरोजिनी नगर
आदीश्वर प्रसाद
दयाचन्द

दर्शन सिंह
नेम चन्द

फूड एण्ड एग्रीकलचर मिनिस्ट्री

जे पी जैन
  १३ डी, स्कूल लेन
जनेश्वर दास
  ३७ सी, तुर्कमान रोड
ए० एस० जैन
हरिश्चन्द्र
जे पी जैन
विशाल मोहन

रिहेबिलीटेशन मिनिस्ट्री

कैलाश चन्द
  आई-३५० सरोजिनी नगर

कन्ट्रोलर आफ डिफेन्स एकाउण्टस

बी एस जैन डि एटर्नी, जन—डिफ एकाउट्स
  (आन डेप्यूटेशन)
पदम कुमार
  एक्स ३४५ सरोजिनी नगर

गवर्नमेंट आफ इंडिया अण्डरटेकिंग्स

रिजर्व बैंक आफ इण्डिया

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
  अहमदाबाद
  लोकल बोर्ड (वेस्टर्न एरिया)
कस्तूरभाई लालभाई, सदस्य
मथुरादास मगनदास पारेख, सदस्य
  लोकल बोर्ड (नोर्दन एरिया)
साहू जगदीश प्रसाद, सदस्य

इडस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन आफ इण्डिया
रिजर्व बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

के० पी० जैन, सदस्य, शुगर एडवाइजरी कमेटी [illegible]
  २३६३, गली पीपल महादेव, हौज़ काज़ी [illegible]

रिहेबिलीटेशन फाइनेंस एडमिनिस्ट्रेशन

अमोलक चन्द्र, सदस्य (उ० प्र०)

इडस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन आफ इडिया लि०, १६३ बैकवे रिक्लेमेशन, बम्बई-१

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
  अहमदाबाद

नेशनल इण्डियन डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन

मनुभाई शाह, वाइस-चेअरमेन ३३०६१
  १२ तुगलक रोड १३६०३
शातिप्रसाद (साहू), डायरेक्टर ३३५६१
  ६ सरदार पटेल मार्ग ३६६०२
कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
  अहमदाबाद

इण्डिया आयल कम्पनी लिमिटेड

अमोलक चन्द्र, डायरेक्टर
  हिंदुस्तान इन्सेक्टीसाइड्स लि०, नजफगढ रोड
  बी० आर० भडारी, सेक्रेट्री व स्ट० आफीसर ५६२०१
  १६ बी/२८, देवनगर ५५८६३

नेशनल स्माल इडस्ट्रीज कार्पोरेशन लि०
रानी झासी रोड

मूलचन्द्र (ससद सदस्य), डायरेक्टर
  १५८, नार्थ एवेन्यू ३६३२६

हिन्दुस्तान केमीकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
(हेड आफिस नया नगर, होशियारपुर)
शाखा—१५७/४८ चाणक्यपुरी

[illegible], डायरेक्टर

साहित्य अकादमी
(नेशनल एकादमी आफ लेटर्स)
हिन्दी एडवाइजरी बोर्ड

जैनेन्द्र कुमार, सदस्य [illegible]
  [illegible], दरियागंज [illegible]
[illegible], सदस्य [illegible]
  [illegible], दरियागंज [illegible]

दूतावास, दिल्ली प्रशासन, आदि

दूतावास

यूनाइटेड स्टेट्स आफ सोवियत रिपब्लिक्स
चाणक्यपुरी

प्रेम कुमार
क्वा० न० ५८, ब्लाक न० २, जगपुरा

यूनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका
चाणक्यपुरी

छोटेलाल
१४०-देवनगर
कैलाशचन्द्र
३० चावडी बाजार
धर्मप्रकाश
क्वा० १११-ए/१६ न्यू डबलस्टोरी, लाजपत नगर
भगतराय
प्रकाशचन्द्र
४७ बगला रोड
राजेन्द्र प्रसाद
२४/५ शक्तिनगर
सुमेरचन्द्र
२२८३ गली पहाड वाली, धर्मपुरा
एस० के० जैन
१५०३ कूचा सेठ, दरीबा कला
वी० सी० जैन
III/I-I लाजपत नगर
श्रीमती सरला जैन प्रकाश
दीवान हाल

यूनाइटेड स्टेट्स इन्फार्मेशन सर्विस

सुश्री हीरा कपासी, जू० लायब्रेरियन
बी० ५, पडारा रोड

दिल्ली प्रशासन

जज व मजिस्ट्रेट

चेतन दास, एडी० सेशन जज (पजाब) २८३६५
१७३७ मगल बिल्डिग, चादनी चौक
विनोद कुमार, सब-जज
कान्ता जैशीराम (श्रीमती) मजिस्ट्रेट २६५६६
१६ दरियागज
लक्ष्मी चन्द, आ० मजिस्ट्रेट ४२५२१
गली मन्दिर वाली, शहादरा २३२०१/२०७
कैलाश चन्द (डा०), आ० मजिस्ट्रेट २६३०१
किदार बिल्डिग, ट्राम टर्मीनस, सब्जी मडी २७७८६

दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन, सेक्रेटरियट
ओल्ड सेक्रेटेरियट भवन

विनोद कुमार, असिस्टेंट कलक्टर (कस्टस्स)
पहाडी धीरज
सागरचन्द्र, सुपरिंटेंडेट २४१८१/१६
V/२६६ ओल्ड पुलिस पोस्ट के पास, शहादरा
मेहर चद, इस्पेक्टर (लोकल आफिसेंज) २६६८०
कश्मीरी गेट
कैलाश चन्द २४१८१/२६
१५०३ कूचा सेठ, दरीबा कला
सागर चन्द २६६८०
४६४६/२१, दरियागज
दीप चन्द २६६७१
क्वा० न० ७, ची. क स्टाफ क्वार्टर्स
महावीर प्रसाद २६१४४
६६८८-डी, भगवान मदिर, सराय रोहेला
मगल सेन २६६८८
१३-ची क स्टाफ क्वार्टर्स, अपर बेला गेट

दर्शन सिंह
नेम चन्द

फूड एण्ड एग्रीकलचर मिनिस्ट्री

जे पी जैन
    १३ डी, स्कूल लेन
जनेश्वर दास
    ३७ सी, तुर्कमान रोड
ए० एस० जैन
हरिश्चन्द्र
जे पी जैन
विशाल मोहन

रिहेबिलीटेशन मिनिस्ट्री

कैलाश चन्द
    आई-३५० सरोजिनी नगर

कन्ट्रोलर आफ डिफेन्स एकाउण्टस

बी एन जैन डि एटर्नी, जन—डिफ एकाउट्स
    (आन डेप्यूटेशन)
पदम कुमार
    एक्स ३८५ सरोजिनी नगर

गवर्नमेंट आफ इंडिया अण्डरटेकिंग्स

रिजर्व बैंक आफ इण्डिया

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
    अहमदाबाद

लोकल बोर्ड (वेस्टर्न एरिया)

कस्तूरभाई लालभाई, सदस्य
मथुरादास मगनदास पारिख, सदस्य

लोकल बोर्ड (नोर्दन एरिया)

साहु जगदीश प्रसाद, सदस्य

इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन आफ इण्डिया

रिजर्व बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

सी० पी० जैन, सदस्य, [illegible]	[illegible]
२३६३, गली [illegible], [illegible]	२२५३९

रिहेबिलीटेशन फाइनेंस एडमिनिस्ट्रेशन

अमोलक चन्द्र, सदस्य (उ० प्र०)

इडस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन आफ इडिया लि०, १६३ बैकवे रिक्लेमेशन, बम्बई-१

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
    अहमदाबाद

नेशनल इण्डियन डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड उद्योग भवन

मनुभाई शाह, वाइस-चेअरमेन	३३०६१
१२ तुगलक रोड	१३६०३
शांतिप्रसाद (साहु), डायरेक्टर	३३५६१
६ सरदार पटेल मार्ग	३४४०२
कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर	
अहमदाबाद	

इण्डिया आयल कम्पनी लिमिटेड

अमोलक चन्द्र, डायरेक्टर	
हिंदुस्तान इन्सेक्टीसाइड्स लि०, नजफगढ रोड	
बी० आर० भण्डारी, सेक्रेट्री व एड० आफीसर	५४२०१
१६ बी/२८, देवनगर	५५८६३

नेशनल स्माल इडस्ट्रीज कार्पोरेशन लि० रानी झांसी रोड

मूलचन्द्र (ससद सदस्य), डायरेक्टर	
१५४, नार्थ एवेन्यू	३४३२६

हिन्दुस्तान केमीकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड

(हेड आफिस नया नगल, होशियारपुर)

शाखा—१५७/४८ नारायणपुरी

ब्रजभान, डायरेक्टर

साहित्य अकादमी

(नेशनल एकादमी आफ लैटर्स)

हिन्दी एडवाइजरी बोर्ड

जैनेन्द्र कुमार, सदस्य	[illegible]
७, ३८, दरियागंज	[illegible]
यशपाल, सदस्य	[illegible]
२, दरियागंज	[illegible]

रवीन्द्र नाथ
९८८ गली भोजपुरा, माली वाडा
उग्रसेन
३६८१ गली जमादार
निर्मल कुमार
३७०४ गली जमादार
के० के० जैन
३१९७ कूचा तारा चन्द, दरियागज

इडस्ट्रीज एण्ड लेबर डायरेक्टोरेट

१-राजपुर रोड

विमल प्रसाद, सुपरिंटेंडेट २३५६८
४२११ आर्यपुरा
राज ऋषि २३४८८
XIII/४५० पहाडी धीरज
वी पी जैन २२४६८
मडीवाली गली, पहाडी धीरज
मगतराम २५५१७
५२ आर के केमी व, नजफगढ रोड ५४३३९

पब्लिक रिलेशस डायरेक्टोरेट (फोन-२३४८१/२८९१३)

ब्लाक न० ६, ओल्ड सेक्रेटेरियट

कमल कुमार
६६८८/स न्यू रोहतक रोड, सराय रोहेला

एम्पलायमेंट एण्ड ट्रेनिग डायरेक्टोरेट

ई ब्लाक कनाटप्लेस

संतेन्द्र कुमार
२६/२३, जैन भवन, शक्ति नगर

इडस्ट्रियल ट्रेनिग इस्टीच्यूट पूसा रोड

चमन लाल, इस्ट्रक्टर

एम्पालायमेंट एक्सचेंज

टा० सी० जैन
पी० सी० जैन

फिशरीज डिपार्टमेंट

लक्ष्मण दास
४१३७ आर्यपुरा, सब्जी मण्डी

दिल्ली स्टेट प्रेस आफिस, ओल्ड सेक्रेटेरियट

बलवन्त राय २६२६५
४६५६ गली मोहर सिह, पहाडी धीरज
अजीत प्रसाद २६६५
८३४ मटोला, पहाडगज

एजूकेशन डायरेक्टोरेट, ओल्ड सेक्रेटेरियट

हेम चन्द २३००१
१२, लोदी रोड (मेन मार्केट)

बोर्ड आफ हायर सेकण्ड्री एजूकेशन

ओल्ड सेक्रेटेरियट

रवीन्द्र कुमार २५२५१
१२-डी कमला नगर
अजीत प्रसाद २५२५१
फैज बाजार, दरियागज

डिप्टी कमिश्नर्स आफिस

तीस हजारी कोर्टस बिल्डिग

पूरन मल
२३४, कूचा मीरआशिक, चावडी बाजार
शिखर चन्द
चिराग दिल्ली
सुरेन्द्र सिह
तिमारपुर
जगन्नाथ
सब्जी मडी
सागर चन्द
गुड मडी, पहाडगज
धर्मपाल
बाग कडे खाँ
बाल किशन
शान्ति प्रसाद
आर्यपुरा, सब्जी मडी
माखन लाल
कमल किशोर
लाजपतराय

महेन्द्र प्रसाद　　२६६४४
　२४४३, धर्मपुरा

मगतराम　　२६६४४
　२३८८, धर्मपुरा

डायरेक्ट्रेट आफ फूड एण्ड सिविल सप्लाइज
तीस हजारी कोर्टस बिल्डिंग

बाल किशन गोयल, इन्सपेक्टर
　८७०-ईस्टपार्क रोड, करोल बाग

जगमोहन लाल　　२४१८०
　७/३२ दरियागज　　२६२८३

रमेश चन्द
　२३३५ धर्मपुरा

उल्फतराय
　३८-ई कमला नगर

दिल्ली स्टेट मोटर ट्रांसपोर्ट कंट्रोलर्स आफिस
राजपुर रोड

निरंजनक जिंदल, रोड सोसाइटी इन्सपेक्टर
　आफीसर्स होस्टल, तीस हजारी कोर्टस बिल्डिंग

रनजीत सिंह
　तिमार पुर

अजीत सिंह
　करोल बाग

छबील दास
　६ श्याम भवन, दरियागज

मदन लाल
　६ श्याम भवन, दरियागज

दिल्ली ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग, सिंदिया हाउस

प्रेम चन्द्र, लेबर वेलफेयर आफीसर

आर. पी. जैन, अ० इचार्ज

रामकिशोर, अ० इचार्ज

नरेन्द्र नाथ, एसिस्टेंट
　दरियागज

नवीन कुमार
　३१३० माडन स्ट्रीट, रतन सिनेमा के पास

नरेन्द्र कुमार
　पहाडी धीरज

विजेन्द्र कुमार
　दरियागज

एन० के० जैन

बस कंडक्टर्स

दया चंद्र

विमल प्रसाद

गोपीराम

जितेन्द्र कुमार

नानूराम

पी एल जैन

कार्यालय- सेलस टेक्स, एक्साइज, एटरटेनमेट टेक्स व रजिस्ट्रेशन कमिश्नर, २ बैटरी लेन, सरस्वती हाउस, कनाट प्लेस

उलफतराय जैन, अ० सेक्शन आफीसर
　६ भार्गव लेन

जितेन्द्र कुमार, अ० सेक्शन आफीसर
　१०० गज्जू कटरा, शहादरा

शाम लाल
　४५४७-४८ पहाडी धीरज

देव कुमार
　६६८८-टी न्यू रोहतक रोड

सुखमाल चन्द
　१०८६-गली राजा उग्रसेन, बाजार सीताराम

नेम चन्द
　सी-१८२ नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव

कैलाश चन्द
　१२/६५ रोहतक रोड

शिवराज सिंह, स० इन्सपेक्टर ([illegible])
　१/१६ रूप नगर

सागर चन्द
　८८० ईस्ट पार्क रोड

महावीर प्रसाद
　२५०३ धर्मपुरा

प्रेम चन्द
　[illegible]

नरेन्द्र कुमार
　[illegible]　　[illegible]

रवीन्द्र नाथ
९८८ गली भोजपुरा, माली वाडा
उग्रसेन
३६८१ गली जमादार
निर्मल कुमार
३७०४ गली जमादार
के० के० जैन
३११९७ कूचा तारा चन्द, दरियागज

इडस्ट्रीज एण्ड लेबर डायरेक्टोरेट

१-राजपुर रोड

विमल प्रसाद, सुपरिंटेंडेंट २३५६८
४२११ आर्यपुरा
राज ऋषि २३४८८
XIII/४५० पहाडी धीरज
बी पी जैन २२४६८
मडीवाली गली, पहाडी धीरज
मगतराम २५५१७
५२ आर के केमी व, नजफगढ रोड ५४३३६

पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (फोन-२३४८१/२८९१३)
ब्लाक न० ६, ओल्ड सेक्रेटेरियट

कमल कुमार
६६८८/स न्यू रोहतक रोड, सराय रोहेला

एम्पलायमेट एण्ड ट्रेनिग डायरेक्टोरेट
ई ब्लाक कनाटप्लेस

सतेन्द्र कुमार
२६/२३, जैन भवन, शक्ति नगर

इडस्ट्रियल ट्रेनिग इस्टीच्यूट पूसा रोड

चमन लाल, इस्ट्रक्टर

एम्पालायमेट एक्सचेंज

टी० सी० जैन
पी० सी० जैन

फिशरीज डिपार्टमेट

लक्ष्मण दास
४१३७ आर्यपुरा, सब्जी मण्डी

दिल्ली स्टेट प्रेस आफिस, ओल्ड सेक्रेटेरियट

बलवन्त राय २६२६५
४६५६ गली मोहर सिह, पहाडी धीरज
अजीत प्रसाद २६६५
८३४ मटोला, पहाडगज

एजूकेशन डायरेक्टोरेट, ओल्ड सेक्रेटेरियट

हेम चन्द २३००१
१२, लोदी रोड (मेन मार्केट)

बोर्ड आफ हायर सेकण्ड्री एजूकेशन

ओल्ड सेक्रेटेरियट

रवीन्द्र कुमार २५२५१
१२-डी कमला नगर
अजीत प्रसाद २५२५१
फैज बाजार, दरियागज

डिप्टी कमिश्नर्स आफिस

तीस हजारी कोटर्स बिल्डिग

पूरन मल
२३४, कूचा मीरआशिक, चावडी बाजार
शिखर चन्द
चिराग दिल्ली
सुरेन्द्र सिंह
तिमारपुर
जगन्नाथ
सब्जी मडी
सागर चन्द
गुड मडी, पहाडगज
धर्मपाल
बाग कडे खां
बाल किशन
शान्ति प्रसाद
- आर्यपुरा, सब्जी मडी
माखन लाल
कमल किशोर
लाजपतराय

दिल्ली ट्रेजरी

तारा चन्द

मदन लाल

कोआपरेटिव सोसायटीज डिपार्टमेंट

दीप चन्द्र, सब इन्सपेक्टर २६५१८
    मौडल बस्ती

दिल्ली नगर निगम (म्युनिसिपल कार्पोरेशन)

टाउन हाल, चादनी चौक

सदस्य नगर निगम (म्युनिसिपल काउंसिलरस)

भीकू राम २५६६६
    पहाडी धीरज २७३२७

ओम प्रकाश
    गली वहूजी, पहाडी धीरज

रतन लाल
    ८२६, मटोला, पहाडगज ४६७७०

कार्यालय जनरल विंग

ए० पी० जैन, एक्जी० इंजीनियर (२४१५१ २४१५६/१७
    ७, दरियागज २४६०२

साम चन्द्र, विजीलेंस आफीसर २५१५१/४७
    XIV/८५६४, गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज

दर्शन लाल, सुपरिंटेंडेंट (विजि०) २४६५१/४७
    २०, म्यू० कालोनी, ई० ब्ला०, कमला नगर

अमर सेन, सुपरिंटेंडेंट (इले०)
    ३६१६, चावडी बाजार

सुमत प्रसाद, पी० ए० टू चीफ एकाउंटेंट २३२२०
    ए-१६, राना प्रताप बाग

त्रिलोक चन्द्र, सुपरिंटेंडेंट (क्रीमेशन ग्राउन्ड)
    शहादरा

जिनेन्द्र प्रसाद, जनरल एटार्नी (तीस हजारी)
    १२६६, बकीलपुरा

सागर चन्द्र, हेड क्लर्क
    ४६८१, गली मोहर सिंह, पहाडी धीरज

मनोज चन्द्र, हेड कैशियर
    ३२ म्यू० कालोनी, बंगलो रोड, कमला नगर

हरीश चन्द्र २४१५१/४७
    ६ म्युनिसिपल कालोनी कमला नगर

श्याम लाल
    सब्जी मंडी

जवाहर लाल (म्यू० ट्रेजरी)
    ३२०, गली कुजसवाली, दरीवा

शीतल प्रसाद २४१५१/५०
    १०१६, नजफगढ

हुकुम चन्द्र २४१५१/५०

सुमत प्रकाश
    ४६८३, शिव नगर, करोल बाग

सतिन्द्र कुमार
    १७/६०४ लोदी कालोनी

राम कुमार
    ५२, रीडिंग लेन

श्री पाल
    १०००, रीडिंग लेन

सुरेन्द्र कुमार
    २४६४, नाई वाडा, चावडी बाजार

शिखर चन्द्र
    पहाडगज

नन्द किशोर, जनरल एटार्नी २४१५१/१०
    ६ म्यू० कालोनी, कमला नगर

नरेश चन्द्र, इन्सपेक्टर
    २२४८, गली अनार

जयपाल, इन्सपेक्टर

हेमचन्द्र
    ४६८, बडा बाजार, शहादरा

मानक चन्द्र २४१५१/३८
    ५३५८, लड्डूघाटी, पहाडगज ४०५५३

विमल चन्द २४१५१/३८
    १६६५, नौघरा, किनारी बाजार

पवन कुमार
    ३०-डी, कमला नगर

ओम प्रकाश
    ३८७३, गली मंदिर वाली, पहाडी धीरज

वीरसैन
    ४५३०, पहाडी धीरज

दर्शन लाल २४१५१/२६
    १०२, म्यू० कालोनी, [illegible]

महेन्द्र प्रसाद २४१५१/२६
 ११२, म्यू० कालोनी, आज़ादपुर
सुरेन्द कुमार २४१५१/२६
भीम सिंह २४१५१/२६
विजेन्द्र पाल २४१५१/२६
प्रेम चन्द्र, सेक्शन आफीसर (सिटी ज़ोन)
 थामसन रोड
अर्हमिद्र कुमार
 ६४७, मालीवाडा, नई सडक
जे० के० जैन
 क्वाटर न० १६, ब्लाक ११०, सराय रोहला
प्रह्लाद सिंह
 ४५-ई कमला नगर

कार्यालय-ओल्ड हिन्दू कालेज बिल्डिंग, कश्मीरी गेट

महेन्द्र कुमार, हेड क्लर्क (लायसेंसिंग डिपार्टमेंट)
 ३ म्यू० कालोनी, बंगलो रोड, जवाहर नगर
जयचन्द, रेंट कलक्टर (लायसेंसिंग डिपार्टमेंट)
राम चन्द्र (एजू० डिपार्टमेंट)
 १३६५, वदवाडा
चेतन लाल (एजू० डिपार्टमेंट)
कंवर सेन (एजू० डिपार्टमेंट)
 गली पहाड वाली, पहाडी धीरज
सुख चरन (टर्मीनल टैक्स)
 नजफगढ
कान्ति प्रसाद (टर्मीनल टैक्स)
जैन प्रकाश (टर्मीनल टैक्स)
हरी चन्द्र (टर्मीनल टैक्स)
 गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज

कार्यालय—तिविया कालेज विल्डिंग, करोल बाग

निर्मल कुमार, अ० म्यू० प्रासीक्यूटर (प्रासी० [illegible]च)
मुल्तान
बैज नाथ
 म्यू० कालोनी, ब्लाक ई. कमला नगर
देवी दयाल
 ४५ ई०, कमला नगर

कार्यालय-वेस्ट ज़ोन, राजोरी गार्डन

एम० के० राय, जोनल आफीसर ५१५६३
सन्तोष कुमार, सेक्शन आफीसर (इन्जीनियरिंग)
जयपाल, सेक्शन आफीसर (बिल्डिंग)
नेम चन्द्र
 म्यू० कालोनी, आज़ादपुर
अभिनन्दन कुमार
 डी० जी० ६५०, सरोजिनी नगर

कार्यालय—सिविल लाइन्स जोन, १६ राजपुर रोड

फल चन्द्र २५५२५
 २१/१७ (४६५७) दरियागज
प्रताप चन्द्र २५५२५
 पी-५५, डी. एल. एफ कालोनी, रिंग रोड
नरेश चन्द्र २४६०७
 ५२३४, अशोक भवन, कोलहापुर रोड
सुखबीर
 छोटा बाजार, दिल्ली शहादरा

कार्यालय-नई दिल्ली जोन, ७ सिंदिया हाउस

ओम प्रकाश, सेक्शन आफीसर ४७७१५
 चिराग दिल्ली
वकील चन्द्र

कार्यालय-साउथ दिल्ली जोन, ग्रीन पार्क

रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ७२६२१
 ई-५, ग्रीन पार्क
महीपाल, सेक्शन आफीसर
 ११३, सरोजिनी नगर
जनेश्वर दास
 डी जी. ६५० सरोजिनी नगर

वाटर सप्लाई एण्ड सीवेज डिस्पोजल अण्डरटेकिंग
टाउन हाल, चादनी चौक

मल्लिनाथ, डिप्टी चीफ इन्जीनियर २४१५१/१४
 ५/४०३६ ए दरियागज २५१३६

रमेश चन्द्र २४१५१/१४
१८४६, चीराखाना, मालीवाडा

दिल्ली इलेक्ट्रिक सप्लाई अंडरटेकिंग

राजेन्द्र कुमार २३५४८
७/२६, दरियागज

मोहन लाल २३५४८
६६, मोडल वस्ती

मेहर चन्द
२३६७, छत्ता शाह जी

बाबू लाल
७२, मोडल वस्ती

इकबाल सिंह
XIV/४५८६ गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज

जय चन्द
३७२३, गली जैन मदिर, पहाडी धीरज

विद्या सागर
४४६४, जुगल किशोर कोठी, गली जतन, प० धीरज

मुन्नालाल
७०४२, घास मडी, पहाडी धीरज

हरिश चन्द्र
१६२६, बर्वीज रोड

महेन्द्र कुमार
१२०२, बडा बाजार, कश्मीरी गेट

नव निहाल सिंह
६३, मुख्तराम निवास, चावडी बाजार

ओम प्रकाश
१०, रीडिंग रोड

रविन्द्र कुमार
५६५, कटोला

प्रेम चन्द
१७०८, फिल्म कालोनी

मदन लाल
१३६, कटरा मशरू, दरीबा

महेन्द्र कुमार
१०००, रीडिंग रोड

सतीश चन्द्र
२१, दरियागज

बाबू राम
जैन मदिर, गाधी नगर

सुभाष चन्द्र
एच-५०६, सरोजिनी नगर

देवेन्द्र कुमार
५१, रेगढपुरा, करोल बाग

हेम चन्द
१२७२, वकीलपुरा, दरीबा

फूल चन्द
७/२६ दरियागज

नई दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी

चिरजी लाल, सुपरिटेंडेंट (रेट्स)

भगवत स्वरूप, सुपरिटेंडेंट (आडिट)

सुखवीर सिंह गोयल, अ० एलै० इन्जीनियर ४७७५८
८५, मिन्टो रोड ४७५७१

पदम सेन, शिफट इन्चार्ज

वकील चन्द

मुन्नी लाल

प्रकाश चन्द

सुमेर चन्द

नेम चन्द

सुमन प्रसाद

दया चन्द

रोशन लाल

एम० एल० जैन
२०८७/६ बी०, प्रेम नगर, [illegible]

निर्मल कुमार

मुन्नीलाल
एच-२३/२४ सर्वता, गांधी गेट

बैंक व बीमा कम्पनियां

इलाहाबाद बैंक लिमिटेड
(चादनी चौक शाखा-फोन २८६६२)

तिलक चन्द
(सिंदिया हाउस, नई दिल्ली शाखा-फोन ४८२६८)

एस० एम० जैन

बैंक ग्राफ बडौदा लिमिटेड
(दिल्ली शाखा-कूचा गौरी शकर-फोन २४६७७)

कवर सेन

सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया लिमिटेड

शीलचन्द्र, ट्रेजरार (दिल्ली-ग्रम्बाला ग्रुप) २५०८६
कार्यालय—३३, चादनी चौक २६८३६
निवास—३४, फीरोजशाह रोड ४८०८१
(ग्रशोक होटल शाखा-फोन ३०१११)

राजेन्द्र कुमार, एकाउटेट
४२२२, आर्यपुरा, सब्जीमडी
(चादनी चौक शाखा-फोन २३३३१ व २६८३६)

वालमुकुन्द
चीफ कैशियर, ५६५, पहाड गज

इन्द्रसेन
गली कटरा, शहादरा

शाति प्रसाद
२०८८, किनारी वाजार

मोहन सिंह
एफ ८/११, माडल टाउन

राजनरायन
२२६१, गली ग्रनार

सनत कुमार
गदा नाला, मोरी गेट

प्यारे लाल
१२१४, कूचा सेठ

दरवारी लाल
छीपीवाडा

प्रेमचन्द
गली पहाड वाली

ओमप्रकाश
सतघरा, धर्मपुरा

मित्रसेन
४६६४, डिप्टीगज

विमल प्रकाश
२५२६, धर्मपुरा

हीरालाल
२१६४, धर्मपुरा

वालचन्द
१४६८, गली झटके वाली, कूचा सेठ

रूप किशोर
२५६८, कूचा सेठ

कामता प्रसाद गोयल
चादनी चौक

जुगमदर दास
२२६२, गली पहाड वाली धर्मपुरा

सुमत प्रसाद
२२५३, गली पहाड वाली, धर्मपुरा

विलायती राम
१२६६, वकीलपुरा

श्री महेन्द्र
शहादरा

महेन्द्र कुमार
१३६, पहाड गज

दीपचन्द
    नाई वाडा, करोल बाग
प्रेमचन्द
    १५०६, कूचा सेठ
मलेक चन्द
    ३७७५, गली मदिर, पहाडी धीरज
महेन्द्र कुमार,
    ४५६६, गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज
सुरेश कुमार
    गली मन्दिर वाली, शहादरा
पुष्पचन्द २३३३१/३
    ३६५ मटोला, पहाडगज ४२०१३
पद्मचन्द
    ६४ ई०, कमला नगर
बालेश्वर प्रसाद
    ४६२१, पहाडी धीरज
जयन्ती प्रसाद
    ४२० जोगी वाडा
ज्ञानचन्द
    सब्जी मडी

(जनपथ शाखा-फोन ४८२७५)

राजेन्द्र कुमार, जूनियर ग्राफीसर
    ४२२४, ग्रार्यपुरा, सब्जीमडी
जोती प्रसाद, खजाची
    ६४४, सब्जीमडी
मन्तलाल
    ६४४, मालीवाडा
महावीर प्रसाद
    २३१७, धर्मपुरा
ग्रभिनन्दन कुमार
    ६६ गली जैन मन्दिर, शहादरा
हुकमचन्द
    ग्रार्य नगर, गाजियाबाद
नानक चन्द
    २३३, कूचा [illegible]
[illegible] कुमार
    [illegible], धर्मपुरा

(नया बाजार शाखा-फोन २७३०५)

विजय कुमार
    १०४, मोडल बस्ती

(पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा-फो० ४७५४६)

इन्द्र नारायण
कांतिलाल
जिनेन्द्र कुमार

दिल्ली स्टेट सेंट्रल कोग्रापरेटिव बैंक लिमिटेड
खारी बावली

दीपचन्द, मैनेजर २५४८६

गाडोदिया बैंक लिमिटेड
बैंक स्ट्रीट, करोल बाग

प्रेमचन्द्र, मैनेजर ५३३१६
    गली नाई वाली, करोल बाग

नेशनल एण्ड ग्रिडलेज बैंक लि०
(कनाट प्लेस शाखा-फोन ४५६०१)

रघुबीर सिंह
    ४७/४७१५ रेगडपुरा, करोलबाग
महावीर प्रसाद
    २३१६, धर्मपुरा
हरिश्चन्द्र
    २१६७, मसजिद खजूर
शांति प्रसाद
    ५३/६६ रामजस रोड
लाली चन्द
    ७५७५/२ तेल मिल रोड, रामनगर
त्रिभुवन प्रकाश
    ५२३६ बारह टूटी, सदर बाजार

(चांदनी चौक शाखा-फोन-[illegible])

शांति प्रसाद, डि० चीफ मैनेजर [illegible]
    २०८३, धर्मपुरा [illegible]
ग्रोम प्रकाश
    ४०१६, ग्रार्यपुरा, सब्जी मंडी
[illegible]
    [illegible]

जगदीश राय
२५६३, गली नीम वाली, धर्मपुरा
लाल चन्द
३०२३, बहादुरगढ रोड
घनश्याम दास
६७, माडल टाउन
(लायडस ब्राच, पार्लियामेट स्ट्रीट-फोन ४५३८३)
धूर्मसिह
६५३, गली, शामलाल, मटिया महल, जामा मसजिद
दमन कुमार
२०८६, कटरा खुशाल राय
लाल चन्द
१५/६, वेस्ट पटेल नगर
मदन लाल
४७१६, डिप्टीगज
सलेक चन्द
४६६४/२१ ए दरियागज

ओरटियल बैंक आफ कामर्स लिमिटेड
(कनाट सर्कस—फोन ४५८२४)

सन्त लाल, हेड कैशियर
नरेश चन्द, अ० कैशियर
२५३४, चावडी बाजार
आनन्द कुमार, अ० कशियर
४६५३, गली मोहर सिंह, पहाडी धीरज
कैलाश चन्द
२५०६, धर्मपुरा

(चादनी चौक शाखा —फोन २४७१०)

फीरोज़ी लाल, हैड कैशियर
कैलाश चद, अ० कैशियर
निर्मल कुमार, अ० कैशियर
सलेक चद, अ० कैशियर
सुमत प्रसाद, अ० कैशियर

(चावडी बाजार शाखा-फोन, २६४५३)

सागर चन्द, हैड कैशियर
सुरेन्द्र कुमार, अ० कशियर
आदीश्वर प्रसाद, अ० कैशियर

(दरियागज शाखा-फोन २०८६७)

अजीत कुमार, हैड कैशियर

(करोल बाग शाखा-फोन ५१६४७)

राजेन्द्र कुमार, हैड कैशियर
श्री कृष्णदास, अ० कैशियर
मनोहर लाल सोहन लाल

(नया बाजार शाखा-फोन २७६०३)

पदम चद, हैड कैशिवर
प्रेम चद, अ० कैशियर

(सदर बाजार शाखा-फोन २०८१५)

मनोहर डाल, हैड कैशियर
सुरेश चद, अ० कैशियर

(सब्जी मडी शाखा-फोन २०८४३)

भीम सेन, हैड कैशियर
पदम चद, अ० कशियर
धनपाल अ० कैशियर

पजाब नेशनल बैंक लिमिटेड

सेठ सुन्दर लाल, ट्रेजरर
४६३६, डिप्टी गज २७०५८

(सेंट्रल आफिस, पार्लियामेट स्ट्रीट-४३५७१)

जे० डी० जैन
४१४ छितकी गेट, चावडी बाजार
पी० सी० जैन
१०७४ माली वाडा
माम चन्द
४ ए/३ ए असारी रोड
जगदीश प्रसाद
२७/१४ शक्तिनगर
महेन्द्र कुमार
२६४ राम नगर स्ट्रीट, गाधीनगर
के० सी० जैन
४१३८ आर्यपुरा, सब्जी मडी
पदम सेन
द्वारा ताराचन्द धर्मदास कागजी, चावडी बाजार
मदन प्रकाश
२२०७ मसजिद खजूर, गली भूत वाली

जिनेन्द्र कुमार
    २७/१४ शक्ति नगर
सेवाराम
    गली अनार, दरीबा कला
जगदीश प्रसाद
    २७/१४ शक्तिनगर

(आसफ अली रोड शाखा-फोन-२७२३३)

बनारसी दास
सुमत प्रसाद

(चादनी चौक शाखा-फोन २५०७५)

आदीश्वर प्रसाद, कैशियर इचार्ज   २५०७५
    प्रकाश भवन, गली माता वाली, तेली वाडा   २९९९८
आनन्द कुमार, कैशियर
    १/२९६ छोटा बाजार कश्मीरी गेट
शीतल प्रसाद, कैशियर
    जोशी रोड, करोल बाग
जितेन्द्र प्रकाश कैशियर
    २५३२ धर्मपुरा
कन्हैया लाल, कैशियर
    गली बरना, सदर बाजार
अमर नाथ, कैशियर
    धर्मपुरा
शिवचरन दास
    बी ५/१२ माडल टाउन   २६३०५
सुलेख चद
    गली पनिहारी, तेलीवाडा

(चावड़ी बाजार शाखा-फोन २६४३७)

लक्ष्मी चद
धर्म चद
भगवान दास

(सिविल लाइंस शाखा-फोन २७३३६)

सुमत प्रसाद

(दरियागंज शाखा-फोन २८६८३)

प्रमोद कुमार, मैनेजर
    २५ नेताजी सुभाष मार्ग   २०१८८
हसराज
दयाराम

कैलाश चद
नानक चद

(फाउटेन शाखा—फोन २४७९६)

ऋषभ सेन
    २१०० गली भूतवाली, मसजिद खजूर
खुशीराम
अतर सेन
नेम चद

(गुरुद्वारा रोड शाखा-फोन ५११९०)

जय भगवान, हैड कैशियर
    १०३५ मानकपुरा
प्रेम चद
    १२४१ नाई गली न० १, करोल बाग
लाजपत राय
    ९१ शाति नगर, जैन मन्दिर के सामने
शीतल प्रसाद
    ४६२१, पहाडी धीरज

(कश्मीरी गेट शाखा—फोन २४६६३)

लाल चन्द, हैड कैशियर
नरेन्द्र कुमार
इदर प्रकाश

(खारी बावली शाखा-फोन २३०५१)

सुमत प्रसाद

(मिंटो रोड शाखा-फोन ८७१५९)

हुमन लाल
    १२५१ गली मीर मा
गुलाब चद
    लिबर्टी सिनेमा के पीछे
विमल प्रसाद
    १६/६७६ जोशी रोड, करोल बाग
जुगमदर दास
    ३५६७, गली न० १०/११ रैगरपुरा, करोल बाग
पारस दास
    ३६/२ हनुमान रोड
सुरेन्द्र कुमार
    पहाडी धीरज

(नया बाजार शाखा-फोन २५७००)

किशन चन्द्र
३५६० मो० जटवाडा, दरियागज

(पहाडगज शाखा-फोन ४३६९१)

नानक चन्द
महेन्द्र प्रसाद
कवर सेन
भगतराम

(पार्लियामेट स्ट्रीट-फोन ४५४४९)

राम चद
४४६४ आर्यपुरा, सब्जी मडी

(पटेल नगर शाखा-फोन ५१२६०)

ईश्वर सिंह

(रीगल बिल्डिंग शाखा-फोन ४७८७७)

सरूप चद, हैड कैशियर
४२२६ गली वरना, बारा टूटी
प्रेम चन्द
१४७-१४८ ई कमला नगर
शाती स्वरूप
३३२१ कूचा कशगरी, सीताराम बाजार
वीरेन्द्र कुमार
३९ भोगल, जगपुरा
अमर नाथ
धर्मपुरा
जुगमदर दास
वीरेन्द्र कुमार

(सदर बाजार शाखा-फोन २६४८९)

प्रभास चन्द्र, मैनेजर
चद्र सेन, हेड कैशियर
गदा नाला, मोरीगेट जैन मदिर के पास
शाति प्रसाद
जैन मदिर के पास, वैदवाड़ा
भीमसेन
शील चद
श्री चद
जय चन्द
सागर चन्द
जिनेश्वर दास
सुमत प्रसाद

(सब्जी मडी शाखा-फोन २५३५६)

महाबीर प्रसाद, हैड कैशियर
हेम चन्द
ज्ञान चन्द
रोशन लाल
अक्षय लाल

(सब्जी मडी, क्लाक टावर शाखा-फोन २५३७०)

जिनेश्वर दास, सुपरवाइज़र २५३७०
जगदीश चद
हेम चद
बिशन लाल
शिव नारायन गुप्ता
४२४७ गली बहूजी, पहाडी धीरज

स्टेट बैंक आफ बीकानेर, २०८ चादनी चौक

अजीत प्रसाद, कैशियर २७२५६
१२९३ वकीलपुरा

स्टेट बैंक आफ इडिया

(लोकल हैड आफिस, पार्लियामेट स्ट्रीट-फोन ४३५२१)

एन० के० जैन, स्टा० असिस्टेंट
के० सी० जैन
१०८७२, झडावाला रोड, नवीकरीम
अ० आर जैन
२८८, कूचा सजोगी राम, नया बाम
ऐ० पी० जैन
१८ हैवलोक स्क्वेअर
जे० के० जैन
३५/१ सिविल लाइन्स, ओल्ड सेक्रेटेरियट
डी० के० जैन
२/२ वेअर्ड रोड
नगीन चन्द
मार्फत जैन पेंट हाउस, सदर बाजार

श्री पाल
३/४३ रूप नगर
राजेन्द्र प्रसाद
३०१३ मसजिद खजूर, किनारी बाजार

यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया लिमिटेड

(दिल्ली शाखा-फोन २३११३)

जुगल किशोर
पहाडी धीरज

(कनाट सर्कस शाखा-फोन ४२५५३)

हेम चन्द्र, हैड कैशियर ४३५५३
७०५०, गली टकी वाली, पहाडी धीरज
सीताराम गोयल ४२५५३
१४३६, फैज़गज, वहादुरगढ रोड

(चादनी चौक शाखा-फोन २५४३६)

प्रेम प्रकाश
८७, ए. नया बाजार
सुरेश चद
महेश चन्द्र
रतन प्रकाश
रमेशदास
हेम चद्र
बाल मुकद

यूनाइटेड कर्माशियल बैंक लिमिटेड

(चादनी चौक शाखा-फोन २४३११)

प्रेम चन्द्र, कैशियर २४३११
पटपडगज, (जैन मदिर के पास)
तारा चन्द्र २४३११
दर्शन भवन, राम नगर

(पालियामेट स्ट्रीट शाखा-फोन ४४३५१)

रवीन्द्र कुमार
जैन मन्दिर गली, सब्जी मडी

(कनाट प्लेस शाखा-फोन ४२०१४)

सुमेर चन्द
आर्यपुरा, सब्जी मडी

बीमा कम्पनियां

लाइफ इश्योरेंस कार्पोरेशन आफ इन्डिया (जोनल आफिस)
लक्ष्मी इंश्योरेंस बिल्डिग, आसफ अली रोड

नेम चन्द्र, अ० सी० आफीसर २६६०१
मुकीमपुरा, सब्ज़ी मडी
राधे श्याम २६५०१/१७
१३, पार्क लेन
सुलेख चन्द्र २६६०१/७
३६६८, गली जमादार वाली, पहाडी धीरज
तसम कुमार २३७६३
७८४८ नई बस्ती, बाडा हिंदूराव
कदम गोपाल २३७६३
१३५८ गुलिया, दरीबा कला
प्रकाश चन्द २६०६१/७
२१६५ धर्मपुरा, २८४८६
नरेन्द्र कुमार २६६०१/१०
७/३६३, फराश बाज़ार
आई. एच ओ. नेशनल
ई २८ कनाट प्लेस
सी एम शाह, आफीसर इ चार्ज ४७४८३

डिवीज़नल आफिस, इडस्ट्रियल एण्ड प्र ० बिल्डिग
आसफअली रोड

पी के जैन, जूनि० आफीसर २६६०७
वीरेन्द्र कुमार

न्यू एशियाटिक वेस आफिस, एच. ब्लाक, कनाट सर्कस

निहाल चन्द, सुप० ४७४५८
१३१२, वैदवाडा
महेन्द्र कुमार, फील्ड आफीसर
३०२० गली चूडीवालान, मस्जिद खजूर
ए० सी० जैन
४४६१, गली राजा पाटनमल
एस० सी० जैन
८१, मोडल वस्ती, शीदीपुरा
सतोप चन्द
५३५२, च० निवास, लड्डूघाटी, पहाडगज

मामे राम
३३४६, गदा नाला, मोरी गेट
राम प्रसाद
५६-डी, फौच स्क्वेअर
ओम प्रकाश
४५०८, दाई वाडा, नई सडक
सत प्रकाश ४७४५८
मु० भरसा, जि० गुडगाव

ब्राच आफिस न० ६-सनलाइट बिल्डिग, आसफअली रोड

हरिश्चन्द्र, मैनेजर २८८६३
६, पूसा रोड ४५६१६
(यूनिट ११८—कनाट सर्कस)
नेकी चन्द, फील्ड आफीसर

रूबी जनरल इश्योरेंस कम्पनी, दरियागज

चुन्नी लाल, ब्राच मैनेजर २३५३३
२३, दरियागज
जगत प्रसाद
७, दरियागज
नरेन्द्र प्रकाश
३०१, दरीबा कला
किशन लाल
४४६३, गली नानूराम, आर्यपुरा

यूनीवर्सल फायर एण्ड जनरल इश्योरेंस कम्पनी, दरियागज

देवेन्द्र कुमार २५३२६
४६१४, पहाडी धीरज
मदन लाल
२६, सी. राम नगर, पहाडगज

न्यू ग्रेट इन्श्योरेंस क० आफ इण्डिया लिमिटेड
१६-ए आसफ अली रोड

आर० सी० जैन, डिवीजनल मैनेजर २३८७५
गुरुवक्स भवन, चूना मडी ४६४१७

इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, कनाट प्लेस

त्रिलोक चन्द
धर्मपुरा

न्यू एशियाटिक इन्श्योरेंस क० लिमिटेड, कनाट सर्कस

आर० सी० जैन, इन्चार्ज नार्दर्न डिवीजन ४३६५४

समाचार-पत्र व निजी व्यापारिक संस्थान

समाचार-पत्र

इंडियन एक्सप्रेस, एक्सप्रेस बिल्डिंग, मथुरा रोड
(फोन ४५१३११)

एच० सी० जैन
२०६८, किनारी बाजार
ए० पी० जैन
दरियागज

नव भारत टाइम्स, १० दरियागंज
(फोन २८१६१)

अक्षय कुमार, प्रधान सम्पादक	२८१६१
१, असारी रोड, दरियागज	२४९६०
आनन्द स्वरूप, स्पे० करसपोंडेंट	२८१६१
२३, दरियागज	
पारस दास, सब-एडीटर	२८१६१
जैन भवन, जगत सिनेमा के पास	
हरिश्चद्र, सब-एडीटर	
५, दरियागज	
रमेश चद, चीफ सब-एडीटर (मैगजीन)	
५, दरियागज	
श्री किशोर	
मसजिद खजूर, धर्मपुरा	
सुशील कुमार, सब-एडीटर (स्पोर्ट्स)	
६, दरियागज	
विनोद कुमार	
खुरानिया भवन, २३, दरियागज	
शांती स्वरूप	
मुद्गल भवन, २३, दरियागज	
नरेन्द्र पाल 'नरेश'	२८१६१/३८
६६५/११७ शाति भवन, कैलाश नगर	
प्रकाश चन्द	
वी १३/६८ देवनगर	

दी डेली तेज (प्रा०) लिमिटेड, नया बाजार
(फोन २४२४८)

पन्नालाल, प्रिंटर एण्ड पब्लिशर	२६२४१
१२२८, वकीलपुरा	
आशाराम, स० सम्पादक	२४२४८
गली पीपल वाली, धर्मपुरा	
रघुवीर सिंह, रिप्रजेंटेटिव	२६२४१
२८, रोहतक रोड	५२२३४
शिव प्रसाद, एजेंसी इचार्ज	२६२४१
पहाड़गंज-तेल की मडी	
सुमत प्रसाद 'शौक', सहसम्पादक	२४२४८
दरीबा कला	
विनोद कुमार	२४२४८
१२२८, वकीलपुरा	

टाइम्स आफ इंडिया, १० दरियागंज
(फोन २८१६१)

सम्पादकीय विभाग

जय प्रकाश, सब-एडीटर	
मदन मोहन, सब-एडीटर	
गिरी लाल, स्पेशल करसपोंडेंट	
७/२३ दरियागज	८६०६१
वीरेन्द्र किशोर	
५ एसप्लेनेड रोड	
सतीश चद, जू० एक्जी० आफीसर	
विमल प्रसाद	

विज्ञापन विभाग

रमेश चद, बिजनेस मैनेजर
सुमत प्रकाश, एस्टेट इचार्ज
४३८२/४ दरियागज

प्यारे लाल
जय प्रकाश
फूल चद
विमल प्रसाद
ब्रज लाल
शाति नाथ
सुमत प्रकाश
भगवत् स्वरूप

नफेन (एशिया) लिमिटेड
आई. ई. एन. एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग

चेतन स्वरूप ३४१८७
मुद्गल भवन, २३ दरियागज २०८८४

निजी व्यापारिक संस्थान

एजेंटस एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड, २६, नेताजी सुभाष मार्ग

देशराज, ब्राच मैनेजर
४ कृष्णा मार्केट, पहाडगज ४०७८१

अशोका मार्केटिंग लिमिटेड
पजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेट स्ट्रीट

मगत राम, कामर्शियल मैनेजर ४३५६१
४८, दरियागज २५५८७
आर के जैन
२४५, जोशी रोड, करोल बाग
छुन्नूमल
१२, लेडी हार्डिंग रोड
मुन्नालाल
ऋषभ निवास, जैन मन्दिर के पास, पालम
सुमत चद
८१ डी, कमला नगर, सब्जी मडी
सुरेश चद
पालम

ब्लंडेल एण्ड इम्रोमाइट पेंटस लिमिटेड
जिंदल हाउस, आसफ अली रोड

त्रिलोक चद्र, सीनियर सेल्स रिप्रजेंटेटिव २६६३८
आर-५३०, न्यू राजेन्द्र नगर
शीतल प्रसाद २६६३८
१२२३, चाहरहट १५५६४

बर्मा शैल, स्टेटसमैन बिल्डिंग, कनाट सर्कस

राम चन्द्र, ब्राच असि० ४००५१
५ ए/२ दरियागज
प्रेम चन्द
पूरन चद
महेन्द्र कुमार
आर के० जैन
दीवान चद
एन सी जैन
फतेह चद
ए एस जैन
एस एल जैन
सोम नाथ
अजित प्रसाद

काल्टेक्स (इडिया) लिमिटेड, थापर हाउस

दया दीपक प्रकाश
२७ ए मोडल बस्ती
सुरेन्द्र कुमार
२ एफ ग्रीन पार्क
चेतन लाल
ए सी जैन
एम एस जैन
चमन लाल
नरेन्द्र कुमार
सागर चद
एस सी पालीवाल

सेंट्रल ला इंस्टीच्यूट, हार्डिंग ब्रिज

श्रीमदर नाथ, ला रिसर्च आफीसर
५-ए/२०-२१ दरियागज

सीमेंट मार्केटिंग कम्पनी आफ इंडिया लिमिटेड
जीवन दीप बिल्डिंग

इन्द्र सेन ४४२६१
५८ डा० सेन कालोनी, असारी राड, दरियागज
अजीत प्रसाद
२४ गली नाई वाली, करोलबाग
अशोक कुमार
पी० ए० प्रेस के ऊपर, दरीबा कला

डी० सी० एम० केमीकल वर्क्स, नजफगढ़ रोड

सुरेश चद
 ६ वी आराम बाग पेलेस ४५२९८

ओकार चंद
 ४४८४ गली राजा पातीमल, पहाडी धीरज

वीर सेन
 एफ-४३७ करमपुरा, इडस्ट्रियल एरिया नजफगढ रोड

राम स्वरूप
 वी-५, स्वतत्र भारत लि० कालोनी

किदार नाथ
 ए-२०, स्वतत्र भारत मिल कालोनी

शीतल प्रसाद

वी० सी० जैन
 १४ साउथ पटेल नगर

वलवतराय
 ए-२, स्वतत्र भारत मिल कालोनी

रविश चद्र
 ३ सी ३३ रोहतक रोड

जगदीश चंद्र
 २० मालिक विल्डिग, मडी पहाडगज

सुमेर चद
 हेम चंद

कोमल प्रसाद
 ३७/ए कमला नगर

मागेराम

डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड, सिंदिया हाउस

करम चद, एडवोकेट, लीगल एडवाइजर ४०१२१
 ३५७५ फैज वाजार २०५९१

संतलाल, एड०-कम-जा आफीसर ४०१२१/१६
 ४३८३ तुलसीदास लेन, ४ दरियागज

भीम सेन, सेक्रेटरी, शुगर फेक्टरी, रामपुर
 कूचा बुलाकी वेगम, चादनी चौक

सुभाष चद

जगदीश चंद

दिल्ली क्लाथ एण्ड जनरल मिलस के लिमिटेड
बाडा हिंदूराव, प्रधान कार्यालय

कपूर चद
 १४२/१६ गनेशपुर

सुन्दर पाल १४२/१६ गनेशपुर

अनत प्रकाश, हेड डिजाइनर
 ४४६४ आर्यपुरा

(सेंट्रल मार्केटिंग आर्गेनाइज़ेशन)

निर्मल कुमार
 ४१०९ गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज

जे० के० जैन
 ५ सी/३१ रोहतक रोड

एन० डी० जैन
 ४६४६ शोरा कोठी, पहाड गज

वी० वी० जैन
 दरियागज

वीर सागर
 ९०५६ सुखनन्द भवन, शीदीपुरा

जे० पी० जैन
 ८७-८८, लाइन न० ९, ब्लाक वी, सत्यवती पार्क

महावीर प्रसाद
 शक्ति नगर

दरयाव सिंह
 १४२/१६ गनेशपुरा

फूल चंद
 ११५-११६ डी० सी० एम क्वा०, किशनगज

कैलाश चद
 ३६९७, गली मामन जमादार, पहाडी धीरज

छोटूराम
 मोती नगर

सुरेन्द्र कुमार
 ३८७३, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज

किशन लाल
 २३५ सरस्वती पार्क, डी सी एम क्वा०, किशनगज

एस० पी० जैन
 १११८ छत्ता मदन गोपाल, चादनी चौक

ज्ञान चद
 गली जाटान, पहाडी धीरज

सोहनपाल
 पालम, कैंट

लक्ष्मी नारायन
 जी २६० लाइन न० ६ डी सी एम क्वा०, किशनगज

धर्मसिंह
२२९३ गली अनार, किनारी बाजार
बी० सी० जैन
११३-११४, डी सी एम क्वा० किशनगज

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, रोशनआरा रोड

पी० चन्द्रा, जनरल मैनेजर २५२७५
दिल्ली फ्लोर मिल्स
सुरेन्द्र कुमार, सेल्स मैनेजर
५८ जनपथ
नरेन्द्र कुमार
लक्ष्मी बाजार, क्लाथ मार्केट
सुनहरी लाल
४८०५, गली मित्रा, रोशनआरा रोड
राम प्रसाद
२७६१ गली रामरूप, सब्जीमडी
सुन्दर लाल
४५६७ गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज

दिल्ली गैरेज लिमिटेड, कनाट प्लेस

बी० एस० जैन ४४४०५

दिल्ली लैंड एण्ड फाइनेंस (प्राइवेट) लिमिटेड
एफ-कनाट प्लेस

रामकिशन, सेक्रेट्री ४५०८६
६ एफ, माडल टाउन २९१४४

डा० युधवीर सिंह होम्योपैथिक सेल्स डिपो, चादनी चौक

डा० गोकल चन्द, सेल्स मैनेजर
आर्यपुरा, सब्जीमडी

इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, कनाट् प्लेस

ए० जैन, (फोरन डी०) ४६६१६

गोवन ब्रदर्स रामपुर (प्राइवेट) लिमिटेड
४ सिंदिया हाउस

भीमसेन, सेक्रेट्री ४२७३०
३९३, कूचा बुलाकी बेगम २५४०६

हिमको इण्डिया (प्राइवेट) लिमिटेड

प्रफुल्ल चन्द्र
डी० जी० ८८० सरोजिनी नगर

हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड, इण्डियन एक्सप्रेस बिल्डिंग
मथुरा रोड

अविनाश चन्द
४१९५ आर्यपुरा, सब्जी मंडी

हाउसिंग एण्ड जनरल फाइनेंस लिमिटेड
१० अलीपुर रोड

आर वी० जैन, (रिप्रेजेंटेटिव) २५२०८
१० अलीपुर रोड
सुमत प्रसाद
कटरा मशरू, दरीबा

इण्डियन एअरलाइंस कार्पोरेशन, कनाट प्लेस

उमराव सिंह
सी-४६१ नेताजी नगर
नरेश कुमार
देवनगर

आई० एस० एम० ए० (वेस्ट यू० पी ब्रांच)
४ सिंदिया हाउस

वी० पी० जैन, ब्रांच सेक्रेट्री ४०१२१
९६ मोडल बस्ती २७१९८

इंडियन ला इंस्टीच्यूट
सुप्रीम कोर्ट बिल्डिंग मथुरा रोड

हेमचन्द्र, लायब्रेरियन ४४२२६

इण्डियन प्रोजेक्टस कंसलटेटिव सर्विस
१६ बाबर रोड

पी० पी० जैन डायरेक्टर ४८८५०
१६ बाबर रोड

जयपुर उद्योग लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

एम० पी० जैन, असि० पर्चेज आफीसर ४३५६१
२३ दरियागंज
पी० सी० धारीवाल ४३५६१
गली बनिहारी, तेली वाडा
भगत राम
२०२३ बहादुर गढ़ रोड २८६४८

खादी ग्रामोद्योग भवन, रीगल बिल्डिंग

नन्द किशोर
३५९७ कूचा लालबानी, दरियागंज
सतीश कुमार
ओम प्रकाश
हज़ारीलाल
कूचा कशगरी, सीताराम बाजार
भगवानदास
३४७९, कूचा लालबानी, दरियागंज

मशीनवेल इण्डस्ट्रीज, ३ डबल स्टोरी मार्केट
न्यू राजेन्द्र नगर

अशोक कुमार ५६४५४
४५५ मटोला ३२०१३

मास्टर साठे एण्ड कोठारी, कनाट सर्कस

सुल्तान सिंह ४७४८६
१६, दरियागंज २७३४६

मेचवेल्स इलेक्ट्रीकल्स (इण्डिया) लिमिटेड
४/११ आसफअली रोड

कुम्भकरण अमलूजा, सेल्स एक० आफीसर २७८७१
कठोतिया भवन, चन्द्रावल रोड २७८७२
शुभ कुमार, सेल्स एका० असिस्टेंट
दान बाजार, क्लाथ मार्केट
अक्षय कुमार, सेल्स एका० असिस्टेंट
१८०३ चीराखाना, वैदवाडा

मेट्रोपोलीटन बुक क० (प्राइवेट) लिमिटेड
१ नेताजी सुभाष मार्ग

नन्द किशोर, एकाउटेंट २५७७१

नेशनल फिजीकल लेबोरेटरी, हिलसाइड रोड

डा० एस० सी० जैन, असिस्टेंट डायरेक्टर ५२०४१

नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया
मंडी हाउस, लिटन रोड

एम० एम० शाह, असिस्टेंट कैमीकल इंजीनीयर ४२६८२

ओवरसीज कम्यूनीकेशन सर्विस
एन० आइ० सी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

आर० के० जैन ५२८४६

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, रोशनआरा रोड

राजेन्द्रा आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज

बरशर नाथ, मैनेजर २५२६४
  ३३६५, गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज

राजकुमार
  ४२६६ गली बहू जी, पहाडी धीरज

शीतल प्रसाद
  म० छोटेलाल सिहसभा रोड, घटाघर, सब्जी मडी

फोटोफोन इक्विपमेंट्स प्रा० लिमिटेड

डिलाइट बिल्डिग, आसफअली रोड

एन. कुमार जैन, मैनेजर २०५७४
  १६४, गोल्फ लिक्स ७५३८३

राजवैद्य शीतल प्रसाद एण्ड सन्स

चादनी चौक

रूप कुमार, मैनेजर
  २७१४ चौक रामजी

रोडवेज एण्ड जनरल फाइनेंस (प्रा०) लिमिटेड

४/२ ज्वाल मेसन, आसफ अली रोड

एम० एल० जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर २८२७८
  २/७२, रूप नगर २५०८१

स्टैंडर्ड वेकुअम आयल कम्पनी, पार्लियामेट स्ट्रीट

सुरेन्द्र कुमार, एका० असिस्टैंट
  ३४७५ फैज बाजार

महेन्द्र कुमार, सेक्शन सुपरिटेडेंट

महेन्द्र दास

प्रद्युम्न कुमार

पी० सी० जैन

सुखमाल चन्द

साहू सीमेट सर्विस, पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड बिल्डिग

पार्लियामेट स्ट्रीट

आ० सी० पारिख, डि० चीफ इजीनियर ४३५६१

साहू जैन (प्राइवेट) लिमिटेड

पजाब नेशनल बैंक बिल्डिग, पार्लियामेट स्ट्रीट

डा० एस० सी० किशोर, असि० लिएजन आफीसर ४३५६१
  ५४१, एस्प्लेनेडरोड

आर० एस० जैन एकाउटेंट
  १ असारी रोड, दरियागज

आर० के० जैन
  १/१४५, जैन बिल्डिग, शहादरा

स्वतन्त्र भारत मिल्स, नजफगढ़ रोड

चतर सेन ५३१६३
  नजफगढ रोड

बृजलाल मणिलाल एण्ड क०, लाहोरी गेट

अनन्तराम, जनरल मैनेजर २६२६६
  २३, दरियागज २६१६०

इण्डियन स्टैंडर्डस इस्टीच्यूट

मानक भवन ६, मथुरा रोड

वी सी. जैन, ए अ डायरेक्टर ४५०११
यू एम जैन, टेक० असिस्टेंट ४५०११
  १६ एन, किदार बिल्डिग, सब्जी मडी

उद्योग व व्यापार

औद्योगिक व मैनुफेक्चरिंग संस्थान

साहू जैन लिमिटेड

रजि० कार्यालय—११ क्लाइव रोड कलकत्ता ।

दिल्ली कार्यालय—पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, ५ पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । ४३५६१

चेअरमेन—शांती प्रसाद जैन

६ सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली ३४४०२

मैनेजिंग डायरेक्टर—अशोक कुमार जैन

फायनेंशल डायरेक्टर—शीतल प्रसाद जैन

डायरेक्टर—ए० पी० जैन

दी जयपुर उद्योग लिमिटेड

सीमेंट वर्क्स—सवाई माधोपुर, जयपुर (राजस्थान)

प्रधान कार्यालय—पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । ४३५६१

चेअरमेन—शांती प्रसाद जैन

६ सरदार पटेल मार्ग ३४४०२

अशोका मार्केटिंग लिमिटेड

पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

नई दिल्ली ४३५६१

साहू सीमेंट सर्विस

पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, ५ पार्लियामेंट स्ट्रीट

नई दिल्ली ४३५६१

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड

मिल्स—रोशनआरा रोड, दिल्ली २५२७५

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ, नई दिल्ली ४५८२८

डायरेक्टर्स—(१) राजेन्द्र कुमार जैन

११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६

(२) शीलचन्द्र जैन ४८०८१

२४ फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली

राजेन्द्रा आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज

रोशनआरा रोड, दिल्ली २५२६२

आर० जी० गोवन एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ रोड ४५८२८

नई दिल्ली ४५८२६

शाखाए—(१) १५-ए हार्नीमेन सर्किल

फोर्ट, बम्बई··· २५५०४२

(२) बहावलपुर (उत्तर प्रदेश) ··· ५६

(३) बिजनौर (उत्तर प्रदेश) ·· ११

डायरेक्टर्स—(१) जगत प्रकाश जैन

१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१६८७

बम्बई २४१४८७

(२) रवि प्रकाश जैन

११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६

(३) शशि प्रकाश जैन

१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१६८७

बम्बई २४१४८७

(४) केप्टन ओ० प्रसाद

सिकंदरा रोड, नई दिल्ली ४८६४२

इण्डियन हार्डवेअर इंडस्ट्रीज लिमिटेड

फैक्ट्री—फरीदाबाद, (पूर्वी पंजाब)

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ, नई दिल्ली ४५८२८

शाखा—१५-ए हार्नीमेन, सर्किल २५५०४१

फोर्ट, बम्बई २५५०४२

डायरेक्टर्स—(१) राजेन्द्र कुमार जैन

११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६

(२) जगत प्रकाश जैन

१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१६८७

बम्बई २४१४८७
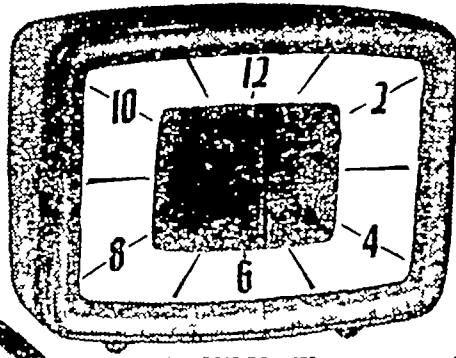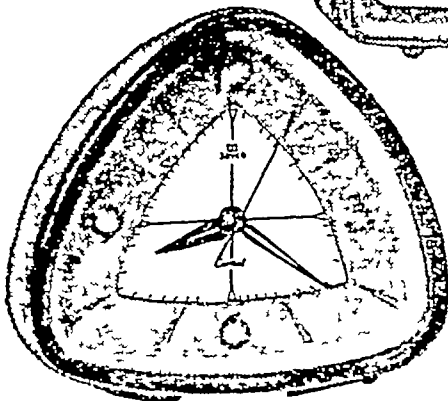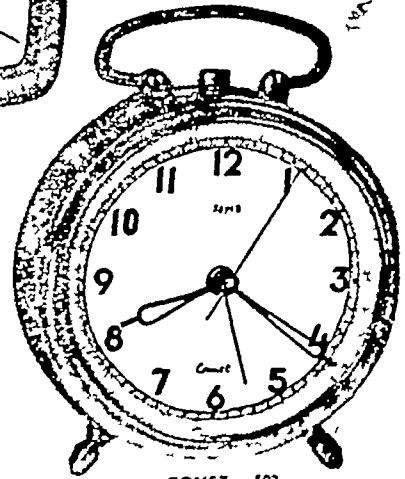
(३) रवि प्रकाश जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६
वर्क्स डायरेक्टर—क्राति प्रकाश जैन

जैन फार्म्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ
नई दिल्ली ४५८२६
फार्म्स कार्यालय—विजनौर ११
डायरेक्टर्स—(१) किशोरी लाल जैन रईस
विजनौर (उत्तर प्रदेश) ११
(२) क्राति प्रकाश जैन
११ कीलिग रोड, नई दिल्ली ४७६५६
(३) केप्टन ओ० प्रसाद
सिकदरा रोड, नई दिल्ली

कैसलस लिमिटेड

(मैनेजिग एजेंटस ट् मेचवेल्स इलेक्ट्रीकल्स इडिया लिमिटेड)
कार्यालय—ट्राम टर्मीनस, सब्जी मडी, दिल्ली २४१११
चेग्ररमेन—सेठ मोहनलाल कठोतिया
चन्द्रावल रोड, सब्जी मडी, दिल्ली २४११२

मेचवेल इलेक्ट्रीकलस (इण्डिया) लिमिटेड

फैक्ट्री—पूना
कार्यालय—१५६ रामजस विल्डिग ४/११
आसफअली रोड, दिल्ली २७८११
मैनेजिग डायरेक्टर—मोहन लाल कठोतिया
कठोतिया भवन, चन्द्रावल रोड
सब्जी मडी, दिल्ली २४११२

वालचन्द नगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड

चेग्ररमेन—गुलाव चन्द हीरा चन्द
डायरेक्टर -लालचन्द हीरा चन्द
दिल्ली कार्यालय—६/३ ए नेशनल ४६५७८
इश्योरेंस विल्डिग (ग्रा० फ्लोर),
पालियामेंट स्ट्रीट।

हिन्दुस्तान कंसट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड

डायरेक्टर—(१) लाल चन्द हीरा चन्द
(२) रतन चन्द हीरा चन्द ५१३०५
बी-१ पूना रोड, करोल बाग

प्रीमियर आटोमोबाइल्स लिमिटेड

चेग्ररमेन—लालचन्द हीरा चन्द
दिल्ली कार्यालय—बाम्बे म्युचुअल विल्डिग ४०६०५
१० पार्लियामेट स्ट्रीट ४४५५५

जैना टाइम इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड

टाइमपीस फैक्ट्री—जी० टी० रोड, साहिबाबाद
(उत्तर प्रदेश) फोन- (८५)२२५०
प्रधान कार्यालय—७/३२, दरियागज, दिल्ली २५५६७

महावीर एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

फैक्ट्री—('ससार' सिउइग मशीन)—जी० टी० रोड
दिल्ली-शहादरा २००७१/१३२
कार्यालय—११ दरियागज, दिल्ली २४६६३
डायरेक्टर्स—(१) विमल प्रसाद जैन
११ दरियागज, दिल्ली २४५६३
(२) निर्मल प्रसाद जैन
४८-डी राजा बाजार
नई दिल्ली ४४५८३
(३) कामल प्रसाद जैन
११ दरियागज, दिल्ली २४६६३

चन्द्रा इलेक्ट्रीकल इण्डस्ट्रीज़

फैक्ट्री—(सुपरइनेमिल्ड कापर वायर)—७/१८ नजफगढ रोड, दिल्ली २५०८६
कार्यालय—३३ चादनी चौक, दिल्ली २६८३६
शील चन्द्र जैन, नरेश चन्द्र जैन — ३४ फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली ४८०८१

हिन्दुस्तान इडस्ट्रियल वर्क्स

फैक्ट्री—एम/४ इडस्ट्रियल एरिया, पानीपत
कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७
टी० पी० जैन
६ रोहतक रोड ५५६४७

पर्ल इडस्ट्रियल कार्पोरेशन

फैक्ट्री व प्रधान कार्यालय —३५, इडस्ट्रियल एरिया चडीगढ (पजाब) १००१
दिल्ली कार्यालय—६ रोहतक रोड ५५६४७
मैने० पार्टनर—ए० के० जैन

जयभारत हार्डवेयर कम्पनी

फैक्ट्री (हार्डवेअर्स)—इडस्ट्रियल एरिया पानीपत (पजाब) ३७
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड नई दिल्ली ५५६४७
पार्टनर—श्रीमती शकु तला देवी, जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५८६५

हरयाना प्रोग्रेसिव इंडस्ट्रियल वर्क्स

फैक्ट्री (रिविटस)—०/३४, इडस्ट्रियल एरिया पानीपत (पजाब)
कार्यालय—रोहतक रोड नई दिल्ली ५५८६५
मैने० पार्टनर—अतर सेन जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५८६५

हिन्दुस्तान वायर प्रोडक्टस

फैक्ट्री (वाइफरकेटिड रिविटस)—लारेस रोड रोहतक रोड ५१४४४
कार्यालय—६ रोहतक रोड ५५६४७
पार्टनर्स—(१) बलदेव दास जैन
६ रोहतक रोड ५५६४७
(२) सागर चन्द्र जैन
८७० ईस्ट पार्क रोड ५२५७६

नेशनल स्टील मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री (हार्डवेअर्स)—बहादुरगढ (पूर्वी पजाब)
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली
मैने० पार्टनर—एस० पी० जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७

साउ ड स्पेअर्स (इण्डिया)

फैक्ट्री—जी० टी० रोड, दिल्ली शहादरा

हिन्दुस्तान इंजीनियरिंग वर्क्स

फैक्ट्री (साइकिल एक्स०)—बहादुरगढ (रोहतक)
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७
मैने०पार्टनर—एम० के० जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७

अशोका साइकिल इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री (साइकिल एक्से०)—२३२८ इंडस्ट्रियल एस्टेट ग्वालियर (म० प्र०)
कार्यालय—४८६७ क्लाथ मार्केट, फतहपुरी
पार्टनर—श्रीमती शातीदेवी जैन
२८ रोहतक रोड २५४९३

हिन्दुस्तान साईकिल एक्सेसरीज मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय—लारेंस रोड, रोहतक रोड ५४२५४
सेल्स आफिस—४३९ एस्प्लेनेड रोड २८३१२
ए० एस० जैन, एस० पी० जैन — ६ रोहतक रोड नई दिल्ली ५५९४७
ए०डी० मित्तल, ८७० ईस्ट पार्क रोड, नई दिल्ली ५२५७६

महावीर स्टील रौलिंग मिल्स

जी० टी० रोड, दिल्ली-शहादरा २००७१-४०

हिन्द स्टील कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय—४२१ जी० टी० रोड दिल्ली-शहादरा २००७१/१७४

ओलम्पस आप्टीकल इंडस्ट्रीज मैनुफेक्चरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड

फैक्ट्री (माइक्रोस्कोप व कैमरा)—मेन बाजार, मेहरौली ७२५४३
कार्यालय—१ कीलिंग रोड ४८८६०
डिप्टीमल जैन
२८ रोहतक रोड ५३२९२

जैन आप्टीकल इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री—जी० टी० रोड, दिल्ली शहादरा
कार्यालय—वल्लीमारान, चादनी चौक

जयहिन्द ट्रेडिंग कार्पोरेशन

फैक्ट्री (बिजली स्विच)—घटेवाला बाजार गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
कार्यालय—५१८६ सदर बाजार, दिल्ली २६०९२
धर्मेन्द्र कुमार जैन
२८ रोहतक रोड ५२२३४

रतन चन्द्र रिखबदास जैन

फैक्ट्री (कॉपर सल्फेट) व कार्यालय—कच्चा बाग चादनी चौक २४९३१
पार्टनर—रिखबदास जैन
४/५४ एच० रूपनगर २३४९७

दिल्ली बोर्ड मिल्स

फैक्ट्री (मिल बोर्ड)—६ एस०, इंडस्ट्रियल एरिया फरीदाबाद ९४
कार्यालय—चावडी बाजार, दिल्ली २६६४०

क्वालिटी वाटर प्रूफ मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री (वाटर प्रूफ तथा वेक्स पेपर)—फरीदाबाद (पजाब)
कार्यालय—चावडी बाजार, दिल्ली

स्वतत्र भारत पेपर मिल्स लिमिटेड

फैक्ट्री (पेपर बोर्ड)—नाहर नगर, पिलखुआ, (उत्तर प्रदेश)
कार्यालय—२८ चावडी बाजार
डायरेक्टर्स—(१) अजित प्रसाद जैन (२) धर्म प्रकाश जैन (३) वीरेन्द्र कुमार जैन — ५/७ देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली ४४७५९

राजा टायज़ कम्पनी

फैक्ट्री—८२७३, शीदीपुरा, (अनाज मंडी के अन्दर) २६०५६

प्रधान कार्यालय—३३, डिप्टी गंज २६३२६

सदर बाज़ार, दिल्ली २६३२३

शाखाएं—(१) बी १०३, बगरी मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, ७१ केनिंग स्ट्रीट, ४७५२८३
कलकत्ता-१ ३४६६३१

(२) ६१-६३, सारंग स्ट्रीट, बम्बई-३

(३) १०३ बी, नारायना मुदाली स्ट्रीट, मद्रास २१६१०

कैलाश चन्द्र जैन
आर० सी० जैन
आर० के० जैन } —२५ पूसा रोड, नई दिल्ली ५२३१३

सारू स्मेल्टिंग एण्ड रिफाइनिंग कार्पोरेशन प्रा० लिमिटेड

फैक्ट्री (नान फेरस मेटल्स)
व प्रधान कार्यालय— } मेरठ, उत्तर प्रदेश

व दिल्ली कार्यालय— ३०, चावडी बाजार

डायरेक्टर—सुल्तान सिंह जैन, मेरठ

जैन ग्लास वर्क्स

फैक्ट्री—हिरनगौ (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली कार्यालय—५४५, एस्प्लेनेड रोड

छदामीलाल जैन

फीरोज़ाबाद (उत्तर प्रदेश)

बिशंभर दास एंड सन्स (प्राइवेट) लिमिटेड

फैक्ट्री (बटन आदि)—११ ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, दिल्ली ७२८११

कार्यालय—५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३

चेअरमेन—आदीश्वर प्रसाद जैन

५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३

मैनेजिंग डायरेक्टर—पी० डी० जैन

५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३

वर्क्स-इंचार्ज—सुरेन्द्र कुमार जैन ७२८११

जे० एम० सी० इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री (लेथ मशीन)—नजफगढ रोड, दिल्ली ५४२५६
कार्यालय—१६४६/३ डा० मुकर्जी मार्ग, दिल्ली २५६६६

भीखूराम जैन २७३२७
गली मंदिर वाली, पहाडी धीरज सदर बाजार दिल्ली

सुन्दरलाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी फैक्ट्री (बीडी)
कार्यालय—३११ बाराटूटी, सदर बाजार २६६७०

सेठ सुन्दर लाल २७०५८
४६३६ डिप्टीगंज

होजरी सामान के निर्माता

नेहरू होजरी मिल्स २०५२३
बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

खजाची मल जैन २०५२३
बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड

जैनीको होजरी मिल्स २४१०२
५६३३ कुतुब रोड

नानक चद्र जैन ४७०६६
५६, रामनगर

अग्रवाल जैन होजरी फैक्ट्री
प्लाट न० ६, मोडल बस्ती

काल्टेक्स होजरी
७८४६ नई बस्ती, बाडा हिन्दूराव, अहाता किदारा

कैलाश होजरी वर्क्स
५७७७ ईस्ट पार्क रोड, मोडल बस्ती

ओम प्रकाश जैन होजरी फैक्ट्री
१०६१६ मानकपुरा, करोल बाग

ओलम्पिक होजरी फैक्ट्री
गली मटके वाली, सदर बाजार

रय ाड केंडिल एण्ड होजरी वर्क्स
गली वहूजी, म० न० ४३६१/१ पहाडी धीरज

शिखर होजरी फैक्ट्री
गली वहूजी, म० न० ४३६१/१ पहाडी धीरज

सुशील होजरी मिल्स
१०६४४/५ मानकपुरा, मोडल बस्ती

सुधीर होजरी फैक्ट्री
२०६४, बहादुरगढ रोड

गोयल होजरी फैक्ट्री
१०८ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

ऊषा होजरी फैक्ट्री
११३ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

सिंघवी इन्डस्ट्रीज
१० वैस्ट, बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

इन्द्रा होजरी मिल्स
बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड २४१०२

जैन होजरी मिल्स कम्पनी
बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड

सूत गोला निर्माता

ओसवाल थ्रेड बाल फैक्ट्री २३५७१
गली छापाखाना, सदर बाजार

बनारसीदास ओसवाल
सदर बाजार

लक्ष्मी थ्रेड फैक्ट्री
कटरा मिठ्ठनलाल, सदर बाजार

इन्डियन सूत गोला फैक्ट्री
३६१३ गली बरना, सदर बाजार
डी के. जैन सूत गोला फैक्ट्री
२१ एन. वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड
मगलदास विशम्भर लाल जैन
३५ एन वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड
एस डी मित्तल मैनुफेक्चरिंग कम्पनी २८७२०
६५५ गली न० ११, सदर बाजार
पी. आर मित्तल ५१०४८
करोल बाग, नई दिल्ली

रतनचन्द हरजसराय (प्लास्टिक्स) प्रा० लिमिटेड

फैक्ट्री—इन्डस्ट्रियल प्लाट न० ५४ फरीदाबाद टाउनशिप १०२
कार्यालय—५४, इन्डस्ट्रियल एरिया २२५
वर्क्स मैनेजर—बी० एन० जैन, प्रोड० मैनेजर—आर वी जैन } १७५

न्यू राजधानी फ्लोर मिल्स

मिल्स (दाल) ६५४६ कुतुब रोड ४६६६८
सुन्दरलाल
४०८६ गली मंदिर वाली, पहाडी धीरज २६१७८

राजवैद्य शीतलप्रसाद एण्ड सन्स

रसायनशाला—जी टी. रोड दिल्ली-शाहदरा २३२०१-५२
कार्यालय—चादनी चौक, दिल्ली २३५२६
राजवैद्य महावीर प्रसाद जैन, वैद्य शाती प्रसाद जैन } पहाडी धीरज, दिल्ली

ड्रग टोल कार्पोरेशन

फैक्ट्री (फार्मा०टेव०)—बाग फूलचन्द रोहतक रोड ५४२६८
कार्यालय—१४६६, भगवती भवन, स्टेट बैंक के पीछे चादनी चौक २४०७३

जनरल ट्रेडर्स एजेंसी

फैक्ट्री—क्लिनीकल गुड्स व लेव० इक्युपमेंट्स १७ नजफगढ रोड ५१६६५

कार्यालय—गली पाइवालान जामा मस्जिद के पास २६२५४
मैनेजिंग डायरेक्टर-मोती लाल जैन २६१५४

हिन्द ट्रेडिंग एण्ड मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } गली बरना सदर बाजार २८५०४
पार्टनर्स—(१) नेम चन्द्र, (२) महेन्द्र कुमार } ६ पार्क एरिया करोल बाग ५२८६३
(३) सुमेर चद्र जैन, डिप्टीगज

महावीर हैट मैनुफैक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } गली डाकखाने वाली मडीपान, सदर बाजार दिल्ली २८५०५

जैनसन इन्डस्ट्रीज

फैक्ट्री (ट्राइसिकल, स्टील ट्यूब व कैन्डयूट पाइप)—अट्टा मदिर, अलवर (राजस्थान)
प्रधान कार्यालय—१२१६ चाहरहट, दिल्ली
गिरीलाल
१२१६, चाहरहट, दिल्ली
त्रिलोकचन्द्र
गली कुएँ वाली, गली अनार, दिल्ली
जगदीश प्रसाद
२५५३ सतघरा, धर्मपुरा, दिल्ली
सतेन्द्र सिंह
छोटा छीपीवाडा, दिल्ली

दिल्ली प्राम एण्ड ट्राइसिकिल मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री—११८५ चाहरहट, दिल्ली
प्रधान कार्यालय—१२१७ चाहरहट, दिल्ली
शाखायें—(१) ३/१ मैंगो लेन, कलकत्ता
(२) इतवारी बाजार, नागपुर
मैनेजिंग डायरेक्टर—मदन लाल जैन

वाटरलू प्रोडक्टस

फैक्ट्री (पोलिश व सीमेंट के रग) जी टी गेट दिल्ली-शाहदरा
कार्यालय—४० जी बी रोड, दिल्ली २३३२६
पद्मकुमार जैन ३ दरियागज, अन्सारी रोड, दिल्ली

जैन टेक्सटाइल वीविंग एण्ड डाइग फैक्ट्री

शीदीपुरा ५५६८४

हेम चन्द्र जैन } ४६६० पहाडीधीरज

पवन कुमार } दिल्ली २६५७३

प्रकाश वीविंग एण्ड डाइग फैक्ट्री

फक्ट्री—शीदीपुरा ५५६१६

ओमप्रकाश जैन

१, दरयागज २४५००

हुकम चन्द जैन वेयर मेन्युफेक्चरिंग हाउस

फैक्ट्री (सिल्वर वेयर्स)—३०१, दरीबा कला

कार्यालय—१७०७, दरीबा कला २०५५६

पार्टनर्स—(१) वहादुर सिह जैन } दरीबा

(२) दरयाव सिंह जैन } कला

घूमीमल जुगल किशोर

फैक्टरी (स्टेशनरी मैनुफे०) } दुजाना हाउस, चावडी

व कार्यालय } वाजार दिल्ली २६१०५

जुगल किशोर जैन, दुजाना हाउस, चावडी वाजार, दिल्ली

इम्पीरियल प्लेइग कार्डस मैनुफैक्चुरिंग कम्पनी

फैक्टरी—गली मिट्ठन लाल, पहाडी धीरज

कार्यालय—सदर वाजार, दिल्ली २७७७०

नेमी चन्द्र मित्तल, कूंचा वुलाकी वेगम, एस्प्लेनेड रोड

ओसवाल प्लेइग कार्ड फैक्ट्री

वस्ती हर्फूल सिंह

गेम्स इडस्ट्रीज एण्ड टायलैड (इण्डिया)

कार्यालय—२४१३ चावडी वाजार

एनके रवर मिल्स

फैक्ट्री व कार्यालय—२/३५६ जी टी रोड

दिल्ली-शहादरा २००७१/१८४

खैराती लाल जैन

२/३५६ जी टी रोड, दिल्ली-शाहदरा

माया इडस्ट्रीज

फैक्ट्री (टायज)

कार्यालय—५६५६/५ दे० गुप्ता रोड, देवनगर ५३६६९

के. के वव्वी इडस्ट्रीज

कार्यालय—१८ सदर थाना रोड २६००५

मदन किशोर जैन

न्यू एरा प्लास्टिक इडस्ट्रीज

फैक्ट्री व } ५०६ हवेली हैदर कुली

कार्यालय } चादनी चौक

शान्ति स्वरूप जैन २०१८७

अमेरिकन रवर मिल्स कम्पनी

फैक्ट्री—जी० टी० रोड,

दिल्ली शहादरा २३२०१/४५

इंटरनेशनल प्रोडक्टस

फैक्टरी व कार्यालय—गली छापाखाना, मडी पान

सदर वाजार २८५०५

अमर भारत इडस्ट्रीज लिमिटेड

४५५ मटोला, पहाडगज ४२०१३

मैनेजिंग डायरेक्टर—श्री चन्द्र जैन

४५५ मटोला, पहाडगज ४२०१३

दिल्ली कैलेन्डर मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } १५३०, नई सडक २५८०८

लक्ष्मण दास १५३० नई सडक

सर्वोदय प्रकाशन

मेनु०—माटेसरी ट्रेनिंग इक्विपमेंटस

प्रधान कार्यालय—सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली कार्यालय—चावडी बाजार दिल्ली २५२७८

पार्टनर्स—(१) मगल किरन जैन

मो० चौधरियान, सहारनपुर (उ० प्र०)

(२) कोमल प्रसाद जैन

११ दरियागज, दिल्ली २४९६३

एम जे. इजीनियरिंग वर्क्स

फैक्ट्री (वाटर टैक्स, पाइप आदि) कार्यालय व } वगीची तनसुखराय अजमेरी गेट, दिल्ली

शाम लाल जैन

४ टोडरमल रोड, नई दिल्ली ४५९५५

अजित प्रसाद जैन
महेन्द्र प्रसाद जैन } १२२३ चाहरहट, दिल्ली २५५९४

जय कुमार जैन

५-ए. दरियागज, दिल्ली

प्रमोद प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री—
कार्यालय— } पहाडी धीरज, दिल्ली

प्रमोद चद्र जैन

१ डी. करोल बाग

सुरेश प्लास्टिक्स वर्क्स

४१०७ आर्यपुरा, सब्जी मडी

विशम्भर दास जैन एण्ड कम्पनी

फैक्ट्री (नेटिंग वायर आदि) व कार्यालय—चावडी बाजार, दिल्ली २०८८७

जवाहर लाल जैन एण्ड कम्पनी

फैक्ट्री (वायर नेटिंग्स) व कार्यालय } ३५८० चावडी बाजार २८०३३

मनोहरलाल त्रिलोक चद्र जैन

फैक्ट्री (लोहे की जाली) व कार्यालय } —आनन्द पर्वत रोहतक रोड

भारत तार उद्योग

फैक्ट्री—जी टी० रोड

दिल्ली-शहादरा

रतन चन्द्र रिखवदास

फैक्ट्री—छोटा बाजार

दिल्ली शहादरा २३२०१/३४

कार्यालय—४२२, भोलानगर

दिल्ली शहादरा २३२०१/१६१

लक्ष्मण सिंह जरीवाला

(इलक्ट्रिक व रेडियो केविल तथा तार)

फैक्ट्री व कार्यालय— } २०८८ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार

शाखा—२४६, वाला जी का रास्ता, रामगज,

जयपुर (राजस्थान)

लछमण सिंह भसाली

कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार, दिल्ली

कातूजी माठ्मल एण्ड सन्स

फैक्ट्री (विजली व रेडियो केवल तथा तार)

व कार्यालय—चौक राय जी, रोशनपुरा, दिल्ली

व्यापारिक संस्थान

अनाज के व्यापारी व आड़ती

नया वाजार

सनेही राम राम नरायन २४४२७
सौनाथराय राम धारी
कुजी लाल कुन्दन लाल २७०३१
सन्त लाल कश्मीरी लाल
पूरन मल उग्र सेन २३२३६
गुलाव चन्द हस राज
वावू मल रमेश चन्द
विशनदास नवल चद
लक्ष्मी नारायन सुन्दर लाल २६१८६
पूरन चन्द
चतर सेन
लखमी चद
केसरी चन्द मोहन लाल
रतन ट्रेडिंग क०
जुगमधर दास धन कुमार
सोनीमल वद्री प्रसाद
लक्खोमल राम नाथ

चावड़ी वाजार

मुकुट लाल पदम चन्द
पन्ना लाल हीरालाल
नद किशोर
शीतल प्रसाद
राम रछिपाल अजीत प्रसाद, रघुगज
विशम्वर दयाल मगल सेन, रघुगज

पहाड़ गज

धनीराम रघुवीर सिंह
गुलतानी टाढा
गोरधन दास
मुलतानी टाढा
पन्नालाल शिखर चन्द
मुलतानी टाढा

नजफगढ व अन्य

मेहर चन्द रतन लाल
ज्वाला प्रसाद बनवारी लाल
उलफत राय मदन लाल
हरप्रसाद जैन
डिल्लोमल मेहर चन्द्र
फकीर चन्द तारा चन्द
दीप चन्द जिनेश्वर दास
भोगल रोड, जगपुरा

एअर कडीशनिंग व रेफ्रीजरेशन इंजीनियर

आर० सी० डूराट एण्ड क० ४७४४४
एम ब्लाक, कनाट सर्कस
न्यू इण्डिया मोटर्स (प्रा०) लि० ४५१०८
कनाट सर्कस (सिंदिया हाउस)
वीर रेफ्रीजरेटर्स इण्डिया २३००५
ए ३/१५ आसफ अली रोड
वीर रेफ्रीजरेटर एण्ड एअर कडीशनिंग कम्पनी
तिमारपुर २७३२३

कपड़े के व्यापारी व आड़ती

चादनी चौक (मेन)

हजारी लाल एण्ड ब्रादर्स
मुसद्दी लाल मलखान सिंह
वी० आर० जैन क्लाथ स्टोर

कटरा लच्छू सिंह, चादनी चौक

कन्हैया लाल त्रिलोक चन्द्र २०४१३
पवनकुमार शरतकुमार
जगली मल पवन कुमार
छगन लाल धन कुमार
सुडूमल चादनमल
मुसद्दी लाल रतन लाल
श्रीमदर दास मोतीलाल
उल्फत राय धर्म दास

विलास राय रोशन लाल
हरद्वारी मल विशन स्वरूप
ईश्वर दास प्रेम चन्द्र
रतन लाल श्रीपाल

कच्चा बाग, कटरा शहशाही, चादनी चौक

रतन लाल जग्गी मल २४६१७
नेम चन्द जैन
अग्रवाल स्टोर २७३१८
वुद्धामल हरिदमन लाल
रोशन लाल हरत चन्द्र
जम्बू प्रसाद डिप्टी मल
उग्र सेन सुशील कुमार
उग्र सेन रघुनाथ सहाय
कन्हैया लाल राज कुमार
मिट्ठन लाल तारा चन्द
सोहन लाल बाल चन्द
दुली चन्द पवन कुमार
जवाहर लाल शिव कुमार
वैज नाथ जैन
सुमेर चन्द्र जैन
वद्री प्रसाद राजेन्द्र कुमार
सूरज मल फूल चन्द्र
पदम चन्द ताराचन्द
वशीधर रतन लाल
राकेश कुमार
गगाराम शकर लाल
जगन्नाथ लक्षूमल
शम्बूनाथ कल्याण चन्द्र
मूल चन्द्र रतन लाल
शिव लाल गुलाव चन्द
विमल प्रसाद जैन
हेम राज स्वेरम दास
दर्शन लाल ब्रज मोहन
उधमी राम कुन्दन लाल
प्रभू दयाल हर चन्द्र
माखन लाल तारा चन्द्र
वेद प्रकाश महादेव प्रसाद

गली लेहसवान, चांदनी चौक

पन्नालाल जन एण्ड क० २३४०१
घूमसिह अमोलक सिंह
प्रकाश चन्द कैलाश चन्द्र
सुमत प्रसाद राम प्रकाश
वद्री प्रसाद दुली चन्द्र
भाग मल वीर मल
रहतू मल सुरेन्द्र कुमार
दरोगा मल शेर सिंह
रघुवीर सिंह सुरेश चन्द्र
जम्बू प्रसाद गभीर सिंह
कश्मीरी लाल रहतूमल
शान्ती प्रसाद नरेन्द्र कुमार
राम नाथ भान सिंह
सुमन्दरा लाल श्याम लाल
कन्हैया लाल महावीर प्रसाद
ठडीराम जन
उत्तम चन्द्र देवेन्द्र कुमार
विश्वभर सहाय जगजीत सिंह
मुकन्दी लाल मागेराम
शिव प्रसाद हर प्रसाद
रिसाल सिंह गुलाव सिंह
प्रकाश चन्द्र धन कुमार
जैनी ब्रादर्स

कटरा धूलिया, चादनी चौक

नरायन दास दयाल सिंह
लिमपाल जैन
भगत सिंह जैन
दयाचन्द जैन
वद्री दास विजय कुमार
रघुवीर सिंह अमोलक चन्द्र
धूम सिंह जैन
गोपीमल जगदीश प्रसाद
शिव प्रसाद कवल किशोर
उमराव सिंह जैन
शिखर चन्द्र लक्ष्मी चन्द्र
वीर सेन जिनेन्द्र कुमार

धनपाल सुकौशल कुमार
देशराज किरोड़ी मल
धनपाल सुरेश चन्द्र
ईमान राय चिरजीलाल
शिखर चन्द्र जैन
रूप चन्द जैन
सुलतान सिंह राजेन्द्र कुमार
ज्योती प्रसाद
मगाराम गुज्जनमल
निरजन सिंह जैन
कालूराम महावीर प्रसाद
किरनसिंह महेन्द्र कुमार
गिरी लाल कान्ता प्रसाद
श्रीचन्द्र त्रिलोक चन्द्र

कटरा नवाब साहब, चांदनी चौक

भोजराज सोम प्रकाश
गोविन्द प्रसाद सुमत प्रसाद
सूरजभान सुरेन्द्र कुमार

नया कटरा, चादनी चौक

रोशन लाल दुग्गण एण्ड क०
नियादर मल अमर नाथ २८०४७
गोविन्द प्रसाद तन्नूलाल जैन

नया मारवाडी कटरा

सतीश चन्द्र सुरेश चन्द्र २७६०८
धनपत राय नरेन्द्र कुमार
सुन्दर लाल सजीव कुमार
जैन सिल्क स्टोर

कटरा सत्यनारायण, चादनी चौक

श्रीपाल सुरेन्द्र पाल
धन कुमार नेम चन्द्र
सन्त लाल निर्मल कुमार
भोपाल सिंह
बागमल पलटू मल
जगदीश प्रसाद प्रादीश कुमार
नवल सिंह चन्दन लाल
आतमाराम बाबूराम

उलफतराय धर्मपाल सिंह
अनोखे लाल
त्रिलोक चन्द जय चन्द्र
खजानची मल माम चन्द
काशीराम विजय कुमार
चेतनदास सुरेश चन्द
रोशन लाल रूप चन्द्र
दर्शन लाल मूल चन्द्र
चेतन दास रमेश चन्द्र
दया चन्द जय चन्द्र
जैन कटपीस स्टोर
पेशीराम माखन लाल
सूरज भान जैन
मिट्ठन लाल सुशील कुमार
जम्बू प्रसाद जैन
गोपीराम तारा चन्द्र
लखमी चन्द्र नेम चन्द्र
सतीश चन्द्र भूषण कुमार
नेम चन्द्र जयपाल सिंह

कटरा चौबान, चांदनी चौक

परस राम द्वारका दास
रतन लाल जग्गी मल जैन २४६१७
मुन्नी लाल मोती लाल

कटरा अशर्फी

जगन्नाथ जैन
मोहन लाल जैन
गनपत राय विजय कुमार
किशन गोपाल कौशल कुमार
गुरजी मल मेहर चन्द्र
श्रीराम केशरी चन्द्र
रतनलाल जग्गी मल २४६१७
रतन लाल राजेन्द्र कुमार
पी पी जैन एण्ड कम्पनी, दरीबा
जैन वस्त्र भंडार
किनारीबाजार, चादनी चौक
कन्हैया लाल हरिचन्द्र
मोती कटरा, नई सड़क

विलास राय रोशन लाल
हरद्वारी मल विशन स्वरूप
ईश्वर दास प्रेम चन्द्र
रतन लाल श्रीपाल

कच्चा बाग, कटरा शहशाही, चादनी चौक

रतन लाल जग्गी मल २४६१७
नेम चन्द जैन
अग्रवाल स्टोर २७३१८
वुद्धामल हरिदमन लाल
रोशन लाल हरत चन्द्र
जम्बू प्रसाद डिप्टी मल
उग्र सेन सुशील कुमार
उग्र सेन रघुनाथ सहाय
कन्हैया लाल राज कुमार
मिट्ठन लाल तारा चन्द
सोहन लाल वाल चन्द
दुली चन्द पवन कुमार
जवाहर लाल शिव कुमार
वैज नाथ जैन
सुमेर चन्द्र जैन
वद्री प्रसाद राजेन्द्र कुमार
सूरज मल फूल चन्द्र
पदम चन्द ताराचन्द
वशीधर रतन लाल
राकेश कुमार
गगाराम शकर लाल
जगन्नाथ लक्ष्मूमल
शम्वूनाथ कल्याण चन्द्र
मूल चन्द्र रतन लाल
शिव लाल गुलाव चन्द
विमल प्रसाद जैन
हेम राज स्वेरम दास
दर्शन लाल व्रज मोहन
उधमी राम कुन्दन लाल
प्रभू दयाल हर चन्द्र
माखन लाल तारा चन्द्र
वेद प्रकाश महादेव प्रसाद

गली लेहसवान, चादनी चौक

पन्नालाल जन एण्ड क० २३४०१
धूर्मसिंह अमोलक सिंह
प्रकाश चन्द कैलाश चन्द्र
सुमत प्रसाद राम प्रकाश
वद्री प्रसाद दुली चन्द्र
भाग मल वीर मल
रहतू मल सुरेन्द्र कुमार
दरोगा मल शेर सिंह
रघुवीर सिंह सुरेश चन्द्र
जम्वू प्रसाद गभीर सिंह
कश्मीरी लाल रहतूमल
शान्ती प्रसाद नरेन्द्र कुमार
राम नाथ भान सिंह
सुमन्दरा लाल श्याम लाल
कन्हैया लाल महावीर प्रसाद
ठडीराम जन
उत्तम चन्द्र देवेन्द्र कुमार
विश्वभर सहाय जगजीत सिंह
मुकन्दी लाल मागेराम
शिव प्रसाद हर प्रसाद
रिसाल सिंह गुलाव सिंह
प्रकाश चन्द्र धन कुमार
जैनी ब्रादर्स

कटरा धूलिया, चादनी चौक

नरायन दास दयाल सिंह
लिमपाल जैन
भगत सिंह जैन
दयाचन्द जैन
वद्री दास विजय कुमार
रघुवीर सिंह अमोलक चन्द्र
धूम सिंह जैन
गोपीमल जगदीश प्रसाद
शिव प्रसाद कवल किशोर
उमराव सिंह जैन
शिखर चन्द्र लक्ष्मी चन्द्र
वीर सेन जिनेन्द्र कुमार

धनपाल सुकौशल कुमार
देशराज किरोडी मल
धनपाल सुरेश चन्द्र
ईमान राय चिरजीलाल
शिखर चन्द्र जैन
रूप चन्द जैन
सुलतान सिंह राजेन्द्र कुमार
ज्योती प्रसाद
मगाराम गुज्जनमल
निरजन सिंह जैन
कालूराम महावीर प्रसाद
किरनसिंह महेन्द्र कुमार
गिरी लाल कान्ता प्रसाद
श्रीचन्द्र त्रिलोक चन्द्र

कटरा नवाब साहब, चांदनी चौक

भोजराज सोम प्रकाश
गोविन्द प्रसाद सुमत प्रसाद
सूरजभान सुरेन्द्र कुमार

नया कटरा, चादनी चौक

रोशन लाल दुग्गण एण्ड क०
नियादर मल अमर नाथ २८०४७
गोविन्द प्रसाद तन्नूलाल जैन

नया मारवाडी कटरा

सतीश चन्द्र सुरेश चन्द्र २७६०८
धनपत राय नरेन्द्र कुमार
सुन्दर लाल सजीव कुमार
जैन मिल्क स्टोर

कटरा सत्यनारायण, चादनी चौक

श्रीपाल सुरेन्द्र पाल
धन कुमार नेम चन्द्र
सन्त लाल निर्मल कुमार
भोपाल सिंह
वासमल पनटू मल
जगदीश प्रसाद आदीश कुमार
नवल सिंह चन्दन लाल
आतमाराम बाबूराम

उलफतराय धर्मपाल सिंह
अनोखे लाल
त्रिलोक चन्द जय चन्द्र
खजाची मल माम चन्द
काशीराम विजय कुमार
चेतनदास सुरेश चन्द
रोशन लाल रूप चन्द्र
दर्शन लाल मूल चन्द्र
चेतन दास रमेश चन्द्र
दया चन्द जय चन्द्र
जैन कटपीस स्टोर
पेशीराम माखन लाल
सूरज भान जैन
मिट्ठन लाल सुशील कुमार
जम्बू प्रसाद जैन
गोपीराम तारा चन्द्र
लखमी चन्द्र नेम चन्द्र
सतीश चन्द्र भूषण कुमार
नेम चन्द्र जयपाल सिंह

कटरा चौबान, चांदनी चौक

परस राम द्वारका दास
रतन लाल जग्गी मल जैन २४६१७
मुन्नी लाल मोती लाल

कटरा अशर्फी

जगन्नाथ जैन
मोहन लाल जैन
गनपत राय विजय कुमार
किशन गोपाल कौशल कुमार
गुरजी मल मेहर चन्द्र
श्रीराम केशरी चन्द्र
रतनलाल जग्गी मल २४६१७
रतन लाल गजेन्द्र कुमार
पी पी जैन एण्ड कम्पनी, दरीबा
जैन वस्त्र भंडार
किन्नीमारान, चादनी चौक
कन्हैया लाल हरिश्चन्द्र
मोती कटरा, नई सडक

कटरा छतरी, नई सड़क

उल्फत राय कैलाश चन्द्र
सामल दास राज कुमार
धर्नसिंह राय सत नारायण
चन्दन लाल महावीर प्रसाद
वाल मुकन्द जुगमदर लाल

कटरा राठी, नई सडक

चुन्नी लाल रूप चन्द्र
मदनलाल देवेन्द्र कुमार

नई सडक

दरवारी मल जैन एण्ड क० २६१११
वैंगलोर साडी सैंटर १६१११
जैन साडी निकेतन
प्रभूदयाल, कटपीस वाले
जैन क्लाथ हाउस
धनपाल जैन
आभेराम जैन
माता दीन जैन
जगन्नाथ जैन
जगली मल अनूपसिह

माली वाडा, चादनी चौक

अनराज नरायन दास २४७६३
मुसद्दी लाल फूल चन्द्र
निहाल चन्द्र फकीर चन्द्र
विलास राय रोशन लाल
मिट्ठन लाल जैन

नया मारवाडी कटरा, नई सडक

सतीश चन्द्र सुरेश चन्द
धनपतराय नरेन्द्र कुमार
सुन्दर लाल सजीव कुमार
जैन सिल्क स्टोर

पुराना मारवाडी कटरा, नई सडक

फकीर चन्द्र विमल प्रसाद
मिसरी मल अजीत प्रसाद
डगन चद्र सत लाल

शादी राम मौहर सिह
प्रीतम लाल अतर चन्द
छोटे लाल
जैन क्लाथ स्टोर
फकीर चन्द ओम प्रकाश
राधेलाल रमेश चन्द्र
चन्द्र भान महावीर प्रसाद
जगजीत सिंह जैन
मिट्ठन लाल नेमचद्र
नेम चन्द मदन लाल
कन्हैया लाल ज्वाला प्रसाद
उग्रसेन दीपक कुमार
मगल सेन आदीश्वर कुमार

डा० मुकर्जी मार्ग, वाग दीवार

रणजीत सिंह अमर नाथ, महावीर वाजार
अतर सेन नरेन्द्र कुमार, लक्ष्मी वाजार
कन्हैया शाह रोहनी शाह, लक्ष्मी वाजार
जौहरीमल दयाचन्द, गनेश वाजार

दाऊ वाजार, वाग दीवार

चीनूभाई नगीनदास शाह
कान्ती लाल एण्ट कम्पनी

सदर वाजार

शम्भू दयाल महावीर प्रसाद
अनूपसिह विमल प्रसाद
प्यारे लाल जगन्नाथ २६२३५
राजधानी सिल्क भडार २६२३५
वल देवसहाय न्यादर मल
केदार नाथ राम चन्द
हेमत राय राजेलाल
केदार नाथ अतर चन्द
किरपाराम शकर दास
गिरधारी लाल नेम चन्द
प्यारे लाल जैन वहादुर
सागर चन्द फूल चन्द
सावल दास सागर चन्द
चुन्नी लाल शान्ती प्रसाद
वल्लू मल हुकुम चन्द

गोविन्द प्रसाद भुमत प्रकाश
ज्वाला प्रसाद लखमी चन्द
मान सिंह
उमराव सिंह फकीर चद
किशन लाल अशोक कुमार

पहाडी धीरज

उलफत राय विजय कुमार
४७१६ पहाडी धीरज
मगल सेन पदम कुमार
४१४१ पहाडी धीरज
जोरामल
इन्दर सेन लक्ष्मण दास
४३२२ पहाडी धीरज
महावीर प्रसाद
४५०२ पहाडी धीरज
सितावराय ज्ञान चन्द
४५०४ पहाडी धीरज
पूरन चन्द
४५०२ पहाडी धीरज
जाया राम रमेश चन्द
घसीटाराम रमेश चन्द सुखपाल सिंह
वीरेन्द्र कुमार
विमल प्रसाद
नत्थमल मित्र सेन
रतन लाल
मनोहर लाल
हजारी लाल
इन्द्र प्रभव
वाल मुकद
४६१६ पहाडी धीरज
कुन्दन लाल मानक चन्द
४६१८ पहाडी धीरज
मदन ट्रादर्स
४४६२ पहाडी धीरज
विमल प्रसाद
३८६२ पहाडी धीरज

वलदेव जैन
३८१२ पहाडी धीरज
चेतराम तारा चन्द
४७३६ पहाडी धीरज
मोती लाल,
४७३७ पहाडी धीरज
शीतल प्रसाद रवीन्द्र कुमार
४७४१ पहाडी धीरज
केवल राम शीतल प्रसाद
४७४६ पहाडी धीरज
सागर चन्द्र
४८०० पहाडी धीरज
मोहन लाल ओम प्रकाश
४७६६ पहाडी धीरज
पन्नालाल
३७३६ पहाडी धीरज
रतन लाल श्री मदर
३६१६ पहाडी धीरज
वैजनाथ सुरेश चन्द्र
४५४७ पहाडी धीरज
वावूराम लाडली प्रसाद
४१३६ पहाडी धीरज
प्यारे लाल जैन
सौदागर मगल सेन
राजस्थान क्लाथ हाउस
निराला क्लाथ हाउस
सूरजभान कन्हैया लाल
फैन्सी क्लाथ हाउस
नेम चन्द हीरा लाल
घित्रा साडी हाउस
वावूराम
आर्यपुरा
रगीलाल किशन चन्द्र
मुशी लाल मोहन लाल
चावडी वाजार

पहाड गज

किशोरी लाल खडेलवाल

जगन्नाथ पल्लीवाल

नन्हेमल, कटपीस वाले

ग्यारसीमल गुलाव चन्द

भोलाराम

करौल वाग

वोम्वे सिल्क स्टोर ५१८३०
गजाराम विल्डिग, अजमल खा रोड,

चीप सिल्क स्टोर ५१६६५
२४१३-१४ अजमल खा रोड

जैन नोवेल्टीज ५५०२२
अजमल खा रोड

वोम्वे क्लाथ हाउस ५५०४१
२४६२ अजमल खा रोड

इण्डिया सिल्क्स
८ वीदनपुरा

जैन क्लाथ हाउस
२६२६ वैंक स्ट्रीट

नई दिल्ली

अर्जुन लाल उल्फत राय ४७३१८
१०५ वेअर्ड रोड

निराला एण्ड कम्पनी
८५ वेअर्ड रोड

ग्रीनवेज ४३६६२
२० ई कनाट प्लेस

जैनसस
६ ई कनाट प्लेम ४७३८६

सिल्को
११ ई कनाट प्लेस ४२५२१

जैन साडी स्टोर्स
जनपथ

चीप जैनी
१८ एफ कनाट प्लेस

जगपुरा (भोगल) व अन्य स्थान

महावीर क्लाथ स्टोर
भोगल रोड

शाम लाल मेहर चन्द
भोगल रोड

रामूमल शाती प्रसाद
गाधीनगर

सलेक चन्द्र जैन
कृष्णा मार्केट, गाधीनगर

प्रेम चन्द जैन
नजफगढ

अतर सेन जैन
नजफगढ

जोती प्रसाद जैन
नफजगढ

घीसा मल
नजफगढ

कागज व स्टेशनरी के व्यापारी

चावडी वाजार

विरधी चन्द वैज नाथ	२६८८२
विरधी चद जैन एण्ड सस	२६४४०
विरधी चन्द जैन एण्ड सस	२७८१८
मिट्ठनलाल जैन एण्ड सस	२३७५३
नेमचन्द्र नरेन्द्र कुमार	२०८५३
रूपचन्द एड सस	२५६६७
सिद्धोमल एण्ड सस	२६४४२
मुशीलाल एण्ड मस	२६६४०
सागर चन्द जैन एण्ड सम	
मोतीलाल जैन	
रतन लाल जैन	
नन्नूमल एण्ड सम	२५७३६
हजारी लाल शाती लाल	२८८८२
गिरधारीलाल पवन कुमार	
नन्द राम सूरजमल	२३८८०
मुशीलाल, प्रकाश चन्द	
ओम प्रकाश जेतिदर कुमार	
धर्मदास तारा चन्द	
मोहनलाल नेमचन्द	
राम चन्द पृथ्वी सिंह	२०२७६

नेमचन्द एण्ड सस
इडिया पेपर प्रोडक्ट
न्यू इडिया जनरल ट्रेड्स एजेन्सी २४४५७
जगदीश राय नरेन्द्र कुमार
फूलचन्द वेद प्रकाश
गोकल चन्द जगन्नाथ नाहर २६५३५
घूमीमल विशाल चन्द
घूमीमल जुगल किशोर २६१०५
दुजाना हाउस
घूमीमल धर्मदास
३७१० चावडी बाजार २६८२०
अजीत पेपर कम्पनी
चर्खेवालान
सिंघल पेपर मार्ट
मोडर्न पेपर मार्ट
घनेश पेपर मार्ट
महावीर पेपर मार्ट
भगवत प्रसाद एण्ड सस २६५८१
शिम्भो नाथ एण्ड सस
खडेलवाल पेपर मार्ट
सुमत प्रसाद एण्ड सस २४२२५
छुट्टनलाल विजेन्द्र कुमार
गिरधारी लाल पदम कुमार जैन २६४२३
सुमत प्रसाद अनिल कुमार
सुमन लाल उग्गर सेन
गुलशन राय वीर सेन
श्रीपाल एण्ड कम्पनी २०७३०
शेरसिंह किरपाराम
मूलचन्द होशियार सिंह
पी० आर० जैन स्टेशनरी मार्ट
जनरल पेपर कम्पनी
अशोक पेपर मार्ट
प्रकाश पेपर मार्केट
सतीश ब्रदर्स
प्रकाश पेपर मार्केट
ललित प्रसाद एण्ड ब्रदर्स
यूनीक स्टेशनरी डिपो २८५३३

जगली मल प्यारे लाल
भिक्खी लाल जैन
मोती लाल जैन एण्ड सस
अमर सिंह घूमीमल
राजेन्द्र कुमार एण्ड कम्पनी
दयाल पेपर मार्ट
दिनेश पेपर मार्ट
बाबूराम किरन चन्द
टीकाराम सेठन लाल
सेंट्रल पेपर एजेन्सी
मोडर्न कापी मार्ट
मुशीराम मनोहर लाल २७१५३
दारोगामल जैन
छीपीवाडा खुर्द, चावडी बाजार
जैन पेपर मार्ट
छीपावाडा खुर्द चावडी बाजार

सदर बाजार

राम प्रसाद जगन्नाथ जैन २६४४६
कटरा नबीबक्स
जोती प्रसाद महावीर प्रसाद
बाराटूटी
नीकाराम सीनथ लाल
गुलशन राय जैन एण्ड सस
शिखर चद पद्म प्रसाद
प्रकाश चद जैन एण्ड सस २५६४६
हुकम चन्द शिखर चद जैन
भोलाराम रग्गूलाल २६४५६
टेक चन्द वेलीराम
५६६३, गली मटके वाली, सदर बाजार
जुगिंदर लाल जैन एण्ड कम्पनी २८२४३
कटरा मिट्ठन लाल
मोती राम पदम चन्द
बाडा हिन्दूराव

पहाडी धीरज

गिरनारीमल ताराचन्द
लघुराम जैन एण्ड सस
विशम्भर सहाय श्यामलाल

श्रीपाल धनपाल
हेमचन्द अजित प्रसाद
विद्या सागर सुमन प्रसाद
नत्थूराम सतीश चन्द
किरन चन्द बाबू राम
महेन्द्रा पब्लिशिंग हाउस
प्रेम कत्याल
हीरा स्टेशनरी मार्ट
हिन्दुस्तान पेपर मार्ट
८, नारायन मार्केट

खारी बावली और विवधि

विरधी चन्द नौनगराम
विरधी चन्द गिरधारी लाल २४३०३
नत्थूमल जैनीलाल
गाडोदिया मार्केट खारी बावली
सेन ब्रदर्स
बाजार गुलियान
मगल सेन तरलोक चन्द
दरीबा कला
निर्मल दास राजाराम
दरीबा कला
विरधी चन्द्र जैन एण्ड सन्स २७८१८
४३ बाग दीवार, चादनी चौक
अजमेरी गेट पेपर मार्ट
आसफ अली रोड
बाबूराम एण्ड कम्पनी
गली लुहारान, अजमेरी गेट
राज पेपर मार्ट
२६९७ देशबन्धु गुप्ता रोड
घूमीमल रामचन्द ४७४३३
८-ए ब्लाक कनाट प्लेस

किराना के व्यापारी व आड़ती

मीरीमल अशोक कुमार २४१७८
गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
मूल चन्द्र महावीर प्रसाद
गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
पूरनमल ओम नारायण
गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
श्रीपाल प्रद्युम्न कुमार २३९८२
कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
फूल चन्द्र जैन
कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
सूरज भान सुलतान चन्द्र
कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
नन्हे मल अमीर चन्द्र
तिलक बाजार, खारी बावली
शिवलाल नानक चन्द्र, जैन २०५२६
कटरा तम्बाकू, खारी बावली
श्याम लाल श्रीपाल
कटरा तम्बाकू, खारी बावली
हुण्डीलाल श्याम बिहारी लाल २६९८३
खारी बावली
राम प्रसाद विशन स्वरूप
खारी बावली
वख्तावर मल तारा चन्द्र
खारी बावली
केशरी चन्द्र श्रीचन्द्र
खारी बावली
सुन्दर लाल देवेन्द्र कुमार
खारी बावली
घेवर चन्द्र राम अवतार
खारी बावली
मूल चन्द नेम चन्द
नया बास
वकील चन्द
नया बास
गजेन्द्र कुमार जैन
सदर बाजार
प्रेम चन्द सुरेश चद
सदर बाजार
शिखर चद गुप्ती प्रासाद
सदर बाजार

मगल सेन दीप चद
आर्यपुरा, सब्जी मडी
पन्ना लाल प्रेमचन्द
आर्यपुरा सब्ज़ी मडी
सी० एम० उग्गर सेन
आर्यपुरा, सब्जी मडी
शोभा प्रसाद फतेह् चद
६७ पच कु इया रोड
मोती लाल निहाल चद
६६ पचकु इया रोड
दीवान चद महेश चद
छ टूटी, पहाड गज
धन्ना लाल भौरी लाल
छ टू टी चौक, पहाड गज
उग्गर सेन हेमचन्द
पहाड गज
माखन लाल श्रीपाल
तेल मडी, पहाड गज
ग्यारसी मल गुलाव चद
गली घोसियान, मटोला पहाड गज
सन्तलाल फतेह चन्द
सेंट्रल रोड, जगपुरा

केमिस्ट व ड्रगिस्ट

गेंदा मल हेमराज २७६५१
११ रीगल बिल्डिग, पार्लियामेट स्ट्रीट
गेंदामल विलायतीराम ४६१८४
८१० कनाट सर्कस
मायाशाह विलायती राम एण्ड सस ४३६५७
म्यू० मार्केट, इर्विन रोड
एम० एस० लक्ष्मी एण्ड सस २३६२३
१४४६ चादनी चौक
एसोशियेटिड एजेंसीज़ २८२६५
भागीरथ पेलेस
मेडीसन ट्रेडर्स
चादनी चौक
के० सस
चादनी चौक
रेडीक्योरा एण्ड कम्पनी २४८७६
फतेपुरी
कुमार ब्रदर्स २४०७३
भागीरथ पेलेस, चादनी चौक
ड्रगडील कार्पोरेशन २४०७३
१४६६ भगवती भवन, स्टेट बैंक के पीछे
जैना फार्मेसी २८२८८
जोगीवाडा, नई सडक
जमनादास एण्ड कम्पनी
भागीरथ पेलेस, चादनी चौक
जैन फार्मेसी २६३०८
पहाडी धीरज, सदर बाजार
होम्यो मेडीकल हाल २६५६६
पहाडी धीरज, सदर वाजार
हीरालाल प्रेम चद्र २८२८०
पहाडी धीरज, सदर वाजार
रनजीत फार्मेसी
पहाडी धीरज़, सदर वाजार
सुगन चद्र ज्योति प्रसाद
पहाडी धीरज, सदर वाजार
जैना फार्मा (प्रा०) लिमिटेड ५५६७६
२६, नजफगढ रोड

घड़ी व घंटों के व्यापारी

जैना वाच कम्पनी २६६५०
सदर वाजार
स्टैंडर्ड वाच हाउस
७१ गफ्फार मार्केट
कोलीजियेट वाच हाउस
६० गफ्फार मार्केट

घी व चीनी तथा खांड के व्यापारी

घी के व्यापारी

वेनीराम वशीधर २६१४३
प्रेम निवास ६१५०/२३ दरियागज

चीनी तथा खांड के व्यापारी

सरदारी मल, कुन्दन लाल — २५७२६
नया वास, खारी बावली
जिनेश्वर दास एण्ड सज
भोगल रोड, जगपुरा

ज्वैलर्स

शाति विजय एण्ड कम्पनी — ४२६१६
५२, जनपथ
शाखा—इम्पीरियल होटल, जनपथ — ४५२२८
खैराती लाल एण्ड सस — ४३७६४
८० जनपथ
इडियन आर्टस पैंलेस — ४३८६३
१६-ई कनाट प्लेस
मनोहर लाल एण्ड सस — ४०६६०
कनाट सर्कस
सुमति दास एण्ड ब्रदर्स
रीगल बिल्डिग
शीतल दास एण्ड सस
६ एफ कनाट प्लेस
जे सी पारिख एण्ड क० — ४७३५५
६ एफ कनाट प्लेस
मनोहर लाल वुज्जन मल
जनपथ होटल, जनपथ
टी कृष्ण चन्द्र
२२, सुन्दर नगर
हीरालाल जैन — ४४८६७
३०/३२ वावर लेन
पिंडी जैन ज्वैलर्स — ५३०४६
२३६६ गुरुद्वारा रोड
पापूलर जैन ज्वैलर्स — ५२०८७
वैंक स्ट्रीट, करोल वाग

दरीवा चांदनी चौक

महवूव सिंह जैन एण्ड सस — २०५५६
महताव सिंह जैन एण्ड सस — २६३६६
पूरन मल नन्नूमल — २५३७५
मीरीमल नेम चन्द्र — २४८५६
जगाधर मल धन्नूमल — २८६२४
वेलीराम तारा चन्द — २७७२६
राम स्वरूप जैन — २६२८७
रनजीत सिंह जैन — २५६०८
मुसद्दी लाल एण्ड सस
वसत राम हुकुम चन्द्र
धूम सिंह नाहर सिंह
शिव्वामल रघुवीर सिंह
जम्वू प्रसाद जैन सर्राफ
मीरीमल सुल्तान सिंह
रतनलाल अजित प्रसाद
तारा चन्द्र माम चन्द्र
दलीप सिंह प्रकाश चन्द्र
मुसद्दी लाल एण्ड सस
मुन्नीलाल जैन
७५, गली सुखानन्द (दरीवा)
प्रकाश चन्द्र शील चन्द्र — २५४३५
चादनी चौक
हुकुम चन्द्र उल्फतराय जैन — २५६६५
चादनी चौक
जैन ज्वलर्स — २०८८१
१४३३ चादनी चौक
महताव राय महावीर प्रसाद — २४७१५
चादनी चौक
जगन्नाथ हेम चन्द्र — २८६७२
१४२१ चादनी चौक
सुशाल सिंह जैन
१८२३ चादनी चौक
लाल चन्द्र रतन लाल
चादनी चौक
धन्नूमल किशन चन्द्र
चादनी चौक
हुकुम चन्द्र जगाधर मल
चादनी चौक
मोहन लाल रोशन लाल
चादनी चौक

धन्नूमल जैदयाल सिंह
चादनी चौक
जैन आभूषण भडार
कूचा महाजनी, चादनी चौक
महावीर आभूषण भडार
कूचा महाजनी, चादनी चौक
मदनलाल विनोद कुमार
कच्चा बाग, चादनी चौक
रतनचन्द्र ऋषभदास
कच्चा बाग, चादनी चौक
मुरारी लाल कवर किशन
कच्चा बाग, चादनी चौक
प्रताप सिंह जसवत राय
कटरा सत्यनारायन, चादनी चौक
उमराव सिंह कुन्दन लाल २०५१६
१६७६ किनारी बाजार
काशीनाथ जगन्नाथ
किनारी बाजार
हरी चद्र मालू
२२१४ किनारी बाजार
सुरेन्द्र कुमार बोथरा
२८६५ किनारी बाजार
भैरुन प्रसाद सोहन लाल
२००१ नौघरा, किनारी बाजार
प्यारे लाल दलेल सिंह
२००६ नौघरा, किनारी बाजार
अजीत प्रसाद जैन
२६४२ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार
चुन्नी लाल दूगड
१६६८ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार
युज्जन लाल दावूराम
धर्मपुरा
जोरा मल जैन
धर्मपुरा
बहादुर सिंह मूसल
१४०५ माली वाडा

सुल्तान सिंह जैन
माली वाडा
खूब चन्द्र इन्दर चन्द्र
१३८५ माली वाडा
सांवल दास छोटे लाल
राजिन्द्र निवास, ४५६ मालीवाडा
कुन्दन लाल पारख
६४४ माली वाडा
जगली मल फतेह सिंह
६३८ माली वाडा
रतन लाल तातेड
१०४० माली वाडा
मुल्तान सिंह आदीश्वर लाल
११६१ माली वाडा
छगन लाल मगन लाल
१०५२ गली हीरानन्द, माली वाडा
पूरन चन्द रतन लाल
१०४२ गली हीरानन्द, माली वाडा
जीवन लाल बोहरा
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाडा
हेमचन्द्र जैन
१०४२ गली हीरानन्द माली वाडा
खेम चन्द्र पारख
१०५२ गली हीरानन्द, माली वाडा
इन्दर चन्द बोथरा
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाडा
मनमोहन जैन
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाडा
डिप्टी मल सूजती
६३२ गली पत्ताल वाली, माली वाडा
गन्नोमल होश्यार मल
गली किशनदत्त, माली वाडा
धन्नामल जैन
१८१६ छत्ता मदन गोपाल, माली वाडा
नानक चन्द्र टोंग्या
११२७ छत्ता मदन गोपाल, माली वाडा

जमुना दास सुराना
गली छीपियान, माली वाडा
जीवन लाल वोयरा
१४५४ गली छीपियान, माली वाडा
चादमल सखवाल उमराव सिंह
१४४४ गली छीपियान, माली वाडा
हजारी लाल
गली लाडे वाली, माली वाडा
नानक चन्द कस्तूर चन्द
गली भोजपुरा, माली वाडा
पन्ना लाल छजलानी
६७६ गली भोजपुरा, माली वाडा
अतर चन्द्र जैन
१२६६ वैदवाडा
श्रीचन्द जैन
१३७१ वैदवाडा
सूरज लाल जैन
वैदवाडा
पन्नालाल एण्ड सस
१३११ वैदवाडा
पन्नालाल तातेड
वैदवाडा
लल्लूमल विजय सिंह
१२६८ वैदवाडा
वल्लोमल जग्गोमल
वैदवाडा
मुन्नालाल जैन
१८१८ चीराखाना, वैदवाडा
हजारी लाल रावयाण
१८६३ चीराखाना, वैदवाडा
वव्बूमल लोढा
गली हरदयाल, चीराखाना, वैदवाडा
मागीलाल रिखव चन्द
चीराखाना, वैदवाडा
मुन्नालाल दलेलमल
गली हरदयाल, चीराखाना, वैदवाडा

कपूर चन्द बोथरा
४१४४ नई सडक
नरेन्द्र कुमार लूनिया
गली भैरो वाली, नई सडक
वावूमल एण्ड कम्पनी २५१३०
५ कश्मीरी गेट
रामगोपाल हजारी लाल
सदर बाजार
खजाची मल उग्रसेन
सदर बाजार
श्रीराम अजित प्रसाद
सदर बाजार
पारस दास डिप्टी मल
सदर बाजार
सुमत प्रसाद एण्ड सस
सदर बाजार
शीतल प्रसाद पदम प्रसाद
सदर बाजार
ओसवाल ज्वैलर्स २८८५७
४६ वस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड
रामनारायन जोती प्रसाद
आर्य पुरा, सब्जी मडी
प्यारे लाल मान सिंह
आर्य पुरा, सब्जी मडी

जरी गोटा आदि के व्यापारी

किनारी बाजार

निहालचन्द ज्योती प्रसाद
सुल्तानसिंह
विशम्भरनाथ हरीचन्द
जैन जरी पैलेस
छगनलाल जयकिशनदास
मानक चन्द
दीप चन्द पदम चन्द
जैन गोटा स्टोर
वावूराम धन्नूमल
रमन चन्द
गिरनारी लाल

कुलवन्त राय
मुशीलाल पूरनचन्द
सूरजभान
ज्योती प्रसाद
फूलचन्द
कल्यान दास
गोपालदास 'भगत'
रघुनाथ सहाय जयचन्द राय
चादनी चौक
प्यारेलाल अमीरचन्द २०३८२
२१८ फतेपुरी

बेल वाले

मुशी लाल अजीत प्रसाद २८४६४
६६५ चादनी चौक
लक्ष्मणसिंह जरी वाला
२०८८ कटरा खुशाल राय
कानू जी माट्टमल एण्ड सस
चौक राय जी, रोशनपुरा

इम्ब्रोइड्री ट्रेसर्स

कुजलाल जैन
दिल्ली मारान, चादनी चौक
सुदर्शन लाल जैन
नई सडक
राजेन्द्र प्रसाद जैन
नई सडक
निर्मल इम्ब्रोइडरी वर्क्स ५२३६६
७६ गफ्फार मार्केट, अजमल खा रोड
किंग इम्ब्रोइडर्स
३० गफ्फार मार्केट, अजमल खा रोड

जायदाद एजेंट्स

कालोनाइजेशन लिमिटेड २३५३७
२३ दरियागज
फूल चन्द २३७७७
जवाहर नगर
नेमी चन्द २७६११
५३-डी कमला नगर
शिखर चन्द्र ७२६७७
के १२० हौज खास
हरीचन्द जैन एण्ड संस २४८७८
६४६४ कटरा बरयान
इंदर सेन ५४८२८
५०६० कृष्ण नगर, करोल बाग़
भागमल जैन ५३३११
२ गुरुद्वारा रोड, करोल बाग़
त्रिलोक चन्द
२२६३ धर्मपुरा
महेन्द्र जैन ७३८११
डी-१ ग्रीन पार्क
महेन्द्र कुमार
५, दरियागज
त्रियालाल जैन
पहाडी धीरज, सदर बाजार
सुल्तान सिंह जैन
चावडी बाजार
धनराज जैना २३७११
२३ दरियागज
परताप एण्ड कम्पनी
१७ फैज़ बाजार
त्रिलोक चन्द्र जैन
७ दरियागज
हेम चन्द्र जैन
७ दरियागज
अतर चन्द्र जैन
मसजिद खजूर
एम एस दास जैन ७४१८१
न्यू देहली साउथ एक्सटेंशन
जैन बन्धु
माडल टाउन

टेलर्स और ड्राई क्लीनर्स

वेस्टवेज़ टेलर्स २६४३५
चादनी चौक
चीप जैनी
कनाट प्लेस
ओसवाल टेलर्स ५५५७०
६ बीदनपुरा, करोल बाग़

मदन लाल जैन
जैन मंदिर अहाता; नई दिल्ली

जैन टेलर्स
३८६ दीवान हाल रोड

एक्लिप्स ड्राई क्लीनिंग कम्पनी ४५८४७
५६ जी कनाट प्लेस

नावेल्टी ड्राई क्लीनर्स ५१२७८
८८० ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग

प्रकाशक व पुस्तक-विक्रेता

बेनेट कोलमेन एण्ड कम्पनी लिमिटेड २८१६१
१०, दरियागज
चेअरमेन-शाती प्रसाद जैन ३४४०२
६ सरदार पटेल मार्ग

घूमीमल धर्मदास २६८२०
३७१०, चूडीवालान, चावडी बाजार

सर्वोदय प्रकाशन २५२७८
चावडी बाजार

पन्नालाल अग्रवाल
गली कन्हैया लाल, चर्खेवालान

ला लिटरेचर हाउस २७५०८
२६४६ बल्लीमारान, चादनी चौक

कम्पनी ला आफिस २०५१७
कूचा ब्रजनाथ, चादनी चौक

दिल्ली कलैंडर मैनुफेक्चरिंग कम्पनी २५८०८
१५३० नई सडक

साहित्य ज्ञान मन्दिर
नई सडक

मुशीराम मनोहर लाल २७१५३
पी बी ११६५ नई सडक

सेंट्रल बुक डिपो
नई सडक

पूर्वोदय प्रकाशन २४६५६
ऋषि भवन, ८ नेताजी मार्ग

मेट्रोपोलीटिन बुक क० (प्रा०) लिमिटेड २५७७१
१ नेता जी मार्ग

मोती लाल बनारसीदास २७६५५
४० बगलो रोड, जवाहर नगर

हिन्दुस्तान बुक एजेंसी २०२०१
१७ यू-बी जवाहर नगर

जे० एम० जैना एण्ड ब्रदर्स २५०६४
मोरी गेट

'टूडे एण्ड टू मारो' बुक एजेंसी ५३९८७
२२-बी/५ देशबन्धु गुप्ता रोड

जयना बुक डिपो ५३३९७
छप्परवाला कुआ, करोल बाग

जैन बुक डिपो
लिबर्टी सिनेमा के पास, रोहतक रोड

जैन बुक एजेंसी ४०९२६
सी ९ प्रेम हाउस, कनाट प्लेस

प्रेम बुक स्टाल
आपोजिट जी ई सी, ई ब्लाक कनाट प्लेस

यगमेन बुक डिपो
लेडी हार्डिंग रोड

अमीर सिंह जैन एण्ड सन्स
डी-२/९ माडल टाउन, माल रोड

वीर जनरल स्टोर
भोगल रोड, जगपुरा

जैन पुस्तक भडार
गाधी नगर

फर्नीचर के व्यापारी

जैन फर्नीचर हाउस २०८७५
बडा बाजार, कश्मीरी गेट

दया चन्द मगन चन्द्र
६७ पच कुइया रोड

गोयल फर्नीचर हाउस
३८१९ तीस हजारी, सराय फूस

बर्तन व क्राकरी के व्यापारी

धातु के बर्तन तथा अन्य सामान

घमडी लाल नन्हेमल २६७९२
बारा टूटी, सदर बाजार

टिन्डूराम जय नरायण
बारा टूटी, सदर बाजार

PLEASE NOTE CHANGE OF ADDRESS 666 CHURIWALAN, NEAR CHAORI BAZAR, DELHI.
Invitation
You are cordially invited to visit our plant in operation (The largest of its kind) for Blockmaking, Colour Printing, Job Printing Copper Plate, Wedding & Greeting Cards Printing Die Stamping, Ruling, Paper Cutting and Binding etc
Dhoomi Mal Jugal Kishore
Manufacturing Stationers & Printers
Near Chaori Bazar,
SHOW ROOM 666, CHURIWALAN DELHI
1st Floor above Tayal Brothers
Grams WEDDINCARD
Phone 229105
PROPPIETORS OF RAMA PRINTING WORKS (ESTABLISHED 1931)

जय नारायण देवेन्द्र कुमार
बारा टूटी, सदर बाजार

ऋषभ कुमार जिनेन्द्र कुमार २२६५७८
७ डिप्टी गज, सदर बाजार

पी० सी० गिरधारी लाल जैन २२६०४०
९ डिप्टीगज, सदर बाजार

मुसद्दी लाल निर्मल कुमार २२९२९७
डिप्टीगज, सदर बाजार

महावीर मेटल वर्क्स २२९८८५
४७७ बर्तन मार्केट, सदर बाजार

चन्दूलाल मोहनलाल २२९४४९
४२७ कटरा नबी वक्स, सदर बाज़ार

महावीर मेटल वर्क्स
कटरा नबीवक्स, सदर बाजार

राम रखामल मदन लाल जैन २२९८०२
सदर बाजार

दयाराम शिखर चन्द २२९२१२
४२१७ सदर बाजार

दयाराम प्रेम सागर
सदर बाज़ार

बलदेव सहाय एण्ड सस
सदर बाजार

सावल सिंह नवीन कुमार
सदर बाजार

प्रद्युम्न कुमार विनय कुमार
सदर बाजार

सावलदास मीरी मल जैन
सदर बाजार

भारत मेटल वर्क्स
सदर बाजार

कश्मीरी लाल सुशील कुमार
सदर बाजार

जुगमन्दर दास फूल चन्द्र
सदर बाजार

ब्रज किशोर नन्द किशोर
सदर बाजार

जैन वर्तन स्टोर
सदर बाजार

कश्मीरी लाल सावल सिंह
सदर बाजार

पहाड़ीमल सागर चन्द
चावडी बाजार

जिया लाल सुमेर चन्द
चावडी बाजार

सुमेर चन्द सुभाष चन्द
चावडी बाजार

श्रीचन्द
दरीबा

जैन बर्तन स्टोर
लाजपतराय मार्केट, चादनी चौक

कल्याण चन्द्र अग्रवाल
लाजपतराय मार्केट, चादनी चौक

जय कुमार ब्रादर
लाजपतराय मार्केट, चादनी चौक

रूपीमल मुशीलाल
मटोला, पहाडगज

रूपीमल खजाची
मटोला, पहाडगज

क्राकरी

आर० एस० मुल्खराज एण्ड सस २२९४५१
क्राकरी मर्केट, सदर बाजार

पिंडी ट्रेडर्स
११७ क्राकरी मार्केट, सदर बाजार

बिल्डिंग कांट्रेक्टर्स व सेनीटरी इंजीनियर्स

महावीर प्रसाद एण्ड सस २२६७३५
चावडी बाजार

अतर चन्द्र जैन
मसजिद खजूर

जैन एण्ड सस
मसजिद खजूर

चुन्नी लाल जैन
पीपल वाली गली, धर्मपुरा

जैन कस्ट्रक्शन कम्पनी (एलाह०) २२४९९३
११ दरियागज

माम चन्द्र जैन ४४८१३
६५ जैन मन्दिर रोड (नई दिल्ली)

एम० के० अग्रवाल ४४८१३
६५ जैन मन्दिर रोड (नई दिल्ली)

नरेन्द्र कुमार जैन
२२ फीरोजशाह रोड

पन्ना लाल सुमत प्रसाद
देव नगर

भाग मल जैन ५३३११
२ गुरुद्वारा रोड

मगन चन्द्र जैन
लड्डू घाटी, पहाडगज

मदन लाल जैन
शीदीपुरा

राय एण्ड जैन २२३२३३
१०२ ए मोडल वस्ती

एन के जैन एण्ड क०
VIII/४५५ छाटा बाजार, शहादरा

बिल्डिग, सेनीटरी व लोहे के सामान के व्यापारी

बिल्डिग मेटीरियल

बिल्डवेल स्टोर्स २२६७०६
सदीक बिल्डिग, जी. बी रोड

महावीर प्रसाद एण्ड सस २२६७३५
चावडी बाजार
शाखा—जी वी रोड २२६४०७
सीमेंट डिपो-गाधीनगर

दिल्ली सीमेंट स्टाकिस्ट कम्पनी २२६४०२
VII/५२३३ जी वी रोड

—सेल्स डिपो—

माडल टाउन
सराय भरोला
नरेला
राजा गार्डन (नजफगढ रोड)
विजवासन
मेहपालपुर
देवली (खानपुर)
मेहरोली
यूसुफ सराय
मसजिद मोठ
कालका जी कालोनी
बदरपुर
जगपुरा
भोगल
कनाट प्लेस
चावडी बाजार
चितली कवर
कश्मीरी गेट
बस्ती हर्फूलसिंह

पदम सिंह जैन एण्ड कम्पनी २२६६०६
४१ जी बी रोड

भारत मारबल हाउस २२६६०६
४१ जी बी रोड

नेशनल सीमेंट एण्ड लाइम स्टोर्स २२६४३३
४० जी बी रोड

पद्म कुमार एण्ड कम्पनी २२३३२६
४० जी बी रोड

दिल्ली बिल्डर स्टोर्स २२६६५७
जी बी रोड

महावीर प्रसाद जैन एण्ड कम्पनी
जी बी. रोड

बिल्लोमल जैन
जी वी रोड

भारत आइरन वर्क्स २२७३३४
चावडी बाजार

शामलाल जैन एण्ड सस २२६७३५
चावडी बाजार

इडियन एजेंसीज कार्पोरेशन २२३८०६
१४५७ चादनी चौक

इडस्ट्रियल मिनरल्स
वल्लीमारान, चादनी चौक

जैन कैमीकल वर्क्स
कटरा, बरयान

सुखानन्द शकर लाल
तिलक बाजार

जैन फाइन कलर एण्ड जनरल इडस्ट्रीज
बेला रोड

जैन ब्रदर्स
हौज काज़ी

जैन पेंट हाउस २२६४७४
बारा टूटी, सदरबाजार

विपुल ट्रेडिग कम्पनी
सदर बाजार

न्यु इडिया सेनीटरी वर्क्स
३७५८ गली बरना, सदर बाजार

हिन्द ट्रेडिंग कम्पनी
गली बरना, सदर बाजार

दिल्ली सीमेंट ट्रेडिंग कार्पोरेशन ७४५५४
३६ जगपुरा रोड, भोगल

चिम्मन पेंट एण्ड हार्डवेयर स्टोर्स ७८ सम्मन बाजार, जगपुरा	७३२३६
वाटरलू प्रोडक्स क० जी टी रोड, शहादरा	
कल्यान सिंह मानिक लाल छोटा बाजार, शहादरा	
बनवारी लाल महेन्द्र प्रसाद नजफगढ	
सुन्दर लाल जैन लाहोरी गेट	२२६८१६
ओम प्रकाश जैन बारा ट्टी, सदर बाजार	

लोहे का सामान

महावीर प्रसाद एण्ड सन्स चावडी बाजार	२२६७३५
विशम्भर दास जैन एण्ड कम्पनी चावडी बाजार	२२०८८७
रोशन लाल जैन एण्ड कम्पनी चावडी बाजार	२२६५८५
स्टील एण्ड मेटल स्टोर चावडी बाजार	२२६५८५
जवाहर लाल जैन एण्ड कम्पनी ३५८० चावडी बाजार	२२८०३३
हीरालाल जैन एण्ड कम्पनी चावडी बाजार	
मित्तल वायर एण्ड नेटिंग वर्क्स चावडी बाजार	
मित्तल ब्रदर्स चावडी बाजार	
जैन ट्रेडर्स चावडी बाजार	
मनोहर लाल त्रिलोक चन्द चावडी बाजार	
हरियाना वायर नेटिंग स्टोर्स चावडी बाजार	
प्रेम ब्रदर्स कूचा दयाराम चावडी बाजार	
वी० एस० जैन गली चूडीवालान, चावडी बाजार	
बनारसी दास जैन चावडी बाजार	
रघुवीर दास जैन चावडी बाजार	
जगदीश प्रसाद जैन चावडी बाजार	
भारत आइरन वर्क्स चावडी बाजार	२२७३३४
फूल चन्द सुमेर चन्द्र चावडी बाजार	
भोगी लाल पोसा चावडी बाजार	

सेनीटरी वेअर्स

महावीर प्रसाद एण्ड सस चावडी बाजार	२२६७३५
भारत आइरन वर्क्स चावडी बाजार	२२७३३४
जैन एण्ड सस मसजिद खजूर	
हिन्द ट्रेडिंग एण्ड मैनुफैक्चुरिंग क० गली बरना, सदर बाजार	२२८५०४
एम जे इजीनियरिंग वर्क्स बगीची तनसुख राय, अजमेरी गेट	
हिन्दुस्तान इजनियरिंग कम्पनी ६७६ सदर बाजार	
सुरेन्द्रा एण्ड कम्पनी गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज	
सतलाल जैन छ टूटी, पहाडगज	
गोयल ट्रेडिंग क० कुदन भवन, ३ दरियागज	
पन्नालाल सुमत प्रसाद नजफगढ	

जैन ब्रदर्स
हौज़ काजी
पी० शाह एण्ड कम्पनी
हौज़काजी
नेशनल हार्डवेयर सिंडीकेट २२७५६१
हौज़ काजी
इडस्ट्रियल मिनरल्स
३०४३ वल्लीमारान, चादनी चौक
जैनेन्द्रा हार्डवेयर कम्पनी
३०४६ वल्लीमारान, चादनी चौक
वी० एस० जैन
गली चूडीवालान
रतन लाल नानक चद जैन
सदर वाजार
जैन हार्डवेयर स्टोर ५४६८४
२७६० अजमल खा रोड

पेंटस

शामलाल जैन एण्ड सस ५६७३५
चावडी वाजार
वाटरलू प्रोडक्टस कम्पनी
दिल्ली-शहादरा
जैन पेंट हाउस २२६४७४
वारा टूटी, सदर वाजार
जन कैमीकल वकर्स
कटरा वरयान

टिम्बर व बान-रस्सा

सीताराम फिरोजीलाल जैन (प्रा०) लिमिटेड २२५६६२
कटरा वरयान
हरीचद जैन एण्ड सस २२४८७८
६४६४ कटरा वरयान
मोतीराम जैन एण्ड सस
१०६१ लाल कुआ

सदर (कबाडी) बाजार

दुर्गा प्रसाद चिरन्जीलाल
दुर्गा प्रसाद मित्तर सैन
गुलशन राय पदम सैन
नेमचन्द मोती लाल
दुर्गा प्रसाद लाहौरीमल
उदमीराम मदनलाल
गोरखी मल धनपत राय
रतनलाल वलवीर सिंह
जुगमन्दर दास प्रेमचन्द
रूपचन्द राजकुमार
फतेहचद दीवानचन्द
फतेहचन्द वजीर चन्द
वालमुकुन्द उग्रसैन
मुसद्दीलाल फूलचन्द
महावीर प्रसाद श्रीराम
हसराज धनपाल
सुखलाल हुकमचन्द
गगादास चोखराज
पन्नालालाल सुमत प्रकाश
कश्मीरी लाल ओमप्रकाश
सम्मन लाल लखपतराय
भगवान दास आदीश्वर कुमार
जगदीश प्रसाद राजेलाल
नेमचन्द वकील चन्द
तारा चन्द त्रिलोक चन्द
चोखराज रमेशचद
जनता टिम्वर स्टोर्स
करम चन्द सुभाष चन्द
श्रीपाल वकील चन्द
कानाशा तेजाशा
तिलक चन्द
जानकी लाल राजमल
मोहनलाल महेशचन्द
चिरन्जीलाल मान सिंह
सूरजभान प्रेम चन्द्र
आर्यपुरा
वर्मा एण्ड जैन
देश वन्धु गुप्ता रोड

बिजली के सामान के व्यापारी व इंजीनियर

कर्माशियल इलेक्ट्रीक वर्क्स २२५४६१
चादनी चौक

दास एण्ड कम्पनी २२६५०३
गुरुद्वारा के नीचे, चादनी चौक

जैन इलेक्ट्रिक स्टोर्स २२५४६७
१८७३ महालक्ष्मी मार्केट, चादनी चौक

एस एम इलेक्ट्रि ककम्पनी २२८७६५
१५१० कूचा उस्ताद हीरा, गुलिया

महावीर जैन इलेक्ट्रीकल्स
चादनी चौक

यूनाइटेड इलेक्ट्रिक एण्ड रेडियो कम्पनी
चादनी चौक

यूनीवर्सल ट्रेडिंग कम्पनी
कूचा बुलाकी बेगम, चादनी चौक

सुप्रीम इलेक्ट्रिक कम्पनी
१७५१-भागीरथ पैलेस

वी आई इलेक्ट्रिक कम्पनी
भागीरथ पैलेस

एम लाल एण्ड कम्पनी
भागीरथ पैलेस

एम वी इलेक्ट्रिक कम्पनी २२७४२१
भागीरथ पैलेस

नवीन एजेंसीज़
भागीरथ पैलेस

श्री गनेश इलेक्ट्रिक कम्पनी
भागीरथ पैलेस

जैन ट्रेडिंग कम्पनी
भागीरथ पैलेस

इलेक्ट्रिक एम्पोरियम
भागीरथ पैलेस

रेडियो स्पेअर्स २२८२५७
भागीरथ पैलेस

फोनिक्स रेडियोज २२७३२६
भागीरथ पैलेस

दरीबा कलां

डायमड इलेक्ट्रिक कम्पनी

इलेक्ट्रिक इम्पोरियम

बसल इलेक्ट्रिक स्टोर्स

वीर इलेक्ट्रोनिक्स

जैन इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स

ए के जैन डिस्ट्रीब्यूटर्स

इडियन मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

मिट्ठन लाला एण्ड सस

विविध

जैन कार्पोरेशन
चावडी बाजार

जैन रेडियोज
२४ दरियागज, भरतराम रोड

महावीर इलेक्ट्रिक कम्पनी
चादनी चौक

जनरल इलेक्ट्रिक ट्रेडिंग कम्पनी
चादनी चौक

जैन रेडियो एण्ड इलेक्ट्रिक कम्पनी २२६६६७
बारा टूटी, सदर बाजार

जैन इलेक्ट्रिक एण्ड पाइप फिटिंग वर्क्स ५४६३०
२० राजेन्द्र नगर मार्केट

बैंक व पूंजी संस्थाएं

बैंकर्स

साहू शाती प्रसाद ३४४०२
६, सरदार पटेल मार्ग

अशोक कुमार जैन ३४४०२
(डायरेक्टर-पजाब नेशनल बैंक लिमिटेड)
६ सरदार पटेल मार्ग

शीतल प्रसाद जैन ३४४०२
(डायरेक्टर-पजाब नेशनल बैंक लिमिटेड)
६ सरदार पटेल मार्ग

राजेन्द्र कुमार जैन ४७६५६
११ कोलिंग रोड

शील चन्द्र जैन
ट्रेजरार—सेंट्रल बैंक आफ इंडिया लिमिटेड
(दिल्ली व अम्बाला ग्रुप)

महावीरा प्रिंटिंग प्रेस　　२२००९२
　　बारा टूटी, सदर बाजार
अभय प्रिंटिंग प्रेस
　　अहाता किदारा, पहाडी धीरज
पेरेडाइज़ प्रेस
　　गली टकी वाली, अहाता किदारा, पहाडी धीरज
नेम फाइन आर्ट प्रेस
　　मंडी घास, पहाडी धीरज
राणा प्रिंटिंग प्रेस
　　३८४३, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
वीर फाइन आर्ट प्रेस
　　गली बरना खुर्द, सदर बाजार
प्रवीन आर्ट प्रेस
　　बहादुर गढ रोड
जाव प्रिंटिंग प्रेस
　　बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड
ओसवाल प्रिंटिंग प्रेस
　　बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड
नरेन्द्र प्रिंटिंग प्रेस
　　२० मोडल बस्ती
अमीर सिंह जैन एण्ड संस
　　डी. २/९ माडल टाउन, माल रोड
जैनेन्द्र प्रेस
　　४० यू० ए० बंगलो रोड, जवाहर नगर

ब्लाक मेकर्स

दिगम्बर आर्ट काटेज　　२२३५२४
　　धर्मपुरा
घूमीमल धर्मदास　　२२६१०५
　　दुजाना हाउस, चावडी बाजार
एक्सप्रेस ब्लाक वर्क्स
　　चावडी बाजार
नूतन आर्ट　　२२८३६५
　　१७३८ मगन बिल्डिंग, स्टेट बैंक के पीछे, चा० चौक
राजहंस प्रेस
　　गली रुई मंडी, सदर बाजार
नेशनल प्रिंटिंग वर्क्स　　२२८[illegible]६१
　　१०, दरियागंज

राजन आर्टस
　　५८६ सदर बाजार

प्रिंटिंग मशीनरी व मेटीरियल

जे० महावीर एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड　　२२४२५४
　　नेता जी सुभाष मार्ग　　२२०८७१
इडोयोरोपा ट्रेडिंग कम्पनी　　२२४३०७
　　१३९० चादनी चौक
इयोरेशिया ट्रेडिंग कम्पनी　　२२९२४४
　　चावडी बाजार

मोटरकार तथा पुर्जों के व्यापारी व इंजीनियर

न्यू इंडिया मोटर्स (प्रा०) लिमिटेड　　४८३९०
　　सिंदिया हाउस　　४७७२७
　　वर्कशाप—१२ कनाट सर्कस　　४५१०८
जैन मोटर कार कम्पनी
　　१६४६/३ डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग　　२२३७२०
　　फैक्ट्री—नजफगढ रोड　　५४२५९
पेट्रोल पम्प व सर्विस स्टे० }—रोहतक रोड　　५३२३५
जी० एस० जैन मोटर कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड　२२३९८५
　　डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन ट्रेक्टर्ज़ एण्ड स्पेयर्ज़ (प्रा०) लिमिटेड　　२२६९५३
　　डा० एम० पी० मुकर्जी मार्ग
मूलचन्द्र श्रीपाल जैन　　२२६९५३
　　डा० मुकर्जी मार्ग
लक्ष्मी मोटर कम्पनी एण्ड वर्कशाप　　३५६५४
　　डा० एम० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन ब्रदर्ज़
　　डा० एम० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन आटोमोबाइल्स　　[illegible]
　　कश्मीरी गेट
भारत सेल्स कार्पोरेशन
　　हैमिल्टन रोड
इन्टरनेशनल एजेंसीज　　[illegible]
जगपुरा मोटर स्टोर्स　　७३[illegible]३०
　　मस्जिद बाजार जंगपुरा

लकड़ी व कोयले के व्यापारी

दुलीचन्द विमल प्रसाद ५३०६३
    २७/७ न्यू रोहतक रोड
कुन्दनलाल मदनलाल जैन ४८३६७
    मीर दर्द रोड
सूरजभान कैलाश चन्द्र
    आनन्द पर्वत
सुलेख चन्द्र जैन
    दरीबा कला
डी० एस० जैन
    चावडी बाजार
मुसद्दी लाल सुरेन्द्र कुमार जैन
    चावडी बाजार
धन पाल एण्ड सस
    सरकुलर रोड, शहादरा

वनस्पति आयल तथा तेल व साबुन के व्यापारी

वनस्पति आयल

चम्पालाल प्रेमचन्द्र २२६६२३
    नया बास, जामा मसजिद के पास
रामलाल मनोहर लाल
    नया बास
राम गोपाल जयदयाल
    नया बास
धर्मचन्द्र लद्धामल
    खारी बावली
प्रेम आयल कम्पनी
    खारी बावली
नत्थूमल रामनाथ जैन २२७७४६
    नया बाजार
गुगानन्द जैन २२३५१६
    २६५१ गली रघुनन्दन नया बाजार
जैन आइल ट्रेडर्स
    नया बाजार
भगत राम जैन
    नया बाजार
किशन लाल जैन
    नया बाजार
सुखदेव एण्ड कम्पनी
    सदर थाना रोड
वशीधर शिखर चन्द्र
    छ॰ टूटी चौक, पहाड गंज
रामचन्द्र सूरजभान २२००७१/११६
    छोटा बाजार, शहादरा
    गोपीनाथ बाजार, दिल्ली कैंट

तेल साबुन

धर्म चन्द्र लद्धामल
    खारी बावली
कबूल चन्द शिव प्रसाद
    पहाडगंज, मेन बाजार
गोयल सोप मिल्स
    राम नगर, पहाडगंज
जैन कोहोदरी मिल्स
    राम नगर, पहाड गंज

स्पोर्टस गुड्स व खिलौनों के व्यापारी

एनके रबर मिल्स
    जी टी. रोड, शहादरा
गेम्स इण्डस्ट्रीज़ एण्ड टायलैंड (इंडिया)
    २४१३ चावडी बाजार
फैडरल स्पोर्टस २२४२०२
    १० एस्प्लेनेड रोड
जयना स्पोर्टस एण्ड शू कम्पनी २६२३०

साइकिलों के व्यापारी

एन. किशोर २२४८७३
    ४८२ एस्प्लेनेड रोड
फेड्रल स्पोर्टस २२५५६६
    १० एस्प्लेनेड रोड
नवल किशोर एण्ड सन्स २२०५६६
    एस्प्लेनेड रोड
अमर सिंह प्यारे लाल
    एस्प्लेनेड रोड

डी० कुमार एण्ड कम्पनी २२५४२६
१४७७ दीवान हाल रोड

फूल चन्द एण्ड सस
१४१५/१ मोती टाकीज के पीछे

हिन्दुस्तान साइकिल एक्सेसरीज़ मेनु० क० २२०३१२
लारेंस रोड

जैन साइकिल वर्क्स
६६६६/३ न्यू रोहतक रोड

हीरोडक साइकिल मार्ट
लेडी हार्डिग रोड

न्यू देहली मोटर साईकिल हाउस
लेडी हार्डिग रोड

सिगरेट, बीड़ी व तम्बाकू के व्यापारी

सुन्दर लाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी २२६६७०
३११ वारा टूटी, सदर बाजार

हेम चद जैन एण्ड सस २२०३८८
२०६ नया वास

गोपीराम महावीर प्रसाद
नया बांस

मागेराम मूल चन्द
नया बांस

मागेराम नानक चन्द
नया वास

मूल चन्द मानक चन्द
नया वास

प्यारे लाल ओम प्रकाश
नया बांस

प्रेम चन्द प्रकाश चन्द
नया वास

महावीर प्रसाद पदम प्रसाद
नया वास

कश्मीरी लाल रघुवीर सिंह
नया वास

जैन ब्रादर्स
नया बास

भोलानाथ निरजन लाल
नया बास

सिनेमा व फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स

जुपीटर फिल्म्स २२००६६
चादनी चौक

दिल्ली फिल्म कार्पोरेशन (प्रा०) लि० २२४५३०
महालक्ष्मी मार्केट, चादनी चौक

हिन्द पिक्चर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स २२८६३६
चादनी चौक

जयना फिल्म्स २२५७१४
फिल्म्स कालोनी, चादनी चौक

कानपुर फिल्म्स २२५७१४
चादनी चौक

अशोक पिक्चर्स २२०३१६
चादनी चौक

विजयश्री (प्रा०) लि० ४३६१८
लिबर्टी सिनेमा, रोहतक रोड

सत्यजीत पिक्चर्स
चादनी चौक

यूनाइटेड फिल्म कार्पोरेशन २२०३३४
चादनी चौक

मजुल चित्र २२७६१४
चादनी चौक २२४७१३

लक्ष्मी पैलेस २२००७१/१४३
गाधीनगर

गोलचा प्रापर्टीज लि० २२४४७०
प्रो० गोलचा सिनेमा दरियागज

हिन्दुस्तान पिक्चर्स २२५७१४
चादनी चौक (प्रा० न्यू केपीटल सिनेमा, रायबरेली)

मिनर्वा टाकीज
कश्मीरी गेट

लाहौर शाप
९ स्वदेशी मार्केट
जन शृंगार हाउस
स्वदेशी मार्केट
श्यामलाल जैन एण्ड सस
६० ए स्वदेशी मार्केट
जगदीश प्रसाद जैन
६० स्वदेशी मार्केट
जैन बैंगिल स्टोर्स
१९ ए स्वदेशी मार्केट

गली छापाखाना, सदर बाजार

विजय प्लास्टिक स्टोर
गली छापाखाना, सदर बाजार
गोल्डन प्लास्टिक
गली छापाखाना, सदर बाजार

नारायन मार्केट, सदर बाजार

ज्ञान चन्द नवीन कुमार
१५ नारायन मार्केट
पूरन होजरी
६१ नारायन मार्केट
जैन ट्रेडिंग कम्पनी
१४/३५८ गली डाकखाना

खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

दीवान चन्द रोशन लाल
४३ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
पी एल जैन एण्ड सस
११४ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
आर. के ट्रेडिंग कार्पोरेशन
११५ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
जैन ब्रदर्स
२ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

बर्तन मार्केट, सदर बाजार

टी एम जिनेन्द्र प्रसाद जैन
५०४ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
धर्मचन्द बनारसीदास
४६९ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
एफ सी ओसवाल
४७९ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
प्यारालाल राजकुमार
४६० बर्तन मार्केट, सदर बाजार

कटरा नवीबक्स, सदर बाजार

इन्द्रमोहन लाल एण्ड कम्पनी २२६३३७
कटरा नवीबक्स, सदर बाजार
आर. सी जैन होजरी
कटरा नवीबक्स, सदर बाजार
हरद्वारीलाल फूलचन्द
४२६ कटरा नवीबक्स, सदर बाजार
चन्दूलाल हर किशोर
कटरा नवीबक्स, सदर बाजार
जैन एण्ड कम्पनी
५०७ कटरा नवीबक्स, सदर बाजार

क्राकरी मार्केट, सदर बाजार आदि

शादीलाल जैन एण्ड कम्पनी २२०११६
७६ क्राकरी मार्केट, सदर बाजार
आर एस मुल्कराज एण्ड कम्पनी २२६८५१
क्राकरी मार्केट, सदर बाजार
निक्कूराम जैन
५९५८ प्रताप मार्केट, सदर बाजार
डी टी सेठ ब्रदर्स
कृष्णा मार्केट, सदर बाजार
बाबू दी फैंसी हट्टी
२१ अमृत मार्केट, सदर बाजार
सरदारी लाल जैन एण्ड सस
२८ अमृत मार्केट, सदर बाजार
भारत ब्रश इन्डस्ट्रीज
रुई की मंडी, सदर बाजार
नानक चन्द दीवान चन्द २२६०२३
१३६ जवाहर मार्केट, सदर बाजार
आर एस मुल्कराज एण्ड सस
२२८ जवाहर मार्केट, सदर बाजार

खजाचीमल एण्ड कम्पनी
    सदर थाना रोड

जैन रबर इन्डस्ट्रीज
    १५/५७४०, नबी करीम

गेंदामल विलायतीराम   ४७१७४
    ८/१० जी कनाट सर्कस

गेंदामल हेमराज   ४७९५१
    ११ रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

रमेश ब्रदर्स   ५३७६१
    देशबंधु गुप्ता रोड, देवनगर

जैन जनरल स्टोर
    ८३ गफ्फार मार्केट

देवराज जैन
    ५४, गफ्फार मार्केट

ब्यूटी जनरल स्टोर
    ७१, गफ्फार मार्केट

न्यू पिंडी जनरल स्टोर
    ६ सेठी बिल्डिंग

रावलपिंडी जनरल स्टोर
    २८१४ अजमल खा रोड

जैन ब्रदर्स
    २६२५ बैंक स्ट्रीट, करोल बाग

जैन स्टोर्स
    २४-बी/६ देशबन्धु गुप्ता रोड, देवनगर

एस. के. जैन डिस्ट्रीब्यूटर्स   २२७५००
    १७४८ भागीरथ पैलेस

मुंशीलाल अजीतप्रसाद   २२८४६४
    ६६५ चादनी चौक

राधा फैन्सी स्टोर्स
    मोती बाजार के पास, चादनी चौक

ज्योति प्रसाद जैन (खिलौने वाले)
    चादनी चौक

काशीराम जैन (टोपी वाले)
    चादनी चौक (कटरा [illegible])

महावीर प्रसाद प्रेम चन्द
    दरीबा कला

शील चन्द जैन
    मेन बाजार, पहाड़गज

गोरधन दास जैन
    मेन बाजार, पहाड़ गज

वीर प्लास्टिक स्टोर
    आर्यपुरा सब्जी मंडी

सुरेश कुमार जैन
    आर्यपुरा सब्जी मंडी

शिवलाल दरबारी लाल
    नजफगढ़

रामयत जोती प्रसाद
    नजफगढ़

वहन प्लास्टिक वर्क्स
    ६२६/३ गली मुकर्जी, गांधीनगर

निटिंग वूल

के. डी. राम लाल एण्ड कम्पनी   २२६५८१
    सदर बाजार (मेन)

जैन वूल कम्पनी
    सदर बाजार (मेन)

बनारसी दास हरबस लाल   २२८८६६
    गली छापाखाना सदर बाजार

ए० डी० राजकुमार एण्ड कम्पनी
    ४६८८/८६ मंडी रुई, सदर बाजार

जैन वूल कम्पनी
    ५७३२ गांधी मार्केट

वैशाखी शाह दौलत राम   २२०१२७
    १७ ए, स्वदेशी मार्केट सदर बाजार

सुखचैन लाल जैन
    गली पुराना डाकखाना, सदर बाजार

जैन वूल शाप   [illegible]
    १६/२८७२ [illegible]

जैन वस्त्र हाउस   [illegible]
    २४ रोहतक रोड, करोल बाग

विजय वूल स्टोर
२५८६ अजमल खा रोड

ग्रीन वेज ४३६६२
२० ई कनाट प्लेस

जैन वूल स्टोर
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी

जैन एण्ड कम्पनी
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी

जैन वूल शाप
कमला नगर, सब्जी मंडी

सूत व धागा

वनारसी दास प्रेम चन्द २२३५७१
गली छापाखाना सदर बाजार

एस. डी. मित्तल मैनु. कम्पनी २२८७२०
६५५ गली न० ११ सदर बाजार

कुंज लाल शीतल प्रसाद २२६४६०
सदर बाजार

पन्ना लाल विलायती राम २२५८७९
सदर बाजार

तिलक थ्रेड हाउस २२६४०५
सदर बाजार

तारा चन्द रतन चन्द २२६५६०
३८ स्वदेशी मार्केट

महेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी
गली छापाखाना, सदर

जैन स्वीग कम्पनी
प्रताप मार्केट, सदर बाजार

नेशनल सिल्क कम्पनी
१७ अमृत मार्केट, सदर बाजार

वी एल अमृत लाल
२० अमृत मार्केट, सदर बाजार

मुल्तान एण्ड कम्पनी
वस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड

जैन मैनुफेक्चरिंग कम्पनी
कटरा मिठ्ठन लाल, सदर बाजार

जैन कम्पनी
गली वजाजान, सदर बाजार
कुडयामल वनारसी दास
काठ वाजार, कुतव रोड
लाहौरीमल मीर सिंह
सदर वाजार
लक्ष्मी थ्रेड एजेंसी
कटरा मिट्ठन लाल, सदर बाजार
मगल दाम विशम्बर दास
३५ वस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

अन्य व्यापारी

आर्ट गेलरीज

कुमार गैलरी ७५८७५
११ सुन्दर नगर मार्केट
इण्डियन आर्टस पैलेस
शोरूम-१६ ई कनाट प्लेस ४३८६३
वर्कशाप—सूरज निवास, १३०४ गली वैदवाडा २२४४११

इमीटेशन ज्वेलरी

रमेश जनरल स्टोर्स
५५३८ गाधी मार्केट, सदर बाजार
सावल दास मीरीमल
५५११ गाधी मार्केट, सदर बाजार
दीप ब्रदर्स
५३१२/२ गाधी मार्केट, सदर बाजार

कमर्शियल इस्टीच्यूटस

वीर नाइट कालेज २२०६०४
डिप्टीगज
भारत कालेज आफ कामर्स २२८७०४
२१ डिप्टीगज

इन्जीनियरिंग वर्क्स

कुमार एजीनियरिंग वर्क्स ४०७८६
५३ राम नगर
राधयाण एजीनियरिंग वर्क्स
कश्मीरी गेट
जैन इजीनियरिंग वर्क्स
सदर थाना रोड
हाई स्पीड टाईपिंग इस्टीच्यूट
२१ दरियागज

क्लिनीकल गुडस व लैब० इक्विपमैंटस

जनरल ट्रेडस एजेंसीज २२६२५४
पायवालान, जामा मसजिद के पास
एस० के० जैन, डिस्ट्रीब्यूटर्स २२७५००
१७४८ भागीरथ पैलेस
राष्ट्रीय दीप साइटिफिक कार्पोरेशन ५५१६१
जैन भवन, छप्पर वाला कुआ, करोल वाग

चश्मे व फाउन्टेनपेन आदि

जैन आप्टीकल इडस्ट्रीज
चश्मा बिल्डिंग, वल्लीमारान, चादनी चौक
महावीर आप्टीकल कम्पनी
वल्लीमारान, चादनी चौक
सौराष्ट्र आप्टीकल कम्पनी
वल्लीमारान, चादनी चौक
जैन पैन कम्पनी २२६५५६
३७७ सदर बाजार

जिल्द वनाने वाले

जैन बुक वाइडिंग हाउस
किनारी बाज़ार
ब्राइट
गुलिया
जैन कार्ड वोर्ड एण्ड वाइडिंग वर्क्स
गली पायवालान

ट्रांसपोर्ट व टूरिस्ट सर्विस

नागपुर गोल्डन ट्रासपोर्ट कम्पनी २२६८१६
लाहोरी गेट
हरिश्चन्द्र जैन
कटरा वरयाम
जनता ट्रेवल एण्ड टूरिस्ट एजेंसी २२०५१७
कूचा ब्रजनाथ, चादनी चौक
आल इण्डिया चन्द्र कीर्ति यात्रा सघ २२८०८३
२२६३ धर्मपुरा

श्री जैन वर्धमान यात्रा संघ २२६७१३
१२४४ चाहरहट

डेरी

एम पी. जैन डेरी २२४१८६
(केशोदास महावीर प्रसाद) वाग दीवार, फतेहपुरी

अहिंसा डेरी
वाग दीवार, फतेहपुरी

पोपूलर डेरी
(अजित प्रसाद जैन) लक्ष्मी वाई नगर

डिपार्टमेंटल स्टोर

जैनमस ४७३८६
ई कनाट प्लेस

सिल्को ४२५२१
११ ई कनाट प्लेस

पान, सुपाडी के व्यापारी

मगल चन्द्र टीकम चन्द्र जैन
३६ गोल मार्केट

सच्चीददी लाल पुनीतराय जैन
३ लेडी हार्डिंग रोड

प्रभू दयाल रतन लाल जैन
लेडी हार्डिंग रोड

छोटे लाल नत्थी लाल जैन
जनपथ

शीतल प्रसाद जैन
मटोला, रोड

जैन पान शाप
चादनी चौक

ज्ञान चन्द्र जैन
चादनी चौक

प्रावीजन स्टोर्स

जवाहर मल
२७-बी/५ न्यू रोहतक रोड

मुशी लाल छोटे लाल
६६६२/१ न्यू रोहतक रोड

रामेश्वर दास केवल स्वरूप
६६६६/४ न्यू रोहतक रोड

पोकर मल सुरेश कुमार
६६६६/२ न्यू रोहतक रोड

रघुनाथ जैन
६६६६/१ न्यू रोहतक रोड

कानीराम लाल चन्द
६६६८/न्यू रोहतक रोड

मुरजनमल नद लाल
६६६८/ई. न्यू रोहतक रोड

भगवान मरूप जैन
६६६८ न्यू रोहतक रोड

छतर मेन महावीर प्रसाद
६६६८/सी न्यू रोहतक रोड

रविदत्त मागेराम
६६६८/बी १ न्यू रोहतक रोड

लक्ष्मी प्रोवीजन स्टोर्स
१-सी/१० न्यू रोहतक रोड

निहाल सुगर स्टोर
१८३८/१८ नाई वाला, अब्दुल मजीद रोड

जैन प्रोवीज़न स्टोर
१२३ भगत सिंह मार्केट

महावीर प्रोवीज़न स्टोर
राम द्वारा रोड

चिरजी लाल सुक्खन लाल
पहाडगज

रोशन लाल
गुडगावा रोड, पहाडगज

नेम चन्द्र दीवान चन्द
लड्डू घाटी, पहाडगज

छुट्टन लाल प्रमोद कुमार
नया वास

जैन प्रोवीज़न स्टोर्स
सदर बाजार

चम्पत राय
युसुफ सराय

भोरी लाल
युसुफ सराय

सलेक चन्द्र
युसुफ सराय

शिखर चन्द्र
युसुफ सराय

जैन ब्रदर्स
एफ १४/२० माडल टाउन

फ्लोर एण्ड दाल मिल्स

दीप चन्द (जैन फ्लोर मिल्स)
गोल मार्केट

माम चन्द (श्री जी फ्लोर मिल्स)
गोल मार्केट

रतन लाल (सदस्य म्यू० कार्पो०)
रामद्वार रोड

न्यू राजधानी फ्लोर मिल्ज ४६६६८
६५४६ कुतब रोड

फल व शाक

लट्टोमल नानूराम जैन २२६७४४
४२०० मालपुरा

बाम्बे फ्रूट शाप
बाग दीवार, चादनी चौक

बनवारी लाल मुरारी लाल
नजफगढ

भगवान दास जैन
नजफगढ

रामचन्द्र श्रीपाल
नजफगढ

धूमीमल रमेश चन्द्र
बूरा मडी, शहादरा

गोपाल राय सतोष कुमार
बूरा मडी, शहादरा

भूसा व चारा

गिरीलाल त्रिलोक चन्द्र जैन
१२१६ चाहरहट

यात्रा संघ

आल इण्डिया चन्द्रकीर्ति यात्रा सघ २२८०८३
आनन्द दास जैन, २२६३ धर्मपुरा

श्री जैन वर्धमान यात्रा सघ २२६७१३
१२४४ चाहरहट

रंग व केमीकल

सुखानद शकरलाल जैन एण्ड क० (प्रा०) लि० २२५३६४
फाटक हवस खा

महावीर कलर कम्पनी
कटरा तम्बाकू, खारी बावली

अशोक केमीकल कम्पनी
तिलक बाजार

जैना फाइन कलर एण्ड जनरल वर्क्स
कूचा सेठ, किनारी बाजार

सिलाई व कढ़ाई की मशीन के व्यापारी

महावीर एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट कम्पनी (प्रा०) लि०
११ दरियागज २२८६६३

दुली चन्द जैन
नई सडक

सुगंधित तेल व इत्र

गुप्ता एण्ड कम्पनी २२७६६२
गली नया डाकखाना, सदर बाजार

इन्द्रराज सिह श्री चन्द्र ४००१३
मटोला, पहाडगज

इन्द्रराज सिह ओमप्रकाश
मटोला पहाडगज

स्टाक, शेअर व फाइनेंस ब्रोकर्स

दिल्ली स्टाक एक्सचेंज एसोशियेशन लि०

५ एक्सचेंज बिल्डिंग, आसफ अली रोड
(फोन २२५१६०,२२७१७१)

किसन चन्द जैन एण्ड कम्पनी २२५७३१
यूनियन बिल्डि० १२६० चांदनी चौक

स्टाक व शेयर डिपा०-५ स्टाक २२५१६०
एक्सचेंज बिल्डिंग २२७१७१
आसफ अली रोड २२७१७१

मुसद्दी लाल जैन
५ स्टाक एक्सचेंज बिल्डिंग
आसफ अली रोड २२७५५४

प्रेम चन्द्र गनेश नारायण

हरिश्चन्द्र जैन

कु वर सेन जैन

पजाब एक्सचेंज लि० कटरा बरयान

(फोन २२३२३०,२२५८७६, २२४७५१)

जसवत सिह जैन २२३८११
२५ डी. कमला नगर
केदार बिल्डिग, चन्द्रावल रोड २२६५५७

अन्य

कुजलाल शीतल बी० ए०
८७ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

दाताराम जैन
२७ क्लाइव स्क्वेअर

हाउस बिल्डिग सोसाइटी

श्री ऋषभ जैन कोआपरेटिव
हाउस बिल्डिग सोसायटी लिमिटेड
१४७० रग महल, मुकर्जी मार्ग

प्रधान—ला० पारस दास, मोटर वाले २२६६७३
१४७० रग महल, मुकर्जी मार्ग

उप प्रधान—(१) ला० प्रकाश चन्द्र
कटरा लेसवान, चांदनी चौक
(२) श्री दर्शन लाल
(म्यु० कौंसिलर)

मंत्री—(१) श्री अजित प्रसाद
वकील पुरा

उप-मंत्री—(१) श्री नन्द किशोर
(म्यु० कौंसिलर)
(२) श्री हजारी लाल गुप्ता
१४७० रगमहल, मुकर्जी मार्ग

कोषाध्यक्ष—ला० महावीर प्रसाद
(नावल्टी सिनेमा के पीछे) मुकर्जी मार्ग

विविध

मोहनलाल रोशनलाल जैन — २२८४११
१२५९ चादनी चौक

मनजीत चित्रा — २२७६१४
चादनी चौक

विक्ट्री ग्रामोफोन कपनी
भागीरथ पैलेस

रामेश्वरदास नवल किशोर
कूचा नटवा

धनपाल कुमार सुकौशल कुमार
कटरा धूलिया, चादनी चौक

सन्त लाल निर्मल कुमार
कटरा सत्यनारायण, चादनी चौक

अमृतलाल विनोद कुमार
धर्मपुरा

सूरजमल सुमेरचन्द्र — २२४७७२
कूचा शहशाही

अमृत लाल सी शाह — २२३९६०
कटरा खुशाल राय, महाराजालाल बिल्डिग

कातिलाल आर पारिख — २२१६६६
२९५८ कटरा खुशाल राय

कन्नूजी माहूमल एण्ड सस — २२७८७७
२७२७ चौक रायजी, नई सडक

चन्द्रा एण्ड सस — २२४२७६
नई सडक

दयाचन्द जयचन्द जैन — २२९७३८
११३६ चाहरट

जैन बोतल सप्लाई कम्पनी
गुलियान

चिमनलाल एम शाह — २२५९८९
फाटक हबश खान

छोगामल जैन
फाटक हबस खा

हीरालाल कपूरचन्द जैन — २२०६१२
१३१६ वैदवाडा

हरीचन्द जैन एण्ड सस — २२४८७८
६४६४ कटरा बरयान

बनारसी दास मोहन लाल — २२८७४९
कोरोनेशन होटल, फतेपुरी

बनारसीदास रतनचन्द — २२४४६२
कोरोनेशन होटल, फतेपुरी

पी सी जैन एण्ड कम्पनी — २२९४९७
४१८ हवेली हैदरकुली

अभयकुमार जैन, मजुल चित्र — २२७६१४
चादनी चौक

ए. के जे. (प्रा०) लिमिटेड — २२९६५५
६१० छोटा छीपीवाडा, चावडी बाजार

धर्मदास ताराचन्द जैन — २२३५७६
चावडी बाजार

श्री पाल एण्ड कम्पनी — २२०७३०
चावडी बाजार

गिरधारीलाल पदमकुमार जैन — २२९४२३
चावडी बाजार

आनन्द एण्ड कम्पनी
चावडी बाजार

विजय पाल भारत भूषण
चावडी बाजार

केपीटल सेनीटरी स्टोर्स
गली बजरग वाली, चावड़ी बाजार

सूरजभान लखमीचन्द जैन
रामकिशनदास भवन, गली पत्ते वाली, नया बाजार

मसाराम सुन्दर लाल — २२६८१९
नया बाजार

देवीदयाल वृजलाल
नया बाजार

लिवस्टोक सेल्स कार्पोरेशन — २२६७६९
१९ अनारी रोड

रलियाराम जैन एण्ड सस — २२०३४९
४६६३ असारी रोड

बी जे सेठ एण्ड कम्पनी
५ ए/२४ दरियागज

रायलैंडस एड्वेनीज
५ ए/२४ दरियागज

इटरनेशनल एजेंसीज २२७७५६
कश्मीरी गेट (वस स्टैंड के पास)

वैष्णवदास चुरजीलाल जैन २२६६५६
सदर वाजार

राम प्रसाद जगन्नाथ जैन २२६४४६
कटरा नवी वक्स, सदर वाजार

हसराज सुखचैन लाल ओसवाल २२६७७१
४८६ वर्तन मार्केट, सदर वाजार

रूपचन्द्र एण्ड कम्पनी
५४४६ गाधी मार्केट, सदर वाजार

अमरचन्द विलायती राम जैन २२७५३८
सदर वाजार

ताराचन्द्र रतनचन्द्र २२६५६७
३८ स्वदेशी मार्केट, सदर वाजार

एस आर वनारसीदास जैन २२६७७६
५६३ गली वजाजान, सदर वाजार

तिलकचन्द राजेन्द्र कुमार जैन २२६४६४
१३ सदर वाजार

त्रिलोक चन्द जैन एण्ड कम्पनी २२६७७८
सदर वाजार

माडर्न ट्रेडिंग कार्पोरेशन २२६०६२
५१८६ सदर वाजार

पवन कुमार एण्ड ब्रदर्स २२६०६२
५१८६ सदर वाजार

कवूलसिह एण्ड ब्रदर्स २२६०६२
५१८६ सदर वाजार

आजाद म्यूजीकल स्टोर्स
सदर वाजार

एम एल राजकुमार जैन
रुई मण्डी, सदर वाजार

सुरेश इन्डस्ट्रीज २२६३२६
३३ टिप्टीगज, सदर वाजार

राजा मेकेनीकल कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड २२६३२६
३३ टिप्टीगज, सदर वाजार

वनारसी दास कश्मीरी लाल २२८१५६
१६१ गली रुई, तेलीवाड़ा
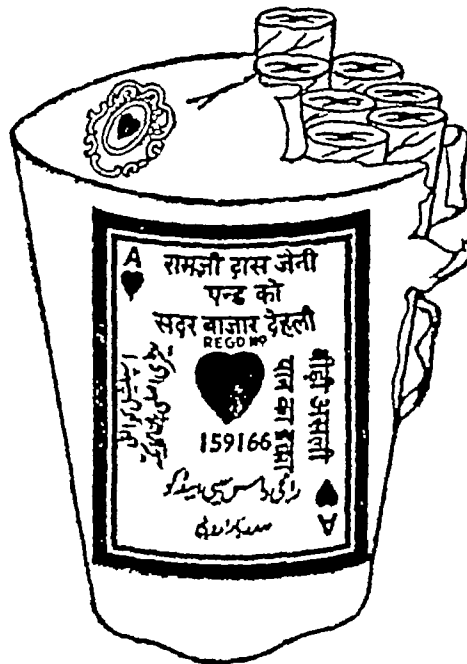
मोजीराम पारसदास
३१६२ गली खारे कुए वाली, पहाडी धीरज

सुखदेव एण्ड कम्पनी २२७०७६
११ सदर थाना रोड

जैन ग्लेजिंग वर्क्स
सदर थाना रोड

सोहनलाल डु गरमल सुराना
३/४ वस्ती हर्फूल सिंह

धनराज भरतराम पयालू
६ सदर थाना रोड

मगलदास विशम्भर लाल
वस्ती हर्फूल सिंह

दिल्ली एल्यूमिनियम कार्पोरेशन २२८११४
५ वेस्ट सदर थाना रोड

मेटल इमीटेशन वर्क्स
१२/३२६७ आर्यपुरा

स्यालकोट स्केल वर्क्स
ईदगाह रोड

शोरीलाल कश्मीरी लाल ४७५०३
लोहामडी मोतियाखान

ज्ञानीराम दर्शन कुमार जैन ४७६१४
१०३३२ मोतिया खान

रामेश्वरदास पवन कुमार ४४०६२
१०३२१ मोतिया खान

गगा एजेंसीज (प्रा०) लिमिटेड
३७ प्रेम हाउस, कनाट प्लेस

नन्दलाल जैन
जैन मदिर अहाता, राजा वाजार

जीतमल जैन
जैन मदिर अहाता, राजा वाजार

जयचन्द्र जैन
५ ओल्ड मिल रोड

मक्कूशाह उत्तमचन्द्र ४५६३६
२३६३, हरध्यानसिंह रोड

रोशनलाल जैन एण्ड ब्रदर्स ४५४६१
ब्लाक ५५, क्वा० न० २, ओल्ड राजेन्द्रनगर

दीवानचन्द्र एण्ड ब्रदर्स ५२१९६
१८ ई पार्क एरिया

एसोशियेटिड एजेंसीज ५४००७
५ सी/६ रोहतक रोड

नारी उद्योग ५११२२
६ पूसा रोड

चन्द्रा मेटल वर्क्स ५५५७९
६२ नजफगढ रोड

बालकिशन दास एण्ड सस
७३७६ प्रेम नगर

न्यू स्टाइल
१९ मेन मार्केट, लोदी रोड

पखेवाला ७४९७१
१२ मेन मार्केट, लोदी रोड

लक्ष्मीचन्द जैन एण्ड कम्पनी ७४९७१
१२ लोदी रोड मार्केट

रामस्वरूप राजकुमार जैन
४ अलीगंज, लोदी रोड

न्यू ईस्टर्न स्टोर्स ७३८७१
७ मेन मार्केट, लोदी रोड

अजित प्रसाद एण्ड कम्पनी ५५२०९
नजफगढ रोड

धनपाल सिंह जैन एण्ड सन्स २२००७१/१३५
सर्कुलर रोड, दिल्ली शाहदरा

हिन्दुस्तान अमेरिकन कार्पोरेशन २२००७१/१७८
५३ डी. दिलशाद गार्डन

झब्बूमल जैन २२००७१/१८६
टेलीफोन एक्स. के सामने, जी टी रोड, शाहदरा

जुगल किशोर जैन २२००७१/२६१
६/१७१ फराश बाजार, दिल्ली शाहदरा

पन्नासिंह जैन २२००७१/५१
छोटा बाजार दिल्ली-शाहदरा

मक्खन लाल जैन २२००७१/१४६
१/४३८, जी टी रोड, शाहदरा

एन के जैन एण्ड कपनी २२००७१/१२१
VIII/४६५ छोटा बाजार, शाहदरा

लैंड एण्ड बिल्डिंग कार्पोरेशन
दिल्ली-शाहदरा

सुमत प्रसाद प्रीती राम
गाजियाबाद ८५-२०२४

मित्तल इमीटेशन वर्क्स
दिल्ली-शाहदरा

कल्याण सिंह मानक लाल जैन २२३२०१/५१
दिल्ली-शाहदरा

एन० के० एण्ड कम्पनी २२३२०१/२१
दिल्ली-शाहदरा

खजाची मल जय कुमार जैन
दिल्ली-शाहदरा

झब्बू मल श्योसिंह राम जैन
दिल्ली-शाहदरा

धनपाल आदीश कुमार जैन
बडा बाजार, दिल्ली-शहादरा

दुलीचन्द्र जैन
बडा बाजार, दिल्ली-शहादरा

हेम चन्द्र चन्दराम जैन
जज्जू कटरा, दिल्ली-शहादरा

खेम चन्द्र रघुवीर सिंह जैन
बडा व जार, दिल्ली-शहादरा

कश्मीरी लाल जगन्नाथ जैन
छोटा बाजार, दिल्ली-शहादरा

घूमी मल रमेश चन्द्र जैन
मडी, दिल्ली-शहादरा

हरी चन्द्र जैन
बडा बाजार, दिल्ली-शहादरा

ईश्वरी प्रसाद महेन्द्र कुमार जैन
छोटा बाजार, दिल्ली-शहादरा

बाबू लाल जैन एण्ड ब्रादर्स • २२३२०१/११६
दिल्ली-शहादरा

केदार नाथ जैन ठेकेदार
दिल्ली-शहादरा

बाबू राम एण्ड सस
गली पुराना डाकखाना, दिल्ली-शहादरा

ज्ञान चन्द्र लखमी चन्द्र जैन
अनाज मडी, दिल्ली-शहादरा

जैन स्टेशनरी मार्ट
निकट बाबू राम स्कूल, शहादरा

हिन्द स्टील कम्पनी
दिलशाद गार्डन, शहादरा

राज बहादुर जैन
शहादरा

व्यवसाय

मेडीकल प्रेक्टीशनर्स

वैद्य व हकीम

राजवैद्य महावीर प्रसाद जैन
चिकित्सालय—राजवैद्य शीतल प्रसाद एण्ड सस
१३३१ चादनी चौक २२३५२९
निवास—पहाडी धीरज, सदर बाजार

वैद्यराज मामनसिंह 'प्रेमी'
चिकित्सालय—सेठ लालचन्द्र धर्मार्थ औषधालय
डिप्टीगज
निवास—३६ डिप्टीगज, सदर बाजार

वैद्य शुगनचन्द्र (पानीपत वाले)
डिप्टीगज के सामने, पहाडी धीरज

वैद्य भगवत प्रसाद
पहाडी धीरज

हकीम हीरालाल जैन
चिकित्सालय—बाबूलाल हीरालाल जैन
बारा टूटी, सदर बाजार २२८२८०

वैद्य कन्हैयालाल जैन
चिकित्सालय—श्री नमिसागर जैन धर्मार्थ औषधालय
कूचा सेठ २२००४७
निवास—धर्मपुरा

हकीम श्रीराम जैन
चिकित्सालय—छोटेलाल श्रीराम जैन
बाजार गुलियान २२८७४०

हकीम छुलाम राय जैन
चिकित्सालय—जयना फार्मेसी
जोगी वाडा, नई सडक

वैद्य धतरसेन जैन
चिकित्सालय—बाजार गुलियान
निवास—कूचा सुगानन्द, दरीबा कलां

एलोपैथिक चिकित्सक

डा० के एल जैन, चिल्ड्रन फिजीशियन
क्लिनिक—(१) १ डाक्टर्स लेन ४८१३८
(२) ४७-डी कमला नगर २२६०७४
(३) १०५ बी डिफेंस कालोनी ७४१४६
निवास—१२ स्कूल लेन ४८११३

डा० बी. एस. जैन, स्टाफ सर्जन
(ओपथेलमोलोजी) विलिंगडन हास्पिटल ४३४६१
निवास—९ बी टेलीग्राफ लेन ४८१३४

डा० आर. एस कोठारी
जूनि० स्टाफ सर्जन (फिजीशियन)
विलिंगडन हास्पिटल ४३४६१
निवास—१० वैरन रोड ४७३४५

डा० चन्द्र मोहन जैन
विलिंगडन हास्पिटल ४३४६१
निवास—पहाडी धीरज २२६५६६

डा० हेमचन्द्र जैन
रिटायर्ड सर्जन, नार्दन रेलवे डिस्पेंसरी
११/३ पचकुइया रोड

डा० कृष्ण मोहन जैन
क्लिनिक—१०५ बी डिफेंस कालोनी ७४१४६
निवास—१२ स्कूल लेन ४८११३

डा० के पी जैन
५ रफी मार्ग ४०८१२

डा० ज्ञान चन्द्र
४४ बाबर रोड ४०१३४

डा० एन एम जैन
अवैतनिक नेत्र सर्जन, इर्विन हास्पिटल
क्लिनिक—(१) कूचा महाजनी,
चादनी चौक २२४३२३
(२) डी २६ कनाट प्लेस ४२८८९
निवास—३० गोल्फ रोड ५१७३३

डा० सुशीला जैन
२१२१/५६ नाई वाली गली, करोल बाग　५५६६७

डा० (श्रीमती) आदर्श जैन
१२ स्कूल लेन　४८११३

डा० (श्रीमती) तारामणि जैन
लेडी असि० सर्जन—सी एच. एस
डिस्पेंसरी १ डाइज स्क्वेअर, गोल मार्केट　४३२२८
निवास—ए ७ पडारा रोड　४३२२३

डा० (श्रीमती) मोहिनी जैन
क्लिनिक—प्लाजा सिनेमा के सामने　४५२०८
कनाट सर्कस
निवास—५ हेली रोड　४३६८२

डा० एस. पी जैन
सर्जन—इर्विन हास्पिटल
प्राध्यापक—मौलाना आजाद मेडीकल कालेज

डा० सुमत प्रसाद जैन
फिजियोथेरापिस्ट, डा० सेन नर्सिंग होम　४४६१३
निवास—१०० दरियागज　२२६३६८

डा० एस. सी. किशोर
५४१ एस्प्लेनेड रोड　२२४५४३

डा० ताराचन्द्र पाररा
१०२२ मालीवाडा　२२६६६५

डा० शामलाल जैन
१३३७/X चितली कबर　२२६३८६

डा० जी वी जैन
अवैतनिक फिजीशियन—तीरथ शाह हास्पिटल
क्लिनिक—हेमराज जैन हस्पताल　२२६६७३
बाराटूटी, सदर बाजार
निवास—हेमराज जैन नर्सिंग होम　२२६६२६
पहाडी धीरज

डा० तुलसीदास जैन
५१६७ सदर बाजार　२२७६६७

डा० कन्हैया लाल
सदर बाजार　२२६३०८

डा० आर सी. जैन　२२६५६६
किशनगंज

डा० के सी जैन
टी वी व चिल्ड्रन स्पेशलिस्ट
(आनरेरी मजिस्ट्रेट)
क्लिनिक—कुतुब रोड　२२६३०१
निवास—केदार बिल्डिंग, सब्जी मण्डी　२२७७८६

डा० ब्रजलाल जैन
पहाडी धीरज

डा० बी डी. जैन
पहाडी धीरज

डा० महवीर प्रसाद जैन
पहाडी धीरज

डा० कल्पना जैन
क्लिनिक—२७/३ शक्तिनगर　२२७८६८
निवास—२७४ ए. मलकागज

डा० आर एन जैन
११० डी कमला नगर　२२६०४६

डा० गोपाल दास जैन
५५२१ सदर थाना रोड　२२७२७६

डा० एस के जैन
असि० सर्जन, सी एच एस. डिस्पेंसरी
पहाड गज ३/४ चित्रगुप्त रोड
निवास—५३२१ सदर थाना रोड

डा० वी एम जैन
गाधी नगर

दन्त चिकित्सक (डेंटिस्ट)

डा० सी आर जयना
क्लिनिक—फाउंटेन, चादनी चौक　२२५२७३

डा० पी सी जयना
क्लिनिक—फाउंटेन, चादनी चौक　२२५२७३
निवास—१६ टाडरमल लेन　४०४८८

होम्योपैथिक चिकित्सक

डा० फूलचन्द्र जैन
क्लिनिक—जैन फार्मेसी　२२६३०८
पहाडी धीरज, सदर बाजार
निवास—पहाडी धीरज, सदर बाजार

डा० सुन्दर लाल जैन
बाराटूटी सदर बाजार　२२६३०६

डा० आर बी जैन
१० भाटिया भवन हाथीखाना २२६५६६
डा० नन्द किशोर जैन
७ दरियागज २२६३७०

एडवोकेट व वकील

चुन्नीलाल जैन एडवोकेट २२४५१७
कूचा सेठ, दरीवा कला
पीताम्बर दास जैन, एडवोकेट
इन्कमटैक्स कसल्टैट
कार्यालय—२६७ दरीवा कला २२५६५५
निवास—३७ तुर्कमान रोड
मनोहर लाल जैन, एडवोकेट
२१५ दरीवा कला
चन्दूलाल 'अख्तर,' एडवोकेट
२२० दरीवा कला
निहाल चन्द्र, एडवोकेट २२७६८७
७२७ दरीवा कला
भगवान दास जैन, एडवोकेट
दरीवा कला
सुखवीर प्रसाद, एडवोकेट
दरीवा कला
अजीत प्रसाद जैन, एडवोकेट २२४५१७
दरीवा कला
भीस सेन जैन एडवोकेट
दरीवा कला
वालक राम जैन, एडवोकेट २२०५१७
कूचा ब्रजनाथ, चादनी चौक
फीरोजी लाल जैन, एडवोकेट २२५३२८
क्लाथ मार्केट, चादनी चौक
शांति किशोर एण्ड कम्पनी, इन्कमटैक्स प्रेक्टीसनर
४८१ एस्प्लेनेड रोड २६२३२
जिनेन्द्र पाल, वकील
फोर्टच्यू होटल, चादनी चौक
कपूर चन्द्र जैन, वकील
१६६६ कटरा मारवाडी, नई सडक

हीरालाल जैन, एडवोकेट
VI ३६३७ चावडी वाजार
गुलाव चन्द्र जैन, वकील
मजीत मेसन, जी वी रोड
जनेश्वर दास जैन, एडवोकेट २२७५०८
२६४६ वल्लीमारान, चादनी चौक २२७५०८
परमेश्वर दास जैन, एडवोकेट
२६४६ वल्लीमारान, चादनी चौक
लाल चन्द्र जैन, एडवोकेट
बाजार सीताराम
देवेन्द्र कुमार जैन, वकील २२७६४६
क्लाथ मार्केट, चादनी चौक
अमर चन्द्र जैन, एडवोकेट २२७४८८
XIII/४५१७ सदर बाजार
इन्द्रसेन जैन, वकील
कू० पातीराम, सीताराम बाजार
मोतीलाल जैन, वकील
२६ सी रामनगर
प्रेम नाथ जैन, एडवोकेट
१ वेस्ट, सदर थाना रोड
जग्गी लाल जैन, एडवोकेट
वस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड
शिखर चन्द्र, वकील
सदर बाजार
जैन दास जैन, एडवोकेट २२६५७८
७ डिप्टीगज
दयाल चन्द्र, वकील
सदर थाना रोड
मुरारी लाल जैन, एडवोकेट
गली जैन मन्दिर, सब्जी मंडी
एम० के० जैन, इन्कमटैक्स प्रेक्टीशनर २२७८८३
५ डिप्टीगज
वसत कुमार जैन, वकील
१२ डिप्टीगज
विनोद कुमार जैन, वकील
पहाडी धीरज

कैलाश चन्द्र जैन, वकील
पहाडी धीरज

बनारसीदास जैन, वकील
१४/४२२५ पहाडी धीरज

के० सी० जैन, इन्कमटैक्स प्रैक्टीशनर २२५६७०
१०२ डी कमला नगर

किशोरी लाल जैन, वकील
१४६ ई तिमारपुर

आदीश्वर दास जैन, वकील
३५ मोडल बस्ती

मदनलाल जैन, वकील
३६ मोडल बस्ती

चन्द्र भान जैन, एडवोकेट ५२५७६
८७० ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग़

शुभचन्द्र जैन, एडवोकेट ४७८५७
७ जनपथ लेन

ईश्वर चन्द्र जैन, वकील
कृष्णा निकेतन, दिल्ली गेट

के० सी० जैन, एडवोकेट २२५०६१
नेताजी सुभाष मार्ग

प्राध्यापक व अध्यापक

दिल्ली विश्वविद्यालय

ओल्ड वाइसरीगल लाज (फोन २२८१२१)

डा० वी० डी० जैन
एम. एस सी, पी एच. डी. (लन्दन)
डी आई सी
प्राध्यापक—आर्गेनिक केमिस्ट्री २८६६४

डा० एम. पी जैन
बी ए (आनर्स), एल. एल एम.
जे एस डी
रीडर—ला डिपार्टमेंट २२८१[illegible]

डा० एस के राज भडारी
एम. काम, पी एच डी.
एल. एल बी
रीडर—बिजनेस मैनेजमेंट

श्री त्रिभुवन नाथ जैन
बी काम. एम. बी ए
रीडर— बिजनेस मैनेजमेंट

डा० बी जिनानद
एम ए, पी एच डी
रीडर—सस्कृत व पाली २२८६६१
बुद्धिस्ट स्टडीज़

श्रीमती मोनीक क० जैन
एम ए, डिप० रशियन
लेक्चरार—रशियन

डा० ए सी जैन
एम एस सी, पी. एच डी.
ए आर आई सी
लेक्चरार—कैमिस्ट्री २२८६६४

डा० धर्मवीर जैन
एम एस सी, पी एच. डी
लेक्चरार— कैमिस्ट्री २२८६६४

श्री मगल चन्द्र जैन कागज़ी
बी एस सी, एल एल. एम
लेक्चरार – ला डिपार्टमेंट २२६४८३

डा० एम के जैन
एम ए डाक्टरेट (पेरिस)
लेक्चरार—पोलीटिकल साइंस

कालेजों मे रिकग्नाइज्ड टीचर
(आर्टस फैकल्टी)

रामजस कालेज (फोन २३७०६)

एम पी जैन, एम ए
के आर जैन, एम. ए.

वैश बन्धु कालेज (फोन ७२५६५)

जे के जैन, एम ए
(फिलोसोफी व साइकोलोजी)

मैत्री श्रीराम कालेज फार वीमेन

डा० शारदा जैन, एम, ए, एल एल बी
पी एच. डी.
वाइस प्रिंसिपल
१ दरियागंज

(मैथमेटिक्स)

हिन्दू कालेज (फोन २४३४५)

डा० पी सी जैन, एम ए, पी एच डी,

डा० वी एस जैन, एस ए

श्री ज्योती लाल जैन, एम ए

देश वन्धु कालेज (फोन ७२५६५)

डा० एस. के जैन

बी ए (ग्रानर्स), एम. ए.

(सस्कृत)

दिल्ली कालेज (फोन २२६८०२)

डा० वी के जैन, एम ए, पी एच डी

(हिन्दी)

दिल्ली कालेज (फोन २२६८०२)

डा० विमल कुमार जैन, एम ए पी एच डी.
डा० वी के जैन, एम ए

लेडी श्रीराम कालेज (फोन ७२८५०)

श्रीमती निर्मला जैन एम ए

अध्यक्ष हिन्दी विभाग
कूचा बुलाकी वेगम, एस्प्लेनेड रोड

(कैमिस्ट्री)

हिन्दू कालेज (फोन २२४३४५)

श्री वशीलाल जैन, वी एस सी

(वोटेनी)

रामजस कालेज (फोन २२३७०६)

एम० पी० जैन, एम एस सी.

(नर्सिग)

कालेज आफ नर्सिग

जगपत सिंह रोड (फोन ४०५२५)

श्रीमती पी० जैन, एम एस सी. एस सी. (ग्रानर्स) नर्सिग

(कामर्स)

दिल्ली पोलीटेकनीक (फोन २४८७०)

एम० एम० जैन, एम काम

एफ ग्रार ई एस (लन्दन)

ए ग्राई. ग्राई बी

(सोशल वर्क)

दिल्ली स्कूल ग्राफ सोसल वर्क (फोन २३६६१)

एस० सी० जैन, एम. ए

(इकानोमिक्स)

इन्द्रप्रस्थ कालेज फार वीमेन (फोन २६२५३)

कु० मालती जैन, एम ए

(मेडीकल साइसेज)

मौलाना ग्राजाद मेडीकल कालेज (फोन ४८६१६)

डा० एस. पी, जैन

एम वी वी एस

बल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्यूट (फोन २३८४६)

डा० एन एस जैन

वी एस सी, एम. वी वी. ए

डी ग्रो एम एए, (लदन)

डा० एस. के जैन

एम वी वी एस, डी टी डी.

दिल्ली स्कूल ग्राफ सोशल वर्क

८ यूनीवर्सिटी रोड (फोन २३६६१)

एस० सी० जैन, एम ए.

हिन्दू कालेज

इम्पीरियल एवेन्यू (फोन २४३४५)

डा० पी० सी० जैन

एम ए, पी एच डी (मैथमे०)

डा० वी० एस० जैन

एम ए. (मैथ०)

ज्योती लाल जैन

एम ए. (मैथ०)

डा० वी० के० जैन

एम ए, पी. एच. डी. (संस्कृत)

वशी लाल जैन
बी एस सी (कैमिस्ट्री)

दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट (फोन २६८०२)

डा० विमल कुमार जैन
एम ए, पी एच. डी (हिन्दी)

वी० के० जैन
एम ए (हिन्दी)

रामजस कालेज, यूनीवर्सिटी एन्क्लेव (फोन २३७०६)

पी जैन, एम ए (इग०)
आर जैन, एम ए (इग०)
पी जैन, एम. एस सी (बाटेनी)

इन्द्रप्रस्थ कालेज फार वीमेन

अलीपुर रोड (फोन २२६२५३)

मालती जैन, एम ए. (इको०)

दिल्ली पोलीटेकनीक

कश्मीरी गेट (फोन २२४८७०)

एम एम जैन
एम काम, ए आई आई बी (बम्बई)
एफ आर ई एस (लन्दन)
सीनियर लेक्चरार— इन्डस्ट्रियल साइकोलोजी
व कामर्स
१८ दरियागज

सी टी शाह
बी एससी (आनर्स), बी एससी (टेक०)
लेक्चरर
६७ यू बी जवाहर नगर

धर्मदास जैन, एम एस सी (मेथ०) एन टी
सीनियर टीचर, टेकनीकल हायर सेकन्ड्री स्कूल
१/१६२६ मदरसा रोड, कश्मीरी गेट
कार्यालय—(फोन २२७७४७)

धनपाल उग्र, जी डी आर्ट (बम्बई)
अ० लेक्चरार आर्ट २२४८०७
डिपार्टमेन्ट आफ फाइन आर्ट
४/६२ राजेन्द्र नगर

महावीर प्रसाद जैन
३०२० मसजिद खजूर

खेमचन्द्र जैन
रेवाडी कटरा, सब्जीमण्डी

कालेज आफ नर्सिंग

जसवतसिंह रोड (फोन ४०५२५)

श्रीमती पी चन्द्रा, एम एस,
बी एस सी (नर्सिंग)

मौलाना आजाद मेडीकल कालेज

मथुरा रोड (फोन ४५२६२, ४८६१६, ४२२३१)

डा० एस पी जैन
एम बी बी एस

आल इण्डिया इन्स्टीट्यूट आफ मेडीकल साइसेज

असारी नगर (फोन ७२६६०)

डा० मानकचन्द्र नौलखा
ई १०० (ई० टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

लेडी श्रीराम कालेज फार वीमेन

कालका जी रोड (फोन ७२८५०)

डा० शारदा जैन
एम ए., एल एल बी, पी एच डी
(फिलासफी व साइकोलजी)
वाइस प्रिंसीपल, दरियागज

श्रीमती निर्मला जैन, एम ए (हिन्दी)
कूचा बुलाकी बेगम, एस्प्लेनेड रोड

देशबन्धु कालेज

कालका जी (फोन ७२५६५)

जे के जैन, एम ए (इग०)
एम के जैन, बी ए (आनर्स), एम ए (मेथ०)

होशियार सिंह कालेज

४४ बीदन पुरा (फोन ५४७८७)

ओ पी जैन, प्रिंसीपल ५४७८७
याई डबल्यू सी ए (सेक्रेटेरियल) स्कूल

अशोक रोड (फोन ४८१५३)

प्यारेलाल, लेक्चरार, जैन कालेज ४८१५३
६ रामा पार्क, ओल्ड रोहतक रोड

गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकंड्री स्कूल
राम नगर, नई दिल्ली

कु० सतोष कुमारी
देव नगर

मलकागज, सब्जी मडी

कु० किरन
दरीवा कला

झील कुरजा

श्रीमती काती रानी
धर्मपुरा

कालका जी

श्रीमती शीला जैन
कालका जी

गवर्नमेंट हायर सेकन्ड्री स्कूल (वायज)
किंग्सवे कैम्प

एम पी. जैन, सहायक अध्यापक
डा० के जैन, सहायक अध्यापक

शक्ति नगर

देशराज जैन, सहायक अध्यापक

मोरी गेट

एम एस जैन, सहायक अध्यापक

बाडा हिन्दूराव

आर के जैन, सहायक अध्यापक

सब्जी मण्डी (द्वितीय शिफ्ट)

आर टी जैन, सहायक अध्यापक
ऋषभचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

गवर्नमेंट हायर सेकन्ड्री स्कूल (वायज)
तिलक नगर (न० १)

देशराज जैन, हेड क्लर्क

कुतुब रोड (द्वितीय शिफ्ट)

पुष्पानाथ जैन, एम ए, एल टी
७/२४ दरियागज

मोती बाग

जयकुमार जैन, सहायक अध्यापक
एच १०० सरोजिनी नगर

नेताजी नगर

सुशील कुमार जैन, सहायक अध्यापक
जी १०० नौरोजी नगर

लोदी रोड न० १

एम एल जैन, सहायक अध्यापक

कृष्ण नगर

एस पी जैन, सहायक अध्यापक

मालवीय नगर

गुलाबचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक
एफ ६८ लक्ष्मीबाई नगर

जगपुरा

एम के जैन, सहायक अध्यापक

लाजपत नगर (फोन ७२३३७)

खेमचन्द जैन, बी ए प्रभाकर
ए २०/३ लोदी कालोनी

शाहाबाद मोहम्मदपुर

एन सी जैन, सहायक अध्यापक

शकूरपुर

जुगल किशोर जैन, सहायक अध्यापक

अन्धा मुगल

पी बी. जैन, सहायक अध्यापक

मोती नगर

भीमसिंह जैन, सहायक अध्यापक

नजफगढ

सरलकुमार जैन, सहायक अध्यापक

अन्य

बी जैन
एम पी जैन
ऋषभदास जैन
पी सी जैन
प्रेमचन्द्र जैन
महेन्द्र सेन जैन

कैलाश चन्द्र जैन
महेन्द्र सेन जैन
राजकुमार जैन
आर के. जैन
महावीर प्रसाद जैन
देवेन्द्रकुमार जैन
सुभाषचन्द्र जैन
रामेश्वर दयाल जैन
माखनलाल जैन
सु० विद्या जैन
शान्तीसागर जैन
एच सी जैन
सरलकुमार जैन
ज्ञानप्रकाश जैन
आर के जैन
एम के जैन
जे. के जैन

बी आर. गवर्नमेंट हायर सेकेंड्री स्कूल
दिल्ली-शाहदरा

बाबू लाल जैन, लायब्रेरियन

जैन हायर सेकेंड्री स्कूल
दरियागंज (फोन-२२६१८३)

जुगमंदर दास एम ए., बी टी, प्रिंसीपल
    गली छापाखाना, नेताजी सुभाष मार्ग
जयन्ती प्रसाद एम ए एल टी
    ५/ए दरियागंज
राम दास एम ए बी टी
प्रसन्न राम बी ए बी टी
    ८० जी पी० टेलीग्राफ क्वार्टर्स
सुरेन्द्र कुमार बी ए एल टी
    ४७८३ दरियागंज
इन्द्र सेन
    किशोर भवन, ७ दरियागंज
नरेश चन्द्र बी ए बी टी
    ७ ३३ दरियागंज

प्रभू दयाल
    १२६५ वकीलपुरा
हुकुम चन्द
    सुमेर बिल्डिंग, २१ दरियागंज
कपूर चन्द
    ४२ सी तिमारपुर
प्रेम चन्द
    ४२ सी तिमारपुर
चन्द्र प्रकाश
    ३६५७ गली अहीरन, पहाड़ी धीरज
सजवन्त राय
    जैन अनाथाश्रम, दरियागंज
पी० एन० जैन
    ७/३३ दरियागंज
श्री चन्द
    ११३२ गली सनोरा वाली
खुश दिल प्रसाद
    ११३२ गली समोसा

जैन संस्कृत कमर्शियल हायर सेकेंड्री स्कूल
कूचा सेठ (फोन-२२७३७३)

बसंत लाल एम ए, बी टी प्रभाकर, प्रिंसीपल
    १५५० कूचा सेठ
नाभि नंदन एम. ए, लेक्चरार
धन प्रकाश एम ए, बी टी
हरिहर नाथ एम ए, एल टी, लेक्चरार
श्री कृष्ण लाल एम ए
सुमेर चन्द शास्त्री
सुरेन्द्र कुमार बी ए
ओम चन्द
शीतल प्रसाद

जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल
धर्मपुरा, दिल्ली

कुमारी उर्मिला जैन बी. ए, बी टी
श्री धन पाल जैन बी. काम
श्रीमती मैना देवी जैन प्र. बी

श्रीमती जमुना देवी जैन जे वी
श्रीमती कस्तूरी वाई जैन जे वी
श्रीमती शान्ति देवी जैन साहित्य रत्न जे टी सी
श्रीमती राजमती देवी

महावीर जैन हायर सेकेंड्री स्कूल
नई सडक

मथुरा दास
शाम लाल
कैलाश चन्द
जय प्रकाश
जैन प्रकाश
हरिश चन्द्र
धन कुमार
ओम प्रकाश
दया चन्द्र

क र्यालय— } केशोराम लायब्रेरियन, सिकत्तर पाल

जैन श्रमणोपासक हायर सेकेंड्री स्कूल
मडी रूई, सदर वाजार

धनदेव कुमार जैन
जिनेन्द्र कुमार जैन
शादीलाल जैन
जुगल किशोर जैन

कार्यालय— } वी सेन, वेनी प्रसाद

हीरालाल जैन हायर सेकेन्ड्री स्कूल
सदर वाजार (फोन २२२६७१)

मोहन लाल जन, एम ए वी टी, प्रिंमिपल
नक्काश भवन, गली नत्यनसिह, पहाडी धीरज
धनवत सिह जैन एम ए वी टी, वाइस प्रिंसीपल
४ डिप्टीगज
शिवचन्द्र जैन, एम ए वी टी, लेक्चरार
१२६५ [illegible]
जे० वी० जैन, एम ए वी टी, लेक्चरार
१३६८ वाजार गुलियान

मोती जैन, एम ए वी टी, स० अध्यापक
१६ जयना विल्डिग, रोशनआरा रोड
अजीत प्रसाद जैन, वी ए वी टी, स० अध्यापक
२३२८ वहादुर गढ रोड
डी० एस० गोयल, सहायक अध्यापक
२२ ए डिप्टीगज
हीरालाल 'कौशल' हिन्दी व धर्म शिक्षक
३७४६ गली जमादार, पहाडी धीरज
शिखर चन्द्र जैन वी ए वी टी, सहायक अध्यापक
११ डिप्टीगज
ज्वाला प्रसाद, एस, वी. अध्यापक
२२५७ गली अनार
ओम प्रकाश
२४ ओकार नगर
सागर चन्द्र
२५८१ गला पीपल धर्मपुरा
श्री कृष्ण
४५४४ डिप्टीगज
जानकी प्रसाद
५०२५ गली जैसीराम, पहाडी धीरज
जय कुमार
गली वरना, पहाडी धीरज

लक्ष्मी देवी गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
पहाडी धीरज

कु० कनक माला जैन, एम ए वी टी प्रिंसीपल
४४६६ गली जाटान, पहाडी धीरज
कु० सुशील जैन, वी ए वी टी
४३१६ गली वहू जी, पहाडी धीरज
कु० शकुन्तला जैन, एम ए वी टी
३८४७ गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
कु० कस्तूरी देवी जैन
४६७३ अहाता किदारा, पहाडी धीरज
श्रीमती शर्वती देवी जैन
३८४८ गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
श्रीमती माला देवी जैन
१६७५ नई सडक

श्रीमती शकु तला जैन
शिव भवन, बी ५/१२ माडल टाउन

कु० मगनमाला जैन
३०२३ गली कायस्थान, वहादुर गढ रोड

जगदीश चन्द्र
४७५४ अहाता किदारा, पहाडी धीरज

सूरजमल
४१७६ मोहल्ला अहीरन, पहाडी धीरज

श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेन्ड्री स्कूल
१७८ डी, कमला नगर, दिल्ली

पिंडी दास, प्रिंसीपल २२४५०६
५-डी कमला नगर

हुकुम चद

दोवान चन्द

खीश चन्द्र

शाम लाल

कु० चाद वाला

श्रीपाल

श्री जैन गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
जगपुरा (भोगल), नई दिल्ली

श्रीमती सुशील जैन, प्रधानाध्यापिका

श्रीमती राजरानी जैन
जगपुरा

कु० सरला जैन
दिल्ली

म्यूनीसिपल गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
गोल मार्केट (फोन ४२०६०)

कु० शाता जैन, स० अध्यापिका
६ महादेव रोड

कार्मशियल हायर सेकेन्ड्री स्कूल
दरियागज

सुदर्शन लाल जैन, एम ए

७ दरियागज

रामजस हायर सेकेन्ड्री स्कूल (न० १)
दरियागज

[illegible] भाषा टीचर [illegible]
[illegible] दरियागज

महेन्द्र प्रसाद जैन २२४६४०
२३३ गली जैन मन्दिर, दिल्ली-शहादरा

रामजस हायर सेकेन्ड्री स्कूल (नं० ५)
करोल वाग

केशव चन्द्र जैन, वी. एस.सी., वी. टी ५२८१५
साइस टीचर
४६६७/४६ रेगढपुरा, करोल वाग

जे० डी० 'पथिक' वी ए (आ०), वी. टी ५२८१५
मेथेमेटिक्स व इगलिश टीचर
१८१ गवर्नमेंट क्वा०, करोल वाग

रघुवीर सिंह जैन, वी ए वी टी ५२८१५
मेथेमेटिक्स टीचर
देवीराम पार्क, गनेशपुरा

आर के. एन. एल एम गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
करोल वाग

कु० सावित्री देवी जैन, प्रभाकर ५२८५४
लेग्वेज टीचर

विद्या भवन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल
न्यू राजेन्द्र नगर

श्रीमती कस्तूरी देवी जैन, एम ए वी टी
२१ दरियागज

रामजस हायर सेकेंड्री स्कूल (न० ४)
चित्रगुप्त रोड

जय कुमार जैन, बी एस सी, बी एड ४३३००
साइंस अध्यापक
२७ गोल्डन पार्क, रामपुरा

रामजस हायर सेकेंड्री स्कूल (न० २)
आनन्द पर्वत

प्रकाश आनन्द जैन, लायब्रेरियन
२८/१४, भोलानाथ नगर, दिल्ली-शाहदरा

आर बी हायर सेकेंड्री स्कूल
[illegible] रोड-(फोन ४८१६४)

सुरेन्द्र लाल जैन, सहायक अध्यापक
बी १८/२५० [illegible]

म्युनिसिपल कार्पोरेशन गर्ल्स मिडिल स्कूल
जामा मसजिद (१)

वी० के० जैन, सहायक अध्यापिका

अनारकली बिल्डिंग, पुल बंगश

श्रीमती संतोष जैन
सहायक अध्यापिका

वी डी यू. सी रामजस मिडिल स्कूल
वल्लीमारान, चादनी चौक

पी एस जैन, एम ए, वी एड.
मुख्याध्यापक
१११४, कूचा उस्ताद हीरा, दरीबा

इदर सेन जैन, वी ए, वी टी इगलिश टीचर
७०५० पहाडी धीरज

शील चन्द्र जैन, एफ ए, स० अध्यापक
२१ दरियागज

रामजस ए वी मिडिल स्कूल
चवडी वाजार

नाहर सिंह जैन, वी. एस सी, वी एड २२८६५७
साइस टीचर

म्यू० कार्पोरेशन सी वेसिक स्कूल गर्ल्स
चिराग दिल्ली

लाजपत नगर

श्रीमती मौलश्री जैन
सहायक अध्यापिका

कक्षा वाला

श्रीमती मगन माला जैन
स० अध्यापिका

सु० दुलारी जैन, एम ए, वी एड.
स० अध्यापिका

म्युनिसिपल कार्पोरेशन सीनियर वेसिक स्कूल (वायज)
दादीपुर

प्रकाश चन्द्र जैन, हैड मास्टर
चाहरहट (निकट जामा मसजिद)

रामपुर

के० कुमार जैन
असिस्टेंट टीचर

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन जूनियर वेसिक स्कूल (वायज)
डल्लूपुर

ज्ञानचन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

जैन हेपी स्कूल
लेडी हार्डिंग रोड, नई दिल्ली

श्रीमती सावित्री जैन
११, फौच स्क्वेअर

श्रीमती कमला जैन

हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल
सदर वाजार

चन्द्रपाल
२८७८ चैलपुरी, किनारी वाजार

शकर लाल
१६/८३ मोती वाग, सराय रोहिला

रामधन
२१ नार्थ, वस्ती हर्फूलसिंह, सदर वाजार

जुगमदर दास
गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज

श्री महावीर जैन माटेसरी स्कूल
३५-डी कमला नगर, दिल्ली (फोन-२२४५०६)

श्रीमती प्रकाश

जैन प्राइमरी स्कूल
दिल्ली-शाहदरा

ज्योती प्रसाद जैन, मुख्याध्यापक
गली पन्ना वाली, फर्श वाजार

रामधारी जैन, सहायक अध्यापक

पूर्णभद्र जैन, सहायक अध्यापक

जय किशन जैन, सहायक अध्यापक

शिखरचन्द्र जैन

एम वी. कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल
वावर रोड

कपूर चन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

एम वी. वायज हाई स्कूल
रीडिंग रोड

वल्देव सिंह जैन, सहायक अध्यापक

एम. बी कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल
जोर बाग

श्रीमती जय देवी जैन, बी. ए, सहायक अध्यापिका
ए. २०/३ लोदी रोड

एम. बी बायज प्राइमरी स्कूल
लोदी रोड (नं० १)

सुगनचन्द्र जैन, असिस्टैंट टीचर

एम. बी. कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल
विनय नगर (III)

कु० किरनमाला जैन, सहायक अध्यापिका

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल (गर्ल्स)
जगपुरा एक्सटेंशन

सु० सरला कुमारी जैन, प्रभाकर
सहायक अध्यापिका

पहाड़ गंज (मंडी घी)

श्रीमती तारावती जैन, सहायक अध्यापक

दरीबा कलां (II)

श्रीमती राजरानी जैन, प्रभाकर
असिस्टैंट टीचरेस

कूचा घासीराम

श्रीमती शान्तीदेवी जैन
असिस्टैंट टीचरेस

बल्लीमारान (II)

सु० शान्ती जैन
असिस्टैंट टीचरेस

शक्ति नगर

सु० कलावती जैन, प्रभाकर
असिस्टैंट टीचरेस

मोडल बस्ती (१)

श्रीमती मोहनी माला जैन
सहायक अध्यापिका

गवर्नमेंट क्वार्टर्स (१)

सु० शकुन्तला जैन
असिस्टैंट टीचरेस

जी टी रोड (१)

सु० मनोरमा देवी जैन, प्रभाकर
असिस्टैंट टीचरेस

कालका जी (१)

सु० कमलादेवी जैन
असिस्टैंट टीचरेस

किलोकरी कालोनी

श्रीमती कान्ता जैन
असिस्टैंट टीचरेस

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल
दरियागंज (१)

वीर सेन जैन, एम ए
असिस्टैंट टीचर

ईदगाह रोड

नेमचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

तुर्कमान गेट (II)

आर एस जैन

नया दरीवा

वनवारी लाल जैन
असिस्टेंट टीचर

किनारी बाजार

शेखर चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

बाजार सीताराम (१)

धनकुमार जैन
असिस्टेंट टीचर

मोहल्ला दासान (१)

डालचन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

डा० एस पी मुकर्जी मार्ग

विक्रम सेन जैन
असिस्टेंट टीचर

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल
लाल दरवाजा (२)

राधेश्याम, बी ए बी टी
असिस्टेंट टीचर

लेंसर्स रोड

महावीर प्रसाद जैन
असिस्टेंट टीचर

मोरी गेट

नानक चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

नार्दन रेलवे कालोनी

सुखमाल सिंह
असिस्टेंट टीचर

बस्ती रेगढ़पुरा

श्रीराम, बी ए बी टी
असिस्टेंट टीचर

ओल्ड राजेन्द्र नगर १

विजय सेन जैन
असिस्टेंट टीचर

तिलक नगर

ओम प्रकाश जैन, एफ ए बी टी.
असिस्टेंट टीचर

मोडल बस्ती १

पवन कुमार जैन
असिस्टेंट टीचर

हेम चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

मोडल बस्ती २

शाम लाल जैन
असिस्टेंट टीचर

डिप्टीगंज (१)

वीर सेन जैन
असिस्टेंट टीचर

डिप्टीगज (२)

कृष्ण लाल जैन

बाडा हिन्दू राव (१)

ओम प्रकाश जैन

ईदगाह रोड (१)

दौलतराम जैन
असिस्टेंट टीचर

काबुली गेट (२)

सुमत प्रसाद जैन
असिस्टेंट टीचर

सब्जी मण्डी (१)

मूल चन्द्र, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचर

वीर सेन, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचर

रोशन आरा रोड (२)

शेखर चन्द्र
असिस्टेंट टीचर

निकल्सन रोड (II)

विलास चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

डाल चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

नवाब गज (प्रथम शिफ्ट)

शेखर चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

बी सराय रोहेला

वीर सेन जैन
    असिस्टेंट टीचर

गनेशपुरा

जसवन्त राय जैन
    असिस्टेंट टीचर

पत्रकार (जर्नलिस्ट)

अक्षय कुमार
    प्रधान सम्पादक, 'नवभारत टाइम्स' २२८१६१
    ३३-३४, नेता जी सुभाष मार्ग २२४६६०

जैनेन्द्र कुमार
    ७/३६ दरियागज

डा० इन्द्र चन्द्र शास्त्री
    १०/१७ शक्ति नगर

यशपाल
    सम्पादक 'जीवन साहित्य'
    ७/८ दरियागज

ज्ञानेन्द्र प्रकाश
    सम्पादक 'सेवा ग्राम',
    १ दरियागज

बी. बी. [illegible]
    एक्रेडिटिड करस्पोंडेंट
    (इकानामिक न्यूज एण्ड व्यूज सर्विस)
    बी ५ [illegible] रोड

प० अजीत कुमार शास्त्री
    सम्पादक 'जैन गजट'
    अभय प्रेस, अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज

[illegible] कुमार
    स० सम्पादक '[illegible]' ([illegible]) ३०१६१/३
    २ ६ [illegible] माल रोड

राकेश जैन
    सम्पादक '[illegible]'
    [illegible]

[illegible]
    सम्पादक '[illegible]'
    [illegible]

गिरी लाल जैन
    स्पेशल करसपोंडेंट, 'टाइम्स आफ इण्डिया' २८१६१
    ७/२३ दरियागज २२९०६१

आनन्द स्वरूप
    (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
    २३ दरियागज २२८१६४

ज्ञान चन्द्र
    सेंट्रल हिन्दी डायरेक्टोरेट

प्रकाश चन्द्र 'शास्त्री'
    सम्पादक 'सन्मति सदेश'
    ५३५ गाधी नगर

अमृत लाल जिंदल
    ११५ सुन्दर नगर

गोकुल प्रसाद
    २१ दरियागज

बनवारी लाल 'स्याद्वादी'
    सम्पादक 'वीर'
    २२०० गली भूतवाली, धर्मपुरा

नरेन्द्र जैन करोसपोंडेंट ([illegible])
    ५/ए दरियागज

प्रकाश चन्द्र (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
    नाई वाड़ा

पारस दास (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
    जैन भवन, उर्दू बाजार

रमेश चन्द्र 'प्रेम'
    (नवभारत टाइम्स)
    ४८ दरियागज २२८१६१

सुशील कुमार २२८१६१
    (नवभारत टाइम्स)
    ६, दरियागज

[illegible] कुमार
    १ दरियागज

[illegible] २२८१६१/८
    (नवभारत टाइम्स)
    [illegible]

चार्टर्ड एकाउंटेंट

आनन्द कुमार (मेघ आनन्द एण्ड कम्पनी)
    ५ डिप्टीगज
जितेन्द्र कुमार (जे० एम० वेहल एण्ड कम्पनी)
    १०० गज्जू कटरा, दिल्ली-शहादरा
एन० सी० जैन (एन० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
    ४२७ एस्प्लेनेड रोड
पदम कुमार
    २५७५ फैज वाजार
सुरेन्द्र कुमार
    फैज वाजार (अशोक प्रेस के ऊपर)
त्रिलोक चन्द्र (टी० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
    १३७६ चादनी चौक
सत्यवादी कपूर चन्द्र
    १०२ डी कमला नगर
वी० सी० जैन
    ६ डिप्टीगज, सदर वाजार
डी० सी० जैन (डी० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
    १३५७ वैदवाडा
एन० के० जैन
    ३८४० गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
एन० एस० जैन (एस० एस० कोठारी एण्ड कम्पनी)
    ३७७८ नेताजी मार्ग
जितेन्द्र कुमार, अ० अ० आफीसर (आई० ए० सी०)
    १८ वी. अजमेरी गेट एक्सटेंशन
मेघ कुमार
    ६ रोहतक रोड
सज्जन मल दूगड, अका० आफीसर ३६६१९
    (एकम्प० ला० ड०)
    २४ भरतराम रोड, दरियागज २२६६८०
एम० आर० भडारी
    सेक्रेट्री हिन्दुस्तान इसेपटीमाउडज लि०
    नजफगढ रोड

फोटो ग्राफर

मोतीराम जैन २२९९१०
    अ० फोटो आफीसर (इ० एण्ड ग्रा० मिनिस्ट्री)
    गली कन्हैया लाल अत्तार, चर्खेवालान
प्रेम चन्द्र जैन
    गली कन्हैया लाल अत्तार, चर्खेवालान
तारा चन्द्र जैन
    (पब्लीकेशन डिवीजन)
त्रिलोक चन्द्र जैन
    डायरेक्टोरेट आफ एड० एण्ड विजुअल पब्लिसिटी
शान्ति प्रसाद जैन
    जैन स्टूडियो
    ६ वी, कनाट प्लेस
विजय फोटो स्टूडियो
    चादनी चौक
लालचन्द
    दरीवा कला
जैनको फोटोव्यूज पब्लिशर्स
    धर्मपुरा
कपूरचन्द्र जैन
    धर्मपुरा
अतर चन्द्र जैन
    धर्मपुरा
प्रकाशचन्द्र
    धर्मपुरा
जैना फोटो सर्विस
    २२५० गली अनार, किनारी वाजार
हरिश्चन्द्र जैन
    २२४४ गली अनार, किनारी वाजार
पदम सेन जैन
    आर्यपुरा, सब्जी मण्डी
वी दयाल एण्ड सस
    II १३५ सदर वाजार, दिल्ली कैंट

लायब्रेरियन

निर्मल कुमार जैन
    जूनि० लायब्रेरियन, पी आई वी.
प्रेमकुमार जैन
    जूनि० लायब्रेरियन
    सेंट्रल आर्कोलोजीकल लायब्रेरी
सन्तेष चन्द्र

जैन गर्ल्स हायर सेके० स्कूल, जगपुरा
टी सी जैन
जैन हायर सेके० स्कूल, दरियागज
महेन्द्र कुमार
सैन्ट्रल एजूकेशनल लायब्रेरी
केशोराम
स० जैन हायर सेके० स्कूल, नई सडक
एस पी जैन
जैन लायब्रेरी, पहाडी धीरज
बख्तावर लाल
वर्धमान लायब्रेरी, धर्मपुरा
बाबू लाल
बी आर गर्ल्स हायर सेके० स्कूल, शहादरा

नर्स

श्रीमती के सी जैन
विलिंगडन हास्पिटल
डा० तारा जैन
डा० प्रेम जैन
श्रीमती जमनादेवी, श्री काशीराम जैन धर्मार्थ औषधालय,
सदर बाजार, डिप्टीगज

इन्श्योरेंस एजेन्टस

गुलाब चन्द २२३०००
१७४६ हरदयाल स्ट्रीट, मालीवाडा
सी एल जैन २२३५३३
२१ नेताजी सुभाष मार्ग
एच सी जैन २२८८६३
ब्रा० मैनेजर (लाइफ इन्स्यो० कार्पोरेशन)
सुभाष बिल्डिंग, आसफ अली रोड
आर. सी जैन ४३६५४
इन्चार्ज, न्यू एशिया० कनाट सर्कस
रतन चन्द ५५०३६
लाइफ इश्योरेंस एक्सपर्ट, ५६/१५ वे० एरिया एरिया
रोहतक रोड
ओम प्रकाश
पहाडी धीरज

वैज्ञानिक, साहित्यकार व विद्वान

वैज्ञानिक

डा० डी एस कोठारी

एम एससी (इलाहाबाद)	३२७६८
पी एच डी (केम्ब्रिज), एफ एन. आई	२२८६६३
५ यूनिवर्सिटी मार्ग	२२४३३३

प्राध्यापक (फिजिक्स)—(१) इलाहवाद विश्वविद्यालय (१६२८-३४) (२) दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यक्ष—फिजिक्स विभाग (१६३४-६१)

डीन फैकल्टी आफ साइस—दिल्ली विश्वविद्यालय

साइटिफिक एडवाइजर–मिनिस्टर आफ डिफेंस (१६४८-६१)

चेअरमेन—रिसर्च एण्ड डेवलपमेट कमेटी मिनिस्ट्री आफ डिफेस (सन १६४८ से)

सदस्य (गवर्निंग वाडी)—काउसिल आफ साइटिफिक एण्ड इडस्ट्रियल रिसर्च

चेअरमेन—एअरोनोटीकल रिसर्च कमेटी (सी एस आई आर)

मनोनीत जनरल प्रेसीडेंट—इन्डियन साइस काग्रेस (भावी जुवली सेशन—१६६३)

चेअरमेन—यूनिवर्सिटी ग्राटस कमीशन, रफी मार्ग (सन १६६१ से)

शोध विषय—थियोरी आफ फ्रेगमेटेशन आफ स्टेलर वाडीज

लेखक—न्यूक्लियर एक्सप्लोजस एण्ड देयर इफैक्टस पब्लीकेशन डिवीजन—भारत सरकार द्वारा प्रकाशित प्रथम सस्करण—१६५३—द्वितीय सस्करण १६५८ जर्मन व जापानी मे अनुवादित।

लेख, निबन्ध आदि—(१) थर्मोडायनेमिक व इलेक्ट्रिकल प्रापर्टीज आफ डीजेनेरेट मैटर

(२) थियरी आफ ह्वाइट ड्वार्फ्स

(३) प्रेशर इओनाइजेशन

(४) स्टेटिस्टीकल मेकेनिज्म्स व पार्टीशन थियोरी आफ नम्बर्स का सम्बन्ध

साहित्यकार

१ आचार्य जुगल किशोर मुख्तार 'युगवीर'

इतिहासकार व रिसर्च स्कालर

कार्यालय व निवास } वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागज

स्वरचित ग्रन्थ—'मेरी भावना', 'अध्यात्म रहस्य', 'जैन ग्रन्थ प्रशस्ति सग्रह', 'युगवीर भारती', 'समतभद्र विचार वीदीपि', 'परिग्रह का प्रायश्चित', 'महावीर का सर्वोदय तीर्थ', 'सेवा धर्म', 'अनेकान्त रस लहरी', 'विवाह सम्मुदेश्य', 'जैनाचार्यो का शासन-भेद', 'ग्रन्थ-परीक्षा ४ भाग माला', पूजाधिकार मीमासा', 'विवाहक्षेत्र प्रकाश', 'हम दु खी क्यो', 'उपासना तत्व', 'जैन साहित्य और इतिहास पर विशद प्रकाश।

अनुवादित और सम्पादित ग्रन्थ–पुरातन जैन वाक्य सूची', 'स्वयम्भूस्तोत्रम', 'स्तुति-विद्या', 'अध्यात्म कमल मार्तण्ड', की प्रस्तावना 'युक्त्यनुशासन', 'सत्साधु-स्मरण मगलपाठ', 'अनित्य-भावना', 'उमास्वामी श्रावकाचार-परीक्षा', 'समाधितत्र व इष्टोपदेश', 'कर्म-प्रकृति' (प्राकृत), 'समीचीन धर्मशास्त्र' आदि।

लेख व निबन्ध—१ श्री कुन्दकुन्द और यतिवृषभ मे पूर्ववर्ती कौन ?, २ सेवा-धर्म-दिग्दर्शन, ३ भगवती आराधना की दूसरी प्राचीन टीका-टिप्पणिया, ४ उन गोत्र का

व्यवहार कहा ?, ५ आर्य और म्लेच्छ, ६ सकाम-धर्म-साधन, ७ 'गोत्र-सम्बन्धी विचार' पर सम्पादकीय नोट, ८ गोत्रकर्म पर शास्त्री जी का उत्तर लेख, ९ अन्तरद्वीपज मनुष्य, १० श्री पूज्यपाद और उनकी रचनायें, ११ हेमचन्द्राचार्य-जैन-ज्ञानमदिर, १२ योनिप्राभृत और जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला, १३ स्वामी पात्रकेसरी और विद्यानन्द (परिशिष्ट), १४ 'जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला' पर सम्पादकीय नोट, १५, जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला की पूर्णता, १६ तत्त्वार्थाधिगमसूत्र की एक सटिप्पण प्रति, १७ धवलादि-श्रुत-परिचय, १८ जैन लक्षणावली, १९ 'तत्त्वार्थभाष्य और अकलक' पर सम्पादकीय विचारणा, २० होली का त्यौहार, २१ प्रभाचन्द्र का तत्त्वार्थ सूत्र, २२ प्रो. जगदीशचन्द्र और उनकी समीक्षा, २३ चित्रमय जैनी नीति, २४-२६ समन्तभद्रविचारमाला—(क) स्व-पर-वैरी कौन ? (ख) वीतराग की पूजा क्यो ? (ग) पुण्य-पाप-व्यवस्था, २७ 'सिद्ध प्राभृत' पर सम्पादकीय नोट, २८ भक्तियोग-रहस्य, २९ कवि राजमल्ल और राजा भारमल्ल, ३० वीरनिर्वाण-सवत् की समालोचना पर विचार, ३१ परिग्रह का प्रायश्चित, ३२ महत्व की प्रश्नोत्तरी, ३३ श्वेताम्बर तत्त्वार्थ सूत्र और उसके भाष्य की जांच, ३४ अनेकान्त के मुख पृष्ठ का चित्र, ३५ 'सर्वार्थसिद्धि' पर समन्तभद्र का प्रभाव, ३६ समन्तभद्र का [illegible] और परिचय-पत्र, ३७ अनेकान्त-रस-लहरी, ३८ वीर-शासन की उत्पत्ति का समय और स्थान ३९ स्वामी समन्तभद्र धर्मशास्त्री, तार्किक और योगी तीनो थे, ४० समीचीन-धर्मशास्त्र और उसका हिन्दी भाष्य, ४१ ऐतिहासिक घटनाओं का एक सग्रह, ४२ गोम्मटसार और नेमिचन्द, ४३ मूलाचार और कार्तिकेयानुप्रेक्षा, ४४ भट्टारक मेरा विचार-पत्र, ५६ सन्मति-विद्याविनोद, ५७ अष्टसहस्री की एक प्रशस्ति, ५८ 'जैनागम और यज्ञोपवीत' पर सम्पादकीय विचारणा, ५९ एक प्राचीन ताम्रशासन, ६० गलती और गलतफहमी, ६१ विपुलाचल पर वीर-शासन-जयन्ती का अपूर्व दृश्य, ६२ कलकत्ता मे वीर-शासन का सफल महोत्सव, ६३ सस्कृत 'कर्मप्रकृति', ६४ भारत की स्वतन्त्रता, उसका झडा और कर्तव्य, ६५ वीर-तीर्थावतार, ६६ श्रीवीर का सर्वोदय-तीर्थ, ६७ वीर-शासन के कुछ मूल सूत्र आदि ।

२ श्री जैनेन्द्र कुमार

उपन्यासकार, कहानीकार, व निबन्धकार

निवास, ७/३६ दरियागज २२४१०६

कार्यालय—८ ऋषि भवन फैज बाजार २२४६५६

उपन्यास—सुनीता, विवर्त, व्यतीत, आदि ।

निबन्ध—काम, प्रेम और परिवार, प्रस्तुत प्रश्न, पूर्वोदय, साहित्य का श्रेय और प्रेय, मन्थन, सोच-विचार, आदि ।

कहानियां—(प्रथम भाग) फांसी, 'जय सन्धि' 'स्पर्द्धा' 'निर्णय' तथा अन्य पारिवारिक कहानियां (द्वितीय भाग) 'पाजेब' 'आत्म शिक्षण' 'तमाशा' आदि। (तृतीय भाग) 'तत्सत' 'देवी-देवता' '[illegible]' तथा अन्य दार्शनिक सत्यों की प्रतीकात्मक कहानियां। (चतुर्थ भाग) 'परदेशी' '[illegible]' '[illegible]' '[illegible]' आदि। (छठा भाग) '[illegible]' 'कल्पना' '[illegible]' आदि ।

अनुवाद—'पाप और प्रकाश' 'टाल्सटाय के प्रसिद्ध

४, डा इन्द्र चन्द्र शास्त्री एम० ए० पी० एच० डी०

शास्त्राचार्य वेदात वारिधि, न्यायतीर्थ लेखक, वक्ता व पत्रकार

अध्यक्ष—सस्कृति विभाग, इस्टीच्यूट आफ पोस्ट ग्रेजुऐट स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय

निवास—१०/१७ शक्ति नगर २९९३२

स्व रचनाएलेख व निवध—Jain theory of knowledge' 'भारतीय सस्कृति की दो धाराऐं, 'काटो के राही' (कहानी सग्रह) 'श्री जैन सिद्धान्त बोल-सग्रह' (७ भाग) आदि ।

लेख व निवध—Jainism and the way to spiritual realisation, Panch Shila 'Jain Scripturs, (2 papers) Jain theory of knowledge' 'Lord Mahavira a great democrat. 'Authority as a of knowledge Jainism and democracy आदि ।

सम्पादन कार्य—'श्रमण मासिक (१९४९-५४), जैन प्रकाश' (१९४२-५३) व 'भारतीय सस्कृति (१९५५-५७)

५. प० दरबारी लाल कोठिया, एम ए न्यायाचार्य

कार्यालय व निवास } वीर सेवा मन्दिर, २१, दरियागज

लेख व निवन्ध—१ परीक्षामुख और उसका उद्गम, २ वीर शासन और उसका महत्व, ३ समन्तभद्र और दिग्नाग मे पूर्ववर्ती कौन ? ४ तत्त्वार्थसूत्र का मगलाचरण (दो लेख), ५ भगवान् महावीर और उनका अहिंसा सिद्धात ६ क्या निर्यु क्तिकार भद्रवाहु और स्वामी समन्तभद्र एक है ? क्या रत्नकरण्डश्रावकाचार स्वामी समन्तभद्र की कृति नही है ? ८ नागार्जुन और समन्तभद्र, ९ साहित्य परिचय और समालोचन १० आचार्य अनन्तवीर्य और उनकी सिद्धिविनिश्चय टीका, ११ आचार्य विद्यानन्द का समय और स्वामी वीरसेन, १२ आचार्य माणिक्यनन्दि के समय पर अभिनव प्रकाश १३ आचार्य विद्यानन्द के समय पर नवीन प्रकाश, १४ क्या भाद्रवाहु स्वामी और निर्यु क्तिकार एक है ? १५ गुणचन्द्र मुनि कौन हैं ? १६ गजपन्थ क्षेत्र का अति प्राचीन उल्लेख, १७ क्या वर्तना का रूप गलत है ? १८ कौन सा कु डलगिरि सिद्धक्षेत्र है, १९ रत्नकरण्ड और आप्तमीमासा का एक कर्तत्व प्रमाण सिद्ध है, २० रत्नकरण्ड-टीका और प्रभाचन्द्र का समय, २१ वीरसेन स्वामी के स्वर्गारोहण समय पर एक दृष्टि, २२ 'सजद' पद के सम्बन्ध मे अकलकदेव का महत्वपूर्ण अभिमत, २३ वादीभ सिंह सूर की एक अधूरी अपूर्व कृति, २४ समन्तभद्र भाष्य २५ सजयवेलट्ठि पुत्र और स्याद्वाद, आदि ।

६. पं० परमानन्द शास्त्री

लेखक व रिसर्च स्कालर

कार्यालय—जैन साहित्य सदन दि० जैन लाल मदिर चादनी चौक

निवास—दरियागज सेवा ग्राम के ऊपर

लेख व निवन्ध—१ अपराजितसूरि और विजयोदया, २ प्रमाणनयतत्त्वालोकालकार की आधार भूमि, ३ भगवती आराधना और शिवकोटि, ४ मूलाचार सग्रहग्रथ है, ५ श्रावण-कृष्ण-प्रतिपदा की स्मरणीय तिथि, ६ शिक्षा का महत्व, ७ अतिप्राचीन प्राकृत पचसग्रह, ८ गोम्मटसार सग्रह ग्रथ है, ९ अहिंमातत्त्व, १० श्वेताम्बर कर्मसाहित्य और दिगम्बर पचसग्रह, ११ अर्थ प्रकाशिका और प० सदासुख जी, १२ गोम्मटसार-कर्मकाण्ड की त्रुटिपूर्ति, १३ सिद्धसेन के सामने सर्वार्थसिद्धि और राजवार्तिक, १४ गोम्मटसार-कर्मकाण्ड की त्रुतिपूर्ति के विचार पर प्रकाश १५ कर्मवन्ध और मोक्ष, १६ तत्त्वार्थसूत्र के वीजो की खोज, १७ त्रिलोकप्रज्ञप्ति मे उपलब्ध ऋषभदेवचरित्र, १८ वनारसी नाममाला, १९ श्वेताम्वरो में भी भगवान् महावीर के अविवाहित होने की माप्यता, २० वरागचरित्र दिगवर है श्वेताम्बर ? २१ अपभ्र श भापा का शातिनाथ-चरित्र, २२ अपभ्र श भापा के प्रसिद्ध कवि रइधू, २३ कविवर भगवतीदास और उनकी रचनायें, २४ पउमचरिय का अन्त परीक्षण, २५ वावा भागीरथ जी वर्णी, २६ समर्थन, २७ मुद्रित श्लोकवार्तिक की त्रुटि-पूर्ति, २८ जयपुर मे एक महीना, २९ धनपाल नाम के चार विद्वान, ३० भगवतीदास नाम के चार विद्वान, ३१ शिवभूति, शिवार्य और शिवकुमार, ३२ सुलोचनाचरित्र और देवसेन, ३३ श्रीचन्द्र नाम के तीन विद्वान, ३४ अतिशय क्षेत्र चन्द्रवाड ३५ अमृतचन्द्रसूरि का समय, ३६ दिल्ली और दिल्ली की राजावली, ३७ अपभ्र श भाषा का जैन कथासाहित्य, ३८

कविवर लक्ष्मण और जिनदत्तचरित्र, ३९ धर्मरत्नाकर और जयसेन नाम के आचार्य, ४० भगवान् महावीर, ४१ महाकवि सिंह और प्रद्युम्नचरित, ४२ श्रीवर या विबुध-श्रीधर नाम के विद्वान, ४३ चतुर्थ वाग्भट और उनकी कृतिया, ४४ ब्रह्म श्रुतसागर का समय और साहित्य, ४५ अपभ्रंश भाषा के दो महाकाव्य और नयनन्दी, ४६ ग्वालियर-किले का इतिहास, ४७ प० दौलतराम और उनकी रचनाए, ४८ प० सदासुखदास जी, ४९ आचार्यकल्प प० टोडरमलजी, ५० पाडे रूपचन्दजी और उनका साहित्य, ५१ महाकवि रइधू, ५२ यशोधरचरित्र के कर्त्ता पद्मनाभ कायस्थ, ५३ सोलहवी शताब्दी के दो अपभ्रंश काव्य, ५४ भगवान महावीर और उनका सर्वोदय तीर्थ, ५५ कविवर प० दौलतराम, ५६ आमेरभडार का प्रशस्तिसग्रह, ५७ कविवर द्यानतराय, ५८ कविवर भगवतीदास प्रथम और उनकी रचनाए, ५९ अपभ्रंश भाषा का पासचरित और कविवर देवचन्द, ६० आचार्य कुन्दकुन्द, ६१ बुन्देलखण्ड के कविवर देवीदास, ६२ ब्रह्म जिनदास, ६३ कविवर बुधजन और उनकी रचनाए, ६४ हेमराज गोदीका और प्रवचन-सार का पद्यानुवाद, ६५ बिजोलिया के शिलालेख, ६६ साहित्य-परिचय और समालोचन, ६७ श्री पार्श्वनाथ मदिर व कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद, ६८ अध्यात्मतरगिणी टीका, ६९ अपभ्रंश भाषा के कुछ अप्रकाशित ग्रथ, ७० आकिंचन्य धर्म, ७१ उत्तम क्षमा, ७२ उत्तम तप, ७३ कविवर भूधर दास और उनकी विचारधारा, ७४ कुछ नई खोजे कुमार चरित्र और कवि धर्मधर, ९२ प० जयचन्द और उनकी साहित्य सेवा ९३ प० दीपचन्द्र जी शाह और उनकी रचनाए, ९४ धोपहरास और भ० ज्ञान भूषण, ९५ वागड प्रान्त के दो दिगम्बर जैन मन्दिर, ९६ भगवान महावीर, ९७ भट्टारक युतकीर्ति और उनकी रचना, ९८ महा पुराण कालिका और कवि ठाकुर, ९९ गाजियाबाद के जैन शास्त्र भडार मे उल्लेखनीय ग्रथ, १०० विश्व की अशांति को दूर करने का उपाय, १०१ श्रम सस्कृति तैयारी, १०२ श्रीधवल ग्रथो के दर्शनो का अपूर्व आनन्द भोजन, १०३ वीर शासन जयन्तीमहोत्सव, १०४ साहित्य परिचय और सम्मेलन (४ लेख) १०५ हस्तिनागपुर का बडा जैन मन्दिर, १०६ हिन्दी भाषा के कुछ ग्रथो की नई खोज, १०७ हुवड या हुबडवश और उसके महत्वपूर्ण कार्य, १०८ कवि ठकुरसी और उनकी रचनाए, १०९ कविवर भगवतीदास, ११० कसाया पाहुड और गुणधराचार्य १११ क्या भ० वर्धमान धर्म के प्रवर्तक थे, ११२ धारा और धारा के जैन विद्वान, द्वितीय लेख, ११३ प० भागचन्द जी, ११४ पार्श्वनाथ बस्ति का शिलालेख, ११५ महा कवि स्वयभू और उनका तुलसीदास जी की रामायण पर प्रभाव, ११६ महावीर के विवाह के सम्बन्ध मे श्वेता-म्बरो की दो मान्यताए, ११७ क्या शास्त्र परम्परा ११८ वीर शासन जयन्ती का महत्व, ११९ श्री बाबा नानकचन्द दास जी और उनकी तपस्या की महत्ता

७. श्री ऋषभ चरण जैन

उपन्यासकार व कहानीकार

धर्मपुरा, किनारी बाजार

उपन्यास—१ मन्दिर दीप, २ तपोभूमि, ३ हिज हाइनेस, ४ हर हाइनेस, ५ चम्पाकली, ६ बुर्दाफरोश, ७ मयखाना, ८ तीन इक्के, ९ पैसे का साथी १० वेश्या पुत्र, ११ मास्टर साहब, १२, रहस्यमयी, १३ भाई, १४ भाग्य, १५ गदर, १६ सत्याग्रह, १७ कठहार, १८ राज कुमार भोज ।

कहानी सग्रह—१९ नर्क धाम, २० चादनी रात २१ बिखरे मोती, २२ हडताल ।

अनूदित—२३ वह कौन थी, २४ कैदी, २५ षडयन्त्र कारी, २६ महापाप, २७ देवदूत, २८. अफीम का अड्डा २९ दीप शिखा ।

८ श्री अक्षय कुमार जैन एम ए

लेखक, कहानीकार व पत्रकार

प्रधान सम्पादक, नवभारत टाइम्स २२८१६१

१०, दरियागज

निवास—३३-३४ नेताजी सुभाष मार्ग २२४९६०

उपन्यास व कहानिया आदि—'परित्यक्ता' (१९३९) 'युग पुरुष राम' (१९५४ उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा पुरस्कृत) 'साहसी ससार' (१९५५), ईरान की कहानिया (१९५७) 'दूसरी दुनिया (१९५९), 'ब्रिटेन मे चार सप्ताह'(१९६१) कुरु प्रदेश की कहानिया (१९६६) आदि ।

९ श्री यशपाल जैन, एम ए, एल एल. बी

निबन्धकार, कहानीकार, व पत्रकार

निवास ७/८ दरियागज २२६३२६

कार्यालय—सस्ता साहित्य मडल ४०५०५

कनाट सर्कस

कहानी सग्रह—'नव प्रसून' 'मैं मरूगा नही' 'निराश्रिता' धारावाहिक उपन्यास, आदि ।

लेख, व निबन्ध तथा अन्य पुस्तकें—'जय अमरनाथ' 'उत्तरा खड के पथ पर' आदि । 'तीर्थंकर महावीर' 'कोणार्क' 'जगन्नाथपुरी' 'अमरनाथ' 'अजन्ता एलोरा, 'गोमुख' आदि ।

अनुवाद—स्टीफन ज्विग के 'विराट' नामक उपन्यास का अनुवाद ।

सम्पादन कार्य (१)—'प्रेमी अभिनन्दन ग्रथ' 'श्री जवाहर लाल नेहरू की कुछ पुरानी चिट्ठिया' लूई फिशर की 'गाधी की कहानी' 'एलन कैम्पबल जानसन की 'भारत विभाजन की कहानी' तथा सस्ता साहित्य मडल द्वारा प्रकाशित 'समाज विकास माला' की पुस्तकें आदि ।

'जीवन-सुधा' मासिक व 'मधुकर' पाक्षिक आदि के भूतपूर्व सम्पादक । सस्ता साहित्य मडल की पत्रिका 'जीवन साहित्य' के वर्तमान सम्पादक ।

१० श्री माई दयाल जैन, बी०ए०

कार्यालय व निवास } ४५६९ डिप्टी गज सदर बाजार

स्व-रचनाएं—सदाचार, 'शिष्टाचार और स्वास्थ्य', 'हमारा विधान' 'स्वतन्त्र देश के नागरिक' 'अशोक चक्र' 'सरकार कैसे चलती है' 'बाहुबली और नेमिनाथ' आदि ।

अनुवाद कार्य—'प्रभावशाली जीवन' 'टूटे हुऐ पर' 'अगुआ और वन्दुशे फूल', 'यात्री'

११. डा० विमल कुमार जैन एम ए., पी. एच. डी.

निबन्ध व पुस्तकादि—'सूफीमत और' हिन्दी साहित्य (पी एच. डी का प्रबन्ध) 'तुलसीदास और उनका साहित्य' 'हिन्दी साहित्य रत्नाकर', 'हिन्दी के अर्वाचीन रत्न', ।

सम्पादित ग्रन्थ—श्री रत्नचन्द जी महाराज का जीवन चरित्र, रश्मि का सूर विशेषाक ।

सार्वजनिक क्षेत्रों म जैन पदाधिकारी

रिसर्च एण्ड डवलपमेंट कमेटी, डिफेंस मिनिस्ट्री

चेअरमेन—डा० डी एम कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

नेशनल रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव काउसिल
नई दिल्ली

सदस्य—श्रीमती लीलावती मुशी
भारतीय विद्या भवन चौपाटी रोड
वम्बई।

जोनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी
(नार्दन रेलवे—नई दिल्ली)

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन
निवास—चादनी चौक
मारवाडी लायब्रेरी के ऊपर २२३८०६
कार्यालय—विल्डवेल स्टोर्स, जी वी. रोड २२६७०६

पेसेन्जर इमेनिटीज कमेटी

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२३८०६

टाइम टेवल कमेटी

चेअरमेन—श्री एल पी लाल ४५०६०
चीफ आपरेटिंग सुपरिन्टेंडेन्ट
बडौदा हाउस ४५६७१
सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२३८०६

डिवीजनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी
(दिल्ली डिवीजन—नई दिल्ली)

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२३८०६

काउसिल आफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च
रफी मार्ग

सदस्य (गवर्निंग वाडी)—डा० डी.एस कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

एयरोनोटीकल रिसर्च कमेटी
(सी एस आई आर)

चेअरमेन—डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

इण्डियन कोआपरेटिव यूनियन लिमिटेड
जनपथ

जनरल सेक्रेटरी—श्री एल सी जैन ४४६०८
४३ गोल्फ लिंक्स ७५१७०

पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ एडवाइजरी कमेटी
(दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन)

सदस्य—श्री पी आर मित्तल
६५५ सदर वाजार २२८७२०

गवर्नमेंट आफ इण्डिया पेनल आफ वाचेज, क्लाक्स एण्ड टाइम पीसेज

सदस्य—श्री के सी जैन २२६६६०
७/३२ दरियागज २२६२८३

बुक सेलेक्शन कमेटी
(एजुकेशन डायरेक्टोरेट—दिल्ली प्रशासन)

चेअरमेन—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२३८०६

सीमेंट एडवाइजरी कमेटी
(दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन)

सदस्य—(१) श्री डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२३८०६

(२) श्री हेमचन्द्र जैन ५५६८४
पहाडी धीरज २२६५७३
(३) श्री मगतराम जैन ४३५६१
(अशोका मार्केटिंग लिमिटेड)
४८ दरियागज २२५५८७

यूनाइटेड चेम्बर आफ ट्रेड एसोसिएशस

सयुक्त मत्री—पी आर मित्तल २२८७२०
६५५ सदर वाजार
डेलीगेट—(१) डिप्टीमल जैन
(दिल्ली विल्डिग मेटीरियल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
मारवाडी लायब्रेरी के ऊपर २२३८०६, २२६७०६
चादनी चौक
(२) वसत लाल घटे वाले २२३०८२
(दिल्ली स्वीटमीट मर्चेन्टस एसोसियेशन)
चादनी चौक
(३) किशन चन्द्र जैन
(आल दिल्ली सर्राफा एसोसियेशन)
(४) राम नारायन जैन २२४७२७
(दिल्ली ग्रेन मर्चेन्टस एसोसियेशन)
नया वाजार
(५) उत्तमचन्द्र जैन २२७७४६
(६) खैराती लाल जैन
(दिल्ली आयल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
नया वाजार
(७) गिरधारी लाल जैन
(दिल्ली स्टेशनर्स एसोसियेशन)
चावडी वाजार २२६४२३
(८) ला० नन्हेमल जैन २२६४७८
(मेटल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
वाराटूटी, सदर वाजार २२६७६२
(९) श्री इन्द्र चन्द जैन
(श्री महालक्ष्मी वुलियन एक्सचेंज लिमिटेड)
(१०) श्री आर डी जैन ४७८५७
(साइंस एपेरेटस डीलर्स एसोसियेशन)
जैन भवन, छप्पर वाला कुआ, करोलवाग ५५१६१
(११) श्री देवेन्द्र कुमार ओसवाल
(व्योपार एसोसियेशन)
सदर वाजार २२६४६०

दिल्ली हिन्दुस्तानी मर्केटाइल एसोसियेशन

चादनी चौक २२४७८७
व्यवस्थापिका सदस्य—(१) श्री अमरनाथ जैन
(न्यादरमल अमरनाथ जैन)
कटरा नया, चादनी चौक २२८०४७
(२) श्री हेमचन्द्र जैन
(छज्जूमल हेमचन्द्र)
कटरा लाल, चादनी चौक २२६७८४

दिल्ली चैम्बर आफ कामर्स

देशबन्धु गुप्ता रोड, पहाडगज
सदस्य व व्यवस्थापिका — ला० राजेन्द्रकुमार जैन ४५८२८
११ कीलिंग रोड ४७९५६

आल इडिया ग्लास मेनुफेक्चरर्स फेडरेशन

गोविंद मेशन, कनाट सर्कस
प्रधान—सी एल जैन
फीरोजावाद (उ० प्र०)
दिल्ली कार्यालय—५४१ एस्प्लेनेड रोड २२४५४३

इडियन सुगर मिल्स एसोसियेशन

बैनर्जी विल्डिग, आसफ अली रोड
ब्राच सेक्रेट्री—श्री वी पी जैन २२०४४६
९६ मोडल वस्ती २२७१९८

आल दिल्ली सर्राफा एसोशियेसन

प्रधान—श्री किशनचन्द्र जैन
मन्त्री—ल० महताव सिंह जैन २२८४२८
१७३४ दरीवा कला २२६३६६

दिल्ली विल्डिग मेटीरियल मर्चेन्टस एसोशियेसन

प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२३८०६
जी वी रोड २२६७०६
कोषाध्यक्ष—श्री विल्लोमल जैन
जी. वी रोड

फैक्ट्री ओनर्स एसोसियेशन

प्रधान—श्री भीकूराम जैन २२७३२७
१५४६/३ एस पी. मुकर्जी मार्ग ५८७५६

दिल्ली फैक्ट्री ओनर्स फेडरेशन

सदस्य व्यवस्थापिका — श्री रविप्रकाश जैन ४५८२८
११ कीलिंग रोड ४७९५६

दिल्ली आयरन एण्ड हार्डवेअर मर्चेंटस एसोसियेशन

व्यवस्थापिका

सदस्य—ला० शाम लाल जैन ४०६५६

(मै० महावीर प्रसाद एण्ड सस)

चावडी बाजार २२६७३५

दिल्ली मोटर ट्रेडर्स एसोसियेशन

पी वी १०६८ कश्मीरी गेट

कोषाध्यक्ष—श्री एम एस जैन

(लक्ष्मी मोटर क०)

डा० मुकर्जी मार्ग २२५६५४

दिल्ली ग्रेन मर्चेंटस एसोसियेशन

मत्री—श्री राम नरायन जैन २२४७२७

नया बाजार

दिल्ली स्वीटमीट मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० बसन्तलाल घंटेवाला

चादनी चौक २२३२०८

दिल्ली थ्रेड बाल मेनुफेक्चरर्स ऐसोसियेशन

सदर बाजार

प्रधान मत्री—श्री पी आर मित्तल

६५५, सदर बाजार २२८७२०

दिल्ली आयल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—श्री उत्तम चन्द्र जैन

नया बाजार २२७७४६

मत्री—श्री खैराती लाल जैन

नया बाजार

मेटल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० नन्हेमल जैन २६४७८

बाराटूटी, सदर बाजार २६७६२

दिल्ली इलेक्ट्रीकल ट्रेडर्स एसोसियेशन

प्रधान मन्त्री—श्री अजीत प्रसाद जैन

(सुप्रीम इलेक्ट्रिकल क०)

इलेक्ट्रोनिक्स मार्केट, स्टेट बैंक के पीछे, चादनी चौक

फेडरेशन आफ सदर बाजार ट्रेड एसोसियेशन

प्रधान मन्त्री—श्री पी आर मित्तल

६५५ सदर बाजार २२८७२०

फ्रूटस एण्ड वेजीटेबल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० लट्टोमल जैन

(लट्टोमल नानूराम जैन)

४२०० आर्यपुरा, सब्जी मण्डी २२६७४४

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसियेशन

२६-ए न्यू सेन्ट्रल मार्केट, कनाट सर्कस

प्रधान—श्री जुगल किशोर जैन

दुजाना हाउस, चावडी बाजार २२६१०५

दिल्ली वाच डीलर्स सिंडीकेट

पी वी. १७५१, नई दिल्ली

जनरल सैक्रेटरी—श्री कैलाशचन्द्र जैन

(जयना वाच कम्पनी)

७/३२ दरियागज २२६२८३

स्माल स्केल इडस्ट्रीज एसोसियेशन

३३ डिप्टीगज

जनरल सेक्रेट्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन ५२३१३

३३ डिप्टीगज २२६३२६

दिल्ली स्टाक एक्सचेंज

डायरेक्टर—श्री प्रेमचन्द्र जैन

३२ हनुमान रोड

दिल्ली विश्वविद्यालय

(सदस्य-कोर्ट)

डा० डी एम कोठारी ३२७६८

एम एस सी, पी एच डी, एफ एन आई

५ यूनीवर्सिटी मार्ग २२४३३३

डा० वी डी जैन

एम एस सी, पी एच डी (लदन) डी आई सी (लदन)

प्राध्यापक (कैमिस्ट्री)—दिल्ली युनिवर्सिटी

श्री वशीनाथ जैन

बी एस सी, लेक्चरर—हिन्दू कालेज

सदस्य-एकेडेमिक कौंसिल

डा० डी. एम. कोठारी ३२७६८

एम एस सी, पी एच डी, एफ एन आई

५, युनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

डा० एम. पी जैन
बी. ए (आनर्स) एल एल एम, जे. एस डी
रीडर—ला फैकल्टी, दिल्ली विश्वविद्यालय

सदस्य—साइंस फेकल्टी

डा० डी. एस कोठारी ३२७६८
(एक्स आफीसिओ)
एम.एस सी, पी एच डी, एफ.एन.आई २२४३३३
५ यूनिवर्सिटी मार्ग

डा० वी डी जैन
(एक्स ओफीसिओ)
एम.एस.सी, पी एच डी (लदन) डी आई सी (लन्दन)
प्राध्यापक (कैमिस्ट्री)—दिल्ली विश्व विद्यालय

सदस्य-बोर्ड आफ रिसर्च स्टडीज फार साइंसेज

डा० डी. एस कोठारी ३२७६८
एम एस सी, पी एच डी
एफ. एन. आई (फिजिक्स) २२४३३३

सदस्य—लायब्रेरी कमेटी

डा० डी एस कोठारी ३२७६८
एम एस सी, पी एच डी
एफ एन आई. २२४३३३

साइंस कोर्सेज एडमिशन कमेटी

डा० डी एस. कोठारी ३२७६८
एम एस सी, पी. एच डी, एफ एन आई

ला कोर्सेज एडमिशन कमेटी

डा० एम बी जैन
बी ए (आनर्स) एल एल एम
जे एस डी

कोर्सेज व स्टडीज कमेटी

साइंस फैकल्टी (फिजिक्स)

डा० डी एस कोठारी ३२७६८
एम एस.सी, पी एच डी, एफ एन आई २२४३३३
एक्स आफीसिओ चेयरमैन

साइंस फैकल्टी—कैमिस्ट्री

सदस्य—डा० बी. डी जैन
एम एस सी, पी. एच. डी, डी. आई सी

नर्सिंग

सदस्य—श्रीमती पी जैन
बी एस सी (आनर्स)
एम एस सी (यू एस ओ)
कालेज आफ नर्सिंग, नई दिल्ली

एस्ट्रोनोमी व एस्ट्रोफिजिक्स

डा० डी एस कोठारी ३२७६८
एम एस सी, पी एच. डी, एफ एन आई
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

हिस्ट्री आफ साइंस व साइंटिफिक मेथड

डा० डी एस कोठारी ३२७६८
एम. एस सी, पी एच. डी.
एफ एन आई २२४३३३

डा० वी डी जैन
एम एस. सी, पी, एच. डी, डी आई सी

इण्डियन फिजीकल सोसायटी

प्रेसीडेंट—डा० डी एस कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

इण्डियन साइंस काग्रेस

(फिजिक्स सेक्शन)

प्रेसीडेंट—डा० डी एस कोठारी ३२७८८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

नेशनल इन्स्टीच्यूट आफ साइंसेज आफ इण्डिया

मथुरा रोड

एडीटर आफ पब्लीकेशन्स—
डा० डी एस कोठारी [illegible]
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

साहित्य ऐकेडमी

सदस्य गवर्निंग बोडी—श्री जैनेन्द्र कुमार
७/३६ दरियागज २२४१०६

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन
दिल्ली

जनरल सेक्रेट्री—श्री अक्षयकुमार जैन २२४६६०
३३-३४ नेता जी सुभाष मार्ग

व्यवस्थापिका समिति सदस्य
(१) श्री भगतराम जैन २४६६०
२०२३ बहादुरगढ रोड
(२) श्री जसवतसिंह जैन २२३८११
२५-डी कमलानगर
(३) श्री श्रीपाल जैन
सेंट्रल हिंदी डायरेक्टोरेट

दिल्ली लायब्रेरी एसोसियेशन

उप-प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२३८०६

रिसर्च कमेटी—हिन्दी विभाग—दिल्ली विश्वविद्यालय

जनरल सेक्रेट्री—डा० विमलकुमार जैन २२६८०२
प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

हिन्दी प्रचार समिति, दिल्ली

प्रेसीडेंट—डा० विमलकुमार २२६८०२
प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन

आर्यपुरा, सोहनगज मडल

प्रधान—डा० विमलकुमार २२६८०२
दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन
दरियागंज मण्डल

प्रधान—श्री अक्षयकुमार जैन २२८१६१
३३-३४ नेता जी सुभाष मार्ग २२६४६०

कोषाध्यक्ष—श्री प्रकाशचन्द्र २२४५३५

सदस्य व्यवस्थापिका समिति
श्री गोकुलप्रसाद जैन २६३१६
२१, दरियागंज

इंटरनेशनल एकेडमी आफ इंडियन कल्चर
जे-२२ हौज़ खास एन्क्लेव

प्रधान—श्री आर० के० जैन ४५८२८
११ कीलिंग रोड ४७६५६

यूनाइटेड स्कूल्स आर्गेनाइजेशन आफ इंडिया
१७१५ आर्य समाज रोड

जनरल सेक्रेट्री—श्री जियालाल जैन २२५३४०
आर्य समाज रोड ५२६४४

दी इंटरनेशनल कल्चरल फोरम

२६५३ रोशनपुरा, नई सडक
सेक्रेट्री जनरल श्री एस पी जैन 'नसीम'
२६५३ रोशनपुरा, नई सडक २२३७१६

रोटेरी क्लब आफ इन्डिया

२०/१ आसफअली रोड, दिल्ली शाखा
कोषाध्यक्ष—श्री जवाहर लाल रायजादा ४८४३२
१४५ सुन्दर नगर ७५४६४

इंडियन वेजीटेरियन कांग्रेस
दिल्ली शाखा (फोन-२६४०५)

वाइस प्रेसीडेंट सेठ आनन्द राज सुराणा
१३६८ चादनी चौक
उप मत्री—(१) श्री निहाल चन्द रायजादा
(२) श्री अमृतलाल जिंदल
८१५ सुन्दर नगर

दिल्ली नेचरोपैथिक सोसायटी

उप प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२४८०९

इंडियन रेड क्रास सोसायटी
दिल्ली स्टेट ब्रांच

सदस्य व्यवस्थापिका—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शाहदरा २२३२०१/२०७

इंडियन रेडक्रास सोसायटी
दिल्ली-शाहदरा शाखा

प्रधान—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
शारदा भवन, गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शाहदरा २२३२०१/२०३

टी. वी. आफ्टर केअर कमेटी

सदस्य—व्यवस्थापिका — श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन, गली जैन मन्दिर ४२५२१

दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

भारतीय महिला एजूकेशनल सोसायटी

मैनेजिंग डायरेक्टर—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मन्दिर

दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

श्री फीरोज गांधी मेमोरियल कमेटी

कन्वीनर—श्री बलबीर चन्द जैन ३६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी

अजमेरी गेट

सदस्य—श्री सुमेर चन्द्र

निकल्सन रोड २२५८१६

डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी

दिल्ली नगर

सदस्य (व्यवस्थापिका समिति)-ला० डिप्टीमल जैन २६७०६

चांदनी चौक २२३८०६

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सदस्य, दिल्ली म्यू० कार्पोरेशन — श्री भीखूराम जैन २५६६६, पहाड़ी धीरज २७३२७

डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी

नई दिल्ली

व्यवस्थापिका

सदस्य—ला० उल्फत राय जैन

१०५ वेयर्ड रोड ४७३१८

इलेक्टोरल कालेज राज्य सभा

सदस्य—श्री उल्फत राय जैन

१०५ वेयर्ड रोड ४७३१८

मंडल कांग्रेस कमेटी

दरीबा

सेक्रेट्री—श्री भाग चन्द्र जैन

देव नागरी विद्यालय, किनारी बाजार

मंडल कांग्रेस कमेटी

विनय नगर

सेक्रेट्री—श्री अजित प्रसाद जैन

एफ १६७ (सी टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

युसुफसराय

मंडल कांग्रेस कमेटी

दिल्ली छावनी

उप प्रधान—ला० चम्पालाल जैन

भारतीय जनसंघ

अजमेरी गेट

उप प्रधान—श्री किशन लाल

राम नगर दरीबा पान मडल

उप प्रधान—श्री धर्मचन्द्र जैन

पहाड़गंज मंडल

उप प्रधान—श्री सूरज भान जैन, प्रतिनिधि

श्री रतन लाल म्यू० काउंसिलर

चांदनी चौक मंडल

मन्त्री—श्री शीतल प्रसाद जैन

बल्लीमारान मंडल

उप प्रधान—श्री सुन्दर लाल

डिप्टीगंज मंडल

उप प्रधान—श्री नानक चन्द्र जैन

स० मन्त्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन

कोषाध्यक्ष—श्री हुकुम चन्द्र जैन

प्रदेश प्रतिनिधि—श्री मोन प्रकाश, म्यू० काउंसिलर

मालो पाटा मडल

मन्त्री—श्री रम्मू प्रसाद जैन

कमला नगर मंडल

सदस्य

व्यवस्थापिका—श्री योगेन्द्र कुमार जैन

नजफगढ़ मंडल

मत्री—श्री ज्योती प्रसाद

दिल्ली-शहादरा

कोपाध्यक्ष—श्री सूरजभान

भारतीय जनसघ समिति, माडल टाउन

उप प्रधान—श्री अमीर सिंह जैन

डी २/६ माडल टाउन

आल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लासेज यूथ लीग

१३ शकर मार्केट

आफिस सेक्रैट्री—श्री वलवीर चन्द्र जैन ३६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

हिन्द स्वीपर्स सेवक समाज

१६६ नार्थ एवेन्यू

सोशल सेक्रेट्री—श्री वलवीर चन्द्र जैन २२६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

वाल्मीक सेवक समाज

१७ नार्थ एवेन्यू

जनरल सेक्रेट्री—श्री वलवीर चन्द्र जैन ३६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

सेंट्रल सेक्रेटेरियट असिस्टेंट्स ग्रेड एसोसियेशन

कोपाध्यक्ष, उप-प्रधान—श्री आर० आर० जैना

१०२ वैरन रोड

जनरल सेक्रेट्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन

२७ कनाट स्क्वेअर

डिपार्टमेंटल स्टाफ क्लब, आर्मी हेड क्वार्टर्स

चेअरमेन—श्री हंस कुमार जैन ३१२५५

२३ हेवलाक स्क्वेअर

टी ए जी (पी एण्ड टी) स्टाफ क्लब ओल्ड सेक्रेटेरियट

प्रेसीडेंट—श्री अरिदमन कुमार जैन

५१ यामनगर रोड

स्वतन्त्र कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड

(किलोकरी गाव) रिंग रोड

सेक्रेट्री—गुलाब चन्द्र जैन ७३८५६

दिलशाद ट्रस्ट

सेक्रेट्री—श्री लक्ष्मीचन्द जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मदिर

दिल्ली-शहादरा २३२०१/२०७

चेम्सफोर्ड क्लब

रायसीना रोड

सदस्य व्यवस्थापिका समिति—श्री रवि प्रकाश जैन ४५८२८

११ कीलिंग रोड ४७९५६

दरियागज एसोशियेसन

प्रधान—श्री नाहरसिंह जैन

४० नेताजी सुभाप मार्ग २७५९१

शहादरा यूथ फेस्टीवल कमेटी

प्रधान—श्री लक्ष्मीचन्द जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मदिर

दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

श्री रामलीला कमेटी

दिल्ली-शाहादरा

वाइस प्रेसीडेंट—श्री हरीचन्द्र जैन

दिल्ली-शहादरा

आर्य कन्या मिडिल स्कूल

शहादरा

सदस्य (एक्जीक्यूटिव)—

श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मदिर

दिल्ली शहादरा २२३२०१/२०७

दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान

१ लाल किला—यह दिल्ली के दर्शनीय स्थानो मे सबसे प्रमुख है। इसका निर्माण सम्राट शाहजहा ने सन् १६३८ मे आरम्भ किया था और १० वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद सन् १६४८ मे पूर्ण हुआ। उस काल के अनुसार इसकी लागत का अनुमान एक करोड रुपया लगाया जाता है। किले की चहार दीवारी लगभग १½ मील लम्बी है। अन्दर से किले की लम्बाई ३,००० फुट और चौडाई १,८०० फुट तक है। किले की दीवार नदी की ओर ६० फुट तथा शहर की ओर ११० फुट तक ऊची है। किले मे जाने के लिए दो मुख्य द्वार हैं। इनमे से चांदनी चौक की ओर वाले द्वार को 'लाहौरी गेट' और जामा मसजिद वाले द्वार को 'दिल्ली गेट' कहते है।

लाल किले के पुराने नाम "किला-ए-मुबारक', 'किला-ए-शहजहानबाद' व 'किला-ए-मुल्ला' आदि भी है। किले के अन्दर वर्तमान दर्शनीय स्थानों मे से 'नौबतखाना,' 'दीवान-ए-आम' 'दीवान-ए-खास',और 'रगमहल' प्रमुख है।

दर्शको को किले के अन्दर जाने के लिए लाहौरी गेट से टिकट खरीदना पडता है। किले के अन्दर प्रवेश करने के बाद सबसे पहले 'छत्ता चौक' आता है। यह एक विशाल छत के नीचे बना एक दोमजिला बाजार है। इस बाजार मे दोनो ओर ३२-३२ दुकानो की कतारें है।

छत्ता चौक से आगे बढने पर एक चौकोर मैदान के अन्त मे एक विशाल द्वार दिखायी देता है। इस द्वार के ऊपर बारहदरी बनी है जहां मुगल काल मे दिन मे पाच चार बार नौबत बजा करती थी। इस भवन को 'नौबत खाना' या 'नक्कार खाना' कहते है। वर्तमान मे इसमें [illegible] युद्ध स्मारक पुरातत्वालय' स्थापित है।

नक्कार खाने से निकलते ही 'दीवान-ए-आम' का विशाल कक्ष दिखाई पडता है। यह कक्ष सामने की ओर तीन तरफ से खुला है। कक्ष की छत को सहारा देने के लिए सामने की ओर ६ महराब है और उनके पीछे चौडाई मे ३-३ महराबो की कतार है। पीछे की दीवार के मध्य मे सगमरमर की परछत्ती बनी है जिसे 'नशीमन-ए-जिल-ए-इलाही' कहा जाता है। इस परछत्ती के साथ बने छज्जे पर राजा के बैठने का स्थान रहता था।

दीवान-ए-खास के पास एक अन्य भवन है जिसे 'मुमताज महल' कहा जाता है। किसी समय यह भवन शाही हरम का एक भाग था। अग्रेजी काल मे बहुत दिनो तक इसको सैनिक कारागार रखा गया। वर्तमान मे इस भवन मे 'पुरातत्व म्युज़ियम' स्थापित है। जिसमे प्राचीन अभिलेखो, सिक्को, चित्रो आदि का अमूल्य सग्रह है।

शाही हरम का दूसरा प्रमुख भवन 'रग महल' है। यह प्रमुख बेगम का निवास गृह हुआ करता था। भवन की पूर्वी दीवार मे पाच खिडकिया है। जहा से बेगमे हाथियो का युद्ध देख सकती थी। भवन के मध्य मे सगमरमर की एक नहर बनी है जिसमे स्थान स्थान पर फुहारे बने हैं। इन नहर का उद्गम एक विशाल फुहारे मे है। जिन पर फूल पत्तियो की अनोखी कारीगरी की गयी है। इस नहर को 'नहर-ए-बहिश्त' कहा जाता है।

'दीवान-ए-खास' तीन कमरो का एक समूह है। मध्य के कमरे से मिला एक बुर्ज है जिसे 'मुसम्मन बुर्ज' कहा जाता है। इस बुर्ज पर खडे होकर राजा अपनी प्रजा को दर्शन दिया करते थे। यह सारा भवन सफेद सगमरमर का बना हुआ है। मध्य के कमरे का आकार ४८' × २७'
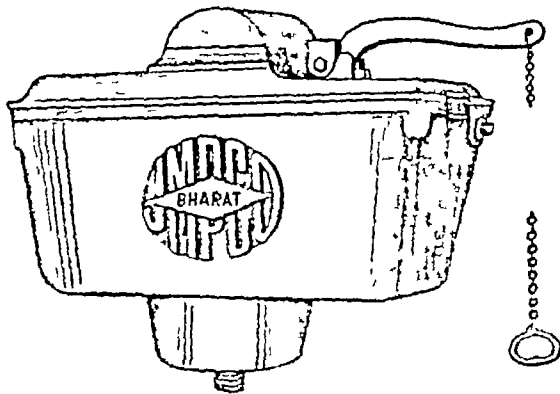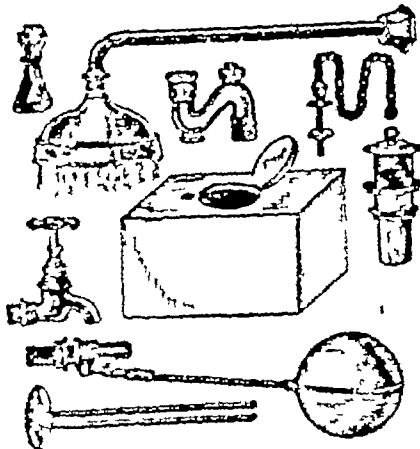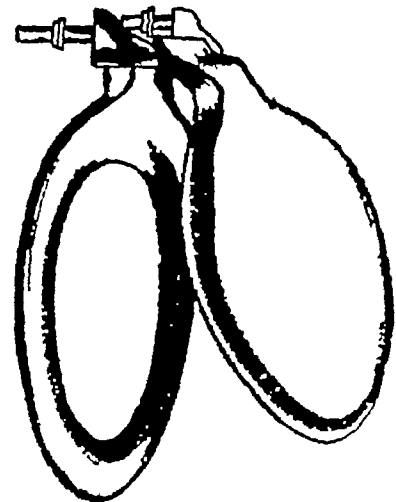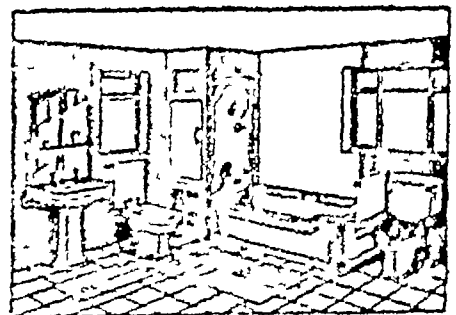
फुट है और इसकी छत पर सोने चादी का काम बना है। इसी भवन मे इतिहास प्रसिद्ध 'म्यूर सिंहासन' या 'तख्त-ए-ताउस' रखा रहता था। जिसकी लागत का अनुमान ९ करोड रुपया था। सन् १७३९ मे नादिरशाह इस सिंहासन को लूटकर ईरान ले गया।

'दीवान-ए-खास' के उत्तर मे शाही स्नानघर 'हम्माम' बना है। इस हम्माम मे नहाने के लिए ठडे व गर्म पानी था प्रवन्ध रहता था। गुलाव जल से सिंचित एक फुहारे का भी प्रवन्ध है। कहा जाता है कि इस हम्माम को एक वार गर्म करने के लिए १२५ मन लकडी की आवश्यकता होती थी।

शाहजहा ने अपने काल मे किले मे कोई मस्जिद नही बनवाई थी। परन्तु औरगजेव ने १६ लाख रुपये की लागत से 'मोती मस्जिद' का निर्माण करवाया। यह मस्जिद सफेद और भूरी धारी वाले सगमरमर के मेल से वनी है।

इनके अतिरिक्त किले मे 'हीरा महल', 'हयात वख्श उद्यान', 'सावन-भादो', 'जफर महल' आदि दर्शनीय है। किले के नीचे वना 'फासी घर' अब दर्शको के लिए वन्द कर दिया गया है।

२ **लाल मन्दिर**—लाल किले के लाहौरी दरवाजे के सामने ही श्री दिगम्वर जैन लाल मन्दिर है। इस मदिर का निर्माण भी शाहजहा के काल मे हुआ था। मन्दिर के अन्दर सन् १८४१ मे भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित भगवान पार्श्वनाथ की मूर्ति दर्शनीय है। मन्दिर के समक्ष एक मान-स्तम्भ का नवीन निर्माण हुआ है।

३ **पक्षियों का चिकित्सालय**—यह सस्था विश्व मे अपने प्रकार की एक ही सस्था है। इसके विशाल दो-मजिला भवन मे ऊपर की मजिल मे वीमार पक्षियो के निवास के लिए कई भागो मे वटा एक विशाल कक्ष है। कुशल चिकित्सको द्वारा यहा रोगी व घायल पक्षियो का इलाज किया जाता है।

४ **जैन साहित्य सदन**—लाल मन्दिर के बाहरी भाग मे यह विशाल पुस्तकालय स्थापित है। यहा पर जैन धर्म व तत्सम्बन्धी पुस्तको का सकलन किया जा रहा है। इस समय तक लगभग ७,००० अर्वाचीन व प्राचीन पुस्तकें एव हस्तलिखित शास्त्रादि सग्रहीत किये जा चुके हैं। यहा पर रिसर्च करने वालो के लिए अध्ययन की विशेष सुविधा है।

५. **आपा गगाधर का शिवालय**—यह लाल मदिर के निकट ही स्थापित है। यह 'गौरीशकर' के मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। इसका निर्माण मुगल काल मे हुआ था। मदिर के सामने के भाग मे हाल ही मे एक विशाल सभा भवन का निर्माण हुआ है।

६. **जामा मस्जिद**—यह देश की सवसे विशाल मस्जिद है। इसका निर्माण शाहजहा ने कराया था। यह मस्जिद लाल पत्थर व सगमरमर के मेल से बनायी गयी है। मस्जिद के अदर का चौक ३२५ फुट आकार का है। मीनारो की ऊचाई १३० फुट है। मस्जिद के मुख्य भवन की लम्बाई २०१ फुट व चौडाई १२० फुट है। कहा जाता है कि इस मस्जिद मे पैगम्वर मुहम्मद के अवशेष सुरक्षित रखे गये हैं जिससे इसकी पवित्रता वढ गई है।

७ **जैन मदिर, सेठ का कूंचा**—यह मन्दिर सन् १८३४ मे वना था। मन्दिर के अन्दर मुख्यवेदी के चारो ओर दीवारो पर कुशल चित्रकारो द्वारा अकित धार्मिक दृश्यावलिया दर्शनीय हैं। मूलनायक प्रतिमा भगवान ऋषभदेव की सन् ११९४ की प्रतिष्ठित है। मन्दिर के शास्त्र भडार मे लगभग १,४०० हस्तलिखित ग्रथ हैं।

८ **नया मदिर, धर्मपुरा**—इस मन्दिर का निर्माण सन १८०० मे राजा हरसुखराय ने कराया था जो कि वादशाह शाहआलम द्वितीय के खजाची थे। उस काल मे इसकी लागत का अनुमान आठ लाख रुपए था। मन्दिर की मुख्य वेदी पर सन् १६०७ मे प्रतिष्ठित भगवान आदिनाथ की भव्य मूर्ति विराजमान है। इस मदिर मे स्फटिक, मरकत व नीलम आदि की प्रतिमायें दर्शनीय हैं। मूल वेदी की पच्चीकारी का काम ताजमहल की पच्चीकारी से भी सुन्दर कहा जाता है।

९. **पचायती मदिर**—यह मन्दिर धर्मपुरा मे आगे गली मस्जिद खजूर मे स्थित है। इसका निर्माण सन् १७४३ में मुहम्मदशाह द्वितीय के सैनिक पदाधिकारी मायामल ने कराया था। इस मदिर मे भगवान पार्श्व-नाथ की श्यामवर्ण पाषाण से निर्मित ५ फुट ६ इच ऊची

प्रतिमा दर्शनीय है। इस मन्दिर मे अनेक रत्न प्रतिमायें भी विराजमान हैं।

१०. मेहर मन्दिर—यह मदिर मस्जिद खजूर के वाहर स्थित है। इसमे नदीश्वर द्वीप के ५२ चैत्यालयो की अपूर्व रचना दर्शनीय हैं।

११. पद्मावती पुरवाल मन्दिर—यह मेहर मदिर के पास ही स्थित है। इसका निर्माण सन् १९३६ मे पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन समाज ने किया।

१२ नौघरा मन्दिर—यह मन्दिर किनारी वाजार के मुहल्ला नौघरा मे स्थित है। इसका निर्माण शाहजहा के राज्यकाल मे हुआ। मन्दिर मे भगवान पार्श्वनाथ की श्याम पापाण से निर्मित चतुर्मुखी प्रतिमा दर्शनीय है। मन्दिर के भवन मे स्वर्ण चित्रकारी भी है।

१३. वैद्यवाडा मदिर—यह मदिर नई सडक से आगे वैद्यवाडा मुहल्ले मे स्थित है। इस मदिर मे स्फटिक आदि वहुमूल्य पापाणो से निर्मित २००-२५० प्राचीन मूर्तिया दर्शनीय हैं। मन्दिर के शास्त्र भडार मे अनेक हस्तलिखित ग्रथ भी हैं।

१४ दरीवा कला—यह जामा मस्जिद और चादनी चौक को मिलाने वाली मुख्य सडक है। दोनो ओर सुदर दुकानें हैं जिनमे अधिकतर जौहरी व सर्राफ व्यापारी होने के कारण यह दिल्ली का सर्व प्रमुख सर्राफा वाजार समझा जाता है।

१५. शीशगज गुरुद्वारा—दरीवा कला से चादनी चौक मे पहुचने पर यह वाए हाथ पर कोतवाली के साथ ही स्थित है। औरंगजेव के समय सन् १६२५ मे इसी स्थान पर नवें गुरु श्री तेग वहादुर का वलिदान हुआ था। वर्तमान भवन का निर्माण प्रथम महायुद्ध के अन्त मे हुआ था।

१६ फौहारा—यह चादनी चौक मे कोतवाली के सामने स्थित है। १८५७ के स्वातन्त्र्य संग्राम के समय इस स्थान पर कुछ पेडो का समूह था जिन पर रस्सिया डाल-कर देशभक्तो को फासिया दी गयी थीं। बाद मे कटु स्मृति को भुलाने के लिए उन पेडो को काटकर उस स्थान पर एक विशाल और सुन्दर फुहारे का निर्माण किया। आज कल यह स्थान पारागमन का एक प्रमुख स्थान है। यहा से दिल्ली के हर भाग के लिए दिल्ली परिवहन की वस प्राप्य हो सकती है।

१७ मारवाड़ी पुस्तकालय—इस पुस्तकालय की स्थापना सन् १९१५ मे हुई थी। यह क्रातिकारियो की योजनाओ का एक प्रमुख स्थान रहा है। इस पुस्तकालय मे आजादी के इतिहास से सबधित पुस्तको का एक विशाल सग्रह था जो दमन काल मे नष्ट कर दिया गया। आजकल यह दिल्ली के सर्वप्रमुख पुस्तकालयो मे से एक है।

१८ सुनहरी मस्जिद—यह रोशन-उद्-दौला की सुनहरी मस्जिद के नाम से प्रसिद्ध है और मारवाडी पुस्त-कालय के सामने स्थित है। इस मस्जिद के गुम्वदो पर सुनहरा पानी चढ़ा होने के कारण ही इसका नाम 'सुनहरी मस्जिद' पडा। कहा जाता है कि इसी मस्जिद मे नादिर-शाह ने अपनी तलवार उठाकर दिल्ली मे कत्ले आम की घोषणा की थी और यही से शहर के विनाश का दृश्य देखा था।

१९ चादनी चौक—यह पुरानी दिल्ली का सर्व प्रमुख वाजार है। यह लाल किले के लाहौरी गेट के सामने लाल मन्दिर से आरम्भ होकर एक मील तक फतहपुरी मस्जिद के सामने जाकर समाप्त होता है। किसी जमाने मे इस वाजार के वीचोवीच एक पक्की नहर वनी थी जो अव पाट दी गयी है। दिल्ली की समस्त पुरानी फर्मो के मुख्य कार्यालय अधिकतर इसी वाजार मे स्थित हैं। इसी वाजार मे किसी समय पुराना घटाघर स्थित था जो सन् १९५१ में गिर गया।

२० महावीर भवन—यह दिल्ली के श्वेताम्वर जैनो की कार्य विधि का एक प्रमुख केन्द्र है। इसी भवन मे महावीर जैन पुस्तकालय स्थापित है जिसमे जैन धर्म व तत्सम्वन्धी पुस्तको का अमूल्य सकलन है। यहा पर जैन मुनियो व साध्वियो के ठहरने आदि की वहुत सुन्दर व्यवस्था है।

२१ टाउन हाल—यह चादनी चौक के मध्य में वना एक दो मंजिला भवन है। पुरानी दिल्ली की अधि-कांश सांस्कृतिक कार्यवाहिया इसी भवन के विशाल 'दरबार हाल' में सम्पन्न होती हैं। आजकल यहा दिल्ली नगर निगम का मुख्य कार्यालय स्थापित है।

२२. फतहपुरी मसजिद—यह मस्जिद चादनी चौक के अन्त मे वाजार फतहपुरी के मध्य मे स्थापित है। इसका निर्माण शाहजहा की एक पत्नी 'फतहपुरी वेगम' ने करवाया था। मस्जिद का प्रागाढ वहुत विशाल है।

२३ वेगम वाग या गाधी पार्क (क्वींस गार्डन)—यह वाग दिल्ली के प्राचीन विशाल वागो मे से एक है और दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने फतहपुरी से आरम्भ होकर फुहारे तक जाता है। इसका निर्माण शाहजहाँ की पुत्री और औरगजेव की वहन जहानआरा वेगम ने कराया था। किसी समय मे इस वाग मे यात्रियो के ठहरने के लिए एक विशाल सराय थी। अव इस वाग के मध्य मे नवीन निर्माण किया गया है और महात्मा गाधी की एक मूर्ति स्थापित की गयी है।। इस वाग के फतहपुरी वाले भाग मे प्रदर्शनियो का स्थान है और फुहारे वाले भाग मे एक विशाल मैदान है जहा सभा आदि होती है।

२४ दिल्ली पब्लिक पुस्तकालय—इस पुस्तकालय की स्थापना हाल ही मे हुई है तदापि सरकारी और विदेशी सहायता के कारण यह दिल्ली का सर्व प्रमुख पुस्तकालय एव वाचनालय वन गया है। यहा पर सास्कृतिक कार्यक्रमो मे रुचि रखने वालो के लिए एक रगशाला भी है।

२५ हार्डिग पुस्तकालय—यह विशाल पुस्तकालय गाधी पार्क के फुहारे वाले भाग मे वना है। यहा एक विशाल वाचनालय के अतिरिक्त अनुसधान कार्य करने वालो के लिए पढने के स्थान का विशेष प्रवन्ध है। भवन के सामने एक विशाल अशोक स्तम्भ का निर्माण किया जा रहा है।

२६ सलीमगढ़—लाल किले के उत्तरी सिरे पर इस किले के खडहर अव भी दिखाई देते हैं। यह किला शेरशाह सूरी के पुत्र सलीमशाह ने १६ वी शताब्दी के मध्य मे हुमायू के आक्रमण से सुरक्षा के लिए वनवाया था। जहागीर ने अपने राज्यकाल मे इस किले के साथ एक पुल भी वनवाया जिस पर आजकल रेल की लाइन है।

२७ दिल्ली पालीटेक्निक—यह कश्मीरी गेट के पास एक प्राचीन भवन मे स्थित है। यहा पर दिल्ली के विद्यार्थियो के लिए विभिन्न कला कौशल के अध्ययन का प्रवन्ध है

२८ सेंट जेम्स चर्च—यह गिरजाघर काफी प्राचीन है। कहा जाता है कि 'जेम्स स्किनर' नामक एक अग्रेज कर्नल ने युद्ध मे शोचनीय रूप से घायल होने पर यह प्रण किया कि यदि उसकी जान वच गयी तो वह एक गिरजाघर वनवायेगा। अच्छा हो जाने पर कर्नल और उसके सम्वन्धियो द्वारा प्रदत्त धन से इस गिरजे का निर्माण हुआ।

२९ कश्मीरी द्वार—दिल्ली के प्राचीन ९ द्वारो मे से वाकी वचे दो द्वारो मे से यह भी एक है। इसके दोनो ओर वनी प्राचीर भी अभी तक वर्तमान है। उचित देखभाल के अभाव मे आजकल इस द्वार की स्थिति जर्जर हो गयी है। सन् १८५७ मे इस द्वार पर कब्जा करने के लिए तोपो ने इस पर भीषण गोली वर्षा की थी।

३०. कुदसिया वाग—यह वाग कश्मीरी द्वार के वाहर स्थित है। इसका निर्माण मुहम्मद शाह रगीले की पत्नी 'कुदसिया वेगम' ने सन् १७४८ मे कराया था।

३१ पुराना सचिवालय—नयी दिल्ली वनने से पहले यह सरकार का मुख्य कार्यालय था। यह दिल्ली के प्राचीन भव्य भवनो मे से एक है। आजकल यहा केन्द्रीय सरकार के कुछ कार्यालय स्थापित

३२ जीतगढ टावर—यह मीनार दिल्ली विश्वविद्यालय के पास एक पहाडी पर स्थित है। इसका निर्माण अग्रेजो ने सन् १८५७ के क्रान्ति के दमन के उपरान्त कराया था। यह लाल पत्थर की वनी तिमजिला मीनार है जिसमे ऊपर तक जाने के लिए पत्थर की चक्करदार सीढिया वनी हैं।

३३ दिल्ली विश्वविद्यालय—इस विश्वविद्यालय की गणना दिल्ली के प्रमुख विश्वविद्यालयो मे की जाती है। इस के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयो के भवन एक ही क्षेत्र मे वने हैं। यहा पर विभिन्न विषयो की शिक्षा का प्रवन्ध है।

३४. जैन मन्दिर रूपनगर—यह मन्दिर सन् १९६१ मे वन कर कर तैयार हुआ। इसका निर्माण पजाव से आए हुए जैनो की सस्था श्री 'आत्मानन्द जैन सभा' द्वारा हुआ। मन्दिर का विशाल एव कलात्मक भवन दर्शनीय है।

३५ कारोनेशन पिलर—यह दिल्ली विश्वविद्यालय से आगे चलकर, रेडियो कालोनी की सड़क के [illegible] ओर

पर स्थित है। यह वह स्थान है जहा पर किसी समय दरबार लगाया गया था। उसी के स्मृति स्वरूप इस पत्थर के विशाल स्तम्भ का निर्माण किया गया। इसके चारो ओर ऊचे बाध पर बबूल का वन लगाया गया है।

३६ **बादली की सराय**—ग्राड ट्रक रोड से करनाल की ओर से आते हुए आजादपुर और इन्द्रानगर के बीच सराय भरौला मे इस विशाल सराय के खडहर दिखायी पडते हैं। किसी समय यह व्यापार का एक प्रमुख केन्द्र थी।

३७ **शालीमार बाग**—माडल टाउन से आगे करनाल रोड पर इस विशाल बाग के भग्नावशेष स्थित हैं। ३०० वर्ष पूर्व शाहजहा की पत्नी 'बेगम अकबराबादी' ने इसका निर्माण कराया। पुराने ग्रन्थो मे इस विशाल बाग की सुन्दरता का विवरण पाया जाता है। इसका निर्माण कश्मीर के बागो के अनुरूप हुआ था। अब भी विशाल बारहदरी के चिह्न दिखाई देते हैं।

३८ **त्रिपोलिया द्वार**—शालीमार बाग से जी टी रोड पर आते हुए राना प्रताप बाग के सामने तीन प्राचीन द्वारो का समूह स्थित है। इन द्वारो का निर्माण सन १७२८-२९ मे एक मुगल सरदार 'नजीर महालदार खा' ने कराया था। किसी समय इन द्वारो के आगे एक विशाल प्राचीन बाजार था।

३९ **रूपराम टावर**—वह टावर सब्जी मण्डी के बाजार मे स्थित है और इसका निर्माण एक स्थानीय व्यवसायी ने कराया था। इस टावर मे चारो ओर विशाल घडिया लगी हैं।

४० **रोशनआरा बाग**—इसका निर्माण शाहजहा की पुत्री 'रोशनआरा बेगम' ने कराया था। बाग के सुन्दर द्वार के भग्नावशेष अब भी स्थित हैं। अन्दर की विशाल बारहदरी अभी अच्छी हालत मे है। आजकल इस बाग के मध्य मे कई लाख रुपयो की लागत से एक जापानी तरीके का बाग बनाया जा रहा है।

४१ **दिल्ली मिल्क कालोनी**—इसका निर्माण ईस्ट पटेल नगर के पास एक विशाल क्षेत्र मे किया गया है। यह भारत की इसकी सब से विशाल डेरी है और यहा से नगर को दूध व तत्सम्बन्धी पदार्थ शुद्ध रूप मे उपलब्ध किये जाते है।

४२ **भारतीय कृषि अनुसधान शाला**—यह पूसा मे एक विशाल क्षेत्र मे स्थित है। यहा पर कृषि सम्बन्धी समस्याओ को सुलझाने के लिए खोज कार्य होता है।

४३ **राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एन पी एल)**—यह पूसा के पास पहाडी पर स्थित है। यहा राष्ट्रीय भौतिक गवेषणा का कार्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है।

४४ **बुद्ध जयन्ती पार्क**—यह ईस्ट पटेल नगर के पास पहाडी पर बनाया जा रहा है। यहा पर सुन्दर उद्यानो के अतिरिक्त नहर व जलाशय आदि भी बनाये जा रहे है।

४५ **तालकटोरा बाग**—यह शकर रोड से बिरला मन्दिर जाने वाले मार्ग पर स्थित है। यहा पर अनेक सास्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन होता है। बाग अब भी सुन्दर स्थिति मे है।

४६ **लक्ष्मीनारायण मन्दिर**—पहाडी से नीचे उतर कर यह मन्दिर स्थित है। इसका निर्माण प्रसिद्ध उद्योगपति श्री बिरला ने कराया है। मन्दिर के साथ गीता भवन, व्यायाम शाला, बौद्ध मन्दिर व उद्यान आदि दर्शनीय है।

४७ **हरिजन बस्ती प्रार्थना स्थल**—यह स्थान हरिजन बस्ती के मध्य मे स्थित है। यहा महात्मा गाधी की प्रार्थना सभा हुआ करती थी।

४८ **राष्ट्रपति भवन**—अग्रेजी जमाने मे यहा वायसराय का निवास था। आजकल यहा भारत के राष्ट्रपति के रहने के साथ साथ विशेष विदेशी आभ्यागतो के निवास की भी व्यवस्था है।

९ **मुगल उद्यान**—यह प्रसिद्ध उद्यान राष्ट्रपति भवन के एक भाग मे स्थित है। यहा पर देशी-विदेशी सहस्रो प्रकार के फूल व वृक्ष उगाये गये है। वर्ष मे कई बार निश्चित अवधियो के लिए यह दर्शको के लिए खोला जाता है।

५० **ससद भवन**—यहा का विशाल गोलाकार भवन वास्तव मे दिल्ली का प्रतीक बन गया है। भवन के विशाल कक्ष मे राज्य सभा व लोक सभा के सदस्यो के बैठने के लिए अब गोलाकार रूप मे [illegible] सुविधा बनी है। भवन के चारो ओर के भवनो मे विभिन्न कार्यालय है।

५१ संसद पुस्तकालय—यह दिल्ली के सर्व प्रमुख पुस्तकालयो मे से एक है। यहा पर कानून व न्याय की पुस्तको का विशाल सकलन है।

५२ नेशनल म्युजियम ग्राफ इडिया—यह राष्ट्रपति भवन के एक भाग मे स्थित है। यहा अनेक अलभ्य वस्तुओ का दुर्लभ सकलन है। यह प्रात १० से ५ तक खुला रहता है।

५३ विजय चौक—राष्ट्रपति भवन के सामने यह एक विशाल चौक है जिसमे दोनो ओर सुन्दर लाल पत्थर के फुहारे बने है। यहा से इडिया गेट तक एक चौडा राजपथ है जिसके दोनो ओर केन्द्रीय सरकार के विभिन्न मत्रालयो के भवन स्थित हैं जिनमे रेल भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन, वायुसेना भवन, विज्ञान भवन आदि बनकर तैयार हो चुके हैं।

५४ आकाश वाणी—यह ससद भवन के सामने पार्लियामेट मार्ग पर स्थित है। इसका तिकोना भवन अनोखा बना है। यहा से देश के समस्त रेडियो केन्द्रो का सचालन होता है।

५५ रिजर्व बैंक ग्राफ इडिया—यह आकाशवाणी के सामने स्थित एक विशाल भवन है। यह बैंक के अतिरिक्त अनेक पू जी सम्बन्धी सरकारी कार्यालय स्थित हैं।

५६ जतर मंतर—रिजर्व से आगे एक सुन्दर पार्क मे यह विभिन्न आकार प्रकार की इमारतो का समूह है। इसका निर्माण जयपुर के प्रसिद्ध राजा जयसिह द्वितीय ने कराया था। यह पर नक्षत्र सम्बन्धी खोज की जाती थी। भारत मे राजा जयसिह ने विज्ञान की खोज के लिए इस प्रकार की चार वेधशालाओ का निर्माण कराया था।

५७ नयी दिल्ली टाउन हाल—यह जतर मतर के सामने स्थित है। यहा पर नयी दिल्ली नगर सभा के विभिन्न कार्यालय स्थित हैं।

५८. कनाट प्लेस—यह नयी दिल्ली का विश्व प्रसिद्ध बाजार है। यहा पर एक विशाल गोलाकार रूप मे दो

मजिला भवन वने हुए है। अन्दर के भाग को कनाट प्लेस कहते हैं जिसके मध्य मे एक सुन्दर गोल पार्क वना है। वाहर के भाग मे एक और वाजार वना है जिसे कनाट सर्कस कहते हैं।

५६ **हनुमान मन्दिर**—यह दिल्ली के प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिरो मे से एक है। यहा मगल के दिन दूर दूर से दर्शनार्थी आते हैं। इस मन्दिर के पास वाली सडक को हनुमान रोड कहते हैं।

६० **निशिया जी**—यह नयी दिल्ली के जैनियो की सास्कृतिक गतिविधियो का प्रमुख केन्द्र है और जैन मदिर मार्ग पर स्थित है। यहा पर विशाल परकोटा है जिसके चारो ओर गुम्वज वने हैं। मध्य के एक ओर जैन मन्दिर स्थित है।

६१. **खडेलवाल जैन मन्दिर**—यह जयसिंहपुरा जैन मदिर के नाम से भी विख्यात है। यहा पर ५०० वर्षो से भी प्राचीन जैन मूर्तिया स्थापित हैं।

६२ **अग्रवाल जैन मन्दिर**—यह उपर्युक्त मन्दिर के पास ही स्थित है और छोटे मन्दिर के नाम से विख्यात है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय के पुत्र राजा सुगनचन्द्र ने सन् १८०७ मे कराया था। मन्दिर मे मूलनायक प्रतिमा भ० चन्दा प्रभु जी की विराजमान है। मन्दिर जी के शास्त्र भडार मे लगभग १,००० ग्रथो का अनमोल सग्रह है।

६३ **नेशनल आर्काइव्ज**—यह अब 'सेंट्रल एशियन एटीक्यूटीज म्युजियम' कहलाता है और जनपथ पर स्थित है। यहा पर सर 'आरेल स्टीन' द्वारा मध्य एशिया से प्राप्त पुरातत्वो का सग्रह दर्शनीय है।

६४. **आर्केलाजीकल सर्वे आफ इण्डिया**—यह जनपथ पर इडिया गेट के दूसरी ओर स्थित है। यहा पर १९४६ से भारतीय पुरातत्व की वस्तुओ का दुर्लभ सग्रह एकत्रित किया जा रहा है। यहा एक विशाल पुस्तकालय और राष्ट्रीय अभिलेखागार भी है।

६५ **विज्ञान भवन**—यह भवन नयी दिल्ली मे होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय कार्यविधियो का केन्द्र है। यहा का विशाल हाल दर्शनीय है।

६६ **चाणक्यपुरी**—इस नयी बस्ती मे समस्त प्रमुख दूतावासो ने अपने अपने दर्शनीय भवन बनाये हैं।

६७ **अशोक होटल**—यह चाणक्यपुरी के पास ही स्थित है। यह भारत का सबसे विशाल होटल कहा जाता है और भारत भ्रमण के लिए आने वाले विदेशी पर्यटको के लिए इसका निर्माण किया गया है।

६८. **घुडदौड का मैदान**—यह किसी समय नयी दिल्ली का एक प्रमुख केन्द्र था। अब भी यहा पर कभी कभी घुडदौड होती रहती है।

६९ **सफदरजग का मकबरा**—यह मदरसा के नाम से प्रसिद्ध है। यह मकबरा एक विशाल परकोटे के अदर स्थित है। मकबरे का विशाल भवन कई मजिल ऊचा है और चारो ओर नहरें बनी है।

७० **हवाई अड्डा**—यह मकबरे के साथ ही बना है और दिल्ली के असैनिक उड्डयन का प्रमुख केन्द्र है। दिल्ली फ्लाइग क्लब भी यही स्थित है।

७१ **आल इण्डिया मेडिकल इन्स्टीच्यट**—यह दिल्ली मे बनने वाली सर्व प्रमुख चिकित्सा सस्था है और फैक्टरी रोड के पास रिग रोड पर स्थित है। यहा असाध्य रोगो की चिकित्सा सम्बन्धी खोज की जाती है।

७२ **मोठ की मस्जिद**—यह कुतुब जाने वाले मार्ग पर स्थित एक सुन्दर मस्जिद है। कहा जाता है कि एक बार नमाज पढ़ते समय सिकन्दर लोदी को एक मोठ का दाना पडा मिला। उसने वह अपने मन्त्री को दे दिया। मन्त्री ने उसको बोकर मोठ [illegible] कई साल बाद काफी रकम इकट्ठा करके इस मस्जिद का निर्माण कराया।

७३ **हौज खास**—इस विशाल तालाब का निर्माण अलाउद्दीन ने ७० एकड़ भूमि पर कराया था। इस विशाल जलाशय को बनाने का उद्देश्य पास की बस्ती के लिए जल उपलब्ध करना था। कहा जाता है १३९८ मे तैमूर ने दिल्ली पतन के पश्चात् यहा विश्राम किया था। फिरोज-शाह तुगलक ने इस ताल की मरम्मत करायी और यहा एक मदरसा भी बनवाया।

७४ **फिरोज शाह का मकबरा**—यह हौज खास के दक्षिणी दिशा मे स्थित है। यह भवन कला का एक सुन्दर नमूना है और अभी तक अच्छी दशा मे है।

७५ **कुतुब मीनार**—यह २३८ फुट ऊची पाच मजिला मीनार है। कहा जाता है कि इसका निर्माण पृथ्वीराज चौहान के काल मे हुआ और इसे 'यमुना स्तम्भ' कहते थे। वर्तमान काल मे मुगल शासको ने इसमे इतने परिवर्तन किए कि अब इसमे हिन्दू स्थापत्य कला के चिन्ह दृष्टिगोचर भी नही होते।

७६ **अलाई मीनार**—कुतुब से उत्तर मे ५०० फुट दूर इस अधबनी मीनार का खडहर है। कहा जाता है कि अलाउद्दीन खिलजी इस मीनार को कुतुब मीनार से भी भव्य बनाना चाहता था। इसी मीनार को देखकर यह प्रतीत होता है कि वास्तव मे कुतुब मीनार का निर्माण हिन्दू काल मे हुआ था। क्योकि यदि कुतुबुद्दीन एवक मीनार बनवा सकता था तो उससे अधिक समर्थ अला-उद्दीन मीनार क्यो न बनवा सका ?

७७ **पार्श्वनाथ मदिर**—यह वह स्थान है जिसको आजकल 'कुव्वत-उल-इस्लाम' मस्जिद कहते है। मदिर की दीवारो की पच्चीकारी और जैन मूर्तियो के चिन्ह अब भी शेष हैं। इस मन्दिर का निर्माण तोमरवशी राजा अनगपाल तृतीय के मन्त्री अग्रवाल वंशी साहू नट्टल ने सन ११३२ मे पूर्ण करवाया था।

७८ **लोह स्तम्भ**—यह प्राचीन भारत की कला का प्रतीक ठोस लोहे का १६ इन्च मोटा व २४ फुट ऊचा स्तम्भ है। इस पर अंकित लेख से पता चलता है कि इसका निर्माण चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने चौथी शताब्दी मे कराया। यह लोहा समस्त वैज्ञानिक प्रयोगो द्वारा ऐसा शुद्ध किया गया है कि इस पर वातावरण का कुछ प्रभाव नही होता।

७९ **अल्तमश का मकबरा**—यह सन् १२११-१२३६ मे बना और पार्श्वनाथ मन्दिर के पीछे स्थित है। इस मकबरे की दीवारो पर कुरान अंकित है। यह भारत का सबसे प्राचीन मकबरा है।

८० **अलाई दरवाजा**—यह कुतुब मीनार से ४० फुट की दूरी पर स्थित लाल पत्थर का सुरुचि पूर्ण द्वार है इसका निर्माण १३१० मे अलाउद्दीन ने कराया। यह पठान वश द्वारा निर्मित अन्तिम इमारत है।

८१ **भूल भूलैया**—यह स्थान कुतुब के पास महरौली गाव मे है। यह वास्तव मे अकबर के सौतेले भाई आदम खा का मकबरा है। किन्तु अनेक टेढे-मेढे मार्गो के कारण 'भूल भुलैया' कहलाता है।

८२ **सूरज कुंड**—यह स्थान कुतुब-बदरपुर मार्ग पर स्थित है और दिल्ली के हिन्दू साम्राज्य का प्रतीक है। यह कुंड एक ऊचे टीले पर स्थित है। किसी समय इसके किनारे सूर्य देवता का एक विशाल मन्दिर स्थित था। कहा जाता है कि तोमर वश से पहले वास्तविक दिल्ली यही स्थित थी।

८३ **किला राय पिथौरा**—इसे 'लाल कोट' भी कहते है। यह किला मूल रूप से राजा अनग पाल ने बनवाया था। सन १४५०-१४६० के मध्य मे चौहानो ने तोमरवश को हरा कर दिल्ली पर अपना अधिकार कर लिया। पृथ्वीराज चौहान ने किले का नव निर्माण किया। प्राचीन दिल्ली का शहर इसी किले के पास बसा हुआ था। इस किले के खडहर तुगलकाबाद से लगभग ३ मील दूर है।

८४. **विजय मडल**—यह मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा बनवाए गए शहर 'जहानपनाह' के अवशेषो मे स्थित एक विशाल पत्थर की मीनार है। मीनार की ऊपरी मजिल पर एक कमरा था जिसकी छत अब गिर गयी है। यह स्थान शायद फौजो का निरीक्षण करने के लिए बनाया गया था। बेगमपुर की प्रसिद्ध मस्जिद भी पास मे ही स्थित है।

८५. **दादा बाडी**—यहा दादा गुरु श्री मणीधारी जी के चरण अंकित है। अभी हाल मे यहा पर अनेक सुन्दर दृश्यो का अंकन किया गया है। जिनमे नन्दिद्वीप आदि की झाकी दर्शनीय हैं।

८६ **जोगमाया**—जोगमाया का प्रसिद्ध मन्दिर कुतुब और दादाबाडी के पास ही स्थित है। अपनी मानता के कारण दूर-दूर से दर्शनार्थी इस मन्दिर मे जोगमाया के दर्शनो के लिए आते रहते है।

८७. **ओखला**—कुतुब से वापस आने पर एक मार्ग ओखला [illegible] की ओर जाता है। [illegible]

प्रसिद्धि मनोरजन का स्थान है। यहा जमुना नदी पर ब[illegible] बनाकर एक नहर निकाली गयी है। पानी के किनारे-किन[illegible] बैठने के लिए सुन्दर स्थान बने हैं।

८८ **जामिया मिलिया**—ओखला वापस लौटते सम[illegible] भारत मे इस्लामी शिक्षा का यह प्रमुख केन्द्र दाई ओ[illegible] पडता है। यह विश्व विद्यालय नई तालीम सम्बन्धी अप[illegible] प्रयोगो और राष्ट्रीय प्रवृत्तियो के लिए प्रसिद्ध हैं।

८९ **निजामउद्दीन**—हजरत निजामउद्दीन औलि[illegible] भारत के एक प्रसिद्ध सूफी सन्त थे। उनकी दारगाह [illegible] निर्माण सन १२६६-१३१६ के मध्य मे अलाउद्दीन खिल[illegible] के काल मे हुआ था।

९० **हुमायूं का मकबरा**—यह मथुरा रोड पर पुरा[illegible] किला के पास स्थित है। मकबरे के चारो ओर एक सुन्द[illegible] उद्यान है जिसे 'चार बाग' कहते हैं। इसी मकबरे के पा[illegible] नाई का मकबरा और 'नीली छतरी' आदि दर्शनीय हैं। इ[illegible] मकबरे का निर्माण हुमायू की विधवा पत्नी 'हाजी बेगम' [illegible] फारस के एक कारीगर 'मिरजा ग्यास' से करवाया था [illegible] यह सन १५६४ मे बनना आरम्भ होकर १५६९ मे पू[illegible] हुआ और इस पर लगभग १५ लाख रुपए खर्च हुए।

९१ **पुराना किला**—यह मथुरा रोड पर स्थित है [illegible] इसे कौरव-पाण्डवो का किला भी कहते है। इतिहास के अनुसार इस किले का निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाय[illegible] था। किले की दीवारें ६० फुट ऊची एवम ५० फुट मोटी बनी हैं। किले का घेरा लगभग २ मील का है। किले के अन्दर 'कुहाना मस्जिद' व 'शेर मडल' देखने योग्य है।

९२ **चिडिया घर**—यह पुराने किले के पास ही [illegible] विशाल क्षेत्र पर बडे सुव्यवस्थित ढग से बनाया गया है [illegible] इसका निर्माण प्रसिद्ध जरमन विशेषज्ञ 'हेगनबेक' की देख[illegible] रेख मे हुआ है। यहा पर अनेक प्रकार के पशु-पक्षी [illegible] रखे गये है।

९३ **प्रदर्शनी मैदान**—मथुरा रोड पर स्थित यह मैदान दिल्ली मे होने वाली समस्त विशाल प्रदर्शनियो का केन्द्र है। बहुत से दूतावासो ने यहा पर अपने सुन्दर भवन निर्माण करा लिए है।

९४ **उच्चतम न्यायालय**—इसका दफ्तर [illegible] विशाल भवन प्रदर्शनी मैदान के ठीक सामने है। [illegible]

९५ कोटला फीरोजशाह—यह स्थान दिल्ली गेट के पास मथुरा रोड पर स्थित है। यह किला लगभग ६०० वर्ष पुराना है। यहा पर किले के अन्दर 'अशोक स्तम्भ' दर्शनीय है। यह स्तम्भ नीचे के भाग मे १० फुट १० इच आयत का और ४२ फुट ७ इच ऊचा है।

९६ वाल भवन—यह कोटला के पास स्थित है। यहा वच्चो के लिए विशेष खेलो का प्रवन्ध है। यहा की सवसे प्रमुख वस्तु वच्चो की रेलगाडी है जो लोहे की पटरी पर चलती है।

९७. इण्डिया गेट—यह नई दिल्ली का केन्द्र स्थल है। विशाल पत्थर के द्वार के दोनो ओर पत्थर के फुहारे और नहरें हैं। रात मे इन फुहारो की रग विरगी रोशनी दर्शनीय है।

९८ नेशनल स्टेडियम आदि—दिल्ली मे खेलो के तीन प्रसिद्ध स्थान है। इनमे इडिया गेट के सामने वना नेशनल स्टेडियम सवसे वडा क्रीडागार है और राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओ का स्थान है। दूसरा विलिंगटन पवेलियन क्रिकेट मैचो का स्थान दिल्ली गेट के पास है। तीसरा फुटवाल स्टेडियम भी दिल्ली गेट के पास स्थित है। यहा समय समय पर खेल प्रतियोगिताए होती रहती है।

९९ खूनी दरवाजा—यह दरवाजा दिल्ली गेट और कोटला फिरोजशाह के मध्य स्थित है। कहा जाता है कि शेरशाह के समय मे दिल्ली नगर का मुख द्वार था। इस दरवाजे को 'खूनी दरवाजा' कहते है क्योकि १८५७ के विप्लव मे मेजर हडसन ने तीन राजकुमारो को इसी स्थान पर गोली से उडा दिया था।

१०० दरियागज की जैन सस्थायें— दरियागज मे 'जैन वाल आश्रम' और 'समतभद्र विद्यालय' दो अति प्राचीन जैन शिक्षण सस्थाए हैं। इनके अतिरिक्त 'वीर सेवा मदिर' व 'अहिंसा मन्दिर' दो साहित्यिक सस्थाए हैं। वीर सेवा मन्दिर मे जैन विषयो पर अनुसधान की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। यहा से उच्चकोटि के धार्मिक ग्रन्थो का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

१०१ राजघाट—यहा पर ३१ जनवरी १९४८ को महात्मा गाधी का दाह सस्कार किया गया था। उसी स्थान पर सुन्दर एवम् शान्त वातावरण मे एक विशाल समाधि स्थल का निर्माण किया जा रहा है।

भारत के प्रमुख जैन तीर्थ

उत्तर भारत

१ कैलाश (सिद्धक्षेत्र)—यह क्षेत्र तिब्बत मे अवस्थित है। यहा के लिए उत्तर रेलवे के ऋषिकेश स्टेशन से बस द्वारा जोशीमठ जाकर वहा से पैदल यात्रा करते हुए 'नीती' की घाटी को पार करके जाते हैं। इसके अतिरिक्त भी अन्य कई मार्ग हैं। 'मानसरोवर' से लगभग २० मील की दूरी पर यह पर्वत है। यहा से युग प्रवर्तक तीर्थकर भगवान ऋषभदेव ६०० मुनिराजो के साथ मोक्ष पधारे थे।

२ बद्रीनाथ पुरी—यह प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र जोशीमठ से २० मील आगे पैदल मार्ग पर स्थित है। यहा पर मुख्य मन्दिर मे पार्श्वनाथ स्वामी की श्याम पाषाण से निर्मित एक खण्डित मूर्ति पद्मासन मुद्रा मे स्थापित है। अब भी इस मूर्ति के दो दर्शन कराये जाते हैं, एक सजाकर शृङ्गार रूप मे और दूसरे नग्न रूप मे जो कि श्वेताम्बर व दिगम्बर मान्यता के प्रतीक हैं।

३ पौडी-श्रीनगर—यह स्थान ऋषिकेश-जोशीमठ बस मार्ग पर अलकनन्दा नदी के किनारे पर स्थित है। यह नगर किसी समय गढवाल प्रदेश का सबसे समृद्ध नगर था और यहा के राजाओ की राजधानी था। यहा पर नदी के किनारे एक रमणीक और विशाल क्षेत्र मे विशाल शिखर युक्त दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। यहा भगवान आदिनाथ की एक मूर्ति जैन सम्वत् १ की अर्थात् २५०० वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। इस मन्दिर को टेहरी गढवाल के राजाओ की ओर से सहायता मिलती थी। जब गोरखो ने गढवाल विजय किया उसके बाद भी मन्दिर को सहायता मिलती रही। सन् १८२४ मे जब यह प्रदेश अंग्रेजो के कब्जे मे आया तो उन्होंने २० वर्ष की सहायता इकट्ठी देकर आगे को बन्द कर दी। वर्तमान मे यह समस्त गढवाल प्रदेश मे स्थित एकमात्र बचा हुआ जैन मन्दिर है।

४ दिल्ली—यह ऐतिहासिक नगर व भारत की राजधानी उत्तर, मध्य व पश्चिम रेलवे लाइनो का जक्शन स्टेशन है। यह प्राचीन काल से जैन सस्कृति का केन्द्र रहा है, और आज भी है जैसा कि इस डायरेक्टरी के पिछले पृष्ठो से प्रगट है।

५ हस्तिनापुर (अतिशय क्षेत्र)—मेरठ शहर से २२ मील की दूरी पर यह अतिशय क्षेत्र स्थित है। इसी पुण्य भूमि पर राजा श्रेयास ने वर्तमान युग के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को इक्षुरस का आहार देकर दान प्रथा चलाई थी। कालातर मे यहा भ० शातिनाथ, कुथुनाथ और अरहनाथ तीन तीर्थ करो के गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक हुए थे और मल्लिनाथ भगवान का समवशरण आया था।

यहा एक श्वेताम्बर तथा एक दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। दिगम्बर मन्दिर दिल्ली के स्व० राजा हरसुखराय जी का बनवाया हुआ है। उपर्युक्त तीनो भगवानो की नशिया भी हैं जिनमे चरण-चिन्ह विद्यमान हैं।

यहा राजा हरसुखराय जी की धर्मशाला भी है। प्रतिवर्ष कार्तिक अष्टानिका पर्व पर यहा मेला होता है।

इस क्षेत्र के निकट ही भसूमा नामक ग्राम मे भी दर्शनीय और प्राचीन मूर्तिया हैं।

६ बसुम्बा—उक्त हस्तिनापुर क्षेत्र से लगभग ८ मील दूर यह स्थान है। यहाँ एक मन्दिर है जो जीर्ण अवस्था मे है। मन्दिर जी मे एक चौथे काल की मनोज्ञ पद्मासन प्रतिमा विराजमान है।

७ अहिच्छत्र (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की [illegible] बरेली लाइन पर [illegible] स्टेशन से और [illegible] पक्के मार्ग पर [illegible] से पूर्व से लगभग ३ [illegible]

की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यह भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की तपोभूमि है। यहा ही उन्होने कमठ के जीव व्यतरदेव कृत घोर उपसर्गो पर विजय प्राप्त कर केवल ज्ञान प्राप्त किया था।

यहा के प्राचीन राजा जैन धर्मावलम्वी थे। राजा वसुपाल ने यहा एक सुन्दर जैन मन्दिर निर्माण कराया था जिसमे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की लेपदार प्रतिमा विराजमान की थी। आचार्य पात्रकेशरी ने यही पर जैन धर्म की दीक्षा ली थी। जैन धर्मानुयायी प्रसिद्ध गगवश राजाओ के पूर्वज सभवत यही पर राज्य करते थे।

यहा प्राचीन पाच वेदियो वाला एक विशाल दिगम्बर मन्दिर है जिनमे मूल वेदी किवदती के अनुसार देवकृत है। ग्राम मे भी एक मन्दिर दर्शनीय है जिसमे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

८ अयोध्या जी (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की लखनऊ-मुगलसराय लाइन पर यह क्षेत्र सरयू नदी के किनारे अवस्थित है। युग के आदि तीर्थ प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव, द्वितीय तीर्थ कर श्री अजितनाथ, चौथे श्री अभिनन्दन नाथ, पाचवे श्री सुमतिनाथ और चौदहवें श्री अनन्त नाथ जी की यह जन्म नगरी है।

यहा पांच मन्दिर हैं जो कि सन् १७२४ मे नवाव शुजाउद्दौला के शासनकाल के बने हुए हैं। प्राचीन मन्दिर शाहवुद्दीन के राज्यकाल मे विध्वस किये जा चुके हैं। वर्तमान पाच मन्दिरो मे आदिनाथ जी का स्वर्गद्वार के पास, अजितनाथ जी का इटावा तालाव के पास, अभिनन्दन नाथ जी का नवावी सराय मे, अनन्तनाथ जी का गोलाघाट नाला के तट पर और सुमतिनाथ जी का मन्दिर रामकोट मे है।

यहा पर १०८ आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज के प्रयत्न से भगवान आदिनाथ की एक ही पत्थर से बनी सफेद सगमरमर की ३२ फुट ऊँची मूर्ति की स्थापना की जा रही है।

९ वाराणसी—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय-हावडा लाइन पर प्रसिद्ध जक्शन है। पूर्वी रेलवे पर मुगलसराय जक्शन से लगभग ३ मील दूरी पर अवस्थित है।

यह नगर प्राचीन काल मे काशी देश की राजधानी रहा है। वैदिक व श्रमण सस्कृति दोनो का ही प्राचीन केन्द्र है। सातवे तीर्थ कर भगवान सुपार्श्वनाथ व तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की जन्म नगरी भी यही है। भगवान सुपार्श्वनाथ जी के जन्म स्थान गगा के तट पर भदेनी मे दो दिगम्बर जैन मन्दिर है, निकट ही स्व० मुनि गरणेश प्रसाद वर्णी द्वारा स्थापित प्रसिद्ध स्याद्वाद महाविद्यालय है। महाकवि वृन्दावन लाल ने यही रहकर अपनी काव्य रचना की थी। भगवान पार्श्वनाथ जी के जन्म स्थान भेलूपुर मे अत्यन्त कलापूर्ण जैन मन्दिर हैं। मुख्य सडक पर ही खड्गसेन उदयराज लमेचू का विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है, जिसमे कई प्राचीन प्रतिमाओ के अतिरिक्त धरणेन्द्र-पद्मावती की वडी मनोज्ञ प्रतिमा है। इस मन्दिर के पीछे एक विशाल श्वेताम्वर मन्दिर है जिसकी एक वेदी मे ५ दिगम्बर प्रतिमायें भी विराजमान हैं।

नगर मे कई श्वेताम्बर व दिगम्वर मन्दिर हैं। दिगम्बर मन्दिरो मे मैदागिन मन्दिर, ठठेरी वाजार का पचायती मन्दिर तथा भाट के मुहल्ले मे श्री धर्मचन्द्र जौहरी व गोविन्दपुरा मे सूरजमल जी के चैत्यालय प्रमुख हैं। जौहरी जी के चैत्यालय मे श्री पार्श्वनाथ स्वामी की हीरे की प्रतिमा और सूरजमल जी के चैत्यालय मे स्फटिक की अति मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

ठठेरी वाजार मे मस्जिद के निकट, बालू जी के फर्स पर व नये घाट के पास श्वेताम्बर मन्दिर दर्शनीय हैं।

यहा पर ही श्वेताम्वर समाज का श्री धर्मविजय सूरी द्वारा स्थापित यशोविजय विद्यालय है।

१० चद्रपुरी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त वाराणसी नगर से लगभग १४ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा अष्टम तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु स्वामी का गर्भ, जन्म व तप कल्याणक हुआ था था। गगा तट पर विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला है।

११ सिंहपुरी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त वाराणसी शहर से लगभग ५ मील तथा सारनाथ स्टेशन से १ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयास नाथ का गर्भ, जन्म, तप व कल्याणक हुआ था। यहा विशाल धर्मशाला तथा दिगम्वर मन्दिर है। मन्दिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भगवान श्रेयासनाथ की विराजमान है। निकट ही खुदाई मे जैन व वौद्ध मूर्तिया निकली हैं। वे सरकारी अजायवघर मे रखी गई हैं।

१२ **मथुरा**—मध्य रेलवे की दिल्ली-आगरा छावनी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर यह प्रसिद्ध जक्शन स्टेशन है। यहा नगर मे ४ मन्दिर तथा कई चैत्यालय अवस्थित है।

१३ **चौरासी (सिद्धक्षेत्र)**—मथुरा से पश्चिम मे लगभग १॥ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यह अन्तिम केवली श्री जम्बू स्वामी आदि ५०० मुनिराजो की निर्वाण भूमि है। उन मुनिराजो के स्मारक रूप यहा ५०० स्तूप बने हुए थे जिन्हे सम्राट अकबर के समय मे साहू होडल जी ने फिर बनवाया था। समय व्यतीत हो जाने पर वह सब नष्ट हो गये। यही पर भगवान पार्श्वनाथ के समय का स्तूप बना हुआ था। इस क्षेत्र के सम्बन्ध मे श्री सोमदेव प्रसाद ने अपने 'यशस्तिलकयाम्' मे लिखा है।

१४ **कम्पिला जी (अतिशय क्षेत्र)**—उत्तर-पश्चिम रेलवे की आगरा फोर्ट-फतेहगढ लाइन पर कायमगज स्टेशन से लगभग ६ मील दूरी पर यह क्षेत्र स्थित है। ऐसा मत है कि यह स्थान ही प्राचीन काम्पिल्य है जहा भगवान विमलनाथ स्वामी के गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक हुए थे। यही सती द्रोपदी का स्वयवर रचा गया था और यही हरिषेण चक्रवर्ती ने जैन रथ निकलवा कर धर्म प्रभावना की थी। भगवान महावीर का समवशरण भी यहा आया था।

यहा एक श्वेताम्बर व एक प्राचीन विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है जिसमे भगवान विमलनाथ स्वामी की तीन मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान है। यहा खडित प्रतिमायें भी बहुत है जिनसे प्रकट होता है कि यहा पहले और भी मन्दिर थे। मन्दिर जी मे विमलनाथ स्वामी के चरण चिन्ह भी है।

१५ **वटेश्वर-शौरीपुर (अतिशय क्षेत्र)**—उत्तर रेलवे की आगरा-कानपुर लाइन पर शिकोहाबाद जक्शन स्टेशन से लगभग १३ मील दूरी पर यह क्षेत्र स्थित है। वटेश्वर मे एक विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर यहा के भट्टारको का बनवाया हुआ है। जिसकी नीव यमुना नदी मे है और जिसमे भगवान अजितनाथ स्वामी की विशालकाय प्रतिमा विराजमान है। कहते है कि यही से [illegible] मोक्ष पधारे थे। श्री ज्ञानभूषण आदि भट्टारको का पट्ट भी यहा रहा है।

वटेश्वर से एक मील चलकर शौरीपुर क्षेत्र अवस्थित है। यह प्राचीन काल मे यादव वशी राजा शूरसेन की राजधानी रही है। यहा भगवान नेमिनाथ का जन्म हुआ था। यहा कई प्राचीन दिगम्बर मन्दिर हैं। छत्री मे भगवान नेमिनाथ की चरण पादुकायें है। दालान मे एक प्रतिमा मूगा जैसे रग वाले पाषाण की श्री नेमिनाथ की अतिशय युक्त है। इसी क्षेत्र मे सन् १९५४ मे आगरा निवासी स्व० सेठ सुमेरचन्द्र बरोल्या ने नवीन मन्दिर का निर्माण करवा कर पचकल्याणक प्रतिष्ठा की थी।

१६ **श्रावस्ती (अतिशय क्षेत्र)**—पूर्वोत्तर रेलवे की गोरखपुर-गोडा लाइन पर स्थित बलरामपुर स्टेशन से १२ मील पश्चिम सहेठ-महेठ ग्राम ही प्राचीन श्रावस्ती है। यह प्राचीन समय मे कोशल देश की राजधानी थी। ग्राम मे एक टीला है। यहा तीसरे तीर्थंकर भगवान सभवनाथ जी का जन्म हुआ था। यहा प्राचीन मन्दिर भी हैं।

१७ **फीरोजाबाद (अतिशय क्षेत्र)**—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय लाइन पर टूडला जक्शन से लगभग १५ मील पूर्व की ओर स्थित है। प्राचीन काल मे यह चदवार का ही भाग था जहा पर, कहा जाता है, कि ५१ बिम्बप्रतिष्ठाये हुई थी।

यहा २२ जैन मन्दिर हैं जिनमे सबसे विशाल व प्रमुख श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर है। इस मन्दिर मे चतुर्थ काल की एक स्फटिक मणि की लगभग १॥ फुट ऊची अति मनोज्ञ प्रतिमा सातिशय विराजमान है। इस प्रतिमा जी को एक लमेचू श्रावक ने यमुना नदी से, जब कि वह पूरे वेग पर थी, स्वप्न मे बतलाये गये, फल माला चिन्ह के अनुसार पहचान कर निकाला था। ऐसा कहा जाता है कि नदी तट से यह प्रतिमा जिस रथ मे विराजमान की गई थी, वह रथ स्वचालित होकर इसी मन्दिर पर आकर रुका था। वर्तमान मे यह मन्दिर [illegible] लमेचू श्रावक ने ही बनवाया था, इसी भगवान चन्द्रप्रभ स्वामी के नाम से प्रसिद्ध है। इस मूर्ति के अतिशय के बारे मे अनेक किवदन्तिया प्रचलित है, किन्तु इतना सत्य है कि इतनी मनोज्ञ और स्फटिक मणि की इस आकार की प्रतिमा अन्यत्र देखने मे नही आती। [illegible]

नगर के अन्य मन्दिरो मे कई प्राचीन हैं और उनकी कारीगरी दर्शनीय है। हाल ही मे एक नवीन मन्दिर व विशाल मानस्तम्भ सेठ छदामीलाल जी ने अपने ही द्वारा बसायी जैन कालोनी मे बनवाया है। इसमे सगमरमर की कारीगरी शिल्प की दृष्टि से भव्य व सुन्दर है।

यहा से निकट टापे नामक ग्राम, महाकवि तुलसीदास व हिन्दी के सर्व प्रमुख आत्मचरित लेखक व महान अध्यात्म कवि बनारसीदास जी के समकालीन कविवर ब्रह्मगुलाल जी की जन्म नगरी है।

१८ लखनऊ—यह ऐतिहासिक व उत्तरप्रदेश राज्य का प्रमुख नगर उत्तर रेलवे की लखनऊ फैजावाद लाइन पर स्थित है। यहा अनेक प्राचीन श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन मन्दिर हैं।

१९ आगरा—यह उत्तर रेलवे पर प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगर है। यहा कई प्राचीन जैन मन्दिर हैं। जामा मसजिद के निकट भगवान शीतलनाथ जी का विशेष महत्वपूर्ण मन्दिर है जिसमे भगवान शीतलनाथ जी की लगभग ४ फुट ऊची श्याम वर्ण पाषाण की सातिशय अति मनोज्ञ दिगम्बर प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर के अन्य हिस्सो मे श्वेताम्बर प्रतिमायें विराजमान हैं।

२० इलाहावाद (प्रयाग)—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मुख्य लाइन पर यह प्रसिद्ध जक्शन स्टेशन है। यहा पाच मन्दिर हैं जिनमे कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

२१ फफोसा (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मेन लाइन पर भरवारी स्टेशन से २४ मील दूरी पर यमुना नदी के किनारे यह अवस्थित है। इसके पास ही प्रभाक्षेत्र नाम से फफोसा पर्वत है जिस पर एक मन्दिर है उसमे तीन चतुर्थकालीन प्रतिमायें विराजमान हैं। ऐसा कहा जाता है कि यही पर पद्म प्रभु भगवान ने तप करके केवलज्ञान प्राप्त किया था। मन्दिर के आगे चट्टान मे उत्कीर्ण प्रतिमायें हैं।

२२ कौशाम्बी-कोसम—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मुख्य लाइन पर भरवारी स्टेशन फफोसा से २८ मील की दूरी पर गढवाल नामक गाव है। यहा के मन्दिर मे पद्मप्रभु स्वामी की २ प्रतिमायें श्वेतवर्ण चतुर्मुख विराजमान हैं। एक जोडी चरण पादुकायें भी हैं। यहा के निकट ही कुशवा नामक गाव है जिसका प्राचीन नाम कौशाम्बी है। यहा से पद्मप्रभु भगवान के गर्भ और जन्म कल्याणक हुए थे।

यह राजा उदयन की राजधानी थी। यहा की खुदाई मे अनेक प्राचीन जैन मूर्तिया प्राप्त हुई हैं।

२३ सहारनपुर—उत्तर रेलवे की दिल्ली-अम्बाला मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध जक्शन स्टेशन है। यह नगर दिल्ली के प्रसिद्ध खजाची श्री सहारनवीर सिंह ने बसाया था। यहा अनेक प्राचीन दर्शनीय जैन मन्दिर है।

२४. बडागाव—यह शहादरा-सहारनपुर लाइट रेलवे पर खेखडा स्टेशन से ३ मील की दूरी पर अवस्थित है। सन १९२२ मे यहा के अत्यत प्राचीन जीर्ण मन्दिर के विध्वस्थ टीले की खुदाई मे भ० पार्श्वनाथ की प्राचीन मूर्ति प्राप्त हुई थी, तदनतर उसी स्थान पर मन्दिर बनवाकर मूर्ति को विराजमान किया है।

२५ कहावगाव (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर-पूर्वी रेलवे की लखनऊ-गोरखपुर लाइन पर गोरखपुर स्टेशन से आग्नेय कोठा मे ४२ मील पर है। यहा प्राचीन कीर्ति-स्तभ २४ फुट ऊचा व लाल मन्दिर बना है। यहा निकट कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

२६ रत्नपुरी—उत्तर रेलवे पर फैजावाद जक्शन स्टेशन से निकट ही यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा पन्द्रहवें तीर्थ कर भगवान धर्मनाथ जी का जन्म स्थान है। यहा एक पर प्राचीन भी मन्दिर है।

२७ किष्किधापुर—गोरखपुर से निकट ही खुखदो ग्राम है। यही प्राचीन किष्किधापुर अथवा काकदी नगर है। यहा नौवें तीर्थकर पुष्पदत भगवान के गर्भ व जन्म कल्याणक हुऐ हैं। यहा के मन्दिर मे उन्ही की प्राचीन मूलनायक प्रतिमा है।

२८ कुकुस ग्राम—गोरखपुर से ४६ मील दूर कहाऊ ग्राम ही 'कुमकुम ग्राम' है। यहा प्राचीन जैन मन्दिरो के भग्नावशेष हैं। उत्तर मे एक मानस्तभ भी है।

२९ इटावा—यह ऐतिहासिक नगर उत्तर रेलवे पर आगरा व कानपुर के बीच मे अवस्थित है। कहा जाता है कि ७वी शताब्दी के आरम्भ मे यह प्रदेश हर्षवर्धन के राज्य मे था, कालातर मे चौहान वश के शासन मे यहा की विशेष

प्रगति हुई। राजा पृथ्वीराज चौहान के वशज राजा सुमेर सिंह ने (जो वाद मे राजा सुमेरशाह कहलाये) इस प्रदेश को मेवो से छीन कर अपनी राजधानी वनाया और जमुना नदी के किनारे एक किले का निर्माण कराया जो ध्वसावस्था मे अव भी टिक्सी के मन्दिर के पास अवस्थित है।

नगर के आस-पास के वहुत से पुराने टीले जिन पर प्राचीन काल मे प्रसिद्ध नगर और किले स्थित थे अव भी वर्तमान हैं, इनमे कुदरकोट, मुज्ज, चकरनगर, और असई खेडा अधिक प्रसिद्ध हैं। इनके खडहरो मे विगत वर्षो मे कई प्राचीन जैन मूर्तिया तथा अन्य सामग्री प्राप्त हुई है।

यहा ६ शिखर युक्त दिगम्वर जैन मन्दिर, १ चैत्यालय तथा नगर से लगभग १½ मील की दूरी पर प्राचीन नशिया जी हैं। नशिया जी श्री १०८ विमलसागर जी मुनिराज का समाधि-स्थान है, यहा उनके चरण स्थापित है। तथा जिन मन्दिर भी हैं। जिसमे कई मूर्तिया सहस्र वर्ष से भी पूर्व की हैं। नशियाँ जी को खोज निकालने का श्रेय स्व० पू० ब्र० शीतल प्रसाद जी को है जिन्होने लगभग ३५ वर्ष पूर्व अपने चातुर्मास्य काल मे यहा के वारे मे खोज करके पुनरुद्धार किया।

यहा के मन्दिर मे पसारी टोला का मन्दिर प्राचीन है जिसमे प्राचीन साहित्य भडार है। स्थापत्य कला की दृष्टि से लालपुरा का श्री पार्श्वनाथ मन्दिर महत्वपूर्ण है। मंदिर जी के नीचे विशाल धर्मशाला है। इस मन्दिर व धर्मशाला का निर्माण कलकत्ता निवासी स्व० वावू मुन्नालाल जी ने जो कि मूलत इटावा के निकट हतकात के निवासी थे, लगभग ४५ वर्ष पूर्व सम्वत् २४४१ मे कराया था।

हतकात चम्वल नदी के तट पर वसे होने के कारण ११ वी सदी मे लेकर १६ वी सदी तक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा। प्रात के तत्कालीन कुशल जैन व्यापारियो ने हतकात को अपने व्यापार-केन्द्र वनाने के साथ ही यहा लगातार ५२ विम्व प्रतिष्ठायें भी कराई। जव रेलो के यातायात के कारण नदियो के साधन का महत्व घटा तो हतकात ने अपना व्यापारिक महत्व भी खो दिया और धीरे धीरे यहा की जनसख्या भी कम होती गई। जैनो का निवास न रहने से मन्दिर जी मे पूजा प्रक्षालन की व्यवस्था वन्द हो गई। इस समस्या का हल वा० मुन्नालाल जी ने इटावा मे नवीन मन्दिर का निर्माण कर के किया। हतकात से मूर्तियो का वहुभाग इस मन्दिर जी मे लाया गया तथा कुछ अन्यत्र भी ले जाई गई। ऐसा भी अनुमान है कि हतकात के जीर्ण मन्दिर मे अनेक गुप्त भौंहरे हैं जिनमे सैकडो मूर्तिया विराजमान हैं।

हतकात से लाई गई सभी मूर्तिया पाषाण की हैं और ५०० वर्ष पूर्व की हैं। मन्दिर जी की तीनो वेदियो मे यह मूर्तिमा विराजमान है। मध्य वेदी म मूल नायक श्याम वर्ण पाषाण की ६½ फुट ऊची मनोज्ञ प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की स्थापित है जो ८०० वर्ष प्राचीन है।

मन्दिर जी के निर्माण और हतकात से मूर्तियो को लाने मे वा० मुन्नालाल जी को अपने अनुज स्व० ला० तोताराम जी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। विगत वर्षो मे मन्दिर जी व धर्मशाला मे वा० मुन्नालाल जी के उत्तरधिकारी वा० सोहन लाल जी द्वारा नवीन निर्माण भी हुए हैं। मन्दिर जी के शास्त्र भडार मे अनेक प्राचीन हस्तलिखित ग्रथ हैं। धर्मशाला व मन्दिर के व्यवस्थापक ला० मधुवन दास जी हैं।

३० करहल—यह कस्वा उपर्युक्त इटावा नगर से लगभग १६ मील की दूरी पर इटावा-मैनपुरी वस रूट पर स्थित है।

यहा ४ शिखर युक्त विशाल दिगम्वर जैन मन्दिर तथा २ चैत्यालय है, इनमे 'मन्दिर सिंघइयान' विशेष प्राचीन है। मन्दिर जी मे मूल नायक प्रतिमा भगवान चद्रप्रभू की श्वेत पाषाण की लगभग ५०० वर्ष प्राचीन है। तथा अनेक हस्तलिखित शास्त्रो का भडार है।

इसी कस्वे को वर्तमान शताव्दी के आरम्भ काल मे सुविख्यात प० मिही लाल जी व पडित भादो लाल जी जैसे प्रकाड विद्वानो के जन्म स्थान होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

यहा से निकट मैनपुरी, सिरसागज, जसवन्तनगर आदि स्थानो मे भी दर्शनीय मन्दिर है।

३१ देववद—उत्तर रेलवे की दिल्ली-सहारनपुर लाइन पर मुजफ्फर नगर से १४ मील पर देववद स्टेशन है। यहा १ प्राचीन दर्शनीय मन्दिर है।

३२ फिरोजपुर—पूर्वोत्तर रेलवे के दिलोरा स्टेशन से ३ मील दूरी पर यह स्थान है। यहा एक प्राचीन मन्दिर है जिसमे मूलनायक प्रतिमा भगवान नेमिनाथ स्वामी की है।

३३ ओसिया—उत्तर रेलवे की जोधपुर-पोकराम लाइन पर ओसिया स्टेशन है। स्टेशन से आध मील की दूरी पर यह ग्राम है। इस स्थान के प्राचीन नाम अकेश, उरकेश, नवनेरी तथा मेलनुरयत्तन है। यह ओसवाल जैनो की उत्पति का स्थान कहा जाता है। यहा कई विशाल जैन मन्दिर हैं जिसमे महावीर स्वामी का मन्दिर मुख्य है। इस प्राचीन मन्दिर का तोरण अति भव्य है। स्तभो पर तीर्थंकरो की प्रतिमाये उत्कीर्ण है।

३४ नाकोडा पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—यह स्थान लूनी पुनाकाव लाइन पर बालोतरा स्टेशन से लगभग ६ मील चल कर पर्वतो मे स्थित है। ग्यारहवी शताब्दी मे नकोडा नामक छोटे से गाव मे भूमि खोदते समय तेइसवें तीर्थकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की मनोहर प्रतिमा प्राप्त हुई थी और उसे मन्दिर बनवाकर स्थापित किया गया था। अब यहा एक विशाल घेरे मे तीन भव्य जैन मन्दिर हैं और चार भूमिगृह हैं। बाजोतरा स्टेशन व क्षेत्र मे जैन भी धर्मशालाएँ हैं।

३५ घघाडी-गागाडी—उत्तर रेलवे की बीकानेर जोधपुर लाइन के आसरनाडा स्टेशन से घघाडी तीर्थ को मार्ग जाता है। यहा सम्राट अशोक के पौत्र सम्प्रति का बनवाया हुआ पद्मप्रभु जिनालय है। १७ वी शताब्दी मे यहा कई धातुमयी जैन प्रतिमायें थी जिन पर सम्प्रति आदि के लेख होने का उल्लेख महाकवि श्री समय सुन्दर ने किया है। परन्तु व प्रतिमाये अब प्राप्य नही। १० वी शताब्दी की मूर्तिया अब भी प्राप्त है।

३६ जैसलमेर—उत्तर रेलवे की जोधपुर-पोकरण लाइन पर पोकरण स्टेशन से जैसलमेर के लिये बस सर्विस है। यहा के किले मे ८ भव्य व कलापूर्ण मन्दिर हैं, उनके तोरणादि एव शिखर की कारीगरी बहुत ही भव्य है। दो मन्दिरो के बीच एक तलघर मे सुप्रसिद्ध प्राचीन ताडपत्रीय जैन साहित्य भडार है। यहा सभी मन्दिर १५ वी अथवा १६ वी शताब्दी के हैं।

नगर मे अनेक मन्दिर, देवासर, दादावाडिया तथा उपाश्रय हैं।

जैसलमेर से लाद्रवा (लोद्रवपुर) जो पहले रियासत की राजधानी थी, १० मील पर है। यहा भगवान पार्श्वनाथ जी का एक सुन्दर मन्दिर है। इसी प्रकार जैसलमेर से ३ मील की दूरी पर 'अमर सागर' मे अनेक कलापूर्ण जैन मन्दिर है।

पूर्वी-भारत

३७ पारसनाथ ईशरी—पूर्वी रेलवे की ग्राड कार्ड हावडा मुगलसराय मुख्य लाइन पर प्रख्यात पारसनाथ स्टेशन है। यहा एक सुन्दर मन्दिर तथा उदासीनाश्रम है।

महान तपोनिधि, न्यायाचार्य पूज्य मुनि गणेश प्रसाद जी वर्णी का समाधि स्थान है

३८ श्री सम्मेद शिखर जी (सिद्ध क्षेत्र)—उक्त पारसनाथ स्टेशन से १४ मील तथा गिरीडीह स्टेशन से १८ मील पर यह तीर्थराज अवस्थित है। इसी पर्वतराज से द्वितीय तीर्थकर अजित नाथ आदि वीस तीर्थकर तथा अन्य करोडो मुनिवर मोक्ष पधारे हैं, अतएव यह महान, महापवित्र तथा अत्यन्त प्राचीन सिद्ध क्षेत्र है। ऐसा कथन है कि इस सिद्धाचल पर देवेश ने स्वय आकर विभिन्न तीर्थकरो की पुण्य निर्वाण भूमियो पर सुन्दर शिखरें चरण चिह्न सहित निर्माण करवाई थी। इनके जीर्ण हो जाने पर सम्राट श्रेणिक ने जीणोद्धार कराया। इस प्रकार समय समय पर इन स्मारको का जीर्णोद्धार होता आ रहा है।

इस महापवित्र पर्वत की यात्रा मार्ग मे कुल १८ मील—६ मील चढना, ६ मील उतरना, ६ मील यात्रा—क है। तलहटी से ३ मील चढने पर गधर्व नाला है जहा विश्रामगृह वने हुऐ है। वहा से १ मील और चढने पर सीता नाला है। इस स्थान से बायी ओर चल कर गौतम स्वामी, व कुथनाथ जी की टोकें हैं। इन से पूर्व की ओर के मार्ग मे क्रमश अरनाथ, मल्लिनाथ जी, श्रेयासनाथ, पुष्पदत, पद्म प्रभु जी, मुनिसुव्रत नाथ जी, तथा चन्द्रप्रभु भगवान की टोकें हैं। यहा से दक्षिण की ओर चलने पर शीतल नाथ जी, अनत नाथ जी, सभवनाथ जी, अभिनदननाथ जी की टोके हैं। यहा से लौटते समय कुछ उतार पर जल मन्दिर हैं। यहा से अन्य तीर्थंकरो की टोको पर जाना होता है। सब से ऊची टोक पार्श्वनाथ स्वामी की है, जहा अति मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी टोको मे केवल चरण चिह्न हैं।

पर्वत की तलहटी (उपत्यका) मे मधुवन नामक मनोरम स्थान हैं। यहा तीन बडी-बडी कोठिया बनी हुई है। पर्वत की ओर की बीस पथी कोठी मे विशाल धर्मशाला तथा दिगम्बर मन्दिर है। मन्दिर जी मे ९ वेदिया हैं। इस के अतिरिक्त भी कई मन्दिर हैं। दूसरी कोठी श्वेताम्बरियो की है जिसमे सैकडो विशाल मन्दिर हैं। तीसरी कोठी तेरह पथी दिगम्बर जैनो की है जिसमे विशाल धर्मशाला तथा १० वेदी युक्त अत्यन्त प्राचीन मन्दिर है। आदि मन्दिर के पीछे १ और मन्दिर है। जिसमे तीन वेदिया हैं, मध्य मे पार्श्वनाथ स्वामी की ७ फुट ऊची पद्मासन प्रतिमा अति मनोज्ञ है। इस मन्दिर मे चौबीस प्रतिमायें, सहस्त्र कूट चैत्यालय तथा महावीर स्वामी की ९ फीट ऊची कायोत्सर्ग प्रतिमा शिल्प की दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है।

तेरापथी कोठी मे ही कलकत्ता निवासी सेठ सोहन लाल जी लमेचू (मुन्ना लाल द्वारका दास घी वाले) द्वारा बनवाया गया विशाल कलापूर्ण मन्दिर है। मन्दिर जी मे अष्टम तीर्थ कर भगवान चन्द्रप्रभु की सवा पाच फीट ऊची श्वेतपाषाण की अति मनोज्ञ मूर्ति विराजमान है। मन्दिर जी मे संगमरमर की दर्शनीय कारीगरी है। इसके चारो ओर परकोटा भी है। मन्दिर जी के निकट ही एक विशाल मान स्तभ है।

३९. कलकत्ता—यह औद्योगिक नगर पूर्वी और उत्तर रेलवेपर स्यालदाह व हावडा जकशन स्टेशनो से निकट स्थित है।

यहां अनेक विशाल मन्दिर हैं जिनमे बेलगछिया का दिगम्बर मन्दिर व रायबद्री दास जी का श्वेताम्बर मन्दिर शिल्पकला से दर्शनीय है।

४० फटगोला—यह क्षेत्र पूर्वी रेलवे पर स्थित है। यहां एक प्राचीन श्वेताम्बर मन्दिर दर्शनीय है।

४१. गया—पूर्वी रेलवे की हावडा मुगलसराय मुख्य लाइन पर गया जकशन स्टेशन है। यहा से २ मील की दूरी पर २ जैन मन्दिर हैं जिनमे कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

[illegible] ३८ मील दूरी पर कुलुआपहाड़ हैं। जिसकी चढ़ाई २ मील से ज्यादा है। पहाड़ पर ४ मील के घेरे में [illegible] प्राचीन प्रतिमायें हैं। यहा जैन प्रतिमायें खण्डित अवस्था में हैं और प्राचीन मंदिरों के भग्नावशेष भी हैं।

ऐसा मत हो कि यह क्षेत्र ही भगवान शीतल नाथ की तपो भूमि है और यही से उन्होने केवल ज्ञान प्राप्त किया था।

४२ राजगृह-पंचपहाडी (अतिशय क्षेत्र)—पूर्वी रेलवे पर बख्तियारपुर जकशन स्टेशन से ३३ मील दूर यह ऐतिहासिक क्षेत्र अवस्थित है।

यह नगर भगवान महावीर के समय मे अत्यन्त समुन्नत व विशाल था। सम्राट श्रेणिक बिम्बसार ने इस नगर को अपनी राजधानी बनाया था। यहा से निकट विपुलाचल पर्वत पर भगवान महावीर का समवशरण आया था और सम्राट श्रेणिक उनकी वन्दना को गये थे। सम्राट श्रेणिक बिम्बसार द्वारा यहा निर्माण करवाये मन्दिरो व उनमे प्रतिष्ठित मूर्तियो और कीर्तियो के उपलब्ध अवशेषो मे यह ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट है।

भगवान महावीर से पूर्व बीसवें तीर्थकर श्री मुनिसुव्रत नाथ का गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक इसी पुण्य भूमि पर हुए थे। मुनिराज धनदत्तादि और भगवान महावीर के कई गणधर इसी स्थान से मोक्ष गये। यहां नील गुफा मे पूतिगधा क्षुल्लिका ने समाधि मरण किया था।

यहा से निकट पाच पर्वत हैं। प्रथम विपुलाचल पर्वत पर चार मन्दिर और दो चरणपादुकाएँ है। भगवान मुनि सुव्रत नाथ के चार कल्याणको का स्मारक एव मन्दिर है। द्वितीय रत्नगिरि पर्वत है जिस पर एक प्राचीन मदिर और मुनिसुव्रतनाथादि तीर्थ करो के चरण चिह्न है। इसी प्रकार उदयगिरि पर २ मदिर और चरण चिह्न, श्रमणगिरि पर २ मदिर और एक चरण चिह्न, तथा अन्तिम वैभारगिरि पर पाच मन्दिर हैं। इन मदिरो की कारीगरी दर्शनीय है। यहा से एक मील दूर गणधर स्वामी के चरण चिह्न हैं।

तलहटी मे २ दिगम्बर तथा एक श्वेताम्बर मन्दिर है और कई मनोहर जल कुंड है।

४३ बाराबर गुफायें—राजगृह से लगभग १३ मील [illegible] पर बाराबर व नागार्जुन पहाड़ियां स्थित हैं। प्रथम पहाड़ी पर ४ और दूसरी पर ३ गुफाओं में प्राचीन स्थापत्य कला दर्शनीय है। यहा अशोक [illegible] ईसा से ३ शताब्दी पूर्व के हैं जिनसे इस स्थान का प्राचीन जैन वैभव प्रकट होता है।

४४ पटना (सिद्धि क्षेत्र)—पूर्वी रेलवे पर यह प्रमुख नगर जक्शन स्टेशन है। यहा से सुदर्शन सेठ मोक्ष गये हैं। स्टेशन के पास एक टेकरी पर उनकी चरणपदुकाऐं बनी हैं। यहा पाच विशाल मन्दिर व चैत्यालय है।

४५ खडगिरि-उदयगिरि—दक्षिण पूर्वी रेलवे की हावडा वाल्टेयर लाइन पर भुवनेश्वर स्टेशन से पाच मील की दूरी पर पश्चिम की ओर खड गिरि व उदय गिरि नामक दो पहाडिया है।

उदयगिरि पहाडी का प्राचीन नाम कुमारी पर्वत है। इस पर्वत पर भगवान महावीर का समवशरण आया था। यहाँ से ५०० मुनिवर मोक्ष गये थे। यह ११० फीट ऊची है इसके कटिस्थान मे पत्थरो को काट कर कई गुफायें व मन्दिर बनाये गये हैं। गुफाओ मे अलकापुरी, जयविजय, रानीनूद, गनेश गुफा, स्वर्ग गुफा, मध्य गुफा, व पाताल गुफा विशेष महत्वपूर्ण हैं रानीनूद गुफा मे अनेक अन्तर गुफायें है। हाथी गुफा मे कलिंग सम्राट खारवेल का शिला लेख है। खारवेल कलिंग देश के चक्रवती राजा थे और जैन धर्मवलम्बी थे। खारवेल द्वारा उदयगिरि पर अनेक जिन मदिर व स्तभ निर्माण कराये गये थे।

खडगिरि पर्वत १३३ फुट ऊचा है। सीढियो के सामने ही खडगिरि गुफा है। जिसके ऊपर नीचे ५ गुफायें बनी हैं, अनत गुफा मे १½ हाथ की कायोत्सर्ग जिन प्रतिमा विराजमान है। यहा 'आकाश गगा' नामक जल कुड है। इस पर्वत पर भी अनेक गुफायें हैं। जिनमे राजा इन्द्र केशरी की गुफा, आदि नाथ गुफा, बारहभुजी गुफा विशेष प्रसिद्ध है। इनमे अनेक प्राचीन दिगम्बर मूर्तिया हैं जो अति मनोज्ञ और प्राचीन शिल्पकला की अमूल्य कृति हैं।

४६ गुणावा (सिद्धक्षेत्र)—यह क्षेत्र पूर्वी रेलवे की गया-क्यूल लाइन पर नवादा स्टेशन से लगभग १॥ मील की दूरी पर अवस्थित है। ऐसा प्रसिद्ध है कि यह वही पुनीत स्थान है जहा से भगवान महावीर के गणधर श्री गौतम स्वामी मोक्ष पधारे थे।

यहा तालाब के बीच मे विशाल और कलापूर्ण मदिर है। मन्दिर मे तीर्थकरो के चरण भी हैं। यात्रियो के वास्ते यहा जैन धर्मशाला भी है।

४७ नालदा—यह बौद्ध कालीन प्रसिद्ध शिक्षण-केन्द्र बिहार लाइट रेलवे पर राजगिरिकुड स्टेशन से लगभग ८ मील पूर्व ही आता है। पटना या बख्तियारपुर से मोटर-बसें भी यहा के के लिए आती हैं।

नालदा स्टेशन से लगभग १ मील दूर बडगावा ग्राम है जिसके पास ही नालदा के भग्नावशेष हैं। कुछ लोग इसे कुण्डिनपुर कहते हैं।

इस स्थान पर भगवान महावीर का समवशरण आया था। यहा की खुदाई से पता चला है कि यह महानगर कई बार बना और कई बार ध्वस्त हुआ। यहा के आर्कियोलोजीकल सर्वेक्षण के फलस्वरूप एक सम्पूर्ण नगर जिसमें विद्यालय आदि तथा बौद्ध व जैन मन्दिरो की मूर्तिया प्राप्त हुई हैं।

यहा के जैन मन्दिर मे भगवान महावीर की अति मनोज्ञ प्राचीन मूर्ति है।

४८ पावापुरी (सिद्धिक्षेत्र)—बख्तियारपुर बिहार लाइट रेलवे पर बिहार शरीफ स्टेशन से लगभग ९ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा से चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर ७२ मुनियो के साथ निर्वाण पधारे थे उस विशेष स्थान पर ही महापद्म नामक रमणीक सरोवर है जिसके मध्य मे एक विशाल मन्दिर है। इसे जल मदिर भी कहते हैं। इसमे भगवान महावीर स्वामी, गौतम स्वामी और सुधर्मास्वामी के चरण चिन्ह हैं। निकट ही दिगम्बर जैन धर्मशाला मे एक दुमजिला मदिर है जिसमे ऊपर नीचे ६ वेदी हैं। पावापुरी ग्राम मे एक श्वेताम्बर मदिर भी है। इस क्षेत्र का प्राचीन नाम अपापापुर (पुण्य भूमि) था।

४९ भागलपुर—यह नगर पूर्वी रेलवे की हावडा-क्यूल मेन लाइन पर स्थित है। यहा जैन धर्मशाला के निकट ही विशाल जैन मदिर है जिसमे ४ वेदिया हैं। इन वेदियो की भव्य कला दर्शनीय है।

५० नाथनगर—पूर्वी रेलवे की हावडा-क्यूल मेन लाइन पर स्थित है। यह भागलपुर से लगभग ४ मील की दूरी पर स्थित है।

रेलवे स्टेशन से निकट ही एक तेरापथी तथा एक बीसपथी धर्मशाला व मदिर हैं। तेरापथी मदिर मे पाच

वेदिया हैं, इसमे बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी की गेहुआ वर्ण की अत्यन्त मनोहर मूलनायक प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर जी के सामने एक स्तूप भी है।

५१ चम्पापुर (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त नाथनगर से लगभग २ मील दूरी पर गगा नदी के तट पर यह अतिशय क्षेत्र स्थित है। इस नगर मे बारहवे तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी के पाचो कल्याणक (गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान व मोक्ष कल्याण) हुए थे और यही मुनि धर्म घोष ने समाधिमरण किया था। प्रख्यात हरिवश की स्थापना भी इसी नगर मे हुई थी।

गगा नदी के एक नाले (जो चम्पा नाला नाम से प्रसिद्ध है) के निकट एक विशाल श्वेताम्बर धर्मशाला तथा दुमजिला जैन मन्दिर है, जिसमे नीचे चार वेदियो मे श्वेताम्बर प्रतिमायें तथा दूसरी मजिल मे दिगम्बर जैन प्रतिमा व चरण हैं।

मध्य–भारत

५२ मोरेना—मध्य रेलवे की झासी-आगरा वाली पूर्वोत्तर मुख्य लाइन पर यह नगर स्थित है। यहां दो विशाल मदिर हैं जिनमे १४ वी व १५ वी शताब्दी की प्राचीन प्रतिमायें विराजमान हैं। यहा पर स्व० प० गोपालदास जी वरैया की स्मृति मे श्री गोपाल जैन सिद्धान्त विद्यालय चल रहा है।

५३ ग्वालियर—यह ऐतिहासिक नगर मध्य रेलवे की झासी-आगरा कैंट वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर स्थित है। इसको कच्छवाहा राजा सूरसेन ने सन् २७५ मे बसाया था। उस समय कदाचित् यह गोपगिरि अथवा गोपदुर्ग के नाम से भी प्रसिद्ध था। यहा के राजाओ के शासनकाल मे सदैव ही जैन धर्मानुयाइयो की बाहुल्यता रही तथा कई राजाओ के स्वय जैन धर्मानुयायी होने के कारण जैन धर्म को राज-सरक्षण भी प्राप्त हुआ।

नगर मे १५ विशाल मदिर है, इनमे चम्पाबाग तथा पचायती मन्दिरो मे स्वर्ण-चित्रकारी दर्शनीय है। पुरानी बस्ती मे भी १२ मन्दिर हैं।

नगर के बाहर लगभग २ मील की दूरी पर ग्वालियर का प्रसिद्ध किला है। किले मे पहुचने के पूर्व लगभग २ फर्लांग के फासले पर एक पर्वत है जिसमें बडी बडी गुफायें बनी है। इन गुफाओ मे बड़ी बडी विशाल जैन मूर्तिया पहाडो को काटकर बनाई गई हैं। यहा अधिकांश मूर्तिया श्री आदिनाथ स्वामी की हैं। एक प्रतिमा भगवान नेमिनाथ स्वामी की ३० फुट ऊची है और भगवान आदिनाथ स्वामी की इससे भी विशाल है। लोकोक्ति है कि इन प्रतिमाओ की तैयारी मे लगभग ३३ वर्ष लगे थे। निश्चय ही किले के भग्नावशेष व जैन मूर्तिया यह प्रकट करती हैं कि इस क्षेत्र मे जैनो का महत्व सदैव रहा है।

५४ पनिहारा (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त ग्वालियर नगरसे लगभग १५ मील की दूरी पर पनिहार (पन्नीहार) ग्राम है। ग्राम से थोडी दूर चलकर [illegible] दिगम्बर जैन मन्दिर है, जिसमे एक भोहरे मे १४४ प्राचीन प्रतिमायें है। इस मन्दिर से एक मील चलकर पहाड पर एक और मन्दिर है जिसमे २४ फुट ऊची ३ प्रतिमायें अति मनोज्ञ है।

५५ भिंड—ग्वालियर से ३० मील दूरी पर यह प्रमुख नगर है। यहा कई प्राचीन मन्दिर है जिनमे परेड व वस्ती के मन्दिर प्रमुख हैं। यहा नशिया जी भी हैं।

५६ सोनागिरि (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की आगरा कैंट-झासी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर सोनागिरि स्टेशन है। स्टेशन से लगभग ३ मील की दूरी पर सोनागिरि पर्वत है। यहा से नग अनगकुमार आदि साढे पाच करोड मुनि मोक्ष गये हैं।

यह प्राचीन ऐतिहासिक क्षेत्र है। इसका प्राचीन नाम श्रमणाचल अथवा श्रमणगिरि है। यहा श्रमण भिक्षुओं का निवास होने से इसे श्रमणगिरि प्रख्यात किया गया। श्रमणगिरि का अपभ्रंश ही सोनागिरि है।

पर्वत पर ७७ शिखरयुक्त मन्दिर है जिनमे प्राचीन विशाल व अति मनोहर प्रतिमायें विराजमान हैं। पर्वत पर भगवान चन्द्रप्रभु जी का मन्दिर प्राचीन शैली का है। मन्दिर मे मूलनायक चन्द्रप्रभु स्वामी की १२ फुट ऊची कायोत्सर्ग आसन मे उत्कीर्ण अति मनोहर व शान्तिप्रद प्रतिमा है। मन्दिर मे उभय पार्श्वों मे भगवान पार्श्वनाथ व भगवान शीतलनाथ की विशाल मूर्तिया है। मन्दिर के बाहर प्रागण मे विशाल एव मनोहर मानस्तम्भ है [illegible]
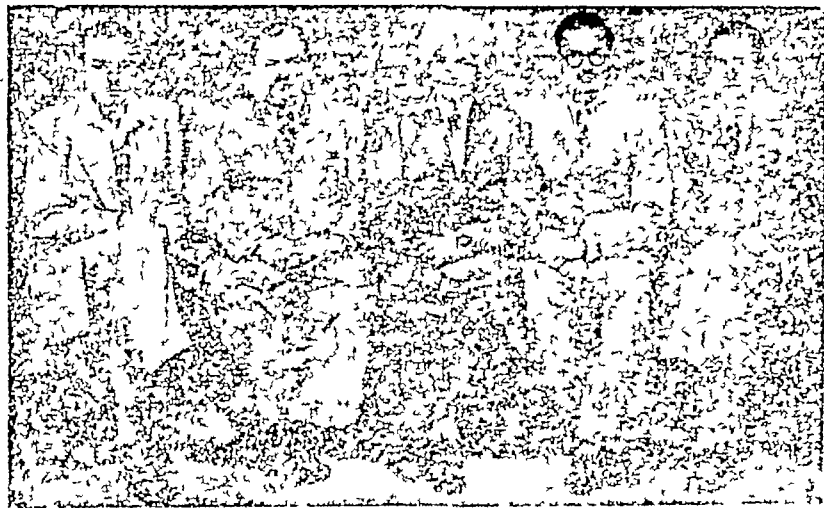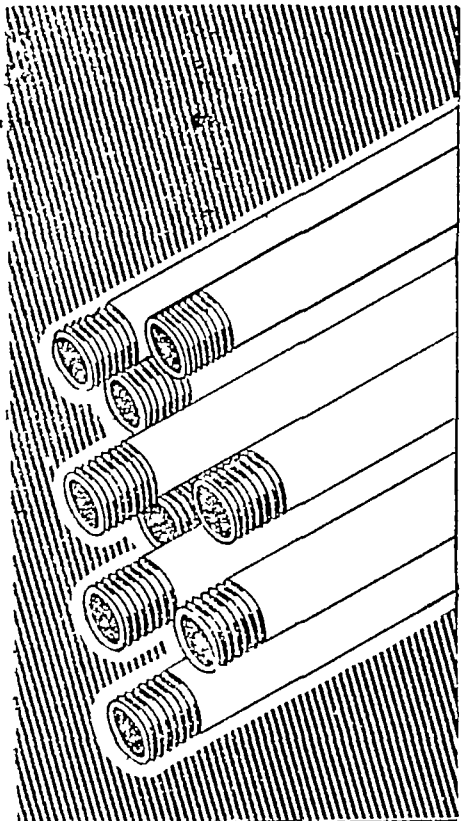
G.I.
JSF

PIPES
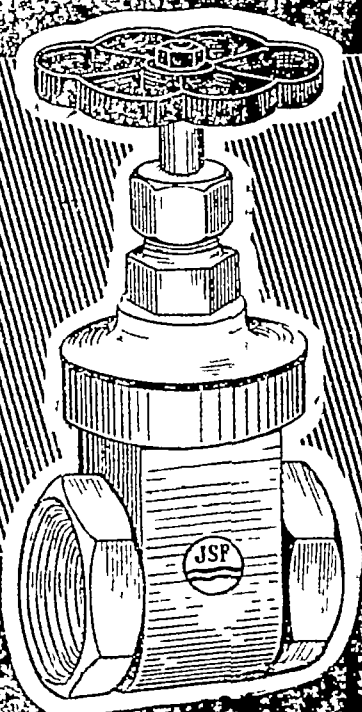
बायी ओर बाहुबलि स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर मे गर्भगृह के दो लेखो से प्रगट है कि इस मन्दिर को सन् २७८ मे श्री श्रवणसेन कनकसेन ने बनवाया था। पर्वत पर दो चमत्कारिक स्थान है। प्रथम तो नारियल कुड जो एक शिला मे नारियल के आकार का कटा हुआ है और द्वितीय बजनी शिला जिसे बजाने से धातु जैसा स्वर ध्वनित होता है।

पर्वत के नीचे १८ मन्दिर व अनेक धर्मशालायें है। पर्वत की परिक्रमा पक्की बनी हुई है। पर्वत पर जाने के लिए सीडिया बनी हैं तथा मन्दिरो पर भी सख्या पडी है जिससे वन्दना मे सुगमता होती है।

५७ कुरिगवा (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे पर स्थित झासी जक्शन स्टेशन से ३ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा एक मठ जमीन से निकला है, उसमे एक भोहरा है। इस भोहरे मे १४ वी शताब्दी की कई प्राचीन मूर्तिया हैं।

५८ ललितपुर–मध्य रेलवे की इटारसा-झासी नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर यह ऐतिहासिक नगर है। यहा एक कोट के अन्दर पाच विशाल मन्दिर हैं।

५९ सैरोन (अतिशय क्षेत्र)–ललितपुर से १० मील दूर यह ग्राम है। यहा के ६ मन्दिर लगभग १,००० वर्ष प्राचीन है। एक मन्दिर मे भगवान शान्तिनाथ स्वामी की २० फीट ऊची प्रतिमा विराजमान है। यहा खुदाई मे अनेको जैन प्रतिमायें निकली हैं।

६० चदेरी–उपर्युक्त ललितपुर नगर से यह स्थान लगभग २० मील की दूरी पर अवस्थित है। यहा तीन प्राचीन मन्दिर है। एक मन्दिर मे अलग अलग चौबीस तीर्थकरो की अतिशययुक्त प्रतिमाये विराजमान है। इन प्रतिमाओ की विशेषता यह है कि जिन तीर्थंकर के शरीर का जो वर्ण था वही वर्ण उन प्रतिमा जी का है। ऐसी प्रतिमायें अन्यत्र नही मिलती। इस चौबीसी को सन १८३६ मे सवाई चौधरी फौजदार हिन्दे शाह मर्दनसिंह के कामदार सवाईसिंह जी ने निर्माण करवाया था।

६१ खन्दार जी–उक्त चदेरी क्षेत्र से एक मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा पहाडी की गुफाओ मे पत्थर काट कर [illegible] गई है जो [illegible] शताब्दी के अन्तर्गत है। एक प्रतिमा २५ फीट ऊची है। यहा की सभी प्रतिमायें पुरातत्व व कला की दृष्टि से विशेष महत्व रखती हैं।

यहा भट्टारक कमलकीर्ति तथा पद्मकीर्ति के स्मारक सन् १६६० और १६८० के है।

६२ बूढी चदेरी–उपर्युक्त चन्देरी मे ६ मील की दूरी पर यह स्थान है। यहा प्राचीन कलापूर्ण मूर्तिया सैकडो की सख्या मे यत्र तत्र बिखरी पडी है। शिल्प कला की दृष्टि से यहा के मन्दिर व मूर्तिया अद्वितीय है। प्रत्येक मन्दिर की छत केवल एक पत्थर की है। किसी किसी शिला का परिमाण २०० मन से भी अधिक है'

६३ थूबोन जी–चदेरी मे ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसका प्राचीन नाम 'तपोवन' है। यहा २५ दिगम्बर मन्दिर हैं जिसमे सबसे प्राचीन पाडाशाह द्वारा निर्मित काला मन्दिर है जो १६ वी शताब्दी का है।

६४ गुरीलागिरि–यह स्थान चदेरी से ८ मील पूर्वोत्तर है। यहा प्राचीन जैन मन्दिरो के भग्नावशेष है। अनेको खडित प्रतिमाये इस स्थान के प्राचीन जैन वैभव को बतलाती है।

६५ पचराई (अतिशय क्षेत्र)–चदेरी मे ३८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के २८ मन्दिरो मे लगभग १,००० प्रतिमाये है जिनमे लगभग ५०० अखडित है। इन मन्दिरो मे एक मन्दिर पाडाशाह द्वारा ग्यारहवी शताब्दी का निर्मित भगवान शान्तिनाथ स्वामी का है।

६६ टीकमगढ–मध्य रेलवे की इटारसी-झासी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर ललितपुर स्टेशन मे लगभग ३८ मील की दूरी पर यह अवस्थित है। यह नगर पूर्व मे टीकमगढ रियासत की राजधानी भी रहा है। यहा लगभग १६ विशाल जैन मदिर है।

६७ पपौरा जी (अतिशय क्षेत्र)–उपर्युक्त टीकमगढ नगर से लगभग ३ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसके चारो ओर कोट बना है। कोट मे प्राचीन विशाल ८० दिगम्बर जैन मन्दिर है। इनमे एक मन्दिर मे [illegible] प्राचीन प्रतिमा है और [illegible] मन्दिर मे चतुर्विंशति की [illegible] प्रतिमाये है। [illegible] मन्दिर
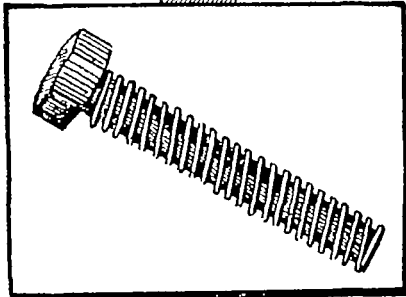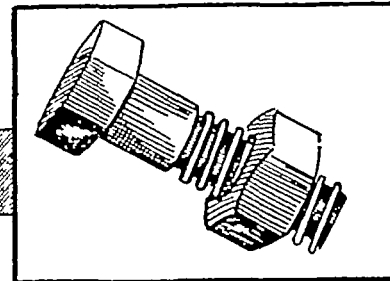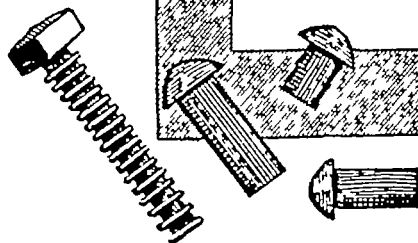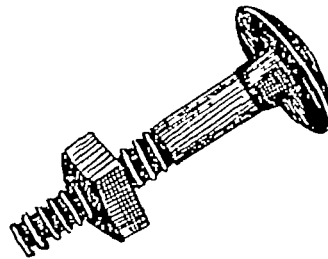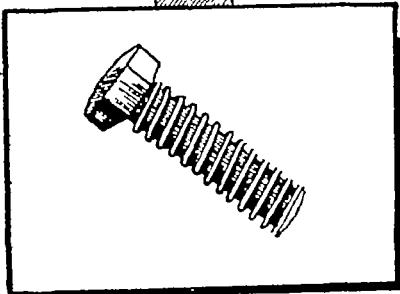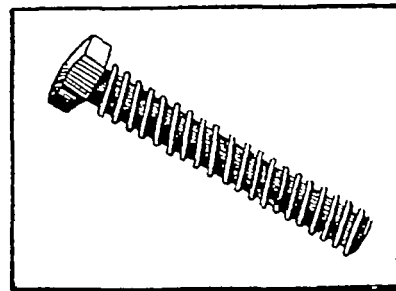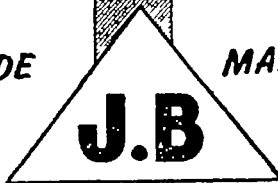
सबसे प्राचीन है जो सन् ११४५ में प्रसिद्ध चदेलवशीय राजा मदन वर्मनदेव के समय का बना हुआ है।

६८ आहार जी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त टीकमगढ नगर से पूर्व की ओर लगभग १२ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के विषय मे ऐसा प्रसिद्ध है कि प्राचीन समय मे एक पाणाशाह नामक धनवान जैन व्यापारी थे, उनको नित्य जिनेन्द्र-दर्शन करके ही भोजन करने की प्रतिज्ञा थी। एक दिन उनको व्यापार सम्बन्धी यात्रा मे उस तालाब के निकट ठहरना पडा जहा आज आहार जी के मन्दिर हैं। उस स्थान पर कोई मन्दिर न होने से दर्शन न हुए और उन्होने उपवास करने का निश्चय किया, किन्तु तभी एक मुनिराज का शुभागमन हुआ और उन्होंने साक्षात गुरु के दर्शन कर उन्हे आहार दिया और तत्पश्चात स्वय भोजन ग्रहण किया। इस अतिशयपूर्ण स्मृति को सुरक्षित व स्थान की पवित्रता बनाये रखने के लिए उन्होंने वहा जैन मन्दिर निर्माण कराना निश्चित किया। सयोग से वह जो रागा व्यापार के लिए लाये थे, वह भी चादी हो गया। पाणाशाह जी ने उस सम्पूर्ण द्रव्य से यह मन्दिर निर्माण कराये। तभी से यह क्षेत्र अहार जी के नाम से प्रसिद्ध है। इस कथानक के अतिरिक्त यहा से प्राप्त दूसरी शताब्दी के शिलालेखों से भी प्रमाण मिलते हैं कि पाणाशाह जी ने इस पुरातन तीर्थ का जीर्णोद्धार कर प्रसिद्धि की थी।

वर्तमान मे यहा चार मन्दिर अवशेष हैं मुख्य मन्दिर मे १८ फीट ऊची भगवान शान्तिनाथ जी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इस प्रतिमा की प्रतिष्ठा सन ११८० मे गृहपति वश के सेठ जाहड के भाइयो ने कराई थी। यहा और भी अधिक प्राचीन प्रतिमायें व शिलालेख है जो इस तीर्थ के महत्व को स्थापित करती है।

६९ जबलपुर—मध्य रेलवे की इटारसी-जबलपुर वाली मुख्य लाइन पर प्रमुख जंक्शन स्टेशन है। यहा लगभग ५० विशाल मन्दिर है। धुआधार नामक स्थान के निकट भेड़ाघाट मे मढ़िया जी नाम का मन्दिर विशेष प्रसिद्ध है जिसमे चतुर्थकालीन २ मेरु है। पहले मेरु मे ६२ और दूसरे मे २४ मनोज्ञ प्रतिमायें है।

७० पाटन—जबलपुर से तीन मील की दूरी पर पाटन ग्राम है। यहा कई प्रसिद्ध श्वेताम्बर मन्दिर हैं जिनमे कई प्राचीन प्रतिमायें है। मन्दिरो की कारीगरी दर्शनीय है।

७१ बाहुरी बद—जबलपुर से २१ मील की दूरी पर यह ग्राम स्थित है। यहा प्राचीन मन्दिरो के भग्नावशेष यत्र तत्र बिखरे पडे हैं। एक मन्दिर मे १२ फुट ऊचा भगवान शातिनाथ स्वामी की सन् १०४३ की प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है।

७२ अजयगढ़ (अतिशय क्षेत्र)—नगर मे एक मन्दिर है। आबादी के निकट एक पर्वत पर किला है जिसके द्वार से पार होते ही दीवालस्थ २ शिलाओ मे उत्कीर्ण पद्मासन ५० दिगम्बर मूर्तिया हैं। इसके पास ही २ कुण्ड और एक तालाब है। तालाब की दीवार मे भी प्राचीन प्रतिमाय हैं। यहा एक मानस्तम्भ भी है।

७३ बीना जी (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे के बीना-कटनी सेक्शन पर सागर स्टेशन से देवरी नामक स्थान है। देवरी से ४ मील की दूरी पर बीना जी अवस्थित है। यहा तीन विशाल व कलापूर्ण दिगम्बर जैन मन्दिर हैं, इनमे एक प्रतिमा भगवान शान्तिनाथ जी की १४ फुट की तथा एक प्रतिमा वर्द्धमान स्वामी की १२ फुट की खड्गासन विराजमान है। एक भोहरे मे बहुत सी प्राचीन प्रतिमायें हैं।

७४ देवगढ (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र सेंट्रल रेलवे की इटारसी-झासी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर स्थित जाखलौन स्टेशन से ८ मील की दूरी पर है। ग्राम का मुख्य आबादी से थोडी दूर चलकर एक पहाड है जिस पर प्राचीन किले के खडहर इतस्तत पडे हैं। किले के अन्दर असंख्य जैन मूर्तिया खडित अवस्था मे हैं। यहा ३१ प्राचीन जैन मन्दिर है जो कि लाखों रुपयों की लागत के हैं। नोकोविन के अनुसार इन मन्दिरो को श्री पाणाशाह व उनके अन्य दो भाई सर्व श्री देवपत व खेवपत ने बनवाया था, परन्तु कुछ मन्दिर उनके काल से भी अधिक प्राचीन हैं। मन्दिर व जैन मूर्तियो से सम्बन्धित लगभग २०० शिलालेख सं० ९१९ से १८७६ तक के हैं, इनमे १५७ ऐतिहासिक लेख हैं। मन्दिरों के मध्य मे १ बड़ा मन्दिर है जिसमे एक गुफा मे खड्गासन [illegible] फुट ऊंची
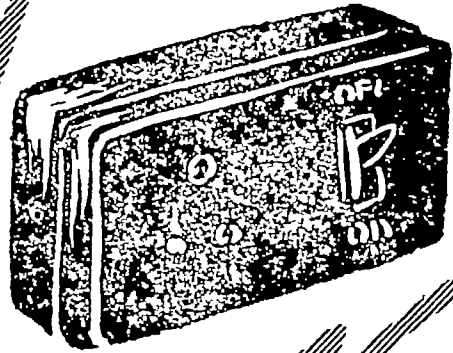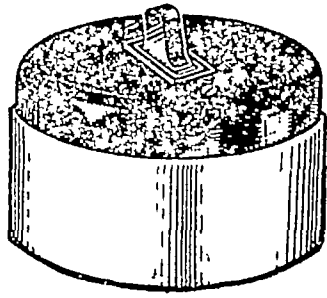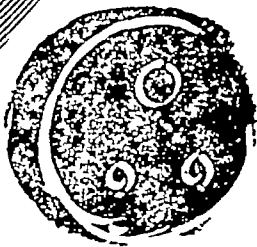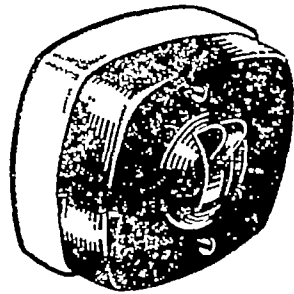
भगवान चन्द्रप्रभु की मूर्ति विराजमान है। यहा ८ मान-स्तम्भ है। भगवान शान्तिनाथ जी की विशालकाय प्रतिमा भी दर्शनीय है। यहा की एक गुफा सिद्ध-गुफा नाम से प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र की मूर्तिया, मन्दिर आदि सभी प्राचीन जैन स्थापत्य-कला की प्रतीक हैं। यह स्थान उत्तर भारत की 'जैन-बद्री' से भी प्रसिद्ध है। ग्राम मे नदी के निकट ही धर्मशाला है।

७५ चादपुर (अतिशय क्षेत्र)—उक्त देवगढ क्षेत्र से ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा २ प्राचीन मन्दिर है। एक मन्दिर मे भगवान शान्तिनाथ की १४ गज ऊची प्रतिमा विराजमान है, उसके उभय पार्श्वो मे दो-दो प्रतिमायें सात सात गज ऊची है।

७६ कुरगमा (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की वीना-झासी लाइन पर जाखलौन स्टेशन से ८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है।

७७ चादपुर-चदावर—मध्य रेलवे की वीना-झाँसी लाइन पर जाखलौन स्टेशन से ५ मील दूर यह स्थान है। यहा के मन्दिर मे भगवान शान्तिनाथ स्वामी की प्रतिमा विशेप प्राचीन है।

७८ द्रोणगिरि (सिद्धक्षेत्र)—सेंट्रल रेलवे की वीना-कटनी लाइन पर सागर स्टेशन से लगभग २० मील की दूरी पर अवस्थित है। यह क्षेत्र श्री गुरुदत्तादि मुनिराजो की निर्वाण-भूमि है।

इस पहाडी पर २६ प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर हैं जिनमे ६० प्रतिमायें विराजमान है। पहाडी के दोनो ओर चद्राक्षा और श्यामरी नामक नदिया वहती हैं। निकट ही एक गुफा है तथा एक चबूतरे पर चरण भी है।

पर्वत के निकट ही सेंदपा नामक ग्राम है। पर्वत की तलहटी मे २ धर्मशालायें तथा एक मन्दिर है जिसमे मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ स्वामी की सम्वत् १५४९ की विराजमान है।

७९ नैनागिरि (रेशंदेगिरि सिद्धक्षेत्र)—यह सिद्धक्षेत्र मध्य रेलवे की वीना-कटनी शाखा लाइन पर स्थित सागर स्टेशन से ३० मील की दूरी पर है। पहाडी मे ७ दिगम्बर जैन मन्दिर है। इनके निकट ही रेशंदेगिरि पर्वत है जिस पर २५ भव्य जिनालय है। यहा पर भगवान पार्श्वनाथ का समवशरण आया था और इसी पुण्य भूमि से वरदत्तादि पाच मुनिराज मोक्ष पधारे थे। पर्वत के मन्दिरो मे सबसे प्राचीन मन्दिर १७ वी शताब्दी का है।

पर्वत के निकट ही एक तालाब है और उसके बीच मे एक जैन मन्दिर है। यहा प्रति वर्ष कार्तिकी अष्टानिका के अन्त मे मेला होता है।

८० सिद्धवरकूट (सिद्धक्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की अजमेर खडवा लाइन पर सनावद स्टेशन से ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र नर्मदा नदी के निकट अवस्थित है। यहा से दो चक्रवर्ती, दस कामदेव आदि ३½ करोड मुनि मोक्ष गये हैं।

क्षेत्र के चारो ओर कोट खिचा हुआ है। कोट के अन्दर आठ दिगम्बर मन्दिर हैं जिनमे अति मनोज्ञ प्रतिमायें हैं। एक मन्दिर पास ही जगल मे भी है।

८१ कुण्डलपुर (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की वीना-कटनी लाइन पर दमोह स्टेशन से २० मील की दूरी पर ईशानकोण मे यह क्षेत्र अवस्थित है। ग्राम के निकट ही एक कुण्डलाकार पर्वत है। इस पर्वत और तलहटी मे कुल ५९ मन्दिर हैं। पर्वतस्थ मन्दिरो के वीच मे एक बडा भारी मन्दिर पहाड काट कर बनाया गया है। इस मन्दिर मे भगवान महावीर की ९ फुट ऊची प्रतिमा पहाड मे उत्कीर्ण है। यह मन्दिर जमीन की सतह से १७ फुट नीचा है। पर्वत के अन्य मन्दिरो मे प्राचीन शिलालेख हैं।

यहा भगवान महावीर का समवशरण आया था।

८२ सागर—यह मध्य प्रदेश के प्रमुख नगरो मे से है। यहा १६ मन्दिर हैं जिनमे ३ विशेष विशाल व प्राचीन है।

८३ मालथौन (अतिशय क्षेत्र)—सागर से ३८ मील पर यह ग्राम है। यहा के प्राचीन मन्दिर मे १० फुट से १४ फुट तक ऊची प्रतिमायें विराजमान है। [illegible] प्राचीन शिलालेख भी है।

८४ [illegible] (अतिशय क्षेत्र)—[illegible] से ८ मील पर क्षेत्र है। यहा के मन्दिर मे भगवान पार्श्वनाथ की [illegible] ८ फुट ऊची मूर्ति [illegible] है।

भगवान महावीर की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। मदिर जी मे बावन चैत्यालयो की सुन्दर रचना उपस्थित की गई है।

९५ **सवाई माधोपुर**—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई लाइन पर सवाई माधोपुर जक्शन स्टेशन है। स्टेशन से लगभग ४ मील की दूरी पर आबादी है। यहा ७ विशाल मन्दिर हैं। कई मन्दिरो मे भोहरे हैं जिनमे सैकडो मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान हैं।

९६ **चमत्कार जी**—उक्त सवाई माधोपुर स्टेशन से २ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा एक विशाल मदिर व नशिया जी हैं। ऐसा कहा जाता है कि सन् १८४७ मे एक स्फटिक मणि की ९ इन्च की प्रतिमा एक बाग मे मिली थी, उस समय यहा केशर की वर्षा हुई थी।

९७ **रणथंभोर**—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई मेन लाइन पर रणथभोर स्टेशन है। सवाई माधोपुर से यह १० मील दूर है। यहा राजा हम्मीरसिंह का बनवाया १ हजार वर्ष प्राचीन किला है जिसमे अनेक मन्दिरो के साथ एक जैन मन्दिर भी है। मन्दिर जी मे स० १० की श्वेत पाषाण की एक फुट ऊची पद्मासन भगवान चन्द्रप्रभु की मूर्ति विराजमान है।

९८. **खडार**—रणथभोर से २४ मील दूर यह स्थान है। यहा एक बडे कोट मे दो मन्दिर हैं उनमे अनेक विशाल प्रतिमायें हैं।

९९ **श्री केशवराय-पाटण**—पश्चिम रेलवे की बम्बई-दिल्ली लाइन पर कोटा जक्शन स्टेशन से ५ मील दूर यह नगर अवस्थित है। यहा एक प्राचीन विशाल जैन मदिर है जिसमे पृथ्वी के अन्दर गुफा मे मूर्तिया विराजमान हैं।

१००. **चांदखेडी (अतिशय क्षेत्र)**—पश्चिम रेलवे की बीना-कोटा लाइन पर कोटा जक्शन से ७० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा सन् १६८९ का प्रतिष्ठित विशाल मन्दिर भूगर्भ मे है। इसमे भगवान ऋषभदेव की ५ फुट ऊची प्रतिमा तथा उभय पार्श्वो मे भगवान शान्तिनाथ की दो प्रतिमायें ७-७ फुट की विराजमान हैं। इनके अतिरिक्त सैकडो प्राचीन जैन बिम्ब हैं। द्वार के उत्तर भाग मे १० फुट ऊचा एक कीर्ति स्तभ है जिसके चारो ओर प्रतिमायें उत्कीर्ण हैं।

१०१. **बजरंगगढ़ (अतिशय क्षेत्र)**—पश्चिमी रेलवे की कोटा-बीना लाइन पर गुना स्टेशन से ५ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के ३ मन्दिरो मे एक पाडाशाह द्वारा निर्मित है जिसमे एक भोहरे मे अनेको प्रतिमायें हैं। इनमे से कुछ प्रतिमायें धार्मिक विद्वेष से जैनेतर लोगो ने लगभग १०० वर्ष पूर्व विध्वस कर दी। सन् ११८१ की प्रतिष्ठित भगवान अरहनाथ व भगवान कुथुनाथ स्वामी की प्रतिमायें अतिशयुक्त हैं।

१०२. **उज्जैन**—यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थान पश्चिमी रेलवे की नागदा-उज्जैन-भोपाल लाइन पर अवस्थित है। यह प्राचीन अतिशय क्षेत्र है। अवन्तिकापुरी का उज्जैन या उज्जयिनी नाम यहा जैन शासन के समय मे ही पडा। यहा की श्मशान भूमि मे भगवान महावीर ने तपस्या की थी और यहीं पर रुद्र ने उन पर घोर उपसर्ग किया था। कालान्तर मे यह स्थान चन्द्रगुप्त की राजधानियो मे से रहा। श्रुतकेवली भद्रबाहु यहा पधारे थे।

यहा के प्राचीन खडहर अब भी यहा के प्राचीन जैन वैभव को बतलाते है।

१०३. इन्दौर—पश्चिम रेलवे की उज्जैन-इन्दौर लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

यह जैनों का प्रमुख केन्द्र है। यहा कई विशाल मदिर धर्मशालायें तथा अन्य सस्थायें है। मन्दिरो मे स्व० दान-वीर सेठ हुकमचन्द्र जी का मन्दिर अत्यन्त विशाल व कलापूर्ण है।

१०४ भोपावर—धार नगर से यह स्थान २४ मील है। यहा के विशाल प्राचीन मन्दिर मे भगवान शान्तिनाथ स्वामी की १२ फुट ऊची अति मनोज्ञ प्रतिमा प्रतिष्ठित है। अन्य तीर्थंकरो व गणधरो की प्राचीन प्रतिमायें हैं।

१०५ मक्सी पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की नागदा-भोपाल वाली लाइन पर यह क्षेत्र अव-स्थित है। यहा एक मन्दिर है जिसमें मूलनायक प्रतिमा पद्मासन श्याम वर्ण ३½ फुट ऊची सफल पार्श्वनाथ स्वामी की विराजमान है। इस प्रतिमा की पूजा वगैरह दिगम्बर व श्वेताम्बर भाई समान रूप से करते है। उभय पार्श्वों में श्वेताम्बरीय प्रतिमायें विराजमान है।

इस मदिर के चारो ओर ५२ देवरी और बनी हुई है जिनमे ५२ दिगम्बर जैन प्रतिमायें मूलसघी शाह जीव-राज पापडीवाल द्वारा प्रतिष्ठित विराजमान है।

१०६. उदयपुर—यह ऐतिहासिक नगर पश्चिम रेलवे पर स्थित है। यहा कई कलापूर्ण मदिर व चैत्यालय है।

१०७ जयपुर—पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक व वर्तमान राज-स्थान राज्य का मुख्य नगर स्थित है।

यहा के प्राचीन कलापूर्ण जैन मन्दिर दर्शनीय है।

१०८. आमेर-अम्बर—यह स्थान जयपुर से ५ मील दूर है। जयपुर राज्य की प्राचीन राजधानी यही थी। यहां अनेक विशाल व कलापूर्ण जैन मन्दिर है।

१०९ सांगानेर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली वाली लाइन पर सांगानेर स्टेशन अवस्थित है। यह नगर जयपुर से लगभग ८ मील की दूरी पर है। यहा सात प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर है जिनमे अनेक प्राचीन प्रतिमायें है। इन मन्दिरो की चित्रकारी अनूठी है।

११०. अजमेर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर प्रसिद्ध नगर है। चौहान राजा अजयपाल ने इस नगर को बसाया था और अपनी राजधानी बनाया था। उसके अनन्तर भी चौहान राजाओ की राजधानी रहा। इन चौहान राजाओ में पृथ्वीराज द्वितीय और सोमेश्वर जैन धर्म के पोषक थे। यहा मूल सघ के भट्टा-रको की गद्दी भी रही है।

नगर मे १५ शिखरयुक्त मदिर और कई चैत्यालय है। सेठ टीकमचन्द्र भागचन्द्र जी सोनी की नशिया विशेष कलापूर्ण है, यह तीन मजिल की बनी हुई है। पहली मजिल मे अयोध्या और समवशरण की रचना अत्यन्त सुन्दर है, दूसरी मे स्फटिक व माणिक आदि की प्रतिमायें है तथा तीसरी मजिल मे उत्सव आदि की सजावट का सामान है।

१११. पुष्कर—अजमेर से ७ मील दूर यह स्थान है। पश्चिमी रेलवे द्वारा चलने वाली आउट एजेंसी बस से यहा आया जा सकता है। यहा भी कई प्राचीन मदिर हैं जिनमे मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

११२. सूमैक (अतिशय क्षेत्र)—जाखलौन स्टेशन से ४ मील कच्चे पहाडी मार्ग की दूरी पर यह स्थित है। यहा पर्वत पर एक छतरी बनी है जिसमे १½ हजार वर्ष प्राचीन शान्ति नाथ भगवान के चरण-चिह्न हैं।

११३ चूलेश्वर (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की अजमेर-खडवा (मालवा सेक्शन) वाली लाइन पर चित्तौड़ गढ स्टेशन से २८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा पहाड के नीचे तथा ऊपर एक एक मदिर हैं। ऊपर के मदिरमे २ फुट ऊची भगवान पार्श्वनाथ की एक प्रतिमा बालूकी बनी हुई है।

इस स्थान पर भ० पार्श्वनाथ स्वामी का समवसरण आया था।

११४. नीमच—पश्चिम रेलवे की अजमेर-चित्तौड़गढ़ रतलाम-खडवा (मालवा-सेक्शन) वाली छोटी लाइन पर अवस्थित है। यहा एक सुन्दर दिगम्बर जैन मन्दिर है।

१२६ **जीरापल्ली**–आबू से १० मील पश्चिम में यह स्थान है। यहा के मुख्य मदिर में पार्श्वनाथ जी की २ मूर्तिया हैं। प्राचीन मूर्ति मुसलमान शासनकाल मे कुछ भग्न हो गई है।

१२७ **भीलड़ी**–पश्चिम रेलवे के पालनपुर कंडला लाइन पर पालनपुर से २८ मील दूर यह स्टेशन है। ग्राम के पश्चिम में एक भूगर्भ स्थित मदिर है। इसमें भगवान पार्श्वनाथ की प्राचीन मूर्ति है। यहा अन्य प्रतिमायें भी बडी प्राचीन है।

१२८ **जसाली**–भीलड़ी से ६ मील पर यह गाव है। यहा भगवान ऋषभदेव का प्राचीन विशाल मदिर है।

१२६ **रामसेठा**–भीलडी से २४ मील दूर यह ग्राम है। यहा के जैन मदिर मे जो मूर्ति है। उसके साथ ११वी शताब्दी का शिलालेख है। नगर के पश्चिम भूगर्भ-मदिर मे ४ सुन्दर मूर्तिया हैं।

१३०. **थराद**–भीलडी से १७ मील दूर देवराज स्टेशन से पास ही यह नगर है। इसका प्राचीन नाम स्थिरपुर है। यहा पहले विशाल जैन मंदिर था जो काल दोष से अदृश्य हो गया है। यहा भूमि की खुदाई पर प्राचीन मूर्तिया प्राय मिलती हैं। यहा के वर्तमान मदिर मे खुदाई में मिली पञ्चधातुमयी मूर्तिया प्रतिष्ठित हैं।

१३१ **भोरोल**–थराद से यह स्थान १० मील है। यहा के विशाल मदिर मे श्री नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति विराजमान है।

१३२ **तालनपुर (अतिशय क्षेत्र)**–यहा कई विशाल मदिर हैं। दोनो श्वेताम्बर व दिगम्बर मदिरो मे जमीन से निकली हुई प्रतिमायें विराजमान हैं। इनमे से एक प्रतिमा भ० मल्लिनाथ की अतिमनोज्ञ है।

१३३. **बड़ौदा**–पश्चिम रेलवे की बडौदा अहमदाबाद लाइन पर स्थित है।

यहा कई श्वेताम्बर मदिर हैं जिनमे अति मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान हैं।

१३४. **अहमदाबाद**–यह औद्योगिक और गुजरात राज्य का प्रमुख नगर पश्चिम रेलवे की बडौदा-अहमदाबाद लाइन पर स्थित है। यहा कई प्राचीन व कलापूर्ण मदिर है। रामदास की पोल वाले मदिर मे दो भौहरें हैं। जिनमे अनेक अत्यन्त प्राचीन प्रतिमायें हैं।

१३५ **शत्रुंजय पालीताना (सिद्धक्षेत्र)**–पश्चिम रेलवे की सिहोर पालीताना छोटी लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा से तीन पाडव कुमार, युधिष्ठिर, अर्जुन व भीम द्रविण देश के राजा तथा अन्य ८ करोड मुनि मोक्ष पधारे हैं, अत' यह सिद्धक्षेत्र

नगर से शत्रुजय अथवा सिद्धाचल लगभग ३, ३½ मील की दूरी पर है। पर्वत के दोनो शिखरो के चारों ओर परकोटा है। परकोटे के साथ ही पाडव कुमारो की खड्गासन मूर्तिया हैं। परकोटे,के अन्दर ३,५०० श्वेताम्बर मदिर अपूर्व शिल्प चातुर्य से परिपूर्ण हैं। इनमे भ० आदि नाथ, सम्राट कुमारपाल विमलशाह, और चतुर्मुख मदिर विशेष हैं। चौमुख मदिर मे १२५ मनोज्ञ मूर्तियां हैं। यहा के ८ मदिरो की शिल्प-कला विश्व ख्याति प्राप्त है।

रतनपोल के पास एक दिगम्बर जैन मन्दिर फाटक के भीतर है।

नगर मे श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनो के मन्दिर व धर्मशालायें हैं।

१३६ झालरापाटन–यहा १२ शिखर युक्त मंदिर तथा कई चैत्यालय हैं। इनमे से एक मदिर शहर के बाहर ईसा की दसवीं शताब्दी का बना हुआ पद्मनाथ स्वामी के नाम से प्रसिद्ध है। इसी मदिर की ईशान दिशा मे लगभग सन १०४३ के समय का लाखो रुपयो की लागत का विशाल मन्दिर है जिसमे ११ फुट ऊची भगवान शातिनाथ जी की खड्गासन प्रतिमा है। यह प्रतिमा जी जो कि सन १०४६ की प्रतिष्ठित हैं जमीन मे से प्राप्त हुई थी।

१३७ **शङ्खेश्वर पार्श्वनाथ**–शत्रुंजय से दसमील दूरी पर यह स्थान है। यहा का जैन मदिर विशाल है। मुख्य मदिर के समीप मदिरो का एक समूह है, जिनमे विभिन्न तीर्थंकरो की मूर्तियां हैं। मुख्य मदिर मे पार्श्वनाथ स्वामी की मूर्ति है जिन्हे शङ्खेश्वर पार्श्वनाथ कहते हैं। मन्दिर नवीन हैं किन्तु प्रतिमा अत्यन्त प्राचीन है। पुराने मदिर के नष्ट हो जाने पर नवीन मदिर बनवा कर उसमे मूर्ति की प्रतिष्ठा हुई है।

१३८, भाव नगर–पश्चिम रेलवे की भाव नगर सुरेन्द्र नगर लाइन पर स्थित है। यहा कई विशाल मदिर हैं। जिनकी स्थापत्य कला दर्शनीय है।

१३९. द्वारिका (अतिशय क्षेत्र)–पश्चिम रेलवे की वीरमगाव-सुरेन्द्र नगर राजकोट लाइन पर द्वारका स्टेशन है।

यह नगर यादव वंशी राजाओं की प्राचीन राजधानी रही है। यहा ही भगवान नेमिनाथ स्वामी का जन्म हुआ था। यहां के मदिर मे भगवान नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति व उनके चरण-चिह्न स्थापित हैं।

१४०. सोनगढ़–पश्चिम रेलवे की भाव नगर सुरेन्द्र नगर लाइन पर यह रेलवे स्टेशन है। यहा प्रसिद्ध अध्यात्मिक सत श्री कानजी स्वामी विराजते हैं। उनके द्वारा बनाया गया भगवान सीमंधर स्वामी का मदिर है। अध्यात्म पिपासुओ के लिये कानजी स्वामी द्वारा सस्थापित एक आश्रम भी है।

१४१ जूनागढ़–यह नगर पश्चिमी रेलवे की राजकोट वेरावल छोटी लाइन पर जंक्शन स्टेशन है। नगर के पश्चिम मे रेलवे स्टेशन और पूर्व मे गिरनार पर्वत है। यह अपने प्राचीन नाम 'गिरिनगर' से भी प्रसिद्ध है। यहा कई श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन मदिर तथा धर्मशालाएँ हैं। निकट ही पुराना किला है जिसकी अनेक गुफाओं मे बौद्ध व जैन मूर्तिया हैं। किले में एक वृहत तालाव तथा बावडी भी है।

१४२. गिरनार, ऊर्जयंत (सिद्धक्षेत्र)–उपर्युक्त जूनागढ नगर से लगभग ४ मील दूर गिरनार पर्वत है, बाईसवें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ तथा वरदत्तादि ७२ करोड़ मुनिराजो की निर्वाण-भूमि होने से यह महान सिद्धक्षेत्र है। इस स्थान की यह विशेषता है कि हिन्दू, मुसलमान जैन आदि विभिन्न मतावलम्वी इसे अपनी अपनी श्रद्धा व मान्यता के अनुसार पूजनीय मानते हैं।

गिरनार, ऊर्जयत अथवा रैवत पर्वत के नामो से भी प्रसिद्ध है। यह पर्वत समुद्रतल से लगभग ३,६६६ फुट ऊचा हैं। इसकी प्राचीनता आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव के समय की है। भरत चक्रवर्ती अपनी दिग्विजय मे यहा आये थे। ताम्रपत्र से प्रकट है कि ई० पूर्व ११४० मे गिरिनार (रैवत) पर भगवान नेमिनाथ जी के मदिर थे। यही पर चन्द्रगुफा मे आचार्यवर्य श्री धरसेन जी ने तपस्या की और उनके द्वारा आचार्यगण पुष्पदत व भूतबलि को अवशिष्ट श्रुतज्ञान को लिपिबद्ध करने का आदेश मिला। सम्राट अशोक ने यही पर जीवदया के प्रतिपादक धर्म लेख पाषाण पर लिखाये थे। छत्रप रुद्रसिंह के लेख से पता चलता कि मौर्य काल मे व उसके बाद भी गिरिनार के प्राचीन मदिर आदि तूफान से नष्ट हो गये थे। मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त के गुरु श्री भद्रबाहु स्वामी भी गिरिनार पधारे थे। भगवान कुदकुंदाचार्य भी गिरिनार की वदना को पधारे थे। राजा संङ्गर के वंशज राजा मंडलीक ने गिरिनार पर भ० नेमिनाथ का सुन्दर मन्दिर बनवाया। सुल्तान अलाउद्दीन काल मे दिल्ली के सेठ पूर्णचन्द्र जी ससघ यात्रा मे यहा पधारे थे और उसी समय एक श्वेताम्बरीय सघ भी पहुंचा था। दोनो सघो ने मिलकर यात्रा की।

तलहटी से लगभग २ मील पर्वत पर चढ़ने के पश्चात सोरठ का महल है जो कि [illegible] राजाओ का गढ है। इस महल से पूर्व ही एक सूरज कुण्ड है, जिसके ऊपर पार्श्व भाग मे एक पद्मासन दिगम्बर जैन प्रतिमा अंकित है। इस प्रतिमा के बगल मे एक सुन्दर पुरुष व स्त्री की मूर्ति है और [illegible] पर [illegible] अंकित है। सुन्दर

सभवत धरणेन्द्र पद्मावती होगे । मार्ग से थोड़ा हटकर चारगाह मिलता है जिसमे चरण-पादुकायें बनी है ।

सोरठ महल के बाद जैन मन्दिर प्रारम्भ हो जाते हैं । इनमे श्री कुमारपालतेज पाल आदि के बनवाये हुए अत्यन्त कलापूर्ण मन्दिर हैं । इनमे प्राचीनतम मन्दिर (Grenite) ग्रेनाइट का है । जिसकी मरम्मत सम्वत् ११३२ मे सेठ मान सिंह भोजराज ने करायी थी । यहा से आगे एक कोट मे विशाल दिगम्बर जैन मदिर हैं । इनमे एक श्री बडीलाल जी द्वारा निर्मित स० १९१५ का व दूसरा लगभग इसी समय का शोलापुर वालो का है । इस के अतिरिक्त एक मदिर दिल्ली निवासी सागर मल महावीर प्रसाद जी ने स० १९७७ मे बनवाया था । इस मदिर मे ही सबसे प्राचीन खड्गासन प्रतिमा विराजमान है । सम्वत् १९२० की नेमिनाथ स्वामी की प्रतिष्ठा थी, जिससे स्पष्ट है कि उस वर्ष यहा जिन विम्ब प्रतिष्ठा हुई थी । इस पहली टोक पर ही विशाल मदिर है ।

मदिर समूह के निकट ही राजुलजी की गुफा है, जहा उन्होने तप किया था । यहा राजुल जी की मूर्ति पाषाण मे खुदी है तथा चरण-पादुकाएँ हैं ।

दूसरी टोक पर जो अम्बादेवी की टोक कहलाती है, अम्बादेवी का मन्दिर है । जो मूलत जैनियो का हैं । अब इसे हिन्दू व जैन दोनो पूजते हैं । यहा चरण पादुकाऐं भी हैं ।

तीसरी टोक पर भगवान नेमिनाथ स्वामी के चरण-चिह्न हैं । इस टोक से लगभग ४,००० फुट नीचे उतर कर चौथी टोक है । जिस पर काले पाषाण की श्री नेमिनाथ जी की दिगम्बर प्रतिमा और पास ही दूसरी शिला पर चरण चिह्न हैं । किन्ही लोगो का मत है । कि भ० नेमिनाथ यही से मोक्ष पधारे थे । यह स्थान शत्रुप्रद्युम्न नामक श्रीकृष्ण के पुत्रो का निर्वाण स्थान है ।

चौथी टोक से नीचे उतर कर पाचवी टोक पर जाना होता है । यह शिखर सर्वोच्च व अतीव सुन्दर है । टोक पर एक महिमा के नीचे नेमिनाथ के चरण चिह्न हैं । नीचे पास ही शिला भाग मे खुदी हुई प्राचीन दिगम्बर जैन पद्मासन मूर्ति है । यहा एक बडा भारी घटा है, वैष्णव इसे गुरुदत्तात्रेय का स्थान व मुसलमान मदारशाह पीर का तकिया कहते हैं । इस टोक पर से कुछ सीढी उतरने पर सम्वत् ११०८ का एक लेख मिलता है । नीचे उतर कर पुन दूसरी टोक पर आना होता है, यहा गोमुखी कुड के दाहिनी ओर सहस्राम्रवन (सेसावन) है । जहा भ० नेमिनाथ ने १,००० राजाओ के साथ दीक्षा ग्रहण की थी । इस की दीवाल पर एक आले मे २४ तीर्थकरो के २४ जोडी चरण हैं ।

तलहटी मे एक दिगम्बर जैन मन्दिर है जिसमे सम्वत् १५१० का एक यत्र और सम्वत् १५४६ की साह जीवराज जी द्वारा प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है । शेष मूर्तिया अर्वाचीन हैं । मूलनायक श्री नेमिनाथ जी की कृष्ण पाषाण प्रतिमा स० १९४७ मे पिपलिया निवासी श्री पन्नालाल टोग्या ने प्रतिष्ठित कराई थी ।

यहा के एक शिला लेख से तता चला है कि गिरनार की चारो टोको पर सीडिया दीवान बेचर दास के उद्योग से बनी ।

यह क्षेत्र कोटि कोटि महान आत्माओ की तपोभूमि निर्वाण-स्थल होने के साथ साथ यहा के जैन मन्दिर व अन्य स्थान प्राचीन स्थापत्य व शिल्प कला के लिये ससार प्रसिद्ध हैं ।

यहा से उत्तर-पश्चिम की ओर से २० मील दूर ढक नामक स्थान पर प्राचीन जैन मूर्त्तिया दर्शनीय हैं ।

यहा श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनो की ही विशाल धर्मशालाएँ हैं ।

१४३ अमीझरा पार्श्वनाथ (डवाली) अतिशय क्षेत्र—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-खेडब्रह्मा लाइन पर ईडर स्टेशन से ८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है । यहाँ के प्राचीन मन्दिर मे चतुर्थ कालीन भ० पार्श्वनाथ जी की पद्मासन प्रतिमा है । यहा के अन्य मन्दिर भी कलापूर्ण हैं ।

१४४ राणकपुर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर रानी स्टेशन से निकट ही यह क्षेत्र है । यहा १२ मदिर तथा ८६ देवकुलिकाऐं (मठिया) हैं । इन सभी मन्दिरो की निर्माण कला दर्शनीय है । इनमे 'त्रैलोक्य दीपक' नामक मन्दिर विशाल चार मजिल का है । इसकी कारीगरी अनूठी है । मन्दिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ स्वामी की हैं ।

यहाँ से वरकाणा माडोल, नाडलाई और घाठोराव ग्रामो मे भी विशाल प्राचीन मन्दिर हैं । घाठोराव ग्राम मे

१½ मील की दूरी पर मछाला महावीर नामक श्रेष्ठ मन्दिर है।

१४५ महुवा (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की सूरत भूसावल वाली लाइन पर बारदोली स्टेशन से ८ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा एक प्राचीन मदिर है जिसमे अन्य प्रतिमाओ के अतिरिक्त एक अत्यन्त प्राचीन श्याम-वर्ण पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा है। इस प्रतिमा को जैन व जैनेतर समानरूप से पूजते हैं और विघ्न हरणपार्श्वनाथ जी कहते हैं।

१४६ खभात (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की दिल्ली-बम्बई सेंट्रल लाइन पर आनन्द जक्शन स्टेशन से लगभग १½ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के मन्दिर मे १½ हाथ ऊची भगवान विमलनाथ की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इसके अतिरिक्त ७५ प्रतिमायें और भी हैं। प्राचीन काल मे यहा बहुत मन्दिर थे जिनको मुसलमानी शासनकाल मे विध्वस किया गया। इन्ही मन्दिरो के पत्थर मुहम्मदशाह की मसजिद मे प्रयोग किये गये है। मसजिद के स्तभो पर जैन प्रतिमायें उत्कीर्ण हैं जो अब भी स्पष्ट हैं।

१४७ रतलाम—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है। यहा कई विशाल मन्दिर व स्थानक है। मन्दिरो की कारीगरी दर्शनीय है।

१४८ सूरत—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

रेलवे स्टेशन से १ मील की दूरी पर आबादी है। यहा कई मन्दिर हैं जिनमे अति मनोज्ञ प्रतिमायें हैं। मन्दिरो मे की हुई चित्रकारी दर्शनीय है।

१४९ अगास—पश्चिम रेलवे की आनन्द-खभात (कॉम्बे) लाइन पर आनन्द से ८ मील दूरी पर अगास स्टेशन है। यह श्रीमद् राजचन्द्र का जन्मस्थान है। उनकी [illegible] मे श्री राजचन्द्र आश्रम बना है जिसके ऊपर के भाग मे दिगम्बर मूर्तिया और मध्य भाग मे श्वेताम्बर मूर्तिया [illegible] के भाग मे श्रीमद् राजचन्द्र जी की मूर्ति विराज-मान है। यहां दिगम्बर व श्वेताम्बर समान रूप से पूजन [illegible]।

१५०. बम्बई—यह प्रसिद्ध औद्योगिक और महाराष्ट्र [illegible] प्रमुख नगर मध्य व पश्चिम रेलवे लाइनो पर स्थित है। [illegible]।

यहा कई विशाल जैन मन्दिर हैं जिनकी कारीगरी दर्शनीय है।

१५१ मागी-तुंगी (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की दिल्ली-बम्बई वाली मुख्य लाइन पर मनमाड स्टेशन से लगभग ६० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित। इस क्षेत्र से श्री रामचन्द्र जी, हनुमान जी, सुग्रीव, गवय, गवाक्ष नील, महानील आदि ९९ करोड मुनिगण मोक्ष गये हैं।

यह स्थान पर्वत एव वन का है। मागी व तु गी दोनों अलग अलग पर्वत हैं। मागी पर्वत की चढाई तीन मील की है। पर्वत पर चार गुफा मन्दिर हैं जिनमे मूलनायक भद्रबाहु स्वामी की मूर्ति है। अन्य प्रतिमाओ मे कुछ भट्टा-रको की भी हैं। यह सभी मूर्तिया ११ वीं, १२ वीं शताब्दी की हैं। चारो ओर प्रतिमायें पत्थर मे उत्कीर्ण भी हैं। पर्वत से थोडी दूर उतरने पर बाई ओर एक विशाल गुफा मे मकराने का चबूतरा है जिस पर कई चरण चिन्ह है।

मागी पर्वत से २ मील दूर तु गी पर्वत है। यहा तीन गुफा मन्दिर है। मूलनायक प्रतिमा श्री चन्द्रप्रभु स्वामी की ४ फुट ऊची पद्मासन विराजमान है। यहाँ से उतरते समय 'सिद्ध बुद्ध की गुफाये' तथा 'अद्भुत जी' नामक स्थान हैं जहा मनोज्ञ व प्राचीन प्रतिमायें हैं।

पहाड की तलहटी मे कई प्राचीन मन्दिर है।

१५२ औरगाबाद—यह नगर मध्य रेलवे की पुरना-मनमाद मुख्य लाइन पर स्थित है। यहा ६ मन्दिर व कई चैत्यालय है, इनमे एक प्राचीन विशाल मन्दिर है। मन्दिर जी मे वेदियो के अतिरिक्त एक भोहरे मे सैकडो प्राचीन प्रतिमाये है।

१५३ गोमापुरा (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र उपर्युक्त औररगाबाद स्टेशन से लगभग १½ मील दूरी पर स्थित है। यहा पर एक प्राचीन मदिर है जिसमे बहुत प्राचीन प्रतिमाये हैं। निकट ही एक पहाड पर एक मदिर है जिसमे भगवान नेमिनाथ की ४ फुट ऊची अत्यन्त मनोहर प्रतिमा विराजमान है। मदिर के आगे तीन गुफायें है जिनमे बहुत सी जैन व बौद्ध प्रतिमाये है।

१५४ एलोरा (अतिशय क्षेत्र)—[illegible] औरंगाबाद स्टेशन से लगभग २० मील की दूरी पर स्थित है।

यहा के मदिर जी मे, जो कि विशेप प्राचीन है, अन्य प्रतिमाओ के साथ एक प्रतिमा सातिशय भगवान पार्श्वनाथ जी की विराजमान है। लोकोक्ति के अनुसार इस मूर्ति का शिर अकस्मात् धड से अलग हो गया और जब श्रावको ने उनके स्थान पर अन्य मूर्ति स्थापित करने की योजना की तो एक श्रावक को स्वप्न हुआ कि जमीन के नीचे कोठरी वनाकर उसमे धड पर शिर रख कर १ माह तक रहने देने पर शिर जुड जावेगा। तदनुसार व्यवस्था की जाने पर मूर्ति पूर्ववत् हो गई और यथा-स्थान विराजमान कर दी गई। तभी से इनका विशेष है अतिशय। प्रति वर्ष मेला भी लगता है।

यहा एक जैन धर्मशाला भी है।

१५५. ऐलोरा—मध्य रेलवे की पूर्णा-मनमाड लाइन पर दौलताबाद स्टेशन से ८ मील दूर यह स्थान है। यहा से निकट ही २ मील लम्बा एक पहाड है। जिसमे ४५ गुफायें है। इन गुफाओ मे 'पार्श्वनाथ', 'नाग शय्या' व 'गणेश भुवन' नायक के ३ गुफाएँ नौ नौ खड की विशेष महत्वपूर्ण हैं। यह गुफायें अपनी चित्रकारी व शिल्पकला के लिये ससार प्रसिद्ध हैं इन के निकट गर्म जल के १३ कुड।

ऐलोरा ग्राम के निकट एक छोटा पहाड भी है जिस पर पार्श्वनाथ जी का मदिर है जिसमे अनेक प्राचीन प्रतिमायें हैं।

यहा पर पत्थर का हाथी, सिंह, इत्यादि की रचना चिताकर्पक है। नीचे उतरने पर ७ गुफायें और है जिनमे अनेक प्रतिमाय है।

१५६. ऊखलद (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की पूर्णा-मनमाड लाइन पर पिंगली स्टेशन से ४ मील दूर पूर्णा नदी के तट पर यह क्षेत्र अवस्थित है। नदी के किनारे पत्थर का वना एक विशाल मदिर है। जिसमे श्यामवर्ण नेमिनाथ भगवान की एक विशाल सातिशय प्रतिमा विराजमान है। ऐसा कहा जाता है कि इस प्रतिमा के अगुष्ठ मे पारस मणिरत्न था (उसके निकल जाने का निशान अभी भी है) जिसको निकालने का प्रयत्न एक मुसलमान राज्याधिकारी ने किया। परन्तु ज्योही उसका स्पर्श हुआ त्यो ही दिव्य वाणी सहित मणि नदी मे उछल कर गिर गई। सतत प्रयत्नो के वाद भी यह मणि उसके हाथो मे न आई। इसी अतिशय के कारण यह क्षेत्र विश्व प्रसिद्ध है।

१५७ गजपथा जी (सिद्धक्षेत्र)—यह क्षेत्र मध्य रेलवे की मनमाड-बम्बई वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर नासिक रोड स्टेशन से लगभग ६ मील पर मसरूल ग्राम के निकट ४०० फुट ऊचे पर्वत पर अवस्थित है यहा से वलभद्रादि आठ करोड मुनिगण मोक्ष पधारे हैं। पर्वत पर चढने के लिये ३५० सीढिया हैं। ऊपर दो नये मदिर हैं। जिनमे एक मे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की विशालकाय प्रतिमा है। पर्वत की चोटी मे तीन गुफायें और एक सजल कुड है। गुफाओ मे १२ वी से १६ वी शताब्दी तक की प्रतिमायें और शिल्प दर्शनीय हैं।

नीचे तलहटी मे एक छतरी है जिसमे क्षेमेंद्र कीर्ति भट्टारक के चरण हैं और वजीवावा का मदिर, व उदासीन आश्रम है।

ग्राम मे धर्मशाला कोट के रूप मे है जिसके मध्य मे ही एक मदिर है।

१५८ अजनगिरि (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की मनमाड-बम्बई मुख्य लाइन पर नासिकरोड स्टेशन से १४ मील दूर यह क्षेत्र है। यहा कई जीर्ण प्राचीन मदिर हैं जिनमे विविध स्थानो पर प्रतिमायें हैं। एक मदिर मे एक अखडित प्रतिमा अत्यत प्राचीन विराजमान है।

१५९ फलटण–यह स्थान नासिक रोड से निकट ही है। यहा पर चारित्र-चक्रवर्ती शातिसागर जी का समाधि-स्थान है।

१६० दहीगाव–मध्य रेलवे की बम्बई-रायचूर लाइन पर कुर्दूवाडी स्टेशन से ५ मील पहले टवलस स्टेशन है वहा से यह क्षेत्र २२ मील दूर है। यहा एक मदिर है जिसमे भगवान महावीर स्वामी की मूल नायक प्रतिमा है।

१६१ धारा शिव की गुफायें–मध्य रेलवे की लातूर कुर्दुवाडी लाइन पर पेडशी स्टेशन से करीब दो मील दूर यह गुफायें है। यह ६ गुफायें पर्वत को काट कर बनायी गई हैं और अत्यत प्राचीन है तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के तीर्थ मे चम्पा के राजा करिकण्ड यहा दर्शन करने आये थे उन्होने इन गुफा मदिरो का, जो कि मूलत नील महानील नामक विद्याधर राजाओ द्वारा बनवाये गये थे, जीर्णोद्धार कराया था और कुछ नवीन गुफा मदिर भी बनवाये थे। इनमे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की बालू की बनी ६ फीट ऊची पाषाण प्रतिमा मनोज्ञ तथा कलामय है। यहा भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा विराजमान हैं।

१६२ पढरपुर–मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी मिराज शाखा लाइन पर स्थित है। इस नगर को पाण्डवों ने बसाया था। यहा दो दिगम्बर जैन मदिर है।

१६३ कलिकुड पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-मिराज लाइन पर मिराज स्टेशन से थोडी दूरी पर यह क्षेत्र 'कुण्डल' नाम से प्रसिद्ध है। यहा एक विशाल व प्राचीन मदिर है जिनमे अन्य प्रतिमाओं के अतिरिक्त एक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की सहस्रफण उज्वल बडी विशाल और सातिशय है। यहा से २ मील की दूरी पर गिरी पार्श्वनाथ तथा झरी पार्श्वनाथ नामक पहाड है।

१६४ [illegible] (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी रायचूर वाली दक्षिण पूर्व मुख्य लाइन पर दूधनी स्टेशन से ६ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इस ग्राम मे अनेक प्राचीन मदिर हैं जिनमे प्राचीन प्रतिमायें विराजमान हैं। यहा खुदाई मे अनेको प्राचीन प्रतिमायें प्राप्त हुई हैं। इसी प्रकार खुदाई द्वारा प्राचीन मदिर निकला है। इस मदिर मे दो हाथ ऊची श्यामवर्ण चद्रप्रभु की एक सातिशय प्रतिमा विराजमान है।

१६५ आस्टे विदेनश्वर पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर वाली दक्षिण-पूर्व मेन लाइन पर दूधनी स्टेशन से आलद होकर १८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के प्राचीन मदिर मे मूलनायक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ की सातिशय है।

१६६ तडकल (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर वाली दक्षिण-पूर्व मुख्य लाइन पर घाठा-गापुर स्टेशन से १२ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा के मदिर मे पत्थर मे उत्कीर्ण भगवान शातिनाथ स्वामी की ३ फुट ऊची कृष्ण पाषाणीय प्रतिमा है। इसी मदिर मे भ० ऋषभदेव की सन १२१५ मे प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है।

१६७ शोलापुर–मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है। यहा कई मदिर व चैत्यालय विशाल व दर्शनीय है।

१६८ होठासलगी (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर वाली दक्षिण-पूर्व मेन लाइन पर सावला जी स्टेशन से लगभग २ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा श्री पार्श्वनाथ पद्मावती के नाम से प्रसिद्ध मदिर है। जिनमे ५, ६ फुट ऊची १२ प्रतिमायें हैं। इसके अतिरिक्त १२ यक्ष-यक्षिणियो की मूर्तिया हैं।

१६९ खिद्रापुर–कृष्णा नदी के किनारे प्राचीन कोल्हापुर रियासत मे यह एक ग्राम है यहा एक प्राचीन मदिर है जिसमे एक विशाल प्रतिमा भगवान ऋषभदेव की विराजमान है।

१७०. कुण्डल (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिण रेलवे के पूना मिराज लाइन पर सतारा जिले में कुण्डल स्टेशन से [illegible] मील दूरी पर यह क्षेत्र है। ग्राम के निकट पर्वत पर दो मदिर है, एक मदिर झरी पार्श्वनाथ कहा जाता है क्योंकि इसमें प्रतिमा पर जलवृष्टि होती है। दूसरा, मदिर गिरि पार्श्वनाथ का है।

ग्राम मे भी एक पार्श्वनाथ स्वामी का मदिर है।

१७१. कुंथलगिरि (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की मीराज-पढरपुर-लाटूर लाइन पर ।बर्सीटाउन स्टेशन से यह क्षेत्र २१ मील की दूरी पर स्थित है। शोलापुर से भी यहा वसें चलती हैं। यहा से देशभूषण व कुलभूषण मुनि-वर मोक्ष गये हैं। यहा पहाड पर १० प्राचीन जैन मदिर हैं।

१७२ पूना– मध्य रेलवे की दक्षिणी पूर्वी मुख्य लाइन पर जकशन स्टेशन है। यहा श्वेताम्बर व दिगम्बर कई विशाल मदिर हैं।

१७३ स्तवनिधि (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र बेलगाव जिले मे अवस्थित है। यहा ६ प्राचीन दिगम्बर मन्दिर हैं जिनमे अनेक प्राचीन प्रतिमायें हे। एक प्रतिमा नवखट पार्श्वनाथ की सातिशय विराजमान है। कहा जाता है, कि बीजापुर मे एक पुजारी जो कि क्षेत्रपाल का उपासक था, की कन्या को वहा के नवाव ने वेगम वनाना चाहा। पुजारी क्षेत्रपाल की मूर्ति व कन्या को साथ लेकर बीजापुर छोड कर इस स्थान पर ठहर गया। उसे यहा जिन विम्ब स्थापना की इच्छा हुई। रात्रि मे क्षेत्रपाल जी ने स्वप्न दिया कि निकटवर्ती तालाव मे पार्श्वनाथ स्वामी की मूर्ति है। पुजारी ने मूर्ति को निकाला, परन्तु उसके ६ टुकडे हो गये। क्षेत्रपाल ने पुन स्वप्न दिया कि मूर्ति को विराजमान करो प्रतिमा अखडित हो जावेगी। पुजारी ने वैसा ही किया। और मूर्ति जुड गई। मूर्ति पर जोड के चिह्न अब भी है।

दक्षिण-भारत

१७४ बीजापुर—यह ऐतिहासिक नगर दक्षिण रेलवे की हुवली शोलापुर वाली लाइन पर स्थित है। इसका प्राचीन नाम विजयपुर है। यहा के कई राजा जैन धर्माव-लम्वी थे। यहा दो विशाल जैन मन्दिर हैं। प्राचीन समय मे जैन धर्म को यहा राज सरक्षण प्राप्त होने की वात की पुष्टि यहा प्राप्त होने वाले जैन मन्दिरो के खडहर, मूर्तियो व शिलालेखो द्वारा होती है।

१७५ शेषफणा पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे की हुवली शोलापुर वाली लाइन पर वीजापुर स्टेशन से लगभग २ मील पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा चौथे काल का एक मन्दिर जमीन के अन्दर । इस मदिर जी की उपलब्धि एक श्रावक के स्वप्नानुसार हुई थी। इस मे भगवान पार्श्वनाथ की १०८ फणो की सातिशय प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर जी मे अपूर्व चित्रकारी है। यह मन्दिर छोटा होने पर भी करोडो रुपयो की लागत का है।

१७६ बादामी (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे की हुबली शोलापुर वाली छोटी लाइन पर बादामी स्टेशन अवस्थित है स्टेशन से लगभग १½ मील की दूर पर बादामी ग्राम है। ग्राम के पूर्व व दक्षिण मे दो-दो प्राचीन पहाडी किले हैं। दक्षिण वाली पहाडी पर शैव व जैन गुफा मदिर हैं। पहिले २ गुफा मन्दिरो मे शिव, वराह और वावन की मूर्तिया हैं। तीसरी गुफा मे अनूठी चित्रकारी है। चौथा गुफा मदिर सवसे ऊचा है, इसमे चार दालान हैं। पहले दालान मे जिनेन्द्र देव की एक पद्मासन मूर्ति सिहासनाधिष्ठित है। दूसरे दालान मे चौबीस प्रतिमा और पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमायें मुख्य हैं। तीसरे दालान मे श्री वाहुबली स्वामी की लगभग ७ फुट ऊची विशाल प्रतिमा विराजमान हैं। और सामने श्री पार्श्वनाथ स्वामी की कायोत्सर्ग प्रतिमा ७ फुट ऊची है। चौथे दालान मे सैकडो दर्शनीय प्रतिमायें हैं। निकट मे ही मलप्रभा नदी के किनारे भी कई प्राचीन मन्दिर हैं।

बादामी पश्चिमी चालुक्य राजाओ की राजधानी रही है। इन राजाओ मे कई राजा जैन धर्मावलम्वी थे। और उन्होंने ही जैन मन्दिरो का निर्माण कराया था।

१७७ बावानगर (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र दक्षिण रेलवे की हुवली-शोलापुर वाली लाइन पर बीजापुर स्टेशन से लगभग १७ मील पर अवस्थित है। यहा एक प्राचीन दिगम्वर जैन मन्दिर है जिसमे एक हरितवर्ण पद्मासन १½ हाथ ऊची श्री पार्श्वनाथ स्वामी की अति मनोज्ञ सातिशय प्रतिमा विराजमान है। यहा के अतिशय के बारे मे लोकोक्ति है कि एक मुसलमान वादशाह ने इस मूर्ति वाले मदिर को विध्वस कर उसमे विराजमान सभी मूर्तियो को वावडी मे फिकवा दिया, परन्तु केवल इस प्रतिमा को खिलौने सदृश रखने के लिये साथ ले गया। वाद मे किसी समय वेगम के उदर शूल की पीडा उठी। जब वहुत इलाज से भी दर्द शात नही हुआ तो किसी पुरोहित को स्वप्न हुआ कि उपर्युक्त हरितवर्ण प्रतिमा का अभिषिक्त जलपान करने से शूल शात हो जावेगा। वैसा किया गया और वेगम का उदरशूल शात हो गया। इस वात से प्रभावित होकर

वादशाह ने उसी स्थान पर नवीन मन्दिर का निर्माण कर इस प्रतिमा को श्रद्धापूर्वक विराजमान किया। तभी से यह अतिशय क्षेत्र माना जाता है।

१७८ हुवली आरटाल (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिणी रेलवे पर हुवली जक्शन स्टेशन है। यहा ४ मन्दिर जी दर्शनीय हैं।

नगर से लगभग २४ मील दूरी पर आरटाल अतिशय क्षेत्र है। आवादी मे एक प्राचीन मन्दिर है। जिसमे भ० पार्श्वनाथ की सातिशय प्रतिमा है। इस मन्दिर को चालुक्य काल मे मुनि कनकचन्द्र के उपदेश से वीभसेट्टि ने निर्माण कराया था।

१७९ हैदरावाद–दक्षिण रेलवे पर यह ऐतिहासिक नगर स्थित है। यहा ६ मन्दिर वडे विशाल व कलापूर्ण है।

१८० हालेविद (हलेविड)–दक्षिण रेलवे की वगलौर सिटी पूना वाली लाइन पर वणावर स्टेशन से १८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसका प्राचीन नाम द्वार समुद्र है। यहा तीन मन्दिर है, प्रत्येक मन्दिर मे कसौटी पाषाण के १२, १२ थभे हैं। इन थभो पर खुदायी तथा नक्काशी की शिल्पकला दर्शनीय है। दो मन्दिरो मे भ० पार्श्वनाथ की १५-१५ फुट ऊची कृष्ण पाषाणमय प्रतिमाये विराजमान हैं। एक मूर्ति पर छत्र भी है और एक पर नहीं है।

१८१. मैसूर–यह ऐतिहासिक व मैसूर राज्य का मुख्य नगर दक्षिण रेलवे पर जक्शन स्टेशन है। यहा के भव्य व कलापूर्ण जैन मन्दिर दर्शनीय हैं।

१८२ वगलौर–दक्षिण रेलवे की मद्रास वगलौर लाइन पर मैसूर राज्य का यह प्रमुख नगर स्थित है।

यहा कई विशाल मन्दिर हैं। जिनमे प्राचीन मूर्तिया विराजमान हैं।

१८३. श्रवणवेलगोल (जैन वद्री)–यह सुविख्यात क्षेत्र दक्षिण रेलवे की मैसूर-आरसीकेरे लाइन पर हसन स्टेशन के पास हैं।

यह स्थान अत्यन्त प्राचीन काल से जैन साधुओ की तपोभूमि रहा है। राम-रावण काल के वने हुए जिनमदिर यहा पर एक समय मौजूद थे। अन्तिम श्रुतकेवली भद्रवाहु स्वामी उत्तर भारत मे दुष्काल पडने पर जैन सघ की रक्षा हेतु इस स्थान पर पधारे थे और तप किया था। यहा चन्द्रगिरि पर्वत पर उनके चरण चिह्न विराजमान है। यही उनका समाधि स्थान भी है। इसी स्थान पर मौर्य सम्राट चद्रगुप्त को भद्रवाहु स्वामी ने दीक्षा दी थी। यहा के लगभग ५०० शिलालेख प्राचीन जैन गौरव को प्रगट करते है।

श्रवणवेलगोल गाव के दोनो ओर दो पर्वत है (१) विध्यगिरि अथवा इन्द्र गिरि और (२) चन्द्रगिरि। गाव के वीच मे एक कल्याणी नामक झील है।

ओर बाहुबलि जी व उनके बडे भाई भरत का मन्दिर है। पास वाली चट्टान पर सिद्ध भगवान की मूर्तिया है जिसे 'सिद्ध बस्ती' कहते हैं।

चन्द्रगिरि पर्वत पर भी कई मन्दिर हैं। जो प्राचीन द्रविण शैली के हैं। सबसे प्राचीन मदिर आठवी शताब्दि का है। भद्रबाहु स्वामी के चरण चिह्न इसी स्थान पर हैं। दक्षिण द्वार से आगे मान स्तम्भ हैं। इसके निकट ही कई प्राचीन शिला लेख हैं।

मानस्तम्भ के पश्चिम की ओर भ० शातिनाथ का छोटा मदिर है। पूर्व मे महानवमी मडप है, व उत्तर मे भरत की अपूर्ण मूर्ति है। आगे श्री पार्श्वनाथ जी का मदिर है। और एक मानस्तम्भ है। निकट ही विष्णुवर्धन के सेनापति गगाराज द्वारा बनवाया गया विशाल मन्दिर 'कन्तले बस्ती' है जिसमे भगवान आदिनाथ स्वामी की मूर्ति विराजमान है।

यहा से चलकर 'चन्द्रगुप्त बस्ती' 'शासन बस्ती' 'मजिगराण बस्ती' 'सुपार्श्वनाथ बस्ती' तथा चामुण्डराय बस्ती 'एरकहुहे वस्ती', 'सवतिगधवारण बस्ती', 'बाहुबलि-वस्ती', 'शांतिश्वर वस्ती', 'ओरगल बस्ती,' 'भण्डारी वस्ती, 'अक्कन वस्ती,' 'सिद्धान्त बस्ती' व मगाई वस्ती, के मन्दिर दर्शनीय है।

इन सभी मदिरो मे चित्रकारी व प्राचीन शिलालेख इस स्थान के प्राचीन जैन गौरव को वतलाते हैं।

१८४ गोम्मटपुरा (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र मैसूर से लगभग २½ मील की दूरी पर स्थित है। इस ग्राम मे गोम्मटगिरि नामक एक छोटी सी पहाडी है जिसकी चोटी पर एक जीर्ण मन्दिर है। इस मन्दिर मे १५ फुट ऊची खड्गासन वाहुबलि स्वामी की एक अति मनोज्ञ प्रतिमा है जिस का प्रतिवर्ष यहा के निवासी तैलादि से अभिषेक करते हैं। कहा जाता है कि कुछ लोगो ने यहा पर बलिदान करने का विचार किया था, उसी समय वज्रघात ने पहाडी के दो टुकडे कर दिये। इससे भयभीत होकर उन्होने वलिदान का विचार त्याग दिया।

१८५ वेणूर (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे की मैसूर-आरसीकेरे लाइन पर हासन स्टेशन से थोडी दूर यह क्षेत्र अवस्थित है। यह जैनो का प्राचीन केन्द्र है। प्राचीन काल मे यहा अजलिरवश के राजाओ का राज्य था जो जैन मतावलम्वी थे। उनमे से वीर निम्मराज ने सन १६०४ मे बाहुबलि स्वामी की एक ३७ फुट ऊची खड्गासन प्रतिमा प्रतिष्ठित कराई थी और षस्टम तीर्थंकर शातिनाथ स्वामी का मन्दिर निर्माण कराया था। बाहुबलि स्वामी की मूर्ति गुरुपर नदी के किनारे विराजमान है। यहा के अन्य मदिरो मे सहस्रो प्राचीन मूर्तिया हैं।

१८६ श्री मूड विदुरे (मूडबद्री अतिशय क्षेत्र)—यह अतिशय क्षेत्र वेणूर से लगभग १२ मील की दूरी पर अवस्थित है। होयसल नरेशो के शासन काल मैं यहा जैन धर्म को राज सरक्षण प्राप्त था। यहा के प्रसिद्ध चौटावशी राजा जैन धर्मावलम्बी थे।

यहा २० मदिर हैं। कला की दृष्टि से सर्वोत्कृष्ट मदिर भगवान चद्रप्रभु स्वामी का है जो पीतल का ढला हुआ है। और मूलनायक चद्रप्रभु स्वामी की मूर्ति पचधातु की विराजमान है। यह प्रतिमा ५ गज ऊची अति मनोहर सुवर्णमयी प्रतीत होती है। मदिर जी का निर्माण सन १४२९ मे लगभग ९ करोड रुपये की लागत से हुआ था। यह चार खडो मे विभक्त है पहले खड मे मुख्य मदिर हैं। दूसरे खड मे सहस्त्रकूट चैत्यालय है

जिसमे १,००८ साचे मे ढली हुई प्रतिमाये हे। इस मदिर को 'त्रिभुवन-तिलक-चूणामणि' कहा गया है। सन १४४२ मे ईरान के व्यापारी अब्दुल रज्जाक ने इस मदिर को विश्व मे अद्वितीय कहा था।

अन्य मदिरो मे 'गुरू' और 'सिद्धात वस्ती' उल्लेखनीय है। सिद्धात वस्ती मे 'षट्खडागम सूत्रादि' सिद्धात ग्रथ तथा हीरा पन्ना आदि नवरत्नो की ३५ मूर्तिया विराजमान हैं।

'गुरु वस्ती' मे मूलनायक भ० पार्श्वनाथ स्वामी की आठ गज ऊची प्रतिमा है।

१८७ कारकल (अतिशय क्षेत्र)—मूडवद्री से १० मील दूर यह क्षेत्र है। यहा १२ प्राचीन दिगम्बर मदिर है। पूर्व की ओर एक छोटी सी पहाडी पर एक फलाग ऊपर चढने पर श्री बाहुबलि स्वामी की ४२ फुट ऊची प्रतिमा है। सन १४३२ मे कारकल नरेश वीर पाडय ने इस मूर्ति का निर्माण कराया था। यहा के भैरव ओडेयर वश के सभी राजा जैन मतावलम्बी थे। सान्तार वश के प्रसिद्ध महाराजधिराज लोकनाथरस के शासन काल मे सन १३३४ मे कुमुदचद भट्टारक के बनवाए भगवान शातिनाथ के मदिर को उनकी बहिनो व राज्याधिकारियो ने दान किया था। इम्मटिभैरव-राजा ने सन१५६८ मे यहा सामने छोटी पहाडी पर 'चतुर्मुखी वस्ती' नामक विशाल मदिर बनवाया था। इस मदिर के चारो दिशाओ मे दरवाजे हैं और चारो ओर १२ प्रतिमायें सात सात गज की विराजमान हैं। यहा से पश्चिम की ओर ११ कलापूर्ण मदिर बने हुऐ हैं।

१८८ वारग—कारकल से २४ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा कोट के भीतर नेमीश्वर-वस्ती नामक प्रसिद्ध मदिर है। इस क्षेत्र सम्बन्धी स्थल पुराण' व माहात्म्य [illegible] के मठ के स्वामी भट्टारक देवेंद्र कीर्ती जी के पास सुरक्षित है। यहा के निकट ही सरोवर मे स्थित मदिर को जलमदिर कहते हैं। जलमदिर मे चौमुखी प्रतिमा विराजमान है।

१८९ मद्रास—मध्य रेलवे की दिल्ली-मद्रास मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है। यहा से निकट श्री क्षेत्र पुन्नूर [illegible] मदिर दर्शनीय है।

१९० कांजीवरम (पल्लारंग)—[illegible] प्राचीन कोट [illegible] मदिर [illegible] दर्शनीय है।

१९१ हुम्मच पद्मावती (अतिशय क्षेत्र)—यहा कई मदिर हैं। जिनमे एक मदिर विशाल है और बहुत से स्तम्भो से विभूषित है। यहा पर बडी बडी गुफायें और प्रतिमाये हैं। यहा महाराजो की गद्दी भी है।

१९२ पेरुमडूर (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे की मद्रास बीच-धनुस्काडि लाइन पर तिंडिवनम् स्टेशन से लगभग ४ मील दूरी पर पेरुमडूर गाम है। ग्राम मे दो जैन मदिर हैं जिनमे सहस्त्राधिक मूर्तिया हैं। जब मेलापुर समुद्र मे डूबने लगा, तब उस स्थान की मूर्तियाँ लाकर यहा रखी गयी थी। यहा प्राचीन मदिर मे ताडपत्रो पर लिखित १५० शास्त्र हैं।

१९३ पोन्नूर-वदीवास (कुदकुदाश्रम अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त तिंडिवनम स्टेशन से लगभग २५ मील दूर पहाड की तलहटी मे यह ग्राम है। ग्राम में एक शिखर बद दिगम्बर मदिर है। पहाड पर एलाचार्य (कुदकुदाचार्य) के प्राचीन सातिशय चरण चिन्ह हैं। यह स्थान कुदकुद स्वामी की तपोभूमि है।

१९४ तिरुमलय (अतिशय क्षेत्र)—पोन्नूर से ६ मील दूरी पर १,००० फुट ऊचा तिरुमलय पर्वत है। तीन सौ फुट ऊचाई पर जाकर चार मदिर हैं जिनके आगे एक गुफा मे दो प्राचीन प्रतिमायें व भगवान ऋषभदेव के मुख्य गणधर वृषभसेन की चरणपादुका है। गुफा की चित्रकला दर्शनीय है। आगे चोटी पर तीन मदिर और हैं, यहा के शिलालेखो से प्रगट है कि यहा बडे बडे राजाओ द्वारा मदिर बनवाये गये थे और मुनिगण यहा तपस्या करते थे। यहा के कुदवई जिनालय को सूर्यवशी राजा महाराजा की पुत्री अथवा पाचवे चालुक्य राजा विक्रमादित्य की बडी बहिन ने बनवाया था। श्री परवादिमल्ल के शिष्य श्री अरिष्टनेमि आचार्य द्वारा स्थापित एक यक्षिणी की मूर्ति भी है। दहलान शिल्प कला युक्त है। इनके सामने दो और दालान हैं। जिनके मध्य मे पाच फुट ऊची श्री पार्श्वनाथ स्वामी की कायोत्सर्ग प्रतिमा विराजमान है। बडे दालान के सामने तीन मदिर है जिनकी चित्रकला दर्शनीय है। एक मे ब्रह्मा, दूसरे मे कुष्माण्ड देवी, तीसरे मे भगवान ऋषभ देव की प्रतिमा विराजमान है। भ० ऋषभदेव की प्रतिमा दो [illegible] को जमीन [illegible] प्राप्त हुई थी। बाद मे एक मुनिराज ने [illegible] [illegible] मदिर का निर्माण

करवाया और उसमे यह मूर्ति विराजमान की गई। यह क्षेत्र तभी से प्रसिद्ध है।

१९५ चितम्बूर–तिंडिवनम से १० मील वायव्यकोण मे यह स्थान है। यहा दो जैन मदिर हैं इनमे एक डेढ हजार वर्ष से पूर्व का है।

१९६ बिल्लुक–चित्तम्बूर से दो मील की दूरी पर यह ग्राम अवस्थित है। यहा १,००० वर्ष प्राचीन मदिर तथा सरोवर तट पर गुणसागर महाराज के चरण हैं।

१९७ पेराम्बूर–तिंडिवनम् से लगभग १५ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा एक प्राचीन शिखरयुक्त मदिर है जिसमे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की श्यामवर्ण ६ फुट ऊची मनोज्ञ प्रतिमा है।

१९८ बेल्लूर (अतिशय क्षेत्र)–पेराम्बूर से लगभग १० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा श्री वीरसेनाचार्य का समाधिस्थान है। एक मदिर जी मे उनके द्वारा श्रमणवेलगोल से लाई हुई पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा विराजमान है।

१९९ पुण्डी (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिण रेलवे की विल्लुपुरम-रेनीगुटा लाइन पर आरणी रोड स्टेशन से लगभग ३ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा एक विशाल प्राचीन मदिर है जिसके चारो ओर कोट है, अन्दर १६ स्तम्भा का दहलान।

२०० कुलपाक–मध्य रेलवे को वाडी-काजीपेट मुख्य लाइन पर अलीर स्टेशन से ४ मील दूर यह प्राचीन क्षेत्र अवस्थित है। यहा के मदिर मे भगवान ऋषभ देव की माणिकस्वामी, नामक प्रतिमा विराजमान है।

२०१ आस्टे (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिणी-पूर्वी रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर लाइन पर आलद से लगभग १६ मील दूर यह क्षेत्र है। यहा एक प्राचीन मदिर मे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की सातिशय प्रतिमा है, जो विघनहरण पार्श्वनाथ के नाम से भी प्रसिद्ध है।

विज्ञापन क्रमिका

न

प

ब

भ

म

य

र

ल

स

श

ह

—★—

निवेदन

इस डायरेक्टरी में यदि :–

- ★ कोई विवरण प्रकाशित होने से छूट गया है;
- ★ प्रकाशित विवरण अधूरा है;
- ★ प्रकाशित विवरण में त्रुटियां हैं;
- ★ प्रकाशित विवरण में कोई परिवर्तन हुआ है–

कृपया शीघ्र ही निम्नलिखित पते पर पूरा व सही विवरण भेजने का कष्ट करें।

विनीत :

मंत्री, जैन सभा

जैन निशी मंदिर, लेडी हार्डिंग रोड

नयी दिल्ली–१

REQUEST

In this Directory, If You Find That

- ★ **any information has been left out ;**
- ★ **the information given is incomplete ;**
- ★ **the information given is wrongly printed ;**
- ★ **the information given has undergone some change –**

Kindly Write to :

THE SECRETARY

JAIN SABHA

Jain Nishi Temple, Lady Hardinge Road

NEW DELHI-1

जैन सभा नयी दिल्ली

सदस्य-सूची

संरक्षक :

साहू शांती प्रसाद
६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
११ क्लाइव रो, कलकत्ता

साहू श्रेयास प्रसाद
६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
१५ ए हार्नीमन सर्किल,
फोर्ट, बम्बई

श्री लाल चन्द्र
कूचा सेठ, धर्मपुरा

सदस्य :

श्री अजीत प्रसाद
१ म्यूटिनी मेमोरियल रोड
रिटायर्ड अकाउटस आफीसर (नार्दन रेलवे)

श्री अमर चन्द्र
२९८१ कूचा नीलकठ, दरियागज (२२४०४९)
अंडर सेक्रेट्री, कृषि मत्रालय (३६५२१)

श्री आत्मवीर प्रसाद
६ बी, तिबिया कालेज क्वार्टर्स, करोल बाग
एड० एण्ड डि० प० डायरेक्टोरेट (४६५२४)

श्री अभिमन्यु कुमार
४ [illegible] लेन
अडर सेक्रेट्री, शिक्षा मत्रालय (३२४४३)

श्री [illegible] कुमार
[illegible] डी, [illegible] रोड
[illegible], डी ए जी (पी एण्ड टी.) (३२४१७१)

श्री आदीश्वर प्रसाद
१ डी, देव नगर (५४९१८)
से० आफीसर, यू. पी एस सी. (४०१९३)

श्री आनन्द प्रकाश
एड० आफीसर, सी. एस आई आर
नागपुर (म० प्र०)

श्री आनन्द राज सुराना
४१ सुन्दर नगर (७५८६२)
इडोयोरोपा ट्रेडिंग क० १३९०, चा०चौक(२२४३०७)

श्री ओम प्रकाश
२ टोडर मल स्क्वेअर
आफी० सुप०, आर्मी हेड० (३१०२३)

श्री इदर सेन
४६ हेस्टिंग्स स्क्वेअर
प्रेज़ीडेंटस प्रेस (३५३२१)

श्री उग्रसेन
मद्रास काफी हाउस, क० सर्कस (४८१६२)

श्री उग्रसेन
५३ डी, देव नगर
ए जी सी आर. (४२३८१)

श्री उग्रसेन
३२ हनुमान रोड (४६३४३)
एविनल्स [illegible], प० [illegible] (४५८४७)

श्री [illegible]
१०१ [illegible] रोड (४७३१८)
मै० [illegible], [illegible] रोड (४७३१८)

डा० कन्हैया लाल (के० एल० जैन)
१२ स्कूल लेन (४८११३)
१ डाक्टर्स लेन (४८१३८)

श्री कपूर चन्द
३ एलनवी रोड (४०६६२)
डि० सेक्रेट्री, डिफेंस मन्त्रा० (३२४२५)

श्री कश्मीरी लाल
४० एफ, कमला नगर
से० आफीसर, राज्य सभा सेक्रे० (३१३८१)

श्री काशी प्रसाद
२८ पटौदी हाउस, केनिंग लेन
रिसर्च आफी०, डिफेंस मन्त्रा० (३२४२८)

श्री किशन दयाल
३३-३५ मोडल बस्ती (५५६४४)
सुपरिटेंडेंट, एअर हेड० (३०१३१/२३१)

श्री कुन्दन लाल मादीपुरिया
मैं० उमरावसिंह कुन्दन लाल (२२०५१६)
कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार

श्री कुलवन्त राय गोयल
२ पार्क लेन
स्टाफ आफी०, डिफेंस (३२४०८)

श्री के० बी० लाल
४६ हेस्टिंग्स रोड
डिवीजन आफ बोटोनी, पूसा इस्टीच्यूट

श्री कैलाश चन्द
५/७२ वे० एक्स० एरिया, क० बाग (५२४२६)
एक्जी० इजी०, सी. पी डब्ल्यू डी (ज़ी ब्लाक) (३१६८३)

श्री कैलाश चन्द
११, शेरसिंह बिल्डिग, के ब्लाक,क० सर्कस (४५१०८)
न्यू इंडिया मोटर्स (प्रा०) लि०, सिंदिया हाउस (४७७२७)

श्री कैलाश चन्द
२७, क्लाइव स्कवेअर,
खाद्य मन्त्रालय (३५३११/६६)

श्री कैलाश चन्द
७५, जैन मन्दिर, राजा बाजार
प्रावीज़न डीलर

श्री कोमल चन्द्र सोधिया
बी-३१, पडारा रोड
अडर सेक्रेट्री, अर्थ मन्त्रा० (४७८३०)

श्री गेंदामल विलायती राम
८१० कनाट सर्कस (४६१८४)

श्री गेंदामल हेमराज
११ रीगल बिल्डिग (४७६५१)

श्री गोकुल प्रसाद
४६५७/२१, दरियागज,
विधि मन्त्रा०, पी ब्लाक (३६३१६)

श्री चक्रेश कुमार
~~३८ सी, बेअर्ड रोड~~ १२ लेडी हार्डिंग रोड,
लोक सभा सेक्रेटेरियट, पार्लियामेट हाउस (३१८६७)

श्री चन्द्र किरण
२४/६५ इबेटसन रोड चेमरीज़
से० आफी०, सी पी. डब्ल्यू डी

श्री छुन्नू मल
१२ लेडी हार्डिंग रोड
अशोका मार्केटिंग लि०, पार्लि० स्ट्रीट (४५६१३)

श्री जगत नारायन
१४ फौच स्कवेअर (४४१५६)
अडर सेक्रेट्री, प्ला० कमी० (३६२२०)

श्री जगदीश चन्द्र
ई १०, ग्रीन पार्क

श्री जगदीश शरण
सी-II/१०७ मोती बाग (३६४२६)
डिप्टी सेक्रेटी, इर्री० एण्ड पा० मन्त्रा० (३२७३१)

श्री जगमदर सिंह
३४ गौतम नगर
कामर्स एण्ड इडस्ट्री मन्त्रा०, उद्योग भवन (३३२८३)

श्री जम्बू प्रसाद
४८ डी, राजा बाजार
अ० अकाउटस आफी०, ए जी सी. आर (४२३४१)

श्री जय कुमार
१ वी, बगला साहब लेन
मे० आफीसर, सूचना व प्र० मत्रा० (३६७६८)

श्री जय कुमार
एक्स ३३२, सरोजिनी नगर
माइटि० एण्ड कल्चरल अ० मत्रा० (३६५७८)

श्री जय चन्द
५ ओल्ड मिल रोड
चावडी बाजार (२२७३३४)

श्री जय देव
३६ डिप्टी गज
सुपरिटेंडेंट, डिफेंस मत्रा० (३२२८६)

श्री जय प्रकाश
२३ अहिल्याबाई रोड
इस्ट्रक्टर, मेके० ट्रेनिंग स्कूल, जनपथ (४४१८३)

श्री जानकी दास
७६ रनजीत सिंह रोड
ए जी सी. आर. (४२३४१)

श्री जिनेन्द्र प्रसाद
४ टोडरमल रोड (४०६५६)
मैं० शाम लाल एण्ड सस, चावडी बाजार (२२६७३५)

श्री जीत मल
जैन मन्दिर, राजा बाजार

श्री जुगमन्दर दास
४६ बी, इर्विन रोड (४७६१०)
[illegible], सूचना व प्र० मत्रा० (३२५५७)

श्री जे० सी० पारिख
जे. सी पारिख एण्ड क०,
६ एफ, [illegible] (४३३५५)

श्री [illegible] प्रसाद
[illegible], करोल बाग

श्री जोती प्रसाद
१०२ ए, मोडल बस्ती (२२३२३३)
असि० एडजू० जनरल (रिटायर्ड)

श्री जग बहादुर
डी-II/२३ नार्थ आफ सफदर जंग
स्टाफ आफीसर, आर्मी हेड० (३५७६१)

श्री टीकम चन्द्र
जैन मन्दिर, राजा बाजार,
पुनीत राम छदम्मी लाल, ३ लेडी हार्डिंग रोड

श्री टेक चन्द्र
१२-ई, बेअर्ड रोड
आइरन एण्ड स्टील मत्रा० उद्योग भवन
(३४२४१/२५)

श्री दीप चन्द
३३८ जोशी रोड, करोल बाग
जैन फ्लोर मिल, ४६ गोल मार्केट

श्री धर्मकिशोर
७/३८ डा० सचदेव लेन, दरियागज (२२७६०८)
११५ सेंट्रल रेवेन्यूज वि० (४५५५६)

श्री नरेन्द्र कुमार
२२ फीरोजशाह रोड
काट्रेक्टर

श्री नरेन्द्र कुमार
५५५६ बस्ती हर्फूनसिंह
कृपि मन्त्रालय

श्री नरेन्द्र सेन
१०ए/२३ शक्ति नगर
यू पी. एस सी (४०१६१)

श्री नरेश चन्द्र
२२ हेग स्क्वेयर
[illegible] (डिफेंस)

श्री [illegible]
१८-बी/२८ देव नगर, करोल बाग ([illegible])
[illegible]
[illegible]

श्री नेम चन्द
२४ फौच स्कवेग्रर
से० ग्राफी०, ग्रर्थ मन्त्रा० (४२५४८)

श्री नेम चन्द
७४/२ गली नाई वाली, क० बाग
डि० डिवी० मैनेजर, स्टेट ट्रे० का० (४२४६३)

श्री नन्द लाल
जैन मदिर, राजा बाजार

श्री पदम सेन
४३ जाफ्री स्केवग्रर
स्टाफ ग्राफी०, एग्रर हेड० (३०१३१)

श्री परषोत्तम दास
१३ महादेव रोड
ग्राफीसर ग्रान स्पे० ड्यूटी, डी जी. एस एण्ड डी (४००२६)

डा० पी सी. जयना
१६ वावर रोड (४०४८८)
डेंटल स्पे०, फाउन्टेन (२२५२७३)

श्री पीताम्वर दास
३७ तुर्कमान रोड
एडवोकेट, २६७ दरीबा (२२५६५५)

श्री प्यारे लाल
जैन काटेज, ६ रामा पार्क, ग्रोल्ड रोहतक रोड
प्रोफेसर, वाई. डब्ल्यू. सी. ए (४८१५३)

श्री प्रकाश चन्द
७ क्लाइव स्केवग्रर

श्री प्रकाश चन्द्र
३८४-ई, देव नगर
कामर्स एण्ड इड० मत्रा० (३४६०१/६४)

श्री प्रताप वहादुर
३-डी कोटला रोड (४३८२१)
डि० डायक्रेटर, रेलवे वोर्ड (३४२१४)

श्री प्रद्युम्न कुमार
१७ कार्नवालिस स्केवग्रर
से० ग्राफी०, डब्ल्यू एच एस मत्रा (३११२५/२३६)

श्री प्रभू दयाल गुप्ता
३४ सी, इर्विन रोड
स्टाफ ग्राफी०, डिफेंस (३१३४४)

श्री प्रेम चन्द्र
१४७-१४८ ई, कमला नगर
पजाव ने० बैंक, रीगल विल्डिग (४७८७७)

श्री प्रेम चन्द
२३/१७० लोदी कालोनी
ग्राफी० सुप०, नेवल हेड० (३३५२६)

श्री प्रेम सागर
७६ रनजीत सिंह रोड
सुपरिटेंडेंट, ए. जी सी. ग्रार. (४२३४१)

श्री वजरग लाल
कट्रोलर जनरल मिलि० एका०, जवलपुर

श्री बनवारी लाल
४८ फौच स्केवग्रर
ग्रर्थ मत्रालय (डिफेंस डिवी०)

श्री बलद राज
झब्बूमल कालोनी, मोडल बस्ती
(फिलिमस्तान सिनेमा के पीछे)
ग्रसि० मिलिटरी सेक्रेट्री (रिटा०) ग्रार्मी हेड०

श्री बलवीर चन्द्र
३६-वाई, चित्रगुप्त रोड
खाद्य मत्रालय (फाइनेंस) (३६१६३)

श्री विशम्भर दयाल
४१ रनजीत सिंह रोड
ग्राफी० सुप०, एग्रर हेड० (३२४८३)

श्री विशभर दयाल
वी-२२४ लक्ष्मीवाई नगर
से० ग्राफी०, शिक्षा मत्रा० (३३६७१)

श्री वी० वी० कपासी
वी ५ पडारा रोड (४८४३६)
जर्नलिस्ट

श्री वीर दमन
टब्ल्यू-२६ ग्रीनपार्क
सी० पी० डब्ल्यू० डी०

श्री भगत राम
३०२३ वहादुरगढ रोड (२२८६४८)
जयपुर उद्योग लि०, पार्लि० स्ट्रीट (४३५६१)

श्री मगन चन्द
लड्डू घाटी, पहाड़गज
कट्रेक्टर

श्री मदन मोहन
एच ६५ साउथ एक्सटेंशन
अडर सेक्रेट्री, सा० रि० एण्ड क० अफै० (४६०१६)

श्री मदन लाल
जैन मन्दिर, राजा वाजार
मदन लाल जैन एण्ड क०, टेलर्स, राजा वाजार

श्री मन मोहन वीर सिंह
३३ एक्स, चित्रगुप्त रोड
ने० आफीसर, सूचना व प्र० मन्त्रा० (३६८६०)

श्री मनोहर लाल
५४०५ लड्डू घाटी, पहाड़गज
इन्स्टी० चार्टर्ड एका० (४७०३१)

श्री महावीर प्रसाद
३०/४३ वे० एक्स० एरिया, क० बाग (५५४८२)
आफी० सुप०, आर्मी हेड० (३२५६६)

श्री महेन्द्र प्रसाद (एम. पी जैन)
डी II/२०४ काका नगर
अ० एजु० एडवाइजर, शिक्षा मन्त्रा० (३६४१५)

श्री महीपाल
४४० ई देव नगर
[illegible] पी० एण्ड टी० (४०१६१)

श्री [illegible] कुमार
[illegible] लोदी कालोनी
[illegible]

श्री महेन्द्र कुमार
३३ ई वेअर्ड लेन
से० आफीसर, राज्य सभा सेक्रे० (३१८४०)

श्री मानिक चन्द्र
१३११ दैदवाडा
लोक सभा सेक्रेटेरियट (३२५२८)

श्री माम चन्द
डाक्टर्स लेन
श्रीजी फ्लोर मिल्स, गोल मार्केट

श्री माम चन्द
६५ जैन मन्दिर, राजा वाजार (४४८१३)
कट्रेक्टर

श्री मित्तर सेन
६६ ई राजा वाजार
सुपरिटेंडेंट, एअर हेड० (३०१३१/२५२)

श्री मुकंद लाल
कन्फैक्शनर, कनाट प्लेस

श्री मुनीन्द्र कुमार
डी २/६ माडल टाउन, माल रोड
स० सम्पादक, आई. सी. ए. आर. (३०१६१)

श्री मुन्नी लाल
५८६४/५० वस्ती हर्फूल सिंह
डिवी० आफिस (L I. C) आसफ अली रोड

श्री मेहर चन्द
३३८ धार्नसिंह नगर, आनन्द पर्वत
शिक्षा मन्त्रालय (३३६७१/५४)

श्री मोती राम
३८२ गली कन्हैया लाल अनार
[illegible], चावड़ी बाजार
स० [illegible] आफीसर, सूचना व प्रसा० मन्त्रा०
([illegible])

श्री मदन लाल
[illegible]
[illegible] एजेंसी (४१०८१)

श्री आर आर जयना
१०२ वैरन रोड
नेशनल बि० आ०, जनपथ (४२५२२)

श्री रवि चन्द्र कुमार
२१२ ई देव नगर
सुप०, सी. ए ओ, डिफेंस

श्री राकेश
२ सी/१० रोहतक रोड,
सम्पादक, समाज कल्याण (४८८७८)

श्री राज कुमार
११ फौच स्केवअर
सी पी. डब्ल्यू डी (३४४८१/९७)

श्री राजाराम
३८ सी वेअर्ड रोड
प्रा० सेक्रेट्री टू ज्वा० एजू० एड०, शिक्षा मंत्रालय (३२७९२)

श्री राजेन्द्र कुमार
२२ सुन्दर नगर (७५९६५)
आर जी- गोवन एण्ड क०, ५८ जनपथ (४५८२८)

श्री राजेन्द्र कुमार
सी ४३ जगपुरा
डि० डायरेक्टर, सी डब्ल्यू पी सी (४०६८१)

श्री राजेन्द्र कुमार
१४ फोच स्केवअर (४४१५९)
सें० सो० वे० वोर्ड (४७९५७)

श्री राम कवर
३०२० गली चूडिया, मसजिद खजूर
से० आफीसर, स्टेट आफिस (३१२३७)

श्री राम चन्द्र
१३ पार्क लेन
स्टाफ आफी०, आर्मी हैड० (३१३४२)

श्री राम चन्द्र
ए-२५८ पडारा रोड (४३९३७)
वेल्यूएशन आफी०. रिहैबी० मत्रा० (४५२०५)

श्री राम प्रसाद
५६ डी फौच स्केवअर
लाइफ इन्स्योरेंस कार्पो० एच ब्लाक, क० सर्कस (४७४५८)

श्री राम बहादुर
ए-२१/८४ लोदी कालोनी
अडर सेक्रेट्री, हेल्थ मत्रा० (३६३१९)

श्री रामेश्वर दास
७० सी वेअर्ड रोड
ऐड० आफीसर, सी ए औज़ आफिस (३१०९१)

श्री वकील चन्द
५३ ई राजा बाजार
अर्थ मत्रालय (३५७४१)

श्री विजय कुमार
चाहरहट
गृह मत्रालय (४५४६७)

श्री विमल चन्द्र
२ वाई चित्रगुप्त रोड
ई. टी. ओ, जामनगर हाउस (४५४१३)

श्री विलायती राम
४५० ई देव नगर
अर्थ मत्रालय, मैनेजर, को० स्टोर्स (३५७२७)

श्री शकर लाल
१७ जी, मीरदर्द रोड
हेड क्लर्क, नार्दन रेलवे, (रिटा०)

श्री शकर लाल
१ म्यूटिनी मेमो० रोड (४४५२५)
सुखानद शकर लाल, खारी वावली (२२५३६४)

लाला शाम लाल
४, टोडर मल रोड (४०९५९)
महावीर प्रसाद एण्ड सन्स
चावडी बाजार (२२६७३५)

श्री शांति कुमार
१७/१२/१९ अतुलग्रोव चेम्बरीज़
मेटरोली० डिपा० (७४२४१/४४) लोदी रोड

श्री शांति प्रकाश
जैन स्टूडियो, कनाट प्लेस

श्री शांति प्रसाद (एम० पी० जैन)
मोरी गेट
जैन बुक एजेंसी, कनाट प्लेस (४०६२६)

श्री शांति सागर
भोगल रोड, जगपुरा (७४६४४)
खाद्य मन्त्रा० (३५३११/६)

श्री शिवदयाल सिंह
८ टैम्पिल लेन
इन्स्ट्रक्टर, सेक्रेटेरियट ट्रेनिंग स्कूल, जनपथ (४३४१०)

श्री शिवनाथ मित्तल
ए-८ नेताजी नगर (७२५२६)
अ० प्रि० इन्फ० आफीसर, पी आई बी (४५८२७)

श्री शीतल प्रसाद
६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
११ क्लाइव रो, कलकत्ता

श्री शीतल प्रसाद
२२ डी करोल बाग, देव नगर
अण्डर सेक्रेट्री, शिक्षा मन्त्रालय (३४६६०)

श्री शुभ चन्द्र
ऊपरवाला कुआ, करोल बाग
एडवोकेट, ७ जनपथ (४७८५७)

श्री शुभ चन्द्र
बी-II/८०६ लोदी कालोनी
आफी० सुप०, डिफेंस

श्री [illegible]
२७ हनुमान रोड (४६३४३)
एडिशनल डाईरे०, ५६, डी प० लेन (४५८४७)

श्री सज्जन मल दूगड़
४८०६/२४ [illegible] रोड, दरियागंज (२२६६८०)
[illegible] आफीसर पे० ना० एट० (३६६१८)

श्री [illegible] कुमार
११ ई राजा बाजार
कृषि मन्त्रालय (३३८४१/२८)

श्री सरदारी लाल
ए-३ ग्रीन पार्क
से० आफीसर (रिटा०), एक्सटर्नल एफैयर्स मन्त्रा०

श्री सीताराम
पहाडी धीरज
यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया, कनाट सर्कस (४२५५३)

श्री सुखमाल चन्द्र
२० सी बेअर्ड रोड
स्टाफ आफी०, आर्मी हेड० (३२२३५)

श्री सुखेन्द्र लाल
बी १८/३५० लोदी कालोनी
स्टाफ आफी०, डिफेंस (३३००७)

श्री सुमत प्रसाद
ए- ५५/जी लक्ष्मीबाई नगर
इन्कमटैक्स आफीसर (४२६६०)

श्री सुमत प्रसाद
४३-डी राजा बाजार
आर्मी हेड० (३३१०८)

श्री सुमेर चन्द
१२६ सम्मन बाजार, जगपुरा

श्री सुमेर चन्द्र
डी-II/२४६, विनय मार्ग
अंडर सेक्रेट्री, ट्रान्स० एण्ड कम्यू० म० (३२१११)

श्री सुरेन्द्र कुमार
६५ जैन मंदिर, राजा बाजार,
एड्रेक्टर (४४८१३)

श्री सुरेन्द्र नाथ
१६ टावर स्क्वेयर
[illegible] मन्त्रालय (रेलेन्द्र)

श्री सुरेन्द्र वीर सिंह
३३ [illegible] रोड
[illegible], [illegible]
[illegible] (६६५८४)

श्री सुल्तान सिंह
१६ दरियागज (२२८३४६)
मास्टर साठे एण्ड कोठारी,
कनाट सर्कस (४७४८६)

श्री सत लाल
२०५ जोर बाग (७४७०६)
डि० डायरेक्टर, रेलवे बोर्ड (रिटा०)
ओ. एस. डी , हिन्दुस्तान स्टील लि०, हीनू (राची)

श्री हुकम चन्द
१७/१२/१६ अतुलग्रोव चमरीज़
इस्पेक्टर, जी पी ओ. (२२६३४४) (२२८१२०)

डा० हेम चन्द्र
११/३ पचकुइया रोड (४५२०४)
रिटा० सर्जन, नार्दन रेलवे

श्री हेम चन्द्र
मुल्तानी ढाडा
इलेक्ट्रीकल डीलर्स

श्री हेम चन्द्र
२२ फीरोजशाह रोड
मद्रास काफी हाउस ५/६० कनाट सर्कस (४८१६८)

श्री होश्यार सिंह
१५ फायरब्रिगेड लेन
स्टा० आफीसर, एअर हेड० (३०१३१)

श्री हस कुमार
२७ हेवलाक स्कवेअर
स्टाफ आफीसर, आर्मी हेड० (३१२५५)

श्री हस राज
अ० कट्रोलर, चीफ कट्रो० प्रि०
एण्ड स्टेशनरी (४२२६१)
४६ सी मातासुन्दरी रोड

श्री त्रिलोक चन्द्र
एफ २ ग्रीन पार्क
असि० डायरेक्टर, रेलवे बोर्ड, रेल भवन (३५८२४)

—✶—